









एमएमटीसी
लि मि टे ड
MMTC
LIMITED
भारत सरकार का उपक्रम
A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE
*touching lives, adding value*

# एमएमटीसी लिमिटेड

## 63 वीं

## वार्षिक रिपोर्ट

## 2025 - 26



एमएमटीसी
लि मि टे ड
MMTC
LIMITED
भारत सरकार का उपक्रम
A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE
*touching lives, adding value*

पंजीकृत कार्यालयः
कोर–1, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, इंस्टीट्यूशनल एरिया
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
(सीआईएनः **L51909DL1963FO1004033**)

# निदेशक मंडल

❖ **मुख्य प्रबन्ध निदेशक और कार्यात्मक निदेशक**

1. श्री नितिन कुमार यादव, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (28.04.2025 से)
2. श्री जतिंदरजीत सिंह मान, निदेशक (मार्केटिंग) (12.02.2026 से)
3. श्री कुंदन कुमार मिश्रा, निदेशक (वित्त) (03.08.2026 से)
4. सुश्री अनूपा एस. नायर, निदेशक (वित्त), (09.06.2026 तक)
5. श्री जे. रवि शंकर, निदेशक (मार्केटिंग) (31.07.2025 तक)
6. श्री कपिल कुमार गुप्ता, निदेशक (वित्त) (31.05.2025 तक)
7. श्री हरदीप सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (26.04.2025 तक)

❖ **सरकारी नामित निदेशक**

1. श्री ए.के.एम. कश्यप, उप महानिदेशक, एमओसीएंडआई (16.12.2025 से)
2. सुश्री निगार फातिमा हुसैन, एएसएंडएफए, एमओसीएंडआई (07.05.2026 से)
3. श्री असित गोपाल, एसएसएंडएफए, कपड़ा मंत्रालय (27.01.2026 से 28.04.2026 तक)
4. श्रीमती आरती भटनागर, एसएसएंडएफए, एमओसीएंडआई (26.09.2025 तक)
5. श्रीमती ऐश्वर्या सिंह, जेएस, डीओसी (22.09.2025 तक)

❖ **गैर–सरकारी स्वतंत्र निदेशक**

1. श्री श्रीनिवास राव मद्दी (09.06.2026 तक)
2. श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी (08.06.2026 तक)
3. श्री नबारुण नायक (02.08.2026 तक)
4. श्री दिनेश दुबे (24.04.2026 तक)

❖ **कंपनी सचिव**

श्री अजय कुमार मिश्रा

❖ **रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट**

एमसीएस शेयर ट्रांसफर एजेंट लिमिटेड 179-180, तीसरी मंजिल,
ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज–1 नई दिल्ली–110020
दूरभाषः 011-41406150, ई–मेलः admin@mcsregistrars.com

❖ **बैंकर**

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कंसोर्टियम लीडर)

❖ **सांविधिक लेखा परीक्षक**

मैसर्स दिनेश जैन एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
ए–115, विकास मार्ग, दूसरी मंजिल
शकरपुर, दिल्ली 110092
ईमेल: dkjain440@gmail.com

❖ **सचिवीय लेखा परीक्षक**

मैसर्स ब्लेक एंड कंपनी
कंपनी सचिव
मुख्य कार्यालय : 3 एफसीएस – 08 (तीसरी मंजिल)
अंसल प्लाजा, वैशाली दिल्ली एनसीआर–201010
मोबाईल : 9990573703
ईमेल : globizassociates@gmail.com



# विषय सूची


- कॉर्पोरेट मिशन/कॉर्पोरेट उद्देश्य 01
- अध्यक्ष का वक्तव्य 02
- निदेशकों की रिपोर्ट 03–13
- प्रबंधन वार्ता एवं विश्लेषण रिपोर्ट 14–15
- वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए सीएसआर गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट 16–17
- कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर रिपोर्ट 18–37
- वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए व्यवसाय दायित्व और सतत् रिपोर्ट 38–68
- सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट तथा उस पर प्रबंधन का उत्तर 69–79
- भारत के सी एंड ए जी की टिप्पणियाँ 80–82
- दशक एक नजर में 83–89
- सांविधिक लेखा परीक्षा की रिपोर्ट तथा उस पर प्रबंधन का उत्तर 90–112
- एमएमटीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरण 113–168
- समेकित वित्तीय विवरण 169–245
- लेखा परीक्षक 246
- एमएमटीसी कार्यालय 247

# कॉरपोरेट मिशन

भारत की सबसे बड़ी व्यापारिक कंपनी एवं एशिया की एक प्रमुख व्यापारिक कंपनी के रूप में एमएमटीसी का लक्ष्य है कि अपने शेयरहोल्डरों, ग्राहकों, आपूर्तिकारों, कर्मचारियों और समाज की संपूर्ण संतुष्टि के साथ साथ अपने सभी कार्यकलापों में उत्कृष्टता और अधिकतम लाभ अर्जन करने, सतत एवं व्यवहार्य वृद्धि दर प्राप्त करते हुए अपनी स्थिति को और बेहतर बनाए।

# कंपनी के उद्देश्य

- विश्व स्तर पर व्याप्त व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के वातावरण में कार्यशील रहते हुए, विशेषकर थोक व्यापार (बल्क) के क्षेत्र में विशिष्टता प्राप्त कर स्वयं को एक अग्रणी अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक कंपनी के रूप में स्थापित कर नियोजित पूंजी से मिलने वाले रिटर्न में सुधार करना।
- खनिजों, धातुओं तथा बहुमूल्य धातु जैसे उत्पादों के व्यवसाय में देश की एकमात्र विशालतम कंपनी के स्थान को बनाए रखना।
- सभी श्रेणी के ग्राहकों को प्रोफेशनलिज्म और दक्षता के साथ उच्च गुवत्ता की सेवाएं उपलब्ध कराना।
- मध्यम एवं लघु स्तर के उद्योगों को सहायक सेवाएं उपलब्ध करवाना।
- वाणिज्यिक विवादों के निपटान के लिए कंपनी के भीतर कारगर व्यवस्था स्थापित करना ।
- व्यवसाय से संबंधित आधारभूत संरचना का विकास करना।

# अध्यक्ष का वक्तव्य



प्रिय शेयरधारकगण,

मैं वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए कंपनी की 63वीं वार्षिक आम बैठक में बोर्ड के सदस्यों की ओर से आप सभी का स्वागत करता हूँ।

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसरण में, कंपनी की वार्षिक आम बैठक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित की जा रही है।

निदेशकों की रिपोर्ट, प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट, सीजी रिपोर्ट, बीआरएसआर रिपोर्ट और 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लेखापरीक्षित लेखों सहित वार्षिक रिपोर्ट की एक प्रति, लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ, उन पर प्रबंधन के उत्तर आदि बैठक की सूचना के साथ पहले ही वितरित कर दी गई है। आपकी अनुमति से, मैं इन्हें पढ़ा हुआ मानता हूँ।

कंपनी वर्तमान में सरकार के आदेशानुसार व्यावसायिक गतिविधियाँ नहीं कर रही है। वर्ष 2025–26 के दौरान, आपकी कंपनी ने 212.07 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो गैर–व्यापारिक गतिविधियों से उत्पन्न हुआ है. मुख्यतः पूर्ववर्ती संयुक्त उद्यम कंपनी एनआईएनएल के विनिवेश से प्राप्त धनराशि को बैंकों में जमा करके अर्जित ब्याज और संयुक्त उद्यम कंपनी एमएमटीसी पीएएमपी से प्राप्त लाभांश आय से मिला है।

मैं भारत सरकार, विशेष रूप से वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, दीपम, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी), राज्य सरकारों, लेखा परीक्षकों, विक्रेताओं और अन्य प्राधिकरणों एवं एजेंसियों के प्रति उनके अटूट सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। आपके दृढ़ और निरंतर सहयोग ने हमारी स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मैं अपने साथी बोर्ड सदस्यों को कंपनी के संचालन में उनके अमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। साथ ही, हमारे निवेशकों, शेयरधारकों और कर्मचारियों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ। मैं आपके विश्वास और समर्थन के लिए दिल से आभारी हूँ। आपका विश्वास हमारे लिए सर्वोपरि है और हम अपने समर्पित प्रयासों से इसे बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एक बार फिर, मैं सभी हितधारकों को हमारी कंपनी में उनके विश्वास और भरोसे के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूं।

ह./–
**नितिन कुमार यादव**
**अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक**
**(अतिरिक्त प्रभार)**



# निदेशकों की रिपोर्ट 2025-26

# निदेशकों की रिपोर्ट

सेवा में,

सदस्यों
एमएमटीसी लिमिटेड
नई दिल्ली

निदेशक मंडल ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी की वीं वार्षिक रिपोर्ट रिपोर्ट और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा लेखा पर टिप्पणियों के साथ कंपनी के लेखा का लेखा परीक्षित विवरण प्रस्तुत किया।

**परिचालन परिणाम**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के निर्देश और निदेशक मंडल की मंजूरी के अनुपालन में, एमएमटीसी ने 2025–26 के दौरान कोई व्यावसायिक गतिविधि नहीं की। हालाँकि, कंपनी ने अपने वैधानिक दायित्वों को पूरा करना जारी रखा और कंपनी के खाते चालू आधार पर तैयार किए गए।

एमएमटीसी की मुख्य आय का स्रोत इसकी संयुक्त उद्यम कंपनी से प्राप्त ब्याज आय और लाभांश आय है।

वर्ष 2024–25 के दौरान पंजीकृत कंपनी ने परिचालन से 2.69 करोड़ रुपये के मुकाबले 3.41 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया, कंपनी ने 69.53 करोड़ रुपये के मुकाबले 212.07 करोड़ रुपये का लाभ कर के पश्चात पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान रिपोर्ट किया गया। यह मुख्य रूप से कंपनी के कर्मचारियों की कुल संख्या में कमी के कारण अन्य आय में वृद्धि और स्थापना लागत में कमी के कारण था। हालांकि, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के निर्देश के अनुपालन में अप्रैल 2022 से एमएमटीसी द्वारा व्यावसायिक गतिविधियों को रोकने के कारण 2025–26 के दौरान कोई व्यापारिक आय नहीं थी।

2025–26 के दौरान कंपनी का प्रदर्शन नीचे दिया गया है:–

| | (करोड़ रुपये में) | |
|---|---|---|
| | **2025-26** | 2024-25 |
| उत्पादों की बिक्री | **3.41** | 2.69 |
| **संचालन से कुल राजस्व** | **3.41** | 2.69 |
| बिक्री की लागत | **1.47** | 1.10 |
| **परिचालन से कुल राजस्व** | **1.94** | 1.59 |
| जोड़ें: लाभांश और अन्य आय | **43.01** | 118.20 |
| कम: स्थापना और प्रशासनिक ओवरहेड्स, आदि। | **104.54** | 140.24 |
| कम: ऋण/दावे बट्टे खाते डाले गए | **75.49** | 0.01 |
| कम: संदेहास्पद ऋणों/दावों/अग्रिमोंधनिवेशों के लिए प्रावधान | **3.56** | - |
| **लाभ ब्याज, मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय और करों से पहले** | **(138.64)** | (20.46) |
| कम: भुगतान किया गया ब्याज (शुद्ध) (भुगतान किया गया ब्याज ऋण अर्जित ब्याज घटाकर) | **(133.38)** | (136.50) |
| **लाभ यह मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय और करों से पहले** | **(5.26)** | 116.04 |
| कम: मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय | **5.14** | 4.51 |
| कम: असाधारण वस्तुएँ | **(473.70)** | 14.33 |
| **करों से पहले लाभ** | **463.30** | 97.20 |
| कम: वर्तमान करों का प्रावधान | **89.04** | 23.49 |
| कम: आस्थगित करों का प्रावधान | **162.19** | 4.18 |
| **लाभ यह करों के बाद** | **212.07** | 69.53 |
| जोड़ें: पिछले वर्ष से लाया गया शेष | **667.18** | 597.65 |
| **शेष** | | |
| अन्य व्यापक आय की वस्तुएं जो सीधे प्रतिधारण आय में पहचानी जाती हैं | | |
| प्रतिधारण आय में सीधे मान्यता प्राप्त वस्तुएं | - | - |
| लाभांश और लाभांश कर | - | - |
| विनियोग: | | |
| सामान्य रिजर्व | - | - |
| आगे ले जाने के लिए शेष राशि छोड़ना | **879.25** | 667.18 |

**प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट इस रिपोर्ट के अनुलग्नक–I के रूप में संलग्न है। लेखा परीक्षक / सीएजी रिपोर्ट** में प्रबंधन के उत्तर और खातों के नोट्स के साथ कंपनी के वित्तीय मामलों को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण जानकारी होती है।

**इक्विटी शेयर पूंजी**

वर्ष के दौरान कंपनी की इक्विटी पूंजी में कोई बदलाव नहीं हुआ है। 31.03.2026 को 1 रुपये के अंकित मूल्य वाले 150 करोड़ इक्विटी शेयरों के साथ कंपनी की प्रदत्त इक्विटी 150 करोड़ रुपये थी।

**लाभांश**

निदेशक मंडल ने इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2025–26 के लिए किसी लाभांश की सिफारिश नहीं की है कि एमएमटीसी का मुख्य नकद प्रवाह ब्याज आय से है और आकस्मिक सहित देनदारियां उपलब्ध नकद शेष से अधिक हैं। इसके अलावा, डीओसी और आई के निर्देशानुसार व्यावसायिक गतिविधियां बंद कर दी गई हैं और डीआईपीएएम द्वारा छूट दी गई है।

**आरक्षित**

1 अप्रैल, 2025 को आपकी कंपनी के रिजर्व और अधिशेष में 1264.15 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध थी। 31 मार्च, 2026 को आपकी कंपनी के 'आरक्षित और अधिशेष' में 1476.22 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध है।

**विदेशी मुद्रा आय और व्यय**

2025–26 के दौरान आपकी कंपनी की विदेशी मुद्रा आय और व्यय शून्य है।

**सहायक कंपनी**

एमटीपीएल, सिंगापुर, माननीय उच्च न्यायालय, सिंगापुर के 27.10.2023 को आयोजित परिसमापन सुनवाई के आदेश के अनुसार, मेसर्स डेलॉइट और टच एलएलपी सिंगापुर को कंपनी (एमएमटीसी ट्रांसनैशनल प्राइवेट लिमिटेड) के संयुक्त और कई परिसमापकों के रूप में नियुक्त किया गया है। सिंगापुर गणराज्य के माननीय उच्च न्यायालय ने एमटीपीएल के खिलाफ समापन आदेश पारित किया।

इस प्रकार, एमटीपीएल का नियंत्रण परिसमापक द्वारा ले लिया गया है और 31.03.2026 को समाप्त होने वाले वर्ष और तिमाही के लिए इसके वित्तीय मामलों के बारे में एमएमटीसी का कोई इनपुट नहीं है।

एमटीसी ने सिंगापुर स्थित एमटीपीएल में वित्तीय अनियमितताओं और धोखाधड़ी के संबंध में सीबीआई के समक्ष 04.10.2023 की शिकायत दर्ज कराई थी। सीबीआई ने 03.04.2024 को प्रारंभिक जांच और 15.10.2024 को मामले में नियमित मामला दर्ज किया। मामले की जांच सीबीआई कर रही है।

**परियोजनाएं / संयुक्त उद्यम**

पिछले वर्षों में स्थापित ऐसे जेवी की वर्तमान स्थिति पर एक संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

(I) आपकी कंपनी ने "यूनाइटेड स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड" के नाम और शैली के तहत करेंसी फ्यूचर्स एक्सचेंज की इक्विटी में भाग लिया था, जिसका "बीएसई लिमिटेड" (बीएसई) के साथ विलय हो गया था, जिसमें आपकी कंपनी वर्तमान में बीएसई में 2 रुपये के मूल्य के 3,50,649 (बोनस निर्गम के बाद) इक्विटी शेयर रखती है। वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान, एमएमटीसी को बीएसई लिमिटेड से 23/– रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 26,88,309 रुपये का लाभांश प्राप्त हुआ है।

(ii) एमएमटीसी–पीएएमपी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एमएमटीसी लिमिटेड और स्विट्जरलैंड के पीएएमपी वेंचर्स एसए के बीच एक संयुक्त उद्यम कंपनी, एक कीमती धातुओं की प्रसंस्करण सुविधा का संचालन करती है। जेवी में एमएमटीसी की हिस्सेदारी 26% है। वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान संयुक्त उद्यम ने 79,66,520.45 लाख रुपये का कारोबार और 66,702.61 लाख रुपये का लाभ (कर पश्चात) अर्जित किया। वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए जेवी से 63.70 रुपये प्रति शेयर का लाभांश प्राप्त हुआ है।

(iii) कंपनी ने एमएमटीसी लिमिटेड – 26%, एसआईसीएल लॉजिस्टिक लिमिटेड (एसएलएल) – 63% और एलएंडटी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (एलएंडटी आईडीपीएल) – 11% के बीच एक संयुक्त उद्यम, सीकल आयरन ओर टर्मिनल लिमिटेड (एसआईओटीएल) में 26% इक्विटी के लिए 33.80 करोड़ रुपये (पीवाई 33.80 करोड़ रुपये) का कामराजा पोर्ट लिमिटेड (केपीएल) (पूर्व में एन्नोर पोर्ट ट्रस्ट), तमिलनाडु में लौह अयस्क टर्मिनल के निर्माण और संचालन के लिए निवेश किया था। टर्मिनल का निर्माण नवंबर 2010 तक पूरा हो गया था। कर्नाटक राज्य में बेल्लारी–होस्पेट सेक्टर से लौह अयस्क की अनुपलब्धता और सरकार द्वारा निर्यात के लिए लौह अयस्क के खनन/आवागमन पर प्रतिबंध के कारण मेसर्स एसआईओटीएल वाणिज्यिक परिचालन शुरू नहीं कर सका। लौह अयस्क के निर्यात के अनिश्चित भविष्य और बनाए गए बुनियादी ढांचे का उपयोग करने के लिए, कामराज पोर्ट लिमिटेड (केपीएल) ने सामान्य उपयोगकर्ता कोयले को संभालने के लिए सुविधा में संशोधन करने की सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया। चूंकि कोयले का एमएमटीसी के तत्कालीन मौजूदा व्यवसाय के साथ तालमेल नहीं था, इसलिए सितंबर 2016 में, एमएमटीसी बोर्ड ने जेवी से बाहर निकलने का फैसला किया।

एमएमटीसी ने एसआईओटीएल में अपनी पूरी 26% इक्विटी की बिक्री के लिए ऑनलाइन निविदा के माध्यम से बोलियां आमंत्रित कीं, हालांकि कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई।

मार्च 2021 और मार्च 2022 में, एनसीएलटी द्वारा क्रमशः मेसर्स एसएलएल और जेवी कंपनी मेसर्स एसआईओटीएल के खिलाफ कॉर्पोरेट दिवालियापन समाधान की कार्यवाही शुरू की गई थी। एमएमटीसी ने एसपीए के आधार पर बकाया शेयर बिक्री प्रतिफल के लिए एसएलएल के कॉर्पोरेट दिवालियापन समाधान लाभ एसएलएल के साथ 34.26 करोड़ रुपये का दावा दर्ज किया।

एनसीएलटी, दिनांक 08.12.2022 के आदेश के अनुसार एसएलएल की समाधान योजना को मंजूरी दे दी है और सफल समाधान हेतु आवेदक को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा एनसीएलटी ने दिनांक 23तक जून 23 के अपने आदेश के माध्यम से सिकल आयरन ओर टर्मिनल लिमिटेड (एसआईओटीएल) के संबंध में परिसमापन प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है और तदनुसार इसके लिए परिसमापक नियुक्त किया है। एमएमटीसी अपने निवेश की वसूली के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ काम कर रहा है और एसआईओटीएल के मामले में परिसमापक को फॉर्म एफ के तहत दावा प्रपत्र प्रस्तुत किया है, जिसकी प्रतिक्रिया का इंतजार है।

(iv) भारत में मुक्त व्यापार भण्डारण क्षेत्र की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए, जैसा कि एक्जिम नीति में घोषित किया गया है, एमएमटीसी और आईएलएंडएफएस ने 2004–05 में फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड के नाम से एसपीवी की स्थापना की। इक्विटी एमएमटीसी और आईएलएंडएफएस के बीच 50:50 के आधार पर रखी गई है। फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग (पी) लिमिटेड (एफटीडब्ल्यूपीएल) की दो 100% स्वामित्व वाली सहायक कंपनियां, अर्थात् कांडला फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग (पी) लिमिटेड (केएफटीडब्ल्यूपीएल) और हल्दिया फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग (पी) लिमिटेड (एचएफटीडब्ल्यूपीएल) की स्थापना क्रमशः कांडला और हल्दिया में भूमि बैंकों के प्रशासन के लिए की गई थी।

प्रवर्तकों की वित्तीय स्थिति और परियोजना के विकास के लिए पर्याप्त धन निवेश की आवश्यकता को देखते हुए, प्रवर्तकों द्वारा परियोजना से बाहर निकलने का निर्णय लिया गया।

तदनुसार, कांडला में भूमि को 2020 में परियोजना विकास प्राधिकरण को सौंप दिया गया है। कांडला फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्रा. लि. (केएफटीडब्ल्यूपीएल) ने कंपनी को बंद करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 271(ए)। इस संबंध में केएफटीडब्ल्यूपीएल और पीएआरटीपीएल ने अपनी–अपनी ईजीएम में 02.07.2025 को पारित किया है और केएफटीडब्ल्यूपीएल का समापन आवेदन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 271ए के तहत प्रमोटरों द्वारा एनसीएलटी के समक्ष दायर किया गया है और मामला एनसीएलटी के समक्ष लंबित है।

हल्दिया भूमि के संबंध में, स्थानीय किसानों ने 2015 में भूमि अधिग्रहण को चुनौती देते हुए हल्दिया विकास प्राधिकरण (एचएडी) के खिलाफ याचिका दायर की थी और कलकत्ता के माननीय उच्च न्यायालय द्वारा रोक लगाई गई थी। लंबे समय तक मुकदमेबाजी और रोक नहीं हटाए जाने के कारण, प्रवर्तकों ने हल्दिया विकास प्राधिकरण (एचडीए) को जमीन सौंपने का फैसला किया। तदनुसार मार्च 2020 में, भूमि को समर्पित करने के संबंध में पत्र लिखा गया था और हल्दिया फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड (एचएफटीडब्ल्यूपीएल) लीज किराए के आनुपातिक अग्रिम प्रीमियम की वापसी के लिए एचडीए के साथ अनुवर्ती कार्रवाई कर रहा है, अर्थात लगभग 32 करोड़ रुपये (उपयोग किए गए प्रीमियम के बाद), लेकिन आज तक एचडीए द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है और जवाब अभी भी लीज किराए के आनुपातिक अग्रिम प्रीमियम की वापसी की प्रतीक्षा कर रहा है।

(v) एमएमटीसी द्वारा मार्च, 2007 में कर्नाटक के गजेंद्रगढ़ में लगभग 68.5 करोड़ों रुपये की कुल लागत से 25 पवन ऊर्जा जनरेटरों के साथ 15 मेगावाट क्षमता की पवन चक्की परियोजना स्थापित की गई थी। यह परियोजना कर्नाटक राज्य सरकार से 2007 में 30 वर्षों की अवधि के लिए पट्टे पर ली गई 31 एकड़ भूमि पर फैली हुई है। इस परियोजना द्वारा उत्पादित बिजली को कर्नाटक सरकार के उपक्रम हुबली इलेक्ट्रिसिटी कंपनी लिमिटेड (एचईएससीओएम) को जुलाई 2007 में 20–वर्षों की पावर परचेज एग्रीमेंट के तहत बेचा जाता है। यह परियोजना सफलतापूर्वक चल रही है और कर्नाटक राज्य की कुछ बिजली की जरूरतों को पूरा करके क्षेत्र के विकास में योगदान दिया है।

कंपनी ने कर्नाटक के गजेंद्रगढ़ में पवन चक्की फॉर्म द्वारा उत्पादित पवन ऊर्जा की बिक्री से वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान 2.63 करोड़ रुपये का कारोबार अर्जित किया।

एचईएससीओएम के साथ विद्युत क्रय समझौता मार्च 2027 में समाप्त हो रहा है और तदनुसार, कंपनी इस परियोजना को अगले 5–10 वर्षों तक चलाने की संभावनाओं की खोज कर रही है और एचईएससीओएम के साथ क्रय समझौते के नवीनीकरण के लिए अनुमोदन प्राप्त करने के लिए प्रयास कर रही है।

(vi) एनआईएनएल का विनिवेश 04.07.2022 को पूरा कर लिया गया है। 911.16 करोड़ रुपये की राशि रोक दी गई और इसे आकस्मिक देनदारियों के लिए ब्याज वाले एस्क्रो खाते में रखा गया, जिसमें से 82.96 करोड़ रुपये का निपटान 25.04.2023 को किया गया। 828.20 करोड़ रुपये की शेष राशि एफडी में रखी गई थी। इसके बाद यह एफडी 04.07.2024 को परिपक्व हुई और इसमें से 32.35 करोड़ रुपये (एमएमटीसी की 17.19 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी) गैर–कर देयता से संबंधित गैर–कर देयता के लिए 2 साल की प्रतिधारण अवधि 03.07.2024 को पूरी होने के बाद जारी की गई और कोई दावा प्राप्त नहीं हुआ। एमएमटीसी को 04.07.2024 को 17.19 करोड़ रुपये का हिस्सा प्राप्त हुआ। 795.85 करोड़ रुपये की शेष राशि को एक वर्ष की अवधि के लिए एफडी में रखा गया था, जो 04.07.2025 को परिपक्व हो रही थी। 828.20 करोड़ रुपये की एफडी पर अर्जित ब्याज से संबंधित 09.07.2024 करोड़ रुपये (टीडीएस के साथ) की राशि प्राप्त हुई है।

इसके अलावा 1.11 करोड़ रुपये की निपटान राशि (एनआईएनएल / बिक्री कर प्राधिकरण को भुगतान किया गया) को समायोजित करने के बाद 10.52 करोड़ रुपये की एमएमटीसी की हिस्सेदारी 18.09.2024 को एमएमटीसी के खाते में जमा की गई। दिनांक 04.07.2024 से दिनांक 18.09.2024 की अवधि के लिए ब्याज से संबंधित 20.09.2024 पर 122.75 करोड़ रुपये के लिए एफडी की पूर्व परिपक्वता पर 0.64 करोड़ रुपये (टीडीएस के साथ) की राशि प्राप्त हुई है।

774.94 करोड़ रुपये की शेष राशि को एफडी में रखा गया था जो 04.07.2025 को परिपक्व हुआ था और एनआईएनएल में उनके इक्विटी योगदान के अनुपात में सभी विक्रय शेयरधारकों को आवंटित किया गया था क्योंकि प्रतिधारण अवधि के दौरान कोई देनदारी सघन नहीं हुई थी। एमएमटीसी को 04.07.2025 को 411.76 करोड़ रुपये (मूलधन) और 25.75 करोड़ रुपये (टीडीएस के शुद्ध ब्याज) का हिस्सा प्राप्त हुआ है और कुल प्राप्त राशि 437.51 करोड़ रुपये है।

इसके अलावा, दिनांक 04.07.2025 को 3 वर्ष की परिसीमा अवधि की समाप्ति के मद्देनजर, एनआईएनएल से अब तक कुछ भी देय / प्राप्य नहीं है।

### औद्योगिक संबंध और मानव संसाधन प्रबंधन

वर्ष के दौरान आपकी कंपनी में सौहार्दपूर्ण औद्योगिक संबंध बनाए रखे गए। वर्ष के दौरान किसी भी औद्योगिक अशांति के कारण कोई भी मैन डे बर्बाद नहीं हुआ। इसके अलावा, कंपनी के लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए फेडरेशन ऑफ ऑफिसर्स एसोसिएशन / स्टाफ यूनियनों / एससी एंड एसटी एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें आयोजित की गईं।

31 मार्च, 2026 को आपकी कंपनी की कुल जनशक्ति 245 थी, जिसमें 1 निदेशक (विपणन), 1 सीवीओ, 127 अधिकारी और 116 कर्मचारी शामिल थे। जनशक्ति में एमआईसीए (पूर्ववर्ती माईका ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड) के 09 कर्मचारी / श्रमिक भी शामिल हैं, जिसे बीआईएफआर के आदेशों के अनुसार आपकी कंपनी के साथ विलय कर दिया गया था।

कुल जनशक्ति का समग्र प्रतिनिधित्व है – कुल जनशक्ति का 20.00: (49 कर्मचारी) महिला कर्मचारीय एससी, एसटी, ओबीसी और बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति (पीडब्ल्यूबीडी) क्रमशः 22.45: (55 कर्मचारी), 10.20: (25 कर्मचारी), 15.51: (38 कर्मचारी) और 3.67: (9 कर्मचारी) हैं।

### आरक्षण नीति का कार्यान्वयन

आपकी कंपनी अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) और भूतपूर्व सैनिकों के लिए सेवाओं में आरक्षण के संबंध में भारत सरकार द्वारा समय–समय पर जारी किए गए राष्ट्रपति के निर्देशों और अन्य निर्देशोंदिशानिर्देशों का अनुपालन कर रही है। एससीएसटीओबीसी से संबंधित कर्मचारियों के प्रतिनिधित्व को दर्शाने वाला एक विवरण निम्नानुसार है:

| 31.03.2026 तक महिला / एससी / एसटी / ओबीसी / दिव्यांग कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| समूह | कर्मचारियों की कुल संख्या | महिला कर्मचारियों का विवरण | | एससी कर्मचारियों का विवरण | | एसटी कर्मचारियों का विवरण | | ओबीसी कर्मचारियों का विवरण | | दिव्यांग कर्मचारियों का विवरण | |
| | | संख्या | प्रतिशत | संख्या | प्रतिशत | संख्या | प्रतिशत | संख्या | प्रतिशत | संख्या | प्रतिशत |
| ए | 129 | 27 | 20.93 | 30 | 23.26 | 9 | 6.98 | 22 | 17.05 | 8 | 6.20 |
| बी | 58 | 21 | 36.21 | 11 | 18.97 | 10 | 17.24 | 1 | 1.72 | 1 | 1.72 |
| सी | 27 | 1 | 3.70 | 4 | 14.81 | 1 | 3.70 | 10 | 37.04 | 0 | 0.00 |
| डी | 31 | 0 | 0.00 | 10 | 32.26 | 5 | 16.13 | 5 | 16.13 | 0 | 0.00 |
| **कुल** | **245** | **49** | **20.00** | **55** | **22.45** | **25** | **10.20** | **38** | **15.51** | **9** | **3.67** |

| 2025-26 के दौरान एससी / एसटी की पदोन्नति | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| समूह | कुल पदोन्नति | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जाति का प्रतिशत | अनुसूचित जन जाति | अनुसूचित जन जाति का प्रतिशत |
| ए | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| बी | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| सी | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| डी | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **कुल** | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |

### प्रशिक्षण एवं विकास

लगातार बदलते व्यावसायिक परिदृश्य में कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाने / उन्नत करने के लिए, वर्ष के दौरान कंपनी की गतिविधियों के विभिन्न क्षेत्रों में 16 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। आयोजित प्रशिक्षण हस्तक्षेपों में कार्यात्मक और व्यवहारिक दोनों प्रशिक्षण शामिल थे।

प्रशिक्षण का विवरण व्यावसायिक जवाबदेही और स्थिरता रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया है, जिसे इस रिपोर्ट के अनुलग्नक–V में संलग्न किया गया है।

### राजभाषा नीति का क्रियान्वयन

आपकी कंपनी भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2025–26 के दौरान कंपनी ने राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निरंतर प्रयास किए। राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों को पूरा करने के लिए, कॉर्पोरेट कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की नियमित बैठकों में चर्चा की गई और बैठकों में लिए गए निर्णयों को प्रभावी ढंग से लागू किया गया। कंपनी के कर्मचारियों द्वारा आधिकारिक भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कॉर्पोरेट कार्यालय और सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में हिंदी कार्यशालाएं, हिंदी दिवस / सप्ताह / पखवाड़ा आदि का आयोजन किया गया था। साथ ही, कर्मचारियों / अधिकारियों को राजभाषा से संबंधित उपकरणों के बारे में व्यक्तिगत रूप से अवगत कराया गया ताकि वे अपना काम हिंदी में बेहतर तरीके से कर सकें।

वर्ष के दौरान, राजभाषा कार्यान्वयन की अन्य वस्तुओं के साथ, एमएमटीसी की हिंदी वेबसाइट को अंग्रेजी के अनुरूप नियमित रूप से अपडेट किया गया था।

### कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और सतत विकास

आपकी कंपनी की सीएसआर नीति कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 और कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित सीएसआर नियमों के अनुरूप है और सीएसआर परियोजनाएं कंपनी अधिनियम की धारा 135 के संदर्भ में की गई हैं। सीएसआर नीति कंपनी की वेबसाइट पर द्विभाषी रूप में होस्ट की गई है।

आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष 2022–23, वित्त वर्ष 2023–24 और वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान परिचालन घाटा किया। तदनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 198 के अनुसार गणना किया गया सीएसआर बजट, अर्थात पिछले 3 वर्षों के औसत शुद्ध लाभ का 2% नकारात्मक था। इसलिए, वर्ष 2025–26 के लिए निदेशक मंडल द्वारा कोई वार्षिक सीएसआर बजट स्वीकृत नहीं किया गया था इस तरह, वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान कोई नई सीएसआर परियोजना नहीं की गई थी।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अनुसार, पिछले तीन वित्तीय वर्षों के औसत शुद्ध घाटे के कारण कंपनी को वर्ष 2025–26 के लिए सीएसआर बजट आवंटित करने का आदेश नहीं दिया गया था। इसके अलावा, प्रशासनिक मंत्रालय के निर्देश के अनुसार, एमएमटीसी कोई व्यावसायिक गतिविधि नहीं कर रहा है। इस प्रकार, वर्ष 2025–26 के दौरान कोई सीएसआर गतिविधि नहीं की गई थी।

कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के अनुसार निर्धारित प्रारूप में एमएमटीसी की सीएसआर गतिविधियों पर रिपोर्ट इस रिपोर्ट के साथ अनुलग्नक–2 के रूप में संलग्न है।

**कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत प्रकटीकरण**

आपकी कंपनी ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 की आवश्यकताओं के अनुरूप एक नीति लागू की है। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के संबंध में प्राप्त शिकायतों के निवारण के लिए कॉर्पोरेट कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की स्थापना की गई है। सभी कर्मचारी (स्थायी, संविदा, अस्थायी, प्रशिक्षु) इस नीति के तहत आते हैं।

**उपरोक्त अधिनियम के तहत वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई।** इसके अलावा, कंपनी (खाता) दूसरा संशोधन नियम, 2025 में हालिया संशोधन के अनुसार, जो 14 जुलाई, 2025 को प्रभावी हुआ, कंपनियों को अब प्राप्त यौन उत्पीड़न की शिकायतों की संख्या, निपटान और 90 दिनों से अधिक समय से लंबित मामलों की रिपोर्ट करना आवश्यक होगा।

नीचे प्राप्त शिकायतों, निपटाए गए और 90 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों की सूची दी गई है।

| क्रमांक संख्या | वर्ष में प्राप्त शिकायतों की संख्या | वर्ष में निपटाई गयी शिकायतों की संख्या | 90 दिनों से अधिक समय से लंबित मामलों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 0 | 0 | 0 | 0 |

**मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 से संबंधित प्रावधानों के तहत प्रकटीकरण**

कंपनी (खाता) दूसरा संशोधन नियम, 2025 में हालिया संशोधन के अनुसार, 14 जुलाई, 2025 से प्रभावी है। कंपनियों को मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 के अनुपालन की पुष्टि करने वाला एक बयान प्रकट करना आवश्यक है।

यह घोषित किया जाता है कि एमएमटीसी लिमिटेड ने मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 के प्रावधानों का अनुपालन किया है। मातृत्व लाभ से संबंधित वियरण वित्त वर्ष 2025–26 के लिए बीआरएसआर रिपोर्ट में दिया गया है, जिसे इस रिपोर्ट के अनुलग्नक– वी के रूप में संलग्न किया गया है।

**सूचना का अधिकार**

पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए, सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के तहत नागरिकों को जानकारी प्रदान करने के लिए कंपनी में एक उपयुक्त तंत्र स्थापित किया गया है। इस उद्देश्य के लिए, कंपनी ने आरटीआई अधिनियम के अनुरूप, कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली और देश भर में अपने प्रतिनिधि कार्यालयों में अपने डिवीजनों के लिए केंद्रीय लोक सूचना अधिकारियों (सीपीआईओ) को नामित किया है। जनता की सुविधा के लिए एक समन्वय सीपीआईओ भी नामित किया गया है। सीपीआईओ के आदेशों के खिलाफ सूचना मांगने वालों की अपील पर विचार करने के लिए प्रथम अपीलीय प्राधिकरणों को भी नामित किया गया है।

वर्ष के दौरान, आरटीआई अधिनियम की धारा 6(3) के तहत सीधे / कुल 44 आरटीआई आवेदन प्राप्त किए गए और सभी आरटीआई का निपटारा कर दिया गया है। इसके अलावा, एफएए द्वारा कुल 12 प्रथम अपीलें प्राप्त हुईं, जिनका निपटारा भी कर दिया गया। आपकी कंपनी ने आरटीआई अधिनियम 2005 की धारा–4 में निर्धारित प्रावधानों के संदर्भ में सार्वजनिक डोमेन (www.mmtclimited.com) पर किए जाने वाले स्वैच्छिक प्रकटीकरण का श्स्व–मूल्यांकन ऑडिट भी किया है और इसे सीआईसी द्वारा तीसरे पक्ष के ऑडिट और अंतिम मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत किया गया है।

**ऊर्जा का संरक्षण**

वर्ष 2025–26 के दौरान आपकी कंपनी के एमआईसीए समूह में कोई गतिविधि नहीं थी। इसलिए, कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8 (3) के अनुसार, कंपनी के पास इस शीर्ष के तहत रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

**सतर्कता**

सरकारी निर्देशों के अनुसार, वित्त वर्ष 2021–22 से कंपनी में सभी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियों को बंद कर दिया गया है। तदनुसार, कंपनी में किसी भी व्यवसाय / व्यापारिक संचालन के अभाव में, एमएमटीसी के सतर्कता प्रभाग ने आम उपयोगकर्ता वस्तुओं की जीईएम खरीद, संपदा / प्रशासन गतिविधियों जैसी इन–हाउस गतिविधियों से संबंधित प्रणालियों और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए निवारक सतर्कता गतिविधियों और व्यवस्थित सुधार उपायों, उच्च मूल्य के कानूनी मामलों / मुकदमेबाजी प्रबंधन के जवाब में अंतराल की पहचान करने, सीवीसी शिकायतों के लिए समय पर प्रतिक्रिया और संरचित क्षमता निर्माण पहल आदि पर महत्वपूर्ण जोर दिया।

2. वर्ष के दौरान, कुल 07 गैर–पीआईडीपीआई शिकायतों (02 सीवीसी और 05 गैर–सीवीसी) की जांच की गई और सभी शिकायतों का निपटारा किया गया और सीवीसी शिकायतों के लिए सीएमएस पोर्टल पर प्रतिक्रिया अपलोड की गई।

3. वर्ष के दौरान, सीवीसी दिशानिर्देशों के अनुसार, तिमाही संरचनात्मक बैठकें अप्रैल–जून' 25, जुलाई–सितंबर' 25, अक्टूबर–दिसंबर' 25 और जनवरी–मार्च' 2026 की तिमाहियों के दौरान संगठन के प्रमुख (सीएमडी) के साथ आयोजित की गईं, जिसके दौरान विभागीय कार्यवाही और विभिन्न निवारक सतर्कता पहलों सहित संभाली गई शिकायतों की स्थिति के बारे में जानकारी दी गई और सीएमडी के परिणाम / सलाह को अनुवर्ती कार्रवाई के लिए संबंधित डिवीजनों को सूचित किया गया।

4. वर्ष के दौरान, 18 वीओ रिपोर्टों की जांच की गई, 04 आश्चर्यजनक निरीक्षण और 05 सीटीई–प्रकार के निरीक्षण किए गए और संबंधित विभागों को सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव दिया गया। 136 सतर्कता मंजूरी (वीसी) मामलों (पासपोर्टध्वीजा, सुपरएनुएशन, प्रतिनियुक्ति, इस्तीफा आदि के लिए) को संसाधित किया गया। कुल 59 वार्षिक संपत्ति रिटर्न (एपीआर) की जांच की गई, जो सीवीसी द्वारा निर्धारित अनिवार्य लक्ष्यों का अनुपालन करते थे। ई–5 ग्रेड (डीजीएम) और उससे ऊपर के सभी अधिकारियों के सतर्कता लाभ आईएलईएस को हर महीने डीओपीटी – सॉल्व पोर्टल पर अपडेट किया गया और वाणिज्य विभाग को समय सीमा के भीतर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। 12 मासिक रिपोर्ट, 4 त्रैमासिक रिपोर्ट, 1 वार्षिक रिपोर्ट डिओसी को प्रस्तुत की गई। इसके अलावा, वर्ष के दौरान सीवीसी को 4 क्यूपीआर और 4 सीटीई–टाइप क्यूपीआर प्रस्तुत किए गए।

5. विदेशी सहायक कंपनी में वित्तीय अनियमितताओं के मामले में, सतर्कता प्रभाग के ठोस प्रयासों के कारण, एफएसए को दिसंबर 2024 में सीवीसी जारी किया गया था और विभागीय जांच की कार्यवाही शुरू की गई थी और समाप्त हो गई थी, जिसके परिणामस्वरूप मार्च 2026 में आरोपित अधिकारी (01 मामला) पर बड़ा जुर्माना लगाया गया था। तदनुसार, सीवीसी के एफएसए का अनुपालन किया गया और निपटारा कर दिया गया।

6. सतर्कता प्रभाग सक्रिय समर्थन दे रहा है और चल रहे आपराधिक मामलों के संबंध में सीबीआई अधिकारियों को समय पर प्रतिक्रिया देने की व्यवस्था कर रहा है।

7. वीएडब्ल्यू–2025 पर सीवीसी के निर्देशों के अनुरूप, 03 महीने की अभियान अवधि (18.08.2025–17.11.2025) के दौरान, फोकस क्षेत्रों में कई निवारक सतर्कता गतिविधियां (i) लंबित शिकायतों का निपटान (ii) लंबित मामलों का निपटान (iii) क्षमता निर्माण कार्यक्रम (iv) परिसंपत्ति प्रबंधन और (v) डिजिटल पहल, प्रणालियों और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए की गईं।

8. लंबित शिकायतों का निपटान, ई–अखंडता प्रतिज्ञा, सतर्कता जागरूकताध्क्षमता निर्माण कार्यक्रम, आउटरीच मोड में ज्ञान साझाकरण कार्यक्रम, कर्मचारियों के लिए निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, एफए रजिस्टरों की जांच और प्रणालीगत सुधार उपाय आदि जैसी गतिविधियां। किए गए और अनुपालन रिपोर्ट समय पर सीवीसी को सौंपी गई। सीवीसी दिशानिर्देशों के अनुपालन में, कर्मचारियों को आईगॉटकर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर विभिन्न पाठ्यक्रमों को करने के लिए प्रोत्साहित किया गया और 03 महीने की अभियान अवधि के दौरान, कुल 127 कर्मचारियों ने आईगॉट पाठ्यक्रमों का उपभोग किया। सीवीओ के मार्गदर्शन में, कुल सं। एमएमटीसी में हाइब्रिड मोड में एमएमटीसी ईसीडीए नियम, सेवानिवृत्ति लाभ, साइबर सुरक्षा, सार्वजनिक जीवन में नैतिकता आदि जैसे विषयों पर 07 निवारक सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा, एमएमटीसी सतर्कता दल द्वारा एसटीसी, ईआईसी, आईआईएफटी और डब्ल्यूडीआर में 10 आउटरीच निवारक सतर्कता कार्यक्रम / जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए गए। यह उल्लेख करना भी प्रासंगिक है कि सीवीसी द्वारा मास्टर ट्रेनर के रूप में नामित जीएम (सतर्कता), एमएमटीसी ने जांच और रिपोर्ट, आरोप पत्र तैयार करने और सीटीई प्रकार की गहन परीक्षा आयोजित करने के क्षेत्रों में एस टी ई और अन्य सार्वजनिक प्राधिकरणों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए

9. अंतिम सूची (सूचियों) और ओडीआई सूची के अंतिम रूप के संबंध में अनिवार्य अनुपालन, डीओपीटी सॉल्व, क्यूपीआर की ऑनलाइन प्रस्तुति, सीटीई–प्रकार क्यूपीआर, आयोग द्वारा भेजी गई शिकायतों के जवाब में सीएमएस पोर्टल पर एटीआर को अपडेट करना, सभी का अनुपालन समयबद्ध तरीके से किया गया है, मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुरूप और सीवीसी / डिओसी को प्रस्तुत रिपोर्ट।

### सतर्कता तंत्र

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 177 के प्रावधानों के अनुसार, आपकी कंपनी के बोर्ड ने 2014 में शविजिल तंत्र पर एक योजना शुरू की। निदेशकों और कर्मचारियों को अपनी वास्तविक चिंताओं की रिपोर्ट करने के लिए निगरानी तंत्र स्थापित किया गया है। यदि कोई चिंता है, तो किसी भी कर्मचारी / निदेशक से ऑडिट समिति के अध्यक्ष को संबोधित किया जाएगा। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान ऐसी कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। यह तंत्र पहले से लागू व्हिसल ब्लोअर नीति के अतिरिक्त है।

### निगम अभिशासन

कॉर्पोरेट गवर्नेंस व्यावसायिक समुदाय के लिए कुशल, प्रतिस्पर्धी और सफल उद्यम बनने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभरा है। आपकी कंपनी निरंतर विकास, सर्वोत्तम कॉर्पोरेट प्रशासन प्रथाओं को अपनाने और उनके प्रति समर्पण में अपना दृढ़ विश्वास रखती है। इस उद्देश्य के लिए, कंपनी अधिनियम, 2013, सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 और सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा इस संबंध में जारी सीपीएसई के लिए लागू दिशानिर्देशों के तहत निर्धारित मानदंडों को नियमित रूप से लागू किया जा रहा है। कंपनी के पास सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के तहत आवश्यक न्यूनतम संख्या में स्वतंत्र निदेशक नहीं हैं, जिसके लिए स्टॉक एक्सचेंजों ने एमएमटीसी पर जुर्माना लगाया है। हालाँकि, उन्हें समझाया गया है कि स्वतंत्र निदेशकों सहित निदेशकों की नियुक्ति प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा की जाती है। स्टॉक एक्सचेंजों को अभी तक कोई जुर्माना नहीं दिया गया है।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर एक अलग रिपोर्ट इस रिपोर्ट के साथ एनेक्स– के रूप में संलग्न है। और कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर अनुपालन प्रमाण पत्र, मेसर्स बीएलएके एंड कंपनी (सीपी संख्या 11714), को इस रिपोर्ट के एनेक्स–IV के रूप में सूचीबद्ध विनियमों में निर्दिष्ट किया गया है। यह उल्लेख किया जा सकता है कि कंपनी ने सीपीएसई के लिए लागू सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा निर्धारित सीजी मानदंडों का अनुपालन किया है और सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस के दिशानिर्देशों के अनुपालन पर त्रैमासिक रिपोर्ट नियमित रूप से भेजी जाती है।

### आचार संहिता

सूचीकरण विनियमों के विनियम 15(5) के अनुसार, बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों पर लागू आचार संहिता आपकी कंपनी की वेबसाइट पर पोस्ट की गई है। 31 मार्च, 2026 को सभी बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों को, जिनके लिए उक्त संहिता लागू है, ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त अवधि के लिए इसके अनुपालन की पुष्टि की है। बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों से प्राप्त पुष्टि के आधार पर, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक द्वारा आचार संहिता के अनुपालन के संबंध में घोषणा नीचे दी गई है:

### सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 और कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई के दिशानिर्देशों के तहत आवश्यक घोषणा

बोर्ड के सभी सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के "बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों के लिए व्यापार आचरण और नैतिकता संहिता" के अनुपालन की पुष्टि की है

हस्ता. / –

**नितिन कुमार यादव**
**अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक**
**डीआईएनः 03104045**

## व्यावसायिक जिम्मेदारी और स्थिरता रिपोर्ट

सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 34(2) के प्रावधानों के अनुसार, आपकी कंपनी ने वर्ष 2025–26 के लिए वार्षिक रिपोर्ट में शामिल करने के लिए बिजनेस रिस्पांसिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट तैयार की है। सेबी द्वारा सुझाए गए ढांचे और सिद्धांतों का उद्देश्य सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित पर्यावरण, सामाजिक और शासन मानदंडों के अनुपालन का आकलन करना है। उक्त बिजनेस रिस्पांसिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट इस रिपोर्ट के अनुलग्नक– ट के रूप में संलग्न है जो वित्त वर्ष 2025–26 के लिए इस वार्षिक रिपोर्ट का हिस्सा है।

## सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए सार्वजनिक खरीद नीति

सार्वजनिक खरीद नीति के अनुसार, वर्ष 2025–26 के दौरान, प्रशासनिक आवश्यकताओं के संबंध में एमएमटीसी द्वारा कुल वार्षिक खरीद ₹4.73 करोड़ रुपये थी, जिसमें से सुश्री एस (एससी/एसटी उद्यमियों के स्वामित्व वाली सुश्री एस सहित) से ₹ 1.51 करोड़ रुपये (यानी, 31.96:) की वस्तुओं और सेवाओं की खरीद की गई थी, ₹0.28 करोड़ रुपये (यानी, 18.83:) एससीएसटी उद्यमियों के स्वामित्व वाली सुश्री एस से और 1.47 करोड़ रुपये (यानी, 97.06:) महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाली सुश्री एस से। उन पर दिए गए कार्य आदेशों के सफल निष्पादन पर, सुश्री एस को समय पर भुगतान जारी किया गया।

## सार्वजनिक जमा योजना

कंपनी के पास कोई सार्वजनिक जमा योजना नहीं है। इसलिए, कंपनी अधिनियम, 2013 के अध्याय वी की आवश्यकताएं इस पर लागू नहीं होती हैं।

## वार्षिक रिटर्न

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 92(3) के अनुसार, दाखिल किए गए वार्षिक रिटर्न की एक प्रति कंपनी की वेबसाइट: www.mmtclimited.com. पर उपलब्ध है।

## वैधानिक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सांविधिक लेखा परीक्षकों की वर्ष 2025–26 की रिपोर्ट सांविधिक लेखा परीक्षकों की टिप्पणियों के प्रति प्रबंधन के उत्तर के साथ वार्षिक रिपोर्ट में संलग्न है।

## भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ

नियंत्रक एवं महा लेखाकार से सी एंड एजी की टिप्पणियां अभी प्राप्त होनी हैं।

## सचिवालय लेखापरीक्षा

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 के प्रावधानों के साथ–साथ कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम 2014 के नियम 9 के अनुसार, आपकी कंपनी ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी का सचिवीय लेखापरीक्षा करने के लिए मेसर्स ब्लैक एंड कंपनी, कंपनी सचिवों की सेवाएं लीं। **सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट (प्रपत्र एमआर–3 में) सचिवीय लेखा परीक्षक की टिप्पणियों पर प्रबंधन के उत्तर के साथ निदेशक की रिपोर्ट के अनुलग्नक–VIII के रूप में संलग्न है।**

## कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 के तहत ऋण, गारंटी या निवेश का विवरण

वर्ष 2025–26 के दौरान, कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 के तहत निर्दिष्ट कोई भी ऋण,गारंटी प्रदान नहीं की या कोई निवेश नहीं किया। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 के प्रावधानों के तहत निवेश, ऋण और गारंटी का विवरण वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनाने वाले नोट्स में दिया गया है।

## संबंधित पार्टियों के साथ अनुबंधों या व्यवस्थाओं का विवरण

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, आपकी कंपनी ने अपने किसी भी संबंधित पक्ष के साथ कोई महत्वपूर्ण लेनदेन नहीं किया था। वैधानिक अधिनियमों के अनुरूप, संबधित पार्टी लेनदेन की भौतिकता पर नीति और कंपनी के संबधित पार्टी लेनदेन से निपटने पर भी वर्ष 2025–26 के दौरान बोर्ड द्वारा संशोधित और अनुमोदित की गई है और कंपनी की वेबसाइट पर अपलोड की गई है।

## संबंधित पक्ष लेन–देन

चूंकि कंपनी कोई व्यवसाय नहीं कर रही है, इसलिए कोई संबंधित पक्ष लेनदेन नहीं हुआ है। लेखा परीक्षा समिति ने 2025–26 के दौरान किए गए लेनदेन के लिए कोई सर्वव्यापी अनुमोदन नहीं दिया। वित्तीय विवरणों के नोट 42 में इंड एएस–24 के तहत आवश्यक उचित खुलासे किए गए हैं।

बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा अनुमोदित संबंधित पार्टी लेनदेन पर नीति को कंपनी की वेबसाइट पर निम्नलिखित लिंक **http://mmtclimited-com/files/related%20party%20transaction%20policy%20eng.pdf** पर अपलोड किया गया है:

कंपनी ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188 की उप–धारा (1) में संदर्भित संबंधित पक्षों के साथ किसी भी अनुबंध या व्यवस्था में प्रवेश नहीं किया क्योंकि एमएमटीसी कोई व्यावसायिक गतिविधि नहीं कर रही है।

## वार्षिक रिटर्न का सार

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 92(3) के अनुसार, वार्षिक रिटर्न की एक प्रति कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

## बोर्ड की आयोजित बैठकों की संख्या

वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान, निदेशक मंडल की चार (4) बैठकें आयोजित की गईं, अर्थात 28.05.2025, 07.08.2025, 13.11.2025 और 12.02.2026.

## स्वतंत्र निदेशकों द्वारा दी गई घोषणाएँ

एमएमटीसी के बोर्ड में सभी अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशकों (स्वतंत्र निदेशकों) ने पुष्टि की है कि वे कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149 (6) और सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 25 में दिए गए स्वतंत्रता के मानदंडों को पूरा करते हैं।

## निदेशकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक आदि पर नीति।

एमएमटीसी, एक सरकारी कंपनी होने के नाते, बोर्ड के सभी सदस्यों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रशासनिक मंत्रालय, अर्थात वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से की जाती है, जो अन्य बातों के साथ–साथ, उनके नियुक्ति आदेशों / वेतन निर्धारण आदेशों के माध्यम से पारिश्रमिक निर्धारित करता है।

गैर–कार्यकारी अंशकालिक आधिकारिक निदेशक (सरकार द्वारा नामित) किसी भी पारिश्रमिक या बैठक शुल्क के हकदार नहीं हैं। अंशकालिक गैर–आधिकारिक (स्वतंत्र निदेशकों) को कंपनी अधिनियम, 2013 और संबंधित नियमों में निर्धारित सीमाओं के अनुसार समय–समय पर बोर्ड द्वारा अनुमोदित उनके द्वारा भाग ली गई प्रत्येक बोर्ड / समिति की बैठकों के लिए बैठने का शुल्क दिया जाता है।

स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति के लिए पात्रता मानदंड सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है जो कंपनी अधिनियम और सेबी विनियमों के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार है। स्वतंत्र निदेशकों द्वारा प्रदर्शित किए जाने वाले सकारात्मक गुणों को उनकी नियुक्ति पर उन्हें बताया जाता है। इसके अलावा, वे यह पुष्टि करने के लिए निर्धारित प्रारूप में एक घोषणा प्रस्तुत करते हैं कि वे स्वतंत्र निदेशक के रूप में अर्हता प्राप्त करना जारी रखते हैं।

## बोर्ड, उसकी समितियों और व्यक्तिगत निदेशकों के प्रदर्शन का वार्षिक मूल्यांकन

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय ने अपनी अधिसूचना सं.जीएसआर 463(ई) दिनांक 5 जून, 2015 के द्वारा सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 के कुछ प्रावधानों से छूट दी है, जिसमें अन्य बातों के साथ–साथ, धारा 149 की उपधारा (6), धारा 178 की उपधारा (2), (3) और (4) में नियुक्ति, कार्य निष्पादन मूल्यांकन और पारिश्रमिक के संबंध में प्रावधान शामिल हैं। उक्त अधिसूचना के अनुसार, निदेशकों के प्रदर्शन मूल्यांकन के संबंध में धारा 134(3)(पी) भी सरकारी कंपनियों पर लागू नहीं होगी, यदि निदेशकों का मूल्यांकन केंद्रीय सरकार के मंत्रालय या विभाग द्वारा किया जाता है जो कंपनी का प्रशासनिक प्रभारी है।

एमएमटीसी के बोर्ड में अध्यक्ष, कार्यात्मक निदेशक, अंशकालिक आधिकारिक निदेशक (सरकार द्वारा नामित) के साथ–साथ अंशकालिक गैर–आधिकारिक निदेशक (स्वतंत्र निदेशक) की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के माध्यम से की जाती है। इसके अलावा, सभी निदेशकों की नियुक्ति की शर्तों और कार्यकाल का निर्धारण भी सरकार द्वारा किया जाता है और प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा अध्यक्ष और कार्यात्मक निदेशकों के प्रदर्शन के मूल्यांकन की एक प्रक्रिया है।

## लेखा परीक्षकों द्वारा धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग

हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत किए गए रिपोर्टों के अनुसार तथा कंपनी के पुस्तकों और अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर और भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखापरीक्षा प्रथाओं के अनुसार, कंपनी द्वारा या कंपनी पर भौतिक धोखाधड़ी का कोई मामला वर्ष के दौरान नहीं देखा गया है या रिपोर्ट नहीं किया गया है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, न तो वैधानिक लेखा परीक्षकों और न ही सचिवीय लेखा परीक्षक ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (12) के तहत लेखा परीक्षा समिति को आपकी कंपनी के अधिकारियों या कर्मचारियों द्वारा की गई धोखाधड़ी के किसी भी उदाहरण की सूचना दी है, जिसके विवरण को निदेशक की रिपोर्ट में उल्लेख करने की आवश्यकता होगी।

## जोखिम प्रबंधन नीति

निदेशकों की लेखा परीक्षा समिति द्वारा उचित रूप से अनुशंसित किए जाने के बाद निदेशक मंडल ने जोखिम प्रबंधन नीति को मंजूरी दी है ताकि आपकी कंपनी द्वारा किए गए कार्यों से जुड़े विभिन्न जोखिमों का ध्यान रखा जा सके। इसके अलावा, कंपनी ने नियंत्रण लागू करने और कंपनी में धोखाधड़ी की रोकथाम और पहचान में सहायता करने के लिए धोखाधड़ी रोकथाम नीति लागू की है। नीति का उद्देश्य नियंत्रणों के विकास की जिम्मेदारी सौंपकर और संदिग्ध धोखाधड़ी वाले व्यवहार की रिपोर्टिंग और जांच के संचालन के लिए दिशानिर्देश प्रदान करके सुसंगत कानूनी और नैतिक संगठनात्मक व्यवहार को बढ़ावा देना है। कंपनी वर्तमान परिस्थितियों में अस्थिर वस्तुओं / बाजार की स्थिति में जोखिम नहीं लेती है जब वह कोई व्यवसाय नहीं कर रही है।

## कर्मचारियों का विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197(12) के प्रावधानों के साथ–साथ कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम 5 के अनुसार, प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी को प्रत्येक निदेशक के पारिश्रमिक का औसत कर्मचारी के पारिश्रमिक से अनुपात और समय–समय पर निर्धारित सीमा से अधिक पारिश्रमिक प्राप्त करने वाले कर्मचारियों का विवरण निदेशक की रिपोर्ट में प्रकट करना आवश्यक है। हालांकि, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 5 जून, 2015 के अनुसार, सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 के प्रावधानों का अनुपालन करने से छूट दी गई है। अतः ऐसे विवरणों को निदेशकों की रिपोर्ट के भाग के रूप में शामिल नहीं किया गया है।

## निदेशकों का दायित्व विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(5) के प्रावधानों के अनुसार, आपके निदेशक कहते हैं कि:

ए) वार्षिक खातों की तैयारी में, उपयुक्त लेखांकन मानकों का पालन किया गया था और साथ ही सामग्री प्रस्थान से संबंधित उचित स्पष्टीकरण भी दिया गया था

बी) निदेशकों ने ऐसी लेखांकन नीतियों का चयन किया था और उन्हें लगातार लागू किया था और ऐसे निर्णय और अनुमान लगाए थे जो उचित और विवेकपूर्ण हैं ताकि वित्तीय वर्ष के अंत में कंपनी के मामलों की स्थिति और 31.03.2026 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए कंपनी के लाभ और हानि का सही और उचित दृश्य दिया जा सकेय

सी) निदेशकों ने कंपनी की संपत्ति की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए उचित और पर्याप्त देखभाल की है,

डी) निदेशकों ने वार्षिक खाते चालू आधार पर तैयार किए थे।

ई) आपकी कंपनी के निदेशकों ने कंपनी द्वारा पालन किए जाने वाले आंतरिक वित्तीय नियंत्रण निर्धारित किए थे और ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त थे और प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, और

एफ) निदेशकों ने सभी लागू कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणालियों का निर्माण किया था और ऐसी प्रणालियाँ पर्याप्त थीं और प्रभावी ढंग से काम कर रही थीं।

जी) वर्तमान में, एमएमटीसी कोई व्यावसायिक गतिविधि नहीं कर रही है।

एच) 2025–26 वर्ष के लिए एमएमटीसी के वार्षिक खातों पर लेखा परीक्षक / सीएजी टिप्पणियां वार्षिक खातों का हिस्सा हैं और इस रिपोर्ट में उपलब्ध हैं।

## कानूनी मामले

### ➢ एमएमटीसी और एंग्लो–अमेरिकन कोल के बीच विवाद

एंग्लो कोल द्वारा एमएमटीसी के खिलाफ कोकिंग कोल अनुबंध के निष्पादन न करने के संबंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद दायर निष्पादन याचिका संख्या 19 / 2018 दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित है। एमएमटीसी ने डिक्री धारक के हित को सुरक्षित करने के लिए 20.07.2022 को लगभग 1087 करोड़ रुपये जमा किए। एमएमटीसी द्वारा याचिका का विरोध किया जा रहा है।

06.05.2022 और 07.07.2022 की तारीख के न्यायालय के आदेश के संदर्भ में एंग्लो कोल मामले में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा पारित किए गए आदेश के अनुसार, 1088.62 करोड़ रुपये की राशि दिल्ली उच्च न्यायालय में जमा की गई है और अंतिम राशि माननीय न्यायालय के निर्णय / स्पष्टीकरण के अधीन है। लेखा पुस्तकों में 1054.87 करोड़ रुपये का प्रावधान पहले ही किया जा चुका है।

एमएमटीसी ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष पीई के आधार पर सीपीसी, 1908 की धारा 47 के तहत आपत्तियां दर्ज कीं, जिसमें यह घोषित किया गया कि 12.05.2014 की तारीख का अवार्ड शून्य है और इसलिए निष्पादित नहीं किया जा सकता है, क्योंकि यह धोखाधड़ी, मिलीभगत और भ्रष्टाचार के जहर से दूषित है। सीबीआई द्वारा 09.01.2023 को दर्ज की गई पीई के आधार पर माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष। हालांकि, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिनांक 09.05.2025 के आदेश के अनुसार एमएमटीसी के स्थगन आवेदन और आपत्तियों को खारिज कर दिया और एमएमटीसी द्वारा डिक्री धारक (एंग्लो) को जमा की गई राशि को 2 सप्ताह की समाप्ति के बाद अद्यतन ब्याज के साथ जारी करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, एमएमटीसी ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष दिनांक 09.05.2025 के आदेश को चुनौती देते हुए एसएलपी दायर की, जिसे 03.11.2025 को खारिज कर दिया गया था।

साथ ही, एमएमटीसी द्वारा एमएमटीसी और एंग्लो के बीच निष्पादित परिशिष्ट संख्या 2 को धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के आधार पर शुरू से ही अमान्य घोषित करने की मांग करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष एक सिविल मुकदमा भी दायर किया गया था। 29.07.2025 को मुकदमा खारिज कर दिया गया था। सीबीआई ने एंग्लो मामले पर 21.07.2025 को मामला दर्ज करके प्राथमिकी भी दर्ज की है।

दिल्ली के माननीय उच्च न्यायालय ने दिनांक 10.11.2025 के आदेश के अनुसार निर्देश दिया कि एमएमटीसी द्वारा जमा की गई 1000 करोड़ रुपये की राशि एक सप्ताह की अवधि के भीतर एंग्लो को जारी की जाएगी। 17.11.2025 को एंग्लो को 1000 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई थी। 09.07.2026 को माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा मामले की सुनवाई की गई जिसमें यह उल्लेख किया गया है कि एमएमटीसी द्वारा जमा की गई राशि और अद्यतन ब्याज ने अंतिम रूप प्राप्त कर लिया है। माननीय उच्च न्यायालय में पड़ी संपत्तियों को जारी करने के लिए एमएमटीसी के आवेदन पर सुनवाई नहीं हुई और सुनवाई की अगली तारीख 22.09.2026 को तय की गई है।

एमएमटीसी माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्री के पास पड़े की आय जमा करने के उपक्रम के साथ संपत्तियों को पड़े पर देने की अनुमति के लिए धारा 151 सीपीसी के तहत शीघ्र सुनवाई के लिए आवेदन दायर कर रहा है।

### ➢ एमएमटीसी और एमबीएस समूह के बीच विवाद

वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान एमटीसी हैदराबाद ने एमबीएस ग्रुप (एमबीएस इम्पेक्स प्रा. लि.) के लिए लगभग 16.15 टन ओजीएल गोल्ड का आयात किया। एमबीएस ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड) आउटराइट, खरीदारों की क्रेडिट, आपूर्तिकर्ताओं की क्रेडिट और ऋण योजनाओं के तहत, जिसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2011–12 में लगभग रु. 228.82 करोड़ का नुकसान हुआ।

एमएमटीसी ने 2013 में हैदराबाद के सिटी सिविल कोर्ट में दीवानी मुकदमा दायर किया था, जिसमें 228.82 करोड़ रुपये की वसूली के साथ–साथ ब्याज की मांग की गई थी।

एमएमटीसी के पक्ष में सिविल मुकदमे का फैसला 10.02.2025 में सुनाया गया, एमएमटीसी के पक्ष में 228.82 करोड़ रुपये का फैसला सुनाया गया और 30.09.2013 से वसूली तक 13.5% प्रति वर्ष की दर से ब्याज दिया गया। इसके अलावा, विपक्षी पक्ष पर लागत के लिए 11.89 करोड़ रुपये की राशि लगाई गई है।

उच्च न्यायालय में डिक्री पर कैविएट दायर किया गया है। एमएमटीसी लिमिटेड, हैदराबाद ने सीईपी संख्या 33 / 2025 पर निष्पादन याचिका दायर की है। कार्यवाही में देरी हुई क्योंकि अदालत काफी समय तक खाली रही। किसी भी प्रतिवादी द्वारा कोई अपील दायर नहीं की गई है। इसके बाद, आर–2 (मेसर्स एमबीएस इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड) के लिए एनसीएलटी द्वारा नियुक्त परिसमापक श्री संतोष भाटिया ने मार्च 2026 के दौरान पेश होकर सिविल कोर्ट के समक्ष एक आवेदन दायर किया है, जिसमें कहा गया है कि वाणिज्यिक न्यायालय द्वारा पारित निर्णय दिवालापन रैप–वाटर तंत्र का उल्लंघन है। एमएमटीसी ने इसके लिए काउंटर / रिजॉइनर दाखिल किया है। मामले को 07.07.2026 को बहस के लिए सूचीबद्ध किया गया था। लिक्विडेटर द्वारा दायर आवेदन पर बहस पूरी हो गई।

### ➢ एमएमटीसी और शिव सहाय के बीच विवाद

एमएमटीसी और मेसर्स शिव सहाय एंड संस के बीच कानूनी विवाद वित्त वर्ष 2010–2011 के लिए एमएमटीसी के चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय के बुलियन लेनदेन में पाई गई वित्तीय अनियमितताओं से सामने आया था। जून 2012 में एक विशेष ऑडिट से पता चला कि मेसर्स शिव सहाय एंड संस से 98.23 करोड़ रुपये की वसूली की जा सकती है।

इसके बाद एमएमटीसी ने मार्च 2013 में मद्रास उच्च न्यायालय में एक दीवानी मुकदमा दायर किया। शिव सहाय ने मध्यस्थता और सुलह अधिनियम की धारा 8 का आह्वान किया, जिसे माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बरकरार रखा गया था, जिससे दोनों पक्ष एक तदर्थ मध्यस्थता प्रक्रिया पर सहमत हुए। मध्यस्थता कार्यवाही दिसंबर 2017 में शुरू हुई।

कई और व्यापक सुनवाई के बाद जुलाई 2024 में अंतिम लिखित तर्क समाप्त हो गए। मध्यस्थ ने एमएमटीसी के पक्ष में 06.08.2024 पर अंतिम निर्णय जारी किया, शिव सहाय को 14.12.2012 से भुगतान की तारीख तक 12% ब्याज प्रति वर्ष के साथ 23.39 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। अवार्ड की तारीख पर शिव सहाय को देय राशि 56.10 करोड़ रुपये है।

पुरस्कार राशि को सुरक्षित करने के लिए, एमएमटीसी ने मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष 26.09.2024 पर एक कैविएट और धारा 9 आवेदन दायर किया, जिसने शिव सहाय को संपत्ति का खुलासा करने का आदेश दिया और मेसर्स द्वारा प्रस्तुत संपत्ति विवरण के बाद धारा 9 याचिका का निपटारा कर दिया गया। शिव सहाय एंड संस, मेसर्स शिव सहाय एंड संस श्री एन.पी. अग्रवाल और श्री गणेश अग्रवाल निदेशक, मेसर्स शिव सहाय एंड संस प्रा. लि. द्वारा घोषित संपत्तियों को कुर्की करने के लिए एमएमटीसी ने 16.10.2025 पर 2 निष्पादन याचिका दायर की है। अवार्ड की तारीख पर 56.10 करोड़ रुपये (ब्याज सहित)। ईपी की चेन्नई और जयपुर में स्थित संपत्तियां। इसके बाद अदालत के परामर्श के अनुसार, एमएमटीसी ने शिव सहाय की प्रत्येक संपत्ति को अलग–अलग चिह्नित करने के लिए 4 अलग–अलग निष्पादन याचिकाएं दायर कीं, यानी, त्रिची, श्रीरंगम, सेलम और त्रिशूर में स्थित शेष संपत्तियों के लिए आज की तारीख तक याचिकाओं की संख्या रजिस्ट्री द्वारा लंबित है।

मेसर्स शिव सहाय एंड संस ने मध्यस्थता निर्णय के खिलाफ अपील दायर की। ओ.पी. (मध्यस्थता मूल याचिका 2025 का सं. 350) 09.10.2025 और 16.10.2025 पर सूचीबद्ध है लेकिन किसी भी दिन सुनवाई के लिए नहीं पहुंचा। सुनवाई अब स्थगित कर दी गई है और सुनवाई की नई तारीख का इंतजार है।

## निदेशक मंडल में परिवर्तन

**1 अप्रैल 2026 से आपकी कंपनी के निदेशक मंडल में परिवर्तन निम्नलिखित हैं:–**

| क्रम सं | निदेशक का नाम | श्रेणी | नियुक्ति / समाप्ति की तिथि | नियुक्ति / समाप्ति |
|---|---|---|---|---|
| 1. | श्रीमती ऐश्वर्या सिंह | गैर–कार्यकारी निदेशक (सरकार द्वारा नामित) | 22.09.2025 | समाप्ति |
| 2. | श्री ए.के.एम. कश्यप | गैर–कार्यकारी निदेशक (सरकार द्वारा नामित) | 16.12.2025 | नियुक्ति |
| 3. | सुश्री. अनोपा शंकरनकुट्टी नायर | निदेशक (वित्त) | 09.06.2025 | नियुक्ति |
| | | | 09.06.2026 | समाप्ति |
| 4. | श्रीमती आरती भटनागर | गैर–कार्यकारी निदेशक (सरकार द्वारा नामित) | 26.09.2025 | समाप्ति |
| 5. | श्री असित गोपाल | गैर–कार्यकारी निदेशक (सरकार द्वारा नामित) | 27.01.2026 | नियुक्ति |
| | | | 28.04.2026 | समाप्ति |
| 6. | श्री दिनेश दुबे | स्वतंत्र निदेशक | 25.04.2025 | नियुक्ति |
| | | | 24.04.2026 | समाप्ति |
| 7. | श्री हरदीप सिंह | अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक | 27.04.2025 | समाप्ति |
| 8. | श्री जे. रवि शंकर | निदेशक (विपणन) | 31.07.2025 | समाप्ति |
| 9. | श्री जे.एस. मान | निदेशक (विपणन) | 12.02.2026 | नियुक्ति |
| 10. | श्री कपिल कुमार गुप्ता | निदेशक (वित्त) | 31.05.2025 | समाप्ति |
| 11. | सुश्री. निगार फातिमा हुसैन | गैर कार्यकारी निदेशक (सरकार द्वारा नामित) | 07.05.2026 | नियुक्ति |
| 12. | श्री नितिन कुमार यादव | अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक | 28.04.2025 | नियुक्ति |
| 13. | श्री श्रीनिवास राव मद्दी | स्वतंत्र निदेशक | 09.06.2026 | समाप्ति |
| 14. | श्रीमती सुरेन्द्रनाथ मीनाक्षी | स्वतंत्र निदेशक | 08.06.2026 | समाप्ति |
| 15. | श्री नबारुण नायक | स्वतंत्र निदेशक | 02.08.2026 | समाप्ति |
| 16. | श्री कुन्दन कुमार मिश्रा | निदेशक (वित्त) | 03.03.2026 | नियुक्ति |

बोर्ड, श्रीमती ऐश्वर्या सिंह, सुश्री अनूपा शंकरनकुट्टी नायर, श्रीमती आरती भटनागर, श्री असित गोपाल, श्री दिनेश दुबे, श्री हरदीप सिंह, श्री जे. रवि शंकर, श्री कपिल कुमार गुप्ता, श्री श्रीनिवास राव मद्दी, श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी और श्री नबारुन नायक की सराहनीय सेवाओं और योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त करता है, ये सभी अब बोर्ड के निदेशक नहीं रहे। बोर्ड नए निदेशकों का स्वागत करता है और विश्वास व्यक्त करता है कि कंपनी को उनके समृद्ध और विविध अनुभव से बहुत लाभ होगा।

निदेशकों की चक्रीय सेवानिवृत्ति के संबंध में कंपनी के संघ के अनुच्छेदों के अनुच्छेद 87(4)(ए) के प्रावधानों के संदर्भ में, कोई भी निदेशक एजीएम में चक्रीय रूप से सेवानिवृत्त नहीं होने जा रहा है।

### अभिस्वीकृति

आपके निदेशक सभी हितधारकों–शेयरधारकों, वाणिज्य विभाग, सभी सरकारी एजेंसियों और अन्य व्यावसायिक सेवा भागीदारों को वर्ष के दौरान उनके उत्कृष्ट समर्थन और सहयोग के लिए उनकी हार्दिक सराहना को स्वीकार करना और रिकॉर्ड पर रखना चाहेंगे। आपके निदेशक कंपनी के सभी कर्मचारियों के प्रयासों और कड़ी मेहनत और इसकी प्रगति में उनके निरंतर योगदान को भी पहचानते हैं और उनकी सराहना करते हैं।

**बोर्ड के आदेश से**
हस्ता./–
(नितिन कुमार यादव)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

# अनुबंध–I निदेशकों की रिपोर्ट के लिए

## 2025–26 प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट

### वैश्विक व्यापार और विकास का अवलोकन

वर्ष 2025 की शुरुआत काफी वैश्विक अनिश्चितता के साथ हुई, जो बदलती व्यापार नीतियां, भू–राजनीतिक तनाव और अलग–अलग इलाकों में असमान आर्थिक विकास से प्रभावित थी। 2025 में विश्व जीजीपी 3.4% की दर से बढ़ी। हालांकि महंगाई में कमी और लगातार डिजिटल निवेश ने कुछ हद तक मजबूती दी, लेकिन विश्व जीजीपी का विकास धीमी रही, क्योंकि कंपनियों ने गैर–जरूरी खर्चों में ज्यादा सावधानी बरती। तकनीक पर होने वाले खर्च की बारीकी से जांच की गई, और फैसले साफ व्यवसाय नतीजों, उत्पादकता में बढ़ोतरी और लागत कम करने पर आधारित थे।

2025 में वैश्विक अर्थव्यवस्था ने अलग–अलग विकास रास्तों और व्यापार प्राथमिकताओं में बुनियादी बदलावों वाले माहौल का सामना किया। 2025 में सबसे बड़ी हलचल टैरिफ दरों के उस स्तर तक बढ़ने से हुई जो एक सदी में नहीं देखा गया था, जिससे वैश्विक स्तर पर "फ्रंट–लोडिंग" की लहर चली, जिसमें कंपनियों ने वर्ष की शुरुआत में ही सामान आयात करने की जल्दी की। फिर भी, अनुमान है कि 2025 में वैश्विक विकास धीमी होकर 2.8–3.0% रह गई, जो 2024 में 3.3% थी। हालाँकि, यह सुस्ती सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में एक जैसी नहीं थी।

अनुमान है कि भारतीय आर्थिक वित्त–वर्ष 2025–26 में 7.6% की दर से बढ़ेगी, जो वित्त वर्ष 2024–25 में 7.1% थी, क्योंकि आरबीआई द्वारा दरों में कटौती और व्यक्तिगत कर व जीएसटी में कटौती से उपभोग की मांग में रिकवरी हुई। महंगाई की अनुकूल स्थिति के कारण आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025–26 में नीतियों की दरों में 100 बीपीएस की कटौती की। आरबीआई ने सीआरआर में कटौती, बॉन्ड की खरीद और लंबे समय के एफएक्स स्वैप जैसे उपायों से लिक्विडिटी भी बढ़ाई। विदेशी पोर्टफोलियो से पैसे निकलने और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण साल की दूसरी छमाही में रुपये पर गिरावट का दबाव बढ़ गया। आखिर में, डॉलर के मुकाबले रुपये में सबसे बड़ी सालाना गिरावट दर्ज की गई और वर्ष के अंत में यह लगभग 95 के स्तर पर बंद हुआ।

### 2025–26 के दौरान भारत में आर्थिक विकास का अवलोकन

भारत की संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2025–26 से पुष्टि होती है कि इस वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी में 7.4% की वृद्धि हुई है। इससे लगातार चौथे साल भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। संसद के आधिकारिक दस्तावेज से पता चलता है कि इस प्रदर्शन का मुख्य आधार 1.7% की बेहतरीन हेडलाइन महंगाई दर और ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन (जीएफसीएफ) में 7.8% की मजबूत वृद्धि रही।

भारतीय अर्थव्यवस्था एक ऐसे बदलाव के दौर से गुजर रही है जो अभूतपूर्व आर्थिक चुनौती और अवसर दोनों पेश करता है। भू–आर्थिक विखंडन (जीईएफ) वैश्वीकरण की जगह ले रहा है, जिससे जल्द ही आर्थिक पुनर्गठन और समायोजन की स्थिति बनेगी। 2047 तक "विकसित भारत" का लक्ष्य हासिल करने के लिए, भारत को लगभग एक या दो दशक तक औसतन 8 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखनी होगी। 2025–26 में कॉर्पोरेट इंडिया में नई ऊर्जा के संकेत दिखे, पंजीकृत निजी गैर–वित्तीय कंपनियों की बिक्री में 13.9% की वृद्धि दर्ज की गई, जो वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में दर्ज 10.1% की वृद्धि से बेहतर है।

### एमएमटीसी– 2025–26: एक नजर

### व्यापारिक गतिविधियाँ

साल 2025–26 के दौरान, कंपनी ने लगभग कोई व्यापारिक गतिविधि नहीं की। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के निर्देशों और निदेशक मंडल की मंजूरी के बाद, एमएमटीसी लगभग "बिना कामकाज वाली" कंपनी के तौर पर काम करती रही। कंपनी को परिचालन से 3.41 करोड़ रुपये (पिछले साल 2.69 करोड़ रुपये) का राजस्व मिला, जो कर्नाटक राज्य में विंड मिल ऑपरेशन से आया था। आपकी कंपनी ने टैक्स के बाद 212.07 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया, जबकि पिछले साल यह मुनाफा 69.53 करोड़ रुपये था। यह मुनाफा मुख्य रूप से निवेश बेचने से हुए फायदे, ब्याज से होने वाली आय और अपने जेवी से मिले लाभांश से प्राप्त हुआ है। पिछले साल की तुलना में 2025–26 के दौरान कंपनी का प्रदर्शन नीचे बताया गया है:

(करोड़ रुपयों में)

| विवरण | 2025–26 | 2024–25 |
|---|---|---|
| **कारोबार / वित्तीय स्थिति** | | |
| आय | 3.41 | 2.69 |
| व्यापारिक लाभ | 1.93 | 1.59 |
| अन्य आय | 177.17 | 260.09 |
| **खर्च:** | | |
| कर्मचारी लाभ | 78.18 | 111.25 |
| प्रशासन | 26.36 | 28.99 |
| असाधारण मदें (शुद्ध) | (473.70) | 18.84 |
| **लाभ:** | | |
| कर पूर्व लाभ | 463.30 | 97.20 |
| कर पश्चात लाभ | 212.07 | 69.53 |

## फंड का स्रोत और उसका उपयोग

31 मार्च, 2026 तक कंपनी के फंड के स्रोतों में हितधारक का फंड शामिल है, जो 1699.13 करोड़ रुपये है (इसमें 150 करोड़ रुपये की इक्विटी शेयर कैपिटल और 1549.13 करोड़ रुपये की दूसरी इक्विटी शामिल है)। गैर–चालू और चालू देनदारियां क्रमशः 28.81 करोड़ रुपये और 646.34 करोड़ रुपये हैं। इन फंड्स का उपयोग, अन्य चीजों के अलावा, 31 मार्च, 2026 तक 178.43 करोड़ रुपये की गैर तात्कालिक परिसंपत्ति और 2195.85 करोड़ रुपये की तात्कालिक परिसंपत्ति के लिए किया गया है।

## आंतरिक नियंत्रण प्रक्रियाएँ

वैधानिक लेखा परीक्षक की नियुक्ति सी एंड एजी द्वारा की जाती है और नियमित और पूरी तरह से आन्तरिक ऑडिट करने वाली पेशेवर एजेंसियों की नियुक्ति जेईएम पोर्टल के जरिए की जाती है। ऑडिटिंग एजेंसियों की टिप्पणियों/सुझावों की जानकारी निदेशकों की ऑडिट समिति को दी जाती है, साथ ही पहले जारी किए गए निर्देशों के पालन पर रिपोर्ट भी दी जाती है। निदेशक मंडल को सौंपे जाने से पहले, तिमाही वित्तीय विवरणों और साथ ही वैधानिक ऑडिटर्स और सरकारी ऑडिट पार्टी की रिपोर्ट की समीक्षा निदेशक की ऑडिट समिति द्वारा की जाती है।

एमएमटीसी में आंतरिक ऑडिट सिस्टम और प्रक्रियाएँ हैं जो इसके व्यापार परिचालन के अनुरूप हैं। ऑडिट का दायरा ऑडिट समिति द्वारा अवलोकन किया जाता है। ऑडिट समिति के निर्देशों का, यदि कोई हों, ठीक से पालन किया जाता है। कंपनी के पास आंतरिक ऑडिट करने के लिए बाहरी ऑडिटिंग फर्मों के साथ कोऑर्डिनेट करने के लिए एक आंतरिक ऑडिट विभाग है। ऑडिट समिति में श्री श्रीनिवास राव मद्दी (स्वतंत्र निदेशक) अध्यक्ष के तौर पर और सुश्री आरती भटनागर (सरकारी नामित निदेशक), श्रीमती एस. मीनाक्षी (स्वतंत्र निदेशक), श्री नबारुन नायक (स्वतंत्र निदेशक) और श्री दिनेश दुबे (स्वतंत्र निदेशक) सदस्य के तौर पर शामिल हैं। हालाँकि, स्वतंत्र निदेशक श्री श्रीनिवास राव मद्दी, श्री दिनेश दुबे और श्रीमती एस. मीनाक्षी का कार्यकाल क्रमशः 09.06.2026, 24.04.2026 और 08.06.2026 को समाप्त हो गया है। साथ ही, सरकारी नामित निदेशक श्रीमती आरती भटनागर 26.09.2025 को रिटायर हो गईं।

### सहायक कंपनी

एमएमटीसी ट्रांसनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (एमटीपीएल), सिंगापुर, जो वस्तु व्यापार का काम करती है, आपकी कंपनी की पूरी तरह से स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है सिंगापुर के कानूनों के अनुसार बंद होने की प्रक्रिया से गुजर रही है।

## कंपनी के लिए आगे का रास्ता

सरकार का मानना है कि एमएमटीसी की एक केंद्रीय चैनलिंग एजेंसी के तौर पर कोई जरूरत नहीं है और संबंधित मंत्रालय/विभाग अपने स्वयं के सार्वजनिक उपक्रमों/अन्य एजेंसियों के जरिए व्यापार कर सकते हैं। हालाँकि, कंपनी को बंद करने के बारे में सरकार के औपचारिक फैसले का इंतजार है। तब तक, कंपनी को स्टॉक एक्सचेंज, कर्मचारियों, प्रशासनिक खर्चों आदि से जुड़ी अपनी कानूनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए 2022 में अपने जेवीएनआईएनएल के विनिवेश से मिले फंड का उपयोग करना होगा।

कंपनी बिना किसी कामकाज गैर–परिचालन आधार पर चल रही है और प्रशासनिक मंत्रालय/बोर्ड के निर्देशों के अनुसार एमएमटीसी द्वारा कोई व्यावसायिक गतिविधि नहीं की जा रही है। चूँकि कंपनी की व्यावसायिक गतिविधि और वित्तीय स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है, इसलिए डीओसी के माध्यम से डीपीई से वर्ष 2024–25 के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर करने से छूट का अनुरोध भी किया गया है।

कंपनी लगातार लागत कम करने के संभावित क्षेत्रों की समीक्षा करती रहती है और अनावश्यक खर्चों को कम करने तथा एमएमटीसी के पास उपलब्ध अतिरिक्त कार्यालय की जगह को किराए पर देकर आय उत्पन्न करने के तरीकों के लिए उचित कदम उठाती है।

## चेतावनी का कथन

कंपनी पिछले तीन वर्षों से कोई भी व्यापारिक गतिविधि नहीं कर रही है और निष्क्रिय अवस्था में है। इस्तीफों, सेवानिवृत्ति, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) आदि के कारण कंपनी के कर्मचारियों की संख्या भी कम हो रही है और एमएमटीसी में कोई नई भर्ती नहीं हो रही है। इसके अलावा, निदेशक (वित्त) का पद अभी रिक्त है, जबकि बाकी सभी कार्यात्मक निदेशकों के पद भरे हुए हैं। इसलिए, इस सालाना रिपोर्ट में कंपनी के लक्ष्यों, उम्मीदों या अनुमानों के बारे में दिए गए कुछ कथन लागू कानूनों और नियमों के अनुसार भविष्य से जुड़े कथन हो सकते हैं, और वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं से काफी भिन्न हो सकते हैं।

बोर्ड के आदेश से

हस्ता./–
(नितिन कुमार यादव)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

तारीख: 28.07.2026

# अनुबंध–II निदेशकों की रिपोर्ट के लिए

## वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए सीएसआर गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट

**1. कंपनी की सीएसआर नीतियों की संक्षिप्त रूपरेखा**

आपकी कंपनी की सीएसआर नीतिया, कंपनीज एक्ट 2013 की धारा 135 और कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय द्वारा बताए गए सीएसआर नियमों के अनुसार है। सीएसआर योजना कंपनीज एक्ट की धारा 135 के अनुसार शुरू किए गए हैं। सीएसआर नीतियां कंपनी की वेबसाइट पर दो भाषाओं में उपलब्ध है।

आपकी कंपनी का वित्तीय वर्ष 2022–23, वित्तीय वर्ष 2023–24 और वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, कंपनीज एक्ट 2013 की धारा 198 के अनुसार (यानी पिछले 3 सालों के औसत शुद्ध लाभ का 2%) लाभ ऋणात्मक था।

इसलिए, निदेशक मंडल ने वष 2025–26 के लिए कोई सालाना सीएसआर बजट मंजूर नहीं किया। इस वजह से, वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान कोई नया सीएसआर योजना शुरू नहीं की गई।

वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान इस अकाउंट से फंड का इस्तेमाल इस प्रकार है:

| | |
|---|---|
| रोकड़ जमा (01.04.2025 को) | शून्य |
| वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान खर्च | शून्य |
| जमा शेष (01.04.2026 को) | शून्य |

**2. सीएसआर समिति का गठन:**

| क्रम संख्या | निदेशक का नाम | पद / निदेशक पद का स्वरूप | पद समाप्ति / नियुक्ति | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | सुश्री आरती भटनागर, | सरकारी मनोनीत निदेशक, (समिति की अध्यक्षा) | समाप्ति | (26.09.2025) |
| 2. | सुश्री निगार फातिमा हुसैन | सरकारी मनोनीत निदेशक (समिति की अध्यक्षा) | नियुक्ति | 08.05.2026 |
| 3. | श्री असित गोपाल | सरकारी मनोनीत निदेशक (समिति के अध्यक्ष) | नियुक्ति समाप्ति | 03.02.2026 (28.04.2026) |
| 4. | सुश्री एस. मीनाक्षी | गैर–सरकारी स्वतंत्र निदेशक (समिति की सदस्या) | समाप्ति | (08.06.2026) |
| 5. | श्री श्रीनिवास राव मदी | गैर–सरकारी स्वतंत्र निदेशक (समिति के सदस्य) | समाप्ति | (09.06.2026) |
| 6. | श्री नबरुण नायक | गैर–सरकारी स्वतंत्र निदेशक (समिति के सदस्य) | समाप्ति | (02.08.2026) |
| 7. | श्री दिनेश दुबे | गैर–सरकारी स्वतंत्र निदेशक | समाप्ति | (24.04.2026) |

साल 2025–26 के दौरान, सीएसआर कमिटी की 15वीं बैठक 24.07.2025 को सुबह 11: 30 बजे हुई।

नोट: श्री असित गोपाल को 27.01.2026 को नियुक्त किया गया था और मंत्रालय ने 28.04.2026 को उनके कार्य में परिवर्तन दिया था, उनकी अध्यक्षता में सीएसआर कमिटी की कोई बैठक नहीं हुई।

सीएसआर समिति की 16वीं बैठक, जो 05.06.2026 को दोपहर 12:00 बजे सरकारी नामित निदेशक सुश्री निगार फातिमा हुसैन (एसएंडएफएस) की अध्यक्षता में हुई, उसमें यह मंजूरी दी गई कि उपलब्ध 6 लाख रुपये का सीएसआर फंड, कंपनीज एक्ट 2013, सीएसआर नियमों और एमएमटीसी सीएसआर नीति में लागू प्रावधानों के अनुसार "प्रधानमंत्री केयर फंड" में ट्रांसफर किया जाएगा।

3. वह वेब–लिंक जहाँ सीएसआर समिति का गठन, सीएसआर नीति और बोर्ड द्वारा मंजूर किए गए सीएसआर योजना की जानकारी कंपनी की वेबसाइट पर दी गई है।

   वेब–लिंक: www.mmtclimited.com

4. कंपनीज (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 8 के उप–नियम (3) के अनुसार किए गए सीएसआर योजना के प्रभाव के आकलन का विवरण, यदि लागू हो (रिपोर्ट संलग्न करें)।

   लागू नहीं।

5. पिछले तीन वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी का औसत शुद्ध लाभ (सेक्शन 198 के अनुसार):

| क्रम संख्या | विवरण | राशि (करोड़ में) |
|---|---|---|
| 1. | (ए) अनुच्छेद 135(5) के अनुसार कंपनी का औसत शुद्ध लाभ | लागू नहीं |
| 2. | (बी) अनुच्छेद 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत | लागू नहीं |
| 3. | (सी) पिछले वित्तीय वर्ष के सीएसआर योजना, प्रोग्राम या गतिविधियों से हुआ बचा हुआ फंड। | शून्य |
| 4. | (डी) वित्तीय वर्ष के लिए समायोजन की जाने वाली राशि, यदि कोई हो | शून्य |
| 5. | (ई) वित्तीय वर्ष के लिए कुल सीएसआर दायित्व (बी + सी & डी) | शून्य |

6. (क) सीएसआर परियोजनाओं पर खर्च की गई राशि (चल रही परियोजनाएं और चल रही परियोजनाओं के अलावा अन्य परियोजनाएं) : शून्य

(ख) प्रशासनिक उपरिव्यय पर खर्च की गई राशि : शून्य

(ग) प्रभाव आकलन पर खर्च की गई राशि, यदि लागू हो : शून्य

(घ) वित्तीय वर्ष [(ए)+(बी)+सी] के लिए कुल खर्च की गई राशि : शून्य

**(ङ) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई या खर्च न की गई सीएसआर राशि :**

| वित्तीय वर्ष के लिए कुल खर्च की गई राशि (रुपये में) | बिना खर्च की गई राशि (रु. में) | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | धारा 135(6) के अनुसार अव्ययित सीएसआर खाते में स्थानांतरित की गई कुल राशि | | धारा 135(5) के दूसरे प्रावधान के अनुसार, अनुसूची VII के तहत बताए गए किसी भी निधि में स्थानांतरित की गई राशि। | | |
| | राशि | स्थानांतरण की तारीख | निधि का नाम | राशि | स्थानांतरण की तारीख |
| लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं |

**(एफ) सेट–ऑफ के लिए अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो:**

| क्रम सं. | विवरण | राशि (रुपयों में) |
|---|---|---|
| (i) | सेक्शन 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत। | लागू नहीं |
| (ii) | वित्तीय वर्ष के दौरान खर्च की गई कुल राशि | शून्य |
| (iii) | वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई अतिरिक्त राशि | शून्य |
| (iv) | पिछले वित्तीय वर्षों के सीएसआर योजना, कार्यक्रम या गतिविधियों से हुई कोई अतिरिक्त बचत | शून्य |
| (v) | आने वाले वित्तीय वर्षों में सेट–ऑफ के लिए उपलब्ध राशि [(iii)-(iv)] | शून्य |

**7. (ए) पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए खर्च न की गई कै राशि का विवरणः**

| क्रम संख्या | पिछला वित्तीय वर्ष | धारा 135 (6) के अनुसार बिना खर्च किए गए सीएसआर खाते में स्थानांतरित की गई राशि (रु. में) | रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (रु. में) | धारा 135(6) के अनुसार अनुसूची VII में बताए गए किसी निधि में स्थानांतरित की गई राशि, यदि कोई हो | | | आने वाले वित्तीय वर्षों में खर्च की जाने वाली बाकी राशि (रु. में) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | फंड का नाम | राशि (रु. में) | स्थांनातरण की तारीख | |
| 1. | - | - | - | - | - | - | - |

**(बी) पिछले वित्तीय वर्षों के चल रहे परियोजनाओं के लिए इस वित्त वर्ष में खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरणः** कुछ नहीं

**8. अगर कोई पूंजीगत संपत्ति बनाई या खरीदी गई है, तो सीएसआर के अनुसार खर्च करके बनाई या खरीदी गई उस संपत्ति का विवरण दें (संपत्ति–वार विवरण):**

नहीं, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान खर्च की गई सीएसआर राशि से कोई पूंजीगत संपत्ति नहीं बनाई या खरीदी है।

**9. अगर कंपनी "कंपनीज एक्ट, 2013" की धारा 135(5) के अनुसार औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत खर्च करने में विफल रही है, तो उसका कारण बताएं।**

लागू नहीं।

हस्ता.–/
(अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक)

हस्ता.–/
(अध्यक्ष सीएसआर समिति)

# कारपोरेट गर्वनेंस पर रिपोर्ट

# 2025-26



# अनुबंध-III निदेशकों की रिपोर्ट के प्रति

## एमएमटीसी में निगम संचालन

### 1. कंम्पनी के शासन संहिता के दर्शन पर संक्षिप्त वक्तव्यः

कंपनी के रणनीतिक लक्ष्यों को पूरा करने, विश्वास को मजबूत करने, शेयरधारकों और हितधारकों के धन के दीर्घकालिक मूल्य को अधिकतम करने के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन संगठन का एक अभिन्न अंग बन गया है। एमएमटीसी पारदर्शिता, विश्वास और अखंडता, प्रदर्शन अभिविन्यास, व्यावसायिकता, नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं, जिम्मेदारी और जवाबदेही, सामाजिक जवाबदेही और हितधारकों के लिए मूल्य के सतत संवर्धन के लिए एक स्व–अनुशासित कोड के रूप में संगठन के प्रति प्रतिबद्धता के उच्चतम मानकों के पालन के माध्यम से ठोस कॉर्पोरेट प्रशासन मानदंडों के सिद्धांतों को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, जिसमें निवेशक, निदेशक, कर्मचारी, आपूर्तिकर्ता, ग्राहक या सामान्य रूप से समुदाय शामिल हैं।

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 की अपेक्षाओं तथा सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कारपोरेट गवर्नेंस पर जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप एक रिपोर्ट, कारपोरेट गवर्नेंस के प्रावधानों के अनुपालन के संबंध में एक कार्यरत कंपनी सचिव द्वारा जारी प्रमाण पत्र के साथ निदेशकों की रिपोर्ट के एक भाग के रूप में नीचे दी गई है।

### 2. निदेशक मंडल

निदेशक मंडल शेयरधारकों द्वारा गठित सबसे बड़ी संस्था है और यह कंपनी के कामकाज, रणनीतिक फैसले लेने और नेतृत्व में अहम भूमिका निभाता है। बोर्ड, कम्पनी अधिनियम, 2013 (अधिनियिम), लिस्टिंग रेगुलेशन्स, मेमोरैंडम और आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन, डीपीई द्वारा जारी दिशानिर्देश और समय–समय पर भारत सरकार द्वारा जारी अन्य दिशानिर्देश (जो कंपनी पर लागू हों) के तहत मिली शक्तियों के अनुसार काम करता है।

#### बोर्ड का गठन और शासन

एमएमटीसी लिमिटेड का निदेशक मंडल (बीओडी) कार्यकारी और गैर–कार्यकारी निदेशकों का सही तालमेल बनाए रखता है, जिससे कंपनी के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन का पालन सुनिश्चित होता है। भारत के राष्ट्रपति बोर्ड के सभी निदेशकों की नियुक्ति करते हैं।

**बोर्ड का गठनः** 31 मार्च, 2026 तक, बोर्ड में 14 डायरेक्टर थेः

- **अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक (सीएमडी)** : एक (अतिरिक्त प्रभार संभालते हुए)
- **कार्यात्मक / कार्यकारी निदेशक** : चार* (दो निदेशक – विपणन, दो निदेशक– वित्त)
- **सरकार द्वारा नामित निदेशक** : पाँच**
- **गैर–कार्यकारी स्वतंत्र निदेशकः** चार***

#### बाद की घटनाएँ और वर्तमान स्थिति

31 मार्च, 2026 को वित्तीय वर्ष समाप्त होने के बाद, स्वतंत्र और सरकारी नामित निदेशकों की संरचना में एक बड़ा बदलाव आया।

- ***चार कार्यात्मक निदेशकों** में से **दो** सेवानिवृत्ति के कारण अपने पद पर नहीं रहे।
- ****पाँच सरकारी नामित निदेशकों** में से **तीन** का कार्यकाल पूरा होने के कारण उनका पद समाप्त हो गया।
- *****कार्यकाल पूरा होने के कारण **सभी स्वतंत्र निदेशकों** का पद समाप्त हो गया।

इन पदों को छोड़ने के बारे में विस्तार से जानकारी इस रिपोर्ट के अगले हिस्सों में दी गई है।

#### बारी–बारी से सेवानिवृत्तिः

कॉर्पोरेट गवर्नेंस के नियमों और कंपनी के "आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन" के अनुसारः

- **छूटः** अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) और गैर–कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक पूर्णतः चक्रानुक्रम के आधार पर सेवा–निवृत्त नही होते हैं।
- **पूर्णतः चक्रानुक्रम के आधार पर सेवा–निवृत्ति** : बाकी सभी निदेशक पूर्णतः चक्रानुक्रम के आधार पर सेवा–निवृत्ति नहीं होते हैं।
- **वार्षिक पूर्णतः चक्रानुक्रमः** कंपनी की हर सालाना आम बैठक (एजीएम) में पूर्णतः चक्रानुक्रम निदेशकों में से कम से कम एक–तिहाई निदेशक सेवा–निवृत्ति होते हैं।
- **दुबारा से नियुक्तिः** सेवा–निवृत्ति होने वाले योग्य निदेशक सालाना आम बैठक में फिर से नियुक्ति के लिए पात्र होते हैं।

## 2.1 निदेशकों का आकार और संरचना

वर्ष 2025-26 के दौरान निदेशक मंडल की संरचना निम्नानुसार थी:–

| क्रम सं | निदेशक के नाम | कार्यकारी/ गैर कार्यकारी | धारित पद | 31.03.2026 को अन्य बोर्ड में निदेशक पदों की संख्या | 1.03.2026* को बोर्ड कमेटियों की संख्या जिसके सदस्य/ चेयरपर्सन हैं |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | **कार्यकारी निदेशक** | | |
| 1. | श्री नितिन कुमार यादव | कार्यकारी | अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक | निदेशक: 1 | कुछ नहीं |
| 2. | श्री जतिंदरजीत सिंह मान | कार्यकारी | निदेशक (विपणन) | कुछ नहीं | कुछ नहीं |
| 3. | श्री कुंदन कुमार मिश्रा | कार्यकारी | निदेशक (वित्त) | कुछ नहीं | कुछ नहीं |
| 4. | सुश्री अनूपा शंकरनकुट्टी नायर (09.06.2026 से बोर्ड से हट गए) | कार्यकारी | निदेशक (वित्त) | निदेशक: 1 | सदस्य: 1 |
| 5. | श्री कपिल कुमार गुप्ता (31.05.2025 से बोर्ड से हट गए) | कार्यकारी | निदेशक (वित्त) | लागू नहीं | लागू नहीं |
| 6. | श्री जे. रवि शंकर (31.07.2025 से बोर्ड से हट गए) | कार्यकारी | निदेशक (विपणन) | लागू नहीं | लागू नहीं |
| 7. | श्री हरदीप सिंह (26.04.2025 से बोर्ड से हट गए) | कार्यकारी | अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक | लागू नहीं | लागू नहीं |
| | | | **अंशकालिक आधिकारिक निदेशक – सरकारी नामित** | | |
| 8. | श्री ए.के.एम. कश्यप | गैर–कार्यकारी | सरकार द्वारा नामांकित निदेशक | निदेशक: 1 | कुछ नहीं |
| 9. | सुश्री निगार फातिमा हुसैन | गैर–कार्यकारी | सरकार द्वारा नामांकित निदेशक | निदेशक: 3 | अध्यक्ष: 1 (एसीओडी और एसआरसी के अलावा) सदस्य: 1 |
| 10. | श्री असित गोपाल (28.04.2026 से बोर्ड से हट गए) | गैर–कार्यकारी | सरकार द्वारा नामांकित निदेशक | निदेशक: 3 | अध्यक्ष: 1 सदस्य: 1 |
| 11. | सुश्री आरती भटनागर (26.09.2025 से बोर्ड से हट गई) | गैर–कार्यकारी | सरकार द्वारा नामांकित निदेशक | लागू नहीं | लागू नहीं |
| 12. | सुश्री ऐश्वर्या सिंह (22.09.2025 से बोर्ड से हट गई) | गैर–कार्यकारी | सरकार द्वारा नामांकित निदेशक | लागू नहीं | लागू नहीं |
| | | | **अंशकालिक गैर–आधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशक** | | |
| 13. | श्री श्रीनिवास राव मंदी (09.06.2026 से बोर्ड से हट गए) | गैर–कार्यकारी | गैर–कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक | कुछ नहीं | अध्यक्ष: 2 सदस्य: 4 |
| 14. | श्रीमती एस. मीनाक्षी (08.06.2026 से बोर्ड से हट गई) | गैर–कार्यकारी | गैर–कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक | कुछ नहीं | अध्यक्ष: 2 (एसीओडी और एसआरसी के अलावा) सदस्य: 4 |
| 15. | श्री नबारुन नायक (02.08.2026 से बोर्ड से हट गए) | गैर–कार्यकारी | गैर–कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक | कुछ नहीं | सदस्य: 6 |
| 16. | श्री दिनेश दुबे (24.04.2026 से बोर्ड से हट गए) | गैर–कार्यकारी | गैर–कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक | कुछ नहीं | सदस्य: 6 |

* सिर्फ दूसरी सार्वजनिक कंपनियों की लेखा परीक्षा समिति और अंशधारक संबंध समिति को ही ध्यान में रखा गया है।

* दूसरे बोर्ड में निदेशक पद के लिए सिर्फ पंजीकृत कंपनियों को ही गिना गया है।

लागू नहीं – चूंकि ये निदेशक अब कंपनी के निदेशक नहीं रहे, इसलिए 31.03.2026 तक की उनकी जानकारी उपलब्ध नहीं है।

## 2.2 निदेशकों का बायोडाटा

वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में नियुक्ति या दोबारा नियुक्ति के लिए चुने गए निदेशकों का संक्षिप्त बायोडाटा, एजीएम बुलाने वाले सूचना के साथ दिया गया है।

## 2.3 निदशकों की मुख्य क्षमताएं

कंपनी के प्रभावी कामकाज के लिए बोर्ड द्वारा पहचानी गई कौशल/विशेषज्ञता/क्षमताएं, जो अभी बोर्ड के पास मौजूद हैं, और जिन निदेशकों के पास ऐसी कौशल/विशेषज्ञता/क्षमताएं हैं, उनके नाम नीचे दिए गए हैं:

| क्रम सं. | निदेशकों का नाम | धारित पद | अभियांत्रिकी तकनीकी संचालन | प्रबंधन | विपणन | वित्त व बैंकिंग | मानव संसाधन | अर्थशास्त्र | नियामक ढांचा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | श्री नितिन कुमार यादव | अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक | ☑ | ☑ | | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ |
| 2. | श्री जतिंदरजीत सिंह मान | निदेशक (विपणन) | ☑ | ☑ | ☑ | | ☑ | ☑ | ☑ |
| 3. | श्री कुन्दन कुमार मिश्र | निदेशक (वित्त) | ☑ | ☑ | | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ |
| 4. | सुश्री अनुपा शंकरनकुट्टी नायर | निदेशक (वित्त) | | ☑ | | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ |
| 5. | श्री कपिल कुमार गुप्ता | निदेशक (वित्त) | | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ |
| 6. | श्री जे. रविशंकर | निदेशक (विपणन) | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ |
| 7. | श्री हरदीप सिंह | अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक | | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ |
| 8. | श्री ए.के.एम.कश्यप | सरकार द्वारा नामांकित निदेशक | | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ |
| 9. | सुश्री निगार फातिमा हुसैन | सरकार द्वारा नामांकित निदेशक | | ☑ | | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ |
| 10. | श्री असित गोपाल | सरकार द्वारा नामांकित निदेशक | | ☑ | | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ |
| 11. | सुश्री आरती भटनागर | सरकार द्वारा नामांकित निदेशक | | ☑ | | ☑ | | ☑ | ☑ |
| 12. | सुश्री ऐश्वर्या सिंह | सरकार द्वारा नामांकित निदेशक | | ☑ | ☑ | ☑ | | ☑ | ☑ |
| 13. | श्री श्रीनिवास राव मद्दी | स्वतंत्र निदेशक | | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ |
| 14. | श्रीमती एस मीनाक्षी | स्वतंत्र निदेशक | | ☑ | | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ |
| 15. | श्री नबारुण नायक | स्वतंत्र निदेशक | | ☑ | | ☑ | ☑ | ☑ | ☑ |
| 16. | श्री दिनेश दुबे | स्वतंत्र निदेशक | | ☑ | | ☑ | ☑ | | ☑ |

## 2.4 वर्ष के दौरान निदेशक मंडल की बैठकें

बोर्ड की बैठकें आम तौर पर कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में होती हैं और इनका आयोजन काफी पहले ही तय कर लिया जाता है। एमएमटीसी का बोर्ड नियमित रूप से, यानी हर तिमाही में कम से कम एक बार बैठक करता है। बोर्ड की बैठकें एक तय कार्य–सूची के आधार पर होती हैं और बोर्ड का कोई भी सदस्य चर्चा के लिए कार्य–सूची में किसी भी विषय को शामिल करने का सुझाव दे सकता है। सभी अहम मुद्दों पर जानकारी देने वाले टिप्पणियों के साथ विस्तृत कार्य–सूची दस्तावेज पहले ही बांटे जाते हैं, ताकि बोर्ड पूरी जानकारी के साथ स्वतंत्र फैसले ले सके।

**वर्ष के दौरान, बोर्ड की बैठकें चार (4) बार हुई, जो दिनांक 28.05.2025, 07.08.2025, 13.11.2025 और 12.02.2026 को आयोजित की गई।**

इन बोर्ड मीटिंग्स और 26 सितंबर, 2025 को हुई पिछली एजीएम में निदेशकों की उपस्थिति इस प्रकार है: –

| क्रम सं. | निदेशक के नाम | निदेशकों के कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें | शामिल हुई बैठकों की संख्या | 26.09.2025 को हुई पिछली एजीएम में उपस्थिति | अन्य विवरण |
|---|---|---|---|---|---|
| | **कार्यात्मक निदेशक** | | | | |
| 1. | श्री नितिन कुमार यादव<br>सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) | 4 | 4 | नहीं | सरकारी ड्यूटी पर |
| 2. | श्री जतिंदरजीत सिंह मान | 1 | 1 | लागू नहीं | नियुक्ति–12.02.2026 |
| 3. | श्री कुंदन कुमार मिश्रा | 0 | 0 | लागू नहीं | नियुक्ति–03.08.2026 |
| 4. | सुश्री अनूपा शंकरनकुट्टी नायर | 3 | 3 | हाँ | कार्यकाल समाप्त 09.06.2026 |
| 5. | श्री जे. रवि शंकर | 1 | 1 | लागू नहीं | कार्यकाल समाप्त 31.07.2025 |
| 6. | श्री कपिल कुमार गुप्ता | 1 | 1 | लागू नहीं | कार्यकाल समाप्त 31.05.2025 |
| 7. | श्री हरदीप सिंह<br>सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) | 0 | 0 | लागू नहीं | कार्यकाल समाप्त 26.04.2025 |
| | **अंशकालिक आधिकारिक निदेशक – सरकारी नामित व्यक्ति** | | | | |
| 8. | श्री ए.के.एम. कश्यप | 1 | 1 | लागू नहीं | नियुक्ति–16.12.2025 |
| 9. | सुश्री निगार फातिमा हुसैन | 0 | 0 | लागू नहीं | नियुक्ति–07.05.2026 |
| 10. | श्री असित गोपाल | 1 | 1 | लागू नहीं | नियुक्ति–27.01.2026 और 28.04.2026 को सेवानिवृत्ति |
| 11. | सुश्री आरती भटनागर | 2 | 1 | हाँ | 26.09.2025 को सेवा निवर्तन– |
| 12. | सुश्री ऐश्वर्या सिंह | 2 | 1 | लागू नहीं | 22.09.2025 को कार्यकाल समाप्त |
| | **अंशकालिक गैर–आधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशक** | | | | |
| 13. | श्री श्रीनिवास राव मद्दी | 4 | 4 | हाँ | 09.06.2026 को कार्यकाल समाप्त |
| 14. | श्रीमती एस. मीनाक्षी | 4 | 4 | हाँ | 08.06.2026 को कार्यकाल समाप्त |
| 15. | श्री नबारुण नायक | 4 | 4 | नहीं | एजीएम के लिए अनुपस्थिति की अनुमति दी गई थी। |
| 16. | श्री दिनेश दुबे | 4 | 4 | हाँ | 24.04.2026 को कार्यकाल समाप्त |

## 2.5 स्वतंत्र निदेशकों द्वारा घोषणा

सभी स्वतंत्र निदेशकों ने स्वतंत्र निदेशक के तौर पर अपनी पहली बोर्ड मीटिंग और वित्तीय वर्ष की शुरुआत में हुई पहली मीटिंग में यह घोषणा की कि वे कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149(6), सिक्यूरीटीज एण्ड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन्स एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) विनिमय, 2015 और सीपीएसईएस के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशा–निर्देशों के तहत स्वतंत्र निदेशक के मानदण्डों को पूरा करते हैं।

हर स्वतंत्र निदेशक को कंपनी के व्यापार के बारे में जानकारी देने और उन्हें प्रभावी ढंग से काम करने में सक्षम बनाने के लिए कंपनी के व्यापार पर एक विस्तृत प्रस्तुति दिया जाता है, इसके अलावा, सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा समय–समय पर आयोजित अलग–अलग प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए भी स्वतंत्र निदेशकों को नामित किया जाता है। ऐसे कार्यक्रम में स्वतंत्र निदेशकों के नामांकन की जानकारी https://mmtclimited-com/pages/display/294&training-programme&for-directors पर उपलब्ध है।

### 2.6 बोर्ड के सदस्यों के कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन

कारपोरेट मामलों के मंत्रालय के दिनांक 5 जून 2015 के परिपत्र द्वारा सरकारी कंपनियों को धारा 178 (2) के प्रावधानों से छूट प्राप्त हो गई है। इसके प्रावधानों में निदेशक मंडल, निदेशक मंडल की समिति तथा नामांकन तथा पारिश्रमिक समिति के कार्यनिष्पादन के मूल्यांकन का तरीका बताया गया है। सेबी (एलओडीआर) के तहत भी इसी प्रकार की छूट अपेक्षित है। एमसीए के उपर्युक्त परिपत्र के अनुसार सरकारी कंपनियों को धारा 134(3) (पी) से भी छूट दी गई है। इस धारा के अनुसार बोर्ड तथा इसकी समितियों/संबंधित निदेशक को बोर्ड रिपोर्ट में अपने कार्य निष्पादन के औपचारिक मूल्यांकन के तरीके का उल्लेख करना होता है, यदि निदेशकों का मूल्यांकन केंद्रीय सरकार /राज्य सरकार के प्रशासनिक मंत्रालय/विभाग के अपने तरीके के अनुसार मूल्यांकन किया गया हो। इस संबंध में डीपीई ने फंक्शनल निदेशकों के कार्यनिष्पादन के मूल्याकंन का तंत्र निर्धारित कर दिया है। डीपीई ने स्वतंत्र निदेशकों के मूल्यांकन की शुरुआत कर दी है।

आगे यह उल्लेख किया जा सकता है कि एमएमटीसी ने प्रत्येक वर्ष भारत सरकार (वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय) के साथ एमओयू किया, जिसमें 2021–22 तक कंपनी के लिए प्रमुख निष्पादन पैरामीटर शामिल थे। एमओयू लक्ष्यों पर विचार किया जाता है और यह व्यक्तियों के निष्पादन मूल्यांकन का एक अभिन्न अंग बनते हैं। एमओयू में वित्तीय लक्ष्य, लागत में कटौती के लक्ष्य, सामुदायिक विकास और किसी अन्य संगत कारक सहित सभी परिचालन और निष्पादन पैरामीटर शामिल हैं। कंपनी के निष्पादन का मूल्यांकन डीपीई द्वारा भारत सरकार के साथ किए गए एमओयू के साथ प्रतिवर्ष किया जाता है।

### 2.7 स्वतंत्र निदेशकों की बैठक

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015, कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची IV और सीपीएसई के गैर–आधिकारिक निदेशकों (स्वतंत्र निदेशकों) की भूमिका एवं उत्तरदायित्वों पर डीपीई द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, 10 मार्च, 2025 को स्वतंत्र निदेशकों की एक अलग बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभी स्वतंत्र निदेशकों ने उक्त बैठक में भाग लिया।

### 2.8 निदेशक मंडल में परिवर्तन

| क्रम सं. | निदेशक के नाम | श्रेणी (कार्यकारी/गैर–कार्यकारी) | नियुक्ति/समाप्ति की तारीख | नियुक्ति/समाप्ति |
|---|---|---|---|---|
| 1. | श्री दिनेश दुबे | गैर–कार्यकारी स्वतंत्र | 25.04.2025<br>24.04.2026 | नियुक्ति<br>कार्यकाल समाप्ति |
| 2. | श्री हरदीप सिंह | कार्यकारी | 26.04.2025 | कार्यकाल समाप्ति |
| 3. | श्री नितिन कुमार यादव | कार्यकारी | 28.04.2025 | नियुक्ति |
| 4. | श्री कपिल कुमार गुप्ता | कार्यकारी | 31.05.2025 | कार्यकाल समाप्ति |
| 5. | सुश्री अनूपा शंकरनकुट्टी नायर | कार्यकारी | 10.06.2025<br>09.06.2026 | नियुक्ति<br>कार्यकाल समाप्ति |
| 6. | श्री जे. रवि शंकर | कार्यकारी | 31.07.2025 | कार्यकाल समाप्ति |
| 7. | सुश्री ऐश्वर्या सिंह | गैर–कार्यकारी | 22.09.2025 | कार्यकाल समाप्ति |
| 8. | सुश्री आरती भटनागर | गैर–कार्यकारी | 26.09.2025 | कार्यकाल समाप्ति |
| 9. | श्री ए.के.एम. कश्यप | गैर–कार्यकारी | 16.12.2025 | नियुक्ति |
| 10. | श्री असित गोपाल | गैर–कार्यकारी | 27.01.2026<br>28.04.2026 | नियुक्ति<br>कार्यकाल समाप्ति |
| 11. | श्री जतिंदरजीत सिंह मान | कार्यकारी | 12.02.2026 | नियुक्ति |
| 12. | सुश्री निगार फातिमा हुसैन | गैर–कार्यकारी | 07.05.2026 | नियुक्ति |
| 13. | श्री श्रीनिवास राव मद्दी | गैर–कार्यकारी स्वतंत्र | 09.06.2026 | कार्यकाल समाप्ति |
| 14. | श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी | गैर–कार्यकारी स्वतंत्र | 08.06.2026 | पद छोड़ना |
| 15. | श्री नबारुन नायक | गैर–कार्यकारी स्वतंत्र | 02.08.2026 | पद छोड़ना |
| 16. | श्री कुंदन कुमार मिश्रा | कार्यकारी | 03.08.2026 | नियुक्ति |

### 2.9 निदेशकों के पारिश्रमिक

एमएमटीसी भारत सरकार का उद्यम है जिसमें बोर्ड के सभी सदस्यों को भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रशासनिक मंत्रालय वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से नियुक्त किया जाता है, जो अन्य बातों के साथ–साथ ऐसे पूर्णकालिक निदेशकों /सीएमडी के पारिश्रमिक को उनके संबंधित नियुक्ति आदेशों /वेतन निर्धारण आदेशों के माध्यम से तय करता है। एमएमटीसी के सीएमडी और पूर्णकालिक निदेशकों को भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है, आमतौर पर पांच साल की सेवा अनुबंध के साथ या सेवानिवृत्ति की तारीख तक या सरकार के अगले आदेश जो भी पहले हो। भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किए गए कार्यात्मक निदेशक तीन महीने की सूचना अवधि/सीवरेंस शुल्क के हकदार हैं। निदेशक मंडल के कार्यशील सदस्य भारत सरकार के सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार निष्पादन संबंधी वेतन के हकदार हैं। गैर–आधिकारिक अंशकालिक (स्वतंत्र) निदेशक वर्तमान में बोर्ड/बोर्ड द्वारा नियुक्त समितियों की प्रत्येक बैठक में भाग लेने के लिए 15000/– रुपये की बैठक शुल्क के हकदार हैं। किसी भी गैर–कार्यकारी निदेशक का कंपनी के साथ कोई आर्थिक संबंध या लेन–देन नहीं था।

वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान कार्यात्मक निदेशक को दिया गया पारिश्रमिक इस प्रकार है:

| निदेशक के नाम | वेतन और लाभ (रु.) | प्रदर्शन–आधारित प्रोत्साहन | बोनस, स्टॉक ऑप्शन, पेंशन, सिवरेंश की | 31.03.2026 तक एमएमटीसी के शेयरों की संख्या |
|---|---|---|---|---|
| श्री जतिंदरजीत सिंह मान | 767718 | शून्य | शून्य | शून्य |
| श्री कपिल कुमार गुप्ता | 1028804 | शून्य | शून्य | शून्य |
| श्री जे. रविशंकर | 1916403 | शून्य | शून्य | शून्य |

**2.10 निदेशकों से संबंधित प्रकटीकरण:**

1. किसी भी निदेशक का कंपनी के साथ आर्थिक या गैर–आर्थिक संबंध नहीं है।
2. किसी भी गैर–कार्यकारी निदेशक के पास कंपनी के शेयर नहीं हैं।
3. नीचे वह लिंक दिया गया है जहाँ स्वतंत्र निदेशकों को प्रदान किए गए परिचय कार्यक्रमों का विवरण दिया गया है।
   https://mmtclimited.com/pages/display/294-training-programme-for-directors.

## 3. बोर्ड की समितियां

कंपनी के मामलों पर अधिक ध्यान केन्द्रित करने, अतिशीघ्र आधार पर विचार–विमर्श करने तथा निर्णय लेने के लिए निदेशक मंडल ने विभिन्न भूमिकाओं, जवाबदेही तथा प्राधिकारों के साथ निम्नलिखित समितियों का गठन किया है:

1. निदेशकों की लेखा परीक्षा समिति
2. नामांकन व पारिश्रमिक निदेशक समिति
3. हितधारक संबंध समिति
4. शेयर ट्रांसफर समिति
5. कार्मिक नीतियों पर निदेशकों की समिति
6. सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और एसोसिएट कंपनियों पर निदेशकों की समिति
7. सीएसआर तथा सतत विकास पर निदेशकों की समिति
8. फंक्शनल निदेशकों की प्रबंधन कमेटी
9. निदेशकों की जोखिम प्रबंधन समिति

### 3.1 निदेशकों की लेखा परीक्षा समिति

बोर्ड द्वारा बनाई गई ऑडिट कमिटी में 4 गैर–कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक और 1 गैर–कार्यकारी (सरकार द्वारा नामित) निदेशक शामिल थे, जिनका कार्यकाल 31.03.2026 को खत्म होना था। हालांकि, स्वतंत्र निदेशक श्री श्रीनिवास राव मद्दी, श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी, श्री दिनेश दुबे और श्री नबारुण नायक का कार्यकाल क्रमशः 09.06.2026, 08.06.2026, 24.04.2026 और 02.08.2026 को खत्म हुआ।

इसके अलावा, श्रीमती आरती भटनागर का कार्यकाल 26.09.2025 को खत्म हुआ।

वर्ष के दौरान कमिटी की सभी मीटिंग्स की अध्यक्षता गैर–कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक ने की। कंपनी के कंपनी सचिव ही समिति के सचिव होते हैं। लेखा परीक्षा समिति के काम के दायरे में ऑडिट के काम की देखरेख करना, जरूरी बातों की समीक्षा करना, अकाउंटिंग स्टैंडर्ड्स का पालन सुनिश्चित करना और बोर्ड को सौंपने से पहले वित्तीय विवरण पर सहमति देना शामिल है। लेखा परीक्षा समिति की भूमिका, दायरे और अधिकार में कंपनी अधिनियम, 2013 और सेबी (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन्स एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) विनिमय, 2015 (लिस्टिंग विनिमय) के संबंधित प्रावधानों के तहत जरूरी बातें भी शामिल हैं।

वर्ष 2025–26 के दौरान, समिति की चार बैठकें आयोजित हुई, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

| क्रम सं. | बैठक की तारीख | उपस्थित सदस्य | अध्यक्ष |
|---|---|---|---|
| 1. | 28.05.2025 | ✓ श्रीमती. आरती भटनागर<br>✓ श्रीमती. सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी<br>✓ श्री श्रीनिवास राव मद्दी<br>✓ श्री नबारुण नायक<br>✓ श्री दिनेश दुबे | श्री श्रीनिवास राव मद्दी |
| 2. | 07.08.2025 | ✓ श्रीमती. आरती भटनागर<br>✓ श्रीमती. सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी<br>✓ श्री श्रीनिवास राव मद्दी<br>✓ श्री नबारुण नायक<br>✓ श्री दिनेश दुबे | श्री श्रीनिवास राव मद्दी |
| 3. | 13.11.2025 | ✓ श्रीमती. सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी<br>✓ श्री श्रीनिवास राव मद्दी<br>✓ श्री नबारुण नायक<br>✓ श्री दिनेश दुबे | श्री श्रीनिवास राव मद्दी |
| 4. | 12.02.2026 | ✓ श्रीमती. सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी<br>✓ श्री श्रीनिवास राव मद्दी<br>✓ श्री नबारुण नायक<br>✓ श्री दिनेश दुबे<br>✓ श्री असित गोपाल | श्री श्रीनिवास राव मद्दी |

लेखा परीक्षा समिति की चर्चाओं में मदद करने के लिए कंपनी के अन्य कार्यात्मक निदेशक और सांविधिक लेखा परीक्षक भी इन बैठकों में शामिल हुए। इन बैठकों की कार्यवाही का विवरण नियमित रूप से बोर्ड को जानकारी के लिए सौंपा गया।

इसके अलावा, यह भी पुष्टि की जाती है कि लेखा परीक्षा समिति की ऐसी कोई सिफारिश नहीं थी जिसे बोर्ड ने स्वीकार न किया हो।

### 3.2. निदेशकों की नामांकन तथा पारिश्रमिक समिति

कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों और लिस्टिंग विनिमयों के लागू प्रावधानों के अनुसार, निदेशकों का नामांकन और पारिश्रमिक समिति में 31.03.2026 तक ये सदस्य शामिल हैं: श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक – अध्यक्ष, श्री नबारुन नायक अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक, श्री श्रीनिवास राव मद्दी अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक और श्री दिनेश दुबे अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक। हालांकि, स्वतंत्र निदेशक – श्री श्रीनिवास राव मद्दी, श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी, श्री दिनेश दुबे और श्री नबारुन नायक – का कार्यकाल क्रमशः 09.06.2026, 08.06.2026, 24.04.2026 और 02.08.2026 को समाप्त हो गया।

समिति लिस्टिंग अधिनियम की अनुसूची II के भाग D और 26 नवंबर 2008 की डीपीई दिशानिर्देशों में बताए गए कार्यों, कर्तव्यों और अधिकारों का पालन करती है। कंपनी सचिव ही इस समिति के सचिव होते हैं।

वर्ष 2025–26 के दौरान, कमिटी की बैठक एक बार हुई, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

| क्रम सं. | बैठक की तारीख | उपस्थित सदस्य | अध्यक्ष |
|---|---|---|---|
| 1 | 25.07.2025 | ✓ श्रीमती. सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी<br>✓ श्री श्रीनिवास राव मद्दी<br>✓ श्री नबारुण नायक<br>✓ श्री दिनेश दुबे | श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी |

उक्त बैठक का विवरण जानकारी के लिए निदेशक मंडल को सौंपा गया।

### 3.3 हितधारक रिलेशनशिप कमिटी

निदेशक मंडल द्वारा गठित हितधारक संबंधी समिति में 31.03.2026 तक ये सदस्य शामिल थे: श्री श्रीनिवास राव मद्दी अंशकालिक गैर–आधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशक अध्यक्ष के तौर पर और श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी, श्री नबारुन नायक व श्री दिनेश दुबे सभी अंशकालिक गैर–आधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशक सदस्य के तौर पर। हालाँकि, स्वतंत्र निदेशक – श्री श्रीनिवास राव मद्दी, श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी, श्री दिनेश दुबे और श्री नबारुन नायक – का कार्यकाल क्रमशः 09.06.2026, 08.06.2026, 24.04.2026 और 02.08.2026 को समाप्त हो गया। कंपनी सचिव इस समिति के सचिव होते हैं।

यह कमिटी हितधारकों / अन्य निवेशकों की शिकायतों के समाधान पर तेजी से विचार करती है और उसकी निगरानी करती है।

वर्ष 2025–26 के दौरान, हितधारक संबंधी समिति की बैठक 25.09.2025 को आयोजित की गई थी, जिसका विवरण नीचे दिया गया है: –

| क्रम सं. | बैठक की तारीख | उपस्थित सदस्य | अध्यक्ष |
|---|---|---|---|
| 1 | 25.05.2025 | ✓ श्री श्रीनिवास राव मद्दी<br>✓ श्रीमती. सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी<br>✓ श्री नबारुण नायक<br>✓ श्री दिनेश दुबे | श्री श्रीनिवास राव मद्दी |

**वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान निवेशकों की शिकायतों का विवरण:**

| 01.04.2025 तक लंबित शिकायतों की संख्या | वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या | वर्ष के दौरान समाधान की गई शिकायतों की संख्या | 31.03.2026 तक लंबित शिकायतों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 0 | 0 | 0 | 0 |

### 3.4. शेयर ट्रांसफर समिति

निदेशक मंडल द्वारा बनाई गई शेयर ट्रांसफर समिति में एमएमटीसी के सभी कार्यात्मक निदेशक सदस्य होते हैं और कंपनी सचिव इस कमिटी के सचिव होते हैं। यह समिति फिजिकल शेयर ट्रांसफर, री–मटेरियलाइजेशन और डी–मटेरियलाइजेशन आदि के अनुरोधों पर तेजी से विचार करती है और उन्हें मंजूरी देती है। 2025–26 के दौरान, इस कमिटी की कोई बैठक नहीं हुई।

### 3.5. कार्मिक नीतियों पर निदेशकों की समिति

कार्मिक नीतियों पर निदेशक मंडल की समिति का गठन बोर्ड द्वारा किया गया था ताकि सेवा नियम और अन्य कार्मिक नीतियों में बदलाव / उन्हें बनाने पर विचार किया जा सके और निदेशक मंडल को मंजूरी के लिए सिफारिश की जा सके। 31.03.2026 तक, समिति में श्री श्रीनिवास राव मद्दी अंशकालिक गैर–आधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशक, अध्यक्ष के तौर पर और श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी, श्री नबारुन नायक और श्री दिनेश दुबे अंशकालिक गैर–आधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशक, सदस्य के तौर पर शामिल थे। हालाँकि, स्वतंत्र निदेशक – श्री श्रीनिवास राव मद्दी, श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी, श्री दिनेश दुबे और श्री नबारुन नायक – का कार्यकाल क्रमशः 09.06.2026, 08.06.2026, 24.04.2026 और 02.08.2026 को समाप्त हो गया। कंपनी सचिव इस कमिटी के सचिव हैं।

वर्ष 2025–26 के दौरान, समिति की बैठक **एक बार** हुई, जिसका विवरण नीचे दिया गया है: –

| क्रम सं. | बैठक की तारीख | उपस्थित सदस्य | अध्यक्ष |
|---|---|---|---|
| 1 | 25.07.2025 | ✓ श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी<br>✓ श्री श्रीनियास राव मद्दी<br>✓ श्री नबारुण नायक<br>✓ श्री दिनेश दुबे | श्री श्रीनियास राव मद्दी |

उक्त बैठक का विवरण जानकारी के लिए निदेशक मंडल को सौंपा गया।

### 3.6 स्वतंत्र निदेशकों की समिति

सेबी (एसओडीआर) अधिनियम 2015 के अधिनियम 25 (3) के अनुसार, निदेशक मंडल ने स्वतंत्र निदेशकों की एक अलग समिति का गठन किया। इस समिति में श्री श्रीनिवास राव मद्दी अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक – अध्यक्ष हैं, और श्रीमती एस. मीनाक्षी, श्री नबारुन नायक और श्री दिनेश दुबे अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक इसके सदस्य हैं। स्वतंत्र निदेशकों – श्री श्रीनिवास राव मद्दी, श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी, श्री दिनेश दुबे और श्री नबारुन नायक – का कार्यकाल क्रमशः 09.06.2026, 08.06.2026, 24.04.2026 और 02.08.2026 को समाप्त हुआ।

वर्ष 2025–26 के दौरान, समिति की बैठक एक बार हुई, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

| क्रम सं. | बैठक की तारीख | उपस्थित सदस्य | अध्यक्ष |
|---|---|---|---|
| 1 | 25.07.2025 | ✓ श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी<br>✓ श्री श्रीनिवास राव मद्दी<br>✓ श्री नबारुण नायक<br>✓ श्री दिनेश दुबे | श्री श्रीनिवास राव मद्दी |

### 3.7 सीएसआर एवं सतत् विकास पर निदेशकों की समिति

इस समिति का गठन कंपनी की सीएसआर गतिविधियों को विनियमित और निगरानी करने के लिए किया गया था। यह काम कंपनी अधिनियम, 2013 के लागू प्रावधानों और इस संबंध में समय–समय पर जारी डीपीई गाइडलाइंस के अनुसार किया गया। 31.03.2026 तक, कमिटी में श्रीमती आरती भटनागर सरकार द्वारा नामित निदेशक, अध्यक्ष थीं, हालांकि उनका कार्यकाल 26.09.2025 को समाप्त हो गया था और सदस्य के तौर पर श्री श्रीनियास राव मद्दी, श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी, श्री नबारुन नायक और श्री दिनेश दुबे, अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक शामिल थे। हालांकि, स्वतंत्र निदेशक – श्री श्रीनिवास राव मद्दी, श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी, श्री दिनेश दुबे और श्री नबारुन नायक – का कार्यकाल क्रमशः 09.06.2026, 08.06.2026, 24.04.2026 और 02.08.2026 को खत्म हो गया। कंपनी सचिव ही इस समिति के सचिव हैं।

वर्ष 2025–26 के दौरान, समिति की बैठक वर्ष में एक बार हुई, जिसका विवरण नीचे दिया गया है: –

| क्रम सं. | बैठक की तारीख | उपस्थित सदस्य | अध्यक्ष |
|---|---|---|---|
| 1 | 24.07-2025 | ✓ श्रीमती आरती भटनागर<br>✓ श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी<br>✓ श्री श्रीनिवास राव मद्दी<br>✓ श्री नबारुण नायक<br>✓ श्री दिनेश दुबे | श्रीमती आरती भटनागर |

### 3.8 निदेशक की कार्यात्मक प्रबंधन समिति

निदेशक मंडल द्वारा गठित "निदेशक की कार्यात्मक प्रबंधन समिति" में एमएमटीसी के सीएमडी समिति के अध्यक्ष होते हैं, सभी कार्यात्मक निदेशक सदस्य होते हैं और कंपनी सचिव समिति के सचिव होते हैं। इस समिति को उन सभी मामलों में फैसला लेने की शक्तियाँ दी गई हैं जो निदेशक मंडल द्वारा समय–समय पर सीएमडी को दी गई शक्तियों से अलग या उनसे ज्यादा हैं। इसमें वे मामले शामिल नहीं हैं जो कंपनी अधिनियम, 2013 या अन्य कानूनों के तहत निदेशक मंडल और/या शेयरधारक की बैठक में तय किए जाने हैं, या वे मामले जो बोर्ड ने अपने फैसले के लिए या एमएमटीसी के अंतर्नियमों के अनुच्छेद 99 के तहत निदेशक मंडल द्वारा बनाई गई किसी अन्य समिति के विचार और फैसले के लिए आरक्षित रखे हैं।

**साल 2025–26 के दौरान समिति की दो बार बैठकें हुईं, यानी 11.04.2025 और 28.05.2025 को। इन बैठकों का विवरण जानकारी के लिए निदेशक मंडल को सौंपा गया।**

### 3.9 निदेशकों की जोखिम प्रबंधन समिति

कंपनी के बोर्ड द्वारा बनाई गई निदेशकों की जोखिम प्रबंधन समिति में श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी, पार्ट–टाइम नॉन–ऑफिशियल (इंडिपेंडेंट) डायरेक्टर चेयरपर्सन के तौर पर श्री श्रीनिवास राव मद्दी, अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक, श्री नबारुन नायक, अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक, श्री दिनेश दुबे, अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक और सुश्री अनूपा एस. नायर, निदेशक (वित्त) सदस्य के तौर पर शामिल हैं। हालाँकि, स्वतंत्र निदेशक– श्री श्रीनिवास राव मद्दी, श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी, श्री दिनेश दुबे, श्री नबारुन नायक और सुश्री अनूपा एस. नायर – का कार्यकाल क्रमशः 09.06.2026, 08.06.2026, 24.04.2026, 02.08.2026 और 09.06.2026 को समाप्त हो गया। यह कमिटी, समय–समय पर संशोधित लिस्टिंग विनिमय और अन्य कानूनों के प्रावधानों के तहत तय की गई भूमिकाओं के अनुसार काम करेगी। कंपनी सचिव ही इस समिति के सचिव बने रहेंगे।

वर्ष 2025–26 के दौरान इस समिति की दो बैठकें हुईं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है: –

| क्रम सं. | बैठक की तारीख | उपस्थित सदस्य | अध्यक्ष |
|---|---|---|---|
| 1 | 25.09.2025 | ✓ श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी<br>✓ श्री श्रीनिवास राव मद्दी<br>✓ श्री नबारुण नायक<br>✓ श्री दिनेश दुबे | श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी |
| 2 | 02.03.2026 | ✓ श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी<br>✓ श्री श्रीनिवास राव मद्दी<br>✓ श्री नबारुण नायक<br>✓ श्री दिनेश दुबे<br>✓ सुश्री अनुपा एस. नायर | श्रीमती सुरेंद्रनाथ मीनाक्षी |

**4. आम सभा बैठकें**

कंपनी की आम सभा की बैठकें, कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में या उसके आस–पास आयोजित की जाती हैं।

विगत तीन वर्षों में आयोजित ऐसी बैठकों का विवरण इस प्रकार है: –

| बैठक का प्रकार | तारीख और समय | पारित विशेष प्रस्ताव |
|---|---|---|
| 62वीं वार्षिक आम बैठक | 26.09.2025 को सुबह 11:30 बजे | एमएमटीसी के बोर्ड में श्री दिनेश दुबे की गैर–आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक के तौर पर नियुक्ति |
| 61वीं वार्षिक आम बैठक | 27.09.2024 को सुबह 11:30 बजे | कुछ नहीं |
| 60वीं वार्षिक आम बैठक | 22.11.2023 को सुबह 11:30 बजे | कुछ नहीं |

**डाक मतपत्र के माध्यम से विशेष प्रस्ताव पारित**

पिछले वर्ष डाक मतपत्र के माध्यम से कोई विशेष प्रस्ताव पारित नहीं किया गया था। डाक मतपत्र के जरिए कोई विशेष प्रस्ताव पारित करने का अभी कोई प्रस्ताव नहीं है।

**5. बातचीत के जरिया**

कंपनी अपने शेयरधारक से अपनी वार्षिक रिपोर्ट, आम बैठकों और स्टॉक एक्सचेंज व अपनी वेबसाइट पर दी गई जानकारी के जरिए बातचीत करती है। कंपनी के बारे में जानकारी, ताजा अपडेट और घोषणाएं कंपनी की वेबसाइट https://mmtclimited-com/ पर देखी जा सकती हैं, जिसमें ये शामिल हैं: –

- तिमाही / वार्षिक वित्तीय परिणाम
- तिमाही शेयरधारिता पैटर्न
- समय–समय पर स्टॉक एक्सचेंज को दी गई कॉर्पोरेट जानकारी

**इसके अलावा, इस रिपोर्ट में बताई गई अलग–अलग चीजों के वेब लिंक नीचे दिए गए हैं:**

| विवरण | वेबसाईट लिंक |
|---|---|
| तिमाही, छमाही और वार्षिक वित्तीय परिणाम | https://mmtclimited.com/pages/display/300-quarterly-results |
| वार्षिक रिपोर्ट | https://mmtclimited.com/pages/show/256-annual-report-(english)- |
| शेयरधारिता पैटर्न | https://mmtclimited.com/pages/display/302-shareholding-pattern |

**6 आम शेयरधारकों की सूचना**

**6.1 वार्षिक आम बैठक**

कंपनी की 63वीं वार्षिक आम बैठक 17 सितंबर, 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) / अन्य ऑडियो–विजुअल माध्यमों (ओएवीएम) के माध्यम से आयोजित की जाएगी।

**शेयरधारकों की सूचना**

बुक क्लोजर की तारीखें

प्रस्तावित वार्षिक आम बैठक के लिए, शेयर अन्तरण पुस्तकों और सदस्यों का रजिस्टर 11 सितंबर, 2026 से 17 सितंबर, 2026 तक (दोनों दिन मिलाकर) बंद रहेगा।

**6.2 2025-26** के लिए वित्तीय कैलेण्डर

लेखा अवधि: 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026

| तिमाही के अंत की तारीख | वित्तीय परिणाम अपनाने की तारीख |
|---|---|
| 30 जून, 2025 | 7 अगस्त, 2025 |
| 30 सितंबर, 2025 | 13 नवंबर, 2025 |
| 31 दिसंबर, 2025 | 12 फरवरी, 2026 |
| 31 मार्च, 2026 | 29 मई, 2026 |

**6.3 लाभांश भुगतान:**

सेबी (एलओडीआर) विनिमय, 2015 की धारा 43ए के प्रावधानों के अनुसार: कंपनी ने अनुलग्नक वितरण नीति बनाई है, जो इसके साथ 'अनुबंध–बी' में दी गई है और यह https://mmtclimited-com/pages/display/342-dividend-distribution-policy पर उपलब्ध है। पिछले तीन वर्षों और वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान दिए गए लाभांश का विवरण इस प्रकार है:

| वर्ष | 2022-23 | 2023-24 | 2024-25 | 2025-26 |
|---|---|---|---|---|
| दर | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| तिथि | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

नोट: एमएमटीसी लिमिटेड की लाभांश वितरण नीति से संबंधित जानकारी इस रिपोर्ट के साथ 'अनुबंध–बी' के रूप में संलग्न है।

**6.4 स्टॉक एक्सचेंजों सूचीबद्धता :**

कंपनी के शेयर निम्नलिखित स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध है:

| स्टॉक एक्सचेंज का नाम | स्टॉक एक्सचेंज का पता | वार्षिक सूचीबद्धता फीस का भुगतान (हाँ / नहीं) |
|---|---|---|
| नेशनल स्टॉक एक्सचेंज | बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स<br>मुंबई 400051 | हाँ |
| बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज | फिरोज जीजीबाई टावर<br>दलाल स्ट्रीट मुंबई 40000 | हाँ |

वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए दोनों स्टॉक एक्सचेंजों को सूचीबद्धता फीस समय पर चुका दी गई है।

**बाजार मूल्य डाटा:** वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज / एनएससी पर उद्धृत होने वाले एमएमटीसी के शेयरों का महीने–वार बाजार मूल्य डाटा नीचे दिया गया है:

| महीना | अधिक (रुपये) | अधिक (रुपये) | महीना | अधिक (रुपये) | अधिक (रुपये) |
|---|---|---|---|---|---|
| नेशनल स्टॉक एक्सचेंज | | | बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज | | |
| अप्रैल 2025 | 65.70 | 44.50 | अप्रैल 2025 | 65.76 | 42.55 |
| मई 2025 | 88.19 | 50.50 | मई 2025 | 88.20 | 50.06 |
| जून 2025 | 84.40 | 66.00 | जून 2025 | 85.20 | 65.75 |
| जुलाई 2025 | 73.47 | 63.56 | जुलाई 2025 | 73.37 | 63.54 |
| अगस्त 2025 | 69.47 | 60.20 | अगस्त 2025 | 69.40 | 60.33 |
| सितंबर 2025 | 73.88 | 60.79 | सितंबर 2025 | 74.00 | 60.75 |
| अक्टूबर 2025 | 73.70 | 64.00 | अक्टूबर 2025 | 73.80 | 64.87 |
| नवंबर 2025 | 70.66 | 60.00 | नवंबर 2025 | 70.69 | 60.06 |
| दिसंबर 2025 | 71.95 | 51.23 | दिसंबर 2025 | 71.85 | 51.31 |
| जनवरी 2026 | 72.70 | 61.61 | जनवरी 2026 | 72.72 | 61.61 |
| फरवरी 2026 | 67.30 | 60.37 | फरवरी 2026 | 67.26 | 60.39 |
| मार्च 2026 | 63.79 | 50.10 | मार्च 2026 | 63.81 | 51.25 |

### 6.5 रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए)

मेसर्स एमसीएस शेयर ट्रांसफर एजेंट लिमिटेड, 179–180, तीसरी मंजिल, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज–1, नई दिल्ली–110020, 1 अप्रैल 2015 से कंपनी का रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट है। यह फिजिकल और डीमटेरियलाइज्ड दोनों तरह से रखे गए शेयरों के लिए काम करता है।

### 6.6 शेयर ट्रांसफर पद्धति

डीमटेरियलाइज्ड रूप में रखे गए शेयरों का ट्रांसफर, संबंधित डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के जरिए एनएसडीएल/सीडीएसएल द्वारा इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्रोसेस और अनुमोदित किया जाता है। 31.03.2026 तक कोई भी ट्रांसफर बकाया नहीं था। सेबी ने 01.04.2019 से फिजिकल रूप में शेयर ट्रांसफर को बंद कर दिया है। शेयर ट्रांसफर/ट्रांसमिशन और निवेशकों से जुड़ी अन्य सभी गतिविधियाँ आरटीए यानी एमसीएस शेयर ट्रांसफर एजेंट लिमिटेड के कार्यालय में देखी और प्रोसेस की जाती हैं।

### 6.7 31.03.2026 तक शेयरहोल्डिंग का वितरण

(ए) 31 मार्च 2026 तक साइज के आधार पर शेयरहोल्डिंग का विवरण:

| श्रेणी (शेयर) | शेयरहोल्डर्स की संख्या | % प्रतिशता | शेयरों की प्रतिशता | % प्रतिशता |
|---|---|---|---|---|
| 1-500 | 324589 | 88.7185 | 30093813 | 2.0063 |
| 501 to 1000 | 21768 | 5.9498 | 17131264 | 1.1421 |
| 1001 to 2000 | 10751 | 2.9385 | 16005920 | 1.0671 |
| 2001 to 3000 | 3449 | 0.9427 | 8832101 | 0.5888 |
| 3001 to 4000 | 1429 | 0.3906 | 5094060 | 0.3396 |
| 4001 to 5000 | 1164 | 0.3182 | 5478028 | 0.3652 |
| 5001 to 10000 | 1731 | 0.4731 | 12597027 | 0.8398 |
| 10001 to 20000 | 621 | 0.1697 | 8924864 | 0.5950 |
| 20001 to 30000 | 169 | 0.0462 | 4165545 | 0.2777 |
| 30001 to 40000 | 61 | 0.0167 | 2107489 | 0.1405 |
| 40001 to 50000 | 40 | 0.0109 | 1846999 | 0.1231 |
| 50001 to 100000 | 57 | 0.0156 | 4201406 | 0.2801 |
| 100000 to 999999999 | 35 | 0.0096 | 1383521484 | 92.2348 |
| कुल योग | **365864** | **100.0000** | **1500000000** | **100.0000** |

(बी) **31.03.2026** तक स्वामित्व के आधार पर शेयरधारिता का वितरण नीचे सारणीबद्ध है

| | श्रेणी (शेयर) | शेयरहोल्डर्स की संख्या | शेयरों की संख्या | कुल शेयरों की संख्या के % के रूप में कुल शेयरधारिता |
|---|---|---|---|---|
| (ए) | प्रोमोटर तथा प्रोमोटर ग्रुप की शेयरहाल्डिंग | | | |
| (I) | केंद्र सरकार | 1 | 1348903143 | 89.9269 |
| (बी) | संस्थान | | | |
| (ए) | म्युचुअल फंड्स/यूटीआई | 15 | 958715 | 0.0639 |
| | वैकल्पिक निवेश फंड | | | |
| (बी) | वित्तीय संस्थान/बैंक | 1 | 632 | 0.0000 |
| (सी) | बीमा कंपनियां | 4 | 25615602 | 1.7077 |
| (डी) | विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक | 7 | 1937104 | 0.1291 |
| (ई) | आरबीई के साथ पंजीकृत एनबीएफसी | 1 | 3750 | 0.0003 |
| (सी) | केन्द्र सरकार/राज्य सरकार | | | |
| | केन्द्र सरकार/भारत के राष्ट्रपति | 1 | 1000 | 0.00 |
| (डी) | गैर–संस्थान | | | |
| (ए) | कॉर्पोरेट निकाय | 426 | 2520222 | 0.1680 |
| (बी) | व्यक्तिगत होल्डर्स जिनकी शेयर पूंजी 2 लाख रूपये तक है | 360265 | 110061724 | 7.3374 |
| (सी) | व्यक्तिगत होल्डर्स जिनकी शेयर पूंजी 2 लाख रूपये से अधिक है | 6 | 3497825 | 0.2332 |
| (डी) | ट्रस्ट और फाउंडेशन | 10 | 12651 | 0.0008 |
| (ई) | नॉन–रेसिडेंट व्यक्ति | 1934 | 2257225 | 0.1505 |
| (एफ) | आईईपीएफ | 1 | 252740 | 0.0168 |
| (जी) | क्लियरिंग मेंबर | 44 | 515251 | 0.0344 |
| (एच) | एचयूएफ | 3148 | 3462416 | 0.2308 |
| | कुल | 365864 | 1500000000 | 100 |

टिप्पणी : कोई भी जीडीआर/एडीआर!वॉरन्ट/परिवर्तनीय दस्तावेज बकाया नहीं है।

(सी) प्रमुख शेयरधारक

| क्रम सं. | नाम | शेयरों की संख्या | कुल शेयरों का प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1. | भारत के राष्ट्रपति | 1348903143 | 89.9269 |
| 2. | भारतीय जीवन बीमा निगम | 23983951 | 1.5989 |
| 3. | द न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड | 1302446 | 0.0868 |
| 4. | क्वाड्रैचर कैपिटल वीसीसी– सब–फंड नंबर 1 | 1066553 | 0.0711 |
| 5. | विजडमट्री इंडिया अर्निंग्स फंड | 752031 | 0.0501 |
| 6. | केदार बोरगांवकर सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड | 322000 | 0.0215 |
| 7. | द ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड | 285408 | 0.0190 |
| 8. | इन्वेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड अथॉरिटी– कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय | 252740 | 0.0168 |
| 9. | निप्पॉन लाइफ इंडिया ट्रस्टी लिमिटेड– ए/सी निप्पॉन इंडिया निफ्टी स्मॉल कैप 250 इंडेक्स फंड | 224063 | 0.0149 |
| 10. | एचडीएफसी म्यूचुअल फंड– एचडीएफसी निफ्टी स्मॉल कैप 250 ईटीएफ | 175596 | 0.0117 |

(डी) 31 मार्च, 2026 तक शेयरधारकों का भौगोलिक वितरण

| शहर | शेयरधारकों की संख्या | कुल शेयरधारकों का % | शेयरों की संख्या | कुल शेयरों का : |
|---|---|---|---|---|
| नई दिल्ली | 25506 | 0.07 | 1358824616 | 90.59 |
| मुंबई | 28193 | 0.08 | 44257625 | 2.95 |
| पुणे | 8061 | 0.02 | 4872578 | 0.32 |
| अहमदाबाद | 7841 | 0.02 | 4640392 | 0.31 |
| कोलकाता | 8749 | 0.02 | 4575855 | 0.31 |
| बेंगलुरु | 8944 | 0.02 | 3721371 | 0.25 |
| चेन्नई | 6491 | 0.02 | 3186155 | 0.21 |
| जयपुर | 5286 | 0.01 | 2850848 | 0.19 |
| हैदराबाद | 6269 | 0.02 | 2786779 | 0.19 |
| सूरत | 5412 | 0.01 | 2404595 | 0.14 |
| गाजियाबाद | 5820 | 0.02 | 2040811 | 0.14 |
| गांधी नगर | 5060 | 0.01 | 1968997 | 0.13 |
| इंदौर | 2321 | 0.01 | 1657594 | 0.11 |
| राजकोट | 3633 | 0.01 | 1387138 | 0.09 |
| वडोदरा | 3166 | 0.01 | 1359102 | 0.09 |
| गुड़गांव | 2616 | 0.01 | 1222884 | 0.08 |
| अन्य | 240274 | 99.64 | 58242660-00 | 3.90 |
| कुल | 373642 | 100.00 | 1500000000-00 | 100-00 |

**6.8 शेयरों का डीमटेरियलाइजेशन**

एमएमटीसी लिमिटेड के शेयर, आईएसआईएन संख्याः आईएनई 123F01029 के साथ, सीडीएसएल और एनएसडीएल द्वारा डीमैटरियलाइज्ड रूप में व्यापार के लिए पात्र प्रतिभूति बने हुए हैं। 31 मार्च, 2026 तक, एमएमटीसी लिमिटेड के 1 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले 150 करोड़ इक्विटी शेयरों में से 1,34,89,03,143 शेयर भारत के राष्ट्रपति के पास हैं और 15,10,95,374 शेयर अन्य लोगों के पास डीमैटरियलाइज्ड रूप में हैं, जिससे डीमैटरियलाइज्ड रूप में केवल **1,483 शेयर** ही बचे हैं।

**6.9 पत्राचार का पताः**

बोर्ड सचिवालय, एमएमटीसी लिमिटेड, कोर–1, स्कोप कॉम्पलेक्स, 7, इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नई दिल्ली–110003

फोन संख्याः 011-24361889

ई–मेलः mmtc@mmtclimited-com

**7. प्रकटीकरण**

**(ए) संबंधित पक्ष लेनदेनः –**

कंपनी ने एक संबंधित पक्ष लेनदेन (आरपीटी) नीति तैयार की है जिसमें संबंधित पक्ष लेनदेन की महत्ता निर्धारित करने और संबंधित पक्ष लेनदेन से निपटने के मानदंड शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, एमएमटीसी लिमिटेड ने अपने निदेशकों के साथ केवल भुगतान किए गए पारिश्रमिक से संबंधित पक्ष लेनदेन किए हैं।

कंपनी के प्रवर्तकों, निदेशकों या सहायक कंपनियों या रिश्तेदारों आदि के साथ कोई भी भौतिक रूप से महत्वपूर्ण संबंधित पक्ष लेनदेन, अर्थात भौतिक प्रकृति के लेनदेन नहीं हुए है, जिनका कंपनी के हितों के साथ संभावित टकराव हो सकता है। संबंधित पक्ष लेनदेन के अन्य विवरण वार्षिक रिपोर्ट में लेखा–जोखा का हिस्सा बनने वाले नोट्स में प्रकट किए गए हैं।

संबंधित पक्ष लेनदेन हेतु वेब लिंक नीति एवं प्रक्रिया

https://mmtclimited-com//files/related%20party%20transaction%20policy%20eng.pdf

**(बी) नियमों का पालन न करने का विवरण**

कंपनी को 2023–24, 2024–25 और 2025–26 की पहली, दूसरी, तीसरी और चौथी तिमाही के दौरान सेबी (एलओडीआर) के विनिमय 17 (1) के प्रावधानों का पालन न करने पर एनएसई और बीएसई से जुर्माना भरने के नोटिस प्राप्त हुए। 2025–26 की पहली, दूसरी, तीसरी और चौथी तिमाही के दौरान, विनिमय 17(1) के प्रावधानों का पालन न करने पर जुर्माना लगाया गया क्योंकि निदेशक मंडल में कम से कम आधे सदस्य स्वतंत्र निदेशक नहीं थे। प्रबंधकों ने जवाब दिया कि चूंकि कंपनी एक सीपीएसई है, इसलिए सभी नियुक्तियां भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा की गई थीं, स्वतंत्र निदेशकों सहित किसी भी निदेशक की नियुक्ति में कंपनी की कोई भूमिका नहीं थी। तीसरी तिमाही में, 2023–24 के दौरान निदेशकों की संबंध समिति की बैठक न करने के लिए बीएसई और एनएसई से चेतावनी पत्र मिला। कंपनी ने स्पष्ट किया कि निर्धारित बैठक के समय समिति के सदस्यों की अनुपलब्धता के कारण बैठक नहीं हो सकी। (पत्र 29.05.2025 और 29.08.2025 को प्राप्त हुए)

(सी) व्हिसल ब्लोअर नीति

कंपनी के पास निदेशकों और कर्मचारियों के लिए एक बोर्ड अनुमोदित 'व्हिसल ब्लोअर नीति' है, जिसके तहत वे अनैतिक व्यवहार, वास्तविक या संदिग्ध धोखाधड़ी या कंपनी की आचार संहिता या नैतिकता नीति के उल्लंघन के बारे में प्रबंधन को अपनी चिंताओं की सूचना दे सकते हैं। यह उन कर्मचारियों को उत्पीड़न से बचाने के लिए पर्याप्त सुरक्षा भी प्रदान करती है जो इस तंत्र का लाभ उठाते हैं और आवश्यकता पड़ने पर लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष तक सीधी पहुँच प्रदान करते हैं।

कंपनी के किसी भी कर्मचारी को लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष तक पहुँच से वंचित नहीं किया गया है।

(डी) किसी कार्यरत कंपनी सचिव से एक प्रमाण पत्र कि कंपनी के बोर्ड के किसी भी निदेशक को बोर्ड/कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय या किसी ऐसे वैधानिक प्राधिकरण द्वारा कंपनियों के निदेशक के रूप में नियुक्त होने या बने रहने से वंचित या अयोग्य नहीं ठहराया गया है, **अनुलग्नक–ए** के रूप में संलग्न है।

**(ई) कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों द्वारा समेकित आधार पर सांविधिक लेखा परीक्षक को भुगतान की गई सभी सेवाओं के लिए कुल शुल्क का विवरण ।**

| विवरण | राशि (रू.में) |
|---|---|
| संविधिक लेखापरीक्षा शुल्क | 0.24 करोड़ |
| अन्य सेवाएं | 0.11 करोड़ |

**(एफ) कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के संबंध में प्रकटीकरण:**

| विवरण | संख्या |
|---|---|
| वर्तीय वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या | 0 |
| वित्तीय वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतों की संख्या | 0 |
| वित्तीय वर्ष के अंत तक लंबित शिकायतों की संख्या | 0 |

जी) कंपनी ने रिपोर्ट में उल्लिखित को छोड़कर, सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015, कंपनी अधिनियम, 2013 और डीपीई, भारत सरकार द्वारा जारी सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन संबंधी दिशानिर्देशों की सभी आवश्यकताओं का व्यापक रूप से अनुपालन किया है।

(एच) कंपनी ने कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना का विकल्प नहीं चुना है।

(आई) कंपनी ने इस रिपोर्ट और सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट में विशेष रूप से उल्लिखित सीमा को छोड़कर, विनियम 17 से 27 और सेबी (एलओडीआर) के विनियम 46 के उप–विनियम (2) के खंड (बी) से (i) में निर्दिष्ट कॉर्पोरेट प्रशासन आवश्यकताओं का अनुपालन किया है।

8. सीईओ / सीएफओ प्रमाणन

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 17 (8) के अनुसार, कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा सीएफओ द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र 29 मई, 2026 को आयोजित निदेशक मंडल की बैठक में प्रस्तुत किया गया और इसे कॉरपोरेट गवरनेंस रिपोर्ट के साथ संलग्न (अनुलग्नक–सी) किया गया है।

9. अनुपालन प्रमाण पत्र

कॉर्पोरेट गवरनेंस की शर्तों के अनुपालन के संबंध में कार्यरत कंपनी सचिव से प्राप्त अनुपालन प्रमाणपत्र संलग्न (अनुलग्नक डी) है।

10. शेयरधारकों / अन्य निवेशकों की शिकायतें

शेयरधारक / अन्य निवेशक कंपनी सचिव के पास भी अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं ईमेल: akmisra@mmtclimited.com

कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट का अनुलग्नक–ए

## निदेशकों के गैर–अयोग्यता का प्रमाण पत्र

(सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 34(3) और अनुसूची V पैरा C खंड (10) (i) के अनुपालन में)

सेवा में,
के सदस्य
मेसर्स एमएमटीसी लिमिटेड
कोर–1, स्कोप कॉम्प्लेक्स –7
संस्थागत क्षेत्र, लोधी रोड,
नई दिल्ली, 110003

हमने **सीआईएनः L51909DL1963GO1004033** और कोर–1, स्कोप कॉम्प्लेक्स –7, संस्थागत क्षेत्र, लोधी रोड, नई दिल्ली, 110003 (जिसे इसके बाद 'कंपनी' कहा जाएगा) में पंजीकृत कार्यालय वाले एमएमटीसी लिमिटेड के निदेशकों से प्राप्त प्रासंगिक रजिस्टरों, रिकॉर्डों, प्रपत्रों, रिटर्न और प्रकटीकरणों की जांच की है, जो भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 34(3) के साथ पठित अनुसूची v पैरा–सी उप खंड 10(i) के अनुसार, 31 मार्च, 2026 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए (जिसे इसके बाद 'समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष' कहा जाएगा) हमारे समक्ष कंपनी द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं।

हमारी राय में और हमारी जानकारी के अनुसार तथा सत्यापन (पोर्टल : www.mca.gov.in) पर निदेशक पहचान संख्या (डीआईएन) की स्थिति सहित) के अनुसार, जैसा कि आवश्यक समझा गया है तथा कंपनी एवं उसके अधिकारियों द्वारा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, हम प्रमाणित करते हैं कि समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के समापन पर कंपनी के निदेशक मंडल के किसी भी निदेशक को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय या ऐसे किसी अन्य सांविधिक प्राधिकरण द्वारा कंपनियों के निदेशक के रूप में नियुक्त होने या बने रहने से वंचित या अयोग्य नहीं ठहराया गया है।

बोर्ड में प्रत्येक निदेशक की नियुक्ति/निरंतरता की पात्रता सुनिश्चित करना कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने सत्यापन के आधार पर इन पर राय व्यक्त करें। यह प्रमाणपत्र न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही उस दक्षता या प्रभावशीलता का आश्वासन है जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

**ब्लैक एंड कंपनी के लिए**
कंपनी सचिव

स्थानः गाजियाबाद, एनसीआर
दिनांकः 06.05.2026

**(अर्चना बंसल)**
एमजी साझेदार,
एम. नंबर – 13796
सीओपी नं.– 11714
यूडीआईएन–013796000290369

# अनुलग्नक बी कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट के लिए एमएमटीसी लिमिटेड की लाभांश वितरण नीति

## पृष्ठभूमि

सेबी (लिस्टिंग से जुड़ी बाध्यताएँ और जानकारी देने की आवश्यकताएँ) नियम, 2015 के अनुसार, कंपनी के लिए लाभांश वितरण नीति बनाना और इसे अपनी सालाना रिपोर्ट और वेबसाइट पर बताना जरूरी है। इसी के अनुसार, कंपनी के निदेशक मंडल ("बोर्ड") ने इस लाभांश वितरण नीति को मंजूरी दी है।

इस नीति का उद्देश्य शेयरधारकों को कंपनी द्वारा अपनाए जाने वाले लाभांश वितरण रुपरेखा के बारे में साफ जानकारी देना है। निदेशक मंडल इस नीति, कंपनीज एक्ट, 2013 और उसके अनुसार बने नियमों और अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के अनुसार लाभांश की सिफारिश करेगा।

## II. नीति की रूपरेखा

यह नीति मोटे तौर पर कंपनीज एक्ट के प्रावधानों के अनुसार बनाई गई है। साथ ही, इसमें "केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का पूंजी पुनर्गठन" पर निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम), वित्त मंत्रालय, सार्वजनिक उद्यम विभाग, सेबी और अन्य लागू दिशानिर्देशों को भी ध्यान में रखा गया है।

## III. ध्यान में रखने योग्य बातें

कंपनी की सालाना आम बैठक में निदेशक मंडल की सिफारिशों के आधार पर लाभांश घोषित किया जाता है। लाभांश की सिफारिश करना बोर्ड की मर्जी पर निर्भर करता है। बोर्ड अंतरिम लाभांश भी घोषित कर सकता है।

लाभांश के भुगतान का फैसला बहुत अहम होता है क्योंकि यह कंपनी के शेयरधारकों के बीच बांटे जाने वाले लाभों और कंपनी के बने रहने और विकास की योजनाओं के लिए आंतरिक रूप से जमा हुई कमाई के उपयोग की जरूरत के बीच संतुलन बनाता है। लाभांश की सिफारिश / घोषणा करने से पहले आम तौर पर जिन कारकों पर विचार किया जाता है, वे इस प्रकार हैं:

### (ए) वे परिस्थितियाँ जिनमें कंपनी के शेयरधारक लाभांश की उम्मीद कर सकते हैं या नहीं कर सकते हैं।

लाभांश के बारे में कोई भी सिफारिश करने से पहले बोर्ड आम तौर पर जिन बातों पर विचार करता है, उनमें ये शामिल हो सकती हैं भविष्य में पूंजी खर्च की योजनाएं, वित्तीय वर्ष के दौरान हुआ लाभ, वैकल्पिक स्रोतों से फंड जुटाने की लागत, नकदी प्रवाह की स्थिति और लागू टैक्स जिसमें लाभांश पर लगने वाला टैक्स भी शामिल है–ये सभी समय–समय पर लागू होने वाले दिशा–निर्देशों के अधीन होंगे।

### (बी) लाभांश घोषित करते समय जिन वित्तीय पैमानों पर विचार किया जाएगा

एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम होने के नाते, कंपनी भारत सरकार के निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) द्वारा जारी "केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का पूंजी पुनर्गठन" से जुड़े दिशा–निर्देशों, समय–समय पर उनमें किए गए बदलावों, संशोधनों या नई व्यवस्थाओं सहित और कंपनीज एक्ट, 2013 तथा अन्य लागू कानूनों के प्रावधानों का पालन करते हुए लाभांश घोषित करने की कोशिश करेगी।

लाभांश की मात्रा समय–समय पर निदेशक मंडल द्वारा तय की जाएगी। इसके लिए कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन, लाभों, पूंजी खर्च की जरूरतों, लेवरेज, नकदी प्रवाह, भंडार, निवल मूल्य और बोर्ड द्वारा उचित समझे जाने वाले अन्य संबंधित कारकों को ध्यान में रखा जाएगा, साथ ही लागू कानूनी और नियामक जरूरतों का भी पालन किया जाएगा।

### सी) लाभांश की घोषणा के लिए जिन आंतरिक और बाहरी कारकों पर विचार किया जाएगा

#### सी 1.) आंतरिक कारक

- मौजूदा व्यापार की पूंजी से जुड़ी जरूरतें,
- कंपनी की सहायक / सहयोगी कंपनियों में अतिरिक्त निवेश
- कर्ज का स्तर और कर्ज लेने की क्षमता,
- वित्तपोषण के वैकल्पिक स्रोतों की लागत और उपलब्धता,
- नियामक नियम,
- कोई अन्य संबंधित कारक जिन्हें बोर्ड लाभांश घोषित करने से पहले विचार करने के लिए सही समझे।

#### सी 2.) बाह्य कारक

#### सी 2.1) आर्थिक परिवेश

अनिश्चित या मंदी वाले आर्थिक और व्यावसायिक हालात में, कंपनी भविष्य के उतार–चढ़ाव का सामना करने के लिए रिजर्व बनाने के उद्देश्य से लाभ का ज्यादातर हिस्सा अपने पास बनाए रखने की कोशिश करेगी।

सी 2.2) **कानूनी प्रावधान और दिशानिर्देश**

कंपनी लाभांश की घोषणा के संबंध में कंपनीज एक्ट के अनुसार लगाई गई पाबंदियों का पालन करेगी। इसके अलावा, एक सरकारी कंपनी होने के नाते, कंपनी भारत सरकार या किसी अन्य वैधानिक संस्था द्वारा समय–समय पर जारी लाभांश की घोषणा से संबंधित दिशानिर्देशों पर भी विचार करेगी।

डी) **रोकी गई आय का उपयोग**

कंपनी अलग–अलग तरह की वस्तुओं का व्यापार करती है और अपने कारोबार को फैलाने की कोशिशों के अनुसार, वह अपने मौजूदा व्यापार से जुड़े क्षेत्रों में साझेदारी बना सकती है। कंपनी की बची हुई कमाई को कंपनी के "मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन" में बताए गए उद्देश्यों के अनुसार प्रयोग किया जाएगा, जिससे कंपनी के व्यापार और कामकाज को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

ई) **शेयरों की विभिन्न श्रेणियों के संबंध में अपनाए जाने वाले मानदंड**

रिकॉर्ड तिथि पर कंपनी के इक्विटी शेयर रखने वाले लोग लाभांश पाने के हकदार हैं। चूंकि कंपनी ने समान वोटिंग अधिकारों वाले इक्विटी शेयरों की केवल एक ही श्रेणी जारी की है, इसलिए कंपनी के सभी सदस्य प्रति शेयर समान राशि का लाभांश पाने के हकदार हैं। शेयरों की किसी नई श्रेणी को जारी करते समय, उसकी प्रकृति और दिशानिर्देशों के आधार पर इस नीति की उचित रूप से समीक्षा की जाएगी।

**अन्य प्रावधान**

अगर किसी कानूनी एक्ट, नियम, विनिमय आदि में बाद में कोई बदलाव होता है, जिससे इस नीति का कोई प्रावधान उनसे मेल नहीं खाता है, तो उस स्थिति में कानूनी एक्ट, नियम, विनिमय आदि के प्रावधान ही मान्य होंगे।

मुख्य प्रबंध निदेशक को नीति में किसी भी छोटे–मोटे बदलाव या अंतर को मंजूरी देने का अधिकार है और इस नीति से जुड़ी किसी भी व्याख्या के लिए वही सक्षम अधिकारी होंगे।

# अनुलग्नक सी कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट के लिए सीईओ / सीएफओ प्रमाणन

सेबी (लिस्टिंग से जुड़ी बाध्यताएँ और जानकारी देने की आवश्यकताएँ) विनिमयों, 2015 के विनिमय 17(8) के प्रावधानों के अनुसार, इसके द्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि:

ए) 31.03.2026 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों और नकदी प्रवाह कथनों की समीक्षा की गई है और हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार:

i. इन कथनों में कोई भी ऐसी बात नहीं है जो असल में गलत हो, न ही इनमें किसी जरूरी तथ्य को छोड़ा गया है और न ही इनमें ऐसी कोई बात है जो गुमराह करने वाली हो सकती है;

ii. ये विवरण मिलकर कंपनी के कामकाज की सही और निष्पक्ष तस्वीर पेश करते हैं और मौजूदा लेखांकन मानक, लागू कानूनों और नियमों के अनुरूप हैं।

बी) हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार, कंपनी ने साल के दौरान ऐसा कोई लेन–देन नहीं किया है जो धोखाधड़ी वाला, गैर–कानूनी या कंपनी के आचार–संहिता का उल्लंघन करने वाला हो।

सी) हम वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए आंतरिक नियंत्रण स्थापित करने और उन्हें बनाए रखने की जिम्मेदारी लेते हैं। हमने वित्तीय / परिचालन रिपोर्टिंग से जुड़े कंपनी के आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया है। साथ ही, हमने लेखा परीक्षकों और संपरीक्षा समिति को ऐसे आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन या संचालन में मौजूद कमियों के बारे में बताया है, और इन कमियों को ठीक करने के लिए हमने जो कदम उठाए हैं या उठाने का प्रस्ताव है, उनके बारे में भी जानकारी दी है।

डी) हमने लेखा परीक्षकों और संपरीक्षा समिति को बता दिया है।

I. वर्ष के दौरान वित्तीय रिपोर्टिंग से जुड़े आंतरिक नियंत्रण में अहम बदलाव,

ii. वर्ष के दौरान लेखाकरण नीतियों में अहम बदलाव और यह कि उन्हें वित्तीय विवरण को टिप्पणियों में बताया गया है; और

iii. अहम धोखाधड़ी के मामले जिनकी हमें जानकारी मिली है और उनमें प्रबंधन या कंपनी के वित्तीय रिपोर्टिंग से जुड़े आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों में अहम भूमिका निभाने वाले किसी कर्मचारी की कोई भूमिका रही हो।

हस्ता. / –
(श्री बी.डी. दास)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता. / –
(श्री नितिन कुमार यादव)
मुख्य प्रबंध निदेशक

# अनुलग्नक–डी कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर अनुपालन प्रमाण पत्र

सेवा में,
सदस्यगण,
एमएमटीसी लिमिटेड
कोर–1, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7 संस्थागत क्षेत्र
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003

1. हमने कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन की जांच की है 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए एमएमटीसी लिमिटेड (कंपनी), जैसा कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 17 से 27 और विनियम 46(2) के खंड (बी) से (आई) और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के संशोधित (''सेबी लिस्टिंग विनियम'') और सार्वजनिक उद्यम विभाग (''डीपीई दिशानिर्देश'') द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर दिशानिर्देशों की अनुसूची वी के पैरा सी, डी और ई में निर्धारित है।

**प्रबंधन की जिम्मेदारी**

2. कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों का अनुपालन कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। इस जिम्मेदारी में लिस्टिंग विनियमों में निर्धारित कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों और सार्वजनिक उद्यम विभाग (''डीपीई दिशानिर्देश'') द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर दिशानिर्देशों में निर्धारित कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक नियंत्रण की डिजाइनिंग, कार्यान्वयन और परिचालन प्रभावशीलता शामिल है।

**हमारी जिम्मेदारी**

3. हमारी जिम्मेदारी कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया और उसके कार्यान्वयन की जांच करने तक सीमित है। यह न तो ऑडिट है और न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों पर राय की अभिव्यक्ति है।

4. हमने कंपनी द्वारा बनाए गए प्रासंगिक रिकॉर्ड और दस्तावेजों की जांच की है ताकि कंपनी द्वारा कॉर्पोरेट गवर्नेंस आवश्यकताओं के अनुपालन पर उचित आश्वासन प्रदान किया जा सके।

**राय**

5. प्रासंगिक अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर और हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा प्रबंधन द्वारा हमें प्रदान किए गए अभ्यावेदनों के अनुसार, हम प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के दौरान विनियम 17 से 27 और विनियम 46(2) के खंड (बी) से (आई) और सूची विनियमों की अनुसूची वी के पैरा–सी और डी और डीपीई दिशानिर्देशों में निर्धारित कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों का अनुपालन किया है, सिवाय निम्नलिखित के:

   I. निदेशक मंडल के आधे हिस्से में मार्च 2025 और जून, 2025 की तिमाही समाप्त होने तक स्वतंत्र निदेशक शामिल नहीं थे। तदनुसार, सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 17 के अनुपालन न करने के लिए क्रमशः 29 मई, 2025 और 29 अगस्त, 2025 को दंड नोटिस प्राप्त हुए।

6. इसके अलावा, हमें सूचित करना है कि इस तरह का अनुपालन न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही उस दक्षता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के कार्यों को संचालित संचालन किया है।

**ब्लैक एंड कंपनी के लिए**
कंपनी सेक्रेटरी

**स्थान** : गाजियाबाद, एनसीआर
**तारीख** : 06.05.2026

**(अर्चना बंसल)**
**एमजी. साझेदार,**
**एम. संख्याः** F13796
**सीओपी नं.:** 11714
**पीआर संख्याः** 1844/2022
**यूडीआईएनः** F013796H000290281


व्यवसाय दायित्व
और
सतत् रिपोर्ट
2025-26

# अनुबंध–IV निदेशकों की रिपोर्ट के प्रति

## खंड ए–सामान्य प्रकटन

| I. | सूचीबद्ध इकाई का विवरण | | |
|---|---|---|---|
| 1 | एनएससी प्रतीक* | एमएमटीसी | |
| 2 | बीएससी मुद्रा कोड* | 513377 | |
| 3 | एमएसईआई प्रतीक* | सूचीबद्ध नहीं | |
| 4 | आईएसआईएन* | INE123F01029 | |
| 5 | सूचीबद्ध इकाई का कार्पोरेट पहिचान सं. (सीआईएन) | L51909DL1963GOI004033 | |
| 6 | सूचीबद्ध इकाई का नाम | एमएमटीसी लिमिटेड | |
| 7 | संस्थापन की तारीख | 26.09.1963 | |
| 8 | पंजीकृत कार्यालय का पता | कोर–1, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली – 110003, भारत | |
| 9 | कार्पोरेट कार्यालय का पता | कोर–1, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली – 110003, भारत | |
| 10 | ईमेल | mmtc@mmtclimited.com | |
| 11 | टेलीफोन | 011-24362200 | |
| 12 | वेबसाइट | www.mmtclimited.com | |
| 13 | वित्तीय वर्ष जिसके लिए रिपोर्टिंग की जा रही है | आरंभ तिथि | समाप्त तिथ |
| | चालू वित्तीय वर्ष | 01.04.2025 | 31.03.2026 |
| | पिछला वित्तीय वर्ष | 01.04.2024 | 31.03.2025 |
| | पिछले वित्तीय वर्ष से पहले | 01-04-2023 | 31-03-2024 |
| 14 | स्टॉक एक्सचेंज का नाम जहां शेयर सूचीबद्ध है | | |

स्टॉक एक्सचेंज का विवरण

| क्रम सं. | स्टॉक एक्सचेंज का नाम | स्टॉक एक्सचेंज का विवरण | देश का नाम |
|---|---|---|---|
| 1 | बीएससी | | |
| 2 | एनएससी | | |

| | | |
|---|---|---|
| 15 | प्रदत्त पूंजी (रुपये में) | 1500000000.00 |
| 16 | उस व्यक्ति का नाम और संपर्क विवरण (टेलीफोन, ईमेल पता) जिससे बीबारएस रिपोर्ट पर किसी भी प्रश्न के मामले में संपर्क किया जा सकता है | |
| | नाम | अजय कुमार मिश्रा |
| | संपर्क नं. | 9958404478 |
| | ई–मेल | **akmisra@mmtclimited.com** |
| 17 | रिपोर्टिंग का दायरा – क्या इस रिपोर्ट के तहत जानकारी अलग–अलग (यानी सिर्फ उस इकाई के लिए) दी गई है या एक साथ मिलाकर (यानी उस इकाई और उन सभी इकाइयों के लिए जो उसके समेकित वित्तीय विवरणों का हिस्सा हैं, सबको मिलाकर) दी गई है? | समेकन आधार पर |
| 18 | क्या कंपनी ने बीआरएसआर कोर का मूल्यांकन या आश्वासन किया है? | नहीं |

I. उत्पाद / सेवाएं

21 व्यावसायिक गतिविधियों का विवरण (जो टर्नओवर का 90 प्रतिशत हिस्सा हैं)

व्यावसायिक गतिविधियों का विवरण (जो टर्नओवर का 90 प्रतिशत हिस्सा हैं)

| क्रम सं. | मुख्य गतिविधि का विवरण | व्यवसायिक गतिविधि का विवरण | इकाई के टर्नओवर का % |
|---|---|---|---|
| 1 | पवन ऊर्जा उत्पादन | एमएमटीसी लिमिटेड ने मार्च 2007 में कर्नाटक के गजेंद्रगढ़ में 15 मेगावाट क्षमता का पवन चक्की प्रोजेक्ट लगाया, जिसमें 25 पवन एनर्जी जनरेटर थे। | 99.50% |

22 संस्था द्वारा बेचे जाने वाले उत्पाद / सेवाएँ (जो संस्था के टर्नओवर का 90 प्रतिशत हिस्सा हैं)

स्था द्वारा बेचे जाने वाले उत्पाद / सेवाएँ (जो संस्था के टर्नओवर का 90 प्रतिशत हिस्सा हैं)

| क्रम सं. | उत्पाद / सेवा | एनआईसी कोड | कुल कारोबार का % योगदान दिया |
|---|---|---|---|
| 1 | पवन ऊर्जा उत्पादन | 35106 | 99.50% |
| | एनआईसी कोड लिस्ट लिंक | https://www.ncs.gov.in/Documents/NIC_Sector.pdf | |

III. परिचालन

| 23 | उन स्थानों की संख्या जहां इकाई के संयंत्र और/ या परिचालन/कार्यालय स्थित है | | | |
|---|---|---|---|---|
| | स्थान | संयंत्रों की संख्या | कार्यालय की संख्या | कुल |
| | राष्ट्रीय | 0 | 9 | 9 |
| | अंतर्राष्ट्रीय | 0 | 0 | 0 |

| 24 | इकाई के सेवित बाजार | |
|---|---|---|
| ए | स्थानों की संख्या | |
| | स्थान | संख्या |
| | राष्ट्रीय (राज्यों की संख्या) | 9 |
| | अंतर्राष्ट्रीय (राज्यों की संख्या) | 0 |
| बी | इकाई के कुल कारोबार में प्रतिशत के रूप में निर्यात का क्या योगदान है | 0.00% |
| सी | ग्राहकों के प्रकारों पर संक्षिप्त जानकारी | वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आदेश से एमएमटीसी लिमिटेड का कारोबार बंद कर दिया गया है। |

IV. कर्मचारी

| 25 | वित्त वर्ष के अंत में विवरण | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ए. | कर्मचारी और वर्कर (दिव्यांग शामिल हैं) | | | | | | | |
| क्रम सं. | कर्मचारी | कुल (ए) | पुरुष | | महिला | | अन्य | |
| | | | सं (बी) | % (बी/ए) | सं. (सी) | % (सी/ए) | सं. (एच) | % (एच/ए) |
| | कर्मचारी | | | | | | | |
| 1 | स्थायी (डी) | 245 | 196 | 80.00% | 49 | 20.00% | 0 | 0.00% |
| 2 | अस्थायी के अलावा (ई) | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| **3** | कुल कर्मचारी (डी+ई) | **245** | **196** | **80.00%** | **49** | **20.00%** | **0** | **0.00%** |
| | वर्कर | | | | | | | |
| 4 | स्थायी (एफ) | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| 5 | अस्थायी के अलावा (जी) | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| **6** | कुल कर्मचारी (एफ+जी) | **0** | **0** | **0.00%** | **0** | **0.00%** | **0** | **0.00%** |
| बी. | दिव्यांग कर्मचारी और कामगार : | | | | | | | |
| क्रम सं. | कर्मचारी | कुल (ए) | पुरुष | | महिला | | अन्य | |
| | | | सं (बी) | % (बी/ए) | सं. (सी) | % (सी/ए) | सं. (एच) | % (एच/ए) |
| | दिव्यांग कर्मचारी | | | | | | | |
| 1 | स्थायी (डी) | 9 | 9 | 100.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| 2 | अस्थायी के अलावा (ई) | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| **3** | कुल कर्मचारी (डी+ई) | **9** | **9** | **100.00%** | **0** | **0.00%** | **0** | **0.00%** |
| | दिव्यांग कर्मचारी | | | | | | | |
| 4 | स्थायी (एफ) | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| 5 | अस्थायी के अलावा (जी) | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| **6** | कुल कर्मचारी (एफ+जी) | **0** | **0** | **0.00%** | **0** | **0.00%** | **0** | **0.00%)** |

| 26 महिलाओं की भागीदारी / शामिल / प्रतिनिधित्व | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | कुल (ए) | महिलाओं की सं. एवं प्रतिशत | |
| | | | सं. (बी) | % (बी / ए) |
| | बोर्ड के निदेशकगण | 9 | 2 | 22.22% |
| | प्रमुख प्रबंधन कार्मिक | 4 | 1 | 25.00% |

**27 स्थायी कर्मचारी और वर्कर्स के लिए कारोबार दर (पिछले 3 वर्षों के लिए प्रकटन रूझान)**

| | | चालू वित्तीय वर्ष कारोबारी दर (2025-26) | | | | पिछले वित्तीय वर्ष कारोबारी दर (2024-25) | | | | पिछले वित्तीय वर्ष कारोबारी दर (2023-24) | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पुरुष | महिला | अन्य | कुल | पुरुष | महिला | अन्य | कुल | पुरुष | महिला | अन्य | कुल |
| | स्थायी कर्मचारी | 13.46% | 4.00% | 0.00% | **11.57%** | 17.02% | 23.19% | 0.00% | **18.23%** | 32.05% | 35.51% | 0.00% | **32.76%** |
| | स्थायी वर्कर | 0.00% | 0.00% | 0.00% | **0.00%** | 0.00% | 0.00% | 0.00% | **0.00%** | 0.00% | 0.00% | 0.00% | 0.00% |

**V.** होल्डिंग, सहायक और एसोसिएट कंपनियां (संयुक्त उद्यम शामिल हैं)

**28 ए) होल्डिंग / सहायक कंपनी / एसोसिएट कंपनियां / संयुक्त उद्यमों के नाम**

**होल्डिंग / सहायक कंपनी / एसोसिएट कंपनियां / संयुक्त उद्यमों**

| क्रम सं. | होल्डिंग / सहायक कंपनी / एसोसिएट कंपनिया / संयुक्त उद्यमों के नाम | क्या होल्डिंग / सहायक कंपनी / एसोसिएट कंपनियां / संयुक्त उद्यम है | सूचीबद्ध इकाई के पास शेयरों का % | क्या कॉलम ए में दर्शायी गई इकाई सूचीबद्ध इकाई के व्यवसाय दायित्व की पहल भागीदारी करती है (हां / नहीं) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | एमएमटीसी पीएएमपी इंडिया प्रा. लिमिटेड | संयुक्त उद्यम | 26.00% | हाँ |
| 2 | फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्रा. लि. | संयुक्त उद्यम | 50.00% | हाँ |
| 3 | सिकाल आयरन ओर टर्मिनल लिमिटेड | संयुक्त उद्यम | 26.00% | हाँ |

**VI.** सीएसआर विवरण

| | | |
|---|---|---|
| 29 | (i) क्या सीएसआर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 के अंतर्गत लागू है (हाँ / नहीं) | नहीं |
| | (ii) कारोबार (रुपये में) | 34105666.00 |
| | (iii) निवल मूल्य (रुपये में) | 1699.13 |

| VII. | पारदर्शिता और खुलासे से जुड़े अनुपालन | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 30 | दायित्व व्यवसायिक आचरण पर राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के तहत किसी भी सिद्धांत (सिद्धांत 1 से 9) पर शिकायतें/शिकायत–निवारण | | | | | | | | | | |
| | | | | वित्त वर्ष (2025-26) | | | | वित्त वर्ष (2024-25) | | | |
| | स्टेकहोल्डर ग्रुप जिससे शिकायत प्राप्त हुई है | शिकायत निवारण प्रणाली मौजूद है (हाँ/नहीं/लागू नहीं) | (अगर हाँ, तो शिकायत निवारण नीति का वेब–लिंक दें) | वर्ष के दौरान दर्ज की गई शिकायतों की संख्या | वर्ष के समाप्ति पर समाधान के लिए लंबित शिकायतों की संख्या | टिप्पणी | वर्ष के दौरान दर्ज की गई शिकायतों की संख्या | वर्ष के समाप्ति पर समाधान के लिए लंबित शिकायतों की संख्या | टिप्पणी | (यदि नहीं कारण बताएं) | |
| | समुदाय | हाँ | https://mmtclimited.com//files/Circular%20NO%2013-2014-vigil%20mechanism%20scheme%20dt14.8.2014.pdf | 0 | 0 | लागू नहीं | 0 | 0 | लागू | | |
| | निवेशक शेयरधारकों के अलावा | हाँ | https://mmtclimited.com//files/Circular%20NO%2013-2014-vigil%20mechanism%20scheme%20dt14.8.2014.pdf | 0 | 0 | लागू नहीं | 0 | 0 | लागू नहीं | | |
| | शेयरधारक | हाँ | https://mmtclimited.com//files/Circular%20NO%2013-2014-vigil%20mechanism%20scheme%20dt14.8.2014.pdf | 0 | 0 | लागू नहीं | 0 | 0 | लागू नहीं | | |
| | कर्मचारी और वर्कर | हाँ | https://mmtclimited.com//files/Circular%20NO%2013-2014-vigil%20mechanism%20scheme%20dt14.8.2014.pdf | 0 | 0 | लागू नहीं | 0 | 0 | लागू नहीं | | |
| | ग्राहक | हाँ | https://mmtclimited.com//files/Circular%20NO%2013-2014-vigil%20mechanism%20scheme%20dt14.8.2014.pdf | 0 | 0 | लागू नहीं | 0 | 0 | लागू नहीं | | |
| | मूल्य श्रृंखला भागदार | लागू नहीं | वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आदेश के अनुसार, एमएमटीसी लिमिटेड ने 12 अप्रैल 2022 से अपना कामकाज बंद कर दिया है। | | | | | | | | |

**अन्य हितधारक समूह का विवरण**

| | | | | वित्त वर्ष (2025-26) | | | | वित्त वर्ष (2024-25) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम सं. | स्टेकहोल्डर ग्रुप जिससे शिकायत प्राप्त हुई है | शिकायत निवारण प्रणाली मौजूद है (हाँ/नहीं/लागू नहीं) | (अगर हाँ, तो शिकायत निवारण नीति का वेब–लिंक दें) | वर्ष के दौरान दर्ज की गई शिकायतों की संख्या | वर्ष के समाप्ति पर समाधान के लिए लंबित शिकायतों की संख्या | टिप्पणी | वर्ष के दौरान दर्ज की गई शिकायतों की संख्या | वर्ष के समाप्ति पर समाधान के लिए लंबित शिकायतों की संख्या | टिप्पणी | (यदि नहीं कारण बताएं) |
| 1. | एमएमटीसी लिमिटेड के कर्मचारी | हाँ | https://mmtclimited.com//files/Circular%20NO%2013-2014-vigil%20mechanism%20scheme%20dt14.8.2014.pdf | 7 | 0 | सभी शिकायतों का निपटारा किया गया और सीवीसी शिकायतों के लिए सीएमएस पोर्टल पर जवाब अपलोड किया गया। | 8 | 3 | शिकायतें डीओसी के पास लंबित हैं। | |

## खण्ड बीः प्रबंधन और प्रक्रिया प्रकटन

| | जानकारी देने से जुड़े सवाल | पी 1 | पी 2 | पी 3 | पी 4 | पी 5 | पी 6 | पी 7 | पी 8 | पी 9 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | नीति और प्रबंधन प्रक्रियाएँ | | | | | | | | | |
| 1. | ए. क्या आपकी संस्था की नीति / नीतियाँ एनजीआरबीसी के हर सिद्धांत और उसके मुख्य तत्वों को कवर करती है। (हाँ / नहीं / लागू नहीं) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | नहीं | हाँ | हाँ |
| | बी. क्या नीति बोर्ड से अनुमति है (हाँ / नहीं / लागू नहीं) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | लागू नहीं<br>एमएमटीसी लिमिटेड ने 12 अप्रैल 2022 से अपने व्यापार संचालन बंद कर दिए हैं, और इसलिए, कंपनी अब व्यवसायिक गतिविधियों में शामिल नहीं है। | हाँ | हा |
| | सी. नीतियों के वेबलिंक अगर उपलब्ध है | | | | https://mmtclimited.com | | | | | |
| 2. | क्या संस्था ने नीति को प्रक्रियाओं में बदला है? (हाँ / नहीं / लागू नहीं) | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | नहीं | हाँ | हाँ |
| 3. | क्या बताई गई नीतियां आपकी वैल्यू चेन के हिस्सेदारों पर भी लागू होती हैं? (हाँ / नहीं / लागू नहीं) | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं |
| 4. | आपकी संस्था द्वारा अपनाए गए और हर सिद्धांत के साथ जोड़े गए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कोड / सर्टिफिकेशन / लेबल / स्टैंडर्ड (जैसे फॉरेस्ट स्टीवर्डशिप काउंसिल, फेयरट्रेड, रेनफॉरेस्ट एलायंस, ट्रस्टी) और स्टैंडर्ड (जैसे एसए 8000, ओएचएसएएस, आईएसओ, बीआईएस) के नाम। | | | | | | | | | |
| 5. | संस्था द्वारा तय किए गए खास वादे, लक्ष्य और टारगेट, जिनके लिए समय-सीमा तय की गई हो, अगर कोई हो तो। | | | | | | | | | |
| 6. | खास वादों, लक्ष्यों और टारगेट्स के मुकाबले संस्था का प्रदर्शन, और अगर वे पूरे नहीं हुए, तो उनके कारण। | | | | | | | | | |

| शासन, नेतृत्व और निगरानी | | |
|---|---|---|
| 7. | व्यवसायिक जिम्मेदारी रिपोर्ट के लिए जिम्मेदार निदेशक का बयान, जिसमें ईएसजी से जुड़ी चुनौतियों, लक्ष्यों और उपलब्धियों का जिक्र हो (लिस्टेड कंपनी के पास इस जानकारी को रखने की जगह चुनने की छूट है) | मुख्य प्रबंध निदेशक का वक्तव्य प्राप्त हो चुका है और वार्षिक रिपोर्ट में शामिल कर दिया गया है। |
| 8. | व्यवसायिक जिम्मेदारी नीति (नीतियों) को लागू करने और उनकी निगरानी के लिए जिम्मेदार सबसे ऊंचे अधिकारी / प्राधिकरण का विवरण। | डीआईएन क्रमांक: 03104045<br>नाम: श्री नितिन कुमार यादव<br>पदनाम: अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक<br>ईमेल आईडी: cmd@mmtclimited-com |
| 9. | क्या कंपनी में सस्टेनेबिलिटी से जुड़े मुद्दों पर फैसले लेने के लिए बोर्ड / निदेशक की कोई तय कमेटी / व्यक्ति जिम्मेदार है? (हाँ / नहीं / लागू नहीं)।<br>अगर हाँ, तो विवरण दें। | नहीं |

10. कंपनी द्वारा एनजीआरबीसी की समीक्षा का विवरण

| समीक्षा के लिए विषय | बताएं कि समीक्षा बोर्ड के निदेशक / समिति / किसी अन्य समिति द्वारा की गई थी या नहीं। | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | पी 1 | पी 2 | पी 3 | पी 4 | पी 5 | पी 6 | पी 7 | पी 8 | पी 9 |
| ऊपर बताई गई नीतियों के आधार पर परफॉर्मेंस और उसके बाद की कार्रवाई | निदेशक | निदेशक | निदेशक | निदेशक | निदेशक | निदेशक | निदेशक | निदेशक | निदेशक |
| ऊपर बताई गई नीतियों के आधार पर परफॉर्मेंस और उसके बाद की कार्रवाई के लिए दूसरी कमिटी का विवरण | | | | | | | | | |
| सिद्धांतों से जुड़ी कानूनी जरूरतों का पालन और नियमों का पालन न होने पर उसे ठीक करना | निदेशक | निदेशक | निदेशक | निदेशक | निदेशक | निदेशक | निदेशक | निदेशक | निदेशक |
| **आवृत्ति (सालाना / छमाही / तिमाही / कोई अन्य – कृपया बताएं)** | | | | | | | | | |
| ऊपर बताई गई नीतियों के आधार पर निष्पादन और उसके बाद की कार्रवाई | कोई अन्य | कोई अन्य | कोई अन्य | कोई अन्य | कोई अन्य | कोई अन्य | कोई अन्य | कोई अन्य | कोई अन्य |
| ऊपर बताई गई नीतियों के आधार पर निष्पादन और उसके बाद की कार्रवाई के लिए दूसरी कमिटी का विवरण | आवश्यकता आधारित | आवश्यकता आधारित | आवश्यकता आधारित | आवश्यकता आधारित | आवश्यकता आधारित | आवश्यकता आधारित | आवश्यकता आधारित | आवश्यकता आधारित | आवश्यकता आधारित |
| सिद्धांतों से संबंधित कानूनी जरूरतों का पालन और किसी भी तरह की कमी को ठीक करना | कोई अन्य | कोई अन्य | कोई अन्य | कोई अन्य | कोई अन्य | कोई अन्य | कोई अन्य | कोई अन्य | कोई अन्य |
| सिद्धांतों से संबंधित कानूनी जरूरतों का पालन और कमियों को ठीक करने के लिए दूसरी कमिटी का विवरण | आवश्यकता आधारित | आवश्यकता आधारित | आवश्यकता आधारित | आवश्यकता आधारित | आवश्यकता आधारित | आवश्यकता आधारित | आवश्यकता आधारित | आवश्यकता आधारित | आवश्यकता आधारित |

| 11. क्या संस्था ने किसी बाहरी एजेंसी से अपनी नीतियों के कामकाज का स्वतंत्र मूल्यांकन / जांच करवाई है? (हाँ / नहीं)। | पी 1 नहीं | पी 2 नहीं | पी 3 नहीं | पी 4 नहीं | पी 5 नहीं | पी 6 नहीं | पी 7 नहीं | पी 8 नहीं | पी 9 नहीं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अगर हाँ, तो एजेंसी का नाम बताएं | | | | | | | | | |

12. अगर ऊपर दिए गए सवाल (1) का जवाब "नहीं" है, यानी सभी सिद्धांत किसी नीति के दायरे में नहीं आते हैं, तो कारण बताएं:

| सवाल | पी 1 | पी 2 | पी 3 | पी 4 | पी 5 | पी 6 | पी 7 | पी 8 | पी 9 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| संस्था इन सिद्धांतों को अपने कारोबार के लिए जरूरी नहीं मानती है (हाँ / नहीं) | | | | | | | नहीं | | |
| संस्था अभी ऐसी स्थिति में नहीं है कि तय सिद्धांतों पर नीतियां बना सके और उन्हें लागू कर सके (हाँ / नहीं) | | | | | | | | | |
| संस्था के पास इस काम के लिए जरूरी वित्तीय या / मानवीय और तकनीकी संसाधन उपलब्ध नहीं हैं (हाँ / नहीं) | | | | | | | | | |
| इसे अगले वित्तीय वर्ष में करने की योजना है (हाँ / नहीं) | | | | | | | | | |
| कोई अन्य कारण (कृपया बताएं) | | | | | | | | | |
| नोट्स | | | | | | | | | |

## भाग सीः सिद्धांतानुसार निष्पादन प्रकटीकरण

इस अनुभाग का उद्देश्य संस्थाओं को यह दिखाने में मदद करना है कि वे सिद्धांतों और मुख्य तत्वों को अपनी अहम प्रक्रियाओं और फैसलों में कैसे शामिल करती हैं। मांगी गई जानकारी को "आवश्यक" और "नेतृत्व" के रूप में वर्गीकृत किया गया है। जहाँ जरूरी संकेतकों की जानकारी उन सभी संस्थाओं को देनी होगी जिनके लिए यह रिपोर्ट फाइल करना जरूरी है, वहीं नेतृत्व संकेतकों की जानकारी वे संस्थाएँ अपनी मर्जी से दे सकती हैं जो सामाजिक, पर्यावरणीय और नैतिक रूप से जिम्मेदार बनने की दिशा में ऊँचे स्तर तक पहुँचना चाहती हैं।

**सिद्धांत 1 : व्यवसायों को ईमानदारी के साथ और ऐसे तरीके से काम करना और खुद को संचालित करना चाहिए जो नैतिक, पारदर्शी और जवाबदेह हो।**

**जरूरी संकेतक**

**1. वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी सिद्धांत पर प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों द्वारा कवरेज का प्रतिशतः**

| खंड | आयोजित प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों की कुल संख्या | प्रशिक्षण में शामिल विषय / सिद्धांत और उसका प्रभाव | जागरूकता कार्यक्रमों में शामिल संबंधित श्रेणी के लोगों का प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| निदेशक मंडल | 1 | 1 | 39.50% |
| प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक | 2 | 2 | 29.50% |
| बीओडी और केएमपी के अलावा अन्य कर्मचारी | 102 | 6 | 31.00% |
| वर्कर्स | 0 | 0 | 0.00% |

2. वित्तीय वर्ष में नियामको / कानून लागू करने वाली एजेंसियों / न्यायिक संस्थाओं के साथ हुई कार्यवाही में (कंपनी या निदेशकों / केएमपी द्वारा) चुकाए गए जुर्माने / दंड / सजा / अवार्ड / कंपाउंडिंग शुल्क / निपटान राशि का विवरण नीचे दिए गए प्रारूप में दें (नोटः कंपनी सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण दायित्व) विनिमय, 2015 के विनिमय 30 में बताई गई अहमियत और कंपनी की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के आधार पर खुलासा करेगी):

मौद्रिक

गैर–मौद्रिक

3. ऊपर प्रश्न 2 में बताए गए मामलों में से, उन मामलों में दायर अपील / पुनरीक्षण का विवरण जिनमें मौद्रिक या गैर–मौद्रिक कार्रवाई के खिलाफ अपील की गई है।

उन मामलों में दायर अपील या पुनरीक्षण का विवरण जिनमें मौद्रिक या गैर–मौद्रिक कार्रवाई के खिलाफ अपील की गई है।

| क्रम सं. | मामले का विवरण | नियामक / प्रवर्तन एजेंसियों / न्यायिक संस्थाओं का नाम |
|---|---|---|
| 1. | संक्षेप में, दोनों पक्षों (एमएमटीसी लिमिटेड और मैसर्स एंग्लो कोल) के बीच 7 मार्च, 2007 को एक दीर्घ–कालिक समझौता हुआ था। इसके तहत मैसर्स एंग्लो को ताजा खनन और धुला हुआ कोकिंग कोल सप्लाई करना था। यह समझौता शुरू में तीन वितरण तिथि के लिए था, जिसे एमएमटीसी की मर्जी से दो और वितरण तिथि के लिए बढ़ाया जा सकता था। इस समझौता को पांचवें वितरण तिथि के लिए बढ़ाया गया, जिसमें 1 जुलाई 2008 से 30 जून 2009 (बाद में इसे 30.9.2009 तक बढ़ाया गया) तक 300 यूएसडी / एमटी की दर से 466,000 एमटी कोल की सप्लाई होनी थी। पांचवें वितरण तिथि को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ। एग्रीमेंट के अनुसार, मैसर्स एंग्लो ने इस मामले को अन्तर्राष्ट्रीय चौंबर ऑफ कॉमर्स, पेरिस ("आईसीसी") के सामने मध्यस्थता के लिए भेजा। 12.05.2014 को सर्वसम्मति अवार्ड में यह माना गया कि एमएमटीसी ने पांचवें वितरण तिथि (जो 30 सितंबर 2009 को खत्म हुआ) के दौरान 454,034 एमटी कोकिंग कोल न उठाकर अनुबंध का उल्लंघन किया है। इस अवार्ड में एंग्लो को 78,720,414. 92 यूएसडी का हर्जाना, साथ ही 977,395 यूएसडी का मध्यस्थता खर्च और उस पर ब्याज देने का आदेश दिया गया। इससे असंतुष्ट होकर, एमएमटीसी ने 24.7.2014 को दिल्ली हाई कोर्ट के सिंगल जज के सामने मध्यस्थता एंड कंसिलिएशन एक्ट ("एक्ट") की धारा 34 के तहत इस अवार्ड को चुनौती दी (मामला ओएमपी 790 / 2014)। 10.07. 2015 के फैसले में, दिल्ली हाई कोर्ट की सिंगल बेंच (जस्टिस एस. मुरलीधर) ने एमएमटीसी की आपत्तियों को खारिज कर दिया। इसके बाद, एमएमटीसी ने 15.09.2015 को एक्ट की धारा 37 के तहत अपनी अपील दायर की (मामला एफएओ 532 / 2015)। दिल्ली हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच (जस्टिस जीएस सिस्तानी, जस्टिस अनूप भंभानी) ने 02.03.2020 के फैसले में इस अपील को मंजूरी दे दी और मध्यस्थता अवार्ड तथा पिछले फैसले को रद्द कर | उच्च न्यायालय |

| | | |
|---|---|---|
| | दिया। 02.03.2020 के फैसले से असंतुष्ट होकर, एंग्लो कोल ने 15.09.2020 को माननीय सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचकाएं (एसएलपी) नंबर 11431/2020 दायर की। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने 17.12.2020 के फैसले के जरिए अपील को मंजूरी दी, डिवीजन बैंच के फैसले को रद्द कर दिया और 12.05.2014 के अवार्ड को बहाल कर दिया। माननीय सुप्रीम कोर्ट के 17.12.2020 के फैसले से असंतुष्ट होकर, एमएमटीसी ने 16.01.2021 को पुनर्विचार याचिका (सिविल) नंबर 89/2021 दायर की, जिस पर माननीय सुप्रीम कोर्ट ने 03.02.2021 के आदेश के जरिए निर्देश दिया कि मामले को खुली अदालत में सिर्फ ब्याज के सवाल तक सीमित रखते हुए सुना जाए। पुनर्विचार याचिका (सिविल) नंबर 89/2021 का निपटारा 29.07.2021 के आदेश से किया गया और 12.05.2014 के अवार्ड में शामिल ब्याज के बड़े हिस्से को घटाकर 6 प्रतिशत (मुकदमे के दौरान और भविष्य के लिए ब्याज) कर दिया गया। एंग्लो ने 23.01.2018 को एक निष्पादन याचिका (फैसले को लागू करने की अर्जी) दायर की और 22.05.2019 के कोर्ट के आदेश के अनुसार, एमएमटीसी ने 31.05.2019 को हाई कोर्ट में 36 प्रॉपर्टीज के टाइटल डीड (स्वामित्व दस्तावेज) जमा किए। एमएमटीसी ने माननीय सुप्रीम कोर्ट के सामने एक स्पष्टीकरण अर्जी (डं.।. छव.102ध्2022) दायर की, जिसका निपटारा 19.04.2022 के आदेश से किया गया। इसमें स्पष्ट किया गया कि केस चलने के दौरान और भविष्य के लिए ब्याज दर घटाकर 6 प्रतिशत साधारण ब्याज करने का मतलब यह होगा कि एमएमटीसी को अवार्ड की तारीख से लेकर भुगतान की तारीख तक 6: की दर से ब्याज देना होगा, जबकि उल्लंघन की तारीख (01.10.2009) से लेकर रेफरेंस की तारीख (24.09.2012) तक की अवधि के लिए ब्याज दर 7.5 प्रतिशत प्रति वर्ष होगी। 20.07.2022 को, माननीय दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशानुसार, एमएमटीसी ने माननीय दिल्ली हाई कोर्ट की रजिस्ट्री में 1087,76,44,465.40 रुपये की राशि जमा की। इसके बाद, एमएमटीसी ने लंबित एग्जीक्यूशन के खिलाफ अपनी आपत्तियां दायर कीं और 09.05.2025 को माननीय दिल्ली हाई कोर्ट ने एमएमटीसी की स्टे (रोक) अर्जी और आपत्तियों को खारिज कर दिया। माननीय कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि एमएमटीसी द्वारा जमा की गई अवार्ड की राशि, अद्यतन ब्याज के साथ, दो सप्ताह की अवधि के बाद डिक्री होल्डर (एंग्लो) को जारी कर दी जाए। एमएमटीसी ने इस खारिज करने वाले आदेश के खिलाफ भारत के माननीय सुप्रीम कोर्ट में दायर की, जिसे 03.11.2025 को खारिज कर दिया गया। माननीय एग्जीक्यूशन कोर्ट (डीएचसी) ने कहा है कि वह अगली तारीख, यानी 22.09.2026 को यह तय करेगा कि 09.05.2025 के फैसले के अंतिम हो जाने के बाद, क्या कोर्ट के लिए अवार्ड की गई राशि की मात्रा के मुद्दे की जांच करना संभव होगा। | |
| 2. | एमएमटीसी ने केआईएसपीएल और केआईएसपीएल के साथ एक तीन–पक्षीय समझौता किया। केआईएसपीएल को डीवीसी पावर स्टेशन पर स्टीवडोरिंग, हैंडलिंग, स्टोरेज, पोर्ट क्लीयरेंस, रेलवे लोडिंग, ट्रांसपोर्टेशन और डिलीवरी की व्यवस्था करनी थी। समझौते के तहत, डीसीवी से पेमेंट मिलने पर एमएमटीसी द्वारा दावेदारों को पेमेंट किया जाता था। केआईएसपीएल द्वारा कोयले का गलत वर्गीकरण किया गया, जिसके परिणामस्वरूप कस्टम विभाग ने पेनल्टी, जुर्माना और ब्याज लगाया। मामला मध्यस्थता के लिए भेजा गया। एमएमटीसी के पक्ष में आंशिक अवार्ड पारित किया गया। डिफरेंशियल कस्टम ड्यूटी (''डीसीडी'') की प्रतिपूर्ति और डीसीडी के देर से पेमेंट पर जुर्माने और पेनल्टी की अवैध मांग के मुद्दे पर, आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल ने निर्देश दिया था कि केआईएसपीएल (इंडिया) 40,92,89,617 रुपये की बैंक गारंटी दे, जो तब तक वैध रहे जब तक कि इसी तरह की याचिका पर उच्चतम न्यायालय का फैसला नहीं आ जाता। केआईएसपीएल ने एक अलग याचिका में आंशिक आर्बिट्रल अवार्ड को चुनौती दी है। क्लेम नंबर 2 के संबंध में, मैं निर्देश देता हूं कि क्लेमंट नंबर 1 को अवार्ड की तारीख से एक महीने के भीतर 40,92,89,617 रुपये की बैंक गारंटी देनी चाहिए, जो शुरू में तीन महीनों के लिए वैध हो और कोयले के वर्गीकरण से संबंधित मामले (सिविल अपील नंबर 9725/2014 और इस अपील में एमएमटीसी की इंटरवेंशन एप्लीकेशन) में माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद तक चालू रखी जानी चाहिए। बैंक गारंटी किसी राष्ट्रीयकृत बैंक या एचडीएफसी बैंक से होनी चाहिए। क्लेमंट नंबर 1 द्वारा एमएमटीसी को बैंक गारंटी देने पर, एमएमटीसी बैंक गारंटी मिलने के चार सप्ताह के भीतर क्लेमंट नंबर 1 को 40,92,89,617 रुपये का पेमेंट करेगा। यदि माननीय सुप्रीम कोर्ट का फैसला कस्टम विभाग के पक्ष में होता है, तो एमएमटीसी बैंक गारंटी को भुना सकता है और कस्टम विभाग को पेमेंट कर सकता है। हालांकि, यदि सुप्रीम कोर्ट का फैसला कस्टम विभाग के खिलाफ होता है, तो क्लेमंट नंबर 1 एमएमटीसी द्वारा रोकी गई ब्याज, जुर्माने और पेनल्टी की राशि वापस पाने का हकदार होगा और एमएमटीसी बैंक गारंटी को नहीं भुनाएगा। यह निर्देश, जाहिर है, माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अधीन है। अगर क्लेमेंट नंबर 1 ऊपर बताए गए समय के अंदर बैंक गारंटी नहीं दे पाता है, तो वह एमएमटीसी को इसकी जानकारी देगा। ऐसी स्थिति में, मैं निर्देश देता हूँ कि एमएमटीसी, एमएमटीसी के वित्त निदेशक और क्लेमेंट नंबर 1 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के संयुक्त नामों से रु. 40,92,89,617/– की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) करेगा और एफडी की रसीद अपने पास रखेगा। फिक्स्ड डिपॉजिट शुरुआती तीन महीनों के लिए होगी और सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने तक इसे चालू रखा जाएगा। इसके बाद, अगर फैसला कस्टम्स डिपार्टमेंट के खिलाफ आता है, तो क्लेमेंट नंबर 1 को फिक्स्ड डिपॉजिट की रकम और उस पर मिलने वाला ब्याज पाने का अधिकार होगा। हालाँकि, अगर सुप्रीम कोर्ट का फैसला कस्टम्स डिपार्टमेंट के पक्ष में आता है, तो एमएमटीसी को फिक्स्ड डिपॉजिट को भुनाने और कस्टम्स डिपार्टमेंट को भुगतान करने का अधिकार होगा। 7.11.2019 के अवार्ड के जरिए एमएमटीसी के पक्ष में आंशिक अवार्ड पास किया गया और केआईएसपीएल के पक्ष में रु. 4,78,54,915 का आंशिक अवार्ड पास किया गया। सक्षम अधिकारी की मंजूरी मिलने पर, इसे चुनौती देने का फैसला किया गया। आर्बिट्रल अवार्ड का वह हिस्सा जो एमएमटीसी के खिलाफ तय किया गया था – यानी तय हर्जाना, रेलवे सरचार्ज के कारण रोकी गई रकम और रेलवे डिटेंशन चार्ज के कारण रोकी गई रकम से जुड़ा अवार्ड – उसके खिलाफ याचिका दायर की गई है। केआईएसपीएल ने भी एक अलग याचिका में आर्बिट्रल अवार्ड के कुछ हिस्सों को चुनौती दी है। केआईएसपीएल बनाम एमएमटीसी की ओएमपी 422/2020 और एमएमटीसी बनाम | दिल्ली हाई कोर्ट के सामने केआईएसपीएल की आपत्ति याचिका और भारत के सुप्रीम कोर्ट के सामने मुख्य कस्टम मामला लिस्टेड है, जिसमें एमएमटीसी भी शामिल हुआ है। |

| | | |
|---|---|---|
| | केआईएसपीएल की ओएमपी 404 / 2020, दोनों आपत्तियां वाली याचिकाएं 20.02.2026 को सुनवाई के लिए लिस्ट की गई थी। ओएमपी 404 / 2020 में दलीलें सुनी गईं और आदेश सुरक्षित रख लिया गया। ओएमपी 404 को एमएमटीसी ने आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल द्वारा केआईएसपीएल के पक्ष में मंजूर किए गए क्लेम नंबर 3 और 4 को चुनौती देते हुए दायर किया था। क्लेम नंबर 3 और 4 के संबंध में ओएमपी 404 / 2020 के खारिज होने के खिलाफ, एमएमटीसी ने हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के सामने चुनौती दी, इस बीच, केआईएसपीएल ने एग्जीक्यूशन याचिका दायर की थी और माननीय कोर्ट ने केआईएसपीएल को सेक्शन 34 याचिका के दौरान एमएमटीसी द्वारा हाईकोर्ट की रजिस्ट्री में जमा की गई रकम निकालने की इजाजत दे दी और वह रकम जारी कर दी गई। 19.03.2026 को सुनाए गए फैसले में एमएमटीसी की सेक्शन 34 याचिका खारिज कर दी गई, जिसके बाद एमएमटीसी ने हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के सामने आदेश के खिलाफ पहली अपील दायर की, डिवीजन बेंच ने 20.05.2026 के अपने फैसले में सेक्शन 37 के तहत पहली अपील को मंजूर करते हुए सिंगल बेंच द्वारा 19.03.2026 को दिए गए फैसले को रद्द कर दिया। एमएमटीसी ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट भी दायर की है, ताकि अगर दूसरी पार्टी एसएलपी के जरिए डिवीजन बेंच के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दे तो उसे सूचित किया जा सके। एमएमटीसी ने हाईकोर्ट में रकम एमएमटीसी को जमा करने के लिए आवेदन भी दायर किया है। माननीय हाईकोर्ट ने दूसरी पार्टी को दो हफ्ते के भीतर रकम जमा करने का निर्देश दिया है। केआईएसपीएल बनाम एमएमटीसी (ओएमपी 422 / 2020) द्वारा दायर आपत्ति याचिका 28.10.2026 को सुनवाई के लिए लिस्ट की गई है। | |
| 3. | मैसर्स एमबीएस इम्पेक्स प्रा. लिमिटेड ने 12–10–2012 तक के बकाया भुगतान के लिए 2012–13 के दौरान 173 करोड़ रुपये के 20 पोस्ट–डेटेड चेक जमा किए थे। ये सभी चेक "अपर्याप्त फंड" के कारण बाउंस हो गए और चेक जारी करने वाले ने भुगतान रोक दिया। इसके परिणामस्वरूप, वित्त वर्ष 2012–13 और 2013–14 के दौरान मैसर्स एमबीएस इम्पेक्स प्रा. लिमिटेड जिसका प्रतिनिधित्व इसके निदेशक श्री सुकेश गुप्ता और अन्य कर रहे थे, के खिलाफ "नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट" के तहत आपराधिक मामले दर्ज किए गए। इन 20 मामलों में से, एक मामले का निपटारा 2018 में एमएमटीसी के पक्ष में हुआ, जिसके खिलाफ एमबीएस ने अगली उच्च अदालत में अपील की है। मार्च 2024 में VIII एमएम कोर्ट, नामपल्ली ने 4 मामलों का निपटारा करते हुए कहा कि चेक रिटर्न मेमो पर बैंक की मुहर नहीं थी। असल में, वे मेमो बैंक के लेटरहेड पर थे और उन पर बैंक के अधिकारियों के विधिवत हस्ताक्षर थे। एमएमटीसी लिमिटेड, हैदराबाद ने इन 4 मामलों को खारिज किए जाने के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील दायर की है। माननीय हाई कोर्ट ने इन अपीलों को स्वीकार कर लिया है। फिलहाल ये मामले बहस के लिए लंबित हैं। बाकी 15 मामले VIII एमएम कोर्ट, नामपल्ली में ट्रायल के चरण में हैं। | एक मामला अतिरिक्त मेट्रोपॉलिटन सेशंस जज, नामपल्ली के पास है। चार मामले माननीय तेलंगाना उच्च न्यायालय के पास हैं। 15 मामले VIII एमएम कोर्ट, नामपल्ली के पास हैं। |

4. क्या संस्था के पास भ्रष्टाचार–विरोधी या रिश्वत–विरोधी नीति है? नहीं

यदि हां, संक्षेप में इसका विवरण दें

यदि संस्था के पास भ्रष्टाचार–विरोधी या रिश्वत–विरोधी नीति है तो वेब–लिंक प्रदान करें

5. ऐसे निदेशक / केएमपी / कर्मचारियों / कामगारों की संख्या जिनके खिलाफ रिश्वतखोरी / भ्रष्टाचार के आरोपों के लिए किसी कानून लागू करने वाली एजेंसी ने अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई

| | वित्त वर्ष (2025-26) | वित्त वर्ष (2024-25) |
|---|---|---|
| निदेशक | 0 | 0 |
| केएमपी | 0 | 0 |
| कर्मचारी | 0 | 0 |
| वर्कर्स | 0 | 0 |

**6. हितों के टकराव के संबंध में शिकायतों का विवरण**

| | वित्त वर्ष (2025-26) | | वित्त वर्ष (2024-25) | |
|---|---|---|---|---|
| | संख्या | टिप्पणी | संख्या | टिप्पणी |
| निदेशकों के हितों के टकराव के मामलों से जुड़ी शिकायतों की संख्या | 0 | लागू नहीं | 0 | लागू नहीं |
| केएमपी के हितों के टकराव के मामलों से जुड़ी शिकायतों की संख्या | 0 | लागू नहीं | 0 | लागू नहीं |

| | |
|---|---|
| 1. भ्रष्टाचार और हितों के टकराव के मामलों में नियामक, कानून लागू करने वाली एजेंसियों या न्यायिक संस्थाओं द्वारा लगाए गए जुर्माने/दंड या की गई कार्रवाई से जुड़े मुद्दों पर, की गई या चल रही सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण दें। | भ्रष्टाचार और हितों के टकराव के मामलों में नियामक, कानून लागू करने वाली एजेंसियों या न्यायिक संस्थाओं द्वारा लगाए गए जुर्माने, दंड या की गई कार्रवाई के संबंध में कोई सुधारात्मक कदम नहीं उठाया गया है और न ही ऐसा कोई कदम उठाया जा रहा है। |

8. देय खातों के दिनों की संख्या

| | वित्त वर्ष (2025-26) | वित्त वर्ष (2024-25) |
|---|---|---|
| I) देय खाते x 365 दिन | 2422961716.00 | 2481957926.00 |
| ii) खरीदे गए सामान/सेवाओं की लागत | 0.00 | 0.00 |
| iii) देय खातों के दिनों की संख्या | 0 | 0 |

9. व्यवसाय में खुलापन – व्यापारिक घरानों, डीलरों और संबंधित पक्षों के साथ खरीद और बिक्री के साथ–साथ संबंधित पक्षों को दिए गए ऋण, अग्रिम और निवेश की जानकारी नीचे दिए गए प्रारूप में दें।

| पैरामीटर | मैट्रिक्स | वित्त वर्ष (2025-26) | वित्त वर्ष (2024-25) |
|---|---|---|---|
| खरीद की एकाग्रता | ए. I) व्यापारिक कंपनियों से खरीद | 0.00 | 0.00 |
| | ii) कुल खरीद | 0.00 | 0.00 |
| | iii) व्यापारिक कंपनियों से खरीद का कुल प्रतिशत | **0.00%** | **0.00%** |
| | बी. व्यापारिक कंपनियों की संख्या जिनसे खरीद की गई | 0.00 | 0.00 |
| | सी. i) टॉप 10 व्यापारिक कंपनियों से खरीद | 0.00 | 0.00 |
| | ii) व्यापारिक कंपनियों से कुल खरीद | 0.00 | 0.00 |
| | iii) टॉप 10 व्यापारिक कंपनियों से कुल खरीद का व्यापारिक कंपनियों से खरी का प्रतिशत | **0.00%** | **0.00%** |
| **पैरामीटर** | **मैट्रिक्स** | **वित्त वर्ष (2025-26)** | **वित्त वर्ष (2024-25)** |
| खरीद की एकाग्रता | ए. i) डीलर/डिस्ट्रीब्यूटर्स को बिक्री | 0.00 | 0.00 |
| | ii) कुल बिक्री | 0.00 | 0.00 |
| | iii) कुल बिक्री का प्रतिशत के रूप में डीलर/डिस्ट्रीब्यूटर्स को बिक्री | **0.00%** | **0.00%** |
| | बी. डीलर/डिस्ट्रीब्यूटर जिनकी संख्या जिन्हें बिक्री की जाती है | 0.00 | 0.00 |
| | सी. i) टॉप 10 डीलरों/डिस्ट्रीब्यूटरों को बिक्री | 0.00 | 0.00 |
| | ii) डीलर/डिस्ट्रीब्यूटर्स को कुल बिक्री | 0.00 | 0.00 |
| | iii) डीलर/डिस्ट्रीब्यूटर्स को कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में 10 टॉप डीलर/डिस्ट्रीब्यूटर्स को बिक्री | **0.00%** | **0.00%** |

| पैरामीटर | मैट्रिक्स | वित्त वर्ष (2025-26) | वित्त वर्ष (2024-25) |
|---|---|---|---|
| आरटीपी में भागीदारी | ए. I) खरीद (संबंधित पार्टियों से खरीद) | 0.00 | 0.00 |
| | ii) कुल खरीद | 0.00 | 0.00 |
| | iii) खरीद (संबंधित पार्टियों से कुल खरीद का प्रतिशत के रूप में खरीद) | **0.00%** | **0.00%** |
| | बी. i) बिक्री (संबंधित पार्टियों को बिक्री) | 0.00 | 0.00 |
| | ii) कुल बिक्री | 0.00 | 0.00 |
| | iii) बिक्री (कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में संबंधित पार्टियों को बिक्री) | **0.00%** | **0.00%** |
| | सी. i) संबंधित पार्टियों को दिये गये ऋण व अग्रिम | 0.00 | 0.00 |
| | ii) कुल ऋण व अग्रिम | 0.00 | 0.00 |
| | iii) कुल ऋण व अग्रिम के प्रतिशत के रूप में ऋण व अग्रिम | **0.00%** | **0.00%** |
| | डी. i) संबंधित पार्टियों में निवेश | 0.00 | 0.00 |
| | ii) कुल किया गया निवेश | 0.00 | 0.00 |
| | iii) कुल किये गये निवेश के प्रतिशत के रूप में संबंधित पार्टियों में निवेश | **0.00%** | **0.00%** |

| नेतृत्व संकेतक | | |
|---|---|---|
| 2. क्या इकाई के पास बोर्ड के सदस्यों से जुड़े हितों के टकराव से बचने या उसे संभालने की प्रक्रियाएँ मौजूद हैं?<br>यदि हाँ, तो उसका विवरण दें।<br>नोट्स | नहीं | |

**सिद्धांत 2 व्यवसायों को ऐसे तरीके से सामान और सेवाएँ उपलब्ध करानी चाहिए जो टिकाऊ और सुरक्षित हों।**

**जरूरी संकेतक**

1. इकाई द्वारा किए गए कुल अनुसंधान एवं विकास और पूंजीगत व्यय निवेश में उत्पाद और प्रक्रियाओं के पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों को बेहतर बनाने के लिए विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास और पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) निवेश का प्रतिशत बतायें।

| | वित्त वर्ष (2025-26) | वित्त वर्ष (2024-25) | पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावी में सुधार का विवरण |
|---|---|---|---|
| आरएंडडी | 0.00% | 0.00% | लागू नहीं |
| केपेक्स | 0.00% | 0.00% | लागू नहीं |

| | |
|---|---|
| 2. ए. क्या संस्था के पास टिकाऊ सोर्सिंग के लिए प्रक्रियाएँ मौजूद हैं? (हाँ / नहीं) | नहीं |
| बी. अगर हाँ, तो कितने प्रतिशत इनपुट टिकाऊ तरीके से हासिल किए गए थे? | |

3. अपने उत्पादों को सुरक्षित रूप से पुनः उपयोग करने, पुनर्चक्रण करने और उनके जीवनकाल समाप्त होने पर निपटान करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं का वर्णन करें।

| | |
|---|---|
| (ए) प्लास्टिक (पैकेजिंग सहित) | एमएमटीसी लिमिटेड ने 12 अप्रैल 2022 से अपने व्यावसायिक परिचालन को बंद कर दिया है। परिणामस्वरूप, इकाई के पास प्लास्टिक (पैकेजिंग सहित) के लिए पुनरू उपयोग, रीसाइक्लिंग और जीवन के अंत में निपटान के लिए हमारे उत्पादों को सुरक्षित रूप से पुनः प्राप्त करने की कोई प्रक्रिया नहीं है। |
| (बी) ई–कचरा | एमएमटीसी लिमिटेड ने 12 अप्रैल 2022 से अपने व्यावसायिक परिचालन को बंद कर दिया है। परिणामस्वरूप, इकाई के पास ई–कचरे के लिए पुनरू उपयोग, पुनर्चक्रण और जीवन के अंत में निपटान के लिए हमारे उत्पादों को सुरक्षित रूप से पुनः प्राप्त करने की कोई प्रक्रिया नहीं है। |
| (सी) खतरनाक अपशिष्ट और | एमएमटीसी लिमिटेड ने 12 अप्रैल 2022 से अपने व्यावसायिक परिचालन को बंद कर दिया है। परिणामस्वरूप, इकाई के पास हमारे उत्पादों को पुनरू उपयोग, पुनर्चक्रण और जीवन के अंत में खतरनाक कचरे के निपटान के लिए सुरक्षित रूप से पुनः प्राप्त करने की कोई प्रक्रिया नहीं है। |
| (डी) अन्य अपशिष्ट | एमएमटीसी लिमिटेड ने 12 अप्रैल 2022 से अपने व्यावसायिक परिचालन को बंद कर दिया है। परिणामस्वरूप, इकाई के पास अन्य अपशिष्टों के लिए जीवन के अंत में पुनरू उपयोग, पुनर्चक्रण और निपटान के लिए हमारे उत्पादों को सुरक्षित रूप से पुनः प्राप्त करने की कोई प्रक्रिया नहीं है। |

| | |
|---|---|
| 4. क्या विस्तारित निर्माता उत्तरदायित्व (ईपीआर) इकाई की गतिविधियों परलागू होती है? (हाँ / नहीं) | नहीं |
| यदि हाँ, तो क्या कचरा इकट्ठा करने की योजना, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सौंपी गई विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) योजना के अनुसार है? | |
| यदि नहीं, तो इसके निपटान के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दें। | |

| नेतृत्व संकेतक | | |
|---|---|---|
| 1. क्या इकाई ने अपने किसी उत्पाद (विनिर्माण उद्योग के लिए) या अपनी सेवाओं (सेवा उद्योग के लिए) के लिए जीवन चक्र परिप्रेक्ष्य / आकलन (एलसीए) आयोजित किया है? | लागू नहीं | 1. एमएमटीसी लिमिटेड ने 12 अप्रैल 2022 से अपने व्यावसायिक परिचालन को बंद कर दिया है। परिणामस्वरूप, इकाई ने अपने किसी भी उत्पाद के लिए कोई जीवन चक्र परिप्रेक्ष्य / मूल्यांकन (एलसीए) नहीं किया है। |

4. उत्पादों के जीवन के अंत में पुनः प्राप्त उत्पादों और पैकेजिंग की मात्रा (मीट्रिक टन में) निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार पुनरू उपयोग, पुनर्चक्रण और सुरक्षित रूप से निपटाया गयाः

| | वित्त वर्ष (2025-26) | | | वित्त वर्ष (2024-25) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | Re-Used | Recycled | Safely Disposed | Re-Used | Recycled | Safely Disposed |
| प्लास्टिक (पैकेजिंग शामिल) | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| ई वेस्ट | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| खतरनाक वेस्ट | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |

टिप्पणियांः

सिद्धांत 3 : व्यवसायों को अपने मूल्य श्रृंखला के कर्मचारियों सहित सभी कर्मचारियों की भलाई का ध्यान करना चाहिए और उनहें बढ़ावा देना चाहिए।

जरूरी संकेतक

1. ए. कर्मचारियों की भलाई के लिए किए गए उपायों का विवरणः

| श्रेणी | शामिल कर्मचारियों का % | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल (ए) | स्वास्थ्य बीमा | | दुर्घना बीमा | | मैटरनिटी लाभ | | पैटरनिटी लाभ | | डेकेयर सुविधा | |
| | | संख्या (बी) | % (बी/ए) | संख्या (सी) | % (सी/ए) | संख्या (डी) | % (डी/ए) | संख्या (ई) | % (ई/ए) | संख्या (एफ) | % (एफ/ए) |
| | | | | | | | | | | | |
| पुरूष | 196 | 0 | 0.00% | 187 | 95.41% | | | 1 | 0.51% | 0 | 0.00% |
| महिला | 49 | 0 | 0.00% | 49 | 100.00% | 1 | 2.04% | | | 0 | 0.00% |
| अन्य | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| कुल | 245 | 0 | 0.00% | 236 | 96.33% | 1 | 0.41% | 1 | 0.41% | 0 | 0.00% |
| | | | | | | | | | | | |
| पुरूष | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | | | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| महिला | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | | | 0 | 0.00% |
| अन्य | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| कुल | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |

बी. वर्कस की भलाई के लिए उपयों का विवरणः

| श्रेणी | शामिल कर्मचारियों का % | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल (ए) | स्वास्थ्य बीमा | | दुर्घना बीमा | | मैटरनिटी लाभ | | पैटरनिटी लाभ | | डेकेयर सुविधा | |
| | | संख्या (बी) | % (बी/ए) | संख्या (सी) | % (सी/ए) | संख्या (डी) | % (डी/ए) | संख्या (ई) | % (ई/ए) | संख्या (एफ) | % (एफ/ए) |
| स्थायी कर्मचारी | | | | | | | | | | | |
| पुरूष | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | | | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| महिला | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | | | 0 | 0.00% |
| अन्य | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| कुल | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| स्थायी कर्मचारियों के अलावा | | | | | | | | | | | |
| पुरूष | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | | | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| महिला | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | | | 0 | 0.00% |
| अन्य | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| कुल | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |

सी. कर्मचारियों और कामगारों (स्थायी और अस्थायी, दोनों तरह के) की कल्याण के उपायों पर खर्च, नीचे दिए गए प्रारूप में:

| | वित्त वर्ष (2025-26) | वित्त वर्ष (2024-25) |
|---|---|---|
| i) भलाई के उपायों पर हुआ खर्च (भलाई के उपायों का मतलब है कर्मचारियों और कामगारों की भलाई – जिसमें पुरुष, महिला, स्थायी और अस्थायी कर्मचारी और कामगार शामिल हैं) | 0.00 | 0.00 |
| ii) कंपनी की कुल आय | 0.00 | 0.00 |
| iii) कंपनी की कुल आय के प्रतिशत के रूप में भलाई के उपायों पर हुआ खर्च | 0.00 | 0.00 |

2. सेवानिवृत्ति लाभों का विवरण

| लाभ | वित्त वर्ष (2025-26) | | | वित्त वर्ष (2024-25) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल कर्मचारियों के % के रूप में शामिल कर्मचारियों की संख्या | कुल कर्मचारियों के % के रूप में शामिल वर्कर्स की संख्या | कटौती करके प्राधिकारी के पास जमा किया गया (हां/नहीं/लागू नहीं) | कुल कर्मचारियों के % के रूप में शामिल कर्मचारियों की संख्या | कुल कर्मचारियों के % के रूप में शामिल वर्कर्स की संख्या | कटौती करके प्राधिकारी के पास जमा किया गया (हां/नहीं/लागू नहीं) |
| पीएफ | 100.00% | 100.00% | Yes | 100.00% | 100.00% | हाँ |
| ग्रेचुटी | 100.00% | 100.00% | Yes | 100.00% | 100.00% | हाँ |
| ईएसआई | 0.00% | 100.00% | NA | 0.00% | 0.00% | लागू नहीं |

अन्य – कृपया बताएं

अन्य रिटायरमेंट लाभों का विवरण

| क्रम सं | लाभ का नाम | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कुल कर्मचारियों के % के रूप में शामिल कर्मचारियों की संख्या | कुल कर्मचारियों के % के रूप में शामिल वर्कर्स की संख्या | कटौती करके प्राधिकारी के पास जमा किया गया (हां/नहीं/लागू नहीं) | कुल कर्मचारियों के % के रूप में शामिल कर्मचारियों की संख्या | कुल कर्मचारियों के % के रूप में शामिल वर्कर्स की संख्या | कटौती करके प्राधिकारी के पास जमा किया गया (हां/नहीं/लागू नहीं) |
| 1 | केन्द्रीय भविष्य निधि | 100.00% | 100.00% | Yes | 100.00% | 100.00% | हां |
| 2 | सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा सुविधा | 100.00% | 100.00% | Yes | 100.00% | 100.00% | हां |
| 3 | ग्रेचुअटी | 100.00% | 100.00% | Yes | 100.00% | 100.00% | हां |
| 4 | अवकाश प्राप्त | 100.00% | 100.00% | Yes | 100.00% | 100.00% | Yes |

3. कार्यस्थलों की पहुंच

| | |
|---|---|
| क्या संस्था के परिसर/कार्यालय "दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016" की जरूरतों के अनुसार दिव्यांग कर्मचारियों और कामगारों के लिए सुलभ हैं? | हां |
| यदि नहीं, तो क्या इस संबंध में संस्था द्वारा कोई कदम उठाए जा रहे हैं? | |
| 4. क्या संस्था के पास "दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016" के अनुसार समान अवसर नीति है? | हां |
| यदि ऐसा है, तो पॉलिसी का वेब–लिंक दें। | https://mmtclimited.com//files/guidelines%20for%20providing%20additional%20facilities%20to%20disabled%20employees%20.PDF |

5. अस्थायी कर्मचारियों और पेरेंटल लीव लेने वाले स्थायी कर्मचारियों और कामगारों के काम पर लौटने और उनके नौकरी में बने रहने की दर।

| लिंग | स्थायी कर्मचारी | | स्थायी वर्कर | |
|---|---|---|---|---|
| | काम पर वापसी | प्रतिधारण दर | काम पर वापसी | प्रतिधारण दर |
| पुरुष | 100.00 | 100.00 | 100.00 | 100.00 |
| महिला | 100.00 | 100.00 | 100.00 | 100.00 |
| अन्य | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| कुल | 100.00 | 100.00 | 100.00 | 100.00 |

6. क्या कर्मचारियों और कामगारों की निम्नलिखित श्रेणियों के लिए शिकायतें प्राप्त करने और उनके निवारण की कोई व्यवस्था उपलब्ध है?

| यदि हाँ, तो प्रक्रिया की जानकारी दें। | हाँ/नहीं | (अगर हाँ, तो प्रक्रिया की जानकारी संक्षेप में दें) |
|---|---|---|
| स्थायी कर्मचारी | हाँ | इकाई के पास सभी कर्मचारियों और कामगारों की शिकायतों को सुनने और उनका समाधान करने के लिए एक अलग शिकायत प्रकोष्ठ है। |
| स्थायी कर्मचारियों के अलावा अन्य | हाँ | इकाई के पास सभी कर्मचारियों और कामगारों की शिकायतों को सुनने और उनका समाधान करने के लिए एक अलग शिकायत प्रकोष्ठ है। |
| स्थायी कर्मचारी | हाँ | इकाई के पास सभी कर्मचारियों और कामगारों की शिकायतों को सुनने और उनका समाधान करने के लिए एक अलग शिकायत प्रकोष्ठ है। |
| स्थायी कर्मचारियों के अलावा अन्य | हाँ | इकाई के पास सभी कर्मचारियों और कामगारों की शिकायतों को सुनने और उनका समाधान करने के लिए एक अलग शिकायत प्रकोष्ठ है। |

7. सूचीबद्ध इकाई द्वारा मान्यता प्राप्त संघों या यूनियनों में कर्मचारियों और श्रमिकों की सदस्यता:

| श्रेणी | वित्त वर्ष (2025-26) | | | वित्त वर्ष (2024-25) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | संबंधित श्रेणी में कुल कर्मचारी / कामगार (ए) | संबंधित श्रेणी में कर्मचारियों / कामगारों की संख्या, जो संघों या यूनियन का हिस्सा हैं (बी) | % (बी / ए) | संबंधित श्रेणी (सी) में कुल कर्मचारी / कामगार | संबंधित श्रेणी में कर्मचारियों / कामगारों की संख्या, जो किसी संघों या यूनियन का हिस्सा हैं (डी) | % (डी / सी) |
| कुल स्थायी कर्मचारी | 245 | 245 | 100.00% | 287 | 287 | 100.00% |
| पुरुष | 196 | 196 | 100.00% | 234 | 234 | 100.00% |
| महिला | 49 | 49 | 100.00% | 53 | 53 | 100.00% |
| अन्य | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% |
| कुल स्थायी कामगार | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% |
| पुरुष | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% |
| महिला | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% |
| अन्य | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% |

8. कर्मचारियों एवं श्रमिकों को दिये गये प्रशिक्षण का विवरण:

| श्रेणी | वित्त वर्ष (2025-26) | | | | | वित्त वर्ष (2024-25) | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल (ए) | स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों पर | | कौशल विकास पर | | कुल (डी) | स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों पर | | कौशल विकास पर | |
| | | सं. (बी) | % (बी / ए) | सं. (सी) | % (सी / ए) | | सं. (एफ) | % (ई / डी) | सं. (एफ) | % (एफ / डी) |
| कर्मचारी | | | | | | | | | | |
| पुरुष | 86 | 50 | 58.14% | 11 | 12.79% | 90 | 62 | 68.89% | 28 | 31.11% |
| महिला | 32 | 15 | 46.88% | 4 | 12.50% | 71 | 64 | 90.14% | 7 | 9.86% |
| अन्य | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| कुल | 118 | 65 | 55.08% | 15 | 12.71% | 161 | 126 | 78.26% | 35 | 21.74% |
| कामगार | | | | | | | | | | |
| पुरुष | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| महिला | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| अन्य | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| कुल | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |

9. कर्मचारियों और कामगारों के निष्पादन और करियर विकास की समीक्षा का विवरण

| श्रेणी | वित्त वर्ष (2025-26) | | | वित्त वर्ष (2024-25) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल (ए) | सं. (बी) | % (बी / ए) | कुल (डी) | सं. (ई) | % (ई / डी) |
| कर्मचारी | | | | | | |
| पुरुष | 86 | 86 | 100.00% | 90 | 90 | 100.00% |
| महिला | 32 | 32 | 100.00% | 71 | 71 | 100.00% |
| अन्य | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% |
| कुल | 118 | 118 | 100.00% | 161 | 161 | 100.00% |
| कामगार | | | | | | |
| पुरुष | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% |
| महिला | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% |
| अन्य | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% |
| कुल | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% |

10. स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली

| | |
|---|---|
| ए. क्या इकाई द्वारा व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली लागू की गई है? हां / नही / लागू नही<br>यदि हां, इसकी सिस्टम की कवरेज क्या है? | नहीं |
| बी. कार्य–संबंधी जोखिमों की पहचान करने और इकाई द्वारा नियमित और गैर–नियमित आधार पर जोखिमों का आकलन कैसे किया जाता है? | एमएमटीसी लिमिटेड ने 12 अप्रैल 2022 से अपने व्यावसायिक परिचालन को बंद कर दिया है। परिणामस्वरूप, इकाई के पास कार्य–संबंधी खतरों की पहचान करने और नियमित तथा गैर–नियमित आधार पर जोखिमों का आकलन करने के लिए कोई प्रक्रिया नहीं है। |
| सी. क्या आपके पास कामगारों के लिए काम से संबंधित खतरों की रिपोर्ट करने और खुद को ऐसे जोखिमों से दूर करने की प्रक्रियाएं हैं। | **नहीं** |
| डी. क्या इकाई के कर्मचारियों / कामगारों को गैर–व्यावसायिक चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हैं | हां |

11. सुरक्षा संबंधी घटनाओं का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में:

| सुरक्षा घटना / संख्या | श्रेणी* | वित्त वर्ष (2025-26) | वित्त वर्ष (2024-25) |
|---|---|---|---|
| काम के दौरान चोट लगने के कारण काम से दूर रहने की दर एलटीआईएफआर) (प्रति दस लाख व्यक्ति–घंटे काम) | कर्मचारी | 0.00 | 0.00 |
| | कामगार | 0.00 | 0.00 |
| काम से जुड़ी कुल दर्ज करने योग्य चोटें | कर्मचारी | 0 | 0 |
| | कामगार | 0 | 0 |
| घातक मामलों की संख्या | कर्मचारी | 0 | 0 |
| | कामगार | 0 | 0 |
| काम से जुड़ी गंभीर चोट या बीमारी (घातक मामलों को छोड़कर) | कर्मचारी | 0 | 0 |
| | कामगार | 0 | 0 |

| | |
|---|---|
| 12. सुरक्षित और स्वस्थ कार्यस्थल सुनिश्चित करने के लिए इकाई द्वारा किए गए उपायों का विवरण दें। | सुरक्षित और स्वस्थ कार्यस्थल सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदम: **1. विद्युत सुरक्षा** : प्रणालियों का नियमित निरीक्षण और रखरखाव। सर्किट ब्रेकर और ग्राउंडिंग सिस्टम की स्थापना। प्रमाणित विद्युत उपकरणों और सर्ज प्रोटेक्टरों का उपयोग । उच्च–वोल्टेज क्षेत्रों और आपातकालीन आवधिक निरीक्षण और प्रमाणन। लिफ्ट के अंदर आपातकालीन संचार प्रणालियों। यांत्रिक घटकों का शट–ऑफ स्विचों का स्पष्ट लेबलिंग। **2. लिफ्ट और एस्केलेटर सुरक्षा:** लाइसेंस प्राप्त पेशेवरों द्वारा नियमित रखरखाव और लुब्रिकेशन। भार सीमा स्पष्ट रूप से अंकित और लागू। **3. अग्नि सुरक्षा:** स्मोक योजनाओं का प्रदर्शन। **4. व्यावसायिक स्वास्थ्य निगरानी:** कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच और डिटेक्टर, फायर अलार्म और स्प्रिंकलर सिस्टम की स्थापना और नियमित परीक्षण। सुलभ अग्निशामक यंत्र और अग्नि निकास द्वार। अग्नि अभ्यास और निकासी प्रशिक्षण आयोजित करना। आपातकालीन निकासी स्क्रीनिंग। साइट पर चिकित्सा सहायता या प्राथमिक चिकित्सा किट तक पहुंच । मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और परामर्श सेवाओं को बढ़ावा देना। **5. कार्यस्थल एर्गोनॉमिक्स:** एर्गोनॉमिक फर्नीचर (जैसे, कुर्सियों, डेस्क, मॉनिटर स्टैंड)। आँखों के तनाव को कम करने के लिए समायोज्य प्रकाश व्यवस्था। खड़े होकर काम करने वाले स्थानों के लिए थकान रोधी मैट। **6. स्वच्छता और सफाई:** सामान्य क्षेत्रों और शौचालयों की नियमित सफाई और सफाई। हैंड सैनिटाइजर और कीटाणुनाशकों का प्रावधान। खतरनाक और गैर–खतरनाक सामग्रियों के लिए अपशिष्ट निपटान प्रणालियों। **7. खतरे की पहचान और जोखिम मूल्यांकन:** नियमित कार्यस्थल सुरक्षा ऑडिट। विशिष्ट भूमिकाओं के लिए कार्य जोखिम विश्लेषण (जेएचए)। खतरनाक उपकरणों या फिसलन वाले फर्श के लिए उचित संकेत। **8. आपातकालीन तैयारी:** स्पष्ट रूप से चिह्नित आपातकालीन निकास और एकत्रीकरण बिंदु । कर्मचारियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा और सीपीआर प्रशिक्षण। आपातकालीन प्रतिक्रिया दल या सुरक्षा वार्डन । **9. प्रशिक्षण और जागरूकता:** नए कर्मचारियों के लिए सुरक्षा प्रशिक्षण। नियमित सुरक्षा कार्यशालाएँ और अभ्यास । सुरक्षा मैनुअल और प्रोटोकॉल तक आसान पहुँच। |

13. कर्मचारियों और कामगारों द्वारा निम्नलिखित पर की गई शिकायतों की संख्या:

| | वित्त वर्ष (2025-26) | | | वित्त वर्ष (2024-25) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | वर्ष के दौरान दायर | वर्ष के दौरान लंबित निपटान | टिप्पणी | वर्ष के दौरान दायर | वर्ष के दौरान लंबित निपटान | टिप्पणी |
| कार्य की स्थिति | 0 | 0 | | 0 | 0 | |
| स्वास्थ्य और सुरक्षा | 0 | 0 | | 0 | 0 | |

14. वर्ष के लिए आकलन:

| | आपके उन संयंत्रों और कार्यालयों का % जिनका मूल्यांकन किया गया था (किसी इकाई, वैधानिक अधिकारियों या तीसरे पक्ष द्वारा) |
|---|---|
| स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े तौर–तरीके | 0.00% |
| कार्य की स्थिति | 0.00% |
| 15. सुरक्षा संबंधी घटनाओं (यदि कोई हों) को दूर करने के लिए की गई या चल रही कार्रवाई, और स्वास्थ्य व सुरक्षा के तरीकों और काम करने की स्थितियों के आकलन से सामने आए अहम जोखिमों / चिंताओं के बारे में जानकारी दें। | सुरक्षा संबंधी घटनाओं और पहचाने गए जोखिमों को दूर करने के लिए सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं। इनमें शामिल हैं: 1. फायर सेफ्टी ऑडिट के बाद अतिरिक्त अग्निशामक यंत्र लगाना और बेहतर संकेत–चिह्न लगाना। 2. संभावित खतरों की पहचान के बाद इमारत के पुराने हिस्सों में बिजली के सिस्टम की री–वायरिंग और उन्नयन करना। 3. खराबी की सूचना मिलने के बाद लिफ्ट के रखरखाव के अनुबंधों में बदलाव करना ताकि उनका अधिक बार निरीक्षण किया जा सके। 3. कार्यस्थल पर मामूली चोटों से जागरूकता में कमी का पता चलने के बाद सुरक्षा प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना। |

| नेतृत्व संकेत | |
|---|---|
| . क्या इकाई इनकी मृत्यु होने पर कोई जीवन बीमा या मुआवजा पैकेज देती है: | |
| (ए) कर्मचारी (हाँ / नहीं) | हाँ |
| (बी) वर्कर (हाँ / नहीं) | हाँ |
| 2. इकाई द्वारा उठाए गए उन कदमों की जानकारी दें जिनसे यह सुनिश्चित किया जा सके कि वैल्यू चेन पार्टनर्स ने कानूनी बकाया राशि काट ली है और जमा कर दी है। | |

3 उन कर्मचारियों / कामगारों की संख्या बताएं जिन्हें काम से जुड़ी गंभीर चोट लगी, बीमारी हुई या जिनकी मृत्यु हुई (जैसा कि ऊपर "आवश्यक संकेतकों" के प्रश्न 11 में बताया गया है), और जिन्हें ठीक होने के बाद उपयुक्त नौकरी दी गई है या जिनके परिवार के सदस्यों को उपयुक्त नौकरी दी गई है:

| | कुल संख्या प्रभावित कर्मचारियों / कामगारों की | | ऐसे कर्मचारियों / कामगारों की संख्या जिनका पुनर्वास किया गया है और उन्हें उपयुक्त रोजगार दिलाया गया है, या जिनके परिवार के सदस्यों को उपयुक्त रोजगार दिलाया गया है। | |
|---|---|---|---|---|
| | वित्त वर्ष (2025-26) | वित्त वर्ष (2024-25) | वित्त वर्ष (2025-26) | वित्त वर्ष (2024-25) |
| कर्मचारी | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कामगार | 0 | 0 | 0 | 0 |

4. क्या इकाई ऐसे ट्रांजीशन सहायता कार्यक्रम उपलब्ध कराती है जो रोजगार बनाए रखने और सेवानिवृत्ति या रोजगार की समाप्ति के परिणामस्वरूप करियर के अंत के प्रबंधन में मदद करते हैं? (हाँ / नहीं / लागू नहीं) — नहीं

| 5. मूल्य श्रृंखला भागीदारी के मूल्यांकन का विवरण: | मूल्य श्रृंखला भागीदारी का प्रतिशत (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यापार के मूल्य के आधार पर) जिनका मूल्यांकन किया गया |
|---|---|
| स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े तौर–तरीके | 0.00% |
| काम करने की स्थितियां | 0.00% |
| 6. मूल्य श्रृंखला भागीदारी के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े तौर–तरीकों और काम करने की स्थितियों के आकलन से सामने आए अहम जोखिमों या चिंताओं को दूर करने के लिए उठाए गए या चल रहे सुधारात्मक कदमों का विवरण दें। | लागू नहीं, क्योंकि इकाई का कोई वैल्यू चेन पार्टनर नहीं है। |

| सिद्धांत 4: व्यवसायों को अपने सभी हितधारकों के हितों का सम्मान करना चाहिए और उनके प्रति संवेदनशील होना चाहिए। | |
|---|---|
| **आवश्यक संकेतक** | |
| 1. इकाई के मुख्य हितधारक समूहों की पहचान करने की प्रक्रियाओं का वर्णन करें। | एमएमटीसी लिमिटेड हितधारक–केंद्रित दृष्टिकोण अपनाती है और उसने अलग–अलग अंदरूनी और बाहरी हितधारक समूहों के साथ असरदार ढंग से जुड़ने के लिए एक मजबूत प्रक्रिया बनाई है। सबसे पहले, हम हितधारक पर कंपनी के असर और कंपनी के कामकाज पर हितधारक समूहों के असर डालने की क्षमता के आधार पर अपने हितधारक की पहचान करते हैं और उन्हें प्राथमिकता देते हैं। हितधारक की पहचान करने के चरण में, हम कंपनी के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों पर विचार करते हैं और यह देखते हैं कि कौन से हितधारक समूह इनसे प्रभावित होते हैं या इनमें रुचि रखते हैं। अगले चरण में, हम उन हितधारक समूहों को प्राथमिकता देते हैं जो कंपनी की निर्णय लेने की प्रक्रिया और उसके कामकाज पर काफी असर डाल सकते हैं। वित्त वर्ष 2025–26 में, हमने अपने मुख्य हितधारक समूह के साथ बड़े पैमाने पर बातचीत की और मुख्य महत्वपूर्ण मुद्दों की पहचान करने में उनकी बहुमूल्य राय ली। इसके अलावा, हम अपने हितधारक से उनकी राय जानने, उनकी जरूरतों और इच्छाओं को समझने और उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए अलग–अलग माध्यमों से नियमित रूप से जुड़ते हैं। इससे हमें भरोसे पर आधारित मजबूत संबंध बनाने और विश्वास जगाने में मदद मिलती है। |

2. अपनी इकाई के लिए अहम माने गए हितधारक समूहों की सूची बनाएं और हर हितधारक समूहों के साथ बातचीत की आवृत्ति बताएं।

| अपनी इकाई के लिए महत्वपूर्ण माने गए हितधारक समूहों और हर समूहों के साथ बातचीत की आवृत्ति की सूची बनाएं। | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम सं | हितधारक समूह | क्या कमजोर एवं हाशिए पर पड़े समूह के रूप में पहचाना गया है | संचार के चैनल | संचार के अन्य चैनलों का विवरण | जुड़ाव की आवृत्ति | अन्य जुड़ाव की आवृत्ति का विवरण | सहभागिता का उद्देश्य और दायरा, जिसमें सहभागिता के दौरान उठाए गए प्रमुख विषय और चिंताएं शामिल हैं |
| 1 | कर्मचारी | नहीं | अन्य | ईमेल, मीटिंग, फीडबैक और इंटरनल पोर्टल | अन्य–कृपया निर्दिष्ट करें | निरन्तर, आवश्यकता आधारित | *कर्मचारियों की जरूरतों और उनकी राय को समझना। *कर्मचारियों को संगठन की योजनाओं और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी देते रहना। |
| 2 | निवेशक | नहीं | अन्य | ईमेल, मीटिंग, अख़बार, वेबसाइट | सालाना | निरन्तर, आवश्यकता आधारित | *निवेशकों को संगठन के प्रदर्शन और अन्य कॉर्पोरेट गतिविधियों के बारे में अपडेट रखना। *निवेशकों की जरूरतों को समझने के लिए उनसे सवाल और फीडबैक इकट्ठा करना। |
| 3 | प्रशासनिक मंत्रालय | नहीं | अन्य | ईमेल, मीटिंग, व्यक्तिगत मुलाकातें | अन्य–कृपया निर्दिष्ट करें | निरन्तर, आवश्यकता आधारित | *प्रशासनिक अधिकारियों के सवालों का जवाब देना। *रोजमर्रा के कामों के लिए उनकी मंजूरी लेना। |
| 4 | सरकारी एवं नियामक प्राधिकरण | नहीं | अन्य | वेबसाइट / पोर्टल, ईमेल, फाइलिंग | अन्य–कृपया निर्दिष्ट करें | निरन्तर, आवश्यकता आधारित | * नियमों का पालन सुनिश्चित करना और जहाँ जरूरी हो, वहाँ मंजूरी लेना। |

| नेतृत्व संकेतक | |
|---|---|
| 1. आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक विषयों पर हितधारकों और बोर्ड के बीच बातचीत की प्रक्रिया बताएं, या अगर बातचीत की जिम्मेदारी किसी और को सौंपी गई है, तो ऐसी बातचीत से मिला फीडबैक बोर्ड तक कैसे पहुँचाया जाता है, यह भी बताएं। | |
| 2. क्या पर्यावरणीय और सामाजिक विषयों की पहचान और उनके प्रबंधन में मदद के लिए हितधारकों से बातचीत की जाती है? | |
| अगर हाँ, तो ऐसे उदाहरणों का विवरण दें कि इन विषयों पर हितधारकों से मिले सुझावों को संस्था की नीतियों और गतिविधियों में कैसे शामिल किया गया। | |
| 3. कमजोर / हाशिए पर मौजूद हितधारक समूहों की चिंताओं को दूर करने के लिए की गई बातचीत और उठाए गए कदमों का विवरण दें। | |
| नोट्स | |

| सिद्धांत 5 व्यवसायों में मानवाधिकारों का सम्मान और उन्हें बढ़ावा देना चाहिए। |
|---|
| आवश्यक संकेतक |

1. वे कर्मचारी और कामगार जिन्हें मानवाधिकार के मुद्दों और संस्था की नीतियों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया है, उन्हें नीचे दिए गए प्रारूप में लिखें:

| श्रेणी | वित्त वर्ष (2025-26) | | | वित्त वर्ष (2024-25) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल (ए) | शामिल कर्मचारियों / कामगारों की संख्या (बी) | % (बी / ए) | कुल (सी) | शामिल कर्मचारियों / कामगारों की संख्या (डी) | % (डी / सी) |
| कर्मचारी | | | | | | |
| स्थायी | 245 | 16 | 6.53% | 287 | 37 | 12.89% |
| स्थायी के अलावा | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% |
| कुल कर्मचारी | 245 | 16 | 6.53% | 287 | 37 | 12.89% |
| कामगार | | | | | | |
| स्थायी | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% |
| स्थायी के अलावा | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% |
| कुल कर्मचारी | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% |

2. कर्मचारियों और कामगारों को दिए जाने वाले न्यूनतम वेतन का विवरण, नीचे दिए गए प्रारूप में:

| श्रेणी | वित्त वर्ष (2025-26) | | | | | वित्त वर्ष (2024-25) | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल (ए) | न्यूनतम वेतन के बराबर | | न्यूनतम वेतन से अधिक | | कुल (डी) | न्यूनतम वेतन के बराबर | | न्यूनतम वेतन से अधिक | |
| | | सं. (बी) | % (बी / ए) | सं. (सी) | % (सी / ए) | | सं. (एफ) | % (ई / डी) | सं. (एफ) | % (एफ / डी) |
| कर्मचारी | | | | | | | | | | |
| स्थायी | 245 | 245 | 100.00% | 236 | 96.33% | 287 | 0 | 0.00% | 287 | 100.00% |
| पुरुष | 196 | 196 | 100.00% | 187 | 95.41% | 234 | 0 | 0.00% | 234 | 100.00% |
| महिला | 49 | 49 | 100.00% | 49 | 100.00% | 53 | 0 | 0.00% | 53 | 100.00% |
| अन्य | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| स्थायी के अलावा | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| पुरुष | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| महिला | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| अन्य | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| कामगार | | | | | | | | | | |
| स्थायी | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| पुरुष | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| महिला | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| अन्य | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| स्थायी के अलावा | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| पुरुष | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| महिला | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |
| अन्य | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% | 0 | 0 | 0.00% | 0 | 0.00% |

3. पारिश्रमिक/वेतन/मजदूरी का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में:

ए. औसत पारिश्रमिक/वेतनः

| | पुरूष | | महिला | | अन्य | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | संख्या | औसत पारिश्रमिक/वेतन/संबंधित श्रेणी की मजदूरी | संख्या | औसत पारिश्रमिक/वेतन/संबंधित श्रेणी की मजदूरी | संख्या | औसत पारिश्रमिक/वेतन/संबंधित श्रेणी की मजदूरी |
| निदेशक मंडल (बीओडी) | 7 | 7677182 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक | 3 | 2201794 | 1 | 0 | 0 | 0 |
| बीओडी और केएमपी के अलावा कर्मचारी | 194 | 362629616 | 49 | 90657404 | 0 | 0 |
| कामगार | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |

बी. महिलाओं को सकल वेतन का भुगतान–

| | वित्त वर्ष (2025-26) | वित्त वर्ष (2024-25) |
|---|---|---|
| महिलाओं को सकल वेतन का भुगतान– | 0.00 | 0.00 |
| कुल वेतन | 0.00 | 0.00 |
| *महिलाओं को सकल वेतन का भुगतान– (कुल वेतन के % के रूप में हिलाओं को सकल वेतन का भुगतान) | 0.00% | 0.00% |

| | |
|---|---|
| 4. क्या आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति या समिति है जो व्यापार की वजह से होने वाले मानवाधिकारों पर असर या उनसे जुड़े मुद्दों को संभालने के लिए जिम्मेदार है? | नहीं |
| 5. मानवाधिकारों से जुड़े मुद्दों पर शिकायतों के समाधान के लिए मौजूद आंतरिक व्यवस्थाओं के बारे में बताएं। | भारत सरकार की कंपनी होने के नाते, एमएमटीसी भारत के संविधान के प्रति समर्पित है। यह संविधान सभी नागरिकों के लिए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व सुनिश्चित करने का संकल्प लेता है और इसमें मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा में बताए गए मौलिक मानवाधिकार भी शामिल हैं। एमएमटीसी अपने कार्यस्थलों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घोषित मानवाधिकारों की सुरक्षा का समर्थन और सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित करता है कि उसके कर्मचारियों को मौलिक मानवाधिकार मिलें। कर्मचारियों की शिकायतों के समाधान के लिए एमएमटीसी में "सहायता" नाम की तीन–स्तरीय शिकायत निवारण प्रणाली है। एमएमटीसी की प्रबंधन प्रणाली में स्वास्थ्य, सुरक्षा और आवास की व्यवस्था है। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, एमएमटीसी ने उचित प्रणालियाँ लागू की हैं। |

6. कर्मचारियों और कामगारों द्वारा निम्नलिखित मामलों पर की गई शिकायतों की संख्याः

| | वित्त वर्ष (2025-26) | | | वित्त वर्ष (2024-25) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | वर्ष के दौरान दायर किया गया | वर्ष के अंत में समाधान होने तक लंबित | टिप्पणी | वर्ष के दौरान दायर किया गया | वर्ष के अंत में समाधान होने तक लंबित | टिप्पणी |
| यौन उत्पीड़न | 0 | 0 | | 0 | 0 | |
| काम की जगह पर भेदभाव | 0 | 0 | | 0 | 0 | |
| बाल श्रम | 0 | 0 | | 0 | 0 | |
| जबरन श्रम/बिना इच्छा के काम | 0 | 0 | | 0 | 0 | |
| मजदूरी | 0 | 0 | | 0 | 0 | |
| मानवाधिकार से जुड़े अन्य मुद्दे | 0 | 0 | | 0 | 0 | |

| 7. कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत निम्नलिखित प्रारूप में दर्ज शिकायतें: | | |
|---|---|---|
| | वित्त वर्ष (2025-26) | वित्त वर्ष (2024-25) |
| I) कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (पीओएसएच) के तहत दर्ज कुल शिकायतें | 0 | 0 |
| ii) साल की शुरुआत और साल के अंत में महिला कर्मचारियों / कामगारों की औसत संख्या | 50 | 53 |
| iii) महिला कर्मचारियों / कामगारों की संख्या के प्रतिशत के रूप में पीओएसएच से संबंधित शिकायतें | 0.00% | 0.00% |
| iv) पीओएसएच से संबंधित सही पाई गई शिकायतें | | |

| | |
|---|---|
| 8. भेदभाव और उत्पीड़न के मामलों में शिकायतकर्ता को होने वाले प्रतिकूल परिणामों को रोकने के उपाय। | कंपनी के पास भेदभाव और उत्पीड़न के मामलों में शिकायत करने वालों को किसी भी तरह के नुकसान से बचाने के लिए मजबूत सिस्टम हैं। इनमें पीओएसएच एक्ट के तहत पूरी तरह से काम करने वाली आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) और सतर्कता तंत्र नीति शामिल हैं। सभी शिकायतों को गोपनीय तरीके से निपटाया जाता है और बदले की कार्रवाई रोकने, निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने और शिकायत करने वाले के अधिकारों व सम्मान की रक्षा के लिए कड़े उपाय किए जाते हैं। |
| 9. क्या मानवाधिकार से जुड़ी जरूरतें आपके व्यापार समझौतों और कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा हैं? (हा / नहीं / लागू नहीं) | नहीं |

| 10. वर्ष के लिए मूल्यांकन: | |
|---|---|
| | आपके उन संयंत्रों और कार्यालयों का प्रतिशत जिनका मूल्यांकन किया गया (किसी इकाई, वैधानिक प्राधिकरणों या तीसरे पक्ष द्वारा) |
| बाल मजदूरी | 0.00% |
| जबरदस्ती / बिना मर्जी के काम करवाना | 0.00% |
| यौन उत्पीड़न | 0.00% |
| कार्यस्थल पर भेदभाव | 0.00% |
| मजदूरी | 0.00% |

| | |
|---|---|
| 11. उपरोक्त प्रश्न 10 में किए गए आकलनों से सामने आए अहम जोखिमों या चिंताओं को दूर करने के लिए उठाए गए या चल रहे सुधारात्मक कदमों का विवरण दें। | पहचाने गए जोखिमों / चिंताओं पर किए गए या चल रहे सुधारात्मक उपाय: कंपनी मानवाधिकारों और कार्यस्थल पर निष्पक्ष तौर–तरीकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्य उपायों में शामिल हैं: बाल श्रम और जबरन श्रम: कंपनी बाल श्रम का उपयोग न करने या किसी भी तरह के जबरन / अनचाहे श्रम में शामिल न होने की अपनी नीति का सख्ती से पालन करती है। कामकाज और सप्लाई चेन में नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए समय–समय पर ऑडिट और वेंडर का मूल्यांकन किया जाता है। यौन उत्पीड़न: यौन उत्पीड़न की शिकायतों के समाधान के लिए पीओएसएच एक्ट के तहत एक पूरी तरह से काम करने वाली आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) बनाई गई है। जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं, और सभी शिकायतों को गोपनीयता और उचित प्रक्रिया के साथ निपटाया जाता है। कार्यस्थल पर भेदभाव: कंपनी समावेशी कार्य–माहौल को बढ़ावा देती है और भेदभाव से निपटने के लिए व्यवस्थाएं मौजूद हैं। अनुसूचित जाति / अनुसूचित जन जाति कर्मचारियों का एक मान्यता प्राप्त संघ है, और मिली किसी भी शिकायत को कार्मिक विभाग द्वारा निपटाया जाता है और उचित समाधान के लिए बोर्ड स्तर पर भी चर्चा की जाती है। वेतन: कंपनी लागू कानूनों और नियमों के अनुसार वेतन का उचित और समय पर भुगतान सुनिश्चित करती है। वेतन से जुड़ी प्रक्रियाओं में नियमों का पालन और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए समय–समय पर समीक्षा की जाती है। ये कदम नैतिक तौर–तरीकों, कर्मचारियों की भलाई और नियमों के पालन के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। |

| नेतृत्व संकेतक | |
|---|---|
| 1. मानवाधिकारों से जुड़ी शिकायतों/मुद्दों को सुलझाने के लिए किसी व्यासायिक प्रक्रिया में किए गए बदलाव या नई शुरू की गई प्रक्रिया का विवरण। | |
| 2. मानवाधिकारों से जुड़ी की गई किसी भी गहन जांच–पड़ताल के दायरे और कवरेज का विवरण। | |
| 3. क्या संस्था का परिसर/कार्यालय दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की जरूरतों के अनुसार दिव्यांग आगंतुकों के लिए सुलभ है? | |
| 4. मूल्य श्रृंखला भागदारों के मूल्यांकन का विवरण: | |
| | मूल्य श्रृंखला भागदारों % (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यापार के मूल्य के आधार पर) जिनका मूल्यांकन किया गया |
| यौन उत्पीडन | 0.00% |
| कार्यस्थल पर भेदभाव | 0.00% |
| बाल श्रम | 0.00% |
| जबरन श्रम/अनिच्छुक श्रम | 0.00% |
| मजदूरी | 0.00% |
| 5. उपरोक्त प्रश्न 4 में किए गए मूल्यांकन से सामने आए अहम जोखिमों/चिंताओं को दूर करने के लिए उठाए गए या चल रहे सुधारात्मक कदमों का विवरण दें। | |
| नोट्स | |

| सिद्धांत 6: व्यवसायों को पर्यावरण का सम्मान करना चाहिए और उसकी सुरक्षा व बहाली के लिए प्रयास करने चाहिए। | | | | |
|---|---|---|---|---|
| आवश्यक नेतृत्व | | | | |
| 1. कुल ऊर्जा खपत (जूल या उसके गुणकों में) और ऊर्जा तीव्रता का विवरण, नीचे दिए गए प्रारूप में: | | | | |
| क्या कुल ऊर्जा खपत और ऊर्जा तीव्रता कंपनी पर लागू होती है? | | | | |
| ऑपरेशन से रेवेन्यू (रुपये में) | | वित्त वर्ष (2025-26) | (वित्त वर्ष (2024-25) | |
| | | 34105666.00 | 26935840.00 | |
| पैरामीटर | इकाई | वित्त वर्ष (2025-26) | (वित्त वर्ष (2024-25) | |
| **नवीकरणीय स्रोतों से** | | | | |
| कुल बिजली की खपत (ए) | | | | |
| कुल ईंधन की खपत (बी) | | | | |
| नवीकरणीय स्रोतों से कुल ऊर्जा की खपत (ए+बी+सी) | | | | |
| **गैर–नवीकरणीय स्रोतों से** | | | | |
| कुल बिजली की खपत (डी) | | | | |
| कुल ईंधन की खपत (ई) | | | | |
| गैर–नवीकरणीय स्रोतों से कुल ऊर्जा की खपत (डी+ई+एफ) | | | | |
| कुल ऊर्जा की खपत (ए+बी+सी+डी+ई+एफ) | | | | |
| टर्नओवर के प्रति रुपये पर ऊर्जा तीव्रता (कुल ऊर्जा खपत / कारोंबार से राजस्व) | | | | |
| परचेजिंग पावर पैरिटी (पीपीपी) के अनुसार एडजस्ट किया गया टर्नओवर के प्रति रुपये पर ऊर्जा तीव्रता (कुल ऊर्जा खपत / ऑपरेशन से रेवेन्यू पीपीपी के अनुसार एडजस्ट किया गया) | | | | |
| भौतिक आउटपुट के संदर्भ में ऊर्जा तीव्रता | | | | |
| ऊर्जा तीव्रता (वैकल्पिक) –संबंधित मैट्रिक को संस्था द्वारा चुना जा सकता है | | | | |
| नोट: बताएं कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन / मूल्यांकन / आश्वासन किया गया है? (हां / नहीं) | | | | |
| यदि हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम। | | | | |
| 2. क्या संस्था के पास भारत सरकार की निष्पादन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना के तहत नामित उपभोक्ताओं (डीसी) के रूप में पहचानी गई कोई साइट / सुविधा है? | | | नहीं | |
| यदि हां, तो बताएं कि क्या पीएटी योजना के तहत तय किए गए लक्ष्य पूरे कर लिए गए हैं। यदि लक्ष्य पूरे नहीं हुए हैं, तो जानकारी दें। | | | | |

| 3. पानी से जुड़ी निम्नलिखित जानकारियों का विवरण नीचे दिए गए प्रारूप में दें: | | |
|---|---|---|
| **पैरामीटर** | **वित्त वर्ष (2025-26)** | **(वित्त वर्ष (2024-25)** |
| **स्रोत के द्वारा जल निकालना (किलोलीटर में)** | | |
| (i) सतही जल | 0.00 | 0.00 |
| (ii) भूजल | 0.00 | 0.00 |
| (iii) तीसरे पार्टी का जल | 0.00 | 0.00 |
| (iv) समुद्री पानी / खारापन हटाकर मीठा किया गया पानी | 0.00 | 0.00 |
| (v) अन्य | 0.00 | 0.00 |
| पानी निकालने की कुल मात्रा (किलोलीटर में) (i + ii + iii + iv + v) | 0.00 | 0.00 |
| पानी की कुल खपत (किलोलीटर में) | 0.00 | 0.00 |
| टर्नओवर के प्रति रुपये पर पानी की खपत (पानी की कुल खपत / परिचालन से राजस्व) | 0.00<br>0.00 | 0.00<br>0.00 |
| क्रय शक्ति समाता (पीपी) के हिसाब से समायोजित किया गया टर्नओवर के प्रति रुपये पर पानी की खपत (पानी की कुल खपत / पीपीपी के हिसाब से समायोजित की गई परिचालन से होने वाली आय) | 0.00 | 0.00 |
| फिजिकल आउटपुट के हिसाब से पानी की खपत | 0.00 | 0.00 |
| पानी की खपत (वैकल्पिक)–संबंधित पैमाना कंपनी द्वारा चयनित किया जा सकता है | 0.00 | 0.00 |
| नोट: बताएं कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन / मूल्यांकन / आश्वासन किया गया है? | नहीं | |
| यदि हाँ, तो बाहरी एजेंसी का नाम। | | |

| 4. छोड़े गए पानी से संबंधित निम्नलिखित विवरण दें: | | |
|---|---|---|
| **पैरामीटर** | **वित्त वर्ष (2025-26)** | **(वित्त वर्ष (2024-25)** |
| **गंतव्य और उपचार के स्तर के अनुसार जल निर्वहन (किलोलीटर में)** | | |
| (i) सतही जल में | 0.00 | 0.00 |
| –कोई उपचार नहीं | 0.00 | 0.00 |
| –उपचार के साथ–कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें | 0.00 | 0.00 |
| (ii) भूजल में | 0.00 | 0.00 |
| –कोई उपचार नहीं | 0.00 | 0.00 |
| –उपचार के साथ–कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें | 0.00 | 0.00 |
| (iii) समुद्री पानी में | 0.00 | 0.00 |
| –कोई उपचार नहीं | 0.00 | 0.00 |
| ट्रीटमेंट के साथ–कृपया ट्रीटमेंट का स्तर निर्दिष्ट करें | 0.00 | 0.00 |
| (iv) तीसरे पक्ष को भेजा गया | 0.00 | 0.00 |
| –कोई उपचार नहीं | 0.00 | 0.00 |
| –उपचार के साथ–कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें | 0.00 | 0.00 |
| (अ) अन्य | 0.00 | 0.00 |
| –कोई उपचार नहीं | 0.00 | 0.00 |
| –उपचार के साथ–कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें | 0.00 | 0.00 |
| छोड़ा गया कुल पानी (किलोलीटर में) | 0.00 | 0.00 |
| नोट: बताएं कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन / मूल्यांकन / आश्वासन किया गया है? (हाँ / नहीं) | नहीं | |
| यदि हाँ, तो बाहरी एजेंसी का नाम। | | |
| 5. क्या संस्था ने जीरो लिक्विड डिस्चार्ज के लिए कोई व्यवस्था लागू की है? | लागू नहीं | एमएमटीसी लिमिटेड ने 12 अप्रैल 2022 से अपना कामकाज बंद कर दिया है। नतीजतन, कंपनी ने शून्य तरल निर्वहन की व्यवस्था लागू नहीं की है। |
| यदि हाँ, तो इसके कवरेज और कार्यान्वयन का विवरण दें। | | |

6. कृपया कंपनी द्वारा हवा में छोड़े जाने वाले उत्सर्जन (सीएचजी उत्सर्जन के अलावा) का विवरण नीचे दिए गए प्रारूप में दें:

| क्या कंपनी पर हवा में छोड़े जाने वाले उत्सर्जन (सीएचजी उत्सर्जन के अलावा) के नियम लागू होते हैं? | | नहीं | |
|---|---|---|---|
| **पैरामीटर** | **कृपया इकाई निर्दिष्ट करें** | **वित्त वर्ष (2025-26)** | **वित्त वर्ष (2024-25)** |
| एनओएक्स | | | |
| एसओएक्स | | | |
| पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) | | | |
| परसिस्टेंट ऑर्गेनिक पॉल्यूटेंट्स (पीओएम) | | | |
| स्थायी कार्बनिक प्रदूषण (पीओपी) | | | |
| खतरनाक एयर पॉल्यूटेंट्स (एचएपी) | | | |
| नोट: बताएं कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन / मूल्यांकन / आश्वासन किया गया है? (हां / नहीं) | | | |
| यदि हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम बताएं। | | | |

7. ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन) और इसकी तीव्रता का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में दें:

| क्या ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन) और इसकी तीव्रता कंपनी पर लागू होती है? | | नहीं | |
|---|---|---|---|
| **पैरामीटर** | **इकाई** | **वित्त वर्ष (2025-26)** | **वित्त वर्ष (2025-26)** |
| कुल स्कोप 1 उत्सर्जन (अगर उपलब्ध हो तो GHG का CO2, CH4, N2O, HFCs, PFCs, SF6, NF3 में विवरण) | | | |
| कुल स्कोप 2 उत्सर्जन (अगर उपलब्ध हो तो GHG का CO2, CH4, N2O, HFCs, PFCs, SF6, NF3 में विवरण) | | | |
| टर्नओवर के प्रति रुपये पर कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन तीव्रता (कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 GHG उत्सर्जन / ऑपरेशन से रेवेन्यू) | | | |
| परचेजिंग पावर पैरिटी (PPP) के हिसाब से एडजस्ट किया गया टर्नओवर के प्रति रुपये पर कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन तीव्रता (कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 GHG उत्सर्जन / PPP के हिसाब से समायोजित किया गया परिचालन से राजस्व) | | | |
| भौतिक आउटपुट के हिसाब से कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन तीव्रता | | | |
| कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन तीव्रता (वैकल्पिक)– संबंधित मेट्रिक को कंपनी चुन सकती है | | | |
| नोट: बताएं कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन / मूल्यांकन / आश्वासन किया गया है? (हां / नहीं) | | | |
| अगर हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम। | | | |
| 8. क्या संस्था के पास ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने से जुड़ा कोई प्रोजेक्ट है?<br>यदि हाँ, तो विवरण प्रदान करें। | लागू नहीं | एमएमटीसी लिमिटेड ने 12 अप्रैल 2022 से अपना कामकाज बंद कर दिया है। नतीजतन, कंपनी ने जीरो लिक्विड डिस्चार्ज की व्यवस्था लागू नहीं की है। | |

| 9. इकाई द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित विवरण निम्नलिखित प्रारूप में दें: | | |
|---|---|---|
| **पैरामीटर** | **वित्त वर्ष (2025-26)** | **(वित्त वर्ष (2024-25)** |
| कुल उत्पन्न कचरा (मीट्रिक टन में) | | |
| प्लास्टिक कचरा (ए) | 0.00 | 0.00 |
| ई–कचरा (बी) | 0.00 | 0.00 |
| जैव–चिकित्सा कचरा (सी) | 0.00 | 0.00 |
| निर्माण और तोड़–फोड़ से निकला कचरा (डी) | 0.00 | 0.00 |
| बैटरी कचरा (ई) | 0.00 | 0.00 |
| रेडियोएक्टिव कचरा (एफ) | 0.00 | 0.00 |
| अन्य खतरनाक कचरा। अगर कोई हो, तो बताएं (जी) | 0.00 | 0.00 |
| अन्य गैर–खतरनाक कचरा (एच)। | 0.00 | 0.00 |
| अगर कोई हो, तो बताएं। (बनावट के आधार पर विवरण, यानी सेक्टर से जुड़े मटीरियल के अनुसार) | 0.00 | |
| कुल (ए+बी+सी+डी+ई+एफ+जी+एच) | 0.00 | 0.00 |
| टर्नओवर के प्रति रुपये पर कचरे की मात्रा (कुल पैदा हुआ कचरा / कामकाज से हुई कमाई) | 0.00 | 0.00 |
| परचेजिंग पावर पैरिटी (पीपीपी) के हिसाब से टर्नओवर के प्रति रुपये पर कचरे की मात्रा (कुल पैदा हुआ कचरा / पीपीपी के हिसाब से कामकाज से हुई कमाई) | 0.00 | 0.00 |
| फिजिकल आउटपुट के हिसाब से कचरे की मात्रा | 0.00 | 0.00 |
| कचरे की मात्रा (वैकल्पिक)–संबंधित पैमाना कंपनी द्वारा चुना जा सकता है | 0.00 | 0.00 |

| **उत्पन्न कचरे की प्रत्येक श्रेणी के लिए, पुनर्चक्रण, पुनः उपयोग या अन्य पुनप्राप्ति प्रक्रियाओं के माध्यम से पुनः प्राप्त कुल कचरा (मीट्रिक टन में)** | | |
|---|---|---|
| अपशिष्ट की श्रेणी | 0.00 | 0.00 |
| (I) पुनर्चक्रित | 0.00 | 0.00 |
| (ii) पुनः उपयोग किया गया | 0.00 | 0.00 |
| (iii) अन्य पुनर्प्राप्ति क्रियाएँ | 0.00 | 0.00 |
| कुल | 0.00 | 0.00 |
| **उत्पन्न कचरे की प्रत्येक श्रेणी के लिए, निपटान विधि के आधार पर निपटाया गया कुल कचरा (मीट्रिक टन में)** | | |
| कचरे की श्रेणी | 0.00 | 0.00 |
| (i) भस्मीकरण | 0.00 | 0.00 |
| (ii) लैंडफिलिंग | 0.00 | 0.00 |
| (iii) निपटान की अन्य प्रक्रियाएँ | 0.00 | 0.00 |
| कुल | 0.00 | 0.00 |
| नोटः क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन / मूल्यांकन / आश्वासन किया गया है? (हाँ / नहीं) यदि हाँ, तो बाहरी एजेंसी का नाम। | नहीं | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 10. | अपने संस्थानों में अपनाए जाने वाले कचरा प्रबंधन के तरीकों के बारे में संक्षेप में बताएं। अपने उत्पादों और प्रक्रियाओं में खतरनाक और जहरीले रसायनों के इस्तेमाल को कम करने के लिए आपकी कंपनी द्वारा अपनाई गई रणनीति और ऐसे कचरे के प्रबंधन के लिए अपनाए गए तरीकों का वर्णन करें। | एमएमटीसी लिमिटेड ने 12 अप्रैल 202 से अपना कामकाज बंद कर दिया है। नतीजतन, कंपनी ने कचरा प्रबंधन का कोई तरीका नहीं अपनाया है। | |
| 11. | क्या संस्था भारत में लागू पर्यावरण कानूनों / नियमों / दिशानिर्देशों का पालन करती है, जैसे कि जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और उसके तहत बने नियम (हाँ / नहीं / लागू नहीं)? | हाँ | |
| अगर नहीं, तो ऐसे सभी नियमों का पालन न करने के मामलों की जानकारी नीचे दिए गए प्रारूप में दें: | | | |

**नेतृत्व संकेतक**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | पानी की कमी वाले इलाकों में पानी निकालना, इस्तेमाल करना और छोड़ना (किलोलीटर में): | | | |
| | पानी की कमी वाले इलाकों में मौजूद हर सुविधा / प्लांट के लिए, नीचे दी गई जानकारी दें: | | | |
| | पानी की कमी वाले इलाकों में मौजूद हर सुविधा / प्लांट के लिए जानकारी | | | |
| | नोट: बताएं कि क्या किसी बाहरी एजेंसी ने कोई स्वतंत्र आकलन / मूल्यांकन / आश्वासन किया है? (हाँ / नहीं) | | | |
| | अगर हाँ, तो बाहरी एजेंसी का नाम। | | | |
| 2. | कृपया कुल स्कोप 3 उत्सर्जन और उसकी तीव्रता का विवरण नीचे दिए गए प्रारूप में दें:<br>क्या कुल स्कोप 3 उत्सर्जन और उसकी तीव्रता कंपनी पर लागू होती है? | | | |
| | **पैरामीटर** | **इकाई** | **वित्त वर्ष (2025-26)** | **(वित्त वर्ष (2024-25)** |
| | कुल स्कोप 3 उत्सर्जन (GHG का CO2, CH4, N2O, HFCs, PFCs, SF6, NF3 में बंटवारा, यदि उपलब्ध हो) | | | |
| | टर्नओवर के प्रति रुपये पर कुल स्कोप 3 उत्सर्जन | | | |
| | कुल स्कोप 3 उत्सर्जन तीव्रता (वैकल्पिक)–संबंधित मेट्रिक का चयन संस्था द्वारा किया जा सकता है | | | |
| | नोट: बताएं कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन / मूल्यांकन / आश्वासन किया गया है? (हां / नहीं) | | | |
| | यदि हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम। | | | |
| 3. | ऊपर आवश्यक संकेतकों के प्रश्न 10 में बताए गए पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों के संबंध में, ऐसे क्षेत्रों में जैव विविधता पर संस्था के महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव का विवरण दें,साथ ही रोकथाम और सुधार गतिविधियों का भी विवरण दें। | | | |
| 5. | क्या संस्था के पास व्यवसाय निरंतरता और आपदा प्रबंधन योजना है? | | | |
| | उस संस्था का विवरण जहाँ बिजनेस कंटिन्यूटी और डिजास्टर मैनेजमेंट प्लान रखा गया है या उसका वेबलिंक। | | | |
| 6. | संस्था की वैल्यू चेन से पर्यावरण पर पड़ने वाले किसी भी बड़े बुरे असर का खुलासा करें, और इस संबंध में संस्था ने क्या बचाव या अनुकूलन के उपाय किए हैं। | | | |
| 7. | वैल्यू चेन पार्टनर्स (ऐसे पार्टनर्स के साथ किए गए बिजनेस के मूल्य के आधार पर) का प्रतिशत जिनका पर्यावरणीय प्रभावों के लिए मूल्यांकन किया गया। | | | |
| 8. | कितने ग्रीन क्रेडिट जेनरेट या हासिल किए गए हैं: | | | |
| | क. लिस्टेड संस्था द्वारा | | | |
| | ख. शीर्ष दस मूल्य श्रृंखला भागीदारों द्वारा (क्रमशः खरीद और बिक्री के मूल्य के आधार पर) | | | |
| | टिप्पणी | | | |

| सिद्धांत 7: जब व्यवसाय सार्वजनिक और नियामक नीतियों को प्रभावित करने की प्रक्रिया में शामिल हों, तो उन्हें ऐसा जिम्मेदार और पारदर्शी तरीके से करना चाहिए। | | |
|---|---|---|
| **आवश्यक संकेतक** | | |
| 1. व्यापार और उद्योग चौंबर/एसोसिएशन के साथ जुड़ी संस्थाओं की संख्या। | | |
| बी. उन टॉप 10 व्यापार और उद्योग चौंबर/एसोसिएशन की सूची दें (जिनका निर्धारण उस संस्था के कुल सदस्यों के आधार पर किया गया हो) जिनकी सदस्य या सहयोगी यह संस्था है। | | |
| क्रम सं. | व्यापार और उद्योग मंडलों/संघों का नाम | व्यापार और उद्योग मंडलों/संघों की पहुँच (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय) |
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| **नेतृत्व संकेतक** | | |
| टिप्पणियां | | |

| सिद्धांत 8 व्यवसायों को समावेशी विकास और समान विकास को बढ़ावा देना चाहिए। | | |
|---|---|---|
| **आवश्यक संकेतक** | | |
| 3. समुदाय की शिकायतों को प्राप्त करने और उनके समाधान की प्रक्रियाओं का वर्णन करें। | संस्था के पास समुदाय की शिकायतों को प्राप्त करने और उसका निवारण करने का कोई तंत्र नहीं है क्योंकि एमएमटीसी लिमिटेड ने 12 अप्रैल 2022 से अपना व्यवसाय बंद कर दिया है। | |
| 4. आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त इनपुट सामग्री (मूल्य के आधार पर कुल इनपुट में इनपुट का प्रतिशत): | **वित्त वर्ष** (2025-26) | (**वित्त वर्ष** (2024-25 |
| एमएसएमई/छोटे उत्पादकों से सीधे प्राप्त | 0.00% | 0.00% |
| जिले और पड़ोसी जिलों से सीधे प्राप्त | 0.00% | 0.00% |
| 5. छोटे शहरों में रोजगार पैदा करना – नीचे दी गई जगहों पर काम करने वाले लोगों (जिनमें स्थायी या अस्थायी/अनुबंध के आधार पर रखे गए कर्मचारी या मजदूर शामिल हैं) को दी जाने वाली मजदूरी की जानकारी दें (इसे कुल मजदूरी लागत के प्रतिशत के रूप में बताएं): | | |

| | वित्त वर्ष (2025-26) | (वित्त वर्ष (2024-25) |
|---|---|---|
| **1. ग्रामीण** | | |
| i) काम पर रखे गए लोगों (जिसमें स्थायी या अस्थायी / अनुबंध के आधार पर रखे गए कर्मचारी या कामगार शामिल हैं) को दिए गए वेतन का विवरण दें। | | |
| ii) कुल वेतन लागत | | |
| iii) ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन का % | | |
| **2. अर्ध शहरी** | | |
| i) काम पर रखे गए लोगों (जिसमें स्थायी या अस्थायी / अनुबंध के आधार पर रखे गए कर्मचारी या कामगार शामिल हैं) को दिए गए वेतन का विवरण दें। | | |
| ii) कुल वेतन लागत | | |
| iii) ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन का % | | |
| **3. शहरी** | | |
| i) काम पर रखे गए लोगों (जिसमें स्थायी या अस्थायी / अनुबंध के आधार पर रखे गए कर्मचारी या कामगार शामिल हैं) को दिए गए वेतन का विवरण दें। | | |
| ii) कुल वेतन लागत | | |
| iii) ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन का % | | |
| **4. महानगर** | | |
| i) काम पर रखे गए लोगों (जिसमें स्थायी या अस्थायी / अनुबंध के आधार पर रखे गए कर्मचारी या कामगार शामिल हैं) को दिए गए वेतन का विवरण दें। | | |
| ii) कुल वेतन लागत | | |
| iii) ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन का % | | |
| **नेतृत्व संकेतक** | | |
| 3. (ए) क्या आपके पास कोई प्राथमिकता–आधारित खरीद नीति है जिसके तहत आप हाशिए पर रहने वाले या कमजोर वर्गों के आपूर्तिकर्ताओं से खरीदारी को प्राथमिकता देते हैं? (हाँ / नहीं / लागू नहीं) | | |
| (बी) आप किन हाशिए पर रहने वाले / कमजोर वर्गों से सामान खरीदते हैं? | | |
| (सी) कुल खरीद (मूल्य के आधार पर) में इसका कितना प्रतिशत हिस्सा है? | | |
| टिप्पणियां | | |

| सिद्धांत 9 : व्यवसायों को जिम्मेदार तरीके से अपने उपभोक्ताओं के साथ जुड़ना चाहिए और उन्हें मूल्य प्रदान करना चाहिए। | |
|---|---|
| **आवश्यक संकेतक** | |
| 1. ग्राहकों की शिकायतों और फीडबैक को प्राप्त करने और उन पर प्रतिक्रिया देने के लिए मौजूद तरीकों के बारे में बताएं। | एमएमटीसी लिमिटेड ने 12 अप्रैल 2022 से अपना कामकाज बंद कर दिया है। नतीजतन, कंपनी अब कोई व्यावसायिक संचालन नहीं करती है, उसका कोई सक्रिय ग्राहक नहीं है, और ग्राहकों की शिकायतों को लेने और उनका समाधान करने के लिए कोई व्यवस्था भी नहीं है। |
| 2. उन सभी उत्पादों/सेवाओं से होने वाले कुल टर्नओवर के प्रतिशत के रूप में, उन उत्पादों/सेवाओं का टर्नओवर जिनके बारे में ये जानकारी दी गई है: | कुल टर्नओवर के प्रतिशत के रूप में |
| उत्पाद से जुड़े पर्यावरण और सामाजिक मानक | 0.00% |
| सुरक्षित और जिम्मेदार इस्तेमाल | 0.00% |
| रीसाइक्लिंग और/या सुरक्षित निपटान | 0.00% |

| 3. निम्नलिखित के संबंध में उपभोक्ताओं की शिकायतों की संख्या | वित्त वर्ष (2025-26) | | टिप्पणी | (वित्त वर्ष (2024-25 | | टिप्पणी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | वर्ष के दौरान प्राप्त | वर्ष के अंत में लंबित समाधान | | वर्ष के दौरान प्राप्त | वर्ष के अंत में लंबित समाधान | |
| डेटा प्राइवेसी | 0 | 0 | लागू नहीं | 0 | 0 | लागू नहीं |
| विज्ञापन | 0 | 0 | लागू नहीं | 0 | 0 | लागू नहीं |
| साइबर–सिक्योरिटी | 0 | 0 | लागू नहीं | 0 | 0 | लागू नहीं |
| जरूरी सेवाओं की डिलीवरी | 0 | 0 | लागू नहीं | 0 | 0 | लागू नहीं |
| प्रतिबंधात्मक व्यापार प्रथाएं | 0 | 0 | लागू नहीं | 0 | 0 | लागू नहीं |
| अनुचित व्यापार प्रथाए | 0 | 0 | लागू नहीं | 0 | 0 | लागू नहीं |
| अन्य | 0 | 0 | लागू नहीं | 0 | 0 | लागू नहीं |

| 4. सुरक्षा संबंधी कारणों से उत्पाद वापस मंगाने के मामलों का विवरण | संख्या | वापस मंगाने के कारण |
|---|---|---|
| स्वैच्छिक रीकॉल | 0 | सुरक्षा संबंधी समस्याओं के कारण किसी भी उत्पाद को स्वेच्छा से वापस नहीं मंगाया गया है। |
| जबरन रीकॉल | 0 | सुरक्षा संबंधी समस्याओं के कारण किसी भी उत्पाद को स्वेच्छा से वापस नहीं मंगाया गया है। |

| | |
|---|---|
| 5. क्या संस्था के पास साइबर सुरक्षा और डेटा प्राइवेसी से जुड़े जोखिमों के लिए कोई फ्रेमवर्क/पॉलिसी है? | हाँ |
| अगर उपलब्ध हो, तो पॉलिसी का वेब–लिंक दें। | https://mmtclimited.com/pages/display/370-cyber-awareness |
| 6. विज्ञापन और जरूरी सेवाओं की डिलीवरी, ग्राहकों की साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता, उत्पादन वापस मंगाने की घटनाओं के दोबारा होने, और उत्पादन/सेवाओं की सुरक्षा को लेकर नियामक प्राधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई/जुर्माने से जुड़े मुद्दों पर की गई या चल रही सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण दें। | विज्ञापन, जरूरी सेवाओं की डिलीवरी, साइबर सिक्योरिटी और ग्राहकों की डेटा प्राइवेसी से जुड़े मुद्दों पर कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है और न ही ऐसी कोई कार्रवाई चल रही है, प्रोडक्ट वापस मंगाने की घटनाएं दोबारा हुई हैं, और प्रोडक्ट/सेवाओं की सुरक्षा को लेकर नियामक प्राधिकारियों ने जुर्माना लगाया है या कार्रवाई की है। |
| 7. डेटा उल्लंघनों से संबंधित निम्नलिखित जानकारी प्रदान करें। | |

| | |
|---|---|
| (ए) डेटा उल्लंघनों की घटनाओं की संख्या और उनका असर | 0 |
| (बी) ग्राहकों की व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी से जुड़े डेटा उल्लंघनों का प्रतिशत | 0.00% |
| (सी) डेटा उल्लंघनों का असर (यदि कोई हो) | डेटा उल्लंघनों का कोई असर नहीं पड़ा है। |

| नेतृत्व संकेतक | | |
|---|---|---|
| 1. वे चौनल / प्लेटफॉर्म जहाँ कंपनी के उत्पादों और सेवाओं के बारे में जानकारी मिल सकती है (अगर उपलब्ध हो, तो वेब लिंक दें)। | | |
| 2. उत्पादों और / या सेवाओं के सुरक्षित और जिम्मेदार इस्तेमाल के बारे में उपभोक्ताओं को जानकारी देने और जागरूक करने के लिए उठाए गए कदम। | | |
| 3. जरूरी सेवाओं में रुकावट या उनके बंद होने के किसी भी जोखिम के बारे में उपभोक्ताओं को सूचित करने की व्यवस्था। | | |
| 4. क्या कंपनी स्थानीय कानूनों के तहत जरूरी जानकारी के अलावा, प्रोडक्ट पर प्रोडक्ट से जुड़ी और जानकारी भी दिखाती है? | | |
| अगर हाँ, तो संक्षेप में जानकारी दें। | | |
| क्या आपकी कंपनी ने अपने मुख्य उत्पादों / सेवाओं, कामकाज की अहम जगहों या पूरी कंपनी के बारे में ग्राहकों की संतुष्टि को लेकर कोई सर्वे किया है? | नहीं | |
| टिप्पणी : | | |

# अनुबंध-V निदेशकों की रिपोर्ट के प्रति

## प्रपत्र संख्या एमआर–3

सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट
वित्तीय वर्ष 31 मार्च, 2026 को समाप्त हुआ
कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204(1) और कंपनी
(प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक)
नियम, 2014 के नियम संख्या 9 के अनुसार,

सेवा में,
सदस्यगण,
**एमएमटीसी लिमिटेड**
कोर–1 स्कोप कॉम्प्लेक्स 7, इंस्टीटयूशनल एरिया,
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003

हमने 31 मार्च 2026 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए **एमएमटीसी लिमिटेड** (जिसे आगे "कंपनी" कहा गया है) द्वारा लागू कानूनी प्रावधानों के पालन और अच्छे कॉर्पोरेट तौर–तरीकों को अपनाने की जांच (सचिवीय संपरीक्षा) की है। यह सेक्रेटेरियल ऑडिट इस तरह से किया गया जिससे हमें कॉर्पोरेट कामकाजध्कानूनी अनुपालन का मूल्यांकन करने और उस पर अपनी राय देने के लिए एक उचित आधार मिल सके।

कंपनी की किताबों, कागजातों, मिनट बुक्स, भरे गए फॉर्म और रिटर्न, कंपनी द्वारा रखे गए अन्य रिकॉर्ड्स और सेक्रेटेरियल ऑडिट के दौरान कंपनी, उसके अधिकारियों, एजेंटों और अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा दी गई जानकारी की हमारी जांच के आधार पर, हम यह रिपोर्ट करते हैं कि हमारी राय में, कंपनी ने 31 मार्च 2026 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष की ऑडिट अवधि के दौरान नीचे बताए गए कानूनी प्रावधानों का पालन किया है। साथ ही, कंपनी के पास उचित बोर्ड–प्रक्रियाएं और अनुपालन–तंत्र मौजूद हैं, जो इस रिपोर्ट में बताए गए तरीके और हद तक हैं:

हमने 31 मार्च 2026 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी की किताबों, कागजातों, मिनट बुक्स, भरे गए फॉर्म और रिटर्न तथा अन्य रिकॉर्ड्स की जांच नीचे दिए गए लागू कानूनों के प्रावधानों के अनुसार की है:

(i) कंपनीज एक्ट, 2013 (एक्ट) और उसके तहत बने नियम,

(ii) प्रतिभूत अनुबंध (विनिमय) एक्ट, 1956 (एससीआरए) और उसके तहत बने नियम,

(iii) डिपॉजिटरीज एक्ट, 1996 और उसके तहत बनाए गए विनिमय और उप नियम

(iv) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और उसके तहत बने नियम और विनिमय, जो प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और बाहरी वाणिज्यिक उधारत्यक्ष विदेशी निवेश से संबंधित हैं

(v) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 (सेबी एक्ट') के तहत तय किए गए नियम और गाइडलाइंस इस प्रकार हैं:

ए) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का बड़े पैमाने पर अधिग्रहण और टेकओवर) रेगुलेशंस, 2011य

बी) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इनसाइडर ट्रेडिंग पर रोक) रेगुलेशंस, 2015,

सी) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (**पूंजी जारी करने और जानकारी देने की जरूरतों**) रेगुलेशंस, 2018, (ऑडिट की अवधि के दौरान कंपनी पर लागू नहीं)

डी) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (**कर्मचारी मंडार विकल्प योजना और कर्मचारी मंडार खरीद योजना**) गाइडलाइंस, 1999, (ऑडिट की अवधि के दौरान कंपनी पर लागू नहीं)

ई) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (**डेट सिक्योरिटीज जारी करना और लिस्टिंग**) रेगुलेशंस, 2008, (ऑडिट की अवधि के दौरान कंपनी पर लागू नहीं)

एफ) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (**इश्यू के रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट**) रेगुलेशंस, 1993, जो कंपनीज एक्ट और क्लाइंट के साथ लेन–देन से संबंधित हैं,

जी) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों की डीलिस्टिंग) रेगुलेशंस, 2009, (ऑडिट की अवधि के दौरान कंपनी पर लागू नहीं) और

एच) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (**सिक्योरिटीज की बायबैक**) रेगुलेशंसय (ऑडिट की अवधि के दौरान कंपनी पर लागू नहीं)

(vi) हमारे सामने पेश किए गए दस्तावेजों / जानकारी के आधार पर, कंपनी पर विशेष रूप से लागू होने वाले अन्य कानून:

ए) कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013।

इ) सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई दिशानिर्देश) द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसईएस) के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर दिशानिर्देश, 2010

हमने निम्नलिखित के लागू होने वाले प्रावधानों के अनुपालन की भी जाँच की है:

i. लिस्टेड कंपनी के नियम–पालन, इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) द्वारा जारी और कंपनीज एक्ट, 2013 की धारा 118(10) के तहत केंद्र सरकार द्वारा नोटिफाई किए गए और अनिवार्य रूप से लागू सेक्रेटेरियल स्टैंडर्ड्स (एसएस) के अनुसार हैं।

ii. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 और उसके तहत किए गए संशोधन ("लिस्टिंग विनियम")।

जांच की अवधि के दौरान, कंपनी ने ऊपर बताए गए एक्ट, नियमों, रेगुलेशन, गाइडलाइंस, स्टैंडर्ड आदि का पालन किया है, सिवाय सेबी (एलओडीआर) रेगुलेशन के तहत नीचे बताई गई बातों के:

I. मार्च 2025 और जून 2025 को समाप्त होने वाली तिमाहियों तक, निदेशका मंडलों में आधे सदस्य स्वतंत्र निदेशक नहीं थे। इसके चलते, सेबी (लिस्टिंग से जुड़ी बाध्यताएँ और जानकारी देने की आवश्यकताएँ) रेगुलेशंस, 2015 के रेगुलेशन 17 का पालन न करने के लिए क्रमशः 29 मई, 2025 और 29 अगस्त, 2025 को पेनल्टी नोटिस मिले।

**हम आगे यह भी बताते हैं कि**

1. ऊपर बताई गई बातों को छोड़कर, कंपनी का निदेशक मंडलों का गठन कार्यकारी निदेशकों, गैर–कार्यकारी निदेशकों और स्वतंत्र निदेशकों के सही संतुलन के साथ किया गया था। समीक्षा की अवधि के दौरान निदेशक मंडलो के गठन में जो बदलाव किए गए, वे एक्ट के प्रावधानों के अनुसार किए गए थे।
2. बोर्ड मीटिंग के लिए सभी निदेशकों को उचित नोटिस दिए गए थे। एजेंडा और उस पर विस्तृत नोट्स पहले ही भेज दिए गए थे, और मीटिंग से पहले एजेंडा के विषयों पर और जानकारी व स्पष्टीकरण मांगने और पाने, तथा मीटिंग में सार्थक रूप से भाग लेने की व्यवस्था मौजूद है।
3. चेयरमैन द्वारा विधिवत रिकॉर्ड और हस्ताक्षरित बैठकों के कार्यवृत्त के अनुसार, मंडल के निर्णय सर्वसम्मति से दर्ज किए गए।

कंपनी के कंपनी सचिव ने एक अनुपालना प्रमाण पत्र जारी किया है। इसमें बताया गया है कि भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (एमओसीएंडआई) के निर्देशों के अनुसार कंपनी का कामकाज रोक दिया गया है। इसलिए, कंपनी कोई कारोबार नहीं कर रही है और इस वजह से कुछ जरूरतें (लागू कानून, नियम, रेगुलेशन और गाइडलाइंस) सख्ती से लागू नहीं होती हैं।

ऊपर बताई गई बातों को ध्यान में रखते हुए, हम यह रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी के पास अपने आकार और कामकाज के हिसाब से पर्याप्त सिस्टम और प्रक्रियाएँ हैं। इनसे लागू कानूनों, नियमों, और दिशानिर्देश का पालन सुनिश्चित किया जाता है और उन पर नजर रखी जाती है (सिवाय उन मामलों के जिनका जिक्र ऊपर किया गया है)।

हम यह भी रिपोर्ट करते हैं कि ऑडिट की अवधि के दौरान, बताए गए कानूनों, नियमों, रेगुलेशन, गाइडलाइंस, स्टैंडर्ड्स आदि के तहत कंपनी के कामकाज पर कोई खास असर डालने वाली कोई घटना या कार्रवाई नहीं हुई है।

**ब्लैक एंड कंपनी के लिए**
कंपनी सचिव

स्थानः गाजियाबाद, एनसीआर
दिनांकः 06.05.2026

**(अर्चना बंसल)**
एमजी साझेदार,
एम. नंबर – 13796
सीओपी नं.– 11714
यूडीआईएन–013796000290369

*नोटः इस रिपोर्ट को उसी तारीख के हमारे अनुबंध **"I"** के साथ पढ़ा जाना चाहिए, जो इसके साथ जुड़ा हुआ है और इस रिपोर्ट का एक अहम हिस्सा है।*

## अनुबंध 'I'

31 मार्च, 2026 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए हमारी सचिवीय लेखा परीक्षा, जो इसी तारीख की है, को इस पत्र के साथ पढ़ा जाना चाहिए।

**प्रबंधन की जिम्मेदारी**

1. सचिविक अभिलेखा का रखरखाव कंपनी के प्रबंध की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने संपरीक्षा के आधार पर इन सचिविक अभिलेखों पर अपनी राय दें।

**लेखा परीक्षा की जिम्मेदारी**

2. मैने सचिविक अभिलेखों की जानकारी की सटीकता के बारे में उचित भरोसा पाने के लिए जरूरी संपरीक्षा के तरीकों और प्रक्रियाओं का पालन किया है। यह जांच नमूने के आधार पर की गई ताकि यह पक्का किया जा सके कि सचिविक अभिलेखों में सही तथ्य दिखाए गए हैं। हमारा मानना है कि जिन प्रक्रियाओं और तरीकों का हमने पालन किया, वे हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करते हैं।
3. हमने कंपनी के वित्तीय अभिलेखों और अकाउंट्स की किताबों की सटीकता और उपयुक्तता की जांच नहीं की है।
4. जहां भी जरूरी था, हमने कानूनों, नियमों और विनिमय के पालन और घटनाओं आदि के बारे में प्रबंधनों से जानकारी ली है।
5. कॉर्पोरेट और अन्य लागू कानूनों, नियमों, रेगुलेशंस और स्टैंडर्ड्स के प्रावधानों का पालन करना प्रबंधनों की जिम्मेदारी है। हमारी जांच केवल परीक्षण के आधार पर प्रक्रियाओं की पुष्टि तक सीमित थी।
6. सचिविक अभिलेखा रिपोर्ट न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में कोई भरोसा दिलाती है और न ही उस कुशलता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधनों ने कंपनी के कामकाज को चलाया है।

**अस्वीकरण**

एमएमटीसी लिमिटेड का सचिविक अभिलेखा, आन्तरिक लेखा परीक्षा, कानूनी अंकेक्षण, कर अंकेक्षण, प्रबंन्ध अंकेक्षण और किसी भी अन्य अंकेक्षण से स्वतंत्र होता है।

**ब्लैक एंड कंपनी के लिए**
कंपनी सचिव

स्थान: गाजियाबाद, एनसीआर
दिनांक: 06.05.2026

(अर्चना बंसल)
एमजी साझेदार,
एम. नंबर – 13796
सीओपी नं.– 11714
यूडीआईएन–013796000290369

# सचिवीय लेखा परीक्षक की वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए रिपोर्ट

| क्रम सं. | लेखा परीक्षकों की टिप्पणियां | प्रबंधन का जबाब |
|---|---|---|
| 1. | मार्च 2025 और जून 2025 को समाप्त होने वाली तिमाहियों तक, निदेशक मंडलों में आधे सदस्य स्वतंत्र निदेशक नहीं थे। | सभी निदेशक भारत सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। इसमें एमएमटीसी लिमिटेड की कोई भूमिका नहीं है। एकएमटीसी ने स्वतंत्र निदेशकों के खाली पदों को भरने के लिए डीओसी से अनुरोध किया है। |

## वित्तीय वर्ष 2024-25

| क्रम सं. | लेखा परीक्षकों की टिप्पणियां | प्रबंधकों का जबाब |
|---|---|---|
| 1. | मार्च 2025 को समाप्त तिमाही तक, निदेशक मंडलों में आधे सदस्य स्वतंत्र निदेशक नहीं थे। | सभी निदेशक भारत सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। इसमें एमएमटीसी लिमिटेड की कोई भूमिका नहीं है। एमएमटीसी ने स्वतंत्र निदेशक के खाली पदों को भरने के लिए डीओसी से अनुरोध किया है। |
| 2. | 08.02.2024 और 20.12.2024 को हुई आरएमसी बैठकों के बीच का समय–अंतर 210 दिनों से ज़्यादा है। | कमेटी के सदस्यों के उपलब्ध न होने के कारण, तय समय सीमा के भीतर बैठक नहीं हो सकी। |
| 3. | 31.12.2024 को समाप्त तिमाही के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय परिणाम 45 दिनों के भीतर जमा नहीं किए गए थे। | कंपनी ने 31.12.2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपने स्टैंडअलोन और कंसोलिडेटेड वित्तीय नतीजे 13.02.2025 को दोनों शेयर बाजारों में जमा किए। हालाँकि, हमें 15.02.2025 को जमा न होने के बारे में एक ई–मेल मिला, जिसमें बताया गया कि शेयर बाजारों की वेबसाइट पर तकनीकी खराबी के कारण इसे जमा नहीं किया जा सका था। एनएसई की सूचना के अनुसार, कंपनी ने इसे 17.02.2025 को जमा किया। |
| 4. | कंपनी ने वर्ष 2023–2024 में अपनी हितधारक संबंधी समिति की कोई बैठक आयोजित नहीं की। | कमेटी के सदस्यों के उपलब्ध न होने के कारण, तय समय सीमा के भीतर बैठक नहीं हो सकी।<br>बाद में इस कमी को ठीक कर लिया गया और 09.08.2024 को बैठक आयोजित की गई। |

# सचिवीय अनुपालन रिपोर्ट
## एमएमटीसी लिमिटेड
### 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए
### (सेबी एलओडीआर विनियम 2015 के विनियम 24 ए के अनुसार)

सेवा में,
निदेशक मंडल
एमएमटीसी लिमिटेड
कोर–1 स्कोप कॉम्प्लेक्स 7, संस्थानिक क्षेत्र
लोधी रोड, नई दिल्ली – 110003

हमने 31 मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए एमएमटीसी लिमिटेड (जिसे इसके बाद कंपनी कहा जाएगा) द्वारा लागू वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन और अच्छी कॉर्पोरेट प्रथाओं के पालन की समीक्षा की है।

कंपनी के खातों, कागजात, मिनट बही, फॉर्म और दाखिल किए गए रिटर्न, कंपनी की वेबसाइट के साथ–साथ बीएसई और एनएसई पर अपलोड किए गए दस्तावेजों और कंपनी द्वारा बनाए गए अन्य रिकॉर्ड और साथ ही सचिवीय समीक्षा के संचालन के दौरान कंपनी, उसके अधिकारियों, एजेंटों और अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के हमारे सत्यापन के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि हमारी राय में, कंपनी ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष को कवर करने वाली समीक्षा अवधि के दौरान, नीचे सूचीबद्ध वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन किया है और साथ ही कंपनी के पास उचित बोर्ड–प्रक्रियाएं और अनुपालन–तंत्र हैं। हद तक, तरीके से और इसके बाद की गई रिपोर्टिंग के अधीन:

मैंने, सीएस अर्चना बंसल, ब्लैक एंड कंपनी की प्रबंध भागीदार ने जांच की है:

(ए) हमें उपलब्ध कराए गए सभी दस्तावेज और रिकॉर्ड और एमएमटीसी लिमिटेड ('सूचीबद्ध इकाई') द्वारा प्रदान की गई व्याख्या

(बी) सूचीबद्ध इकाई द्वारा स्टॉक एक्सचेंजों को की गई फाइलिंग / सबमिशन

(सी) सूचीबद्ध इकाई की वेबसाइट,

(डी) कोई अन्य दस्तावेज / फाइलिंग, जो प्रासंगिक हो, जिस पर यह प्रमाणन बनाने के लिए भरोसा किया गया है

31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए ('समीक्षा अवधि') के प्रावधानों के अनुपालन के संबंध में:

(ए) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 ('सेबी अधिनियम') और उसके तहत जारी विनियम, परिपत्र, दिशानिर्देशय और

(बी) प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 ('एससीआरए'), उसके तहत बनाए गए नियम और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ('सेबी') द्वारा उसके तहत जारी विनियम, परिपत्र, दिशानिर्देश

विशिष्ट विनियमों, जिनके प्रावधान और उसके तहत जारी किए गए परिपत्र / दिशानिर्देशों की जांच की गई है, जिसमें शामिल हैं: –

(ए) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015;

(बी) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूंजी जारी करना और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2018; (वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी पर लागू नहीं)

(सी) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अधिग्रहण और अधिग्रहण) विनियम, 2011;

(डी) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (प्रतिभूतियों की पुनर्खरीद) विनियम, 2018; (वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी पर लागू नहीं)

(ई) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयर आधारित कर्मचारी लाभ और स्वेट इक्विटी) विनियम, 2021; (वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी पर लागू नहीं)

(एफ) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (ऋण प्रतिभूतियों का निर्गमन और सूचीकरण) विनियम, 2008; (वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी पर लागू नहीं)

(जी) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (गैर–परिवर्तनीय प्रतिभूतियों का निर्गमन और सूचीकरण) विनियम, 2021; (वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी पर लागू नहीं)

(एच) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015 और उसका संशोधन;

(आई) डिपॉजिटरी अधिनियम, 1996 और विनियम और उसके तहत बनाए गए उप–नियम भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (डिपॉजिटरी और प्रतिभागी) विनियम, 2018 के विनियम 76 की सीमा तक;

(जे) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (जारी करने और शेयर हस्तांतरण एजेंट के रजिस्ट्रार) विनियम, 1993 कंपनी अधिनियम 2013 के संबंध में और ग्राहक से संबंधित।

और उपरोक्त परीक्षाओं के आधार पर, हम एतद्वारा रिपोर्ट करते हैं कि, समीक्षा अवधि के दौरानः

(ए) लिस्टेड कंपनी ने ऊपर बताए गए नियमों और उनके तहत जारी सर्कुलर/गाइडलाइंस का पालन किया है, सिवाय इन मामलों केः

(ए) सूचीबद्ध इकाई ने निम्नलिखित को छोड़कर उपरोक्त विनियमों और उसके तहत जारी किए गए परिपत्रों/दिशानिर्देशों के प्रावधानों का अनुपालन किया है:

| क्रम सं. | अनुपालन आवश्यकता (विशिष्ट खंड सहित विनियम/परिपत्र/दिशानिर्देश | विनियम/परिपत्र सं. | विचलन | द्वारा कृत कार्रवाई | कार्रवाई का प्रकार | उल्लंघन का विवरण | जुर्माना राशि | पीसीएस का अवलोकन/टिप्पणियाँ | प्रबंधन की प्रतिक्रिया | टिप्पणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 | विनियम 17(1) (बी) | (i) बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के आधे हिस्से में मार्च 2025 और जून, 2025 की तिमाही समाप्त होने तक स्वतंत्र निदेशक शामिल नहीं थे। तदनुसार, सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 17 के अनुपालन न करने के लिए क्रमशः 29 मई, 2025 और 29 अगस्त, 2025 को दंड नोटिस प्राप्त हुए। | बीएसई और एनएसई | बीएसई और एनएसई ने मौद्रिक जुर्माना लगाया है | सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 17(1)(बी) का अनुपालन नहीं | एनएसई और बीएसई द्वारा 31 मार्च, 2025 वाली तिमाही के लिए रु. 5,31,000/- का जुर्माना गया<br><br>एनएसई और बीएसई द्वारा 30 जून, 2025 वाली तिमाही के लिए रु.1,53,400/- का जुर्माना लगाया गया | जैसा कि विचलन कॉलम में उल्लेख किया गया है | सभी निदेशक भारत सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। इसमें एमएमटीसी लिमिटेड की कोई भूमिका नहीं है। एमएमटीसी ने डीओसी से स्वतंत्र निदेशकों के रिक्त पदों को भरने का अनुरोध किया है। | कंपनी ने प्रबंधन के जवाब में बताई गई बातों के आधार पर स्टॉक एक्सचेंजों से जुर्माना/पेनल्टी माफ करने का अनुरोध किया है। संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों के फैसले का अभी भी इंतजार है। |

(बी) सूचीबद्ध इकाई ने पिछली रिपोर्टों में की गई टिप्पणियों का अनुपालन करने के लिए निम्नलिखित कार्रवाई की है:

| क्रम सं. | अनुपालन आवश्यकता (विशिष्ट खंड सहित विनिमय / परिपत्र / दिशानिर्देश | विचलन का विवरण | उल्लंघन का विवरण | पिछले पीसीएस का अवलोक / टिप्पणियां | सूचीबद्ध इकाई द्वारा की गई सुधारात्मक कार्रवाई | सूचीबद्ध इकाई द्वारा की गई कार्रवाई पर पीसीएस की टिप्पणियां |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | विनियमन 17(1) (बी) | (i) दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही तक, निदेशक मंडल में आधे सदस्य स्वतंत्र निदेशक शामिल नहीं थे। | सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 17(1)(बी) का अनुपालन नहीं | जैसा कि विचलन कॉलम में उल्लेख किया गया है। | सभी निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है। एमएमटीसी लिमिटेड की कोई भूमिका नहीं है। एमएमटीसी ने स्वतंत्र निदेशकों के रिक्त पद को भरने के लिए क्रम से अनुरोध किया है। | कंपनी ने प्रबंधन के जवाब में बताए गए तथ्यों के आधार पर स्टॉक एक्सचेंजों से जुर्माना / दंड की छूट का अनुरोध किया है। |
| 2. | विनियमन 21(3सी) | (I) आरएमसी बैठकों की तारीख 08.02.2024 और 20.12.2024 के बीच का समय अंतराल दो सौ दस दिनों से अधिक है। | सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 21 (3सी) का अनुपालन नहीं | जैसा कि विचलन कॉलम में उल्लेख किया गया है। | समिति के सदस्यों की अनुपलब्धता के कारण, निर्धारित समय सीमा में बैठक नहीं हुई। | — |
| 3. | विनियमन 33(3) (ए) | 31.12.2024 तिमाही समाप्त होने के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय परिणाम 45 दिनोंके भीतर प्रस्तुत नहीं किया गया था। | सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 33 (3) (ए) का अनुपालन नहीं | जैसा कि विचलन कॉलम में उल्लेख किया गया है। | कंपनी ने 31.12.2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपने स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय परिणाम 13.02.2025 को दोनों स्टॉक एक्सचेंजों पर प्रस्तुत किए। हालाँकि, हमें 15.02.2025 पर गैर–प्रस्तुति ई–मेल प्राप्त हुआ, कि स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट पर तकनीकी समस्या के कारण इसे प्रस्तुत नहीं किया गया था। कंपनी ने एनएसई द्वारा सूचित किए जाने पर 17.02.2025 पर प्रस्तुत किया। | संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों के निर्णय का अभी भी इंतजार है। |
| 4 | विनियमन 20(3) (ए) | कंपनी ने अपने हितधारकों के संबंध में कोई बैठक नहीं की है वर्ष 2023–2024 में समिति | वित्तीय वर्ष 2023–2024 में गैर–संबंधित हितधारक संबंध समिति की बैठक आयोजित न करने के लिए स्टॉक एक्सचेंजों से 20.12.2024 पर चेतावनी पत्र प्राप्त हुआ। | जैसा कि विचलन कॉलम में उल्लेख किया गया है। | समिति के सदस्यों की अनुपलब्धता के कारण, निर्धारित समय सीमा में बैठक नहीं हुई। बाद में डिफॉल्ट को सुधारा गया और 09.08.2024 को बैठक आयोजित की गई। | कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों को जानकारी प्रसारित की है और स्टॉक एक्सचेंजों के निर्देशानुसार बोर्ड के ध्यान में लाई है। |

हम आगे रिपोर्ट करते है कि समीक्षा अवधि के दौरान निम्नलिखित के साथ सूचीबद्ध इकाई की अनुपालन स्थिति:

| क्रम सं. | विवरण | अनुपालन स्थिति (हां / नहीं / लागू नहीं) | टिप्पणी / द्वारा टिप्पणी पीसीएस* |
|---|---|---|---|
| 1. | **सचिवीय मानक:**<br>सूचीबद्ध इकाई का अनुपालन कंपनी सचिव संस्थान भारत (आईसीएसआई) द्वारा जारी लागू सचिवीय मानकों (एसएस) के अनुसार है, जिसे कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 118(10) के तहत केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित किया गया है और अनिवार्य रूप से लागू है। | हाँ | शून्य |
| 2. | **नीतियाँ अपनाना और समय पर अद्यतन करना:**<br>• सेबी विनियमों के तहत सभी लागू नीतियों को सूचीबद्ध संस्थाओं के निदेशक मंडल की मंजूरी के साथ अपनाया जाता है।<br>• सभी नीतियां सेबी विनियमों के अनुरूप हैं और सेबी द्वारा जारी विनियमों / परिपत्रों / दिशानिर्देशों के अनुसार समय पर समीक्षा और अद्यतन की गई हैं। | हाँ | शून्य |
| 3. | **वेबसाइट पर रखरखाव और खुलासे:**<br>• सूचीबद्ध इकाई एक कार्यात्मक वेबसाइट का रखरखाव कर रही है।<br>• वेबसाइट पर एक अलग अनुभाग के तहत दस्तावेजों / सूचना के समय पर प्रसार।<br>• विनियम 27 (2) के तहत वार्षिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट में प्रदान की गई वेब–लिंक सटीक और विशिष्ट हैं जो वेबसाइट के प्रासंगिक दस्तावेज (दस्तावेजों) / अनुभाग को पुनः निर्देशित करती हैं | हाँ | शून्य |
| 4. | **निदेशक की अयोग्यता:**<br>कंपनी के निदेशक में से कोई भी निदेशक कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 के तहत अयोग्य नहीं है, जैसा कि सूचीबद्ध इकाई द्वारा पुष्टि की गई है। | हाँ | एमसीए अधिसूचना के अनुसार धारा 164 की उप–धारा (2) सरकारी कंपनी के मामले में लागू नहीं होगी। |
| 5. | **सूचीबद्ध संस्थाओं की सहायक कंपनियों से संबंधित विवरणों की जांच की गई है:**<br>(ए) भौतिक सहायक कंपनियों की पहचान<br>(बी) सामग्री के साथ–साथ अन्य सहायक कंपनियों की प्रकटीकरण आवश्यकता | नहीं | कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान कंपनी की कोई भौतिक सहायक कंपनी नहीं थी। |
| 6. | **दस्तावेजों का संरक्षण:**<br>सूचीबद्ध इकाई सेबी विनियमों के तहत निर्धारित रिकॉर्ड को संरक्षित और बनाए रखती है और सेबी एलओडीआर विनियम, 2015 के तहत निर्धारित दस्तावेजों के संरक्षण और अभिलेखीय नीति की नीति के अनुसार रिकॉर्ड का निपटान करती है। | हाँ | शून्य |
| 7. | **प्रदर्शन मूल्यांकन:**<br>सूचीबद्ध इकाई ने प्रत्येक वित्तीय वर्ष की शुरुआत में / सेबी विनियमों में निर्धारित वित्तीय वर्ष के दौरान बोर्ड, स्वतंत्र निदेशकों और समितियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया है। | हाँ | कंपनी द्वारा प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, एमएमटीसी एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (सरकारी कंपनी) है और निदेशकों की नियुक्ति, कार्यकारी और गैर–कार्यकारी दोनों, भारत सरकार द्वारा की जाती है। इसलिए कंपनी ने स्वतंत्र निदेशकों और मंडल के निष्पादन मूल्यांकन के लिए कोई मानदंड निर्धारित नहीं किया है। |
| 8. | **संबंधित पार्टी लेनदेन:**<br>(ए) सूचीबद्ध इकाई ने सभी संबंधित पार्टी लेनदेन के लिए लेखा परीक्षा समिति की पूर्व स्वीकृति प्राप्त कर ली है, या<br>(बी) सूचीबद्ध इकाई ने पुष्टि के साथ विस्तृत कारण प्रदान किए हैं कि क्या लेनदेन बाद में ऑडिट समिति द्वारा अनुमोदित / अनुसमर्थित / अस्वीकृत किए गए थे, यदि कोई पूर्व अनुमोदन प्राप्त नहीं किया गया था। | हाँ | शून्य |
| 9. | **घटनाओं या सूचना का प्रकटीकरण:**<br>सूचीबद्ध इकाई ने विनियम 30 के तहत निर्धारित समय सीमा के भीतर सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 की अनुसूची के साथ–साथ सभी आवश्यक प्रकटीकरण प्रदान किए हैं। | | शून्य |
| 10. | **इनसाइडर ट्रेडिंग पर रोक:**<br>सूचीबद्ध इकाई विनियम 3(5) और 3(6) सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015 के अनुपालन में है। | | शून्य |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 11. | **सेबी या स्टॉक एक्सचेंज (यदि कोई हो) द्वारा की गई कार्रवाई:**<br>सूचीबद्ध इकाई / इसके प्रवर्तकों / निदेशकों / सहायक कंपनियों के खिलाफ न तो सेबी द्वारा और न ही स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा (विभिन्न परिपत्रों के माध्यम से सेबी द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रियाओं के तहत) सेबी विनियमों और उसके तहत जारी परिपत्रोंदिशानिर्देशों के तहत कोई कार्रवाई की गई है। | नहीं | स्टॉक एक्सचेंजों ने जुर्माना / दंड लगाने के संबंध में नोटिस भेजा है और कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों से जुर्माना / दंड माफ करने का अनुरोध किया है। कंपनी के अनुरोध पर प्रतिक्रिया का अभी भी इंतजार है। |
| 12. | **सूचीबद्ध इकाई या उसकी भौतिक सहायक कंपनियों से वैधानिक लेखा परीक्षकों का इस्तीफा:**<br>वित्तीय वर्ष के दौरान सूचीबद्ध इकाई या उसकी किसी भी भौतिक सहायक कंपनी से वैधानिक लेखा परीक्षक के इस्तीफे की स्थिति में, सूचीबद्ध इकाई और / या उसकी भौतिक सहायक कंपनी (कंपनियां) ने सूचीबद्ध संस्थाओं द्वारा एलओडीआर विनियमों के प्रावधानों के अनुपालन पर मास्टर परिपत्र के अध्याय वी–डी के पैराग्राफ 6.1 और 6.2 का अनुपालन किया है। | हाँ | वित्तीय वर्ष के दौरान वैधानिक लेखा परीक्षक का कोई त्यागपत्र नहीं है। |
| 13. | **अतिरिक्त गैर–अनुपालन, यदि कोई हो:**<br>किसी भी सेबी विनियमन / परिपत्र / मार्गदर्शन नोट आदि के लिए कोई अतिरिक्त गैर–अनुपालन नहीं देखा गया। | नहीं | शून्य |

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि सूचीबद्ध इकाई सेबी एलओडीआर विनियमों के विनियम 46(2) (जेए) के संदर्भ में कर्मचारी लाभ योजना दस्तावेजों के प्रकटीकरण के लिए आवश्यकताओं का अनुपालन करती हैरू (वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी के लिए लागू नहीं है)

ब्लैक एंड कंपनी के लिए
कंपनी सेक्रेटरी

स्थान : गाजियाबाद, एनसीआर
तारीख :

(अर्चना बंसल)
एमजी साझेदार,
एम सं.: 13796
सीओपी नं.: 11714
यूडीआईएनः 01379600290061
पीआरएनओः 1844 / 2022

## मान्यताएँ व दायरे और समीक्षा की सीमाः

31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए, हमारी सचिवीय लेखा परीक्षक रिपोर्ट को इस पत्र के साथ पढ़ा जाना है।

**प्रबंधन की जिम्मेदारी**

1. सचिवीय अभिलेख का रख–रखाव कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर इन सचिवीय अभिलेखों पर अपनी राय देना है।

**ऑडिटर की जिम्मेदारी**

2. हमने लेखापरीक्षा प्रथाओं और प्रक्रियाओं का पालन किया है जैसा कि सचिवीय रिकॉर्ड की सामग्री की शुद्धता के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए, उपयुक्त था। यह सुनिश्चित करने के लिए, कि सचिवीय अभिलेखों में सही तथ्य परिलक्षित होते हैं, सत्यापन परीक्षण के आधार पर किया गया। हम मानते हैं कि जिन प्रक्रियाओं और पद्धतियों का हमने पालन किया है, वे हमारी राय के लिए, उचित आधार प्रदान करते हैं।
3. हमने कंपनी के वित्तीय अभिलेखों और लेखा पुस्तकों की शुद्धता और उपयुक्तता की पुष्टि नहीं की है।
4. जहां भी आवश्यक हो, हमने कानूनों, नियमों और विनियमों के अनुपालन और घटनाओं आदि के घटित होने के बारे में प्रबंधन प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है।
5. कॉर्पोरेट और अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के प्रावधानों का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जांच परीक्षण के आधार पर प्रक्रियाओं के सत्यापन तक सीमित थी।

**अस्वीकरण**

6. सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में आश्वासन है और न ही ऐसी प्रभावोत्पादकता या प्रभावशीलता है जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के कार्यकलाप किए हैं।
7. हमने कंपनी के वित्तीय अभिलेखों और लेखा बहियों की शुद्धता और उपयुक्तता को सत्यापित नहीं किया है।

**ब्लैक एंड कंपनी के लिए**
कंपनी सेक्रेटरी

**स्थान** : गाजियाबाद, एनसीआर
**तारीख** : 06.05.2026

**(अर्चना बंसल)**
**एमजी. साझेदार,**
**एम सं.**: 13796
**सीओपी नं.**: 11714
**यूडीआईएनः** 01379600290061
**पीआरएनओः** 1844/2022



# भारत के सी एंड एजी की टिप्पणियां

कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा
उद्योग एवं कॉर्पोरेट कार्य
ऑडिट भवन, आई.पी.एस्टेट
नई दिल्ली–110002

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT
INDUSTRY AND CORPORATE AFFAIRS
AUDIT BHAWAN, I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

दिनांक / Date 28 JUL 2026

संख्या: एएमजी-III/3(5)/एमएमटीसी/वार्षिक खाता/एसएफएस/(2025-26)/2026-27/196-197

सेवा में,

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
एमएमटीसी लिमिटेड
कारपोरेट कार्यालय कोर-1 स्कोप कांप्लेक्स
नई दिल्ली - 110003

विषय: कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (b) के अधीन 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए एमएमटीसी लिमिटेड के वार्षिक लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ ।

महोदय,

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (b) के अंतर्गत 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए एमएमटीसी लिमिटेड के वार्षिक वितीय लेखों पर उपरोक्त विषय संबंधित संलग्न पत्र अग्रेषित है।

भवदीय,
पवन
28/7/26
(डॉ. पवन कुमार कोंडा)
प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा
(उद्योग एवं कॉर्पोरेट कार्य)
नई दिल्ली

संलग्नक:- यथोपरि

Ph. : +91-11-23702357 Fax : +91-11-23702359 Email : pdaica@cag.gov.in

## COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6) (b) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE FINANCIAL STATEMENTS OF MMTC LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2026

The preparation of financial statements of MMTC Limited for the year ended 31 March 2026 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the Company. The statutory auditor appointed by the Comptroller and Auditor General of India under Section 139(5) of the Act is responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 29 May 2026.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India have decided not to conduct the supplementary audit of the financial statements of MMTC Limited for the year ended 31 March 2026 under section 143(6)(a) of the Act.

**For and on behalf of the**
**Comptroller & Auditor General of India**

पवन
28/7/26

**(Dr. Pawan Kumar Konda)**
**Principal Director of Audit**
**(Industry & Corporate Affairs)**
**New Delhi**

**Place: New Delhi**
**Date:** 28 JUL 2026

## दशक एक नजर में

(रु. करोड़ में)

| 31 मार्च को समाप्त वर्ष | 2026 | 2025 | 2024 | 2023 | 2022 | 2021 | 2020 | 2019 | 2018 | 2017 | 2016 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **हमारी देनदारियाँ** | | | | | | | | | | | |
| इक्विटी शेयर पूंजी | 150 | 150 | 150 | 150 | 150 | 150 | 150 | 150 | 100 | 100 | 100 |
| अन्य इक्विटी | 1549 | 1306 | 1204 | 1115 | 43 | 272 | 1034 | 1339 | 1349 | 1334 | 1278 |
| | 1699 | 1456 | 1354 | 1265 | 193 | 422 | 1184 | 1489 | 1449 | 1434 | 1378 |
| उधार | - | - | - | 43 | 2551 | 2364 | 3732 | 922 | 519 | 440 | 272 |
| अन्य दीर्घकालीन देयताएँ | 2 | 2 | 5 | 5 | 4 | 4 | 6 | - | - | - | 19 |
| दीर्घकालीन प्रावधान | 22 | 27 | 27 | 43 | 38 | 44 | 45 | 189 | 184 | 188 | 179 |
| आस्थगित कर देयता | 5 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| | 1728 | 1485 | 1386 | 1356 | 2786 | 2834 | 4967 | 2600 | 2152 | 2062 | 1847 |
| **हमारी परिसंपत्तियाँ** | | | | | | | | | | | |
| स्थिर परिसंपत्तियाँ | 66 | 69 | 70 | 70 | 71 | 71 | 72 | 67 | 65 | 65 | 209 |
| घटाऐं : मूल्यह्रास | 50 | 47 | 44 | 40 | 37 | 33 | 29 | 22 | 17 | 12 | 152 |
| नियत स्थिर परिसंपत्तियाँ | 16 | 22 | 26 | 30 | 34 | 38 | 43 | 45 | 48 | 52 | 58 |
| निवेश परिसंपत्तियाँ | 3 | 3 | 3 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | - |
| निवेश | 112 | 82 | 47 | 26 | 32 | 23 | 22 | 452 | 453 | 485 | 460 |
| बिक्री के लिए परिसंपत्तियाँ | - | - | - | - | 459 | 467 | 467 | - | - | - | - |
| वित्तीय परिसंपत्तियों सहित अन्य गैर परिसंपत्तियाँ | 48 | 55 | 61 | 74 | 72 | 75 | 78 | 74 | 94 | 219 | 146 |
| चालू पूंजी | 1549 | 1166 | 1087 | 1068 | 1971 | 1672 | 4122 | 1794 | 1317 | 1070 | 955 |
| आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ | - | 157 | 162 | 154 | 214 | 555 | 231 | 231 | 236 | 233 | 229 |
| | 1728 | 1485 | 1386 | 1356 | 2786 | 2834 | 4967 | 2600 | 2152 | 2062 | 1847 |
| **हमारा अर्जन** | | | | | | | | | | | |
| बिक्री | 4 | 3 | 5 | 272 | 7841 | 26365 | 24056 | 28293 | 15757 | 11593 | 12460 |
| निर्यात | 0 | 0 | - | 4 | 34 | 1805 | 1802 | 1104 | 1795 | 1580 | 673 |
| आयात | 0 | 0 | - | 63 | 7071 | 20697 | 19074 | 21625 | 11878 | 8480 | 10296 |
| घरेलू | 4 | 3 | 5 | 205 | 736 | 3863 | 3180 | 5564 | 2084 | 1533 | 1492 |
| अर्जित ब्याज | 134 | 142 | 151 | 84 | 4 | 5 | 11 | 4 | 17 | 28 | 125 |
| अन्य आय | 43 | 118 | 48 | 17 | 603 | 54 | 100 | 701 | 740 | 130 | 71 |
| | 181 | 263 | 204 | 373 | 8448 | 26424 | 24167 | 28998 | 16514 | 11751 | 12656 |
| **हमारे व्यय** | | | | | | | | | | | |
| बिक्री लागत | 2 | 0 | 1 | 258 | 7800 | 26269 | 23961 | 28506 | 16118 | 11489 | 12374 |
| स्थापना व्यय | 78 | 111 | 134 | 104 | 114 | 135 | 194 | 221 | 259 | 196 | 202 |
| प्रशासनिक व्यय | 27 | 29 | 31 | 31 | 46 | 28 | 56 | 55 | 48 | 52 | 53 |
| वित्तीय लागत (प्रदत्त ब्याज सहित) | 1 | 6 | 1 | 111 | 206 | 198 | 139 | 65 | 17 | 21 | 30 |
| मूल्यह्रास व ऋणमुक्ति | 5 | 5 | 4 | 4 | 5 | 5 | 6 | 6 | 5 | 7 | 5 |
| डैबिट / दावे / रिटर्न ऑफ / वापस लिए गए | 75 | - | 2 | - | - | 6 | - | 1 | 0 | 1 | 0 |
| बड़े खाते में डाले गए / वापस लिए गए ऋण / दावे / अग्रिम के लिए | 4 | - | - | 3 | 1 | 1 | 1 | 16 | - | 1 | 0 |
| आकस्मिक मदें* | (474) | 14 | (45) | (1417) | 155 | 876 | 37 | 9 | 8 | (96) | (66) |
| | (282) | 165 | 128 | (906) | 8327 | 27518 | 24394 | 28879 | 16455 | 11669 | 12597 |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| हमारी बचत | | | | | | | | | | | |
| वर्ष के लिए लाभ | 463 | 98 | 76 | 1279 | 121 | (1094) | (227) | 119 | 59 | 81 | 59 |
| कराधान के लिए प्रावधान | 251 | 28 | 8 | 203 | 363 | (324) | - | 37 | 10 | 24 | 3 |
| कर पश्चात लाभ (पूर्वावधि समायोजन से पूर्व) | 212 | 70 | 68 | 1076 | (242) | (770) | (227) | 82 | 49 | 57 | 56 |
| पूर्वावधि समायोजन | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 1 |
| उपयोग हेतु उपलब्ध लाभ | 212 | 70 | 68 | 1076 | (242) | (770) | (227) | 82 | 49 | 57 | 55 |
| लाभांश | - | - | - | - | - | - | 45 | 30 | 30 | 30 | 30 |
| लाभांश पर कर | - | - | - | - | - | - | 9 | 6 | 6 | 6 | 6 |
| रिटेंड अर्जन | 212 | 70 | 68 | 1076 | (242) | (770) | (281) | 46 | 13 | 21 | 19 |
| **सकल लाभ** | 1 | 3 | 4 | 15 | 593 | 113 | 174 | 474 | 333 | 220 | 130 |
| **कर पूर्व लाभ** | 463 | 98 | 76 | 1279 | 121 | (1094) | (227) | 119 | 59 | 81 | 58 |
| **कर पश्चात लाभ** | 212 | 70 | 68 | 1076 | (242) | (770) | (227) | 82 | 49 | 57 | 55 |
| **नेट वर्थ** | 1699 | 1456 | 1354 | 1265 | 193 | 422 | 1184 | 1489 | 1449 | 1434 | 1378 |
| **नियोजित पूंजी** | 1565 | 1188 | 1113 | 1055 | 546 | 654 | 433 | 917 | 846 | 682 | 740 |
| **कार्यशील पूंजी** | 1549 | 1166 | 1087 | 1068 | 1971 | 1672 | 4122 | 1794 | 1317 | 1070 | 955 |
| **अनुपात** | | | | | | | | | | | |
| बिक्री के अनुपात खर्च % | 2625.00 | 4666.67 | 3300.00 | 49.63 | 2.04 | 0.62 | 1.04 | 0.98 | 1.95 | 2.14 | 2.04 |
| स्टॉक के अनुपात में बिक्री % | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.37 | 0.38 | 0.17 | 0.91 | 0.99 | 10.86 | 20.42 | 3.22 |
| बिक्री के अनुपात में व्यापारिक लाभ % | 25.00 | 100.00 | 80.00 | 5.51 | 7.56 | 0.43 | 0.72 | 1.68 | 2.11 | 1.90 | 1.04 |
| बक्री के अनुपात में कर पूर्व लाभ % | 11575.00 | 3266.67 | 1520.00 | 470.22 | 1.54 | (4.15) | (0.94) | 0.42 | 0.37 | 0.70 | 0.46 |
| बिक्री के अनुपात में कर पश्चात लाभ % | 5300.00 | 2333.33 | 1360.00 | 395.59 | (3.09) | (2.92) | (0.94) | 0.29 | 0.31 | 0.49 | 0.44 |
| बिक्री के अनुपात में देनदारी % | 600.00 | 3966.67 | 2440.00 | 49.26 | 1.72 | 2.11 | 8.00 | 0.98 | 2.24 | 4.36 | 6.64 |
| कार्यशील पूंजी के अनुपात में बिक्री % | 38725.00 | 38866.67 | 21740.00 | 392.65 | 25.14 | 6.34 | 17.14 | 6.34 | 8.36 | 9.23 | 7.66 |
| बिक्री के अनुपात में कार्यशील पूंजी (गुणा) | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.25 | 3.98 | 15.77 | 5.84 | 15.77 | 11.96 | 10.84 | 13.05 |
| नियोजित पूंजी से वर्ष के लिए लाभ % | 29.58 | 8.25 | 6.83 | 121.23 | (22.16) | 167.28 | (52.42) | 12.98 | 6.97 | 11.90 | 7.90 |
| नियोजित पूंजी से कर पश्चात लाभ % | 13.55 | 5.89 | 6.11 | 101.99 | 44.32 | 117.74 | (52.42) | 8.94 | 5.79 | 8.36 | 7.42 |
| नेटवर्थ से वर्ष के लिए लाभ % | 27.25 | 6.73 | 5.61 | 101.11 | 62.69 | (259.24) | (19.17) | 7.99 | 4.07 | 5.66 | 4.25 |
| नेटवर्थ पर कर पश्चात लाभ % | 12.48 | 4.81 | 5.02 | 85.06 | (125.39) | (182.46) | (19.17) | 5.51 | 3.38 | 3.97 | 3.98 |
| कर्मचारियों की संख्या | 245 | 287 | 351 | 522 | 597 | 702 | 786 | 943 | 1117 | 1226 | 1334 |
| प्रति कर्मचारी बिक्री | 0.02 | 0.01 | 0.01 | 0.52 | 13.13 | 37.56 | 30.61 | 30.00 | 14.11 | 9.46 | 9.34 |

## निधियों का स्रोत और उपयोग

(रु. करोड़ में)

| | 2025-26 | 2024-25 | 2023-24 |
|---|---|---|---|
| **स्रोत** | | | |
| **आंतरिक उत्पत्ति** | | | |
| कर पश्चात लाभ | 212 | 70 | 68 |
| आस्थगित कर समायोजन | 162 | 4 | (7) |
| मूल्यह्रास | 51 | 48 | 45 |
| प्रावधान | 552 | 651 | 685 |
| इक्विटी | 150 | 150 | 150 |
| रिजर्व | 1337 | 1236 | 1136 |
| **बाह्य उत्पत्ति** | | | |
| बैंक | 0 | 0 | 0 |
| वर्तमान देयताएँ | 426 | 638 | 669 |
| अन्य देयताएँ | 244 | 1138 | 1130 |
| **कुल स्रोत** | **3134** | **3935** | **3876** |
| **उपयोग** | | | |
| स्थायी परिसंपत्तियाँ | 70 | 72 | 73 |
| निवेश | 81 | 81 | 81 |
| व्यापारिक ऋण | 342 | 509 | 512 |
| इन्वेंट्रीज | 0 | 0 | 0 |
| ऋण व अग्रिम | 695 | 1773 | 1758 |
| नकद व बैंक शेष | 1789 | 1339 | 1297 |
| आस्थगित कर | 157 | 161 | 155 |
| **कुल उपयोगिता** | **3134** | **3935** | **3876** |

## वित्तीय स्थिति में परिवर्तन का विवरण

(रु. करोड़ में)

| निधियों के स्रोत | 2025-26 | | 2024-25 | | 2023-24 | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **आंतरिक अर्जन** | | | | | | |
| कर पश्चात लाभ | 212 | | 70 | | 68 | |
| मूल्यह्रास | 5 | 217 | 5 | 75 | 4 | 72 |
| आस्थगित कर समायोजन | | 157 | | 162 | | 154 |
| उधारियाँ | | | | | | |
| ऋण निधि | | - | | - | | (43) |
| **कुल स्रोत** | | **374** | | **237** | | **183** |
| **निधि का अनुप्रयोग** | | | | | | |
| स्थायी परिसंपत्ति | | - | | - | | - |
| निवेश | | 30 | | 35 | | 21 |
| आस्थगित कर परिसंपत्ति | | | | 157 | | 162 |
| आस्थगित कर परिसंपत्ति | | (5) | | - | | - |
| अंतिम लाभांश | | - | | - | | - |
| लाभांश **कर** | | - | | - | | - |
| इन्वेंट्री | | - | | - | | (1) |
| व्यापार प्राप्य | | (95) | | (3) | | (12) |
| ऋण व अन्य परिसंपत्ति | | (1080) | | 13 | | (113) |
| नकद व बैंक शेष | | 450 | | 43 | | (18) |
| देयताएँ | | 1100 | | 24 | | 149 |
| प्रावधान | | (26) | | (32) | | (5) |
| **निधि का कुल अनुप्रयोग** | | **374** | | **237** | | **183** |

## मूल्य वर्धित विवरण

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 2025-26 | | 2024-25 | | 2023-24 | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **मूल्य वर्धित** | | | | | | |
| बिक्री एवं अन्य व्यावसायिक अर्जन | 3 | | 3 | | 5 | |
| जमा : अन्य आय | 124 | | 123 | | 57 | |
| | 127 | | 125 | | 62 | |
| घटा : प्रयुक्त माल और सेवाओं की लागत | - | | - | | 1 | |
| **कुल मूल्यवर्धन** | **127** | | **125** | | **61** | |
| | | | | | | |
| मूल्य वितरण | | | | | | |
| परिचालन व्यय | 1 | 0.87 | 1 | 0.88 | 1 | 1.61 |
| रोजगार लागत | 78 | 61.53 | 111 | 88.77 | 134 | 217.71 |
| प्रशासन लागत | 46 | 36.09 | 80 | 63.82 | 40 | 65.46 |
| प्रावधान | 79 | 62.21 | - | - | 0 | 0.21 |
| मूल्यह्रास | 5 | 3.94 | 4 | 3.19 | 4 | 7.08 |
| ब्याज (निवल) | (133) | (104.97) | (141) | (112.50) | (150) | (245.25) |
| निवेश की बिक्री पर लाभ | (412) | (324.07) | (28) | (22.34) | (43) | (70.81) |
| आय कर | 251 | 197.54 | 28 | 22.34 | 8 | 12.75 |
| रिटेन्ड अर्निंग | 212 | 166.85 | 70 | 55.85 | 68 | 111.24 |
| **कुल मूल्य वितरण** | **127** | **100.00** | **125** | **100** | **61** | **100** |
| **विश्लेषण** | | | | | | |
| कर्मचारियों की संख्या | 245 | | 287 | | 351 | |
| प्रति कर्मचारी मूल्य वर्धन | 0.52 | | 0.44 | | 0.17 | |
| नेट वर्थ | 1,699 | | 1,456 | | 1,354 | |
| नेट वर्थ का प्रति रुपये मूल्य वर्धन | 0.07 | | 0.09 | | 0.05 | |

## कमोडिटी–वार निष्पादन

(रु. करोड में)

| 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए | 2026 | 2025 | 2024 | 2023 | 2022 | 2021 | 2020 | 2019 | 2018 | 2017 | 2016 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| निर्यात | | | | | | | | | | | |
| लौह अयस्क | - | - | - | - | - | 1792 | 1602 | 564 | 1091 | 923 | 361 |
| मैंगनीज़ अयस्क / आक्साइड | - | - | - | - | 25 | 5 | 9 | 10 | | - | - |
| क्रोम ओर / कॉन्सेंट्रेट | - | - | - | - | - | - | 74 | 128 | 191 | 350 | 82 |
| पिग आयरन | - | - | - | - | - | - | 110 | 375 | 401 | 242 | 230 |
| स्लैग | - | - | - | - | - | - | - | 8 | 1 | - | - |
| कृषि उत्पाद | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| हीरा / जेम / आभूषण / सोना | - | - | - | 4 | - | | - | - | 0 | 0 | - |
| मर्चेंटिंग व्यापार | - | - | - | - | - | - | - | - | 61 | 21 | - |
| सामान्य व्यापार | - | - | - | - | 9 | 8 | 7 | 21 | 50 | 45 | - |
| **कुल निर्यात** | **-** | **-** | **-** | **4** | **34** | **1805** | **1802** | **1104** | **1795** | **1580** | **673** |
| **आयात** | | | | | | | | | | | |
| **मेटल्स / आईआरएसएम** | | | | | | | | | | | |
| कॉपर / कॉपर कैथोड्स | - | - | - | - | | - | - | - | 1 | 166 | - |
| जिंक | - | - | - | - | 12 | - | 95 | 136 | 147 | - | 101 |
| लैड | - | - | - | - | | 73 | 1 | 0 | 0 | - | 0 |
| टिन | - | - | - | - | | - | 8 | 8 | 45 | 39 | 18 |
| निकल | - | - | - | - | | - | 32 | 23 | 26 | 58 | 18 |
| एंटीमनी मैटल | - | - | - | - | | - | - | - | 1 | 4 | 4 |
| अन्य | **-** | **-** | **-** | **-** | | **-** | **21** | **25** | **26** | **10** | **-** |
| अनुयोग | **-** | **-** | **-** | **-** | **12** | **73** | **157** | **192** | **246** | **278** | **141** |
| **उर्वरक** | | | | | | | | | | | |
| सल्फर | - | - | - | - | | 6 | 6 | 17 | 14 | 6 | 16 |
| यूरिया | - | - | - | - | 1454 | 9180 | 11091 | 10111 | 1823 | 2,418 | 2,611 |
| एमओपी | - | - | - | - | | - | - | - | - | 158 | - |
| फोस्फिोरिक एसिड | - | - | - | - | | - | - | - | - | 46 | - |
| अन्य | **-** | **-** | **-** | **-** | | **-** | **-** | **-** | **1** | **24** | **97** |
| अनुयोग | | **-** | **-** | **-** | **1454** | **9186** | **11097** | **10128** | **1838** | **2652** | **2725** |
| हीरे / सोना / एमरेल्ड | - | - | 59 | 5580 | 11364 | 7072 | 9581 | 8939 | 4,874 | 6,342 | |
| कृषि उत्पाद | - | - | - | - | | - | 96 | 610 | 529 | 106 | 58 |
| हाईड्रोकार्बन | - | - | - | - | 2 | 74 | 646 | 1097 | 323 | 570 | 1,013 |
| अन्य | - | - | - | - | 23 | - | 5 | 17 | 3 | - | 17 |
| **कुल आयात** | | **-** | **-** | **59** | **7071** | **20697** | **19073** | **21625** | **11878** | **8480** | **10296** |
| **घरेलू** | | | | | | | | | | | |
| कॉपर / जिंक / ब्रास / अल्युमिनियम | - | - | - | 1 | 1 | 1 | 5 | 1 | | - | 0 |
| पिग आइरन / स्लैग / स्टील | - | - | - | - | 18 | 1 | 558 | 1488 | 417 | 174 | 187 |
| उर्वरक | - | - | - | - | | - | 3 | 5 | 2 | 0 | 160 |
| कृषि उत्पाद | - | - | - | - | 73 | 644 | 660 | 370 | 20 | 103 | 298 |
| जेम्स एंड ज्वेलरी / सिल्वर | 1 | 0 | 1 | 198 | 433 | 2701 | 1232 | 3206 | 1168 | 1,165 | 708 |
| हाईड्रोकार्बन | - | - | - | - | 201 | 510 | 692 | 356 | 439 | 69 | 114 |
| अन्य | 2 | 3 | 4 | 10 | 10 | 6 | 31 | 138 | 38 | 22 | 24 |
| **कुल घरेलू** | **3** | **3** | **5** | **209** | **736** | **3863** | **3181** | **5564** | **2084** | **1533** | **1492** |
| **कुल कारोबार** | **3** | **3** | **5** | **272** | **7841** | **26365** | **24056** | **28293** | **15757** | **11593** | **12460** |

## निष्पादन एक नजर में

(रु. करोड़ में)

| 31 मार्च को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए | 2026 | 2025 | 2024 |
|---|---|---|---|
| कुल बिक्री | **4** | **3** | **5** |
| इसमें शामिल है | | | |
| निर्यात | - | - | - |
| आयात | - | - | - |
| घरेलू | 4 | 3 | 5 |
| व्यापारिक लाभ | 1 | 3 | 4 |
| अन्य स्त्रोतों से आय | 670 | 292 | 251 |
| **कर पश्चात आय** | **212** | **70** | **68** |
| **वर्ष के अंत में** | | | |
| कुल परिसंपत्तियाँ | 2374 | 3232 | 3155 |
| शेयर पूंजी | 150 | 150 | 150 |
| नेट वर्थ | 1549 | 1306 | 1204 |
| **प्रति शेयर (रुपये)** | | | |
| अर्जन | 1.41 | 0.47 | 0.45 |
| लाभांश | - | - | - |
| शेयर पूंजी पर नेट वर्थ (गुणा) | 10.33 | 8.71 | 8.03 |
| नियोजित पूंजी पर कर पश्चात लाभ (%) | 13.55 | 5.89 | 6.11 |
| नेट वर्थ पर कर पश्चात लाभ (%) | 12.48 | 4.81 | 5.02 |
| प्रति कर्मचारी बिक्री (Rs.) | 0.02 | 0.01 | 0.01 |

# स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

## एमएमटीसी लिमिटेड के सदस्यों को
## समेकित वित्तीय विवरणों के ऑडिट पर रिपोर्ट

### योग्य राय

हमने एमएमटीसी लिमिटेड (जिसे इसके बाद "होल्डिंग कंपनी" के रूप में संदर्भित किया गया है), और इसकी सहायक कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों का लेखा परीक्षण किया है, जो हमारी अन्य मामले पर रिपोर्ट के पैराग्राफ नंबर 1 (होल्डिंग कंपनी और इसकी सहायक कंपनी को एक साथ "समूह" के रूप में संदर्भित किया गया है) और इसके संयुक्त उद्यमों के अधीन है, जिसमें 31 मार्च, 2026 को समेकित बैलेंस शीट, लाभ और हानि का समेकित विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), नकदी प्रवाह का समेकित विवरण और समेकित वित्तीय विवरणों में इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण शामिल है। जिसमें भौतिक लेखांकन नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी का सारांश भी शामिल है (जिसे इसके बाद "समेकित वित्तीय विवरण" के रूप में संदर्भित किया गया है)

हमारी राय में और हमारी जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, सिवाय हमारी रिपोर्ट के अर्हता प्राप्त राय खंड के आधार में वर्णित मामले के प्रभावों के, उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") द्वारा अपेक्षित तरीके से आवश्यक जानकारी देते हैं और समेकित लाभ और इसकी कुल व्यापक आय (शुद्ध लाभ और अन्य व्यापक आय सहित), समेकित इक्विटी में समेकित परिवर्तन और उस वर्ष के लिए इसके समेकित नकदी प्रवाह का भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा और निष्पक्ष दृश्य देते हैं। 31 मार्च, 2026 को समाप्त हुआ।

### योग्य राय का आधार

1. जैसा कि वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 11 (फुटनोट–) में बताया गया है, एंग्लो कोल मामले के संबंध में, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष 1088.62 करोड़ रुपये (जिसमें 1087.76 करोड़ रुपये न्यायालय में जमा किए गए और 0.86 करोड़ रुपये कंपनी के बैंक खाते से कुर्क किए गए) की राशि जमा की गई थी। राशि का अंतिम निर्धारण माननीय न्यायालय के निर्णय/स्पष्टीकरण के अधीन है।

   माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिनांक 09.05.2025 के अपने आदेश के माध्यम से निर्देश दिया कि "डिक्री धारक (एंग्लो) आज से दो सप्ताह की समाप्ति के बाद उप–आवृत्त ब्याज के साथ उक्त राशि को वापस लेने का हकदार होगा"। कंपनी द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष दायर एसएलपी को दिनांक 03.11.2025 के आदेश द्वारा खारिज कर दिया गया था।

   इसके बाद, कंपनी ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष 03.11.2025 को स्वीकार करते हुए 1169.14 करोड़ रुपये की कुल देनदारी स्वीकार की, जिसमें 01.11.2025 तक की गणना की गई ब्याज भी शामिल है।

   इसके बाद, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के दिनांक 10.11.2025 के आदेश के अनुसार, 17.11.2025 को एंग्लो को 1000 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई थी।

   प्रबंधन की गणना के आधार पर, एंग्लो कोल के प्रति कंपनी की अनुमानित शेष देयता 17.11.2025 रुपये है, जिसमें 17.11.2025 रुपये तक की गणना की गई ब्याज भी शामिल है।

   तदनुसार, उपरोक्त मामले के संबंध में कंपनी की अनुमानित वर्तमान देनदारी 170.58 करोड़ रुपये है, जिसके मुकाबले कंपनी ने केवल 87.76 करोड़ रुपये का प्रावधान माना है। इसके परिणामस्वरूप 82.82 करोड़ रुपये के प्रावधान की मान्यता नहीं दी गई है। कंपनी ने 82.82 करोड़ रुपये का प्रावधान करने के बजाय, इस राशि को अपनी आकस्मिक देनदारियों में शामिल किया है, जिसके कारण प्रावधान को कम आंका गया है और आकस्मिक देनदारियों को 82.82 करोड़ रुपये से अधिक आंका गया है।

   82.82 करोड़ रुपये के प्रावधान की गैर–मान्यता अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्धारित लेखांकन मानकों से विचलन है। यदि कंपनी द्वारा 82.82 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई होती, तो प्रावधानों में 82.82 करोड़ रुपये की वृद्धि होती और शुद्ध लाभ और शेयरधारकों के फंड में उक्त राशि की कमी होती।

   हमने अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखापरीक्षा पर मानकों (एसए) के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की। उक्त मानकों के अनुसार हमारा उत्तरदायित्व हमारी रिपोर्ट की समेकित वित्तीय विवरण खण्ड में लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षकों के उत्तरदायित्व के रुप में वर्णित है। हम भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान ("आई.सी.ए.आई.") द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार समूह और उसकी संयुक्त उद्यम संस्थाओं से स्वतंत्र हैं, साथ ही अधिनियम के प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत समेकित वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के लिए प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार, और हमने इन आवश्यकताओं और आईसीएआई की आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य हमारी योग्य राय प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

### चालू चिंता से संबंधित सामग्री अनिश्चितता

हम वित्तीय विवरणों के साथ नोट संख्या 36 (के) की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, जिसमें कहा गया है कि, एमएमटीसी को प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा विभिन्न जेवी से बाहर निकलने सहित जनशक्ति को कम करने के लिए एक रोड मैप तैयार करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही व्यवसाय संचालन से बाहर निकलने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं। हालाँकि पवन चक्की का कारोबार अभी भी चल रहा है। एमएमटीसी के लिए सरकार को अभी तक निकास मार्ग तय करना है। चूंकि बंद करने आदि के लिए मंत्रालय से कोई संचार नहीं है, इसलिए चालू चिंता की यथास्थिति बनाए रखी जा रही है और चालू चिंता के आधार पर खाते तैयार किए गए हैं।

इस मामले के संबंध में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

## मुख्य लेखा परीक्षा मामले

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले वे मामले हैं जो, हमारे पेशेवर निर्णय में, वर्तमान अवधि के समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से समेकित वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के संदर्भ में संबोधित किया गया था, और इस पर हमारी राय बनाने में, और हम इन मामलों पर अलग राय प्रदान नहीं करते हैं। योग्य राय खंड के आधार और चालू व्यवसाय खंड से संबंधित सामग्री अनिश्चितता के आधार पर वर्णित मामले के अलावा, हमने नीचे वर्णित मामलों को अपनी रिपोर्ट में सूचित किए जाने वाले प्रमुख ऑडिट मामलों के रूप में निर्धारित किया है।

| एस.एल. नहीं | मुख्य लेखा–परीक्षा विषय | ऑडिटर की प्रतिक्रिया |
|---|---|---|
| | **महत्वपूर्ण आकस्मिक देनदारियों का आकलन (अर्हता प्राप्त राय खंड के आधार में वर्णित मामले के अलावा)**<br>कंपनी के खिलाफ विभिन्न मंचों के समक्ष कई मुकदमे लंबित हैं और आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट की जाने वाली राशि का अनुमान लगाने के लिए प्रबंधन के निर्णय की आवश्यकता है।<br>हमने इसे एक प्रमुख ऑडिट मामला के रूप में पहचाना क्योंकि जिन अनुमानों पर ये राशियां आधारित हैं, उनमें मामलों की व्याख्या करने और उन विवादों के संभावित परिणाम का निर्धारण करने में प्रबंधन निर्णय की एक महत्वपूर्ण डिग्री शामिल है और मामलों को आगे बढ़ाने के लिए स्वतंत्र कानूनी मूल्यांकन और यह प्रबंधन पूर्वाग्रह के अधीन हो सकता है।<br>(लेखा नीति संख्या 2.14 के साथ पढ़े गए समेकित वित्तीय विवरणों के लिए नोट संख्या 34 देखें) | हमने आकस्मिक देनदारियों के आकलन और प्रकटीकरण के संबंध में कंपनी के आंतरिक निर्देशों और प्रक्रियाओं की समझ प्राप्त की है और निम्नलिखित लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को अपनाया है:<br>• हमने पिछले वर्ष की स्थिति से मामलों की स्थिति में बदलाव पर प्रबंधन के नोट के साथ 31 मार्च 2026 को कॉर्पोरेट कार्यालय कानूनी प्रभाग में संभाले गए सभी लंबित कानूनी मामलों की सूची प्राप्त की।<br>• लंबित मुकदमेबाजी मामलों के लिए सभी प्रासंगिक जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रबंधन द्वारा स्थापित नियंत्रणों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता को समझा और परीक्षण किया;<br>• किसी भी भौतिक विकास के संबंध में प्रबंधन के साथ चर्चा की और कानूनी मामलों की नवीनतम स्थिति;<br>• मुकदमे के मामलों से संबंधित विभिन्न पत्राचार और संबंधित दस्तावेजों को पढ़ें और प्रबंधन द्वारा प्राप्त प्रासंगिक बाहरी कानूनी राय और आकस्मिक देनदारियों के प्रकटीकरण का समर्थन करने वाली गणनाओं पर ठोस प्रक्रियाएं करें;<br>• इस संबंध में प्रबंधन के निर्णयों और आकलन की जांच की गई कि क्या प्रावधानों की आवश्यकता है;<br>• उन मामलों के प्रबंधन आकलन पर विचार किया जाता है जिन्हें आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट नहीं किया जाता है क्योंकि भौतिक बहिर्वाह की संभावना दूरस्थ मानी जाती है;<br>• प्रकटीकरण की पर्याप्तता और पूर्णता की समीक्षा की<br>हमारे रिपोर्ट के योग्य राय खंड के आधार में वर्णित मामले को छोड़कर, की गई ऑडिट प्रक्रियाओं के आधार पर, हमने प्रबंधन के आकलन और महत्वपूर्ण आकस्मिक देनदारियों के संबंधित खुलासे में कोई भी महत्वपूर्ण अपवाद नहीं |

## मामलों पर जोर

1. हम नोट संख्या 10 के फुटनोट पर ध्यान दें, जो वित्तीय विवरणों के साथ है, जिसमें कहा गया है कि, कंपनी ने अनिश्चितताओं को देखते हुए, वर्तमान अवधि के दौरान कैरी फॉरवर्ड नुकसान और समय अंतर के संबंध में आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता नहीं दी है। इसके अलावा, पहले से ही पुस्तकों में दिखाई देने वाले रुपये 163.79 करोड़ रुपये के आस्थगित कर परिसंपत्ति के शेष को इंड एएस 12 – "आय कर" के अनुसार वर्ष के दौरान समायोजित/पुनः मान्यता दी गई है।
2. हम नोट संख्या 11 पर ध्यान दें, नोट संख्या 32 (ii) के साथ वित्तीय विवरणों के साथ, जिसमें कहा गया है कि, मुकदमेबाजी निपटान के एवज में रखे गए सोने/चांदी/आभूषण/धूल/सोल्डर और अन्य चालू परिसंपत्तियों और असाधारण मदों के तहत रुपये 13.21 करोड़ रुपये की राशि, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 24.04.2025 के आदेश के अनुसार सीमा शुल्क विभाग से 19.01.2026 रुपये की कीमत पर जब्त किए गए सोने के आभूषण/धूल/सोल्डर आदि के 12503.700 ग्राम का प्रतिनिधित्व करता है। यह वित्त वर्ष 1991–92 के दौरान एक्जिम नीति के तहत निर्यात के लिए एमएमटीसी द्वारा अपने सहयोगियों में से एक को सोने की आपूर्ति के खिलाफ कंपनी द्वारा दायर एक कानूनी मामले से संबंधित है। इसे बीआईएस अनुमोदित हॉलमार्किंग केंद्र द्वारा प्रमाणित किया गया है और 19 जनवरी 2026 को इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा प्रकाशित दरों के आधार पर प्रबंधन द्वारा प्रमाणित मात्रा और शुद्धता पर मूल्य दिया गया है। मूल्यांकन एक स्वतंत्र पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता द्वारा नहीं किया गया है क्योंकि कंपनी का मानना है कि आईबीजेए द्वारा घोषित प्रमाणित शुद्धता और दरों के आधार पर सोने की वस्तुओं का मूल्यांकन उचित और उपयुक्त है।

3. हम वित्तीय विवरणों के साथ नोट संख्या 32(आई) पर ध्यान दें, जिसमें कहा गया है कि नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) – संयुक्त उद्यम कंपनी का विनिवेश 4.7.2022 को पूरा हो गया है।

– एनआईएनएल के विनिवेश के लिए शेयर खरीद समझौते (एसपीए) के खंड के अनुसार, विनिवेश के बाद एनआईएनएल पर कोई भी अप्रत्याशित देयता पूर्ण होने की तारीख से 3 वर्ष की अवधि तक एसपीए के वारंटी खंड के अनुसार विक्रेताओं/प्रमोटरों द्वारा वहन की जाएगी। विक्रेताओं और प्रमोटरों की कुल देनदारी, बिक्री प्रतिफल के माध्यम से विक्रेताओं द्वारा प्राप्त बोली राशि से प्राप्त राशि के 20% से अधिक नहीं हो सकती है, और उनके संबंधित विक्रेता ऋण का निर्वहन नहीं किया जा सकता है। इस संबंध में एमएमटीसी की अधिकतम देयता, यदि कोई हो, रुपये 1067 करोड़ रुपये है। 3 साल की अवधि 04.07.2025 को समाप्त हो गई है और उस तारीख तक कोई देयता नहीं आई है।

– रुपये 774.95 करोड़ रुपये की राशि (एमएमटीसी का हिस्सा: रु. 411.76 करोड़ रुपये), एसबीआई, भुवनेश्वर के साथ एक ब्याज–धारक एस्क्रो खाते में रखी गई, 04.07.2025 को परिपक्व हुई। चूंकि तीन साल की समय सीमा उसी तारीख को समाप्त हो गई, इसलिए 04.07.2025 को एस्क्रो खाते में उपलब्ध राशि के साथ–साथ अर्जित ब्याज को एनआईएनएल के प्रमोटरों के बीच वितरित किया गया था। तदनुसार, एमएमटीसी को 04.07.2025 रुपये पर मूलधन के रूप में रुपये 411.76 करोड़ रुपये और ब्याज के रूप में रुपये 25.75 करोड़ रुपये (टीडीएस और बैंक शुल्क के बाद) प्राप्त हुए। उपर्युक्त रुपये 411.76 करोड़ रुपये की राशि को असाधारण मदों के तहत वर्ष के लिए आय के रूप में दर्ज किया गया है।

04.07.2025 को 3 साल की समय सीमा की समाप्ति के मद्देनजर, आज की तारीख में एनआईएनएल से कुछ भी देय/प्राप्य नहीं है।

4. हम नोट संख्या 31 के लिए वित्तीय विवरणों के साथ संलग्न पादटिप्पणी पर ध्यान देते हैं, जिसमें कहा गया है कि, वर्ष के दौरान, कैंप कार्यालय चेन्नई द्वारा रुपये 75.49 करोड़ के व्यापार प्राप्य को खराब ऋण के रूप में बट्टे खाते में डाल दिया गया है और इसके अनुरूप असाधारण मदों के तहत प्रावधान वापस लिख दिया गया है।

5. हम नोट संख्या 36(डी) पर ध्यान दें जो वित्तीय विवरणों के साथ है, जिसमें कहा गया है कि कंपनी ने मेसर्स आर्यवर्त इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड (एआईपीएल) के खिलाफ रुपये 31.40 करोड़ रुपये का वसूली मुकदमा दायर किया है। मिंट बिक्री लेनदेन (पी.वाई. के संबंध में रुपये 31.40 करोड़) जिसमें रु. 2.95 करोड़ रुपये (पी.वाई.) का अतिदेय ब्याज शामिल था) जो कंपनी के पक्ष में डिक्री किया गया है। एमएमटीसी ने निष्पादन याचिका दायर की और मामले की सुनवाई 08.06.2026 को होगी। कंपनी ने 2015–16 में रुपये 28.45 करोड़ रुपये की राशि को 2015–16 में एमएस एआईपीएल ने सरकारी टकसाल/एमएमटीसी के खिलाफ रुपये 167.20 करोड़ रुपये (पी.वाई.) के नुकसान के लिए मुकदमा दायर किया है। रुपये 167.20 करोड़) जो कानूनी राय के अनुसार उचित नहीं है और इस पर विवाद किया जा रहा है। इसके अलावा, इसे आकस्मिक देयता के रूप में नहीं माना गया है, क्योंकि प्रबंधन का विचार है कि इस मामले में कंपनी पर कोई वर्तमान या संभावित देयता नहीं है।

उपरोक्त मामलों के संबंध में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

**अन्य मामला**

1. हमने कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में शामिल 4 क्षेत्रीय कार्यालयों (कैंप कार्यालयों) के वित्तीय विवरणोंवित्तीय जानकारी का ऑडिट नहीं किया, जिनके वित्तीय विवरणवित्तीय जानकारी स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में 31 मार्च, 2026 को रुपये141.16 करोड़ की कुल परिसंपत्तियों और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए रुपये10.89 करोड़ के कुल राजस्व को दर्शाती है। इन शाखाओं के वित्तीय विवरणवित्तीय जानकारी का शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा ऑडिट किया गया है, जिनकी रिपोर्ट हमें प्रस्तुत की गई है, और जहां तक यह इन शाखाओं के संबंध में शामिल राशि और प्रकटीकरण से संबंधित है, हमारी राय पूरी तरह से ऐसे शाखा लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित है।

2. अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों (गैर–चालू) में अन्य कंपनियों को अग्रिम राशि रु. 33.68 करोड़ रुपये शामिल है, जिसमें कांडला फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड (केएफटीडब्ल्यूपीएल) और हल्दिया फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड (एचएफटीडब्ल्यूपीएल) में पूंजी प्रतिबद्धता के खिलाफ निवेश के संबंध में रु. 33.20 करोड़ रुपये शामिल हैं। रुपये 33.20 करोड़ में से रु. 9.11 करोड़ रुपये के केएफटीडब्ल्यूपीएल के लिए है, जिसके लिए लेखा पुस्तकों में रुपये 9.06 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है और रुपये 24.09 करोड़ रुपये एचएफटीडब्ल्यूपीएल के लिए है, जिसके लिए लेखा पुस्तकों में रु. 7.25 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। एचएफटीडब्ल्यूपीएल से बकाया रुपये16.84 करोड़ में से रुपये 16.74 करोड़ 8 वर्षों से अधिक समय से बकाया हैं, जिनकी स्थिति यथावत है, जिसके लिए कोई प्रावधान नहीं बनाया गया है और कंपनी इसे अच्छा और वसूल करने योग्य मान रही है, क्योंकि एचएफटीडब्ल्यूएल ने भूमि के समर्पण के बाद हल्दिया विकास प्राधिकरण में दावा दर्ज किया है।

3. अन्य चालू परिसंपत्तियों में 31.03.2026 के अनुसार जीएसटी आईटीसी क्रेडिट के तहत रुपये 7.45 करोड़ की राशि शामिल है, जो दिल्ली क्षे. कार्यालय प्रकोष्ठ के जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित है, जो रुपये 7.45 करोड़ तक है, जो अप्रयुक्त रहा है और पिछले 3 वर्षों में लगातार वृद्धि दिखाई गई है। कंपनी के चल रहे व्यावसायिक कार्यों की अनुपस्थिति को देखते हुए, इस तरह के इनपुट टैक्स क्रेडिट के भविष्य के उपयोग/वसूली के संबंध में अनिश्चितता मौजूद है।

4. कंपनी के कॉर्पोरेट कार्यालय के मामले में, ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम में डीओसीए (दलहन–पीएसएफ) और (प्याज 2015–16) के क्रेडिट बैलेंस के संबंध में रुपये 7.30 करोड़ रुपये की राशि शामिल है, जो 31.03.2026 को 3 साल से अधिक समय से बकाया है और समाधान के अधीन है।

5. कई पुराने बकाया शेष राशि को साल दर साल आगे बढ़ाया जा रहा है। इन शेष राशि की कंपनी द्वारा उसकी वर्तमान स्थिति और उसके निपटान के संबंध में सावधानीपूर्वक समीक्षा की जानी चाहिए।

6. दिल्ली क्षे. कार्यालय प्रकोष्ठ (पूर्ववर्ती दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय) के मामले में, ग्राहकों से प्राप्त कुल अग्रिम राशि में से 31.03.2026 तक रुपये

6.48 करोड़ बकाया है, जिसमें से रुपये 6.45 करोड़ रुपये की राशि 3 साल से अधिक समय से बकाया है, जिसे आज तक नहीं निपटाया गया है

7. विशाखापत्तनम के क्षेत्रीय कार्यालय के मामले में:

(i) रुपये 4.02 करोड़ रुपये के व्यापार प्राप्य को "अच्छी तरह सुरक्षित माना जाता है", के रूप में वर्गीकृत किया गया है, हालांकि इसे किसी भी सुरक्षा द्वारा समर्थित नहीं किया गया है और इसलिए इसे "अच्छी तरह सुरक्षित माना जाता है", के रूप में नहीं माना जा सकता है। प्रबंधन के अनुसार ये लेनदेन बैक–टू–बैक अनुबंधों से उत्पन्न हुए हैं, जिसमें खरीदार से राशि प्राप्त होने के बाद आपूर्तिकर्ता को भुगतान किया जाता है और मात्रा एवं गुणवत्ता विश्लेषण विचलन के कारण लंबित समाधान के कारण ये लंबे समय से लंबित हैं।

(ii) पारादीप पोर्ट ट्रस्ट के साथ रुपये 1.17 करोड़ रुपये के पुराने अग्रिम की वसूली के संबंध में, लेखा पुस्तकों में कोई प्रावधान नहीं किया गया है और पारादीप पोर्ट ट्रस्ट से उक्त शेष राशि की कोई पुष्टि नहीं है। प्रबंधन के अनुसार, राशि की वसूली के प्रयास किए जा रहे हैं। कंपनी की नीति के अनुसार, सरकार और पीएसयू से वसूली को "अच्छा और वसूलनीय" माना जाता है। इसलिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

8. हैदराबाद के क्षेत्रीय कार्यालय के मामले में:

(i) एमबीएस ग्रुप्स से रु. 226.82 करोड़ की व्यापार प्राप्य राशि का पूरा प्रावधान कंपनी द्वारा किया गया था। माननीय न्यायालय ने मार्च 2025 में पारित अपने आदेश में एमएमटीसी के पक्ष में फैसला सुनाया और एमबीएस ग्रुप्स को 30.09.2013 से 13.25: प्रति वर्ष की दर से ब्याज के साथ रुपये228.32 करोड़ रुपये और रुपये 11.90 करोड़ रुपये की मुकदमेबाजी लागत का भुगतान करने का निर्देश दिया। प्रबंधन द्वारा सूचित किए जाने के अनुसार, चूंकि प्रतिपक्ष द्वारा आगे अपील दायर करने की समय सीमा अभी समाप्त नहीं हुई है, इसलिए खाते की पुस्तकों में उक्त आदेश का कोई प्रभाव नहीं दिया गया है। कंपनी ने उक्त डिक्री के संबंध में किसी भी आय को मान्यता नहीं दी है, जिसमें ब्याज और मुकदमेबाजी की लागत भी शामिल है, क्योंकि मामला आगे की कानूनी कार्यवाही के अधीन है और रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार राशि की वसूली उचित रूप से निश्चित नहीं है।

इन मामलों के संबंध में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

**वित्तीय विवरण और उसके बाद लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी**

कंपनी का निदेशक मंडल अन्य जानकारी के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में बोर्ड की रिपोर्ट, अध्यक्ष के बयान, प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण और अन्य कंपनी से संबंधित जानकारी (जिसे इसके बाद "अन्य रिपोर्ट" कहा जाता है) में शामिल जानकारी शामिल है, लेकिन इसमें वित्तीय विवरण और उस पर हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

अन्य रिपोर्टों को इस लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख के बाद हमें उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर हमारी राय अन्य जानकारी को कवर नहीं करती है और हम उस पर किसी भी प्रकार के आश्वासन निष्कर्ष को व्यक्त नहीं करते हैं।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी है कि जब अन्य जानकारी उपलब्ध हो जाए तो उसे पढ़ा जाए और ऐसा करते समय, इस बात पर विचार किया जाए कि क्या अन्य जानकारी स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों या ऑडिट में प्राप्त हमारे ज्ञान के साथ भौतिक रूप से असंगत है, या अन्यथा भौतिक रूप से गलत बताई गई प्रतीत होती है।

जब हम "अन्य रिपोर्ट" पढ़ते हैं, यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि उसमें कोई भौतिक रूप से गलत बयान है, तो हमें शासन के प्रभारी लोगों को इस मामले को सूचित करने की आवश्यकता होती है।

**स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन के प्रभारी लोगों की जिम्मेदारियां**

कंपनी के निदेशक मंडल की जिम्मेदारी अधिनियम की धारा 134(5) में उल्लिखित उन मामलों के संबंध में है जो इन स्वतंत्र वित्तीय विवरणों के संबंध में है जो भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार कंपनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन, कुल व्यापक आय, इक्विटी में परिवर्तन और नकदी प्रवाह का सच्चा और उचित दृश्य देते हैं। इस जिम्मेदारी में कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट लेखांकन मानक प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड का रखरखाव और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए भी शामिल हैय उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोगय ऐसे निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण होंय और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे जो एक सच्चा और निष्पक्ष दृश्य देते हैं और यह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण भौतिक गलत बयानी से मुक्त हैं।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण तैयार करने में, प्रबंधन कंपनी की निरंतरता बनाए रखने की क्षमता का आकलन करने, लागू मामलों का खुलासा करने, और लेखांकन के निरंतर आधार का उपयोग करने के लिए जिम्मेदार है, जब तक कि प्रबंधन या तो कंपनी को परिसमाप्त करने या संचालन बंद करने का इरादा नहीं रखता है, या ऐसा करने के अलावा कोई यथार्थवादी विकल्प नहीं है।

निदेशक मंडल कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए जिम्मेदार है।

**एकल वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियां**

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि समग्र रूप से स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण अहम मिथ्याकथन से मुक्त हों, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, और लेखापरीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है जिसमें हमारी राय शामिल हो। औचित्यपूर्ण आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन होता है परंतु यह इस बात की गारंटी नहीं है कि एस.ए. के अनुसार की गई लेखापरीक्षा विद्यमान होने पर हमेशा किसी महत्वपूर्ण मिथ्याकथन का पता लगाएगी। बयान धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और उन्हें तब महत्वपूर्ण माना जाता है जब, व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, उनसे इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की उम्मीद की जा सकती है।

एसए के अनुसार ऑडिट के भाग के रूप में, हम पेशेवर निर्णय का प्रयोग करते हैं और ऑडिट के दौरान पेशेवर संशयवाद बनाए रखते हैं। हम:

- स्वतंत्र वित्तीय विवरणों के भौतिक गलत बयानी के जोखिमों की पहचान और आकलन करें, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के प्रति उत्तरदायी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन और निष्पादित करें, और लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करें जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है। धोखाधड़ी से उत्पन्न तात्विक गलतबयानी का पता न लगा पाने का जोखिम त्रुटिवश हुई गलतबयानी से उत्पन्न जोखिम से कहीं बड़ा है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, इरादतन चूक, मिथ्या प्रस्तुति अथवा आंतरिक नियंत्रण की अवहेलना शामिल हो सकती है ।
- परिस्थितियों के अनुरूप उचित लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं बनाने के लिए लेखा परीक्षा से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की समझ प्राप्त की। अधिनियम की धारा 143(3)(आई) के तहत, हम इस पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए भी जिम्मेदार हैं कि क्या कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता है।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और अनुमानित लेखांकन की प्रासंगिकता तथा प्रबंधन द्वारा तैयार किए गए संबंधित प्रकटीकरण का मूल्यांकन ।
- लेखांकन के वर्तमान व्यवसाय के आधार पर प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकालें और, प्राप्त ऑडिट साक्ष्य के आधार पर, क्या घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई महत्वपूर्ण अनिश्चितता मौजूद है जो कंपनी की गोइंग कंसर्न के रूप में जारी रहने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि एक भौतिक अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में संबंधित खुलासे पर ध्यान देने की आवश्यकता है या, यदि ऐसे खुलासे अपर्याप्त हैं, तो हमारी राय को संशोधित करने की आवश्यकता है। हमारे निष्कर्ष हमारी लेखापरीक्षक रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। हालांकि, भविष्य में होने वाली घटनाएं या स्थितियां कंपनी को चालू प्रतिष्ठान के रूप में जारी रहने से रोक सकती हैं।
- स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करें, जिसमें खुलासे भी शामिल हैं, और क्या स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण उचित प्रस्तुति प्राप्त करने के तरीके से अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भौतिकता स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में गलत बयानों का परिमाण है जो, व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, यह संभव बनाता है कि स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के एक उचित रूप से जानकार उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। हम मात्रात्मक भौतिकता और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं (i) हमारे ऑडिट कार्य के दायरे की योजना बनाने में और हमारे काम के परिणामों का मूल्यांकन करने में और (ii) स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में किसी भी गलत बयानी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए।

हम अन्य मामलों के अलावा, लेखापरीक्षा के निर्धारित दायरे और समय और महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों के बारे में गवर्नेंस के प्रभारी लोगों के साथ संवाद करते हैं, जिसमें आंतरिक नियंत्रण में जो भी महत्वपूर्ण कमियां शामिल हैं जिन्हें हम अपने लेखापरीक्षा के दौरान पहचानते हैं।

जो लोग अभिशासन से जुड़े हैं, उन्हें भी हम एक विवरण देते हैं कि स्वतंत्रता के संदर्भ में हमने आवश्यक संबद्ध नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, और उनके साथ सभी रिश्तों व अन्य मामले, जो हमारी स्वतंत्रता के लिए उपयुक्त हों और, जो सुरक्षा की दृष्टि से जहाँ लागू हों, उनकी सूचना देते हैं।

शासन के लिए जिम्मेदार लोगों के साथ संप्रेषित मामलों से, हम उन मामलों का निर्धारण करते हैं जो वर्तमान अवधि के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के ऑडिट में सबसे महत्वपूर्ण थे और इसलिए प्रमुख ऑडिट मामले हैं। हम अपने लेखा–परीक्षा रिपोर्ट में इन विषयों का वर्णन करते हैं जब तक कि विधि अथवा विनियमन इस मामले के संबंध में सार्वजनिक प्रकटीकरण नहीं करता है अथवा अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह निर्धारित करते हैं कि हमारी रिपोर्ट में किसी विषय की सूचना नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि ऐसा करने से इसके प्रतिकूल परिणाम संचार के सार्वजनिक हित लाभ को प्रभावित करने की सम्भावना होगी ।

### अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. कंपनी (ऑडिटर की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("आदेश") के अनुसार, जो अधिनियम की धारा 143(11) के संदर्भ में केंद्र सरकार द्वारा जारी किया गया है, हम आदेश के पैराग्राफ 3 और 4 में निर्दिष्ट मामलों पर एक विवरण **"अनुलग्नक ए"** में देते हैं।
2. अधिनियम की धारा 143(3) के अनुसार, हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि:
   - ए) स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण के हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण मांगे हैं और प्राप्त किए हैं, जो हमारे लिए सर्वोत्तम हैं, उपर्युक्त के हमारे ऑडिट के प्रयोजनों के लिए ज्ञान और विश्वास आवश्यक थे।
   - बी) हमारी राय में, कानून द्वारा अपेक्षित लेखा की उचित पुस्तकें कंपनी द्वारा रखी गई हैं जहां तक उन पुस्तकों की हमारी जांच से पता चलता है;
   - सी) तुलन पत्र, अन्य व्यापक आय सहित लाभ और हानि का विवरण नकदी प्रवाह विवरण और इक्विटी में परिवर्तन का विवरण इस रिपोर्ट में दिया गया है लेखा पुस्तकों से सहमत हैं;
   - डी) हमारी राय में, उपरोक्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण इंड एएस का अनुपालन करते हैं, नियम, 2015 यथासंशोधित कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) अधिनियम की धारा 133 के साथ पढ़ा गया।
   - ई) अधिसूचना संख्या के अनुसार एक सरकारी कंपनी होना। जीएसआर 463(ई) दिनांक 5 जून 2015 में भारत सरकार के कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी उप–प्रावधान अधिनियम की धारा 164 की धारा (2), कंपनी पर लागू नहीं होती है;
   - एफ) वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता के संबंध में कंपनी और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता, हमारी अलग रिपोर्ट देखें **"अनुलग्नक बी"** में।
   - जी) मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या जी.एस.आर. 463 (ई) दिनांक 5 जून, 2015 के अनुसार कॉर्पोरेट मामले, अधिनियम की धारा 197 निदेशक के पारिश्रमिक के संबंध में कंपनी पर लागू नहीं है, क्योंकि यह एक सरकारी कंपनी है।

एच) लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार, हमारी राय में संशोधित और हमारी जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार:

(i) बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क से संबंधित मामलों सहित लंबित मुकदमेबाजी है, जिन्हें आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट किया गया है – स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए नोट 34 और 36 देखें, इसका प्रभाव अनिश्चित है क्योंकि मामलें न्यायाधीन हैं।

(ii) कंपनी के पास डेरिवेटिव अनुबंधों सहित कोई दीर्घकालिक अनुबंध नहीं है जिसमें कोई भी भौतिक अनुमानित नुकसान हो, और

(iii) राशि को स्थानांतरित करने में देरी हुई है, जिसे स्थानांतरित करने की आवश्यकता है कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि, वित्त वर्ष 2010–11 से संबंधित रुपये 93.75 और वित्त वर्ष 2013–14 से संबंधित रुपये 33.45 की नाममात्र राशि को छोड़कर, जो 31.03.2026 को अवैतनिक लाभांश के रूप में दिखाई दे रही है

(iv) (ए) प्रबंधन ने यह दर्शाया है कि, अपनी जानकारी और विश्वास के अनुसार, कोई भी कंपनी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति या संस्था, जिसमें विदेशी इकाई ("मध्यस्थ") भी शामिल है, को या उसके लिए या उसमें, या किसी अन्य व्यक्ति या संस्था को, चाहे उधार ली गई धनराशि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य प्रकार की धनराशि से या अन्यथा, अग्रिम या ऋण या निवेश किया गया है, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में या अन्यथा, कि मध्यस्थ, चाहे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कंपनी द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार या निवेश करेगा ("अंतिम लाभार्थी") या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की कोई कथन प्रदान करेगा (नोट 49 (ई) देखें)।

(बी) प्रबंधन ने प्रतिनिधित्व किया है कि, अपनी जानकारी और विश्वास के अनुसार कोई भी धन (जो व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर भौतिक है) नहीं है, किसी भी व्यक्ति या संस्था से कंपनी द्वारा प्राप्त, जिसमें विदेशी संस्था भी शामिल है ("फंडिंग पार्टियाँ"), इस समझ के साथ, चाहे लिखित में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, कि कंपनी, चाहे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, अन्य व्यक्तियों या में उधार देगी या निवेश करेगी फंडिंग पार्टी द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचानी गई संस्थाएँ ("अंतिम लाभार्थी") या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह प्रदान करें (नोट 49(एफ) देखें)

(सी) जिन लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं पर परिस्थितियों में उचित और उपयुक्त माना गया है, उसके आधार पर, हमारे ध्यान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमें यह विश्वास हो सके कि उप–खंड (i) और (ii) के तहत नियम 11(ई) के खंड (ए) और (बी) में दिए गए अभ्यावेदन में कोई भौतिक गलत बयानी है।

(v) कंपनी ने 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के दौरान कोई लाभांश घोषित या भुगतान नहीं किया है।

(vi) हमारी जांच के आधार पर, जिसमें परीक्षण जांच शामिल थी, कंपनी ने 31 मार्च 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अपने खातों की पुस्तकों को बनाए रखने के लिए एक लेखांकन सॉफ्टवेयर का उपयोग किया है जिसमें ऑडिट ट्रेल (एडिट लॉग) की सुविधा है और सॉफ्टवेयर में दर्ज सभी प्रासंगिक लेनदेन के लिए पूरे वर्ष इसका संचालन किया गया है। इसके अलावा, हमारी ऑडिट के दौरान, हमें ऑडिट ट्रेल सुविधा के साथ छेड़छाड़ का कोई मामला नहीं मिला और कंपनी द्वारा रिकॉर्ड प्रतिधारण के लिए वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार लेखा परीक्षा को संरक्षित किया गया है।

3. भारत के सीएजी द्वारा अधिनियम, 2013 के धारा 143 (5) के तहत जारी निर्देशों के अनुसार, हम संलग्न **"अनुलग्नक सी"** में अपनी रिपोर्ट देते हैं।

**दिनेश जैन एंड एसोसिएट्स के लिए**
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
एफआरएनः 004885एन

**स्थानः नई दिल्ली**
**तारीखः 29–05–2026**

**सीए नेहा जैन**
(साझेदार)
एम.सं. 514725
यूडीआईएनः 26514725एनएसएमकेयूएस3804

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की स्वतंत्र वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट का **अनुलग्नक–ए** एमएमटीसी लिमिटेड

"अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकता" के तहत पैराग्राफ 1 में देखें हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

I.

ए)

i. कंपनी ने सामान्यतः उचित रिकार्ड बनाए रखा है, जिसमें संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की मात्रात्मक जानकारी और स्थिति सहित पूर्ण विवरण दर्शाया गया है। हालाँकि, कुछ मामलों में संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के रिकॉर्ड को पूर्ण विवरण के साथ ठीक से अद्यतन नहीं किया जाता है।

ii. कंपनी ने अमूर्त परिसंपत्तियों का पूरा विवरण दर्शाने वाले उचित रिकॉर्ड बनाए रखे हैं।

बी) हमें दिए गए स्पष्टीकरण और जानकारी तथा हमारे द्वारा जांचे गए अभिलेखों के अनुसार, कंपनी के पास उचित अंतराल पर अपनी संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के भौतिक सत्यापन का एक नियमित कार्यक्रम है, जो कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अधिकारियों को प्रदान की गई अचल संपत्तियों को छोड़कर वर्ष में एक बार होता है। हमारी राय में, कंपनी के आकार और उसकी परिसंपत्तियों की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए भौतिक सत्यापन की यह आवधिकता उचित है। इस कार्यक्रम के अनुसार वर्ष के दौरान संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों का सत्यापन किया गया। जैसा कि प्रबंधन द्वारा दर्शाया गया है, ऐसे सत्यापन में कोई भौतिक विसंगतियां नहीं देखी गईं।

सी) जिस भूमि पर भवन का निर्माण किया गया है, उसके लिए संपत्ति कर प्राप्तियों और पट्टा समझौते, हमें प्रदान किए गए पंजीकृत बिक्री विलेख / हस्तांतरण विलेख / हस्तांतरण विलेख की हमारी जांच के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि, स्व–निर्मित भवनों के संबंध में स्वामित्व और अन्य सभी अचल संपत्तियों (उन संपत्तियों को छोड़कर जहां कंपनी पट्टेदार है और पट्टा समझौते पट्टेदार के पक्ष में विधिवत निष्पादित किए गए हैं) के स्वामित्व विलेख, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के तहत शामिल स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में प्रकट किए गए हैं, जो बैलेंस शीट की तारीख तक कंपनी के नाम पर रखे गए हैं।

अचल संपत्ति के स्वामित्व विलेख कंपनी के नाम पर रखे जाते हैं, सिवाय नीचे उल्लिखित मामलों के:

| क्षेत्र / कार्यालय | विवरण संपत्ति का | सकल वहन मूल्य (रु. में) | में आयोजित किया गया का नाम | चाहे प्रमोटर, निदेशक या उनके रिश्तेदार या कर्मचारी | अवधि आयोजित | टिप्पणियाँ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| कॉर्पोरेट कार्यालय | पट्टे पर दी गई भूमि (दायरा)<br>कार्यालय भवन (दायरा) | 0.81 करोड़<br>1.69 करोड़ | स्कोप कॉम्प्लेक्स | नहीं | 99 वर्ष | स्कोप ने अभी डीओ के साथ लीज समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। |
| कॉर्पोरेट कार्यालय | पट्टे पर दी गई भूमि (कर्मचारी क्वार्टर)<br>भवन (कर्मचारी क्वार्टर) | 0.06 करोड़<br>0.02 करोड़ | दिल्ली विकास प्राधिकरण | नहीं | 99 वर्ष | शाश्वत पट्टा |

इसके अलावा, एंग्लो अमेरिकन मेटलर्जिकल कोल पीटीई लिमिटेड के साथ विवाद के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय में 36 स्वामित्व विलेख जमाकिए गए हैं।

डी) कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी किसी भी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों सहित) और अमूर्त परिसंपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।

ई) बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (2016 में संशोधित) और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए 31 मार्च, 2026 तक कंपनी के खिलाफ वर्ष के दौरान कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है या लंबित नहीं है।

द्वितीय।

ii.

ए) प्रबंधन द्वारा उचित अंतराल पर इन्वेंट्री का भौतिक सत्यापन किया गया है और हमारी राय में, प्रबंधन द्वारा ऐसे सत्यापन की कवरेज और प्रक्रिया उचित है। कंपनी द्वारा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, इस तरह के भौतिक सत्यापन पर देखी गई विसंगतियों का मूल्य इन्वेंट्री के प्रत्येक वर्ग के लिए कुल मिलाकर 10% या उससे अधिक नहीं है।

बी) कंपनी को वर्ष के किसी भी समय के दौरान चालू परिसंपत्तियों की सुरक्षा के आधार पर बैंकों या वित्तीय संस्थानों द्वारा कार्यशील पूंजी सीमा की मंजूरी नहीं दी गई है, सिवाय कंपनी द्वारा पंजाब एंड सिंध बैंक से दो किस्तों में एफडीआर के खिलाफ लिए गए ऋण के। अग्रिम कर और मासिक व्यय का भुगतान करने के लिए 15–09–2025 को 28 करोड़ रुपये और 29–09–2025 को 4 करोड़ रुपये दिए गए, जिसे 10–10–2025 को वापस कर दिया गया। हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, चूंकि ऋण एफडीआर के विरुद्ध लिया गया था, इसलिए कंपनी द्वारा ऐसे बैंक में तिमाही रिटर्न या विवरण दाखिल करना कंपनी पर लागू नहीं होगा।

iii. कंपनी ने वर्ष के दौरान कंपनियों, फर्मों, सीमित देयता भागीदारी या किसी अन्य पक्ष को सुरक्षित या असुरक्षित प्रकार के ऋण या अग्रिम राशि में कोई निवेश नहीं किया है, कोई गारंटी या सुरक्षा प्रदान नहीं की है या कोई ऋण या अग्रिम राशि प्रदान नहीं की है, सिवाय अन्य पक्षों को दिए गए ऋण की प्रकृति के अग्रिम राशि के, जिसके संबंध में–

ए) कंपनी ने वर्ष के दौरान ऋण की प्रकृति में अग्रिम प्रदान किया है और जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

| पार्टी का नाम | वर्ष के दौरान प्रदान किए गए ऋणों की प्रकृति में अग्रिम की कुल राशि (रु.) | 31.03.2026 तक बकाया शेष राशि (रु.) |
|---|---|---|
| हल्दिया फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड (एचएफटीडब्ल्यूपीएल) | Rs. 5,00,000/- | Rs. 24,09,04,809/- |

कंपनी ने सहायक, संयुक्त उद्यम और सहयोगी को ऋण की प्रकृति में कोई अग्रिम राशि नहीं दी है।

बी) हमारी राय में, ऋण की प्रकृति में अग्रिम अनुदान की शर्तें और नियम, प्रथम दृष्टया, कंपनी के हित के लिए हानिकारक नहीं हैं।

सी) कंपनी द्वारा दिए गए ऋणों की प्रकृति में अग्रिमों के संबंध में, मूलधन के पुनर्भुगतान और ब्याज के भुगतान की अनुसूची निर्धारित नहीं की गई है।

डी) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा निष्पादित लेखापरीक्षा प्रक्रिया के आधार पर, कंपनी द्वारा दिए गए ऋणों की प्रकृति में अग्रिमों के संबंध में, बैलेंस शीट की तिथि तक कोई भी अतिदेय राशि बकाया नहीं है।

ई) कंपनी द्वारा दिए गए ऋण की प्रकृति में कोई अग्रिम राशि, जो वर्ष के दौरान देय हो गई हो, का नवीनीकरण या विस्तार नहीं किया गया हो या उन्हीं पक्षों को दिए गए मौजूदा ऋणों की अधिक राशि का निपटान करने के लिए नए ऋण नहीं दिए गए हों।

एफ) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा हमारे द्वारा निष्पादित लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, कंपनी ने वर्ष के दौरान मांग पर चुकाए जाने वाले ऋणों की प्रकृति में कोई ऋण या अग्रिम राशि प्रदान नहीं की है, या वर्ष के दौरान पुनर्भुगतान की कोई शर्त या अवधि निर्दिष्ट नहीं की है, सिवाय कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान मेसर्स को दिए गए 5 लाख रुपये के ऋण की प्रकृति में अग्रिम राशि के। हल्दिया फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड में अन्य कंपनियों को कुल अग्रिम का 0.15 प्रशित शामिल है, जिसमें पुनर्भुगतान की कोई शर्त या अवधि निर्दिष्ट नहीं है। वर्ष के दौरान कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 के खंड (76) में परिभाषित प्रमोटरों, संबंधित पक्षों को कोई ऋण नहीं दिया गया।

iv. हमारी राय में तथा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने स्वीकृत ऋणों, किए गए निवेशों तथा प्रदान की गई गारंटियों और प्रतिभूतियों के संबंध में, जहां लागू हो, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 185 और 186 के प्रावधानों का अनुपालन किया है।

v. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने कोई जमा स्वीकार नहीं किया है या ऐसी कोई राशि नहीं है जिसे अधिनियम की धारा 73 से 76 और कंपनी (जमा स्वीकृति) नियम, 2014 (संशोधित) के अर्थ में जमा माना गया हो। तदनुसार, आदेश के खंड 3 (अ) के तहत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होती है।

vi. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार अधिनियम की धारा 148 (1) के तहत कंपनी के लिए केंद्र सरकार द्वारा लागत रिकॉर्ड का रखरखाव निर्धारित नहीं किया गया है तदनुसार, आदेश के खंड 3 (अप) के प्रावधान लागू नहीं हैं।

vii.

ए) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा हमारे द्वारा सत्यापित अभिलेखों के अनुसार, कंपनी आयकर, भविष्य निधि बकाया, व्यावसायिक कर, मूल्य वर्धित कर, सेवा कर तथा माल एवं सेवा कर सहित निर्विवाद वैधानिक बकाया राशि को उचित प्राधिकारियों के पास जमा कराने में नियमित रही है। आयकर, भविष्य निधि बकाया, व्यावसायिक कर, जीएसटी, मूल्य वर्धित कर और सेवा कर तथा अन्य वैधानिक बकाया के संबंध में 31 मार्च 2026 तक देय तिथि से छह महीने से अधिक समय तक कोई निर्विवाद राशि देय नहीं थी।

बी) आयकर या बिक्री कर या सेवा कर या सीमा शुल्क या उत्पाद शुल्क या मूल्य वर्धित कर या उपकर के बकाया के मामले में, जो किसी विवाद के कारण जमा नहीं किए गए हैं, उन्हें "अनुबंध I" के रूप में संलग्न किया गया है।

viii) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान पहले से दर्ज न की गई आय से संबंधित कोई लेनदेन नहीं था जिसे सरेंडर कर दिया गया हो या आय के रूप में प्रकट किया गया हो।

ix)

ए) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा हमारे द्वारा सत्यापित अभिलेखों के अनुसार, कंपनी ने किसी भी ऋणदाता को ऋण या अन्य उधारों के पुनर्भुगतान या उस पर ब्याज के भुगतान में कोई चूक नहीं की है। इसके अलावा 31 मार्च 2026 तक कोई उधार बकाया नहीं है।

बी) कंपनी के प्रबंधन से प्राप्त प्रतिनिधित्व सहित हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, और हमारी लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या अन्य ऋणदाता द्वारा जानबूझकर चूककर्ता घोषित नहीं किया गया है।

सी) हमारी राय में तथा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई सावधि ऋण प्राप्त नहीं किया है। इसलिए आदेश के खंड 3 (ix) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

डी) हमारी राय में तथा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, अल्पावधि आधार पर जुटाई गई धनराशि का उपयोग दीर्घकालिक उद्देश्यों के लिए नहीं किया गया।

ई) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की समग्र जांच के अनुसार, कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों या संयुक्त उद्यमों के दायित्वों को पूरा करने के लिए किसी भी इकाई या व्यक्ति से कोई धनराशि नहीं ली है।

एफ) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों में रखी प्रतिभूतियों की प्रतिज्ञा पर वर्ष के दौरान कोई ऋण नहीं जुटाया है।

x.

ए) कंपनी ने वर्ष के दौरान आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव या आगे के सार्वजनिक प्रस्ताव (ऋण उपकरणों सहित) के माध्यम से कोई धन नहीं जुटाया है। तदनुसार, आदेश के खंड 3 (ग) (क) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

बी) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान शेयरों या (पूर्णतः, आंशिक रूप से या वैकल्पिक रूप से) परिवर्तनीय डिबेंचर का कोई अधिमान्य आवंटन या निजी प्लेसमेंट नहीं किया है। तदनुसार, आदेश के खंड ३ (ग) (ख) के तहत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होती है।

xi.

ए) वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा या कंपनी पर कोई धोखाधड़ी नहीं देखी गई या रिपोर्ट नहीं की गई। हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा प्रथाओं के अनुसार निष्पादित लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, हमें न तो कंपनी या उसके अधिकारियों द्वारा वर्ष के दौरान धोखाधड़ी का कोई मामला देखने को मिला है, न ही इसकी सूचना दी गई है, और न ही प्रबंधन द्वारा हमें ऐसे मामले की जानकारी दी गई है।

बी) कंपनी अधिनियम की धारा 143 की उपधारा (12) के अंतर्गत कोई रिपोर्ट कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 13 के अंतर्गत निर्धारित प्रपत्र एडीटी–4 में इस रिपोर्ट के वर्ष के दौरान और इस रिपोर्ट की तारीख तक केंद्र सरकार के पास दाखिल नहीं की गई है।

सी) कंपनी के प्रबंधन द्वारा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण सहित, वर्ष के दौरान कंपनी को कोई व्हिसलब्लोअर शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

xii. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी एक निधि कंपनी नहीं है। तदनुसार, आदेश के पैराग्राफ 3(xii) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

xiii. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी द्वारा संबंधित पक्षों के साथ किए गए सभी लेनदेन अधिनियम की धारा 177 और 188 के अनुपालन में हैं, जहां लागू हो और ऐसे लेनदेन के संबंध में प्रासंगिक विवरण इंड एएस–24 के तहत स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में उचित रूप से प्रकट किए गए हैं – "अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत निर्दिष्ट संबंधित पक्ष प्रकटीकरण को प्रासंगिक नियमों के साथ पढ़ा जाएगा।

xiv.

ए) हमारी राय में कंपनी के पास अपने व्यवसाय के आकार और प्रकृति के अनुरूप पर्याप्त आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली है।

बी) हमने अपनी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं की प्रकृति, समय और सीमा निर्धारित करने के लिए, वर्ष के दौरान और आज तक कंपनी को जारी की गई लेखापरीक्षा के अंतर्गत वर्ष की आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्टों पर विचार किया है।

xv. हमारी राय में वर्ष के दौरान कंपनी ने अपने निदेशकों या अपने निदेशकों से जुड़े व्यक्तियों के साथ कोई गैर–नकद लेनदेन नहीं किया है। और इसलिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 192 के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

xvi.

ए) हमारी राय में, कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45–आईए के तहत पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए, आदेश के खंड 3 (xvi) (क) और (ख) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

बी) हमारी राय में, कंपनी एक कोर निवेश कंपनी नहीं है (जैसा कि कोर निवेश कंपनियों (रिजर्व बैंक) निर्देश, 2016 में परिभाषित किया गया है) और तदनुसार आदेश के खंड 3 (xvi)(ए), और (सी) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

xvii. हमारे ऑडिट में शामिल वित्तीय वर्ष के दौरान और तुरंत पिछले वित्तीय वर्ष में कंपनी को कोई नकद घाटा नहीं हुआ है।

xviii. वर्ष के दौरान कंपनी के वैधानिक लेखा परीक्षकों का कोई इस्तीफा नहीं हुआ है। तदनुसार, आदेश के खंड 3 (xviii) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

xix. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा वित्तीय अनुपातों, आयुवृद्धि और स्वतंत्र वित्तीय परिसंपत्तियों की प्राप्ति तथा स्वतंत्र वित्तीय देनदारियों के भुगतान की अपेक्षित तिथियों, स्वतंत्र वित्तीय विवरणों के साथ दी गई अन्य जानकारी, निदेशक मंडल और प्रबंधन की योजनाओं के बारे में हमारी जानकारी के आधार पर, हमारा विचार है कि लेखापरीक्षा रिपोर्ट की तिथि पर इस बात को लेकर कोई भौतिक अनिश्चितता नहीं है कि कंपनी बैलेंस शीट की तिथि पर विद्यमान अपनी देनदारियों को, जब भी वे देय हों, बैलेंस शीट की तिथि से एक वर्ष की अवधि के भीतर पूरा करने में सक्षम है। हालाँकि, हमारा कहना है कि यह कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में कोई आश्वासन नहीं है। हम आगे कहते हैं कि हमारी रिपोर्टिंग लेखापरीक्षा रिपोर्ट की तिथि तक के तथ्यों पर आधारित है और हम न तो कोई गारंटी देते हैं और न ही कोई आश्वासन देते हैं कि बैलेंस शीट की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय सभी देनदारियों को कंपनी द्वारा देय होने पर चुका दिया जाएगा।

xx. उक्त अधिनियम की धारा 135 की उपधारा (5) के दूसरे प्रावधान के अनुपालन में कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII में निर्दिष्ट निधि में स्थानांतरण की आवश्यकता वाली चल रही परियोजनाओं के अलावा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के लिए कोई अप्रयुक्त राशि नहीं है। तदनुसार, आदेश के खंड 3 (xx) (क) और (ख) के तहत रिपोर्टिंग वर्ष के लिए लागू नहीं है।

xxi. खंड 3 (XXi) के तहत रिपोर्टिंग कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के ऑडिट के संबंध में लागू नहीं है। तदनुसार, इस रिपोर्ट के तहत उक्त खंड के संबंध में कोई टिप्पणी शामिल नहीं की गई है।

**कृते दिनेश जैन एंड एसोसिएट्स**
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएनः 004885एन

**सीए नेहा जैन**
भागीदार
एम सं. 514725
यूडीआईएनः 26514725PZDNAT1994

**स्थानः** नई दिल्ली
**दिनांकः** 29.05.2026

## एमएमटीसी लिमिटेड के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के अनुलग्नक ए के खंड VII (बी) के अनुलग्नक – I

### मुंबई कार्यालय

| संविधि का नाम | बकाया राशि की प्रकृति | वर्ष | सम्मिलित राशि | वह फोरम जहाँ विवाद लंबित है |
|---|---|---|---|---|
| बॉम्बे बिक्री कर अधिनियम | बिक्री कर | 1989-90 | 15,01,06,778* | संयुक्त बिक्री कर आयुक्त (अपील च) |
| बॉम्बे बिक्री कर अधिनियम | बिक्री कर | 2001-02 | 45,03,961 | संयुक्त बिक्री कर आयुक्त (अपील I) |
| महाराष्ट्र वैट, 2002 | बिक्री कर | 2016-17 | 28,75,574 | संयुक्त बिक्री कर आयुक्त (अपील IV) |
| महाराष्ट्र वैट, 2002 | बिक्री कर | 2017-18 | 5,15,568 | संयुक्त बिक्री कर आयुक्त (अपील च) |
| महाराष्ट्र वैट, 2002 | बिक्री कर | 2013-14 | 2,43,593** | संयुक्त बिक्री कर आयुक्त (अपील च) |
| माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 | जीएसटी | 2018-19 | 99,11,638 | अपर आयुक्त अपील–II, बांद्रा |
| माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 | जीएसटी | 2018-19 to 2022-23 | 59,03,296*** | संयुक्त/अपर आयुक्त, अपील–II, बीकेसी, मुंबई |

* बिक्री कर की उपरोक्त मांग में से कंपनी द्वारा 5,00,000/– रुपये की राशि जमा कर दी गई है।
** बिक्री कर की उपरोक्त मांग में से कंपनी द्वारा 77,921/– रुपये की राशि जमा कर दी गई है।
*** जीएसटी की उपरोक्त मांग में से कंपनी द्वारा 2,90,489/– रुपये की राशि जमा कर दी गई है।

### चेन्नई क्षेत्र

| संविधि का नाम | बकाया राशि की प्रकृति | वर्ष | राशि | वह फोरम जहाँ विवाद लंबित है |
|---|---|---|---|---|
| टीएनजीएसटी अधिनियम | बिक्री कर जुर्माना व ब्याज (स्पैंडेक्स यानी) | 2001-02 | 1,78,566 | सहायक आयुक्त, वाणिज्यिक कर |
| टीएनवैट अधिनियम | बिक्री कर | 1999-00 | 78,25,755 | उच्च न्यायालय |
| टीएनवैट अधिनियम | प्रदर्शनी रिटर्न जुर्माना और ब्याज | 2007-08 | 14,53,825 | जेसी अपील |
| कस्टम अधिनियम, 1962 | वस्तुओं के वर्गीकरण में अंतर पर सीमा शुल्क | 2012-13 | 11,56,46,975 | सीईएसटीएटी, चेन्नई |
| कस्टम अधिनियम, 1962 | वस्तुओं के वर्गीकरण में अंतर पर सीमा शुल्क | 2013-16 | 64,09,352 | तेलंगाना उच्च न्यायालय |
| | **कुल** | | **13,15,14,473** | |

### विजाग क्षेत्र

### 1. विशाखापत्तनम (क्षेत्रीय कार्यालय) (कोलकाता कैम्प कार्यालय शामिल)

| संविधि की प्रकृति | बकाया राशि की प्रकृति | वर्ष | राशि | प्राधिकार |
|---|---|---|---|---|
| एपीजीएसटी | एपीजीएसटी | 1968-69 | 9,28,162 | एचसी हैदराबाद |
| सीएसटी | सीएसटी | 2007-08 | 91,537 | एडीसी |
| वैट | एपीवीएटी | 2013-14 | 17,31,799 | एडीसी |
| सीएसटी | सीएसटी | 2013-14 | 46,07,728 | एचसी कोलकाता |
| डब्ल्यूबीवैट | डब्ल्यूबीवैट | 2013-14 | 51,46,313 | एचसी कोलकाता |
| जीएसटी कोलकाता | जीएसटी | 2017-18 | 4,56,85,382 | सीईएसटीएटी, कोलकाता |
| कस्टम ड्यूटी | कस्टम ड्यूटी | 2009-10 | 92,92,463 | सीईएसटीएटी, हैदराबाद |
| कस्टम ड्यूटी | कस्टम ड्यूटी | 2008-09 | 1,64,52,750 | एपीएचटी |
| कस्टम | कस्टम ड्यूटी | 2021-22 | 1,50,15,449 | सीईएसटीएटी, हैदराबाद |
| सेवा कर | सेवा कर | 2014-15 | 1,91,21,170 | सीईएसटीएटी, हैदराबाद |
| सेवा कर | सेवा कर | 2013-14 | 1,57,63,170 | सीईएसटीएटी, हैदराबाद |
| | ब्याज एवं जुर्माना | | 8,37,92,745 | |
| | **कुल** | | **21,76,28,668** | |

2. भुवनेश्वर (कैंप कार्यालय)

| संविधि की प्रकृति | बकाया राशि की प्रकृति | वर्ष | राशि | प्राधिकरण |
|---|---|---|---|---|
| ओएसटी (आईएनटी) | ओएसटी (ब्याज) | 1978-79 | 26,50,388.00 | उड़ीसा उच्च न्यायालय ब्याज सहित |
| ओएसटी | ओएसटी | 1978-79 | 2,63,57,122.25 | उड़ीसा उच्च न्यायालय ब्याज सहित |
| ओएसटी | ओएसटी | 1978-79 | 13,17,856.50 | उड़ीसा उच्च न्यायालय ब्याज सहित |
| उड़ीसा बिक्री कर | ब्याज | 1978-79 | 3,57,42,030.00 | पुनरीक्षण याचिका दायर की गई, निपटारा किया गया और ब्याज सहित एसएलपी के निपटारे तक मांग पर रोक लगाई गई। |
| उड़ीसा बिक्री कर | उड़ीसा बिक्री कर | 1992-93 | - | न्यायाधिकरण ने मांग को खारिज कर दिया और पुनर्मूल्यांकन के लिए वापस भेज दिया, ब्याज सहित दूसरे पक्ष को उड़ीसा उच्च न्यायालय में चुनौती दी। |
| उड़ीसा बिक्री कर | DEPB | 2006-09 | 25,98,58,244.95 | उड़ीसा बिक्री कर न्यायाधिकरण में ब्याज हित। |
| उड़ीसा बिक्री कर | DEPB | 2010-12 | 9,13,36,459.23 | उड़ीसा उच्च न्यायालय को ब्याज सहित। |
| ओवीएटी | बिक्री कर | 2013-14 | - | उड़ीसा बिक्री कर न्यायाधिकरण में ब्याज सहित। |
| सीएसटी (ओडिशा) | बिक्री कर | 2013-14 | - | उड़ीसा बिक्री कर न्यायाधिकरण में ब्याज सहित। |
| ईटी (ओडिशा) | ईटी | 2013-14 | - | उड़ीसा बिक्री कर न्यायाधिकरण में ब्याज सहित। |
| सीएसटी (ओडिशा) | घोषणा पत्र जारी करना | 2011-14 | 1,00,86,727.51 | उड़ीसा बिक्री कर न्यायाधिकरण में ब्याज सहित। |
| सीजीएसटी एंड एसजीएसटी अधिनियम | जीएसटी | 2018-19 | 7,29,54,835.26 | 8.10.2020 को माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका। |
| सीजीएसटी एंड एसजीएसटी अधिनियम | आईटीसी अस्वीकृत | 2019-20 | - | अपीलीय प्राधिकारी करें। |
| सीजीएसटी एंड एसजीएसटी अधिनियम | जीएसटी | 2017-18 | 14,45,294.61 | माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका दायर की गई। |
| ओएसटी अधिनियम (ब्याज) | बिक्री कर | 1966 | 9,58,035.00 | उड़ीसा उच्च न्यायालय ब्याज सहित |
| सीजीएसटी एंड एसजीएसटी अधिनियम | जीएसटी | 2021-22 | 25,54,947.45 | प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील लंबित है |
| केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम | सेवा कर | 2010-11 | 7,48,99,571.49 | रिट सं 27016/2020 08–10–2020 को दायर की गई। |
| केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम | सेवा कर | 2011-12 | 7,57,83,875.74 | रिट सं 27021/2020 08–10–2020 को दायर की गई। |
| केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम | सेवा कर | 2009-12 | 66,45,34,605.13 | रिट सं 27027/2020 08–10–2020 को दायर की गई। |
| केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम | सेवा कर | 2012-13 | 75,66,359.91 | रिट सं 27023/2020 08–10–2020 को दायर की गई। |
| केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम | सेवा कर | 2012-13 | 9,01,32,186.89 | रिट सं 27029/2020 08–10–2020 को दायर की गई। |
| केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम | सेवा कर | 2013-14 | 9,94,263.00 | सीईएसटीएटी अपील 04.02.2019 को दायर की गई। |
| केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम | सेवा कर | 2017-18 | 27,731.56 | सीईएसटीएटी अपील 28.05.2019 को दायर की गई। |
| केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम | सेवा कर | 2013-15 | 17,71,628.00 | सीईएसटीएटी अपील दायर की। |
| करटम अधिनियम | करटम | 2012-13 | 149,02,87,737 | सीईएसटीएटी में अपील दायर की। |
| | कुल | | **2,91,12,59,899.48** | |

हैदराबाद क्षेत्र

| कानून की प्रकृति | बकाया राशि की प्रकृति | वर्ष | राशि | अथॉरिटी |
|---|---|---|---|---|
| सीएसटी | केंद्रीय बिक्री कर | 1989-90 | 1,49,770 | स्टेट–विजाग |
| एपीजीएसटी | बिक्री कर | 1991-92 | 24,02,576 | स्टेट–विजाग |
| एपीजीएसटी | बिक्री कर | 1992-93 | 13,96,269 | स्टेट– विजाग |
| एपीजीएसटी | बिक्री कर | 1993-94 | 17,62,687 | स्टेट–विजाग |
| एपीजीएसटी | बिक्री कर | 1993-94 | 6,30,615 | स्टेट–विजाग |
| सीएसटी | केंद्रीय बिक्री कर | 1993-94 | 4,41,446 | स्टेट–विजाग |
| सीएसटी | केंद्रीय बिक्री कर | 1994-95 | 2,04,081 | एसी एलटीयू–विजाग |
| सीएसटी | केंद्रीय बिक्री कर | 1997-98 | 58,43,100 | स्टेट–विजाग |
| सीएसटी | केंद्रीय बिक्री कर | 1999-00 | 39,04,454 | स्टेट–विजाग |
| सीएसटी | केंद्रीय बिक्री कर | 2000-01 | 2,52,926 | स्टेट–विजाग |
| वैट | वैट | 2006-07 | 6,76,058 | एसी एलटीय–स्टेट–विजाग |
| वैट | वैट | 2007-08 | 71,000 | एसी ऑडिट–विजाग |
| वैट | वैट | 2008-09 | 7,84,474 | स्टेट – विजाग |
| वैट | वैट | 2012-13 | 99,49,808 | एडीसी (सीटीओ)–विजाग |
| सीएसटी | केंद्रीय बिक्री कर | 2013-14 | 4,40,000 | स्टेट – विजाग |
| एपीवीएटी–जीएसटी | वैट | 2013-14 | 22,00,000 | एपी वैट–जेसी अमरावती |
| भारतीय सीमा शुल्क | कस्टम ड्यूटी–एनएफएम | 2021-22 | 46,47,711 | तेलंगाना उच्च न्यायालय |
| भारतीय सीमा शुल्क | कस्टम ड्यूटी–पीएमडी | 2016-17 | 5,36,12,040 | सीईएसटीएटी– दिल्ली |
| भारतीय सीमा शुल्क | कस्टम ड्यूटी–पीएमडी | 2014-17 | 1,71,54,022 | सीईएसटीएटी– चेन्नई |
| भारतीय सीमा शुल्क | कस्टम ड्यूटी–पीएमडी | 2014-17 | 2,74,37,928 | सीईएसटीएटी– चेन्नई |
| जीएसटी | जीएसटी | 2017-20 | 22,89,697 | सीमा शुल्क और केंद्रीय कर अपील–II, हैदराबाद |

## कॉरपोरेट कार्यालय

| कानून की प्रकृति | बकाया राशि की प्रकृति | वर्ष (वित्त वर्ष) | राशि | फॉरम |
|---|---|---|---|---|
| आयकर अधिनियम | आयकर | 2023-24 | 15,07,190 | सीआईटी(ए) |
| आयकर अधिनियम | आयकर | 2009-10 | 2,10,00,000 | उच्च न्यायालय |
| आयकर अधिनियम | आयकर | 2005-06 | 4,51,65,330 | सर्वोच्च न्यायालय |
| आयकर अधिनियम | आयकर | 2003-04 | 4,15,00,000 | उच्च न्यायालय |
| आयकर अधिनियम | आयकर | 2001-02 | 1,17,77,218 | उच्च न्यायालय |
| आयकर अधिनियम | आयकर | 1997-98 | 1,02,93,042 | सीआईटी(ए) |
| | | उप–योग* | **13,12,42,780** | |
| वित्त अधिनियम, 1994 | सेवा कर | 2013-14 to 2016-17 | 28,49,08,035 | सीईएसटीएटी |
| | | उप–योग** | 28,49,08,035 | |
| | | कुल योग | **41,61,50,815.00** | |

*आयकर की उपरोक्त मांग के लिए कम्पनी द्वारा **23,85,25,805** रुपये की राशि जमा करा दी गई है।
उपर्युक्त सेवा कर मांग में से कम्पनी द्वारा **59,72,240** रुपये की राशि जमा करा दी गई है।

## दिल्ली प्रकोष्ठ (पूर्ववत दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय)

| कानून का नाम | बकाया राशि की प्रकृति | वह अवधि जिससे राशि संबंधित है | (रु. में) | वह फोरम जहां विवाद लंबित है |
|---|---|---|---|---|
| यूपी–वैट | एलएसटी / सीएसटी | 1990-91 | 617,588 | मुरादाबाद, इलाहाबाद उच्च न्यायालय |
| यूपी–वैट | एलएसटी | 1991-92 | 470,578 | मुरादाबाद, इलाहाबाद उच्च न्यायालय |
| यूपी–वैट | एलएसटी | 1992-93 | 264,037 | मुरादाबाद, इलाहाबाद उच्च न्यायालय |
| यूपी–वैट | एलएसटी | 1993-94 | 185,100 | मुरादाबाद, इलाहाबाद उच्च न्यायालय |
| यूपी–वैट | एलएसटी | 1987-88 | 1,635,160 | संयुक्त आयुक्त (अपील), यूपी–वैट |
| यूपी–वैट | वैट | 1996-97 | 611,808 | संयुक्त आयुक्त (अपील), यूपी–वैट |
| यूपी–वैट | फॉर्म–3बी (स्वर्ण) और फॉर्म 3सी 1 (मेंथा ऑयल) जमा न करने पर वैट+ब्याज | 2007-08 | 62,457 | संयुक्त आयुक्त (अपील), यूपी–वैट |
| हरियाणा–वैट | एलएसटी | 1992-93 | 424,587 | फरीदाबाद, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ |
| एमपी–वैट | एलएसटी | 1999-00 | 150,004 | विक्रय कर प्राधिकरण, इंदौर |
| एमपी–वैट | एलएसटी | 1998-99 | 4,730,692 | मूल्यांकन प्राधिकारी, इंदौर |
| सीमा शुल्क एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क | सहयोगियों द्वारा स्वर्ण ऋण के विरुद्ध स्वर्ण आभूषणों का निर्यात न करने पर सीमा शुल्क एवं ब्याज | 1999-00 | 27,267,919 | भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित |
| आरएसटी अधिनियम | एसटी | 2003-04 | 14,946,540 | राजस्थान कर बोर्ड अजमेर (36.28 लाख रुप्ए विरोध स्वरूप जमा किए गए हैं) बिक्री कर विभाग ने डीसी (अपील) के आदेश के खिलाफ कर बोर्ड में अपील की है। |
| सीजीएसटी अधिनियम | जीएसटी | 2017-18 to 2021-22 | 28,560,484 | सहायक आयुक्त, सीजीएसटी, दिल्ली |
| हरियाणा–वैट | एलएसटी | 2013-14 | 14,64,75,714 | हरियाणा वैट ट्रिब्यूनल, चंडीगढ़ (पूरी तरह से बैंक गारंटी द्वारा कवर) |
| केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम | केंद्रीय उत्पाद शुल्क | 2010-11 & 2011-12 | 19,35,74,658 | माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित |
| आयकर | टीडीएस | 2008-09 | 100 | टीडीएस मांग |
| आयकर | टीडीएस | 2010-11 to 2011-12 | 42,340 | टीडीएस मांग |
| आयकर | टीडीएस | 2019-20 | 47,196 | आयकर आयुक्त (अपील) |

## अनुच्छेद–बी एमएमटीसी लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों पर आज की तारीख की स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के लिए।

### कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143(3) (i) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2026 को एमएमटीसी लिमिटेड ("कंपनी") के वित्तीय रिपोर्टिंग से जुड़े आन्तरिक वित्तीय नियंत्रण का संपरीक्षा किया है। यह संपरीक्षा उस तारीख को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों के संपरीक्षा के साथ किया गया है।

**आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी:**

होल्डिंग कंपनी, उसकी सहायक कंपनी, उसकी सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों की संबंधित निदेशक मंडल, जो भारत में निगमित कंपनियां हैं, भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के ऑडिट पर मार्गदर्शन नोट में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं। इन जिम्मेदारियों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो कंपनी की नीतियों के अनुपालन, उसकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और पहचान, लेखांकन अभिलेखों की सटीकता और पूर्णता, और कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत आवश्यक विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी सहित, इसके व्यवसाय के व्यवस्थित और कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे।

**लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी:**

हमारी जिम्मेदारी हमारी संपरीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर राय व्यक्त करना है। हमने अपनी लेखापरीक्षा आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शन नोट और संपरीक्षा पर मानकों के अनुसार की, जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(10) के तहत निर्धारित मानी गई आईसीएआई द्वारा जारी की गई है, आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की संपरीक्षा पर लागू सीमा तक. आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की संपरीक्षा पर लागू दोनों और, दोनों आईसीएआई द्वारा जारी की गई हैं। वे मानक और मार्गदर्शन नोट जिनका हम अनुपालन करते हैं नैतिक आवश्यकताओं और ऑडिट की योजना बनाते हैं और निष्पादित करते हैं ताकि इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त किया जा सके कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और बनाए रखा गया था और यदि ऐसे नियंत्रण सभी भौतिक मामलों में प्रभावी ढंग से संचालित होते थे।

4. हमारे अंकेक्षण में वित्तीय रिपोर्टिंग एवं उनकी प्रचालन प्रभावशीलता पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता के बारे में संपरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने की प्रक्रियाएं शामिल हैं। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के हमारे संपरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना, यह आकलन करना कि क्या कोई महत्वपूर्ण कमजोरी मौजूद है, और मूल्यांकित जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और मूल्यांकन करना शामिल था। चयनित प्रक्रियाएं लेखा परीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं, जिसमें समेकित वित्तीय विवरणों के भौतिक गलत बयानी के जोखिमों का आकलन शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

हमारा मानना है कि जो संपरीक्षा साक्ष्य हमें प्राप्त हुए हैं और अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा उनकी रिपोर्टों के संदर्भ में प्राप्त संपरीक्षा साक्ष्य, जो नीचे अन्य मामलों के पैराग्राफ में संदर्भित हैं, वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी संपरीक्षा राय प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

**वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ:**

वित्तीय रिपोर्टिंग पर एक कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है जो आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाहरी उद्देश्यों के लिए समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने और वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं जो

(ए) अभिलेख के रखरखाव से संबंधित होती हैं जो उचित विवरण में, कंपनी की परिसंपत्तियों के लेनदेन और स्वभाव को सटीक और निष्पक्ष रूप से दर्शाती हैं,

(बी) यह उचित आश्वासन प्रदान करें कि लेनदेन को आम तौर पर स्वीकृत सिद्धांतों के अनुसार समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने की अनुमति देने के लिए आवश्यक रूप से रिकॉर्ड किया गया है, और यह कि कंपनी की प्राप्तियां और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरण के अनुसार किए जा रहे हैं, और

(सी) कंपनी की संपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या निपटान की रोकथाम या समय पर पता लगाने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करें, जिसका समेकित वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

**वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाएँ:**

7. वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं जिसमें सांठ–गांठ अथवा नियंत्रण पर अनुचित प्रबंधन की अवहेलना की संभावना शामिल है, के कारण त्रुटि अथवा धोखाधड़ी वजह से वित्तीय गलतियां हो जाने जैसी घटना घट जाए और उसका पता नहीं भी लग सकता है। इसके अलावा, वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान भविष्य की अवधि के लिए इस जोखिम के अधीन हैं कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण परिस्थितियों में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो सकता है, या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन की डिग्री बिगड़ सकती है।

अन्य मामले

1. वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और परिचालन प्रभावशीलता पर अधिनियम की धारा 143(3) (i) के तहत हमारी उपरोक्त रिपोर्ट, जहां तक यह भारत में निगमित ऐसी कंपनी के संपरीक्षा की संबंधित रिपोर्ट पर आधारित है।
2. जहां तक यह भारत में निगमित कंपनियों के तीन संयुक्त उद्यमों से संबंधित है, वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और परिचालन प्रभावशीलता पर हम टिप्पणी करने में सक्षम नहीं हैं, और भारत में निगमित ऐसी कंपनियों के लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।

हमारी रिपोर्ट उपरोक्त मामलों पर संशोधित नहीं की गई है।

राय

हमारी राय में, होल्डिंग कंपनी और उसके संयुक्त उद्यम, जो भारत में निगमित कंपनियां हैं, ने सभी मामलों में, वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और वित्तीय रिपोर्टिंग पर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण 31 मार्च, 2026 को प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो "भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के संपरीक्षा पर मार्गदर्शन नोट में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण" पर आधारित है।

**दिनेश जैन एंड एसोसिएट्स के लिए**
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
एफआरएनः 004885एन

**सीए नेहा जैन**
(साझेदार)
एम.सं. 514725
यूडीआईएनः 26514725एनएसएमकेयूएस3804

**स्थानः नई दिल्ली**
**तारीखः 29–05–2026**

## एमएमटीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा परीक्षक की सम तिथि की रिपोर्ट का अनुलग्नक सी

## वित्तीय वर्ष 2025–2026 के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (5) के तहत सी एंड एजी द्वारा जारी निर्देशों पर रिपोर्ट

| क्रम सं. | निर्देश | उत्तर | वित्तीय विवरण पर प्रभाव |
|---|---|---|---|
| I. | मैं कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति के बाद के लाभों के लिए कंपनी द्वारा या ट्रस्टों के माध्यम से सीधे किए गए सभी निवेशों, उद्धृत और गैर–उद्धृत दोनों, के उचित मूल्यांकन का आकलन करता हूं। इसमें मूल्यांकन पद्धतियों का सत्यापन, इंड एएस के साथ संगतता सुनिश्चित करना और सहायक दस्तावेजों की समीक्षा करना शामिल है। लेखा परीक्षक मूल्यांकन दृष्टिकोण, इसकी तर्कसंगतता और लागू विनियमों के अनुपालन पर एक संक्षिप्त नोट प्रदान करेगा, तथा किसी भी भौतिक विचलन या गलत विवरण की रिपोर्ट करेगा। | हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण तथा हमारे समक्ष प्रस्तुत अभिलेखों के अनुसार, कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति–पश्चात लाभों के लिए कंपनी द्वारा या ट्रस्टों के माध्यम से सीधे किए गए सभी निवेशों का मूल्यांकन लागू वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे और लागू विनियमों के अनुसार उचित रूप से किया गया है। इन निवेशों के लिए कंपनी द्वारा लागू मूल्यांकन दृष्टिकोण और मूल्यांकन पद्धतियां उचित और उपयुक्त हैं तथा इनमें कोई भौतिक विचलन या गलतबयानी नहीं देखी गई। मूल्यांकन दृष्टिकोण पर संक्षिप्त टिप्पणी नीचे दी गई है:<br><br>कंपनी के पास कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति के बाद के लाभों के लिए एक पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल बेनिफिट (पीआरएमबी) ट्रस्ट है। पीआरएमबी ट्रस्ट के ट्रस्ट डीड के अनुसार, ट्रस्ट के पास उपलब्ध धनराशि को फ्लोटिंग ब्याज दरों पर एलआईसी के साथ निवेश किया जाता है। 31.03.2026 तक एलआईसी के साथ निवेश का उचित मूल्य रु. 215,28,13,987.43, एलआईसी द्वारा प्रदान किए गए 31.03.2026 तक फंड में शेष राशि के प्रमाण पत्र पर आधारित।<br><br>कंपनी के पास कर्मचारियों की ग्रेच्युटी से संबंधित धनराशि के रखरखाव और निवेश के लिए एक ग्रेच्युटी ट्रस्ट है। ट्रस्ट डीड ऑफ ग्रेच्युटी ट्रस्ट के अनुसार, ट्रस्ट के पास उपलब्ध धनराशि केवल एलआईसी में ही निवेश की जाती है। निवेश पर एलआईसी द्वारा प्रतिवर्ष घोषित वार्षिक ब्याज अर्जित होता है। प्रत्येक वर्ष किए गए ट्रस्ट के बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर धनराशि एमएमटीसी से ट्रस्ट को हस्तांतरित की जाती है (जिसे ट्रस्ट द्वारा आगे एलआईसी को हस्तांतरित किया जाता है) और तदनुसार धनराशि को ट्रस्ट में बनाए रखा जाता है। 31.03.2026 तक एलआईसी के साथ निवेश का उचित मूल्य 31,45,12,053/– रुपये है, जो एलआईसी द्वारा प्रदान किए गए 31.03.2026 तक फंड में शेष राशि के प्रमाण पत्र पर आधारित है।<br><br>पीआरएमबी ट्रस्ट और ग्रेच्युटी ट्रस्ट के मामले में निवेशों का मूल्यांकन, जैसा कि ऊपर बताया गया है, एलआईसी द्वारा प्रमाणित किया गया है और हमने निवेशों के उचित मूल्य की रिपोर्टिंग के लिए उक्त प्रमाणपत्रों पर भरोसा किया है और एलआईसी द्वारा अपनाई गई मूल्यांकन पद्धतियों का स्वतंत्र रूप से सत्यापन नहीं किया है और हमारी प्रक्रियाएं प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रमाणपत्रों और संबंधित अभिलेखों के सत्यापन तक ही सीमित थीं।<br><br>कंपनी के पास एक सीपीएफ ट्रस्ट है जिसे एमएमटीसी कर्मचारियों के पीएफ फंड को बनाए रखने और निवेश करने के लिए बनाया गया था। हर महीने, कर्मचारियों के वेतन से पीएफ की कटौती (बेसिक डीए का 12%) और नियोक्ता का योगदान (बेसिक डीए का 12%) ट्रस्ट को हस्तांतरित किया जाता है। सीपीएफ ट्रस्ट ईपीएफओ द्वारा अनुमत एक छूट प्राप्त ट्रस्ट है, लेकिन यह ईपीएफओ के नियमों और विनियमों द्वारा शासित है। सभी निवेश ईपीएफओ द्वारा परिभाषित निवेश पैटर्न के अनुसार किए जाते हैं। ट्रस्ट का अनुपालन ऑडिट हर साल ईपीएफओ द्वारा किया जाता है। निवेश से किसी भी निकासी के लिए ईपीएफओ की मंजूरी की आवश्यकता होती है। निवेश का हिसाब ट्रस्ट की पुस्तकों में अंकित मूल्य पर किया जाता है। | शून्य |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | प्रबंधन द्वारा दर्शाए अनुसार, 31.03.2026 तक सीपीएफ ट्रस्ट निवेश की राशि 173,14,85,967/– रुपये है, जिसका मूल्यांकन निवेश की मूल लागत पर किया गया है।<br>सेवानिवृत्ति पर कर्मचारियों को पेंशन से संबंधित धन को बनाए रखने और निवेश करने के लिए एमएमटीसी द्वारा सुपरएनुएशन ट्रस्ट बनाया गया था। पहले एलआईसी के साथ धनराशि का निवेश किया जाता था और निवेश का उपयोग एलआईसी द्वारा हर वर्ष घोषित वार्षिक ब्याज अर्जित करने के लिए किया जाता था। बाद में, बोर्ड के अनुमोदन और ट्रस्ट डीड में संशोधन के अनुसार, एलआईसी में उपलब्ध धनराशि पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा शासित एनपीएस को हस्तांतरित कर दी गई। वर्तमान में, धनराशि को एमएमटीसी से सीधे एचडीएफसी बैंक के माध्यम से पीओपी (उपस्थिति बिंदु) के रूप में कर्मचारियों के व्यक्तिगत एनपीएस खातों में स्थानांतरित किया जाता है। | |
| II. | क्या कंपनी के पास आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने के लिए कोई प्रणाली है? यदि हां, तो क्या इस प्रणाली और नियंत्रणों की समीक्षा की गई है जो कंपनियों' की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया के साथ–साथ साइबर सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं और पाई गई भौतिक विसंगतियां, यदि कोई हां, उपयुक्त रूप से रिपोर्ट की गई हैं? आईटी प्रणाली के बाहर लेखांकन लेनदेन के प्रसंस्करण से खातों की अखंडता पर पडने वाले प्रभावों के साथ–साथ वित्तीय प्रभावों की भी रिपोर्ट की जा सकती है। | हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी के पास आईटी सिस्टम (टैली अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर) के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने के लिए एक प्रणाली है।<br>किए गए लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर तथा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, आईटी प्रणाली (टैली अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर) के बाहर कोई भी लेखांकन लेनदेन संसाधित नहीं किया गया, सिवाय खुदरा व्यापार में माल की बिक्री के, जो स्वतंत्र आरएमएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से की जाती है, समापन सूची और माह के अंत में व्यय प्रावधानों का मूल्यांकन, जिसकी गणना मैन्युअल रूप से की जाती है, मूल्यह्रास, जिसकी गणना एफए मॉड्यूल द्वारा की जाती है और कर्मचारी ऋण पर ब्याज आदि। जिनकी गणना मैन्युअल रूप से की जाती है, और टैली अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर में जर्नल वाउचर के माध्यम से दर्ज की जाती है। इसका खातों की अखंडता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।<br>हमारे द्वारा निष्पादित लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, इस प्रणाली और नियंत्रणों की समीक्षा की गई है जो कंपनियों' की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण हैं और कोई भी भौतिक विसंगतियां नहीं पाई गई।<br>साइबर सुरक्षा की समीक्षा के संबंध में, एमएमटीसी लिमिटेड द्वारा नियुक्त एक बाहरी एजेंसी द्वारा 19–07–2025 की रिपोर्ट के माध्यम से वर्ष के दौरान दिल्ली मुख्यालय और उप–क्षेत्रीय कार्यालयों सहित इसके सभी शिविर कार्यालयों सहित कंपनी के आईटी बुनियादी ढांचे की भेद्यता आकलन और प्रवेश परीक्षण (वीएपीटी) ऑडिट आयोजित की गई। लेखापरीक्षा के दौरान पहचानी गई महत्वपूर्ण टिप्पणियों को सुधारात्मक कार्रवाई के लिए प्रबंधन को विधिवत सूचित कर दिया गया है। इसके अलावा, जैसा कि प्रबंधन द्वारा दर्शाया गया है, ऐसे ऑडिट में ऐसी आईटी प्रणालियों और नियंत्रणों में कोई भौतिक कमजोरी नहीं देखी गई, जिसके परिणामस्वरूप कंपनी के वित्तीय विवरणों का भौतिक गलत विवरण हो सकता है। | शून्य |
| III. | क्या केन्द्र/राज्य सरकार या उसकी एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त/प्राप्य निधियों (अनुदान/सब्सिडी आदि) का लागू लेखांकन मानकों या मानदंडों के अनुसार उचित रूप से लेखा–जोखा रखा गया था और क्या प्राप्त निधियों का उपयोग उसकी शर्तों और नियमों के अनुसार किया गया था? क्या प्राप्त अनुदानों पर अर्जित ब्याज का लेखा–जोखा अनुदान की शर्तों एवं नियमों के अनुसार किया गया है। विचलन के मामलों की सूची बनाएं। | की गई ऑडिट प्रक्रियाओं के आधार पर और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, केंद्र/राज्य सरकार या उसकी एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए कोई धनराशि (अनुदान/सब्सिडी आदि) प्राप्त/प्राप्य नहीं हुई। | शून्य |
| IV. | क्या कंपनी ने प्रमुख जोखिम क्षेत्रों की पहचान की है? यदि हां, तो क्या कंपनी ने इन जोखिमों को कम करने के लिए | हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने प्रमुख जोखिम क्षेत्रों की पहचान की है और इन जोखिमों को कम | शून्य |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | कोई जोखिम प्रबंधन नीति तैयार की है? यदि हाँ, तो (क) क्या जोखिम प्रबंधन नीति वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है? (ख) क्या कंपनी ने अपनी डेटा परिसंपत्तियों की पहचान कर ली है और क्या उसका उचित मूल्यांकन किया गया है? | करने के लिए एक जोखिम प्रबंधन नीति तैयार की है। उक्त नीति कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है और नीति को किसी वैश्विक ढांचे के आधार पर विशेष रूप से बेंचमार्क नहीं किया गया हैय तथापि इसमें कंपनी के परिचालन और जोखिम प्रोफाइल के लिए उपयुक्त माने जाने वाले सिद्धांतों को शामिल किया गया है।<br>हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने किसी भी डेटा संपत्ति की पहचान नहीं की है और परिणामस्वरूप ये मूल्यांकन के अधीन नहीं हैं। | |
| V. | क्या कंपनी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) (सूचीबद्ध दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015, और सेबी, निवेश और सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण, सीईआरटी–आईएन के अन्य लागू नियमों और विनियमों का अनुपालन कर रही है, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और भारत के राष्ट्रीय भुगतान निगम जहां भी लागू हो? यदि नहीं, तो विचलन के मामलों को उजागर किया जा सकता है। | हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण, कंपनी की सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट और हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, कंपनी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के नियमों का अनुपालन कर रही है<br>(सेबी) (प्रत्यायोजन और प्रकटीकरण आवश्यकताओं की सूची) विनियम, 2015, और सेबी, निवेश और सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण, सीईआरटी–आईएन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के अन्य लागू नियम और विनियम, जहां भी लागू हो। | शून्य |

कृते दिनेश जैन एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएनः 004885एन

सीए नेहा जैन
भागीदार
एम सं. 514725
यूडीआईएन 25514725BMLJEI4073

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 29.05.2026

एमएमटीसी लिमिटेड
MMTC LIMITED
भारत सरकार का उपक्रम
A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE
*touching lives, adding value*

# अनुपालन प्रमाण–पत्र

हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) के तहत भारत के सीएंडएजी द्वारा जारी निर्देशों/उप–निर्देशों के अनुसार 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए एमएमटीसी लिमिटेड के खातों का ऑडिट किया है और प्रमाणित करते हैं कि हमने हमें जारी किए गए सभी निर्देशों/उप–निर्देशों का अनुपालन किया है।

कृते दिनेश जैन एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफआरएनः 004885एन

सीए नेहा जैन
भागीदार
एम सं. 514725
यूडीआईएन 25514725BMLJEI4073

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 29.05.2026

## 2025–26 के लिए सैटैंडलोन वित्तीय विवरणों पर ऑडिट रिपोर्ट में ऑडिटर की टिप्पणियों पर प्रबंधन का जवाब

| पैरा सं. | लेखा परीक्षक का अवलोकन | प्रबंधन का जवाब |
|---|---|---|
| 1. | **योग्य राय का आधार** | |
| | जैसा कि एंग्लो कोल मामले के संबंध में वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 11 (फुटनोट–प) में बताया गया है, रुपये की राशि। माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में 1088.62 करोड़ रुपये (जिसमें न्यायालय में जमा 1087.76 करोड़ रुपये तथा कंपनी के बैंक खाते से संलग्न 0.86 करोड़ रुपये शामिल हैं) जमा किये गये थे। राशि का अंतिम निर्धारण माननीय न्यायालय के निर्णय / स्पष्टीकरण के अधीन है।<br>माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने दिनांक 09.05.2025 के आदेश के माध्यम से निर्देश दिया कि "डिक्री धारक (एंग्लो) आज से दो सप्ताह की समाप्ति के बाद अद्यतन अर्जित ब्याज के साथ उक्त राशि निकालने का हकदार होगा"। माननीय सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कंपनी द्वारा दायर एसएलपी को दिनांक 03.11.2025 के आदेश द्वारा खारिज कर दिया गया था।<br>इसके बाद कंपनी ने 03.11.202 को माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष एक आवेदन दायर कर 01.11.2025 तक गणना किए गए ब्याज सहित 1169.14 करोड़ रुपये की कुल देनदारी स्वीकार की।<br>इसके बाद माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के 10.11.2025 के आदेश के अनुसार 17.11.2025 को एंग्लो को 1000 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई। प्रबंधन की गणना के आधार पर, 17.11.2025 तक एंग्लो कोल के प्रति कंपनी की अनुमानित शेष देयता 170.58 करोड़ रुपये है, जिसमें 17.11.2025 तक की गणना की गई ब्याज भी शामिल है।<br>तदनुसार, उपरोक्त मामले के संबंध में कंपनी का अनुमानित वर्तमान दायित्व रु। 170.58 करोड़ रुपये, जिसके विरुद्ध कंपनी ने रु. 170.58 करोड़ रुपये के प्रावधान को मान्यता दी है। केवल 87.76 करोड़, इसके परिणामस्वरूप रुपये की सीमा तक प्रावधान को मान्यता नहीं दी गई है। 82.82 करोड़, कंपनी ने 82.82 करोड़ रुपये का प्रावधान करने के बजाय इस राशि को अपनी आकस्मिक देनदारियों में शामिल कर लिया है, जिसके कारण प्रावधान को कम करके आंका गया है तथा आकस्मिक देनदारियों को 82.82 करोड़ रुपये अधिक करके आंका गया है।<br>82.82 करोड़ रुपये की सीमा तक प्रावधान को मान्यता न देना अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्धारित लेखांकन मानकों से विचलन है। यदि कंपनी द्वारा 82.82 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई होती, तो प्रावधानों में 82.82 करोड़ रुपये की वृद्धि की गई होती और शुद्ध लाभ और शेयरधारकों' के फंड में उक्त राशि की कमी की गई होती। | कंपनी ने लेखापरीक्षा कार्यवाही के दौरान लेखापरीक्षकों को पूर्ण विवरण, सहायक दस्तावेज और प्रबंधन स्पष्टीकरण प्रदान किए हैं।<br>एंग्लो कोल मामले में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा पारित दिनांक 06.05.2022 और 07.07.2022 के आदेशों के अनुसार, एमएमटीसी लिमिटेड ने कुल 1088.62 करोड़ रुपये जमा किए थे, जिसमें शामिल हैं:<br>• माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल के पास जमा दिनांक 20.07.2022 के डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से 1087.76 करोड़ रुपयेय तथा<br>• एमएमटीसी के भुवनेश्वर बैंक खाते से 0.86 करोड़ रुपये जमा किये गये।<br>1088.62 करोड़ रुपये की उपरोक्त राशि को पहले ही पूरी तरह से मान्यता दे दी गई है तथा कंपनी की लेखा पुस्तकों में इसका प्रावधान कर दिया गया है।<br>इसके बाद माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेशानुसार जमा राशि में से 17.11.2025 को एंग्लो को 1000 करोड़ रुपये जारी किए गए।<br>दिल्ली उच्च न्यायालय, एलडी में आवेदन दायर करने के लिए। अधिवक्ता ने एमएमटीसी को 01.11.2025 तक ब्याज गणना पर विचार करते हुए अनुमानित गणना पत्रक उपलब्ध कराने की सलाह दी।<br>रुपये के लिए उपरोक्त गणना / कार्य। 1170.00 करोड़ प्रस्तुत किये गय:<br>• न्यायिक निर्देशों के अनुसार,<br>• कार्यवाही के दौरान,<br>• अनंतिम और बिना किसी पूर्वाग्रह के आधार पर,<br>• और, आगे की दलीलों और निर्णय के अधीन, विशेष रूप से:<br>(i) लागू यूएसडी विनिमय दर।<br>(पप) अंतिम देय राशि के निर्धारण की पद्धति।<br>तदनुसार, प्रबंधन का मानना है कि उक्त गणना / कार्य को कंपनी द्वारा अंतिम क्रिस्टलीकरण या दायित्व की बिना शर्त स्वीकृति / प्रवेश के रूप में नहीं माना जा सकता है।<br>इसके अलावा, जुलाई 2022 में एमएमटीसी द्वारा की गई 1088. 62 करोड़ रुपये की मूल जमा राशि के मुकाबले, 01.11.2025 तक लगभग 259.74 करोड़ रुपये की पर्याप्त ब्याज उपार्जन हुआ था, जबकि यह राशि माननीय न्यायालय के संरक्षण में रही। इसका खुलासा लेखा नोट संख्या 10 में किया गया है। न्यायालय द्वारा तय की गई देय ब्याज दर न्यायालय में जमा राशि पर अर्जित बैंक ब्याज दर से कम है।<br><br>ऐसा उपार्जित ब्याज किसी भी अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो, के विरुद्ध समायोजन के लिए उपलब्ध था, जो अंततः अंतिम न्यायिक निर्धारण के अनुसार देय हो सकता है–<br>तदनुसार, जमा राशि के विरुद्ध उपलब्ध पर्याप्त उपार्जित ब्याज पर विचार करते हुए, प्रबंधन ने मूल्यांकन किया कि लेखापरीक्षा योग्यता में उल्लिखित 82–82 करोड़ रुपये की कथित अंतर देयता के संबंध में कंपनी से संसाधनों का कोई पृथक या वृद्धिशील बहिर्वाह अपेक्षित नहीं है–<br>इंड एएस 37 – "प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां", के अनुसार किसी प्रावधान को तभी मान्यता दी जानी आवश्यक है जब निम्नलिखित सभी शर्तें पूरी हों:<br>(क) किसी इकाई का वर्तमान दायित्व (कानूनी या रचनात्मक) है |

| | | |
|---|---|---|
| | | जो किसी पिछली घटना का परिणाम है;<br>(ख) यह संभव है कि दायित्व के निपटान के लिए आर्थिक लाभ वाले संसाधनों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी, तथा<br>(ग) दायित्व की राशि का विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है–<br>उपरोक्त लेखांकन मानक के संदर्भ में, (ख) में उल्लिखित शर्त पूरी नहीं होती है क्योंकि 82–82 करोड़ रुपये के संभावित बहिर्वाह की संभावना शून्य है, न्यायालय के पास उपलब्ध उपार्जित ब्याज पर विचार करते हुए–<br>कंपनी ने 1088–62 करोड़ रुपये की मूल देयता को उचित रूप से मान्यता दी थी, उक्त जमा राशि से अधिक वृद्धिशील राशि निम्नलिखित के अधीन रही:<br>• माननीय न्यायालय द्वारा निर्णय,<br>• लागू ई–परिवर्तन दर और संबंधित कार्यप्रणाली पर न्यायिक स्पष्टीकरण, और<br>• माननीय न्यायालय के पास पड़े उपार्जित ब्याज के विरुद्ध समायोजन–<br>उपरोक्त तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए, प्रबंधन वैधानिक लेखा परीक्षकों द्वारा की गई योग्यता से सम्मानपूर्वक असहमत है क्योंकि रिपोर्टिंग तिथि पर 82–82 करोड़ रुपये का प्रावधान उचित नहीं था और इसे आकस्मिक देयता के रूप में उचित रूप से प्रकट किया गया है– |
| | **संपरीक्षा की मुख्य बातें** | |
| 1. | **महत्वपूर्ण आकस्मिक देनदारियों का आकलन (योग्य राय अनुभाग के आधार में वर्णित मामले के अलावा)**<br>कंपनी के खिलाफ विभिन्न मंचों पर कई मुकदमे लंबित हैं और आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट की जाने वाली राशि का अनुमान लगाने के लिए प्रबंधन के निर्णय की आवश्यकता है।<br>हमने इसे एक प्रमुख लेखापरीक्षा मामले के रूप में पहचाना है, क्योंकि जिन अनुमानों पर ये राशियां आधारित हैं, उनमें मामलों की व्याख्या करने और उन विवादों के संभावित परिणाम निर्धारित करने तथा मामलों को आगे बढ़ाने के लिए स्वतंत्र कानूनी मूल्यांकन करने में प्रबंधन के निर्णय की महत्वपूर्ण डिग्री शामिल होती है और यह प्रबंधन पूर्वाग्रह के अधीन हो सकता है।<br>(लेखा नीति संख्या 2.14 के साथ पढ़े गए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए नोट संख्या 34 देखें)<br>**लेखा परीक्षक का जवाब:**<br>हमने आकस्मिक देयताओं के आकलन और प्रकटीकरण के संबंध में कंपनी के आंतरिक निर्देशों और प्रक्रियाओं की समझ प्राप्त कर ली है और निम्नलिखित लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं अपनाई हैं:<br>• हमने 31 मार्च 2026 तक कॉर्पोरेट कार्यालय कानूनी प्रभाग में निपटाए गए सभी लंबित कानूनी मामलों की सूची प्राप्त की, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में मामलों की स्थिति में हुए परिवर्तनों पर प्रबंधन का एक नोट भी शामिल है।<br>• लंबित मुकदमेबाजी मामलों के लिए सभी प्रासंगिक जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रबंधन द्वारा स्थापित नियंत्रणों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता को समझा और परीक्षण किया;<br>• किसी भी भौतिक विकास और कानूनी मामलों की नवीनतम स्थिति के संबंध में प्रबंधन के साथ चर्चा की गई,<br>• मुकदमेबाजी के मामलों से संबंधित विभिन्न पत्राचार और संबंधित दस्तावेजों को पढ़ना और प्रबंधन द्वारा प्राप्त प्रासंगिक बाहरी कानूनी राय और आकस्मिक देनदारियों के प्रकटीकरण का समर्थन करने वाली गणनाओं पर ठोस प्रक्रियाएं निष्पादित करना;<br>• प्रावधानों की आवश्यकता है या नहीं, इसके संबंध में प्रबंधन के निर्णयों और आकलन की जांच की;<br>• उन मामलों के प्रबंधन आकलन पर विचार किया गया जिन्हें आकस्मिक दायित्व के रूप में प्रकट नहीं किया गया है क्योंकि सामग्री | आकस्मिक देनदारियों को मान्यता नहीं दी जाती है, लेकिन खातों के नोट्स में उनका खुलासा किया जाता है, जब कंपनी पर पिछली घटनाओं के कारण संभावित दायित्व होता है और दायित्व का अस्तित्व भविष्य की घटनाओं के घटित होने या न होने पर निर्भर करता है, जो पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं होती हैं। प्रबंधन ने मामलों का उचित मूल्यांकन किया है तथा स्वतंत्र एवं समेकित वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 34 में आकस्मिक देयताओं का खुलासा किया है। |

| | | |
|---|---|---|
| | • के बहिर्वाह की संभावना दूरस्थ मानी जाती है;<br>• प्रकटीकरण की पर्याप्तता और पूर्णता की समीक्षा की;<br>निष्पादित लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, हमारी रिपोर्ट के योग्य राय के आधार अनुभाग में वर्णित मामले को छोड़कर, हमने प्रबंधन के मूल्यांकन और महत्वपूर्ण आकस्मिक देनदारियों के संबंधित प्रकटीकरण में किसी भी भौतिक अपवाद की पहचान नहीं की। | |
| | **गोइंग कंसर्न से संबंधित भौतिक अनिश्चितता** | |
| | हम संलग्न वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 36(के) की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, जिसमें कहा गया है कि, एमएमटीसी को प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा विभिन्न संयुक्त उद्यमों से बाहर निकलने सहित जनशक्ति को कम करने के लिए एक रोडमैप तैयार करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा व्यवसाय संचालन से बाहर निकलने के निर्देश भी दिए गए हैं। हालाँकि, पवन मिल व्यवसाय अभी भी चालू है। सरकार ने अभी तक एमएमटीसी के लिए निकास मार्ग तय नहीं किया है। चूंकि मंत्रालय की ओर से बंद करने आदि के लिए कोई सूचना नहीं है, इसलिए चालू व्यवसाय की यथास्थिति बनाए रखी जा रही है तथा खाते चालू व्यवसाय के आधार पर तैयार किए गए हैं।<br>इस मामले के संबंध में हमारी राय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। | चालू व्यवसाय की यथास्थिति बनाए रखी जा रही है। कंपनी ने नोट संख्या 36(के) में बताए अनुसार संबंधित आधार पर खाते तैयार किए हैं। |
| | **मामलों पर जोर** | |
| 1. | हम संलग्न वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 10 के फुटनोट की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, जिसमें कहा गया है कि, कंपनी ने अनिश्चितताओं के मद्देनजर, वर्तमान अवधि के दौरान आगे ले जाने वाले घाटे और समय के अंतर के संबंध में आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता नहीं दी है। इसके अलावा, आस्थगित कर परिसंपत्ति का शेष पहले से ही पुस्तकों में दिखाई दे रहा है, जिसकी राशि रु. वर्ष के दौरान भारतीय कर 12 – "आयकर" के अनुसार 163.79 करोड़ रुपये समायोजित / मान्यतामुक्त किये गये हैं। | वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान, वैधानिक लेखा परीक्षक ने 'अन्य मामले' के तहत अपनी रिपोर्ट में बताया कि आस्थगित कर परिसंपत्ति रुपये के उपयोग के लिए पर्याप्त भविष्य की कर योग्य आय की उपलब्धता अनिश्चित है। 163.79 करोड़. ऑडिट अवलोकन के जवाब में, एमएमटीसी ने वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान लागू इंड एएस के अनुसार डीटीए की समीक्षा और समायोजन करने का आश्वासन दिया है।<br>जैसा कि ऊपर बताया गया है, भविष्य में व्यवसाय कर योग्य आय की कोई संभावना नहीं है, इसलिए पुस्तकों में पड़े डीटीए शेष को भारतीय लेखा मानक 12 के अनुपालन के अनुसार अमान्य कर दिया गया है और नोट संख्या 10 में इसका विधिवत खुलासा किया गया है। |
| 2. | हम नोट संख्या 11 की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, जिसे संलग्न वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 32(पप)(ए) के साथ पढ़ा गया है, जिसमें कहा गया है कि, मुकदमेबाजी निपटान के खिलाफ रखे गए सोने / चांदी / आभूषण / धूल / सोल्डर और अन्य चालू परिसंपत्तियों और असाधारण वस्तुओं के तहत दिखाई देते हैं, जिनकी राशि रु. माननीय सुप्रीम कोर्ट के 24.04.2025 के आदेश के अनुसार 19.01.2026 को सीमा शुल्क विभाग से प्राप्त 12503.700 ग्राम जब्त सोने के आभूषण / धूल / सोल्डर आदि का मूल्य 13.21 करोड़ है। यह वित्तीय वर्ष 1991–92 के दौरान एक्जिम नीति के तहत निर्यात के लिए एमएमटीसी द्वारा अपने एक सहयोगी को सोने की आपूर्ति के खिलाफ कंपनी द्वारा दायर कानूनी मामले से संबंधित है। इसे बीआईएस अनुमोदित हॉलमार्किंग सेंटर द्वारा प्रमाणित किया गया है और प्रमाणित मात्रा और शुद्धता को ध्यान में रखते हुए 19 जनवरी 2026 तक इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा प्रकाशित दरों के आधार पर प्रबंधन द्वारा मूल्यांकन किया गया है। यह मूल्यांकन किसी स्वतंत्र पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता द्वारा नहीं किया गया है, क्योंकि कंपनी का मानना है कि प्रमाणित शुद्धता और आईबीजेए द्वारा घोषित दरों के आधार पर उपरोक्त स्वर्ण वस्तुओं का निर्धारित मूल्यांकन उचित और उचित है। | भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने दिनांक 24.24.2025 के आदेश के तहत सीमा शुल्क विभाग को जब्त किए गए सोने को एमएमटीसी को सौंपने का निर्देश दिया।<br>यह मामला वित्तीय वर्ष 1991–92 के दौरान एम.एम.टी.सी. द्वारा मेसर्स रैमसन्स ज्वैलर्स को आभूषणों के निर्यात के लिए सोने की आपूर्ति से संबंधित है। प्रचलित नीति के अनुसार, निर्यातक को सोना जारी करने की तारीख से 120 दिनों के भीतर निर्यात दायित्व को पूरा करना आवश्यक था। हालाँकि, मेसर्स रैमसन ज्वैलर्स निर्धारित अवधि के भीतर एमएमटीसी द्वारा आपूर्ति किए गए लगभग 19 किलोग्राम सोने का निर्यात करने में विफल रहा।<br>इसके बाद, 1997 में, सीमा शुल्क विभाग,एनएसईजेड ने मेसर्स रैमसन ज्वैलर्स के कारखाने के परिसर से सोने के आभूषण, सोने की धूल और सोने के सोल्डर सहित विभिन्न रूपों में 12503.700 ग्राम सोना जब्त किया। जब्त की गई सामग्री एमएमटीसी की हिरासत में सीमा शुल्क–सीलबंद पार्सल में रही।<br>माननीय सुप्रीम कोर्ट के उपरोक्त आदेश के अनुसार, एमएमटीसी डीआरओ ने 19.01.2026 को सीमा शुल्क विभाग से जब्त किए गए पार्सल को अपने कब्जे में ले लिया।<br>तदनुसार, मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए, इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा प्रकाशित 19.01.2026 को प्रचलित सोने की दर पर विचार किया गया है, क्योंकि एमएमटीसी ने उस तारीख को जब्त किए गए सोने का भौतिक कब्जा हासिल कर लिया था।<br>इसके अलावा, जब्त किए गए पार्सल में मौजूद सोने के आभूषण, सोने की धूल और सोने के सोल्डर की शुद्धता का निर्धारण एक स्वतंत्र बीआईएस–अनुमोदित हॉलमार्किंग सेंटर द्वारा जारी |

| | | |
|---|---|---|
| | | एक्सआरएफ विश्लेषण और अग्नि परख रिपोर्ट के आधार पर किया गया है।<br>इसलिए मूल्यांकन उपरोक्त परीक्षण रिपोर्टों के माध्यम से स्थापित शुद्धता और 19.01.2026 को लागू आईबीजेए सोने की दर के आधार पर किया गया है। |
| 3. | हम संलग्न वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 32(i) की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, जिसमें कहा गया है कि, नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल)–संयुक्त उद्यम कंपनी विनिवेश 4.7.2022 को पूरा हो गया है;<br>एनआईएनएल के विनिवेश के लिए शेयर खरीद समझौते (एसपीए) के खंड के अनुसार, विनिवेश के बाद एनआईएनएल पर कोई भी अप्रत्याशित देयता, एसपीए के वारंटी खंड के अनुसार, पूरा होने की तारीख से 3 वर्ष की अवधि तक विक्रेताओं/प्रवर्तकों द्वारा वहन की जाएगी। विक्रेताओं और प्रमोटरों की कुल देनदारी बिक्री पर विचार और उनके संबंधित विक्रेता ऋण के निर्वहन के माध्यम से विक्रेताओं द्वारा बोली राशि से प्राप्त राशि के 20: से अधिक नहीं हो सकती है। इस संबंध में एमएमटीसी की अधिकतम देनदारी, यदि कोई हो, 1067 करोड़ रुपये है। 3 वर्ष की अवधि 04.07.2025 को समाप्त हो गई है और उस तिथि तक कोई देयता अर्जित नहीं हुई है।<br>रुपये की राशि। 774.95 करोड़ (एमएमटीसी का हिस्सारू रु. 411.76 करोड़), एसबीआई, भुवनेश्वर के साथ ब्याज वाले एस्क्रो खाते में रखा गया, 04.07.2025 को परिपक्व हुआ। चूंकि तीन वर्ष की सीमा अवधि उसी तिथि को समाप्त हो गई, इसलिए 04.07.2025 तक एस्क्रो खाते में उपलब्ध राशि अर्जित ब्याज के साथ एनआईएनएल के प्रमोटरों के बीच वितरित की गई। तदनुसार, एमएमटीसी को रु. मूलधन के लिए 411.76 करोड़ रुपये और रु. 04.07.2025 को ब्याज के रूप में 25.75 करोड़ रुपये (टीडीएस और बैंक शुल्क को छोड़कर)। उपरोक्त राशि रु. असाधारण मदों के तहत वर्ष के लिए 411.76 करोड़ की आय दर्ज की गई है।<br>04.07.2025 को 3 वर्ष की सीमा अवधि की समाप्ति के मद्देनजर, आज की तारीख तक एनआईएनएल से कुछ भी देय/प्राप्य नहीं है। | नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल)–संयुक्त उद्यम कंपनी का विनिवेश 4.7.2022 को पूरा हो गया है।<br>एनआईएनएल के विनिवेश के लिए शेयर खरीद समझौते (एसपीए) के अनुसार, एनआईएनएल पर विनिवेश के बाद किसी भी अप्रत्याशित देयता के लिए 3 वर्ष की सीमा अवधि, जो विक्रेताओं द्वारा बोली राशि से प्राप्त राशि के 20: से अधिक नहीं है, भी 04.07.2025 को पूरी हो गई है और कोई देयता अर्जित नहीं हुई है।<br>इसके अलावा, रुपये की राशि भी दी जाएगी। 774.95 करोड़ (एमएमटीसी का हिस्सारू रु. 411.76 करोड़), एसबीआई, भुवनेश्वर के साथ ब्याज वाले एस्क्रो खाते में रखा गया, 04.07.2025 को परिपक्व हुआ और चूंकि तीन साल की सीमा अवधि भी उसी तारीख को समाप्त हो गई, इसलिए 04.07.2025 को एस्क्रो खाते में उपलब्ध राशि अर्जित ब्याज के साथ एनआईएनएल के प्रमोटरों के बीच उनके शेयर होल्डिंग अनुपात में वितरित की गई। तदनुसार, एमएमटीसी को रु. मूलधन के लिए 411.76 करोड़ रुपये और रु. 04.07.2025 को ब्याज के रूप में 25.75 करोड़ रुपये (टीडीएस और बैंक शुल्क को छोड़कर) दिए गए और इसका हिसाब एमएमटीसी की पुस्तकों में दर्ज किया गया।<br>इसके अलावा, एस्क्रो खाता बंद कर दिया गया है क्योंकि आज की तारीख में एनआईएनएल से कुछ भी देय/प्राप्य नहीं है। |
| 4. | हम संलग्न वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 31 के फुटनोट की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, जिसमें कहा गया है कि, वर्ष के दौरान, रुपये की व्यापार प्राप्य राशि। कैंप ऑफिस चेन्नई द्वारा 75.49 करोड़ रुपये को खराब ऋण के रूप में बट्टे खाते में डाल दिया गया है तथा इसके विरुद्ध संबंधित प्रावधानों को असाधारण मदों के अंतर्गत वापस लिख दिया गया है। | व्यापार प्राप्य को बट्टे खाते में डालने और संबंधित प्रावधान को वापस लिखने से वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान कंपनी की लाभप्रदता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। |
| 5. | हम संलग्न वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 36(डी) की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, जिसमें कहा गया है कि कंपनी ने रु. 100 रुपये का वसूली मुकदमा दायर किया है। मेसर्स के मुकाबले 31.40 करोड़ रुपये। आर्यावार्ट इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड। (एआईपीएल) मिंट बिक्री लेनदेन (पीवाई) के संबंध में रुपये। 31.40 करोड़ रुपये) जिसमें रु. 100 रुपये का अतिदेय ब्याज भी शामिल है। 2. 95 करोड़ (पीवाई रुपये। 2.95 करोड़ रुपये) जो कंपनी के पक्ष में घोषित किया गया है। एमएमटीसी ने निष्पादन याचिका दायर की और मामले की सुनवाई 08.06.2026 को होगी। कंपनी ने रुपये की राशि बट्टे खाते में डाल दी है। वर्ष 2015–16 में इसकी प्राप्ति न होने के कारण यह 28.45 करोड़ रुपये हो गया। मेसर्स एआईपीएल ने सरकारी टकसाल/एमएमटीसी के खिलाफ रु. के हर्जाने के लिए मुकदमा भी दायर किया है। 167.20 करोड़ (पीवाई रुपये 167.20 करोड़ रुपये) जो कानूनी राय के अनुसार मान्य नहीं है और इस पर विवाद चल रहा है। इसके अलावा, इसे आकस्मिक दायित्व नहीं माना गया है क्योंकि प्रबंधन का मानना है कि इस मामले में कंपनी पर कोई वर्तमान या संभावित दायित्व नहीं है। | कंपनी ने रु. 100 रुपये का वसूली मुकदमा दायर किया है। मेसर्स के मुकाबले 31.40 करोड़ रुपये। आर्यावार्ट इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड। (एआईपीएल) अब अनमोल ट्रेडलाइन प्राइवेट लिमिटेड में बदल गया है। (एटीपीएल) मिंट बिक्री लेनदेन (पीवाई) के संबंध में रुपये। 31.40 करोड़ रुपये) जिसमें रु. 100 रुपये का अतिदेय ब्याज भी शामिल है। 2.95 करोड़ (पीवाई रुपये। 2.95 करोड़ रुपये) जो कंपनी के पक्ष में घोषित किया गया है। एमएमटीसी ने निष्पादन याचिका दायर की और मामले की सुनवाई 01.08.2025 को हुई और माननीय न्यायालय ने एटीपीएल को हलफनामा और स्वीकृति और अस्वीकृति दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया है। कंपनी ने रुपये की राशि बट्टे खाते में डाल दी है। वित्त वर्ष 2015–16 में इसकी प्राप्ति न होने के कारण यह 28.45 करोड़ रुपये था। मेसर्स एआईपीएल (अब एटीपीएल में बदल गया) ने भी एमएमटीसी के खिलाफ रुपये के हर्जाने के लिए मुकदमा दायर किया है। 167.20 करोड़ रुपये का जुर्माना कानूनी राय के अनुसार मान्य नहीं है और इस पर विवाद चल रहा है। एमएमटीसी ने इस संबंध में माननीय न्यायालय के समक्ष अस्वीकृति हलफनामा दायर किया है। इसके अलावा, इसे आकस्मिक दायित्व नहीं माना गया है क्योंकि प्रबंधन का मानना है कि इस मामले में कंपनी पर कोई वर्तमान या संभावित दायित्व नहीं है।''<br>मामला अहमदाबाद के वाणिज्यिक न्यायालय में लंबित है। मामला न्यायाधीश श्री प्रजापति की नव नामित वाणिज्यिक अदालत के समक्ष सुनवाई के लिए आया।<br>न्यायालय द्वारा बैंकों को जारी नोटिस के जवाब में, सोशल को–ऑपरेटिव बैंक और मेहसाणा को–ऑपरेटिव बैंक उपस्थित हुए और खाते का विवरण दाखिल किया। इंडसइंड बैंक ने कहा कि यदि उन्हें एआईपीएल और एटीपीएल का पैन मिल जाए तो वे बैंक खाते का विवरण प्रस्तुत करेंगे।<br>मामला 18.08.2026 तक स्थगित है। |

# वित्तीय विवरण

## 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

एमएमटीसी लिमिटेड
भारत सरकार का उपक्रम
A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE
*touching lives, adding value*

## एमएमटीसी लिमिटेड
## 31.03.2026 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र

( रु. करोड़ में)

| विवरण | टिप्पणी संख्या | 31.03.2026 को | 31.03.2025 को |
|---|---|---|---|
| परिसंपत्तियां | | | |
| **गैर चालू परिसंपत्तियां** | | | |
| संपत्ति, प्लांट तथा उपकरण | 3 | 13.82 | 19.07 |
| संपत्ति उपयोग का अधिकार | 3 | 2.39 | 2.48 |
| कार्यशील पूंजीगत | 3 | - | 0.01 |
| निवेश संपत्ति | 4 | 2.60 | 2.67 |
| अन्य अभूर्त परसंपत्तियां | 5 | 0.03 | 0.08 |
| वित्तीय परसंपत्तियां | | | |
| निवेश | 6ए | 111.55 | 81.50 |
| व्यापार प्राप्य | 7ए | - | - |
| ऋण | 8 | 1.66 | 2.21 |
| अन्य | 9 | 23.39 | 24.53 |
| स्थगित कर परिसंपत्तियां | 10 | - | 157.42 |
| अन्य गैर चालू परिसंपत्तियां | 11ए | 22.99 | 28.75 |
| **चालू परिसंपत्तियां** | | | |
| अन्वेंट्रीज | 12 | 0.00 | 0.36 |
| वित्तीय परिसंपत्तियां | | | |
| निवेश | 6बी | - | - |
| व्यापार प्राप्य | 7बी | 24.04 | 119.04 |
| नगद तथा नगद समतुल्य | 13 | 2.70 | 29.77 |
| उपरोक्त के अलावा बैंक शेष | 14 | 1,785.97 | 1,309.08 |
| ऋण | 11.85 | 40.90 | |
| अन्य | 9 | 96.82 | 92.53 |
| वर्तमान कर परिसंपत्तियां (निबल) | 15 | 82.39 | 21.23 |
| अन्य चालू परिसंपत्तियां | 11बी | 192.08 | 1,300.68 |
| बिक्री के लिए रोकी गई संपत्ति | 6सी | - | - |
| **कुल परिसंपत्ति** | | 2,374.28 | 3,232.31 |
| **इक्विटी तथा देयता** | | | |
| **हिस्सेदारी** | | | |
| इक्विटी शेयर पूंजी | 16ए | 150.00 | 150.00 |
| अन्य इक्विटी | 16बी | 1,549.13 | 1,306.05 |
| **देयताएं** | | | |
| **गैर–चालू देयताएं** | | | |
| वित्तीय देयताएं | | | |
| लीज देयताएं | 19ए | 2.40 | 2.42 |
| व्यापार प्राप्य | 20ए | 21.64 | 27.08 |
| अन्य वित्तीय देनदारियाँ | 10 | 4.77 | - |
| वर्तमान देनदारियां | | | |
| वित्तीय देनदारियां | | | |
| उधार | 17बी | - | - |
| लीज देनदारियां | 19बी | 0.02 | 0.02 |
| व्यापारिक | 18 | | |
| **सूक्ष्म और लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि** | | 0.14 | 0.12 |
| कुल सूक्ष्म और लघु उद्यम बकाया देय | | | |
| कुल सूक्ष्म और लघु उद्यम से अलग देनदारी | | 237.99 | 239.38 |
| अन्य वित्तीय देनदारियाँ | | | |
| अन्य वर्तमान देनदारियां | 21 | 39.65 | 240.99 |
| प्रावधानों | 20बी | 130.67 | 1,086.83 |
| वर्तमान कर देयताएं (शुद्ध) | 22 | 89.71 | 21.88 |
| **कुल शेयर और देनदारिया** | | 2,374.28 | 3,232.31 |

वित्तीय विवरण के साथ संलग्न टिप्पणियों को देख हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार — 1 to 54

निदेशक मंडल के लिए तथा उसकी ओर से

**कृते दिनेश जैन एण्ड एसोसिएटस**
चार्टर्ड एकाउंटेंटस
एफ.आर. नं: 004885N

| (सीए नेहा जैन) | (अजय कुमार मिश्रा) | (बी. डी. दास) | (अनूपा शंकरनकुट्टी नायर) |
|---|---|---|---|
| पार्टनर | कम्पनी सचिव | उप महाप्रबंधक (विवले) | निदेशक (वित्त) |
| एम. नं. 514725 | एसीएस-11499 | | डीआईएन : 11138663 |

दिनांक : 29.05.2026
स्थान : नई दिल्ली

(जतिन्दरजीत सिंह मान)
निदेशक (विपणन)
डीआईएन 11535429

(नितिन कुमार यादव)
सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार)
डीआईएन : 03104045

## एमएमटीसी
## 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ व हानि विवरण

(रु. करोड़ में)

| विवरण | टिप्पणी की संख्या | 31.03.2026 को समाप्त वर्ष | 31.03.2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|---|
| आय | | | |
| परचालन से राजस्व | 23 | **3.41** | 2.69 |
| अन्य आय | 24 | **177.17** | 260.09 |
| कुल आय **(I)** | | **180.58** | **262.78** |
| व्यय | | | |
| उपभोग की सामग्री कर नसगत | 25 | **0.01** | - |
| व्यापार में स्टॉक की खरीद | 26 | **-** | - |
| तैयार माल की इंवेंट्रीज, स्टॉक इन ट्रेड और वर्क इन में परिवर्तन | 27 | **0.35** | 0.00 |
| कर्मचारी का लाभ व्यय | 28 | **78.18** | 111.25 |
| मूल्यह्रास, हानि और परिशोधन व्यय | 29 | **0.78** | 0.88 |
| मूल्याह्रास तथा | 30 | **5.14** | 4.51 |
| अन्य खर्चों | 31 | **106.52** | 30.10 |
| **कुल व्यय (II)** | | **190.98** | **146.74** |
| **छूट वाली वस्तुओं और करों से पहले लाभ/(हानि) (I-II)** | | **(10.40)** | 116.04 |
| असाधारण मदें – खर्च/(आय) | 32 | **(473.70)** | 18.84 |
| **टैक्स से पहले लाभ/(हानि)** | | **463.30** | **97.20** |
| **कर व्यय** | 33 | | |
| वर्तमान कर | | **89.43** | 22.72 |
| पिछली अवधियों से संबंधित समायोजन | | **(0.39)** | 0.77 |
| आस्थगित कर | | **162.19** | 4.18 |
| **कुल कर व्यय** | | **251.23** | **27.67** |
| **वर्ष के लिए लाभ/(हानि) (ए)** | | **212.07** | **69.53** |
| **अन्य व्यापक आय (हानि)** | | | |
| **ऐसी मदें जिन्हें लाभ या हानि में पुनरूवर्गीकृत नहीं किया जाएगाः** | | | |
| –परिभाषित लाभ योजना का पुनर्मूल्यांकन | | **1.24** | (3.32) |
| –अन्य व्यापक आय के माध्यम से हिस्सा उपकरण | | **30.05** | 34.64 |
| –आयकर प्रभाव | | **(0.28)** | 0.84 |
| **कुल अन्य व्यापक आय/(हानि) नेट आफ टेक्स (बी)** | | **31.01** | **32.16** |
| **कुल अन्य व्यापक आय/(हानि) नेट आफ टेक्स (ए)+(बी)** | | **243.08** | **101.69** |
| **प्रति इक्विटी शेयर से अर्जनः** | | | |
| बेसिक व डाइल्यूटेड (रु. में) | 43 | **1.41** | **0.46** |

वित्तीय विवरण के साथ संलग्न टिप्पणियों को देख 1 to 54
हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

निदेशक मंडल के लिए तथा उसकी ओर से

**कृते दिनेश जैन एण्ड एसोसिएटस**
चार्टर्ड एकाउंटेंटस
एफ.आर. नं.: 004885N

| | | | |
|---|---|---|---|
| **(सीए नेहा जैन)** | **(अजय कुमार मिश्रा)** | **(बी. डी. दास)** | **(अनूपा शंकरनकुट्टी नायर)** |
| पार्टनर | कम्पनी सचिव | उप महाप्रबंधक (वियत्ते) | निदेशक (वित्त) |
| एम. नं. 514725 | एसीएस-11499 | | डीआईएन : 11138663 |

**दिनांक : 29.05.2026**
**स्थान : नई दिल्ली**

**(जतिन्दरजीत सिंह मान)**
निदेशक (विपणन)
डीआईएन 11535429

**(नितिन कुमार यादव)**
सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार)
डीआईएन : 03104045

## एमएमटीसी
## 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह विवरण

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31.03.2026 को समाप्त वर्ष के लिए | | 31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए | |
|---|---|---|---|---|
| **ए. प्रचालन गतिविधियों से नगद प्रवाह** | | | | |
| कर से पहले निवल लाभ | | 638.61 | | 114.30 |
| के लिए समायोजनः- | | | | |
| विनिवेश पर व्यय | | - | - | |
| मूल्यह्रास तथा परिशोधन व्यय | 5.14 | | 4.51 | |
| निवल विदेशी मुद्रा (लाभ/हानि) | 0.05 | | 0.06 | |
| पीपीई और संपत्ति के उपयोग के अधिकार की बिक्री पर (लाभ)/हानि | 0.33 | | (0.15) | |
| विनिवेश की बिक्री पर लाभ/हानि | (411.76) | | (27.71) | |
| गैर चालू निवेश की मूल्य में कमी के लिए प्रावधान | - | | - | |
| व्याज आय | (134.15) | | (141.88) | |
| लाभांश आय | (33.07) | | (108.34) | |
| वित्त लागत | 0.57 | | 0.76 | |
| लीज पर ब्याज खर्च | 0.21 | | 0.12 | |
| बट्टे खाते में डाले गये ऋण/दावे | 75.49 | | 0.01 | |
| सीएसआर व्यय | - | - | | |
| संदिग्ध ऋणों/दावे व अग्रिमों के लिए भत्ता | 3.56 | - | | |
| प्रावधान जिसकी अब आवश्यकता नहीं है | (81.44) | | (4.43) | |
| रिटन बैंक देयताएं | (4.51) | | (2.57) | |
| डीडब्ल्यूए जोखिम के लिए प्रावधान | - | - | | |
| संयुक्त उद्यमों के (लाभ)/हानि का हिस्सा, जिसका हिसाब इस तरह रखा गया है | (175.31) | | (17.10) | |
| | | (754.88) | | (296.72) |
| **कार्यगत पूंजी में परिवर्तनों से पूर्व परिचालन लाभ के लिए समायोजनः–** | | **(116.28)** | | **(182.42)** |
| इन्वेंट्रीज | 0.36 | | - | |
| व्यापार प्राप्ति योग्य | 97.34 | | 7.55 | |
| ऋण व अन्य वित्तीय परिसंपत्तिया | 26.45 | | (20.58) | |
| अन्य चालू व गैर चालू परिसंपत्तियां | 637.47 | | (119.26) | |
| व्यापार प्राप्य | 3.14 | | 2.35 | |
| अन्य वित्तीय देयताएं | (9.40) | | (12.80) | |
| अन्य चालू व गैर चालू देयताएं | (201.34) | | (21.23) | |
| प्रावधान | (960.63) | (406.61) | 2.02 | (161.95) |
| | | (522.89) | | (344.36) |
| प्रदत्त कर | | (82.37) | | (22.86) |
| **प्रचालन गतिविधियों से निवल रोकड़ प्रवाह** | | **(605.26)** | | **(367.23)** |
| **बी. निवेश गतिविधियों से रोकड़ प्रवाह** | | | | |
| अचल परिसंपत्तियों की खरीद | (0.09) | | (0.23) | |
| अचल परिसंपत्तियों की बिक्री | 0.08 | | 0.45 | |
| निवेश की बिक्री/(खरीद) | 411.77 | | 27.71 | |
| प्राप्त किया गया व्याज | 134.15 | | 141.88 | |
| प्राप्त किया गया लाभांश | 33.07 | 578.98 | 108.34 | 278.15 |
| निवेश गतिविधियों से निवल रोकड़ प्रवाह | | 578.98 | | 278.15 |
| **सी. वित्त गतिविधियों से रोकड़ प्रवाह** | | | | |
| लिये गये उधार | - | | - | |
| वित्त लागत | (0.57) | | (0.76) | |
| लीज (ब्याज) | (0.21) | | (0.12) | |
| प्रदत्त लाभांश (लाभांश वितरण कर) | - | (0.78) | - | (0.88) |
| **वित्तीय कार्यकलापों से निवल नगदी** | | **(0.78)** | | (0.88) |
| **डी. नगद व नगद समतुल्य में निवल परिवर्तन** | | **(27.07)** | | (89.95) |
| **ई. आरंभिक नगद व नगद समतुल्य (नोट संख्या 13)** | | **29.77** | | 119.72 |
| **एफ. अंतिम नगद व नगद समतुल्य (नोट संख्या 13)** | | **2.70** | | **29.77** |

टिप्पणी :

1. उपरोक्त नगद प्रवाह विवरण "अप्रत्यक्ष पद्धति" के तहत जैसाकि नगद प्रवाह विवरण के विशय में इंड एएस–7 में बताया गया है के अनुसार तैयार किया गया है।
2. शाखा कार्यालयों से प्राप्त सूचना के आधार पर कारपोरेट कार्यालय में एकूअल और डेफटल के लिए समायोजन
3. नगद तथा नगद समतुल्य में शामिल है–

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 तक | 31 मार्च 2025 तक |
|---|---|---|
| बैंकों में उपलब्ध शेष | | |
| (ए) चालू खाते में | 0.33 | 0.37 |
| (बी) 3 माह तक की मूल परिपक्वता वाले टर्म डिपाजिट्स | - | 27.94 |
| (सी) कैश क्रेडिट खाते में डेबिट शेष | 2.37 | 1.46 |
| उपलब्ध चेक / ड्राफ्ट / स्टाम्प | . | . |
| उपलब्ध रोकड़ | . | . |
| | **2.70** | **29.77** |

वित्तीय विवरण के साथ संलग्न टिप्पणियों को देख

**निदेशक मंडल के लिए तथा उसकी ओर से**

**कृते दिनेश जैन एण्ड एसोसिएटस**
चार्टर्ड एकाउंटेंटस
एफआर. नं: 004885N

| | | | |
|---|---|---|---|
| **(सीए नेहा जैन)** | **(अजय कुमार मिश्रा)** | **(बी. डी. दास)** | **(अनूपा शंकरनकुट्टी नायर)** |
| पार्टनर | कम्पनी सचिव | उप महाप्रबंधक (विधले) | निदेशक (वित्त) |
| एम. नं. 514725 | एसीएस-11499 | | डीआईएन : 11138663 |

**दिनांक : 29.05.2026**
**स्थान : नई दिल्ली**

**(जतिन्दरजीत सिंह मान)**
निदेशक (विपणन)
डीआईएन 11535429

**(नितिन कुमार यादव)**
सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार)
डीआईएन : 03104045

31.03.2026 को समाप्त अवधि के लिए इक्विटी में हुए परिवर्तनों का विवरण

ए. इक्विटी शेयर पूंजी

(रु. करोड़ में)

| विवरण | शेयरों की संख्या | राशि |
|---|---|---|
| 1.4.2025 तक शेष | 1,50,00,00,000 | 150.00 |
| वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन | - | - |
| **31.3.2026 को शेष** | **1,50,00,00,000** | **150.00** |

(रु. करोड़ में)

| विवरण | शेयरों की संख्या | राशि |
|---|---|---|
| 1.4.2024 तक शेष | 1,50,00,00,000 | 150.00 |
| वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन | - | - |
| **31.3.2025 को शेष** | **1,50,00,00,000** | **150.00** |

बी. 31, मार्च, 2026 को अन्य इक्विटी

(रु. करोड़ में)

| | लंबित आबंटन पर शेयर आवेदन राशि | भंडार और अधिशेष | | | ओसीआई के माध्यम से ऋण उपकरण | कैश फ्लो हेजिंग का प्रभावी हिस्सा | बदलाव पर विनिमय अंतर | ओसीआई के अन्य मदें | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अनुसंधान एवं विकास रिजर्व | सामान्य रिजर्व | प्रतिधारित कमाई | | | | | |
| 1.4.2025 को शेष | - | - | 596.97 | 667.18 | 45.05 | - | - | (3.15) | **1,306.05** |
| लेखा अवधि में परिवर्तन अथवा पूर्व अवधि की त्रुटियाँ | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| वर्ष के लिए कुल व्यापक आय | - | - | - | 212.07 | 30.05 | - | - | 0.96 | **243.08** |
| लाभांश तथा डीडीटी | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| अग्रिम अनुबंध पर अपरिशोधित अतिरिक्त मूल्य | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| प्रतिधारित आय में स्थानांतरण | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| परिभाषित लाभ योजना का पुनः माप | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| अन्य कोई परिवर्तन | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **31.3.2026 को शेष** | **-** | **-** | **596.97** | **879.25** | **75.10** | **-** | **-** | **(2.19)** | **1,549.13** |

31, मार्च, 2025 को अन्य इक्विटी

(रु. करोड़ में)

| | लंबित आबंटन पर शेयर आवेदन राशि | भंडार और अधिशेष | | | ओसीआई के माध्यम से ऋण उपकरण | कैश फ्लो हेजिंग का प्रभावी हिस्सा | बदलाव पर विनिमय अंतर | ओसीआई के अन्य मदें | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अनुसंधान एवं विकास रिजर्व | सामान्य रिजर्व | प्रतिधारित कमाई | | | | | |
| 1.4.2024 को शेष | - | - | 596.97 | 597.65 | 10.41 | - | - | (0.67) | 1,204.36 |
| लेखा अवधि में परिवर्तन अथवा पूर्व अवधि की त्रुटियाँ | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| वर्ष के लिए कुल व्यापक आय | - | - | - | 69.53 | 34.64 | - | - | (2.49) | 101.69 |
| लाभांश तथा डीडीटी | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| अग्रिम अनुबंध पर अपरिशोधित अतिरिक्त मूल्य | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| प्रतिधारित आय में स्थानांतरण | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| परिभाषित लाभ योजना का पुनः माप | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| अन्य कोई परिवर्तन | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **31.3.2025 को शेष** | **-** | **-** | **596.97** | **667.18** | **45.05** | **-** | **-** | **(3.15)** | **1,306.05** |

रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति पर न वाहना गया लाभांश

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को | 31 मार्च 2025 को |
|---|---|---|
| प्रस्तावित लाभांश | – | – |

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

निदेशक मंडल के लिए तथा उसकी ओर से

कृते दिनेश जैन एण्ड एसोसिएटस
चार्टर्ड एकाउंटेंटस
एफ.आर. नं.: 004885N

(सीए नेहा जैन)
पार्टनर
एम. नं. 514725

(अजय कुमार मिश्रा)
कम्पनी सचिव
एसीएस-11499

(बी. डी. दास)
उप महाप्रबंधक (विवले)

(अनूपा शंकरनकुट्टी नायर)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन : 11138663

दिनांक : 29.05.2026
स्थान : नई दिल्ली

(जतिन्दरजीत सिंह मान)
निदेशक (विपणन)
डीआईएन 11535429

(नितिन कुमार यादव)
सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार)
डीआईएन : 03104045

# एमएमटीसी लिमिटेड
## 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणियाँ

### 1. सामान्य जानकारी

1963 में स्थापित और भारत में अधिवासित, कंपनी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक मिनी–रत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय कोर–1, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, संस्थागत क्षेत्र, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003, भारत में स्थित है। कंपनी के भारत में विभिन्न स्थानों पर 6 क्षेत्रीय कार्यालय हैं और सिंगापुर में एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एमएमटीसी ट्रांसनैशनल प्राइवेट लिमिटेड है।

कंपनी की प्रमुख गतिविधियां खनिजों का निर्यात और बहुमूल्य धातुओं, अलौह धातुओं, उर्वरकों, कृषि उत्पादों, कोयले और हाइड्रोकार्बन आदि का आयात हैं। कंपनी की व्यापार गतिविधियां एशिया, यूरोप, अफ्रीका, मध्य पूर्व, लैटिन अमेरिका और उत्तरी अमेरिका के विभिन्न देशों में फैली हुई हैं।

### 2. भौतिक लेखांकन नीति की जानकारी

#### 2.1 अ) अनुपालन का विवरण और वित्तीय विवरण तैयार करने का आधार

वित्तीय विवरण भारतीय लेखांकन मानकों (आईएएस) के अनुसार तैयार किए गए हैं, जो कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 और उसके बाद के संशोधनों के तहत अधिसूचित हैं। लेखांकन नीतियों को इन वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत सभी अवधियों में लगातार लागू किया गया है। वित्तीय विवरणों को उपार्जन आधार के तहत रखे गए लेखा पुस्तकों से ऐतिहासिक लागत परंपरा के तहत चालू चिंता के आधार पर तैयार किया जाता है, सिवाय कुछ वित्तीय उपकरणों के जिन्हें उचित मूल्य पर और कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निर्धारित भारतीय लेखा मानकों के अनुसार मापा जाता है

#### ब) समेकन का आधार

एमएमटीसी लिमिटेड को इसकी सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों के साथ श्समूहश् के रूप में संदर्भित किया जाता है। कंपनी इंड एएस–110 के प्रावधानों के अनुसार उन संस्थाओं को समेकित करती है जिनका वह स्वामित्व या नियंत्रण रखती है। समेकित वित्तीय विवरणों में कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरण शामिल हैं। समूह की कंपनियों के वित्तीय विवरणों को लाइन–दर–लाइन आधार पर समेकित किया जाता है और समेकन पर ऐसे लेनदेन से अवास्तविक लाभ/हानि सहित अंतर–समूह शेष और लेनदेन को समाप्त कर दिया जाता है। ये वित्तीय विवरण समूह में उपयोग में आने वाली एक समान लेखांकन नीतियों को लागू करके तैयार किए जाते हैं। गैर–नियंत्रण हित जो सहायक कंपनियों के शुद्ध लाभ या हानि और शुद्ध परिसंपत्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समूह के स्वामित्व या नियंत्रण में नहीं हैं, को बाहर रखा गया है।

एसोसिएट्स वे संस्थाएं हैं जिन पर समूह का महत्वपूर्ण प्रभाव है लेकिन नियंत्रण नहीं है। संयुक्त उद्यम वे संस्थाएं हैं जिनमें समूह का संयुक्त नियंत्रण होता है और इकाई की शुद्ध संपत्ति पर अधिकार होता है। एसोसिएट्स और संयुक्त उद्यमों में निवेश को इंड एएस–28 के प्रावधानों के अनुसार लेखांकन की इक्विटी पद्धति का उपयोग करके गिना जाता है। निवेश को शुरू में लागत पर मान्यता दी जाती है, और अधिग्रहण की तारीख के बाद निवेशक के लाभ या हानि के हिस्से को पहचानने के लिए वहन करने वाली राशि को बढ़ाया या घटाया जाता है।

#### 2.2 कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा

ये वित्तीय विवरण भारतीय रुपये में प्रस्तुत किए जाते हैं, जो भारत की राष्ट्रीय मुद्रा है, जो कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा है। वित्तीय विवरणों में शामिल सभी राशियां इक्विटी शेयरों की संख्या और प्रति शेयर डेटा और अन्यथा इंगित किए जाने पर करोड़ रुपये (दो दशमलव तक) में बताई गई हैं।

#### 2.3 अनुमानों और निर्णय का उपयोग

वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए निर्णय, अनुमान और धारणाएं बनाने की आवश्यकता होती है जो परिसंपत्तियों और देनदारियों की रिपोर्ट की गई राशि, वित्तीय विवरणों की तारीख पर आकस्मिक देनदारियों के प्रकटीकरण और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान राजस्व और व्यय की रिपोर्ट की गई राशि को प्रभावित करती हैं। वास्तविक परिणामों और अनुमानों के बीच अंतर उस अवधि में पहचाना जाता है जिसमें परिणाम ज्ञात/भौतिक होते हैं

#### 2.4 राजस्व की मान्यता

#### i) ट्रेडिंग आय

प्रदर्शन दायित्व की संतुष्टि के लिए राजस्व को लेनदेन मूल्य (परिवर्तनीय विचार के शुद्ध) की राशि पर मापा जाता है जो उस प्रदर्शन दायित्व के लिए आवंटित किया जाता है। बेचे गए माल और प्रदान की गई सेवाओं का लेनदेन मूल्य अनुबंध के हिस्से के रूप में कंपनी द्वारा दी जाने वाली विभिन्न छूटों और योजनाओं के कारण परिवर्तनीय विचार के शुद्ध है।

#### खरीद और बिक्री

ए) कुछ वस्तुओं के मामले में, जिनका आयात कंपनी के माध्यम से किया जाता है, भारत सरकार द्वारा जारी प्राधिकरण पत्र के खिलाफ श्सरकारी खातेश पर आयात किया जाता है, खरीदबिक्री कंपनी के नाम पर बुक की जाती है

बी) वस्तुओं का कारोबार कमोडिटी एक्सचेंजों के माध्यम से भी किया जाता है। विभिन्न कमोडिटी एक्सचेंजों के माध्यम से किए गए व्यापार के संबंध में खरीद/बिक्री बुक की जाती है और वस्तुओं की भौतिक डिलीवरी द्वारा समर्थित होती है।

सी) स्वर्ण/चांदी जमा के तहत रखा गयारू सोना/चांदी के आपूर्तिकर्ताओं के साथ व्यवस्था के अनुसार, धातु को आपूर्तिकर्ता द्वारा कंपनी के पास अनिश्चित मूल्य के आधार पर ऋण या सीधे खरीद के आधार पर बाद में वापस लेने के लिए रखा जाता है।

(i) खरीद में निर्यातकों को बिक्री के लिए आपूर्तिकर्ता के कंसाइनमेंट जमा से सीधे खरीद के आधार पर निकाली गई सोने/चांदी शामिल है, जो कंपनी द्वारा एक नामित एजेंसी के रूप में संचालित विदेश व्यापार नीति की योजना के अनुसार है।

(ii) घरेलू बिक्री के लिए वर्ष के दौरान सोने/चांदी की खरीद का हिसाब आपूर्तिकर्ता के सोने/चांदी कंसाइनमेंट जमा से निकासी और आपूर्तिकर्ताओं के साथ मूल्य निर्धारण पर किया जाता है। वर्ष के अंत में जमा के तहत स्टॉक/चांदी के रूप में कंपनी द्वारा रखे गए स्टॉक को वर्तमान परिसंपत्तियों के तहत 'बिना बिल वाली खरीद के लिए स्टॉक' के रूप में और वर्तमान देनदारी के तहत 'बिना बिल वाली खरीद के लिए देय राशि' के रूप में वर्ष के अंत में प्रचलित बुलियन मूल्य पर गिना जाता है। हालाँकि, जमा में शेष राशि के संबंध में भुगतान किया गया सीमा शुल्क प्रीपेड खर्च के रूप में गिना जाता है।

(iii) जमा के तहत सोने/चांदी से ऋण के आधार पर वापस लिया गया, ग्राहकों को दिए गए ऋण के रूप में बुक किया जाता है और वित्तीय परिसंपत्तियों के तहत समूहीकृत किया जाता है। विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त स्टॉक के प्रति संबंधित देयता को व्यापार देय के तहत समूहीकृत किया गया है। जब खरीद और बिक्री बुक की जाती है तो ऋण/व्यापार देय को समायोजित किया जाता है।

डी) घरेलू स्तर पर प्राप्त सोने/चांदी के संबंध में जहां मूल्य निर्धारण स्थगित किया गया है, खरीद को शुरू में आपूर्तिकर्ता से प्राप्त चालान के आधार पर गिना जाता है। मूल्य निर्धारण पर उत्पन्न होने वाले अंतर, यदि कोई हो, को डेबिट/क्रेडिट नोट के माध्यम से समायोजित किया जाता है।

ई) पुनर्भरण के आधार पर निर्यातकों को आपूर्ति किए गए सोने/चांदी के मामले में, मार्जिन मनी का भुगतान करके निर्यातक द्वारा बुक किए गए सोने/चांदी की खरीद, विदेशी आपूर्तिकर्ताओं के साथ कीमत तय करने के बाद बुक की जाती है। हालाँकि, बिक्री तब बुक की जाती है जब निर्यात पूरा होने के बाद निर्यातकों को मात्रा वास्तव में वितरित की जाती है।

एफ) **उच्च समुद्री बिक्री**

आयात के दौरान माल के स्वामित्व के दस्तावेजों के हस्तांतरण द्वारा बिक्री, अर्थात उच्च समुद्र बिक्री माल के स्वामित्व के दस्तावेजों के हस्तांतरण पर बुक की जाती है, जिस पर खरीदार माल पर नियंत्रण प्राप्त करता है और कंपनी खरीदार के पक्ष में बिक्री प्रतिफल प्राप्त करने के लिए हकदार हो जाती है। माल भारत की सीमा पार करने से पहले।

**ii) अन्य परिचालन से राजस्व**

कंपनी की मुख्य गतिविधियों से संबंधित आय जो बिक्री/सेवाओं से राजस्व में शामिल नहीं है, उदाहरण के लिए प्रेषण अर्जित, सब्सिडी, व्यापार लेनदेन पर नुकसान के दावों, क्रेडिट बिक्री पर ब्याज और व्यापार से संबंधित अग्रिम (समय पर बकाया के अलावा) आदि, जो संबंधित व्यापार समझौतों की शर्तों के आधार पर प्राप्त होते हैं। व्यापारिक सहयोगियों या संबंधित व्यापार पर योजनाओं के आधार पर, 'अन्य परिचालन राजस्व' के तहत लेखांकन किया जाता है।

**iii) दावे**

दावों को उपार्जन के आधार पर लाभ और हानि के विवरण (किसी भी देय के निवल) में मान्यता दी जाती है, जिसमें सब्सिडी, नकद प्रोत्साहन, नुकसान की प्रतिपूर्ति आदि के लिए सरकार से प्राप्तियां शामिल हैं, जब इसकी अंतिम वसूली संभव हो। मान्यता प्राप्त दावे लेकिन बाद में संदिग्ध हो जाने वाले लाभ और हानि के विवरण के माध्यम से प्रदान किए जाते हैं। बीमा दावों को बीमा कंपनी द्वारा स्वीकार किए जाने पर हिसाब लगाया जाता है। क्षतिपूर्ति/कमी/गुणवत्ता/मात्रा आदि में कमियों सहित कमी/क्षति के दावों को प्रासंगिक अनुबंधों के प्रावधानों के अनुसार गिना जाता है। यदि मौजूदा अनुबंध में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, तो दावे की राशि की वसूली की संभावना के अलावा, पार्टी द्वारा स्वीकृति प्राप्त होने पर दावे का हिसाब लगाया जाता है। ऐसे दावों की मान्यता पर उसी पार्टी को प्राप्त अग्रिम/देय दावों आदि के विरुद्ध उसी को महसूस/सेट ऑफ किया जाएगा।

**iv) सेवा आय**

सेवाओं से राजस्व तब बुक किया जाता है, जब कंपनी हकदार विचार के लिए ग्राहकों को वादा की गई सेवाओं को हस्तांतरित करके प्रदर्शन दायित्व को पूरा किया जाता है।

**v) लाभांश और ब्याज आय**

निवेश से लाभांश आय तब मान्यता प्राप्त होती है जब भुगतान प्राप्त करने के लिए कंपनी का अधिकार स्थापित हो जाता है और यह संभव है कि लेनदेन से जुड़े आर्थिक लाभ कंपनी को मिलेंगे और आय की राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

ब्याज आय को समय अनुपात के आधार पर मान्यता दी जाती है, जिसमें बकाया राशि और प्रभावी ब्याज दर को ध्यान में रखा जाता है, जो वित्तीय संपत्ति के अपेक्षित जीवन के माध्यम से अनुमानित भविष्य की नकदी प्राप्तियों को वित्तीय संपत्ति की सकल वहन राशि में सटीक रूप से छूट देता है।

vi) वास्तविक प्राप्ति पर राजस्व मान्यता

राजस्व को उपार्जन के आधार पर मान्यता दी जाती है, सिवाय निम्नलिखित मदों के, जिनका वास्तविक प्राप्ति के आधार पर लेखांकन किया जाता है, क्योंकि ऐसी मदों की यथार्थता अनिश्चित है, जो इंड एएस–115 के प्रावधानों के अनुसार है।

अ) विदेशी व्यापार नीति के तहत लागू विभिन्न प्रचार योजनाओं के तहत शुल्क क्रेडिट / छूट, कर क्रेडिट, सर्वेक्षण कमी के कारण सीमा शुल्क की वापसी, और आयकर / सेवा कर / बिक्री कर / वैट / जीएसटी और उस पर ब्याज आदि की वापसी।

ब) निष्पादन के लिए लंबित डिक्री / विवादित बकाया और उस पर ब्याज, यदि कोई हो.

स) जहाँ यथार्थता अनिश्चित है, वहाँ अतिदेय वसूली योग्य पर ब्याज।

द) आपूर्तिकर्ताओं / हामीदारों पर परिसमापन क्षति।

## 2.5 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की एक वस्तु की लागत को एक संपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है यदि, और केवल तभी जब यह संभव है कि आइटम से जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी को मिलेंगे और आइटम की लागत को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है। पीपीई की एक वस्तु की लागत मान्यता तिथि पर समतुल्य नकद मूल्य है। पीपीई की एक वस्तु की लागत में शामिल हैं:

i) व्यापार छूट और छूटों को घटाने के बाद आयात शुल्क और अप्रतिदेय खरीद करों सहित खरीद मूल्य।

ii) पीपीई को उस स्थान और स्थिति में लाने के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार लागतें जो इसे प्रबंधन द्वारा इच्छित तरीके से संचालित करने में सक्षम होने के लिए आवश्यक है।

iii) वस्तु को हटाने और हटाने और उस स्थल को बहाल करने की लागत का प्रारंभिक अनुमान जिस पर वह स्थित है, जिसके लिए कंपनी या तो तब दायित्व उठाती है जब पीपीई का अधिग्रहण किया जाता है या उस अवधि के दौरान इन्वेंट्री का उत्पादन करने के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए एक विशेष अवधि के दौरान पीपीई का उपयोग करने के परिणामस्वरूप।

कंपनी ने मान्यता के लागत मॉडल को चुना है और यह मॉडल पीपीई के पूरे वर्ग पर लागू होता है। एक संपत्ति के रूप में मान्यता के बाद, पीपीई की एक वस्तु को किसी भी संचित मूल्यह्रास और किसी भी संचित हानि के नुकसान से कम लागत पर ले जाया जाता है।

कुछ कम मूल्य की वस्तुएं जैसे कैलकुलेटर, दीवार घड़ी, रसोई के बर्तन आदि, जिनका उपयोगी जीवन बहुत सीमित है और प्रत्येक मामले में ऐसी वस्तु की लागत 2000 / – तक है, खरीद के वर्ष में सीधे राजस्व में प्रभारित की जाती है। मोबाइल हैंडसेट की लागत भी लागत की परवाह किए बिना राजस्व पर शुल्क लगाई जाती है।

## 2.6 अमूर्त परिसंपत्तियां

पहचान योग्य अमूर्त संपत्तियों को तब मान्यता दी जाती है जब कंपनी संपत्ति को नियंत्रित करती हैय यह संभव है कि संबंधित संपत्तियों के साथ अपेक्षित भविष्य के आर्थिक लाभ एक से अधिक आर्थिक अवधि के लिए कंपनी में प्रवाहित होंगेय और संपत्ति की लागत को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है। प्रारंभिक मान्यता में, अमूर्त संपत्ति को लागत पर मान्यता दी जाती है। अमूर्त संपत्तियों को सीधे आधार पर अनुमानित उपयोगी जीवन पर उस तारीख से परिशोधित किया जाता है जिस दिन वे उपयोग के लिए उपलब्ध होते हैं। सॉफ्टवेयर को अधिकतम 5 वर्ष की अवधि या लागू लाइसेंस अवधि के अनुसार, उसके उपयोगी जीवनकाल में परिशोधित किया जाता है। प्रत्येक मामले में 2,000 तक की अमूर्त संपत्ति सीधे राजस्व में प्रभारित की जाती है।

अनुसंधान से उत्पन्न कोई अमूर्त संपत्ति नहीं पहचानी जाती है और अनुसंधान पर व्यय को सीधे लाभ और हानि खाते में प्रभारित किया जाता है जब यह खर्च किया जाता है। विकास से उत्पन्न एक अमूर्त संपत्ति को मान्यता दी जाती है, यदि संपत्ति इंड एएस के अनुसार मान्यता के मानदंडों को पूरा करती है। किसी अमूर्त वस्तु पर किया गया व्यय जिसे शुरू में व्यय के रूप में मान्यता दी गई थी, उसे बाद की तारीख में किसी अमूर्त संपत्ति की लागत के हिस्से के रूप में मान्यता नहीं दी जाती है।

## 2.7 बिक्री के लिए गैर–वर्तमान संपत्तियां

कंपनी एक गैर–चालू संपत्ति (या परिसंपत्तियों के निपटान समूह) को बिक्री के लिए रखी गई संपत्ति के रूप में वर्गीकृत करती है यदि इसकी वहन राशि मुख्य रूप से बिक्री लेनदेन के माध्यम से जारी उपयोग के बजाय वसूल की जाएगी। बिक्री के लिए रखी गई गैर–चालू संपत्ति (या निपटान समूह) को इसकी वहन राशि और बेचने की लागत से कम उचित मूल्य के बीच कम पर मापा जाता है।

## 2.8 मूल्यह्रास

सीधी रेखा विधि के अनुसार मूल्यह्रास का प्रावधान निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित उपयोगी जीवन के अनुसार किया जाता है, जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–2 के तहत दिए गए मूल्यह्रास के बराबर है। प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में किसी परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन की समीक्षा की जाती है। पीपीई की प्रत्येक वस्तु का एक हिस्सा जिसकी लागत संपत्ति की कुल लागत के संबंध में महत्वपूर्ण है और यदि उस भाग का उपयोगी जीवन संपत्ति के शेष भाग से अलग हैय ऐसे महत्वपूर्ण भाग का अलग से मूल्यह्रास किया जाता है। ऐसी सभी वस्तुओं पर मूल्यह्रास उन तारीख से प्रदान किया गया है जब वे 'उपयोग के लिए उपलब्ध' हैं, बिक्री / निपटान की तारीख तक और इसमें अमूर्त संपत्तियों और पट्टे पर रखी गई संपत्तियों का परिशोधन शामिल है। स्व–अधिकार भूमि का मूल्यह्रास नहीं किया जाता है। पीपीई की एक वस्तु को निपटान पर या जब संपत्ति के निरंतर उपयोग से कोई भविष्य के आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं की जाती है, तो उसे मान्यता रद्द कर दिया जाता है।

सभी परिसंपत्तियों का अवशिष्ट मूल्य 1/– रुपये लिया जाता है। परिसंपत्तियों का उपयोगी जीवन निम्नानुसार लिया जाता है:–

| सम्पत्तियों का नाम | अनुसूची के अनुसार कंपनी द्वारा अपनाया गया उपयोगी जीवन |
|---|---|
| **ए... सामान्य संपत्ति** | |
| फर्नीचर और फिटिंग्स | 10 |
| कार्यालय उपकरण | 5 |
| वाहन – स्कूटर | 10 |
| वाहन – कार | 8 |
| कंप्यूटर – सर्वर और नेटवर्क | 6 |
| कंप्यूटर – अंतिम उपयोगकर्ता उपकरण | 3 |
| पट्टे पर ली गई | पट्टा समझौते के अनुसार |
| वैगन रेक | समझौते / वैगन निवेश योजना के अनुसार |
| पंखों को छोड़कर विद्युत संस्थापनाएँ | 10 |
| जल आपूर्ति, सीवरेज और जल निकासी | 5 |
| सड़कों | |
| कार्पेट रोड्स – आरसीसी | 10 |
| कार्पेट रोड्स – आरसीसी के अलावा | 5 |
| गैर कालीन सड़कें | 3 |
| पुलिया | 30 |
| भवन | |
| आरसीसी | 60 |
| आरसीसी के अलावा | 30 |
| आवासीय फ्लैट (रेडी बिल्ट) | |
| आरसीसी | 60 |
| आरसीसी के अलावा | 30 |
| अस्थायी संरचना और लकड़ी का विभाजन | 3 |
| वेयरहाउस / गोदाम | 30 |
| **ख . विनिर्माण इकाई की संपत्ति** | |
| कारखाना भवन | 30 |
| पंखों को छोड़कर इलेक्ट्रॉनिक इंस्टॉलेशन | 10 |
| जल आपूर्ति, सीवरेज और जल निकासी | 5 |
| संयंत्र और मशीनरी | |
| एकल शिफ्ट | 15 |
| दोहरी शिफ्ट | 10 |
| ट्रिपल शिफ्ट | 7.5 |
| संयंत्र और मशीनरी– पवन ऊर्जा उत्पादन संयंत्र | 22 |
| **ग. भूमि पर बनाई गई स्थायी संपत्तियां और न तो स्थायी संपत्ति और न ही भूमि कंपनी की है** | 5 |
| **घ. अमूर्त संपत्ति का परिशोधन** | |
| सॉफ्टवेयर | 5 साल या लागू होने वाली लाइसेंस अवधि |

**2.9 क्षति**

यदि किसी परिसंपत्ति (या नकदी–उत्पादक इकाई) की वसूली योग्य राशि उसकी वहन राशि से कम होने का अनुमान है, तो परिसंपत्ति (या नकदी–उत्पादक इकाई) की वहन राशि को उसकी वसूली योग्य राशि तक कम कर दिया जाता है। एक हानि हानि को लाभ या हानि में तुरंत मान्यता दी जाती है, जब तक कि प्रासंगिक संपत्ति को पुनर्मूल्यांकन राशि पर नहीं ले जाया जाता है, इस मामले में हानि हानि को पुनर्मूल्यांकन कमी के रूप में माना जाता है।

वसूली योग्य राशि उचित मूल्य में से निपटान की लागत और उपयोग में मूल्य में से अधिक है। उपयोग में मूल्य का आकलन करने में, अनुमानित भावी नकदी प्रवाह को कर–पूर्व छूट दर का उपयोग करके उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है, जो धन के समय मूल्य के वर्तमान बाजार मूल्यांकन और परिसंपत्ति के लिए विशिष्ट जोखिमों को दर्शाती है, जिसके लिए भावी नकदी प्रवाह के अनुमानों को समायोजित नहीं किया गया है।

जब एक हानि बाद में उलट जाती है, तो संपत्ति (या नकदी–उत्पादक इकाई) की वहन राशि को उसकी पुनर्प्राप्त राशि के संशोधित अनुमान में बढ़ाया जाता है, ताकि बढ़ी हुई वहन राशि वह वहन राशि से अधिक न हो जो निर्धारित की गई होती यदि पूर्व वर्षों में संपत्ति (या नकदी–उत्पादक इकाई) के लिए कोई हानि मान्यता नहीं दी गई होती। हानि के उत्क्रमण को लाभ या हानि में तुरंत मान्यता दी जाती है, जब तक कि संबंधित संपत्ति को पुनर्मूल्यांकित राशि पर नहीं ले जाया जाता है, इस मामले में हानि के उत्क्रमण को पुनर्मूल्यांकन वृद्धि के रूप में माना जाता है।

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, कंपनी अपनी मूर्त, अमूर्त संपत्तियों की वहन राशि की समीक्षा करती है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या कोई संकेत है कि उन संपत्तियों को हानि हुई है। यदि ऐसी कोई संभावना प्रतीत होती है तो, क्षति नुकसान (यदि कोई हो तो) की सीमा के परिनिर्धारण के लिए उस परिसंपत्ति का प्राप्ययोग्य राशि का अनुमान लगाया जाता है। जब किसी व्यक्तिगत संपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाना संभव नहीं होता है, तो कंपनी उस नकदी–उत्पादक इकाई की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है जिससे संपत्ति संबंधित है। अनिश्चित उपयोगी जीवन वाली अमूर्त संपत्तियां और अमूर्त संपत्तियां जो अभी तक उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें कम से कम वार्षिक रूप से और जब भी कोई संकेत मिलता है कि संपत्ति को क्षत–विक्षत किया जा सकता है, पर इम्पेयरमेंट के लिए परीक्षण किया जाता है।

### वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

लाभ और हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्य पर अन्य वित्तीय संपत्तियों का मूल्यांकन प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में हानि के संकेतकों के लिए किया जाता है। वित्तीय परिसंपत्तियों को तब खराब माना जाता है जब वस्तुनिष्ठ साक्ष्य होता है कि, वित्तीय परिसंपत्ति की प्रारंभिक मान्यता के बाद हुई एक या अधिक घटनाओं के परिणामस्वरूप, निवेश के अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह प्रभावित हुए हैं। बिक्री के लिए उपलब्ध (एएफएस) इक्विटी निवेश के लिए, सुरक्षा के उचित मूल्य में उसकी लागत से नीचे एक महत्त्वपूर्ण या लंबे समय तक गिरावट को हानि का वस्तुनिष्ठ प्रमाण माना जाता है।

अन्य सभी वित्तीय संपत्तियों के लिए, हानि के उद्देश्यपूर्ण साक्ष्य में शामिल हो सकते हैं:

- जारीकर्ता या प्रतिपक्ष की महत्वपूर्ण वित्तीय कठिनाई;
- अनुबंध का उल्लंघन, जैसे ब्याज या मूलधन भुगतान में चूक या अपराध;
- यह संभव हो रहा है कि उधारकर्ता दिवालियापन या वित्तीय पुनर्गठन में प्रवेश करेगा या वित्तीय कठिनाइयों के कारण उस वित्तीय संपत्ति के लिए सक्रिय बाजार का गायब हो जाना।

कुछ श्रेणियों की वित्तीय संपत्तियों के लिए, जैसे कि व्यापार प्राप्य, परिसंपत्तियों का मूल्यांकन व्यक्तिगत आधार पर किया जाता है। प्राप्य के पोर्टफोलियो के लिए हानि के उद्देश्य से साक्ष्य में भुगतान एकत्र करने के लिए कंपनी के पिछले अनुभव, शून्य दिनों की औसत क्रेडिट अवधि से पहले पोर्टफोलियो में विलंबित भुगतान की संख्या में वृद्धि, साथ ही राष्ट्रीय या स्थानीय आर्थिक स्थितियों में अवलोकन योग्य परिवर्तन शामिल हो सकते हैं जो प्राप्य पर डिफॉल्ट से संबंधित हैं।

वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए जो लागत पर ले जा रहे हैं, हानि की राशि को एक समान वित्तीय परिसंपत्ति के लिए वर्तमान बाजार दर पर छूट पर अनुमानित भविष्य नकदी प्रवाह के वर्तमान मूल्य और संपत्ति की वहन राशि के बीच अंतर के रूप में मापा जाता है। इस तरह की हानि हानि बाद की अवधि में उलट नहीं होगी

वित्तीय परिसंपत्ति की वहन राशि को व्यापार प्राप्य को छोड़कर सभी वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए सीधे हानि से कम कर दिया जाता है; इस तरह की हानि को संबंधित वित्तीय परिसंपत्ति के लिए एक भत्ता खाते के उपयोग के माध्यम से कम कर दिया जाता है। जब किसी व्यापार प्राप्य को असंग्रहणीय माना जाता है, तो इसे भत्ता खाते के विरुद्ध बट्टे खाते में डाल दिया जाता है। पहले बट्टे खाते में डाले गए धन की बाद की वसूली को भत्ते खाते में जमा किया जाता है। भत्ते खाते की वहन राशि में परिवर्तन लाभ या हानि में पहचाना जाता है।

अमॉर्टाइज्ड लागत पर मापी गई वित्तीय संपत्तियों के लिए, यदि, बाद की अवधि में, हानि की राशि कम हो जाती है और कमी को एक घटना के बाद घटित होने से वस्तुनिष्ठ रूप से संबंधित किया जा सकता है, तो पहले से मान्यता प्राप्त हानि को लाभ या हानि के माध्यम से उस हद तक उलट दिया जाता है जब हानि को उलट दिया जाता है। निवेश की वहन राशि उस तारीख को नहीं होती है जब हानि को उलट दिया जाता है, जो कि वह होती जो अमोर्टिज्ड लागत होती यदि हानि को मान्यता नहीं दी जाती।

### वित्तीय परिसंपत्तियों की अस्वीकृति

कंपनी एक वित्तीय संपत्ति को तब पुनरू मान्यता देती है जब संपत्ति से नकदी प्रवाह के संविदात्मक अधिकार समाप्त हो जाते हैं, या जब वह वित्तीय संपत्ति और संपत्ति के स्वामित्व के लगभग सभी जोखिमों और पुरस्कारों को किसी अन्य पक्ष को हस्तांतरित कर देती है। यदि कंपनी न तो हस्तांतरित संपत्ति के स्वामित्व के सभी जोखिमों और पुरस्कारों को हस्तांतरित करती है और न ही बरकरार रखती है और हस्तांतरित संपत्ति को नियंत्रित करना जारी रखती है, तो कंपनी संपत्ति में अपने बरकरार हित को पहचानती है और संबंधित देनदारी के लिए भुगतान करना पड़ सकता है। यदि कंपनी हस्तांतरित वित्तीय संपत्ति के स्वामित्व के लगभग सभी जोखिमों और पुरस्कारों को बरकरार रखती है, तो कंपनी वित्तीय संपत्ति को पहचानना जारी रखती है और प्राप्त आय के लिए संपार्श्विक उधार को भी पहचानती है।

किसी वित्तीय संपत्ति की संपूर्णता में पुनरू मान्यता पर, संपत्ति की वहन राशि और प्राप्त और प्राप्य प्रतिफल की राशि और अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त संचयी लाभ या हानि और इक्विटी में संचित के बीच का अंतर लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त है।

### 2.10 उधार लागत

कंपनी उधार लेने की लागत को पूंजीकृत करती है जो सीधे संपत्ति के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन के लिए योग्य संपत्ति के हिस्से के रूप में लागत के रूप में जिम्मेदार है।

कंपनी अन्य उधार लागतों को उस अवधि में एक व्यय के रूप में पहचानती है जिसमें वह उन्हें वहन करती है।

एक अर्हता प्राप्त संपत्ति एक ऐसी संपत्ति है जिसे अपने इच्छित उपयोग या बिक्री के लिए तैयार होने में आवश्यक रूप से पर्याप्त समय लगता है।

### 2.11 विदेशी मुद्रा अनुवाद

कार्यात्मक मुद्रा के अलावा अन्य मुद्राओं में लेनदेन को लेनदेन की तारीखों पर प्रचलित विनिमय दरों पर मान्यता दी जाती है।

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, विदेशी मुद्राओं में नामित मौद्रिक वस्तुओं को उस तारीख पर प्रचलित दरों पर पुनरू अनुवादित किया जाता है। निष्पक्ष मूल्य पर ले जाने वाली गैर–मौद्रिक वस्तुएं जो विदेशी मुद्राओं में अंकित हैं, को उस तारीख को प्रचलित दरों पर पुनरू अनुवादित किया जाता है जब उचित मूल्य निर्धारित किया गया था। गैर–मौद्रिक वस्तुएं जिन्हें विदेशी मुद्रा में ऐतिहासिक लागत के संदर्भ में मापा जाता है, उन्हें पुनः अनुवादित नहीं किया जाता है।

विदेशी मुद्रा मौद्रिक वस्तुओं (अतिदेय वसूली योग्य को छोड़कर जहां यथार्थता अनिश्चित है) को इंड एएस–21 में परिभाषित समापन दर का उपयोग करके परिवर्तित किया जाता है। गैर–मौद्रिक मदों को लेनदेन की तारीख पर विनिमय दर का उपयोग करके रिपोर्ट किया जाता है। विनिमय अंतर लाभ/हानि को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

स्थिर परिसंपत्तियों के अधिग्रहण से संबंधित विदेशी मुद्रा में देयता को समापन दर का उपयोग करके परिवर्तित किया जाता है। विनिमय में अंतर लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है।

### 2.12 भंडार

इन्वेंटरी को लागत और शुद्ध वसूली योग्य मूल्य में से जो भी कम हो, उस पर दर्शाया जाता है। शुद्ध प्राप्य मूल्य इन्वेंट्री के लिए अनुमानित विक्रय मूल्य को पूरा करने की सभी अनुमानित लागतों और बिक्री करने के लिए आवश्यक लागतों से कम दर्शाता है। लागत और मूल्यांकन के निर्धारण की विधि निम्नानुसार है:

**ए) निर्यातः**

(i) निर्यात स्टॉक की लागत स्टॉक के उस बिंदु तक किए गए प्रत्यक्ष खर्चों को शामिल करने के बाद आती है। इसी प्रकार, वसूली योग्य मूल्य बाजार मूल्य से उस बिंदु से उस चरण तक किए जाने वाले खर्चों को घटाकर प्राप्त किया जाता है जहां उन्हें बेचा जाता है।

(ii) खनिज अयस्कों के संबंध में, अयस्कों का वास्तविक मूल्य निर्यात अनुबंध के अनुसार अयस्क के ग्रेड की एफई/एमएन सामग्री की न्यूनतम दर पर काम किया जाता है और अयस्क की भारित औसत एफई/एमएन सामग्री/भारित औसत नमी सामग्री पर तुलना की जाती है। लौह अयस्क के एम्बेडेड स्टॉक को इन्वेंट्री से बाहर रखा गया है और इसलिए इसका मूल्यांकन नहीं किया गया है।

**बी) आयातः**

(i) आयातित स्टॉक की लागत गैर–लौह धातुओं को छोड़कर वार्षिक क्षेत्रीय भारित औसत लागत की गणना करके निकाली जाती है, जहां सभी खर्चों को शामिल करने के बाद शेष स्टॉक की भारित औसत लागत पर विचार किया जाता है। हालाँकि, जहाँ स्टॉक विशेष रूप से पहचान योग्य हैं, वहाँ सामग्री की वास्तविक लागत जिसमें उन बिंदुओं तक किए गए सभी खर्च शामिल हैं, जिन पर वे पड़े हैं, पर विचार किया जाता है।

(ii) पुनर्भरण विकल्प के तहत निर्यातकों द्वारा बुकिंग के एवज में विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से खरीदा गया सोना/चांदी और वर्ष के अंत में वितरित नहीं किया गया कंपनी के स्टॉक के रूप में दिखाया गया है और लागत पर मूल्यवान है।

**सी) घरेलू:**

(i) सोने/चांदी के पदक और चांदी की वस्तुओं की लागत सामग्री की वार्षिक स्थान–वार भारित औसत लागत और शुरुआती स्टॉक की लागत की गणना करके निकाली जाती है। लागत में विनिर्माण/निर्माण शुल्क, अपव्यय और अन्य प्रत्यक्ष लागत शामिल हैं।

(ii) कट और पॉलिश किए गए पत्थरों और आभूषणों (तैयार/अर्ध–तैयार) के मामले में जहां स्टॉक विशेष रूप से पहचान योग्य है, वहां स्टॉक के बिंदु तक किए गए सभी खर्चों सहित सामग्री की वास्तविक लागत पर विचार किया जाता है। लागत में अपव्यय और अन्य प्रत्यक्ष विनिर्माण लागत शामिल हैं।

**डी) पैकिंग सामग्री**

पैकिंग सामग्री का मूल्य लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य में से कम है।

**ई) फैब्रिकेटर्स के साथ स्टॉक**

फैब्रिकेटर्स के साथ स्टॉक को समायोजन तक कंपनी के स्टॉक के रूप में लिया जाता है।

### 2.13 प्रावधानों

प्रावधान तब पहचाने जाते हैं जब कंपनी के पास पिछली घटना के परिणामस्वरूप एक वर्तमान दायित्व (कानूनी या रचनात्मक) होता है, यह संभव है कि दायित्व को निपटाने के लिए आर्थिक लाभों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी और दायित्व की राशि का एक विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है।

### 2.14 आकस्मिक देनदारियां/परिसंपत्तियां

**आकस्मिक देयताएं**

आकस्मिक देनदारियों को मान्यता नहीं दी जाती है, लेकिन जब कंपनी पर पिछली घटनाओं के कारण संभावित दायित्व होता है और दायित्व का अस्तित्व भविष्य की घटनाओं के घटित होने या न होने पर निर्भर करता है जो कंपनी के पूर्ण नियंत्रण में नहीं है, तो लेखांकन के लिए टिप्पणियों में प्रकट किया जाता है।

आकस्मिक देनदारियों का लगातार आकलन किया जाता है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि आर्थिक संसाधनों का बहिर्वाह संभावित हो गया है या नहीं। यदि बहिर्वाह संभावित हो जाता है तो वित्तीय विवरणों में सापेक्ष प्रावधान को मान्यता दी जाती है।

जहां कोई इकाई संयुक्त रूप से और अलग–अलग रूप से किसी दायित्व के लिए उत्तरदायी है, तो दायित्व का वह हिस्सा जो अन्य पक्षों द्वारा पूरा किए जाने की उम्मीद है, उसे आकस्मिक दायित्व माना जाता है। संस्था दायित्व के उस हिस्से के लिए एक प्रावधान को मान्यता देती है जिसके लिए आर्थिक लाभ को मूर्त रूप देने वाले संसाधनों का बहिर्वाह संभव है, सिवाय अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में जहां कोई विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है

आकस्मिक देनदारियों को खातों के सामान्य नोट्स में प्रकट किया जाता है

**आकस्मिक संपत्ति**

आकस्मिक परिसंपत्तियां को वित्तीय विवरणों में मान्यता नहीं दी जाती है। ऐसी आकस्मिक संपत्तियों का लगातार मूल्यांकन किया जाता है और जब आर्थिक लाभ का प्रवाह संभावित हो जाता है तो नोट्स में इसका खुलासा किया जाता है। यदि यह वस्तुतः निश्चित है कि आर्थिक लाभ का प्रवाह उत्पन्न होगा तो ऐसी संपत्तियां और सापेक्ष आय वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त होगी।

## 2.15 पट्टे

पट्टे के तहत रखी गई संपत्ति को वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि यह अंतर्निहित संपत्ति के स्वामित्व के लिए प्रासंगिक सभी जोखिमों और पुरस्कारों को हस्तांतरित करती है।

पट्टे के तहत रखी गई संपत्ति को एक परिचालन पट्टा के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि यह अंतर्निहित संपत्ति के स्वामित्व के लिए प्रासंगिक सभी जोखिमों और पुरस्कारों को हस्तांतरित नहीं करता है।

कंपनी सामान्य रूप से परिचालन पट्टों में प्रवेश करती है जिन्हें निम्नानुसार गिना जाता है:–

(i) परिचालन पट्टों से किराये की आय को सीधे–रेखा आधार पर या प्रासंगिक पट्टे की अवधि के दौरान किसी अन्य व्यवस्थित आधार पर मान्यता दी जाती है।

(ii) जहां कंपनी पट्टेदार है, प्रारंभ तिथि पर परिसंपत्तियों के उपयोग का अधिकार लागत पर मान्यता प्राप्त है और पट्टे के भुगतान का वर्तमान मूल्य जो भुगतान नहीं किया जाता है, पट्टे की देनदारी के रूप में मान्यता प्राप्त है। इसके बाद, उपयोग के अधिकार की संपत्ति को लागत मॉडल का उपयोग करके मापा जाता है जिसमें पट्टे की देनदारी के पुनर्मूल्यांकन के लिए आवश्यक किसी भी समायोजन के साथ पट्टे की देनदारी पर ब्याज को दर्शाने के लिए वहन राशि को बढ़ाकर पट्टे की देनदारी को मापा जाता है, पट्टे के भुगतान को दर्शाने के लिए वहन राशि को कम किया जाता है और पट्टे के किसी भी पुनर्मूल्यांकन या पट्टे के संशोधनों को दर्शाने के लिए वहन राशि को फिर से मापा जाता है।

(iii) एक व्यावहारिक सुविधा के रूप में, अल्पकालिक पट्टे और पट्टे जिनके लिए अंतर्निहित संपत्ति का मूल्य ₹ 1,00,000/– प्रति माह या ₹ 12,00,000/– प्रति वर्ष तक कम है, को इंड एएस–116 (पट्टे) के तहत दिए गए प्रावधानों के अनुसार मान्यता नहीं दी जाती है और पट्टे की अवधि के दौरान सीधे आधार पर एक व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है।

## 2.16 कर्मचारी लाभ

(i) ग्रेच्युटी, अवकाश क्षतिपूर्ति और लंबी सेवा लाभों, अर्थात सेवा पुरस्कार, अनुकंपा ग्रेच्युटी, कर्मचारी परिवार लाभ योजना और एमआईसीए विभाग के कर्मचारियों को विशेष लाभ का प्रावधान अनुमानित यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करके बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है। पुनः मापन, जिसमें बीमांकिक लाभ और हानि, परिसंपत्ति सीमा में परिवर्तन का प्रभाव (यदि लागू हो) और योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (ब्याज को छोड़कर) शामिल है, वित्तीय स्थिति के विवरण में तुरंत एक प्रभार या क्रेडिट के साथ दिखाई देता है, जो उस अवधि में अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त होता है जिसमें वे घटित होते हैं। अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त पुनर्मूल्यांकन तत्काल प्रतिधारित आय में परिलक्षित होता है और इसे लाभ या हानि के विवरण में पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा और योजना संशोधन, कटौती और निपटान के कारण किसी भी परिवर्तन को वर्तमान सेवा लागत, शुद्ध ब्याज, पिछले सेवा लागत या निपटान के लिए लाभ/हानि आदि के निर्धारण के लिए माना जाता है।

(ii) सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ का प्रावधान परिभाषित अंशदान के आधार पर किया जाता है।

(iii) भविष्य निधि अंशदान प्रोविडेंट फंड ट्रस्ट को उपार्जन आधार पर किया जाता है।

(iv) पूर्व–अनुग्रह राशि का भुगतान और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर नोटिस भुगतान उस वर्ष के राजस्व में प्रभारित किया जाता है।

(v) सुपरएनुएशन पेंशन लाभ, एक परिभाषित अंशदान योजना भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा प्रशासित है। कंपनी प्रत्येक पात्र कर्मचारी के वेतन के एक निर्दिष्ट प्रतिशत के आधार पर योगदान करती है।

**अल्पकालिक कर्मचारी लाभ दायित्व**

अल्पकालिक कर्मचारी लाभ दायित्वों को बिना छूट के आधार पर मापा जाता है और संबंधित सेवा प्रदान किए जाने पर व्यय के रूप में दर्ज किया जाता है। पीआरपी योजना के तहत भुगतान की जाने वाली अपेक्षित राशि के लिए एक देयता को मान्यता दी जाती है, यदि कर्मचारी द्वारा प्रदान की गई पिछली सेवा के परिणामस्वरूप कंपनी का इस राशि का भुगतान करने का वर्तमान कानूनी या रचनात्मक दायित्व है और दायित्व का विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है।

## 2.17 करारोपण

आयकर व्यय वर्तमान में देय कर और विलंबित कर के योग को दर्शाता है।

**वर्तमान कर**

वर्तमान में देय कर वर्ष के लिए कर योग्य लाभ पर आधारित है। कर योग्य लाभ लाभ या हानि के विवरण में बताए गए 'कर से पहले लाभ' और अन्य व्यापक आय / लाभ या हानि के विवरण से भिन्न होता है क्योंकि आय या व्यय की वस्तुएं अन्य वर्षों में कर योग्य या कटौती योग्य होती हैं और आय या व्यय की वस्तुएं कभी भी कर योग्य या कटौती योग्य नहीं होती हैं। कंपनी का वर्तमान कर उन कर दरों का उपयोग करके गणना की जाती है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक लागू की गई हैं या पर्याप्त रूप से लागू की गई हैं।

**आस्थगित कर**

स्थगित कर को वित्तीय विवरणों में परिसंपत्तियों और देनदारियों की वहन राशि और कर योग्य लाभ की गणना में उपयोग किए जाने वाले संबंधित कर आधारों के बीच अस्थायी अंतर पर मान्यता दी जाती है। आस्थगित कर देनदारियों को आम तौर पर सभी कर योग्य अस्थायी अंतरों के लिए मान्यता दी जाती है। आस्थगित कर संपत्तियों को आम तौर पर सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतरों के लिए मान्यता दी जाती है, जिस हद तक यह संभव है कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होंगे, जिनके खिलाफ उन कटौती योग्य अस्थायी अंतरों का उपयोग किया जा सकता है। ऐसी स्थगित कर संपत्तियां और देनदारियां तब नहीं पहचानी जाती हैं जब अस्थायी अंतर किसी ऐसे लेनदेन में संपत्ति और देनदारियों की प्रारंभिक मान्यता (व्यावसायिक संयोजन के अलावा) से उत्पन्न होता है जो न तो कर योग्य लाभ और न ही लेखांकन लाभ को प्रभावित करता है। इसके अलावा, यदि अस्थायी अंतर सद्भावना की प्रारंभिक मान्यता से उत्पन्न होता है तो आस्थगित कर देनदारियों को मान्यता नहीं दी जाती है।

स्थगित कर देनदारियों को सहायक और सहयोगियों में निवेश और संयुक्त उद्यमों में ब्याज से जुड़े कर योग्य अस्थायी अंतर के लिए मान्यता दी जाती है, सिवाय जहां कंपनी अस्थायी अंतर के उत्क्रमण को नियंत्रित करने में सक्षम है और यह संभव है कि अस्थायी अंतर निकट भविष्य में नहीं होगा। ऐसे निवेशों और हितों से जुड़े कटौती योग्य अस्थायी अंतरों से उत्पन्न आस्थगित कर परिसंपत्तियां केवल उस सीमा तक मान्यता प्राप्त हैं, जहां तक यह संभव है कि पर्याप्त कर योग्य लाभ होंगे, जिनके विरुद्ध अस्थायी अंतरों के लाभों का उपयोग किया जाएगा और उनसे निकट भविष्य में उलट होने की उम्मीद है।

विलंबित कर परिसंपत्तियों की पिछली शेष की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में की जाती है तथा इसे उस सीमा तक घटा दी जाती है कि परिसंपत्तियों को संपूर्ण या इसके अंश की वसूली किए जाने के लिए पर्याप्त करयोग्य लाभ उपलब्ध रहने की संभावना अधिक न रहे।

आस्थगित कर देनदारियों और परिसंपत्तियों को उस कर दरों पर मापा जाता है जो उस अवधि में लागू होने की उम्मीद की जाती है जिसमें देयता का निपटान किया जाता है या संपत्ति की वसूली की जाती है, जो कर दरों (और कर कानूनों) के आधार पर होती है जो कि अधिनियमित या पर्याप्त रूप से अधिनियमित की गई हैं। रिपोर्टिंग अवधि।

**वर्ष के लिए वर्तमान और आस्थगित कर**

वर्तमान और आस्थगित कर को लाभ या हानि में मान्यता दी जाती है, सिवाय तब जब वे उन मदों से संबंधित हों जो अन्य व्यापक आय में या सीधे इक्विटी में मान्यता प्राप्त हैं, इस मामले में, वर्तमान और आस्थगित कर को अन्य व्यापक आय में या सीधे इक्विटी में भी मान्यता दी जाती है। जहां व्यवसाय समिश्रण के लिए प्रारंभिक लेखाकरण से वर्तमान अथवा विलंबित कर उत्पन्न होते हैं वहां व्यवसाय समिश्रण के लिए लेखाकरण में टैक्स के प्रभाव को शामिल किया जाता है।

**लाभांश वितरण कर**

कंपनी अन्य इक्विटी के तहत लाभांश के भुगतान पर देय लाभांश वितरण कर को मान्यता दे रही है, क्योंकि वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के परिणामस्वरूप देय लाभांश भी अन्य इक्विटी के तहत प्रस्तुत किया जाता है।

**आयकर उपचार पर अनिश्चितता**

कंपनी कर योग्य लाभ (या हानि), कर आधार, अप्रयुक्त कर नुकसान, अप्रयुक्त कर क्रेडिट और कर दरों का निर्धारण करते समय, जब इंड एएस 12 के तहत आयकर उपचारों पर अनिश्चितता होती है, तो कंपनी आयकर अधिकारियों द्वारा समान उपचार स्वीकार करने की संभावना पर विचार कर रही है और प्रारंभिक आवेदन पर इक्विटी को समायोजित किए बिना तुलनात्मक रूप से समायोजित किए बिना संचयी प्रभाव के साथ इस समायोजन के कारण कोई भी परिवर्तन।

**2.18 निवेश संपत्ति**

निवेश संपत्तियां ऐसी संपत्तियां हैं जो किराए अर्जित करने औरध्या पूंजी की सराहना के लिए रखी जाती हैं (ऐसे उद्देश्यों के लिए निर्माण के तहत संपत्ति सहित)। निवेश संपत्तियों को शुरू में लागत पर मापा जाता है, जिसमें लेनदेन लागत भी शामिल है। किराया अर्जित करने या पूंजीगत मूल्य वृद्धि के उद्देश्यों के लिए परिचालन पट्टों के तहत रखी गई कंपनी की सभी संपत्ति हित निवेश संपत्तियों के रूप में मानी जाती हैं। प्रारंभिक मान्यता के बाद, कंपनी लागत पर निवेश संपत्ति को मापती है।

निपटान पर या जब निवेश संपत्ति को स्थायी रूप से उपयोग से वापस ले लिया जाता है और निपटान से भविष्य के आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं की जाती है तो एक निवेश संपत्ति को मान्यता दी जाती है। संपत्ति की पुनः मान्यता पर उत्पन्न कोई भी लाभ या हानि (निवल निपटान आय और संपत्ति की वहन राशि के बीच अंतर के रूप में गणना की जाती है) उस अवधि में लाभ या हानि में शामिल है जिसमें संपत्ति को पुनः मान्यता दी जाती है।

निवेश संपत्तियों का मूल्यह्रास उस संपत्ति के वर्ग के अनुसार किया जाता है जिससे वह संबंधित है और कंपनी में उसी वर्ग की संपत्ति के लिए जीवन की कल्पना की जाती है।

**2.19 प्रति शेयर आय**

एक बुनियादी प्रति इक्विटी आय की गणना कंपनी के इक्विटी धारकों के लिए जिम्मेदार शुद्ध लाभ को अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है। प्रति इक्विटी शेयर पतला आय की गणना कंपनी के इक्विटी धारकों के

लिए जिम्मेदार शुद्ध लाभ को प्रति इक्विटी शेयर बुनियादी आय प्राप्त करने के लिए विचार किए गए इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या और सभी पतला संभावित इक्विटी शेयरों के रूपांतरण पर जारी किए जा सकने वाले इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है। डिल्यूटिव पोटेंशियल इक्विटी शेयरों को प्राप्य आय के लिए समायोजित किया जाता है यदि इक्विटी शेयर वास्तव में उचित मूल्य (यानी बकाया इक्विटी शेयरों का औसत बाजार मूल्य) पर जारी किए गए होते। विलयकारी इक्विटी शेयरों को बाद की तारीख पर जारी किए जाने तक, अवधि की शुरुआत के रूप में परिवर्तित माना जाता है। प्रत्येक अवधि के लिए स्वतंत्र रूप से डिल्यूटिव संभावित इक्विटी शेयरों का निर्धारण किया जाता है।

किसी भी शेयर विभाजन और बोनस शेयर जारी करने के लिए प्रस्तुत सभी अवधियों के लिए इक्विटी शेयरों और संभावित रूप से कमजोर इक्विटी शेयरों की संख्या को पूर्वव्यापी रूप से समायोजित किया जाता है, जिसमें निदेशक मंडल द्वारा वित्तीय विवरणों की मंजूरी से पहले किए गए परिवर्तन भी शामिल हैं।

## 2.20 बंद किए गए कार्य

एक बंद परिचालन कंपनी के व्यवसाय का एक घटक है जो व्यवसाय की एक अलग लाइन का प्रतिनिधित्व करता है जिसे बिक्री के लिए बेचा गया है या रखा गया है, या पुनर्विक्रय के उद्देश्य से विशेष रूप से अधिग्रहित एक सहायक है। निरस्त किए गए ऑपरेशन के रूप में वर्गीकरण निपटान से पहले या जब ऑपरेशन बिक्री के लिए वर्गीकृत होने के मानदंडों को पूरा करता है, तब होता है।

## 2.21 वित्तीय उपकरण

(i) गैर–व्युत्पन्न वित्तीय उपकरण

गैर–व्युत्पन्न वित्तीय साधनों में शामिल हैः

- वित्तीय परिसंपत्तियां, जिसमें नकदी और नकदी समकक्ष, व्यापार प्राप्य, बिना बिल वाले राजस्व, वित्त पट्टा प्राप्य, कर्मचारी और अन्य अग्रिम, इक्विटी और ऋण प्रतिभूतियों में निवेश और पात्र वर्तमान और गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां शामिल हैंय
- वित्तीय देनदारियां, जिसमें दीर्घकालिक और अल्पकालिक ऋण और उधार, बैंक ओवरड्राफ्ट, व्यापार देय, पात्र वर्तमान और गैर–वर्तमान देनदारियां शामिल हैं।

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों को ऑफसेट किया जाता है और शुद्ध राशि बैलेंस शीट में प्रस्तुत की जाती है यदि वर्तमान में मान्यता प्राप्त राशियों को ऑफसेट करने का कानूनी अधिकार लागू करने योग्य है और परिसंपत्तियों को साकार करने और देनदारियों को एक साथ निपटाने के लिए शुद्ध आधार पर निपटान करने का इरादा है।

गैर–व्युत्पन्न वित्तीय उपकरण शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता प्राप्त होते हैं, साथ ही वित्तीय परिसंपत्तियों के मामले में एफवीटीपीएल पर दर्ज नहीं किए गए हैं, वित्तीय परिसंपत्ति के अधिग्रहण के लिए जिम्मेदार लेनदेन लागत। वित्तीय परिसंपत्तियों को तब मान्यता रद्द कर दी जाती है जब वित्तीय परिसंपत्ति के स्वामित्व के पर्याप्त जोखिम और पुरस्कार हस्तांतरित कर दिए जाते हैं। ऐसे मामलों में जहां वित्तीय परिसंपत्तियों के स्वामित्व के पर्याप्त जोखिम और पुरस्कार न तो हस्तांतरित किए जाते हैं और न ही बनाए रखे जाते हैं, वित्तीय परिसंपत्तियों को केवल तभी मान्यता दी जाती है जब कंपनी ने वित्तीय परिसंपत्ति पर नियंत्रण बरकरार नहीं रखा है।

प्रारंभिक मान्यता के बाद, गैर–व्युत्पन्न वित्तीय उपकरणों को नीचे वर्णित रूप से मापा जाता हैः

### ए) नकद और नकदी समकक्ष

नकदी प्रवाह विवरण के प्रयोजनों के लिए, नकदी और नकदी समकक्षों में बैंकों में नकदी और बैंकों के साथ मांग जमा, बकाया बैंक ओवरड्राफ्ट के अलावा शामिल हैं जो मांग पर चुकाए जाते हैं और कंपनी की नकदी प्रबंधन प्रणाली का हिस्सा माना जाता है। वित्तीय स्थिति के विवरण में, बैंक ओवरड्राफ्ट को वर्तमान देनदारियों के भीतर उधार के तहत प्रस्तुत किया जाता है।

**बी)** तरल म्यूचुअल फंड, इक्विटी प्रतिभूतियों (सहायक, संयुक्त उद्यम और सहयोगियों के अलावा) में निवेश का मूल्यांकन उनके उचित मूल्य पर किया जाता है। इन निवेशों को उचित मूल्य और उसमें परिवर्तन पर मापा जाता है, अन्य के अलावा

क्षति नुकसान, अन्य व्यापक आय में पहचाना जाता है और करों के शुद्ध के भीतर इक्विटी के भीतर प्रस्तुत किया जाता है। यदि कोई हानि है, तो उसे इक्विटी से आय के विवरण में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है। जब बिक्री के लिए उपलब्ध वित्तीय संपत्ति को मान्यता रद्द कर दी जाती है, तो इक्विटी में मान्यता प्राप्त संबंधित संचयी लाभ या हानि को आय के विवरण में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

### सी) ऋण और प्राप्य

ऋण और प्राप्य निश्चित या निर्धारित भुगतान वाली गैर–व्युत्पन्न वित्तीय संपत्तिया हैं जो सक्रिय बाजार में उद्धृत नहीं की जाती हैं। उन्हें चालू परिसंपत्तियों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, सिवाय उन परिसंपत्तियों के जो रिपोर्टिंग तिथि के बाद 12 महीने से अधिक समय में परिपक्व होती हैं, जिन्हें गैर–चालू परिसंपत्तियों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। ऋण और प्राप्य को शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है, साथ ही वित्तीय परिसंपत्तियों के मामले में एफवीटीपीएल पर दर्ज नहीं किया जाता है, वित्तीय परिसंपत्ति के अधिग्रहण के लिए जिम्मेदार लेनदेन लागत, हालांकि व्यापार प्राप्य जिसमें महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक शामिल नहीं है, को लेनदेन मूल्य पर मापा जाता है और बाद में प्रभावी ब्याज विधि का उपयोग करके परिशोधित लागत पर मापा जाता है, किसी भी हानि को कम करके। ऋण और प्राप्य में व्यापार प्राप्य, बिना बिल वाले राजस्व और अन्य परिसंपत्तियां शामिल हैं।

कंपनी ऐतिहासिक भुगतान पैटर्न, ग्राहक सांद्रता, ग्राहक क्रेडिट–योग्यता और वर्तमान आर्थिक रुझानों का विश्लेषण करके प्राप्य खातों की गैर–संग्रहणीयता का अनुमान लगाती है। यदि किसी ग्राहक की वित्तीय स्थिति बिगड़ती है, तो अतिरिक्त भत्ते की आवश्यकता हो सकती है।

### डी) व्यापार और अन्य देय

व्यापार और अन्य देय राशि को शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है, और बाद में प्रभावी ब्याज विधि का उपयोग करके परिशोधित लागत पर ले जाया जाता है। इन वित्तीय साधनों के लिए, वहन करने वाली राशियाँ इन उपकरणों की अल्पकालिक

परिपक्वता के कारण उचित मूल्य का अनुमान लगाती हैं।

**ई) सहायक, सहयोगियों और संयुक्त उद्यम में निवेश**

कंपनी सहायक, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों में लागत पर निवेश का हिसाब रखती है

कंपनी द्वारा नियंत्रित इकाई को कंपनी की सहायक कंपनी माना जाता है।

भारत के बाहर सहायक कंपनी में निवेश अधिग्रहण की तारीख को प्रचलित विनिमय दर पर अनुवादित किए जाते हैं।

जिन निवेशों में कंपनी का महत्वपूर्ण प्रभाव है, उन्हें सहयोगी के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। महत्वपूर्ण प्रभाव निवेश की वित्तीय और परिचालन नीतिगत निर्णयों में भाग लेने की शक्ति है, लेकिन उन नीतियों पर नियंत्रण या संयुक्त नियंत्रण नहीं है।

एक संयुक्त व्यवस्था जिसमें उन पार्टियों के पास संयुक्त व्यवस्था के शुद्ध संपत्ति के अधिकार हैं, संयुक्त उद्यम के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। संयुक्त नियंत्रण एक व्यवस्था के नियंत्रण की संविदात्मक रूप से सहमत साझेदारी है, जो केवल तभी मौजूद होती है जब प्रासंगिक गतिविधियों के बारे में निर्णयों के लिए नियंत्रण साझा करने वाले पक्षों की सर्वसम्मति की आवश्यकता होती है।

**(ii) व्युत्पन्न वित्तीय उपकरण**

कंपनी विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों, देनदारियों, विदेशी संचालन में शुद्ध निवेश और विदेशी मुद्रा में नामित अनुमानित नकदी प्रवाह पर विदेशी मुद्रा उतार–चढ़ाव के संपर्क में है।

कंपनी व्युत्पन्न के उपयोग सहित स्थापित जोखिम प्रबंधन नीतियों का पालन करके विदेशी मुद्रा दर के उतार–चढ़ाव के प्रभाव को सीमित करती है। कंपनी व्युत्पन्न वित्तीय लिखतों में प्रवेश करती है जहां प्रतिपक्ष मुख्य रूप से एक बैंक है।

डेरिवेटिव को उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है और मापा जाता है। आरोपण योग्य लेनदेन लागत को आय के विवरण में लागत के रूप में मान्यता दी जाती है।

प्रारंभिक मान्यता के बाद, व्युत्पन्न वित्तीय साधनों को नीचे वर्णित रूप से मापा जाता है:

**ए) नकदी प्रवाह हेज**

फर्म प्रतिबद्धताओं और व्युत्पन्न हेजिंग उपकरण के उचित मूल्य में पूर्वानुमान लेनदेन परिवर्तनों के संबंध में, जिसे नकदी प्रवाह हेज के रूप में नामित किया गया है, अन्य व्यापक आय में मान्यता दी जाती है और करों के शुद्ध नकद प्रवाह हेजिंग रिजर्व में रखी जाती है, इक्विटी का एक घटक, इस हद तक कि हेज प्रभावी है। तक

जिस सीमा तक हेज अप्रभावी है, उचित मूल्य में परिवर्तन को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है और विदेशी मुद्रा लाभ/(हानि), परिचालन गतिविधियों के परिणामों के भीतर शुद्ध के भीतर रिपोर्ट की जाती है। यदि हेजिंग उपकरण अब हेज लेखांकन के मानदंडों को पूरा नहीं करता है, तो हेज लेखांकन को भावी रूप से बंद कर दिया जाता है। नकदी प्रवाह हेजिंग रिजर्व में पहले से मान्यता प्राप्त संचयी लाभ या हानि संबंधित पूर्वानुमानित लेनदेन की घटना पर लाभ और हानि के विवरण में स्थानांतरित कर दी जाती है। यदि पूर्वानुमानित लेनदेन अब होने की उम्मीद नहीं है, तो इस तरह के संचयी शेष को तुरंत लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

**बी) अन्य**

विदेशी मुद्रा व्युत्पन्न उपकरणों के उचित मूल्य में परिवर्तन न तो नकद प्रवाह हेज के रूप में नामित हैं और न ही विदेशी संचालन में शुद्ध निवेश के हेज को आय के विवरण में मान्यता दी जाती है और विदेशी मुद्रा लाभ/(हानि), परिचालन गतिविधियों के परिणामों के भीतर शुद्ध के रूप में रिपोर्ट की जाती है।

उधार से संबंधित विदेशी मुद्रा व्युत्पन्न उपकरणों के निपटान पर उचित मूल्य और लाभ(हानि) में परिवर्तन, जिन्हें हेज के रूप में नामित नहीं किया गया है, वित्त व्यय में दर्ज किया जाता है।

## 2.22 खंड की जानकारी

कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) को इंड एएस–108, "ऑपरेटिंग सेगमेंट" द्वारा परिभाषित मुख्य परिचालन निर्णय निर्माता (सीओडीएम) के रूप में पहचाना गया है कंपनी के सीएमडी अपने राजस्व वृद्धि और परिचालन आय के आधार पर खंडों का मूल्यांकन करते हैं।

कंपनी ने अपने परिचालन खंडों की पहचान खनिज, बहुमूल्य धातु, धातु, कृषि उत्पाद, कोयला और हाइड्रोकार्बन, उर्वरक और सामान्य व्यापार/अन्य के रूप में की है।

कंपनी के व्यवसाय में उपयोग की जाने वाली परिसंपत्तियां और देनदारियां जो किसी भी परिचालन खंड के लिए पहचान योग्य नहीं हैं, उन्हें गैर–आवंटनीय परिसंपत्तियों/देनदारियों के रूप में दिखाया गया है। प्रबंधन का मानना है कि कुल परिसंपत्तियों और देनदारियों से संबंधित खंड प्रकटीकरण प्रदान करना वर्तमान में व्यवहार्य नहीं है क्योंकि परिसंपत्तियों का परस्पर उपयोग किया जाता है और इसलिए उपलब्ध डेटा का सार्थक पृथक्करण कठिन है।

## 2.23 पूर्व अवधि त्रुटियाँ

पूर्व अवधि (अवधियों) से संबंधित भौतिक राशि की त्रुटियों को पूर्व अवधि की त्रुटियों की प्रकृति के साथ एक नोट द्वारा प्रकट किया जाता है, प्रत्येक ऐसी पूर्व अवधि के सुधार की राशि को पूर्वव्यापी रूप से साथ ही मूल और पतला आय प्रति शेयर में परिवर्तन के साथ व्यवहार्य सीमा तक प्रस्तुत किया जाता है। हालाँकि, जहाँ किसी विशेष अवधि के लिए पूर्वव्यापी पुनर्कथन व्यवहार्य नहीं है, तो उन परिस्थितियों का खुलासा किया जाता है जो उस स्थिति के अस्तित्व की ओर ले जाती हैं और त्रुटि को कैसे और कहाँ से ठीक किया जाता है इसका विवरण लेखा के नोट्स में दिया जाता है। कंपनी की गतिविधियों की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, पूर्व अवधि की त्रुटियों को महत्वपूर्ण माना जाता है यदि आय/व्यय की मदें सामूहिक रूप से (शुद्ध) कंपनी के बिक्री कारोबार के 0.5% से अधिक हैं।

31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों का नोट

3. संपत्ति, प्लांट तथा उपकरण

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 1 अप्रैल 2025 को सकल कैरिंग मूल्य | वृद्धि | निपटान/समायोजन | 31 मार्च, 2026 को सकल कैरिंग मूल्य | 1 अप्रैल 2025 को संचित मूल्यह्रास | वृद्धि हानि | निपटान/समायोजन | 31 मार्च, 2026 को संचित मूल्यह्रास | 31 मार्च, 2026 को नेट कैरिंग मूल्य | 31 मार्च, 2025 को नेट कैरिंग मूल्य |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ्रीहोल्ड भूमि | | | | | | | | | | |
| – कार्यालय भवन | 0.37 | - | - | **0.37** | - | - | - | - | **0.37** | **0.37** |
| – कर्मचारियों के रहने के लिए कमरे | 0.17 | - | - | **0.17** | - | - | - | - | **0.17** | **0.17** |
| भूमि पट्टा | | | | | | | | | | |
| – कार्यालय भवन | 1.07 | - | - | **1.07** | 0.19 | 0.02 | - | **0.21** | **0.86** | **0.88** |
| – कर्मचारियों के रहने के लिए कमरे | 1.85 | - | (1.76) | **0.09** | 1.65 | 0.14 | (1.76) | **0.03** | **0.06** | **0.20** |
| भवन | | | | | | | | | | |
| – कार्यालय भवन | 6.78 | - | - | **6.78** | 1.67 | 0.16 | - | **1.83** | **4.95** | **5.11** |
| – स्टॉफ क्वार्टर्स/आवासीय फ्लैट्स | 0.88 | - | (0.54) | **0.35** | 0.27 | 0.02 | (0.17) | **0.12** | **0.23** | **0.61** |
| – जलापूर्ति, सीवरेज व ड्रेनेज | 0.09 | - | - | **0.09** | 0.07 | 0.01 | - | **0.08** | **0.01** | **0.02** |
| – विद्युत अधिष्टापन | 3.04 | - | - | **3.04** | 2.65 | 0.33 | 0.00 | **2.99** | **0.05** | **0.38** |
| – सड़कें व पुलियां | 0.02 | - | (0.01) | **0.01** | 0.02 | 0.00 | (0.01) | **0.01** | **0.00** | **0.00** |
| – ऑडियो/फायर/एयरकंडिशिनिंग डेशिनिंग | 0.06 | - | (0.01) | **0.05** | 0.06 | 0.00 | (0.01) | **0.05** | **0.00** | **0.00** |
| प्लांट एवं उपकरण | 40.59 | - | 0.01 | **40.59** | 29.86 | 4.03 | 0.01 | **33.90** | **6.70** | **10.73** |
| फर्नीचर तथा फिक्स्चर्स | - | - | - | | - | - | - | | | |
| –विभाजन | 0.40 | - | (0.00) | **0.40** | 0.33 | 0.03 | - | **0.36** | **0.04** | **0.07** |
| –अन्य | 1.37 | 0.01 | (0.01) | 1.36 | **1.12** | 0.11 | (0.01) | 1.22 | **0.15** | **0.25** |
| वाहनों | 0.47 | - | - | 0.47 | **0.44** | 0.01 | 0.00 | 0.46 | **0.01** | **0.03** |
| कार्यालय उपकरण | 1.79 | 0.06 | (0.02) | **1.83** | 1.59 | 0.05 | 0.00 | **1.65** | **0.18** | **0.20** |
| अन्य :– | | | | | | | | | | |
| रेलवे वैगन रेक | 0.00 | - | (0.00) | **0.00** | 0.00 | - | (0.00) | - | **0.00** | **0.00** |
| – बीएनएचटी पर रेलवे लूप लाइन | 0.00 | - | - | **0.00** | - | - | - | - | **0.00** | **0.00** |
| – कंप्यूटर/डेटा प्रोसेसर | 2.18 | 0.02 | (0.13) | **2.08** | 2.13 | 0.03 | (0.12) | **2.03** | **0.04** | **0.05** |
| **कुल** | **61.12** | **0.09** | **(2.47)** | **58.73** | **42.05** | **4.93** | **(2.07)** | **44.91** | **13.82** | **19.07** |
| **गत वर्ष** | **61.28** | **0.22** | **(0.39)** | **61.12** | **38.13** | **4.29** | **(0.37)** | **42.05** | **19.07** | |
| **परिसंपत्ति उपयोग का अधिकार** | **3.45** | **-** | **-** | **3.45** | **0.97** | **0.09** | **-** | **1.06** | **2.39** | **2.48** |
| **गत वर्ष** | **4.48** | **-** | **(1.02)** | **3.45** | **1.79** | **0.09** | **(0.91)** | **0.97** | **2.48** | |
| **कार्य प्रगति पर पूंजी** | **0.01** | **-** | **(0.01)** | **-** | **-** | **-** | **-** | **-** | **-** | **0.01** |
| **गत वर्ष** | **0.01** | **-** | **0.01** | **-** | **-** | **-** | **-** | **0.01** | **-** | **-** |

(ए) दिल्ली स्थित स्टाफ क्वार्टर्स से संबंधित लीजहोल्ड भूमि, सडकें तथा पुलियां, सीवरेज, ब्रेनेज तथा जलापूर्ति में वह शामिल है जो पूर्व में कंपनी द्वारा 50:50 के आधार पर एसटीसी लिमिटेड के साथ संयुक्त रूप से धारित थी। तथापि कंपनी ने वर्ष 2018–19 में डीडीए से अपने हिस्से की 16.16 एकड भूमि की अलग लीज डीड अपने नाम पर निष्पादित करा ली।

(बी) वर्ष के दौरान, कंपनी ने परिसंपत्तियों में हुई हानि का निर्धारण कराया तथा तदनुसार पीपीई के मूल्य में वर्ष के दौरान हुई 0.47 करोड रूपए (गत वर्ष 'शून्य' करोड़ रुपए) की हानि का प्रावधान किया गया है।

(सी) एमएमटीसी की 36 संपत्तियों के मूल शीर्षक पत्र रजिस्ट्रार जनरल, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के पास जमा किए गए निर्देशों के आधार पर दिनांक 22.04.2019 और 22.05.2019 के आदेश के आधार पर जमा किए गए हैं।

(डी) नोट सं. 47 देखें

4. निवेश संपत्ति

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को | 31 मार्च, 2025 को |
|---|---|---|
| वर्ष के आरंभ में सकल कैरिंग मूल्य | 3.40 | 3.62 |
| वृद्धि | - | - |
| निपटान / समायोजन | - | (0.22) |
| वर्ष के अंत में सकल कैरिंग मूल्य | 3.40 | 3.40 |
| वर्ष के आरंभ में संचित मूल्यह्रास | 0.73 | 0.70 |
| वृद्धि | 0.07 | 0.07 |
| निपटान / समायोजन | - | (0.04) |
| **वर्ष के अंत में संचित मूल्यह्रास** | 0.80 | 0.73 |
| **वर्ष के अंत में नेट कैरिंग मूल्य** | **2.60** | **2.67** |

निवेश परिसंपत्ति के लिए लाभ व हानि खातें में शामिल की गई राशि

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 | 31 मार्च, 2025 |
|---|---|---|
| किराया आय | 3.60 | 2.37 |
| मूल्यह्रास से पूर्व निवेश परिसंपत्तियों से लाभ | 3.60 | 2.37 |
| मूल्यह्रास | 0.07 | 0.07 |
| **निवेश संपत्तियों से लाभ** | 3.53 | **2.29** |

लिजिंग व्यवस्था

कुछ निवेश संपत्तियां किराएदारों को दीर्घकालिक परिचालन पट्टा पर लीज पर दी जाती हैं, जिनका किराया हर महीने देना होता है। निवेश संपत्तियां की गैर–निरसनीय परिचालन पट्टा के तहत मिलने वाले न्यूनतम पट्टा भुगतान इस तरह हैं:–

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 | 31 मार्च, 2025 |
|---|---|---|
| वर्ष के अन्दर | - | - |
| एक वर्ष के बाद परंतु पांच वर्ष तक | - | - |
| पांच वर्ष के बाद | - | - |
| **कुल** | - | - |

उचित मूल्य का अनुमान

निवेश संपत्तियों का मूल्यांकन निम्नलिखित मॉडल के अनुसार किया गया है। स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता द्वारा तय की गई निवेश संपत्ति की उचित कीमत रुपए110.62 करोड़ (पिछले साल रुपए 107.08 करोड़) है।

5. अन्य अमूर्त संपत्तिया

| विवरण | 1 अप्रैल 2025 को सकल कैरिंग मूल्य | वृद्धि | निपटान / समायोजन | 31 मार्च 2026 को सकल कैरिंग मूल्य | 1 अप्रैल 2025 को संचित मूल्याह्रास | वृद्धि | निपटान / समायोजन | 31 मार्च 2026 को संचित मूल्यह्रास | 31 मार्च 2026 को नेट कैरिंग मूल्य | 31 मार्च 2025 को नेट कैरिंग मूल्य |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कंप्यूटर साफ्टवेयर | 4.17 | 0.00 | (0.04) | 4.14 | 4.10 | 0.05 | (0.04) | 4.11 | 0.03 | 0.08 |
| पिछले वर्ष | 4.17 | - | - | 4.17 | 4.04 | 0.05 | - | 4.10 | 0.08 | - |

6. निवेश

(₹ in Crore)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | | 31 मार्च, 2025 के अनुसार | |
|---|---|---|---|---|
| **ए. गैर चालू निवेश** | | | | |
| (ए.) अमोटाईज्ड लागत पर इक्विटी में निवेश– | | | | |
| **(i) सहायक कंपनी** | | | | |
| **अनकोटिड** | | | | |
| एमएमटीसी ट्रांसनेशनल प्राइवेट लिमिटेड 146150 (गत वर्ष 1461502) | | | | |
| S$ 1 प्रति शेयर वाले पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयर | 3.14 | | 3.14 | |
| **जोड़ें / (घटाएं):** निवेश के मूल्य में गिरावट (इम्पेयरमेंट) | **(3.14)** | - | (3.14) | |
| **(ii) संयुक्त उपक्रम** | | | | |
| **अनकोटिड** | | | | |
| एमएमटीसी गीतांजलि लिमिटेड 10/– रुपये मूल्य के 2987400 | | | | |
| पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर (गत वर्ष 2987400) | **2.99** | | 2.99 | |
| जमा/(कमी) : निवेश मूल्य में कमी | **(2.99)** | - | (2.99) | - |
| फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्रा. लि. – प्रत्येक 10/– रुपये | | | | |
| मूल्य के 5000 पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर (गत वर्ष 5000) | **0.01** | | 0.01 | |
| जमा/(कमी) : निवेश मूल्य में कमी | **(0.01)** | - | (0.01) | - |
| एमएमटीसी पैम्प इंडिया प्रा. लि.– प्रत्येक 10/– रुपये मूल्य के | | | | |
| 17446000 पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर (गत वर्ष 17446000) | | **17.45** | 17.45 | |
| **iii) अन्य** | | | | |
| **अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य** | | | | |
| **कोटिड** | | | | |
| बाम्बे स्टॉक एक्सचेंट लिमिटेड 350649 (गत वर्ष 116883) | | | | |
| पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर रुपए 2 प्रत्येक | **3.00** | | 3.00 | |
| जमा/(कमी) : अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य समायोजन | | | | |
| **व्यापक आमदनी** | **91.10** | **94.10** | 61.05 | 64.05 |
| **अमोर्टाइज्ड लागत** | | | | |
| **अनकोटिड** | | | | |
| इंडो फ्रेंच बायोटेक लिमिटेड प्रत्येक 10/– रुपये मूल्य के | | | | |
| 4750000 पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर (गत वर्ष 4750000) | 4.75 | | 4.75 | |
| जमा/(कमी) : निवेश मूल्य में कमी | (4.75) | 0.00 | (4.75) | 0.00 |
| **इक्विटी इंस्ट्रूमेंट में कुल निवेश** | | **111.55** | | **81.50** |

(रु. करोड़ में)

| **कुल गैर चालू निवेश (सकल)** | | **31.33** | | **31.33** |
|---|---|---|---|---|
| | सकल राशि | बाजार मूल्य | सकल राशि | बाजार मूल्य |
| कोटिड निवेश की सकल राशि तथा इसका बाजार मूल्य | 3.00 | 94.10 | 3.00 | 64.05 |
| अनकोटिड निवेश की सकल राशि | 28.33 | - | 28.33 | - |
| निवेश मूल्य में कमी की सकल राशि | 10.89 | - | 10.89 | - |

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 | | 31 मार्च, 2025 | |
|---|---|---|---|---|
| बी. चालू निवेश | - | - | - | - |

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को | | 31 मार्च, 2025 को | |
|---|---|---|---|---|
| 6 दसी बिक्री के लिए रखी गई गैर–चालू निवेश | | | | |
| क) अमोटाईज्ड लागत पर इक्विटी इंस्ट्रूमेंट में निवेश | | | | |
| संयुक्त उपक्रम | | | | |
| अनकोटिड | | | | |
| सिकॉल आयरन ओर टर्मिनल लि.– प्रत्येक रुपये 10/– मूल्य के 33800000 पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर (गत वर्ष 33800000) | 33.80 | | 33.80 | |
| जमा/(कमी) : लाभ व हानि के माध्यम से उचित मूल्य समायोजन | (33.80) | - | (33.80) | - |
| अन्य | | | | |
| अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य | | | | |
| अनकोटिड | | | | |
| इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज लि. – प्रत्येक 5/– मूल्य के 32000000 पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर (गत वर्ष 32000000) | 16.00 | | 16.00 | |
| जमा/(कमी) : अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य समायोजन | (16.00) | - | (16.00) | - |
| बिक्री के लिए रखा गया कुल निवेश | - | - | - | - |

I. सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के इक्विटी उपकरणों में सभी गैर–चालू निवेश, निवेश के मूल्य में हुई हानि (यदि कोई हो) को घटाकर लागत पर किए जाते हैं। अन्य कंपनियों के इक्विटी उपकरणों में निवेश उचित मूल्य पर किए जाते हैं।

ii. कंपनी ने 2009–10 में सिकाल आयरन ओर टर्मिनल लिमिटेड (सिकाल) में 26: इक्विटी के लिए रुपए 33.80 करोड़ का निवेश किया था, जो एमएमटीसी लिमिटेड 26%, सिकाल लॉजिस्टिक लिमिटेड (एसएलएल) 63% और एलएंडटी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (एलएंडटी आईडीपीएल) 11: के साथ एक संयुक्त उद्यम है, जिसका उद्देश्य तमिलनाडु के कामराज पोर्ट लिमिटेड (केपीएल) (पूर्ववर्ती एन्नोर पोर्ट ट्रस्ट) में लौह अयस्क टर्मिनल के निर्माण और संचालन के लिए है। टर्मिनल का निर्माण नवंबर 2010 तक पूरा हो गया था। कर्नाटक राज्य में बेल्लारी–होस्पेट सेक्टर से लौह अयस्क की अनुपलब्धता और सरकार द्वारा निर्यात के लिए लौह अयस्क के खनन/आंदोलन पर प्रतिबंध लगाने के कारण मेसर्स एसआईओटीएल वाणिज्यिक परिचालन शुरू नहीं कर सका। लौह अयस्क निर्यात के अनिश्चित भविष्य को देखते हुए और बनाए गए बुनियादी ढांचे का उपयोग करने के लिए, कामराज पोर्ट लिमिटेड (केपीएल) चूंकि कोयला एमएमटीसी के तत्कालीन मौजूदा कारोबार के साथ तालमेल नहीं रखता था, इसलिए सितंबर 2016 में एमएमटीसी बोर्ड ने संयुक्त उद्यम से बाहर निकलने का फैसला किया।

एमएमटीसी ने एसआईओटीएल में अपनी पूरी 26% इक्विटी की बिक्री के लिए ऑनलाइन निविदा के माध्यम से बोलियां आमंत्रित की, हालांकि कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। एसआईओटीएल के शेयरधारक समझौते में शुरुआत इनकार के अधिकार के अनुसार, एसआईओटीएल के प्रमुख प्रमोटर एसआईसीएएल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड (एसएलएल) ने एमएमटीसी द्वारा निर्धारित आरक्षित मूल्य पर एमएमटीसी की इक्विटी खरीदने की पेशकश की, जिसे एमएमटीसी बोर्ड ने स्वीकार करने का फैसला किया। एसआईओटीएल में एमएमटीसी की इक्विटी की बिक्री के लिए 31.05.2018 को एसआईसीएएल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के साथ शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। अंतिम विस्तार 31.03.2020 तक वैध था। वित्तीय संकट के कारण, मेसर्स सिकल लॉजिस्टिक्स एसपीए के विरुद्ध बिक्री मूल्य का भुगतान नहीं कर सका और इसलिए एमएमटीसी द्वारा 31.03.2020 को निवेश के मूल्य में कमी के लिए 33.80 करोड़ का प्रावधान किया गया।

मार्च 2021 और मार्च 2022 में, एनसीएलटी द्वारा क्रमशः मेसर्स एसएलएल और संयुक्त उद्यम कंपनी मेसर्स एसआईओटीएल के विरुद्ध कॉरपोरेट दिवाला कार्यवाही शुरू की गई।

एमएमटीसी ने एसपीए के आधार पर अप्रदत्त शेयर बिक्री प्रतिफल के लिए एसएलएल के कॉरपोरेट दिवाला समाधान पेशेवर (सीआईआरपी) और एसआईओटीएल के सीआईआरपी के समक्ष 34.26 करोड़ का दावा दायर किया। एमएमटीसी ने अपने निवेश की वसूली के लिए उपलब्ध विकल्पों के संबंध में एएसजी से कानूनी राय भी ली थी, जिन्होंने कहा था कि एमएमटीसी, एक शेयरधारक होने के नाते, इस स्तर पर वसूली के बहुत कम अवसर उपलब्ध हैं, क्योंकि एसएलएल और एसआईओटीएल दोनों ही दिवालियापन की कार्यवाही के अधीन हैं।

एनसीएलटी ने अपने दिनांक 08.12.2022 के आदेश के तहत एसएलएल की समाधान योजना को मंजूरी दे दी है और सफल समाधान आवेदक की नियुक्ति कर दी गई है। इसके अलावा, एनसीएलटी ने अपने दिनांक 23 जून, 2023 के आदेश के तहत सिकाल आयरन ओर टर्मिनल लिमिटेड (एसआईओटीएल) के संबंध में परिसमापन प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है और तदनुसार इसके लिए परिसमापक नियुक्त किया है।

एमएमटीसी अपने निवेश की वसूली के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर रहा है और उसने एसआईओटीएल के मामले में परिसमापक को फॉर्म जी के तहत दावा प्रपत्र प्रस्तुत कर दिया है, जिसका उत्तर प्रतीक्षित है।

iii. एमएमटीसी ने 2009–10 के दौरान आईसीईएक्स में 26 करोड़ रुपये (5.20 करोड़ इक्विटी शेयर, 5 रुपये अंकित मूल्य) का निवेश किया था। आईसीईएक्स की प्रारंभिक इक्विटी पूंजी 100 करोड़ रुपये थी जिसे बाद में बढ़ाकर 266.75 करोड़ रुपये कर दिया गया। हालांकि बाद में एमएमटीसी ने 2015–16 में 10 रुपये प्रति शेयर की दर से 2 करोड़ शेयर का विनिवेश किया। इस विनिवेश के बाद एमएमटीसी की शेयरधारिता घटकर 16 करोड़ रुपये (3.20 करोड़ शेयर, 5 रुपये अंकित मूल्य) रह गई, जो 266.75 करोड़ रुपये की कुल शेयर पूंजी का 6% है।

बाद में, आईसीईएक्स की नेट वर्थ में कमी के कारण, एमएमटीसी ने 2019–20 और 2021–22 में क्रमशः रुपए 8.16 करोड़ और रुपए 7.84 करोड़ का उचित मूल्य का समायोजन प्रदान किया। इसलिए, इस समायोजन के बाद रुपए 16 करोड़ की पूरी राशि के लिए प्रावधान किया गया है।

आईसीईएक्स के शेयर किसी भी स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेडिंग के लिए सूचीबद्ध नहीं हैं। एमएमटीसी ने वित्त वर्ष 2017–18 में और फिर वित्त वर्ष 2019–20 से 2021–22 के दौरान आईसीईएक्स में अपनी इक्विटी बेचने की कोशिश की, लेकिन कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई गई।

आईसीईएक्स के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 14 फरवरी, 2023 को हुई बोर्ड मीटिंग में रेगुलेटर (सेबी) को एक्सचेंज का लाइसेंस/मान्यता स्वेच्छा से सौंपने और कमोडिटी डेरिवेटिव्स का कारोबार बंद करने को मंजूरी दी थी। बाद में शेयरधारकों ने 24 मई, 2023 को हुई एक्स्ट्राऑर्डिनरी जनरल मीटिंग (स्थगित) में इसे मंजूरी दी। इसके बाद, सेबी ने 10 दिसंबर, 2024 के आदेश के जरिए आईसीईएक्स को स्टॉक एक्सचेंज के तौर पर बाहर निकलने और इस तरह आईसीईएक्स को मिली मान्यता वापस लेने की अनुमति दे दी।

कमोडिटी एक्सचेंज के तौर पर अपनी मान्यता सौंपने के बाद, आईसीईएक्स ने 10 जुलाई, 2025 को पोस्टल बैलेट के जरिए पास किए गए स्पेशल रिजॉल्यूशन के माध्यम से अपने मेमोरेंडम और आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में बदलाव को मंजूरी दी। आईसीईएक्स ने नए बिजनेस एक्टिविटीज (खासकर टेक्नोलॉजी, डेटा सर्विसेज और संबंधित क्षेत्रों में) को आगे बढ़ाने के लिए अपना नाम 'इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड' से बदलकर 'फ्यूजन टेकस्टैक लिमिटेड' करने को भी मंजूरी दी।

नाम में इस बदलाव को कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने 09 सितंबर, 2025 को विधिवत मंजूरी दे दी।

7. प्राप्य व्यापार

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को | 31 मार्च, 2025 को |
|---|---|---|
| **(I) अन्य व्यापार प्राप्य** | | |
| ए) अच्छे माने गये–सुरक्षित | 20.04 | 114.69 |
| बी) अच्छे माने गये–असुरक्षित | 4.00 | 4.35 |
| सी) ऐसा जिसमें क्रेडिट जोखिम अधिक है | - | - |
| डी) क्रेडिट हानि | 318.03 | 389.96 |
| घटाएः अशोध्य तथा संदिग्ध ऋणों की स्वीकार्यता | 318.03 | 389.96 |
| अनुयोग | 24.04 | 119.04 |
| **कुल** | 24.04 | 119.04 |
| गैर–चालू (ए) | - | - |
| चालू (बी) | 24.04 | 119.04 |
| **कुल** | **24.04** | **119.04** |

उपरोक्त में से, कंपनी के डायरेक्टरों या दूसरे अधिकारियों (या तो अकेले या किसी और व्यक्ति के साथ मिलकर) से ली जाने वाली रकम, या उन फर्मों या प्राइवेट कंपनियों से ली जाने वाली रकम जिनमें कोई डायरेक्टर पार्टनर, डायरेक्टर या सदस्य है, वह रुपए शून्य करोड़ है (पिछले साल रुपए शून्य करोड़ थी)।

एजिंग (उम्र) के लिए नोट नंबर 37.3 (बी) और नोट नंबर 36 (एच) (ii) देखें।

**अशोध्य और संदिग्ध ऋण के लिए भत्तों में परिवर्तनः**

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| वर्ष के आरंभ में शेष | 389.96 | 390.29 |
| वर्ष के दौन वृद्धि | 15.99 | 0.09 |
| वर्ष के दौरान रिवर्सल | (87.92) | (0.42) |
| वर्ष के दौरान उपयोग | - | - |
| वर्ष के अंत में शेष | 318.03 | 389.96 |

**8. ऋण**

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | | 31 मार्च, 2025 के अनुसार | |
|---|---|---|---|---|
| | चालू | गैर–चालू | चालू | गैर–चालू |
| प्राप्ति योग्य–सुरक्षित | | | | |
| संबंधित पार्टियों को गए ऋण | - | - | - | - |
| कर्मचारियों को दिए गए ऋण | 0.13 | 0.39 | 0.15 | 0.54 |
| अन्य | - | - | - | - |
| **अनुयोग** | **0.13** | **0.39** | **0.15** | **0.54** |
| प्राप्ति योग्य–असुरक्षित | - | 0.58 | - | 0.58 |
| संबंधित पार्टियों को ऋण** | 10.77 | - | 40.02 | - |
| कर्मचारियों को ऋण* | 0.95 | 0.69 | 0.73 | 1.09 |
| अन्य | - | - | - | - |
| **अनुयोग** | **11.72** | **1.27** | **40.76** | **1.67** |
| क्रेडित मे छत | | | | |
| संबंधित पार्टियों को ऋण | - | - | - | - |
| कर्मचारियों को ऋण | - | - | - | - |
| अन्य | - | 0.06 | - | 0.06 |
| **घटाए : अशोध्य तथा संदिग्ध ऋण** | - | 0.06 | - | 0.06 |
| **अनुयोग** | | - | - | - - |
| **योग** | **11.85** | **1.66** | **40.90** | **2.21** |

उपरोक्त में से, कंपनी के डायरेक्टरों या दूसरे अधिकारियों (या तो अकेले या किसी और व्यक्ति के साथ मिलकर) से या उन फर्मों या प्राइवेट कंपनियों से बकाया रकम–जिनमें कोई डायरेक्टर पार्टनर, डायरेक्टर या सदस्य है–शून्य करोड़ रुपये (पिछले साल शून्य करोड़ रुपये) है।

*कर्मचारियों की प्रॉपर्टी और दूसरी एसेट्स को गिरवी रखकर/अंडरटेकिंग के जरिए सुरक्षित।

** 06.11.2023 को कंपनी ने वीआरएस लेने वाले कर्मचारियों को पेमेंट करने के लिए सीपीएफ ट्रस्ट को 40 करोड़ रुपये का ब्याज वाला एडवांस/लोन दिया। साल के दौरान सीपीएफ ट्रस्ट ने 31.50 करोड़ रुपये (पिछले साल 4.00 करोड़ रुपये) वापस कर दिए हैं। बाकी रकम ट्रस्ट अपने इन्वेस्टमेंट से फंड मिलने पर (जरूरी एडजस्टमेंट के बाद, अगर कोई हो) एमएमटीसी को वापस करेगा। वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए सीपीएफ ट्रस्ट से मिलने वाले ब्याज के तौर पर 2.25 करोड़ रुपये (पिछले साल 2.94 करोड़ रुपये) का हिसाब किया गया है।

**9. अन्य वित्तीय परिसंपत्तिया**

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | | 31 मार्च, 2025 के अनुसार | |
|---|---|---|---|---|
| | चालू | गैर–चालू | चालू | गैर–चालू |
| 12 महीने से अधिक परिपक्वता वाले बैंक जमा राशि | - | 0.05 | - | 0.05 |
| भुगतान नहीं किये गये लाभांश के लिए बैंक के पास शेष | - | 0.05 | - | 0.09 |
| एनएसईएल से प्राप्य (i) | - | **208.25** | - | 208.25 |
| प्राप्य डेमरेज तथा डिस्पैच | **8.06** | - | 8.06 | - |
| फारवार्ड संविदा प्राप्य | - | - | - | - |
| अन्य कंपनियो को दिए गए अग्रिम (ii) | - | **33.68** | - | 33.63 |
| अन्य | **0.56** | **9.04** | 0.16 | 9.02 |
| सिक्योरिटी जमा | **0.90** | **1.17** | 0.73 | 1.19 |
| **उत्पन्न देय ब्याज/अदेय ब्याज** | | | | |
| –सावधिक जमा राशि | **89.71** | - | 86.85 | - |
| –कर्मचारियों को दिए गए ऋण | **0.28** | **2.66** | 0.33 | 2.90 |
| –संबंधित पार्टियों को दिए गए ऋण | - | - | - | - |
| –अन्य को दिए गए ऋण | - | **1.74** | - | 1.74 |
| **अन्य** | - | **8.99** | - | **4.94** |
| घटाएं : अशोध्य तथा संदिग्ध प्राप्यों में हानि/स्वीकार्यता संदिग्ध प्राप्तियां | **2.69** | **242.24** | 3.60 | 237.28 |
| **योग** | **96.82** | **23.39** | **92.53** | **24.53** |

(i) इसमें अलग–अलग उधार लेने वालों और नेशनल स्पॉट एक्सचेंज (एनएसईएल) से वसूल की जाने वाली रुपए 208.25 करोड़ (पिछले साल रुपए 208.25 करोड़) की रकम शामिल है, जो एनएसईएल द्वारा पेमेंट की जिम्मेदारी पूरी न करने (डिफॉल्ट) की वजह से बकाया है। इसके लिए पहले ही पूरा प्रोविजन किया जा चुका है। कंपनी ने एलएसईएल और अन्य के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में सिविल केस दायर किया है और सुनवाई चल रही है। भारत के सुप्रीम कोर्ट ने एलएसईएल और एफटीआईएल के विलय (समामेलन के आदेश को रद्द कर दिया है। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र राज्य की अपील को मंजूरी दी और माना कि एमपीआईडी एक्ट की धारा 4 के तहत जारी किए गए नोटिफिकेशन, जिनके जरिए 63 मून्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की संपत्तियों को जब्त किया गया था, वैध हैं।

बकाया दावों के पेमेंट के लिए, नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड (एलएसईएल) ने वन–टाइम सेटलमेंट स्कीम का प्रस्ताव दिया है, जिसमें दावा की गई रकम का लगभग 42% देने की पेशकश की गई है। इसके लिए एलएसईएल ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी), मुंबई के सामने एक अर्जी दायर की है। पहली सुनवाई में, एनसीएलटी ने 08.04.2025 के आदेश के जरिए एनएसईएल को निर्देश दिया कि वह दावा करने वालों से वन–टाइम सेटलमेंट के लिए सहमति लेने के लिए पोस्टल बैलेट बुलाए। वोटिंग के नतीजों में, लगभग 75% मौद्रिक दावे वाले वोटरों ने प्रस्ताव पर सहमति जताई। एनसीएलएटी, मुंबई बेंच ने 28.11.2025 के आदेश के जरिए एनएसईएल मामले में सेटलमेंट स्कीम को मंजूरी दी। एनसीएलएटी के आदेश के खिलाफ एमएमटीसी ने अपील दायर की, जिसे 30.03.2026 को खारिज कर दिया गया।

एनसीएलएटी द्वारा एमएमटीसी की अपील खारिज किए जाने के बाद, एनएसईएल ने एमएमटीसी का केस खारिज करने के लिए अर्जी दायर की, जिसे ले.जे. तन्ना शेयर्स एंड सिक्योरिटीज द्वारा दायर केस नंबर 121/2014 के साथ जोड़ दिया गया। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 27.04.2026 को एमएमटीसी का केस निपटा दिया, लेकिन सेटलमेंट एग्रीमेंट की शर्तों के अनुसार केस को फिर से शुरू करने का एमएमटीसी का अधिकार सुरक्षित रखा।

ii. इस साल एचएफटीडब्लूपीएल और केएफटीडब्लूपीएल को प्रोजेक्ट डेवलपमेंट के लिए दिए गए एडवांस के खिलाफ रुपए शून्य करोड़ (पिछले साल रुपए शून्य करोड़) का प्रोविजन किया गया है। 31.03.2026 तक कुल प्रोविजन रु. 16.31 करोड़ है (पिछले साल रु. 16.31 करोड़ था)। रु. 16.89 करोड़ का प्रोविजन नहीं किया गया है क्योंकि जेवी (एचएफटीडब्लूपीएल) की सब्सिडियरी कंपनी ने जमीन सरेंडर करने के बाद हल्दिया डेवलपमेंट अथॉरिटी में क्लेम किया है।

**10. आस्थगित कर परिसंपत्तिया**

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| **आस्थगित कर देयता** | | |
| संपत्ति, संयंत्र और उपकरण | **1.71** | **2.79** |
| कर्मचारी लाभ व्यय के लिए प्रावधान | **3.06** | **3.58** |
| **अनुपयोग** | **4.77** | **6.37** |
| सीगित कर परिसंपत्तियां | | |
| संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान | **-** | **163.79** |
| **अनुपयोग** | **-** | **163.79** |
| **स्थगित कर परिसंपत्ति (शुद्ध)*** | **-** | **157.42** |
| **स्थगित कर दायित्व (शुद्ध)*** | **4.77** | |

आस्थगित कर परिसंपत्तियां को कंपनी की संभावित भावी कर योग आय के प्रति अपेक्षित उपयोग की सीमा तक शामिल किया गया है।

कंपनी ने मौजूदा समय में अनिश्चितताओं को देखते हुए, घाटे को आगे ले जाने और समय के अंतर के संबंध में आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता नहीं दी है। इसके अलावा, बुक्स में पहले से दिख रहे रु. 163.79 करोड़ के स्थगित कर संपत्ति का शेष को इंड एएस 12 – "आयकर" के अनुसार वर्ष के दौरान समायोजित/मान्यता समाप्त कर दिया गया है।

* कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2022–23 (आकलन वर्ष 2023–24) से लागू कराधान कानून (संशोधन) अधिनियम,, 2019 के तहत अनुच्छेद 115बीएए के विकल्प के अनुसार नई आयकर दरों को चुना है।

**वर्ष के दौरान आस्थगित कर शेष में संचलन**

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को शेष | लाभ व हानि में शमिल | समायोजन | 31 मार्च, 2026 को शेष |
|---|---|---|---|---|
| **आस्थगित कर देयता** | | | | |
| संपत्ति, प्लांट तथा उपकरण | 2.79 | 1.08 | - | 1.71 |
| कर्मचारी लाभ व्यय के लिए व्यवधान | 3.58 | 0.52 | - | 3.06 |
| **अनुयोग** | **6.37** | **1.60** | **-** | **4.77** |
| आस्थगित कर परिसंपत्तिया | | | | |
| अशोध्य व संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान | 163.79 | 163.79 | - | - |
| **अनुयोग** | **163.79** | **163.79** | **-** | **-** |
| **योग (शुद्ध)** | **157.42** | **162.19** | **-** | **4.77** |

**मान्यता प्राप्त आस्थगित कर परिसंपत्तियां/देयताएं**

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 के अनुसार | 31 मार्च 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| अस्थाई कटौती योग्य अंतर राशि | 4.77 | 157.42 |
| **कुल** | **4.77** | **157.42** |

11. अन्य संपत्तियां (रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| **ए. गैर चालू** | | |
| पूंजी अग्रिम के अलावा अन्य अग्रिम | | |
| - अन्य सप्लायर्स को अग्रिम | 3.89 | 3.89 |
| - अन्य अग्रिम | 15.45 | 15.45 |
| अशोध्य तथा संदिग्ध अग्रिमों की स्वीकार्यता | (15.63) | (15.63) |
| अन्य | | |
| - वसूली योग्य प्रदत्त आयकर* | 19.18 | 25.00 |
| - अन्य | 0.10 | 0.04 |
| **कुल** | **22.99** | **28.75** |
| **बी. चालू** | | |
| पूंजी अग्रिम के अलावा अन्य अग्रिम | | |
| - सिक्योरिटी डिपोजिट | 0.05 | 0.05 |
| - संबंधित पार्टियों को अग्रिम | - | |
| - संबंधित पक्षों को व्यापार संबंधी अग्रिम भुगतान - | - | |
| - अन्य आपूर्तिकारों को अग्रिम | - | 0.00 |
| - अन्य प्राप्य दावे | 38.56 | 153.41 |
| - बिना बिलों के की गई गोल्ड/सिल्वर स्टॉक की खरी मुकदमे का निपटारा# | 13.21 | - |
| - अन्य अग्रिम** | 97.76 | 1,098.79 |
| खराब और संदिग्ध अग्रिमों के लिए प्रावधान | (3.36) | (4.20) |
| अन्य | | |
| - आयकर रिफंड देय | - | - |
| - देय बिक्री कर रिफंड | 6.70 | 15.07 |
| - देय एक्साइज/कस्टम ड्यूटी रिफंड | 2.63 | 2.64 |
| - देय सेवाकर रिफंड | 7.45 | 6.59 |
| - अन्य | 29.08 | 28.33 |
| **कुल** | **192.08** | **1,300.68** |

# नोट 32 (ii) देखें ए)

*इसमें रुपए 4.27 करोड़ (पिछले साल रुपए 23.85 करोड़) शामिल हैं जो विवादित हैं (नोट नंबर 34 (I) (बी) देखें)

(प) ** एंग्लो कोल मामले में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा 06.05.2022 और 07.07.2022 को पारित आदेशों के अनुसार, रुपए 1088.62 करोड़ की राशि (रुपए 1087.76 करोड़ न्यायालय में जमा किए गए और रुपए 0.86 करोड़ एमएमटीसी, भुवनेश्वर बैंक खाते से अटैच किए गए) माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में जमा की गई थी और अंतिम राशि माननीय न्यायालय के निर्णय/स्पष्टीकरण के अधीन है। खातों की किताबों में रुपए 1088.62 करोड़ का प्रावधान पहले ही किया जा चुका है। इसके अलावा, 09.05.2025 के आदेश के माध्यम से, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि डिक्री–धारक 2 सप्ताह यानी 23.05.2025 की समाप्ति के बाद उक्त राशि को अब तक अर्जित ब्याज के साथ निकालने का हकदार होगा। एमएमटीसी ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय में रच दायर की थी, जिसे 03.11.2025 के आदेश द्वारा खारिज कर दिया गया है। माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में एक मुकदमा भी दायर किया गया था जिसे 29.07.2025 के आदेश द्वारा खारिज कर दिया गया है। सीबीआई ने उक्त लेनदेन में देखी गई अनियमितताओं के संबंध में एमएमटीसी द्वारा दायर शिकायत के आधार पर 21.07.2025 को एक मामला (आरसी) दर्ज किया है। इसके अलावा, एमएमटीसी ने एंग्लो को देय अंतिम राशि की गणना और विदहोल्डिंग टैक्स पर स्पष्टीकरण से संबंधित माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में एक आवेदन दायर किया है। जिसके खिलाफ माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने 10.11.2025 को एंग्लो कोल को रुपए 1000.00 करोड़ जारी करने का आदेश दिया था। दोनों पक्षों द्वारा जमा किए गए हिसाब–किताब में विदेशी मुद्रा दर के कारण आए अंतर और विदहोल्डिंग टैक्स से जुड़ी बकाया राशि पर सुनवाई अगली तारीख, यानी 09.07.2026 को होगी। इसके अनुसार, कोर्ट के निर्देश पर एंग्लो कोल को राशि (रुपए1000.00 करोड़ और रुपए 0.86 करोड़) जारी कर दी गई है और 31.3.2026 को समाप्त हुए वर्ष के दौरान इसे प्रोविजन और कोर्ट में जमा राशि, दोनों से कम कर दिया गया है।

इसके अलावा, मैनेजमेंट के अनुमान के अनुसार, कोर्ट में शुरू में जमा की गई रुपए 1087.76 करोड़ की राशि पर 17.11.2025 तक लगभग रुपए 260.00 करोड़ का ब्याज बना है। इसलिए, उम्मीद है कि इस देनदारी को निपटाने के लिए और पैसे की जरूरत नहीं पड़ेगी।

(ii) इसमें 2023–24 के दौरान सीईएसटीईटी के पास जमा की गई रुपए 0.60 करोड़ की राशि शामिल है (पिछले साल रुपए 0), जो सर्विस टैक्स की मांग के खिलाफ अपील करने के लिए जरूरी है।

(iii) इसमें कंपनी के खिलाफ दिए गए आर्बिट्रेशन अवॉर्ड के मामले में, कोर्ट के निर्देशों के अनुसार माननीय दिल्ली हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के पास जमा की गई रुपए 2.12 करोड़ की राशि शामिल है।

(iv) इसमें ओएमपी (इएनजी) केआईएसपीएल बनाम एमएमटीसी लिमिटेड मामले के संबंध में माननीय दिल्ली हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के पास जमा की गई रुपए 2.79 करोड़ की राशि शामिल है। कंपनी ने रुपए 3.49 करोड़ (पिछले साल रुपए 3.29 करोड़) की आकस्मिक देनदारी (आकस्मिक देयता) मानी है (नोट नंबर 34 देखें)।

(v) इसमें डीपीई गाइडलाइंस के अनुसार पारिश्रमिक समिति की मंजूरी मिलने तक कर्मचारियों को दिया गया पीआरपी एडवांस शामिल है, साथ ही, कंपनी पीआरपी के भुगतान का आकलन कर रही है। कर्मचारियों से ऊपर बताए गए पीआरपी एडवांस की वसूली के आदेश पर स्टाफ और ऑफिसर्स फोरम ने आपत्ति जताई है और यह मामला संबंधित कोर्ट में लंबित है।

12. इन्वेंट्रीज

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को | 31 मार्च, 2025 को |
|---|---|---|
| कच्चा माल | - | 0.01 |
| तैयार माल | 0.00 | 0.35 |
| स्टॉक इन ट्रेड | | |
| (शून्य करोड़ रु. (पिछले वर्ष शून्य करोड़, रुपये मूल्य के गुड्स इन ट्रॉजिट) | 0.00 | 0.00 |
| अन्य–इंवेन्ट्री हेज समायोजन | - | - |
| योग | **0.00** | **0.36** |

ए) जैसा प्रबंधतंत्र ने मूल्यांकित तथा प्रमाणित किया वैसा ही अपनाया गया।

बी) 31 मार्च, 2026 तक पारगमन में माल सहित माल का मूल्यांकन लागत से कम या वसूली योग्य मूल्य पर किया जाता है। बाजार मूल्य पर अंतिम स्टॉक का मूल्यांकन लागत से कम होने के परिणामस्वरूप शून्य करोड रु. (पि.वर्ष शून्य करोड रू.) का नुकसान हुआ है।

सी) स्टॉक इन ट्रेड में निम्नलिखित शामिल हैं–

(i) 9036 यूनिट्स (पी.वाई. 9036 यूनिट्स) प्रमाणित उत्सर्जन कटौती (सीईआर) का मूल्य 1 (पि.वर्ष 1) इंड एएस–2 'इन्वेंट्रीज के अनुसार, लागत से कम या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य है।

(ii) शून्य इकाइयां (पि.वर्ष शून्य इकाइयां) प्रमाणन के तहत सीईआर की संख्या।

(iii) उत्सर्जन न्यूनीकरण उपकरण के मूल्यह्रास, ओ एंड एम लागत के कारण 5.06 करोड़ (पि.वर्ष 4.29 करोड़ रूपये) की राशि खर्च की गई है।

13. नकद तथा नकद समतुल्य

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को | 31 मार्च, 2025 को |
|---|---|---|
| बैंकों में उपलब्ध शेष | | |
| ए) चालू खाते में | 0.33 | 0.37 |
| बी) सावधिक जमा राशि में जिनकी मूल परिपक्वता | - | 27.94 |
| सी) कैश क्रेडिट अकांउट में डेबिट शेष | 2.37 | 1.46 |
| चेक/ड्राफ्ट/ऑन हैंड | - | - |
| कैश ऑन हैंड | | |
| कुल | **2.70** | **29.77** |

' माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार भुवनेश्वर कैंप कार्यालय में एसबीआई में चालू खाते में 0.17 करोड़ (पि. वर्ष 0.17 करोड़ रू.) रखे गए न्यायालय के निर्देशानुसार एसबीआई द्वारा निर्दिष्ट खाते में ट्रांसफर नहीं किया गया और अभी तक एसबीआई के पास है।

14. उपरोक्त के अलावा बैंक शेष

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| मार्जिन मनी के रू में/लियन पर | 31.85 | 29.06 |
| सावधिक जमा राशि में जिनकी मूल परिपक्वता अवधि 3 महीने से अधिक परंतु 12 महीने से कम है | 1,754.12 | 1,280.02 |
| कुल (ए) | **1,785.97** | **1,309.08** |

15. वर्तमान कर परिसंपतियां (निवल

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए भुगतान किया गया अग्रिम कर | 82.39 | |
| वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए भुगतान किया गया अग्रिम कर | - | 21.23 |
| कुल | **82.39** | **21.23** |

16. ए इक्विटी शेयर पूंजी

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| अधिकृत | | |
| प्रत्येक 1/– रुपए समान मूल्य के साधारण शेयर | | |
| संख्या | 2,00,00,00,000 | 2,00,00,00,000 |
| राशि | 200.00 | 200.00 |
| निर्गत, खरीदे गए तथा पूर्ण प्रदत्त | | |
| प्रत्येक 1/– रुपए समान मूल्य के साधारण शेयर | | |
| संख्या | 1,50,00,00,000 | 1,50,00,00,000 |
| राशि | 150.00 | 150.00 |

शेयरों की संख्या जिनका मिलान किया गया

| विवरण | 31 मार्च 2026 के अनुसार | 31 मार्च 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| आरंभिक इक्विटी शेयर | 1,50,00,00,000 | 1,50,00,00,000 |
| जोड़ें वर्ष के दौरान जारी / खरीदे गए शेयरों की संख्या | | |
| घटाए : कटौती | - | - |
| अंतिम शेष | **1,50,00,00,000** | **1,50,00,00,000** |

कंपनी में ऐसे शेयर होल्डर के शेयरों की संख्या जिनकी 5 प्रतिशत से अधिक होल्डिंग है

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| - भारत के राष्ट्रपति | 1,34,89,03,143 | 1,34,89,03,143 |

प्रोमोटर्स की शेयरहोल्डिंग

| वर्ष के अंत में प्रोमोटर्स के पास शेयरों की संख्या | | | वर्ष के दौरान % परिवर्तन |
|---|---|---|---|
| प्रोमोटर का नाम | शेयरों की संख्या | कुल शेयरों की संख्या % | |
| - भारत के राष्ट्रपति | 1,348,903,143 | 89.93% | Nil |

कंपनी के पास शेयर पूंजी का एक वर्ग है, जिसमें प्रत्येक के 1/– के साधारण शेयर शामिल हैं। कंपनी के आर्टिकल आफ एसोशिएशन और लागू कानून के अधीन, कंपनी के साधारण शेयर धारक को कंपनी की आम बैठकों में नोटिस प्राप्त करने और वोट देने का अधिकार प्रदान करते हैं, कंपनी के समापन पर किसी भी अधिशेष संपत्ति को प्राप्त करने का अधिकार, और साधारण शेयरों पर घोषित लाभांश प्राप्त करने का अधिकार है।

इक्विटी शेयर पूंजी में उतार–चढ़ाव: वर्ष के दौरान, कंपनी ने कोई शेयर वापस नहीं खरीदा है।

कंपनी की कोरियाली नहीं है।

बी. अन्य इक्विटी

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| अनुसंधान व विकास रिजर्व | - | - |
| सामान्य रिजर्व | 596.97 | 596.97 |
| रिटेंड अर्जन | 879.25 | 667.18 |
| अन्य व्यापक आय रिजर्व | 72.91 | 41.90 |
| कुल अन्य इक्विटी | **1,549.13** | **1,306.05** |

(i) अनुसंधान एवं विकास रिजर्व

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| आरंभिक शेष | . | . |
| सरप्लस से अंतरण | . | . |
| सामान्य रिजर्व से अंतरण | . | . |
| अंतिम शेष | . | . |

(ii) सामान्य रिजर्व

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| आरंभिक शेष | 596.97 | 596.97 |
| सरप्लस से अंतरण | - | - |
| बोनस शेयर जारी करना | - | - |
| अंतिम शेष | **596.97** | **596.97** |

(iii) रिटेंड अर्जन

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| आरंभिक शेष | 667.18 | 597.65 |
| वर्ष के लिए निवल लाभ | 212.07 | 69.53 |
| विनियोजन – | | |
| सामान्य रिजर्व | - | - |
| अंतिम शेष | **879.25** | **667.18** |

(i) अन्य रिजर्व

(रु. करोड़ में)

| विवरण | आईसीआई के माध्यम से इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स | पुर्नमूल्यांकन– कर्मचारी लाभ योजना उपरांत | कुल अन्य रिजर्व |
|---|---|---|---|
| **1 अप्रैल 2024 को** | 10.41 | (0.67) | 9.74 |
| परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्मूल्यांकन | - | (2.49) | (2.49) |
| अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी इंस्ट्यूमेंट्स | 34.64 | - | 34.64 |
| **31 मार्च 2025 को** | **45.05** | **(3.16)** | **41.90** |
| परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनः मूल्यांकन | - | 0.96 | 0.96 |
| अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी इंस्ट्यूमेंट्स | 30.05 | - | 30.05 |
| **31 मार्च 2026 को** | **75.10** | **(2.19)** | **72.91** |

17. उधार

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| ए. गैर–चालू | | |
| (i) टर्म ऋण | | |
| (ए) बैंकों से | | |
| -सुरक्षित | - | - |
| -असुरक्षित | - | - |
| कुल | - | - |
| बी. चालू | | |
| (i) मांग पर प्रतिदेय ऋण | | |
| (ए) बैंकों से | | |
| - सुरक्षित (इन्वेंट्रीज, ट्रेड प्राप्यों तथा अन्य वर्तमान एवं भविष्य की चालू परिसंपत्तियों के हाईपोथिकेशन के प्रति) | - | - |
| - असुरक्षित | - | - |
| कुल | | |

- किसी भी निदेशक अथवा अन्य व्यक्तियों द्वारा ऋणों की गारंटी नहीं दी गई है।

18. व्यापार

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| **वर्तमान** | | |
| अन्य | | |
| व्यापार देय | | |
| सूक्ष्म एवं लघु प्रतिष्ठानों का कुल देय बकाया (टिप्पणी 45 का संदर्भ ले) | 0.14 | 0.12 |
| सूक्ष्म एवं लघु प्रतिष्ठानों के अलावा क्रेडिटर्स का कुल देय बकाया* | 237.97 | 239.36 |
| संबंधित पार्टियों को व्यापार देय | | |
| सूक्ष्म एवं लघु प्रतिष्ठानों के अलावा क्रेडिटर्स कुल देय बकाया (टिप्पणी 45 का संदर्भ ले) | - | - |
| सूक्ष्म एवं लघु प्रतिष्ठानों का कुल देय बकाया | 0.02 | 0.02 |
| कुल | **238.13** | **239.50** |

एजिंग के लिए नोट 37.3 (सी) देखें।

इसमें रुपए 209.93 करोड़ की वह राशि शामिल है जिसे इम्पोर्ट किए गए स्टीम/थर्मल कोल पर संभावित अंतर सीमा शुल्क (डीसीडी) के लिए रोक कर रखा गया है। इसमें ब्याज, पेनल्टी और जुर्माना वगैरह भी शामिल हैं, जो भारत के माननीय सुप्रीम कोर्ट सहित अन्य माननीय अदालतों में चल रही कार्यवाही के निपटारे पर लग सकते हैं। यह मामला अभी भारत के माननीय सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है।

19. लीज देयताएं

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| ए. गैर–चालू | | |
| लीज | 2.40 | 2.42 |
| कुल | **2.40** | **2.42** |
| बी. चालू | | |
| लीज | 0.02 | 0.02 |
| कुल | **0.02** | **0.02** |

19. सी. अन्य वित्तीय देयताएं

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| **वर्तमान** | | |
| देय व्यापार के अलावा | | |
| सूक्ष्म एवं लघु प्रतिष्ठानों का कुल देय बकाया (टिप्पणी 45 का संदर्भ लें) | 0.59 | 0.52 |
| सूक्ष्म एवं लघु प्रतिष्ठानों के अलावा क्रेडिटर्स का कुल देय बकाया | 3.58 | 8.18 |
| देव डिस्पेच / डेमरेज | 5.52 | 5.44 |
| वसूली गई राशि पेंडिंग रेमिटेंस | 3.60 | 5.42 |
| उधार पर उत्पन्न ब्याज | 1.00 | 1.00 |
| सिक्युरिटी डिपॉजिट व ईएमडी | 8.70 | 8.68 |
| भुगतान न किया गया लाभांश | 0.05 | 0.09 |
| देय दावे अन्य | 35.72 | 37.17 |
| अन्य | 89.40 | 91.04 |
| कुल | **148.16** | **157.54** |

20. प्रावधान

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 के अनुसार | 31 मार्च 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| ए. **गैर चालू** | | |
| **कर्मचारी नाम दायित्व** | | |
| ए) अर्जित अवकाश | 10.93 | 12.55 |
| बी) अनुकपा ग्रेच्युटी | 0.03 | 0.03 |
| सी) सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ | | |
| 01.01.2007 को या इसके बाद सेवानिवृत्त | | – |
| 01.01.2007 से पूर्व सेवानिवृत्त | - | - |
| डी) अर्द्धवेतन अवकाश | 6.33 | 9.57 |
| ई) सेवा अवार्ड | 3.21 | 3.51 |
| एफ) कर्मचारी परिवार लाभ योजना | 1.05 | 1.17 |
| जी) माईका कर्मचारियों को विशेष लाभ | 0.09 | 0.25 |
| **कुल** | **121.64** | **27.08** |
| बी. **चालू** | | |
| **कर्मचारी लाभ दायित्व** | | |
| ए) अर्जित अवकाश | 4.49 | 2.72 |
| बी) अनुकंपा ग्रेच्युटी | 0.01 | 0.04 |
| सी) सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ | | |
| 01.01.2007 को या इसके बाद सेवानिवृत्त कर्मचारी | 1.83 | 2.07 |
| 01.01.2007 से पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारी | 7.05 | 1.48 |
| डी) अर्द्धवेतन अवकाश | 2.88 | 2.73 |
| ई) ग्रेचुअटी | 5.49 | 1.53 |
| एफ) सेवा अवीड | 0.92 | 1.01 |
| जी) बोनस / निष्पादन संबंधी वेतन | 3.11 | 3.12 |
| एच) कर्मचारी परिवार लाभ योजना | 0.19 | 0.20 |
| आई) माईका कर्मचारियों को विशेष लाभ | 0.18 | 0.31 |
| **अनुयोग अन्य** | 26.15 | 15.21 |
| **अन्य** | | |
| गंतव्य भार तथा विश्लेषण जोखिम | - | - |
| मुकदमेबाजी के निपटान के लिए प्रावधान* | 104.52 | 1,071.62 |
| अनुयोग | 104.52 | 1,071.62 |
| कुल | 130.67 | 1,086.83 |

* नोट सं. 11 का संदर्भ लें

21. अन्य देयताएं

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| चालू | | |
| ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम | 32.17 | 232.67 |
| सांविधिक भुगतान योग्य देय | 1.70 | 1.81 |
| अन्य | 5.78 | 6.51 |
| कुल | **39.65** | **240.99** |

22. वर्तमान कर देयताएं (निवल)

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए देय आयकर | 89.71 | - |
| वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए देय आयकर | - | 21.88 |
| कुल | **89.71** | **21.88** |

23. प्रचलन से राजस्व

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| उत्पादों की बिक्री | 3.41 | 2.69 |
| सेवाओं की बिक्री | - | - |
| अन्य प्रचालन राजस्व | | |
| - दावे | - | - |
| - अन्य व्यापार आय | - | - |
| कुल | **3.41** | **2.69** |

24. अन्य आय

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| ब्याज आय | | |
| - फिक्स्ड डिपोजिट से | 131.13 | 134.73 |
| - ग्राहकों की अतिदेय राशि से | - | - |
| - अन्य | 3.02 | 7.15 |
| लाभांश आय | | |
| - सहायक/संयुक्त उद्यमों से | 32.80 | 108.17 |
| - अन्य से | 0.27 | 0.18 |
| अन्य गैर-प्रचालन राजस्व (ऐसी आय पर प्रत्यक्ष रूप से हुए खर्च को घटाकर) | | |
| - स्टाफ क्वार्टर्स किराया | 0.58 | 0.89 |
| - रिटन बैंक देयताएं | 4.51 | 2.57 |
| - विदेशी मुद्रा लाभ | - | - |
| - विविध प्राप्तियां | 4.86 | 6.40 |
| कुल | **177.17** | **260.09** |

25. प्रयुक्त माल की लागत

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| कच्चे माल का आरंभिक स्टॉक | **0.01** | 0.01 |
| जोड़े : क्रय से अंतरण | - | - |
| घटाए : कच्चे माल का अन्तिम स्टॉक | - | 0.01 |
| **प्रयुक्त माल की लागत** | **0.01** | **-** |
| **उपभोग वस्तुएँ** | **-** | **-** |

26. स्टॉक–इन–ट्रेड का क्रय

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| ए. क्रय | | |
| बहुमूल्य धातुएं | - | - |
| धातुएं | - | - |
| उर्वरक | - | - |
| खनिज | - | - |
| कृषि उत्पाद | - | - |
| कोयला व हाईड्रोकार्बन | - | - |
| अन्य | - | - |
| बी. स्टॉक के रूप में प्राप्त/(जारी किया गया) | | |
| बहुमूल्य धातुए | - | - |
| **कुल** | **-** | **-** |

27. इन्वेंट्रीज में परिवर्तन

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| **क. तैयार माल** | | |
| आरंभिक शेष | 0.35 | 0.35 |
| अंतिम शेष | 0.00 | 0.35 |
| तैयार माल की इन्वेंट्री में परिवर्तन | 0.35 | 0.00 |
| **ख. स्टॉक–इन–ट्रेड** | | |
| आरंभिक शेष | 0.00 | 0.00 |
| अंतिम शेष | 0.00 | 0.00 |
| स्टॉक–इन–ट्रेड की इन्वेंट्री में परिवर्तन | - | 0.00 |
| **निवल (वृद्धि)/कमी)** | 0.35 | 0.00 |

28. कर्मचारी लाभ व्यय

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| क) वेतन तथा पारिश्रमिक | | |
| वेतन तथा भत्ते | 45.33 | 52.21 |
| छुट्टी नकदीकरण | 5.73 | 6.38 |
| बोनस | 0.01 | 0.01 |
| चिकित्सा व्यय | 10.76 | 33.30 |
| माईका कर्मचारियों को विशेष लाभ | - | - |
| वी आर खर्चे | 0.67 | 7.94 |
| ख) भविष्य निधि तथा अन्य निधियों में अशदान | | |
| भविष्य निधि | 4.30 | 5.00 |
| ग्रेच्युटी निधि | 6.56 | 1.33 |
| परिवार पेंशन योजना | 0.22 | 0.27 |
| अधिवर्षिता लाभ | 3.49 | 3.99 |
| ग) स्टाफ कल्याण व्यय | 1.11 | 0.82 |
| **कुल** | 78.18 | 111.25 |

(i) पीआरपी उद्देश्य के लिए कंपनी के लाभ की गणना लेखा नीति संख्या 2.4 (ii) के अनुसार व्यापार से संबंधित अग्रिम (अतिदेय के अलावा) पर ब्याज आय को ध्यान में रखते हुए की गई है। डीपीई दिशानिर्देशों में अनिवार्य पारिश्रमिक समिति के अनुमोदन के लंबित होने के कारण, कर्मचारियों को पीआरपी अग्रिम दिया गया था। इसके अलावा कंपनी पीआरपी के भुगतान का आकलन कर रही है और उसे पारिश्रमिक समिति के समक्ष रखने की प्रक्रिया में है। कर्मचारियों से उपरोक्त पीआरपी अग्रिम की वसूली का आदेश कर्मचारी एवं अधिकारी फोरम द्वारा विवादित है और संबंधित न्यायालयों में लंबित है।

(ii) एफएमसीओडी के निर्णय के अनुसार दिनांक 01.09.2020 से पर्क और भत्तों को स्थगित कर दिया गया है। दिनांक 8.2.2024 को बोर्ड बैठक में इस मामले पर चर्चा की गई और उसे एमओसी को भेज दिया गया है।

29. वित्त लागत

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| क) ब्याज व्यय* | 0.57 | 0.76 |
| ख) लीज पर ब्याज व्यय | 0.21 | 0.12 |
| **कुल** | **0.78** | **0.88** |

*इसमें आय कर पर ब्याज के तौर पर रु. 0.20 करोड़ (पिछले साल रु. 0.47 करोड़) शामिल हैं।

30. मूल्यह्रास तथा अमोटाईजेशन व्यय

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| पीपीई पर मूल्यह्रास | 5.02 | 4.38 |
| निवेश संपत्ति पर मूल्यह्रास | 0.07 | 0.08 |
| अमूर्त परिसंपत्तियों पर अमोर्टाइजेशन | 0.05 | 0.05 |
| **कुल** | **5.14** | **4.51** |

31. अन्य व्यय

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| **ए. प्रचालन व्यय** | | |
| डेमरेज | - | - |
| क्लियरिंग, हैंडलिंग, डिस्काउंट एवं अन्य प्रभार | **0.92** | 0.92 |
| एल/सी नेगोशिएशन एवं अन्य प्रभार | - | 0.00 |
| विदेशी मुद्रा विनिमय में अंतर | - | - |
| सीमा शुल्क | - | - |
| पैकिंग सामग्री | - | - |
| बीमा | - | - |
| गोदाम बीमा | **0.19** | 0.18 |
| प्लॉट तथा गोदाम किराया | - | - |
| **अनुयोग (ए)** | **1.11** | **1.11** |
| **बी. प्रशासनिक व्ययः** | | |
| किराया | **0.55** | 0.76 |
| सुरक्षा खर्च | **2.08** | 2.30 |
| दरें एवं कर | **2.10** | 1.50 |
| बीमा | **0.13** | 0.10 |
| भवनों की मरम्मत | **5.69** | 5.30 |
| मशीनों की मरम्मत | **0.02** | 0.00 |
| मरम्मत एवं रखरखाव कम्प्यूटर्स | **0.60** | 0.38 |
| मरम्मत एवं रखरखाव अन्य | **0.34** | 0.31 |
| बिजली एवं जल प्रभार | **1.80** | 2.32 |
| विज्ञापन एवं प्रचार | **0.09** | 0.05 |
| प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी | **0.16** | 0.20 |
| पोस्टेज एवं कुरियर | **0.01** | 0.01 |
| टेलीफोन | **0.38** | 0.43 |
| टेलीकम्युनिकेशन | **0.06** | 0.07 |
| यात्रा | **0.44** | 0.76 |
| वाहन | **0.27** | 0.35 |
| मनोरंजन | **0.31** | 0.24 |
| विधिक | **3.63** | 6.94 |
| लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक (i) | **0.46** | 0.46 |
| बैंक प्रभार | **0.18** | 0.37 |
| किताबें एवं पत्रिकाए | **0.00** | 0.00 |
| ट्रेड/बिक्री प्रोमोशन | **0.01** | 0.00 |
| सब्सक्रिपशन | **0.03** | 0.02 |
| प्रशिक्षण सेमिनार तथा कान्फ्रेंस | **0.09** | 0.11 |
| पेशेवर/परामर्श | **1.38** | 1.42 |
| सीएसआर व्यय (ii) | - | - |
| विदेशी मुद्रा विनिमय में अंतर | **0.05** | 0.06 |
| दान | - | - |
| सेवा कर/जीएसटी | **1.28** | 1.52 |
| प्रदर्शनी एवं मेले | - | - |
| विविध व्यय | **4.22** | 3.01 |
| **अनुयोग (बी)** | **26.36** | **28.99** |
| **सी. अन्यः** | | |
| अशोध्य ऋण/दावे/परिसंपत्तियों रिटन/ऑफ निकासी* | **75.49** | 0.01 |
| अशोध्य और संदिग्ध कर्ज/दावे/अग्रिम के लिए अनुमति | **3.56** | - |
| **अनुयोग (सी)** | **79.05** | 0.01 |
| **कुल (ए+बी+सी)** | **106.52** | 30.10 |

*साल के दौरान, कैप ऑफिस चेन्नई ने रु. 75.49 करोड के ट्रेड रिसीवेबल्स को बैड डेट्स (डूबा हुआ कर्ज) के तौर पर राइट–ऑफ कर दिया और इसके लिए बनाए गए प्रोविजन को आसाधारण मदें के तहत राइट–बैक कर दिया।

i) लेखा परीक्षा को दी गई राशि (रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| लेखा परीक्षक के रूप में | **0.27** | 0.24 |
| कराधान मामले के लिए/कर लेखा परीक्षा | **0.10** | 0.11 |
| अन्य सेवाओं के लिए | **0.09** | 0.10 |
| **कुल** | **0.46** | **0.46** |

ii) सीएसआर के खर्चे के विवरण (रु. करोड़ में)

| | | 31 मार्च, 2026 | 31 मार्च, 2025 | |
|---|---|---|---|---|
| ए) | कंपनी के द्वारा खर्च की आवश्यकता की कुल राशि (पूर्व तीन वर्षों के दौरान के औसत कुल लाभ के 2% के बराबर) | - | - | |
| बी) | वर्ष के दौरान बोर्ड द्वारा अनुमोदित व्यय की जाने वाली राशि | - | - | |
| सी) | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि | **नकद** | नकद भुगतान बाकी | कुल |
| | (I) किसी संपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण | - | - | - |
| | (ii) उपरोक्त (I) के उद्देश्य के अलावा | - | - | - |
| डी) | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि | **नगद** | नकद भुगतान बाकी | कुल |
| | (I) किसी संपत्ति का निर्माण अधिग्रहण | - | - | - |
| | (ii) उपरोक्त (I) के उद्देश्य के अलावा | - | - | - |
| ई) | खर्च किये गये/खर्च नहीं किये गये दायित्व से संबंधित विवरण | 31 मार्च, 2026 | 31 मार्च, 2025 | |
| | (I) पब्लिक ट्रस्ट को अंशदान | - | - | |
| | (ii) चैरिटेबल ट्रस्ट को अंशदान | - | - | |
| | (iii) से संबंधित खर्च नही की गई राशि | | | |
| | - चालू परियोजना | - | - | |
| | - चालू परियोजना के अलावा | | | |

(रु. करोड़ में)

| चालू परियोजना | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| आरंभिक शेष | | वर्ष के दौरान खर्च के लिए आवश्यक राशि | वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि | | अन्तिम शेष | |
| कंपनी के पास | अलग सीएसआर अव्ययित खाते में | | कंपनी के बैंक खाते से | अलग सीएसआर अव्ययित खाते में | कंपनी के पास | अलग सीएसआर अव्ययित खाते में |
| - | - | - | - | - | - | - |

| चालू परियोजना के अलावा | | | | |
|---|---|---|---|---|
| आरंभिक शेष | 6 माह के भीतर अनुसूची VII में निर्दिष्ट फंड में जमा राशि | वर्ष के दौरान खर्च की जाने वाली आवश्यक राशि | वर्ष के दौरान खर्च की राशि | अन्तिम शेष |
| - | - | - | - | - |

| खर्च की गई अधिक राशि | | | |
|---|---|---|---|
| आरंभिक शेष | वर्ष के दौरान खर्च की जाने वाली आवश्यक राशि | वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि | अन्तिम शेष |
| - | - | - | - |

32. अपवाद मदें

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| संपत्ति की मदों का निपटान | **0.33** | (0.15) |
| निवेश की बिक्री पर लाभ (i) | **(411.76)** | (27.71) |
| देरी से भुगतान पर ब्याज | **-** | 0.03 |
| कानूनी विवादों का निपटारा (ii) | **19.17** | 51.10 |
| ऐसे प्रावधान जिनकी अब आवश्यकता नहीं है * | **(81.44)** | (4.43) |
| **कुल** | **(473.70)** | **18.84** |

(i) नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) – एक संयुक्त उद्यम कंपनी – का विनिवेश 4.7.2022 को पूरा हो गया।

एनआईएनएल के विनिवेश के लिए शेयर खरीद समझौते (एसपीए) की शर्तों के अनुसार, विनिवेश के बाद एनआईएनएल पर आने वाली किसी भी अप्रत्याशित देनदारी को, प्रक्रिया पूरी होने की तारीख से 3 साल की अवधि तक,एसपीए की वारंटी शर्तों के तहत विक्रेताओं/प्रोत्साहकों द्वारा वहन किया जाएगा। विक्रेताओं और प्रोत्साहकों की कुल देनदारी, बिक्री मूल्य और अपने संबंधित विक्रेता ऋण के निपटान के रूप में बोली की राशि से विक्रेताओं को मिली रकम के 20: से अधिक नहीं हो सकती। इस संबंध मे एमएमटीसी की अधिकतम देनदारी, यदि कोई हो, तो यह रु.1067 करोड़ बनती है। 3 वर्ष की अवधि 04.07.2025 को समाप्त हो गई और उस तारीख तक कोई देनदारी उत्पन्न नहीं हुई।

एसबीआई, भुवनेश्वर के साथ ब्याज देने वाले एस्क्रो खाते में रखी रु.774.95 करोड़ (एमएमटीसी का हिस्सा: रु. 411.76 करोड़) की राशि 04.07.2025 को मैच्योर हो गई। चूंकि तीन साल की समय–सीमा उसी तारीख को समाप्त हो गई, इसलिए 04.07.2025 को एस्क्रो खाते में उपलब्ध राशि और उस पर अर्जित ब्याज को एनआईएनएल के प्रोत्साहकों के बीच वितरित कर दिया गया। तदनुसार, एमएमटीसी को 04.07.2025 को मूलधन के रूप में रु. 411.76 करोड़ और ब्याज के रूप में रु. 25.75 करोड़ (टीडीएस और बैंक शुल्क घटाकर) प्राप्त हुए। रु. 411.76 करोड़ की उक्त राशि को वर्ष के लिए असाधारण मदों के तहत आय के रूप में दर्ज किया गया है।

04.07.2025 को 3 साल की समय–सीमा समाप्त होने के कारण, आज की तारीख में एनआईएनएल से कुछ भी देय/प्राप्य नहीं है।

(ii) ए) इसमें 19.01.2026 को सीमा शुल्क विभाग से मिली 12503.700 ग्राम जब्त सोने की ज्वेलरी/घूल/सोल्डर आदि की रु. 13.21 करोड़ की कीमत शामिल है। यह कीमत माननीय सुप्रीम कोर्ट के 24.04.2025 के आदेश के अनुसार है। यह मामला कंपनी द्वारा एमएमटीसी के खिलाफ दायर एक कानूनी केस से जुड़ा है, जिसमें एमएमटीसी ने पिछले वर्ष 1991–92 के दौरान निर्यात–आयात नीति के तहत निर्यात के लिए अपने एक सहयोगी को सोना सप्लाई किया था। इसे मान्यता प्राप्त हॉलमार्किंग केंद्र द्वारा प्रमाणित किया गया है और प्रबंधनों ने प्रमाणित मात्रा और शुद्धता को ध्यान में रखते हुए, 19 जनवरी 2026 को इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा जारी दरों के आधार पर इसकी कीमत तय की है। किसी स्वतंत्र पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता से मूल्यांकन नहीं कराया गया है क्योंकि कंपनी का मानना है कि प्रमाणित शुद्धता और आईबीजेए द्वारा घोषित दरों के आधार पर सोने की इन चीजों का तय किया गया मूल्यांकन उचित और सही है।

इ) इसमें एंग्लो कोल केस के संबंध में रुपये 33.76 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान शामिल है। यह राशि कोर्ट में जमा की गई रकम और बुक्स में पहले से किए गए प्रावधान के बीच के अंतर के लिए है (नोट 11 (i) देखें)।

ब) इसमें कंपनी के खिलाफ पंच निर्णय के कारण रु. शून्य करोड़ (पिछले साल रु. 4.51 करोड़) शामिल हैं।

* नोट 31 देखें।

33. कर व्यय

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| चालू वर्ष | 89.43 | 22.72 |
| पिछली अवधियों से संबंधित समायोजन | (0.39) | 0.77 |
| अनुयोग (ए) | 89.04 | 23.49 |
| स्थगित कर व्यय | | |
| अस्थायी अंतरों का उद्भव और प्रतिवर्तन | 162.19 | 4.18 |
| अनुयोग (बी) | 162.19 | 4.18 |
| **कुल (ए+बी)** | 251.23 | 27.67 |

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| परिभाषित लाभ योजना एक्चुरियल लाभ (हानि) | (0.28) | 0.84 |
| **कुल** | **(0.28)** | **0.84** |

(i)

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| कर पूर्व लाभ | **463.30** | 97.20 |
| अधिनियम कर दर* | **25.17** | 25.17 |
| गणना की गई अनुमानित कर खर्च | **116.60** | 24.46 |
| कटौती मुक्त चार्ज | **5.00** | 5.19 |
| कर मुक्त आय/अन्य कोई कटौती अथवा अनमति योग्य खर्च | **(22.91)** | (6.30) |
| पूर्वावधिक से संबंधित अनुमानों में परिवर्तन | **(0.39)** | 0.77 |
| अन्य समायोजन | **(9.25)** | (0.63) |
| आस्थगित कर | **162.19** | 4.18 |
| **वर्ष के लिए कर व्यय** | 251.23 | 27.67 |
| समोयोजन : ओसीआई पर कर प्रभाव | 0.28 | 0.84 |
| **वर्ष के लिए निवल कर व्यय** | 251.51 | 28.51 |

*नोट सं. 10 का संदर्भ लें

**34. आकस्मिक देयताएं एवं प्रकटन**

(रु. करोड़ में)

| विवरण | | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|---|
| ए) | विदेशी मुद्रा दावे सहित कंपनी के विरुद्ध दावे जिन्हें ऋण के रुप में नहीं माना गया है। | 592.49 | 289.66 |
| बी) | विवादित आयकर मांग जिसके प्रति 4.27 करोड़ (गत वर्ष 23.85 करोड रु.) जमा किए गए है। | 13.12 | 21.50 |
| सी) | विवादित टीडीएस मांग | 0.00 | - |
| डी) | विवादित सेल्स VSDI/VAT की मांग, जिसके लिए 13.24 करोड़ रुपये (पिछले साल 23.52 करोड रुपये) जमा किए गए और 14.65 करोड़ रुपये (पिछले साल 15.01 रुपये करोड़) बैंक गारंटी से कवर किए गए। | 108.47 | 318.85 |
| ई) | विवादित सेवा कर मांग जिसके लिए 2.59 करोड़ रुपये (पिछले साल 2.58 करोड रुपये) जमा कराए गए। | 109.05 | 90.60 |
| एफ) | विवादित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मांग | 19.36 | 19.36 |
| जी) | विवादित पीएफ/ग्रेचुअटी मांग जिनके लिए 0.68 करोड रुपये (पिछले साल 0.68) करोड़ जमा करायें। | 0.68 | 0.68 |
| एच) | कस्टम बांड्स | - | - |
| आई) | बकाया जीआर–1 जिसके लिए 0.73 करोड़ रुपये (गत वर्ष 0.73 करोड़ रु. की बैंक गारंटी दी गई है। | 1.60 | 1.60 |
| | **कुल (I)** | **844.77** | **742.24** |
| **(II)** | **अन्य बैंक टु बैंक आधार पर असोसिएट के अकाउंट में यदि कोई देयता बनती है** | | |
| ए) | कस्टम्स डयूटी/ब्याज/पेनल्टी इत्यादि की अंतर राशि जिसके लिए 0.89 करोड रु. (पिछले साल 0.89 करोड़ रु.) जमा कराये गए। | 209.03 | 209.03 |
| | कुल (II) | **209.03** | **209.03** |

**क्र. सं. I (ए) से (आई) में विनिर्दिष्ट मदों के संबंध में संचलन**

(रु. करोड़ में)

| क्रम सं. | विवरण | 31 मार्च 2025 को शेष | वर्ष के दौरान आरंभिक शेष में कटौती | वर्ष 2025–26 के दौरान वृद्धि | 31 मार्च 2026 को शेष |
|---|---|---|---|---|---|
| ए) | विदेशी मुद्रा के दावों सहित कंपनी के विरुद्ध ऐसे दावे जिन्हें ऋण नहीं माना गया | 289.66 | - | 302.83 | 592.49 |
| बी) | विवादित आयकर मांग | 21.50 | 14.62 | 6.25 | 13.12 |
| सी) | विवादित टीडीएस मांग | - | - | 0.00 | 0.00 |
| डी) | विवादित बिक्री कर मांग | 318.85 | 211.69 | 1.30 | 108.47 |
| ई) | विवादित सेवाकर मांग | 90.60 | - | 18.45 | 109.05 |
| एफ) | विवादित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मांग | 19.36 | - | - | 19.36 |
| जी) | विवादित पीएफ मांग | 0.68 | - | - | 0.68 |
| एच) | कस्टम बांड्स | - | - | - | - |
| आई) | बकाया जीआर–1 | 1.60 | - | - | 1.60 |
| | **कुल** | **742.24** | **226.31** | **328.84** | **844.77** |

क्र. सं. II (ए) में विनिर्दिष्ट मदों के संबंध में संचलन

(रु. करोड़ में)

| क्रम सं. | विवरण | 31 मार्च 2025 को शेष | वर्ष के दौरान आरंभिक शेष में कटौती | वर्ष 2025–26 के दौरान वृद्धि | 31 मार्च 2026 को शेष |
|---|---|---|---|---|---|
| ए) | कस्टमस ड्यूटी/ब्याज/पेनल्टी आदि की अंतर राशि | 209.03 | - | - | 209.03 |
| | कुल | 209.03 | - | - | 209.03 |

ia) कंपनी की ओर से बैंकों द्वारा ग्राहकों के पक्ष में अनुबंध पूरा करने के लिए जारी की गई गारंटी रु.11.21 करोड़ (पिछले वर्ष रु. 11.21 करोड़) है, जिसके बदले सहयोगी सप्लायरों से रु. 0 करोड़ (पिछले वर्ष रु. 0 करोड़) की बैकअप गारंटी ली गई है।

ii) कंपनी द्वारा खोले गए उधार–पत्र की बकाया राशि रु.0 करोड़ (पिछले वर्ष रु.0 करोड़) है।

iii) नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) की ओर से वित्तीय संस्थानों/बैंकों के पक्ष में कंपनी द्वारा दी गई कॉर्पोरेट गारंटी रु. 0 करोड (पिछले वर्ष रु. 0 करोड़) है।

iv) कुछ मामलों में, आकस्मिक देनदारियों में शामिल रकम भारत सरकार के खाते में संभाले गए सामान से जुड़ी है और इसलिए इसे भारत सरकार से वसूला जा सकेगा।

v) आकस्मिक देनदारियों के तौर पर बताई गई रकम के संबंध में आकलन पूरा होने पर बिक्री कर की मांग, कुछ कर्मचारियों के विवादित दावे, हैंडलिंग एजेंटों/ठेकेदारों द्वारा भविष्य निधि न काटना, विवादित किराया और ब्याज/जुर्माना/कानूनी खर्च आदि के कारण कोई अतिरिक्त देनदारी तय नहीं की जा सकती, इसलिए इसे शामिल नहीं किया गया है।

vi) कंपनी के खिलाफ ऐसे दावे जिन्हें कर्ज के तौर पर स्वीकार नहीं किया गया है, उनमें एमएमटीसी कर्मचारी सहकारी कैंटीन सोसाइटी के संबंध में आरपीएफसी द्वारा की गई रु. 2.18 करोड़ (पिछले वर्ष रु. 2.18 करोड़) की मांग शामिल है।

vii) नोट नंबर 34 i) ए) में एससी के संबंध में आरओ मुंबई द्वारा बताई गई रु. 14.19 करोड़ (पिछले वर्ष रु.12.26 करोड़) की रकम शामिल है और यह मामला इंडसइंड बैंक द्वारा किए गए दावे के खिलाफ कोर्ट में विचाराधीन है।

**35. वचन बद्धताएँ**

**पूंजी प्रतिबद्धताएँ:** कैपिटल अकाउंट पर पूरे किए जाने वाले कॉन्ट्रैक्ट्स (विदेशी मुद्रा कॉन्ट्रैक्ट्स सहित, एडवांस घटाकर) की अनुमानित रकम, जिसके लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है, रु. 0 करोड़ (पिछले वर्ष रु. 0 करोड़) है।

संयुक्त उद्यम में निवेश के संबंध में पूंजी प्रतिबद्धताएँ रु. 0 करोड़ (पिछले वर्ष रु. 0 करोड़) है।

**36. सामान्य प्रकटन :**

a) मुकदमे के निपटारे के तहत रखे गए सोना/चांदी/ज्वेलरी/डस्ट/सोल्डर से जुड़े सामान कंपनी के पास जमा के तौर पर रखे गए हैं और इन्हें (अन्य चालू संपत्तियों) (नोट नंबर 11 (बी)) के तहत दिखाया गया है (और नोट 32 (ii) ए) देखें)।

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31/03/2026 | | 31/03/2025 | |
|---|---|---|---|---|
| | मात्रा | मूल्य | मात्रा | मूल्य |
| सोना (कि.ग्रा.) | - | - | - | - |
| स्वर्ण आभूषण (ग्राम) | 12,503.70 | 13.21 | - | - |
| चांदी (कि.ग्रा.) | - | - | - | - |
| **कुल** | **12,503.70** | **13.21** | **-** | **-** |

बी) श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की ओर से 31.3.2026 तक डीआरओ में बिना रिफाइन की हुई चांदी मात्रा: शून्य किग्रा (पिछले वर्ष भी शून्य किग्रा) रखी हुई है।

सी) नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) – एक संयुक्त उद्यम कंपनी – का विनिवेश 4.7.2022 को पूरा हो गया।

i. एसबीआई भुवनेश्वर के साथ ब्याज देने वाले एस्क्रो अकाउंट में रखी गई रु. 774.95 करोड़ की राशि (एमएमटीसी का हिस्सा: रु. 411.76 करोड़) 04.07.2025 को परिपक्व हो गई। चूंकि तीन साल की समय–सीमा उसी तारीख को खत्म हो गई, इसलिए 04.07.2025 को एस्क्रो खाते में मौजूद राशि और उस पर मिले ब्याज को एनआईएनएल के प्रोत्साहकों के बीच बांट दिया गया। इसके अनुसार, एमएमटीसी को 04.07.2025 को मूलधन के तौर पर रु. 411.76 करोड़ और ब्याज के तौर पर रु. 25.75 करोड़ (टीडीएस और बैंक चार्ज घटाकर) मिले।

ii. एनआईएनएल के विनिवेश के लिए शेयर खरीद समझौते की शर्त के अनुसार, विनिवेश के बाद एमएमटीसी पर आने वाली किसी भी अप्रत्याशित देनदारी को, काम पूरा होने की तारीख से 3 साल की अवधि तक,एसपीए की वारंटी शर्त के अनुसार विक्रेताओं/प्रोत्साहकों द्वारा उठाया जाएगा। विक्रेताओं और प्रोत्साहकों की कुल देनदारी, बिक्री से मिली राशि और उनके संबंधित विक्रेता ऋण के भुगतान के रूप में विक्रेताओं को मिली बोली राशि के 20 से ज्यादा नहीं हो सकती। इस संबंध में एमएमटीसी की अधिकतम देनदारी, यदि कोई हो, तो वह रु. 1067 करोड़ बनती है। 3 वर्ष की अवधि 04.07.2025 को समाप्त हो गई और उस तारीख तक कोई देनदारी नहीं बनी।

डी) कंपनी ने मिंट बिक्री के लेन–देन के संबंध में मैसर्स एआईपीएल के खिलाफ रु. 31.40 करोड़ (पिछले वर्ष भी रु. 31.40 करोड़) की वसूली का मुकदमा दायर किया था। इसमें रु. 2.95 करोड़ (पिछले वर्ष भी रु. 2.95 करोड़) का बकाया ब्याज भी शामिल था, और फैसला कंपनी के पक्ष में आया है। एमएमटीसी ने फैसले को लागू करवाने के लिए याचिका दायर की है और मामले की सुनवाई 8.6.2026 को होगी। कंपनी ने रकम वसूल न हो पाने के कारण 2015–16 में रु. 28.45 करोड़ की राशि को बट्टे खाते में डाल दिया था। मैसर्स एआईपीएल ने भी सरकारी मिंट/एमएमटीसी के खिलाफ रु. 167.20 करोड़ (पिछले वर्ष भी रु. 167.20 करोड़) के हर्जाने का मुकदमा दायर किया है, जो कानूनी राय के अनुसार टिकने लायक नहीं है और इसका विरोध किया जा रहा है। इसके अलावा, इसे संभावित देनदारी नहीं माना गया है क्योंकि प्रबंधनों का मानना है कि इस मामले में कंपनी पर कोई मौजूदा या संभावित देनदारी नहीं है।

ई) भारत सरकार की कीमतों को स्थिर रखने की योजना के तहत प्याज का सुरक्षित भंडार बनाने के लिए, एमएमटीसी ने जुलाई 2019 से 31.03.2020 तक प्याज का आयात किया। योजना के अनुसार, बिक्री के समय सी एण्ड एफ लागत पर एमएमटीसी का ट्रेडिंग मार्जिन 1.5% तय किया गया था

और आयात से जुड़े सभी खर्च सरकार के खाते में डाले जाने थे। बिक्री से मिली रकम और एमएमटीसी के लाभ सहित हुई लागत के बीच के अंतर को सरकार से मिलने वाले क्लाप्य दावा के तौर पर दिखाया गया है, जिसे सरकार से मिली अग्रिम राशि के साथ समायोजित किया जाएगा। 2025–26 के दौरान, कंपनी को प्याज आयात योजना से जुड़े जमा किए गए खातों के संबंध में उपभोक्ता मामलों के विभाग से अंतिम मंजूरी / स्वीकृति मिल गई है। नतीजतन, जरूरी अकाउंटिंग एंट्रीज कर दी गई हैं।

एफ) आयातित पॉलिएस्टर के खराब होने के कारण एक सहयोगी कंपनी के खिलाफ रु.1.53 करोड़ (पिछले वर्ष रु.1.53 करोड़) का समायोजित लंबित है। ईएमडी और अन्य देय राशियों को ध्यान में रखते हुए खातों में इसके लिए रु.1.53 करोड़ (पिछले वर्ष रु.1.53 करोड़) का प्रावधान किया गया है। कंपनी ने कस्टम्स से इसे छोड़ने का अनुरोध किया है, जो अभी फैसले के लिए लंबित है। सहयोगी कंपनी के खिलाफ आपराधिक और दीवानी मुकदमा दायर किया गया है।

जी) मुंबई में, 2011–12 के दौरान, एक विदेशी सप्लायर ने सामग्री (कॉपर) की डिलीवरी किए बिना रु.4.13 करोड (पिछले वर्ष रु.4.13 करोड़) का भुगतान पाने के लिए बैंकिंग चौनलों के जरिए जाली शिपिंग दस्तावेज जमा किए। हालाँकि, कंपनी ने साख पत्र के तहत भुगतान करने से बैंक को रोकने के लिए अंतरिम रोक हासिल कर ली थी, जिसे बाद में हटा दिया गया और भारतीय बैंक को विदेशी बैंक को भुगतान करना पड़ा। पंजाब और हरियाणा के माननीय उच्च न्यायालय में एक आवेदन दायर किया गया है और उक्त आवेदन अभी स्वीकार किए जाने के चरण में है। वही पूर्तिकार धोखाधड़ी से तांबे की एक और खेप को अपने पास रखे हुए है। अगर ये मिल जाएं, तो मुंबई का क्षेत्रीय कार्यालय 8.60 करोड रुपये (पिछले साल भी 8.60 करोड़ रुपये) की कीमत वाले उस सामान की वितरण और कब्जा ले सकेगा, जिसका भुगतान पहले ही किया जा चुका है। ईएमडी और देय राशियों के समायोजन के बाद, बाकी रकम के लिए 2014–15 के दौरान प्रावधान बनाया गया है।

एच) **हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय**

(I) 2011–12 के दौरान बैंकिंग चौनलों के जरिए तांबे की दो खेपों के लिए रु. 3.75 करोड़ (पिछले साल रु. 3.75 करोड़) मूल्य के नकली बिल मिले, जिनके बदले कोई सामान नहीं मिला। भारतीय ग्राहक से पूरा भुगतान मिलने के बाद कंपनी ने साख पत्र के जरिए विदेशी पूर्तिकार को पूरा भुगतान कर दिया। कंपनी ने विदेशी पूर्तिकार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस लेन–देन के लिए स्थानीय खरीदार से पूरा और अंतिम समझौते के तौर पर रु. 4.44 करोड़ की रकम मिली, जिसमें ग्राहक से मिली अग्रिम रकम भी शामिल है जो अन्य गैर–चालू देनदारियां के तहत आती है।

(ii) एमबीएस ग्रुप से रु. 226.82 करोड़ की लेनदारी है, जिसके लिए पहले ही 100% प्रावधान किया जा चुका है। इस मामले में, एमबीएस ग्रुप ने 2012–13 के दौरान क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद में जडित ज्वेलरी जमा की थी, जो कार्यालय के तिजोरी में रखी थी। इसे 2024–25 के दौरान एसबीआई के तिजोरी में शिफ्ट कर दिया गया। यह एक मुख्य कानूनी मामला है जो अलग–अलग अदालतों / फोरम में लंबित है, क्योंकि एसबीआई ग्रुप द्वारा बताई गई मूल्यांकन और कंपनी द्वारा की गई पुनर्मूल्यांकन में बहुत ज़्यादा अंतर है। कोर्ट ने 10.02.2025 को एमएमटीसी लिमिटेड के पक्ष में आदेश दिया और एसबीआई ग्रुप को 30.09.2013 से 13.25% की दर से ब्याज के साथ रु. 228.32 करोड़ और मुकदमे का खर्च रु.11.90 करोड़ चुकाने का निर्देश दिया। साथ ही, इस मामले की जांच सीबीआई / ईडी द्वारा की जा रही है। कैंप कार्यालय ने 26.6.2025 को आदेश के पालन के लिए याचिका दायर की है और सुनवाई की अगली तारीख 11.06.2026 है।

आई) माननीय दिल्ली हाई कोर्ट ने कंपनी को रु. 39.62 करोड़ (पिछले वर्ष भी रु. 39.62 करोड़) जमा करने का निर्देश दिया है। यह रकम एक विदेशी पार्टी (मैसर्स बीआईटी ओएलएसए) द्वारा कोयला पूर्तिकार मैसर्स एशियन नेचुरल रिसोर्स इंडिया लिमिटेड (पहले भाटिया इन्टरनेशल) के खिलाफ अदालत के आदेश के अमल से जुड़े मामले में एमएमसीडी से पूर्तिकार को मिलनी थी। एमएमटीसी ने एक प्रार्थना–पत्र और काउंटर शपथ–पत्र दायर किया है जिसमें कहा गया है कि पूर्तिकार की अनुबंध से जुड़ी जिम्मेदारियाँ अभी पूरी नहीं हुई हैं और एमएमटीसी इस स्टेज पर कोई रकम जमा करने की स्थिति में नहीं है। सभी मुद्दों के समाधान के बाद सप्लायर को जो भी रकम देनी होगी, उसे पूर्तिकार को देने के बजाय कोर्ट में जमा किया जाएगा, जिससे एमएमटीसी पर कोई देयताएं नहीं आएगी। सुनवाई चल रही है और अगली सुनवाई की तारीख 07.07.2026 है।

जे) कंपनी ने 01.04.2023 से मौजूदा ईआरपी पैकेज को टेली प्राइम पैकेज से बदलने का फैसला किया है।

के) प्रशासनिक मंत्रालय ने एमएमटीसी को श्रमशक्ति कम करने के लिए एक रोडमैप तैयार करने का निर्देश दिया है। साथ ही, व्यापार परिचालन से बाहर निकलने के भी निर्देश दिए गए हैं। हालाँकि, विंड मिल का व्यापार अभी भी चल रहा है। सरकार ने अभी तक एमएमटीसी के लिए बाहर निकलने का तरीका तय नहीं किया है। चूँकि मंत्रालय की तरफ से बंद करने के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है, इसलिए कंपनी के चालू रहने की स्थिति बनाए रखी जा रही है और अकाउंट्स भी इसी आधार पर तैयार किए गए हैं।

## 37. वित्तीय दस्तावेज – उचित मूल्य और जोखिम प्रबंधन

### 37.1 श्रेणीवार वित्तीय दस्तावेज

नीचे दी गई तालिकाएँ श्रेणियों के अनुसार वित्तीय परिसम्पत्तियों और वित्तीय देयताओं की कैरिंग अमाउंट और उचित मूल्य दिखाती हैं। इसमें उन वित्तीय परिसम्पत्तियों और वित्तीय देयताओं के उचित मूल्य की जानकारी शामिल नहीं है, जिन्हें उचित मूल्य पर नहीं मापा गया है, यदि कैरिंग अमाउंट उचित मूल्य का उचित अनुमान है।

(31 मार्च 2026 को करोड़ रुपये में)

| विरण | परिशोधित लागत | लाभ अथवा हानि अनुसार उचित मूल्य पर वित्तीय परिसम्पत्तियां / वित्तीय देयताएं | ओसीआई अनुसार उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां / वित्तीय देयताएं | कुल कैरिंग मूल्य | कुल उचित मूल्य |
|---|---|---|---|---|---|
| **परिसंपत्तियां** | | | | | |
| इक्विटी दस्तावेजों में निवेश (संदर्भ नोट संख्या : 6) | | | 94.10 | 94.10 | 94.10 |
| रोकड़ समकक्ष (संदर्भ नोट संख्या : 13) | 2.70 | | | 2.70 | |
| ट्रेड प्राप्य (संदर्भ नोट संख्या : 7) | 24.04 | | | 24.04 | |
| कर्मचारियों को ऋण (संदर्भ नोट संख्या : 8) | 2.16 | | | 2.16 | |
| संबंधित पार्टी को ऋण (संदर्भ नोट संख्या : 8) | 10.77 | | | 10.77 | |
| अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां (संदर्भ नोट संख्या : 9) | 120.21 | | | 120.21 | |
| देयताएं | | | | | |
| ट्रेड देय (संदर्भ नोट संख्या : 18) | 238.13 | | | 238.13 | |
| उधार (संदर्भ नोट संख्या : 17) | - | | | - | |
| अन्य वित्तीय देयताएं (संदर्भ नोट संख्या : 19) | 150.58 | | | 150.58 | |

श्रेणियों के अनुसार वित्तीय दस्तावेजों का वहन मूल्य और उचित मूल्य 31 मार्च 2025 को निम्नानुसार था,

(31 मार्च 2025 को करोड़ रुपये में)

| विरण | परिशोधित लागत | लाभ अथवा हानि अनुसार उचित मूल्य पर वित्तीय परिसम्पत्तियां / वित्तीय देयताएं | ओसीआई अनुसार उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां / वित्तीय देयताएं | कुल कैरिंग मूल्य | कुल उचित मूल्य |
|---|---|---|---|---|---|
| **परिसंपत्तियां** | | | | | |
| इक्विटी दस्तावेजों में निवेश (संदर्भ नोट संख्या : 6) | | | 64.05 | 64.05 | 64.05 |
| रोकड़ समकक्ष (संदर्भ नोट संख्या : 13) | 29.77 | | | 29.77 | |
| ट्रेड प्राप्य (संदर्भ नोट संख्या : 7) | 119.04 | | | 119.04 | |
| कर्मचारियों को ऋण (संदर्भ नोट संख्या : 8) | 2.51 | | | 2.51 | |
| संबंधित पार्टी को ऋण (संदर्भ नोट संख्या : 8) | 40.02 | | | 40.02 | |
| अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां (संदर्भ नोट संख्या : 9) | 117.06 | | | 117.06 | |
| देयताएं | | | | | |
| ट्रेड देय (संदर्भ नोट संख्या : 18) | 239.50 | | | 239.50 | |
| उधार (संदर्भ नोट संख्या : 17) | - | | | - | |
| अन्य वित्तीय देयताएं (संदर्भ नोट संख्या : 19) | 159.98 | | | 159.98 | |

### 37.2 उचित मूल्य अनुक्रम

**स्तर 1** – वर्गीकरण के स्तर 1 में ऐसे वित्तीय इंस्ट्रूमेंट शामिल हैं जिनका मूल्यांकन सक्रिय बाजार में उद्धृत मूल्य (गैर समायोजित) का उपयोग करके किया जाता है।

**स्तर 2** – वर्गीकरण के स्तर 2 में ऐसे वित्तीय इंस्ट्रूमेंट शामिल हैं जिनका मूल्यांकन लेवल 1 में शामिल उद्धृत मूल्य के अलावा अन्य इनपुट का उपयोग करके किया जाता है, जो परिसंपत्तियां अथवा देयताएं के लिए प्रत्यक्ष (अर्थात मूल्यों के अनुसार) या अप्रत्यक्ष रूप से (अर्थात मूल्यों से प्राप्त) देखे जा सकते हैं।

**स्तर 3** – वर्गीकरण के स्तर 3 में ऐसे वित्तीय इंस्ट्रूमेंट शामिल हैं जिनका मूल्यांकन ऐसे इनपुट का उपयोग करके किया जाता है जो देखे जा सकने वाले मार्केट डेटा पर आधारित नहीं होते हैं (ऐसे इनपुट जिन्हें देखा नहीं जा सकता)।

निम्नलिखित तालिका उचित मूल्य पर आंकलन की गई परिसंपत्तियों तथा देयताओं के उचित मूल्य के अनुक्रम को प्रस्तुत करती है

(31 मार्च 2026 को करोड़ रुपये में)

| विवरण | स्तर 1 | स्तर 2 | स्तर 3 | कुल योग | मूल्यांकन तकनीक तथा प्रमुख इनपुट्स | महत्वपूर्ण अदृश्य इनपुट्स |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **वित्तीय परिसंपत्तियां** | | | | | | |
| एफवीटीओसीआई पर वित्तीय निवेश | | | | | | |
| इक्विटी दस्तावेजों में निवेश (बीएसई) | 94.10 | | | 94.10 | | उदधृत मूल्य |
| इक्विटी दस्तावेजों में निवेश (आईसीईएक्स) | | | - | - | उचित मूल्य के सर्वोत्तम अनुमान के अनुसार स्वीकृत लागत | |
| **कुल** | **94.10** | **-** | **-** | **94.10** | | |

(31 मार्च 2025 को करोड़ रुपये में)

| ववरण | स्तर 1 | स्तर 2 | स्तर 3 | कुल योग | मूल्यांकन तकनीक तथा प्रमुख इनपुट्स | महत्वपूर्ण अदृश्य इनपुट्स |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **वित्तीय परिसंपत्तियां** | | | | | | |
| एफवीटीओसीआई पर वित्तीय निवेश | | | | | | |
| इक्विटी दस्तावेजों में निवेश (बीएसई) | 64.05 | | | 64.05 | | उदधृत मूल्य |
| इक्विटी दस्तावेजों में निवेश (आईसीईएक्स) | | | - | - | उचित मूल्य के सर्वोत्तम अनुमान के अनुसार स्वीकृत लागत | |
| **कुल** | **64.05** | **-** | **-** | **64.05** | | |

### 37.3 वित्तीय जोखिम प्रबंधन, उद्देश्य और नीतियां

कंपनी की गतिविधियों के कारण उसे निम्नलिखित वित्तीय जोखिमों का सामना करना पड़ता है:

–बाजार जोखिम

–क्रेडिट जोखिम और

–लिक्विडिटी जोखिम।

कंपनी ने ऐसे फंड की व्यवस्था नहीं की है जिनमें कोई ब्याज दर जोखिम हो।

### क) बाजार जोखिम

### (i) विदेशी मुद्रा विनिमय जोखिम

कंपनी आयात और निर्यात का काम करती है, इसलिए उसे मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर के संबंध में विदेशी मुद्रा विनिमय जोखिम का सामना करना पड़ता है। कंपनी ने लंबी अवधि के कर्ज के जरिए फंड की व्यवस्था नहीं की है। बैंकों से लिए गए अल्पकालिक विदेशी मुद्रा ऋण (बायर क्रेडिट) निश्चित ब्याज दर वाले कर्ज हैं। नतीजतन, कंपनी को कोई ब्याज दर जोखिम नहीं है। कंपनी की जोखिम प्रबंधन नीति विदेशी मुद्रा विनिमय के जोखिम से बचाव के लिए हेजिंग इंस्ट्रूमेंट्स का उपयोग करना है।

कंपनी विदेशी मुद्रा जोखिम में अपने एक्सपोजर से बचाव के लिए विदेशी मुद्रा फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स का उपयोग करती है। कंपनी संबंधित स्पॉट मार्केट एक्सचेंज रेट के संदर्भ में फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स के स्पॉट एलिमेंट को निर्धारित करती है। अनुबंधित फॉरवर्ड और स्पॉट मार्केट एक्सचेंज रेट के बीच के अंतर को फॉरवर्ड एलिमेंट माना जाता है। हेज की गई वस्तु से संबंधित हेजिंग इंस्ट्रूमेंट के स्पॉट एक्सचेंज रेट में बदलाव को कैश फ्लो हेज रिजर्व में टाल दिया जाता है और संबंधित हेज्ड ट्रांजैक्शन होने पर उसे मान्यता दी जाती है। फॉरवर्ड एक्सचेंज कॉन्ट्रैक्ट के फॉरवर्ड एलिमेंट को कॉस्ट ऑफ हेजिंग रिजर्व में टाल दिया जाता है और ट्रांजैक्शन होने पर फॉरवर्ड एलिमेंट में बदलाव की सीमा तक उसे मान्यता दी जाती है।

नीचे दी गई तालिकाएं वित्तीय इंस्ट्रूमेंट्स से विदेशी मुद्रा जोखिम के प्रति कंपनी के एक्सपोजर के बारे में मात्रात्मक डेटा का सारांश दिखाती हैं, जिन्हें रुपयों में दर्शाया गया है:

(31 मार्च 2026 को करोड़ रुपये में)

| विवरण | अमेरिकी डालर (भारतीय रु. समतुल्य में) | अन्य मुद्राएं (भारतीय रु. समतुल्य में) | कुल |
|---|---|---|---|
| नकद और नकद समतुल्य | - | - | - |
| व्यापार प्राप्य | - | - | - |
| प्रसारण प्राप्य/देरी शुल्क प्राप्य | 4.46 | - | 4.46 |
| अन्य प्राप्य | - | - | - |
| विदेशी मुद्रा में कुल प्राप्य | 4.46 | - | 4.46 |
| **विदेशी मुद्रा ऋण देय** | **-** | **-** | **-** |
| विदेशी मुद्रा ऋण पर ब्याज देय | - | - | - |
| व्यापार देय | - | - | - |
| माल ढुलाई विलंब शुल्क/प्रसारण शुल्क देय | 5.44 | - | 5.44 |
| मुकदमे के निपटारे के लिए प्रावधान | - | - | - |
| अन्य | 87.76 | - | 87.76 |
| **विदेशी मुद्रा में कुल देय** | **93.20** | **-** | **93.20** |

कंपनी को विदेशी मुद्रा में मिलने वाली या चुकाने वाली रकम से जुड़ा कोई जोखिम नहीं है, क्योंकि नुकसान या फायदा सहयोगी सप्लायर या ग्राहक के खाते में जाता है, सिवाय उस मामले के जहाँ कानूनी विवाद के निपटारे के लिए प्रावधान किया गया है और मामला अभी भी विवादित है। साथ ही, कंपनी ने सहयोगी के जोखिम और खर्च पर भुगतान योग्य रकम के लिए फॉरवर्ड एक्सचेंज कॉन्ट्रैक्ट भी किए हैं।

(31 मार्च 2025 को करोड़ रुपये में)

| विवरण | अमेरिकी डालर (भारतीय रु. समतुल्य में) | अन्य मुद्राएं (भारतीय रु. समतुल्य में) | कुल |
|---|---|---|---|
| नकद और नकद समतुल्य | - | - | - |
| व्यापार प्राप्य | - | - | - |
| प्रसारण प्राप्य / देरी शुल्क प्राप्य | 4.46 | - | 4.46 |
| अन्य प्राप्य | - | - | - |
| विदेशी मुद्रा में कुल प्राप्य | 4.46 | - | 4.46 |
| **विदेशी मुद्रा ऋण देय** | - | - | - |
| विदेशी मुद्रा ऋण पर ब्याज देय | - | - | - |
| व्यापार देय | - | - | - |
| माल ढुलाई विलंब शुल्क / प्रसारण शुल्क देय | 5.44 | - | 5.44 |
| मुकदमे के निपटारे के लिए प्रावधान | - | - | - |
| अन्य | 1,054.87 | - | 1,054.87 |
| **विदेशी मुद्रा में कुल देय** | **1,060.30** | **-** | **1,060.30** |

कंपनी को विदेशी मुद्रा में मिलने वाली या भुगतान की जाने वाली रकम से कोई जोखिम नहीं है, क्योंकि इसमें होने वाला नुकसान या फायदा सहयोगी सप्लायर या ग्राहक का होता है। साथ ही, कंपनी ने सहयोगी के जोखिम और खर्च पर भुगतान की जाने वाली रकम के लिए फॉरवर्ड एक्सचेंज कॉन्ट्रैक्ट भी किए हैं।

**संवेदनशीलता :**

31 मार्च 2026 और 31 मार्च 2025 तक, हमारी फंक्शनल मुद्रा की तुलना से संबंधित विदेशी मुद्राओं में हर 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी या कमी का हमारे टैक्स से पहले के मुनाफे पर क्रमशः लगभग शून्य करोड़ रुपये और शून्य करोड रुपये का असर पड़ेगा।

**(i) मूल्य जोखिम**

इक्विटी सिक्योरिटीज की कीमत में उतार–चढ़ाव का जोखिम कंपनी के उन निवेशों से पैदा होता है जिन्हें तुलन पत्र में अन्य सामेकित आय के जरिए उचित मूल्य के तौर पर दिखाया गया है। कंपनी के पास मौजूद दो प्रतिभूतियों में से एक एनएसई में सूचीबद्ध है और दूसरी (आईसीईएक्स) सूचीबद्ध नहीं है।

31 मार्च 2026 और 31 मार्च 2025 तक, संबंधित इक्विटी कीमतों में हर 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी या कमी का इक्विटी के अन्य हिस्से पर क्रमशः लगभग रुपये 0.94 करोड़ और 3पये 0.64 करोड़ का असर पड़ेगा। इसका मुनाफे या नुकसान पर कोई असर नहीं पड़ता है।

**इ) क्रेडिट जोखिम**

क्रेडिट जोखिम का मतलब है कि कोई दूसरी पार्टी अपनी जिम्मेदारी पूरी न करे (डिफॉल्ट करे), जिससे वित्तीय नुकसान हो। रिपोर्टिंग की तारीख पर क्रेडिट जोखिम का ज्यादातर जोखिम व्यापार से मिलने वाली रकम से होता है। इसलिए, नीचे दिए गए पैराग्राफ में ट्रेड प्राप्य से होने वाले क्रेडिट जोखिम का मूल्यांकन अन्य सभी वित्तीय संपत्तियों से अलग किया गया है।

ट्रेड रिसीवेबल्स

संयुक्त उपक्रमों और भारत सरकार के मामलों को छोड़कर, कंपनी के बकाया ट्रेड प्राप्य अधिकांशतः साख पत्र / बैंक गारंटी द्वारा सुरक्षित हैं।

इंड एएस– 109 के प्रावधानों के अनुसार, अपेक्षित क्रेडिट नुकसान के आधार पर ट्रेड प्राप्य पर मूल्य में कमी को पहचाना जाता है। अपेक्षित क्रेडिट नुकसान का हिसाब लगाने के लिए ग्राहकों के साथ कंपनी का पुराना अनुभव, मौजूदा आर्थिक स्थिति, ग्राहकों का मौजूदा प्रदर्शन और इंडस्ट्री के लिए भविष्य की संभावनाओं आदि को ध्यान में रखा जाता है।

क्रेडिट जोखिम एक्सपोजर

हर रिपोर्टिंग तारीख पर ट्रेड प्राप्यों की समयावधि का विश्लेषण इस प्रकार है:

(31 मार्च 2026 को करोड़ रुपये में)

| | भुगतान की देय तिथि से निम्न अवधि के लिए बकाया | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| विवरण | 6 माह से कम | 6 माह – 1 वर्ष | 1–2 वर्ष | 2–3 वर्ष | 3 वर्ष से अधिक | कुल |
| (i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – अच्छा माना जाता है | 1.12 | 1.59 | 0.51 | 0.03 | 20.70 | 23.95 |
| (ii) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – जिसमें ऋण जोखिम में ज्यादा वृद्धि होती है | - | - | - | - | - | - |
| (iii) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित | - | - | - | - | 20.64 | 20.64 |
| (iv) विवादित व्यापार प्राप्य – अच्छा माना जाता है। | - | - | - | - | 0.09 | 0.09 |
| (v) विवादित व्यापार प्राप्य – जिसमें ऋण जोखिम ज्यादा होती है | - | - | - | - | - | - |
| (vi) विवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित | - | - | - | - | 297.40 | 297.40 |
| **उप–योग** | **1.12** | **1.59** | **0.51** | **0.03** | **338.82** | **342.07** |
| कमी : ऋण हानि के लिए भत्ता | | | | | | 318.03 |
| **कुल** | | | | | | **24.04** |

(31 मार्च 2025 को करोड़ रुपये में)

| विवरण | भुगतान की देय तिथि से निम्न अवधि के लिए बकाया | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 6 माह से कम | 6 माह – 1 वर्ष | 1–2 वर्ष | 2–3 वर्ष | 3 वर्ष से अधिक | कुल |
| (i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – अच्छा माना जाता है | 0.89 | 0.42 | 0.01 | 0.05 | 117.58 | 118.96 |
| (ii) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – जिसमें ऋण जोखिम में ज्यादा वृद्धि होती है | - | - | - | - | - | - |
| (iii) नर्विवाद व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित | - | - | - | - | 8.20 | 8.20 |
| (iv) विवादित व्यापार प्राप्य – अच्छा माना जाता है। | - | - | - | - | 0.09 | 0.09 |
| (v) विवादित व्यापार प्राप्य – जिसमें ऋण जोखिम ज्यादा होती है | - | - | - | - | - | - |
| (vi) विवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित | - | - | - | - | 381.76 | 381.76 |
| **उप–योग** | **0.89** | **0.42** | **0.01** | **0.05** | **507.63** | **509.00** |
| कमी : क्रेडिट हानि के लिए अनुमत | | | | | | 389.96 |
| **कुल** | | | | | | **119.04** |

आम तौर पर, ट्रेड प्राप्यो को जब वसूली को संदिग्ध माना जाता है जब वे तीन साल से ज्यादा समय से बकाया हों (सरकारी बकाया को छोड़कर), सिवाय तब जब रकम मिलने की उम्मीद हो, या जब कंपनी द्वारा अलग–अलग ट्रेड प्राप्यो के लिए किए गए रिकवरी एनालिसिस के आधार पर उनकी वसूली संदिग्ध मानी जाए। कंपनी का मानना है कि ऊपर बताई गई सभी वित्तीय संपत्तियां, जो बकाया होने के बावजूद ओवरडयू नही हैं, अच्छी क्रेडिट क्वालिटी वाली हैं।

कुछ ट्रेड प्राप्य के मामले में, कंपनी के पास सहयोगी सप्लायर्स को देने के लिए बराबर रकम होती है, जिसका भुगतान ट्रेड प्राप्य की वसूली होने पर किया जाता है। ऐसी ट्रेड प्राप्य को बकाया होने के बावजूद ओवरडयू नहीं माना जाता है।

**अन्य वित्तीय परिसम्पत्तियां**

कैश और कैश इक्विवेलेंट्स से जुड़ा क्रेडिट जोखिम न के बराबर माना जाता है क्योंकि हमारे काउंटरपार्टी (लेन–देन करने वाले) बैंक हैं। हम शेडयूल्ड बैंकों (जो रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रेगुलेटरी निगरानी में हैं) के साथ टर्म डिपॉजिट की क्रेडिट क्वालिटी को अच्छा मानते हैं, और हम इन बैंकिंग संबंधों की लगातार समीक्षा करते हैं। कर्मचारियों के लोन से जुड़ा क्रेडिट जोखिम न के बराबर माना जाता है क्योंकि घर बनाने के लिए लोन, गाड़ी के लिए लोन आदि जैसे बड़े लोन उस प्रॉपर्टी के बदले सुरक्षित होते हैं जिसके लिए कर्मचारियों को लोन दिया जाता है। अन्य कर्मचारी लोन संबंधित कर्मचारियों की पर्सनल गारंटी और अन्य कार्यरत कर्मचारियों के श्योरिटी बॉन्ड के तहत कवर किए जाते हैं। इन वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए हर रिपोर्टिंग तारीख पर कोई मूल्य में कमी के लिए प्रावधान नहीं होता है। हम रिपोर्टिंग तारीखों पर ऊपर बताई गई सभी फाइनेंशियल एसेट्स को अच्छी क्रेडिट क्वालिटी वाला मानते हैं।

**सी) तरलता जोखिम**

हमारी तरलता की जरूरतों की निगरानी मासिक और वार्षिक अनुमानों के आधार पर की जाती है। कंपनी के लिए तरलता के मुख्य स्रोत कैश और कैश इक्विवेलेंट्स, ऑपरेशन से मिलने वाला कैश और समय पर देनदारियों को पूरा करने के लिए कमिटेड क्रेडिट सुविधाओं के जरिए पर्याप्त फंडिंग की उपलब्धता है।

अंतर्निहित व्यवसायों की बदलती प्रकृति के कारण, कंपनी कमिटेड क्रेडिट लाइनों के तहत उपलब्धता बनाए रखकर फंडिंग में लचीलापन बनाए रखती है।

अल्पकालिक तरलता जरूरतों में मुख्य रूप से हर रिपोर्टिंग तारीख पर सामान्य कामकाज के दौरान पैदा होने वाले विविध लेनदार देय खर्च और कर्मचारियों का बकाया शामिल होता है। कंपनी अल्पकालिक तरलता जरूरतों को पूरा करने के लिए बैंक से क्रेडिट की व्यवस्था करती है और कैश और कैश इक्विवेलेंट्स में बैलेंस बनाए रखती है।

कंपनी समय–समय पर दीर्घकालिक तरलता जरूरतों का आकलन करती है और उन्हें आंतरिक स्रोतों से प्राप्त रकम और कमिटेड क्रेडिट लाइनों के जरिए मैनेज करती है।

नीचे दी गई तालिका नॉन–डेरिवेटिव वित्तीय देनदारियों की कॉन्ट्रैक्चुअल मैच्योरिटी के बारे में जानकारी देती है। यह टेबल फाइनेंशियल देनदारियों के अनडिस्काउंटेड कैश फ्लो के आधार पर बनाई गई है, जो उस शुरुआती तारीख पर आधारित है जब कंपनी को भुगतान करना पड़ सकता है। टेबल में मूलधन और ब्याज दोनों के कैश फ्लो शामिल हैं।

(31 मार्च 2026 को करोड़ रुपये में)

| विवरण | भुगतान की देय तिथि से निम्न अवधि के लिए बकाया | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 6 माह से कम | 6 माह से 1 वर्ष | 1–2 वर्ष | 2–3 वर्ष | 3 वर्ष से अधिक | कुल |
| (i) एमएसएमई | 0.12 | - | - | 0.00 | 0.02 | 0.14 |
| (ii) अन्य | 0.37 | - | - | - | 237.14 | 237.51 |
| (iii) **विवादित देय–एमएसएमई** | - | - | - | - | - | - |
| (iv) विवादित देय–अन्य | - | - | - | - | 0.48 | 0.48 |
| कुल | | | | | **238.13** | |

(31 मार्च 2025 को करोड़ रुपये में)

| विवरण | भुगतान की देय तिथि से निम्न अवधि के लिए बकाया | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 6 माह से कम | 6 माह से 1 वर्ष | 1–2 वर्ष | 2–3 वर्ष | 3 वर्ष से अधिक | कुल |
| (I) एमएसएमई | 0.11 | - | 0.00 | 0.02 | 0.00 | 0.12 |
| (ii) अन्य | 0.21 | - | - | 0.00 | 238.68 | 238.90 |
| (iii) **विवादित देय–एमएसएमई** | - | - | - | - | - | - |
| (iv) विवादित देय–अन्य | - | - | - | - | 0.48 | 0.48 |
| कुल | | | | | | **239.50** |

## 38. हेजिंग गतिविधियों का प्रभाव

### 38.1 कैश फ्लो हेज

31, मार्च 2026 को कंपनी का काई भी हेजिंग इंस्ट्रूमेंट बकाया नहीं था।

### 38.2 उचित मूल्य हेज

जोखिम प्रबंध नीति के अनुसार, कंपनी सोने और चांदी की इन्वेंट्री की कीमतों में उतार–चढाव से बचाव के लिए कमोडिटी एक्सचेंजों के साथ फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट करती है। हेजिंग इंस्ट्रूमेंट से होने वाले फायदे या नुकसान को लाभ या हानि में दिखाया जाता है। हेज की गई आइटम पर हेजिंग से होने वाला फायदा या नुकसान, उस आइटम की कैरिंग अमाउंट को एडजस्ट करता है और इसे लाभ या हानि में दिखाया जाता है।

हेजिंग इंस्ट्रूमेंट्स के लिए वित्तीय स्थिति पर हेज अकाउंटिंग के असर का खुलासा:

(31 मार्च 2026 को करोड़ रुपये में)

| हैज तथा जोखिम का प्रकार | हेजिंग इंस्ट्रूमेंट की कैरिंग राशि | | अवधि के लिए हेज निष्प्रभावी मानने का आधार जिसके अनुसार हेजिंग इंस्ट्रूमेंट को उसके उचित मूल्य में परिवर्तित करते हुए प्रयोग किया गया | हेजिंग इंस्ट्रूमेंट की नामिनल राशि | |
|---|---|---|---|---|---|
| | परिसंपत्तियां | देयताएं | | मात्रा (कि.ग्रा.) | मूल्य |
| हेज उचित मूल्य | | | | | |
| मूल्य जोखिम | | | | | |
| सोने की बिक्री के लिए फारवर्ड कांट्रेक्ट | | | | | |

(31 मार्च 2025 को करोड़ रुपये में)

| हैज तथा जोखिम का प्रकार | हेजिंग इंस्ट्रूमेंट की कैरिंग राशि | | अवधि के लिए हेज निष्प्रभावी मानने का आधार जिसके अनुसार हेजिंग इंस्ट्रूमेंट को उसके उचित मूल्य में परिवर्तित करते हुए प्रयोग किया गया | हेजिंग इंस्ट्रूमेंट की नामिनल राशि | |
|---|---|---|---|---|---|
| | परिसंपत्तियां | देयताएं | | मात्रा (कि.ग्रा.) | मूल्य |
| हेज उचित मूल्य | | | | | |
| मूल्य जोखिम | | | | | |
| सोने की बिक्री के लिए फारवर्ड कांट्रेक्ट | | | | | |

बी.) हेज्ड आइटम्स के लिए वित्तीय स्थिति पर पड़ने वाले हेज अकाउंटिंग के प्रभाव का खुलासा

(31 मार्च 2026 को करोड़ रुपये में)

| हेज तथा जोखिम का प्रकार | हेजिंग आइटम की कैरिंग राशि | हेज्ड आइटम पर हेज समायोजन की संचित राशि जिसमें हेज्ड आइटम की कैरिंग राशि भी शामिल है | तुलनपत्र में लाइन आइटम जिसमें हेज्ड आइटम शमिल है | हेज निष्प्रभावी मानने का आधार जिसके अनुसार हेजिंग इंस्ट्रूमेंट को उसके उचित मूल्य में परिवर्तित करते हुए प्रयोग किया गया | ऐसे हेज्ड आइटम्स जो हेजिंग लाभ तथा हानि के लिए समायोजित नहीं किए जा सके थे, तुलनपत्र में ऐसे शेष बचे हेज समायोजनों की संचित राशि (इंडएस–109 का पैरा 6.5.10) |
|---|---|---|---|---|---|
| हेज उचित मूल्य | | | | | |
| मूल्य जोखिम | | | | | |
| सोने की इन्वेंट्री | - - | - | इन्वेंट्री | | |

(31 मार्च 2025 को करोड़ रुपये में)

| हेज तथा जोखिम का प्रकार | हेजिंग आइटम की कैरिंग राशि | हेज्ड आइटम पर हेज समायोजन की संचित राशि जिसमें हेज्ड आइटम की कैरिंग राशि भी शामिल है | तुलनपत्र में लाइन आइटम जिसमें हेज्ड आइटम शमिल है | हेज निष्प्रभावी मानने का आधार जिसके अनुसार हेजिंग इंस्ट्रूमेंट को उसके उचित मूल्य में परिवर्तित करते हुए प्रयोग किया गया | ऐसे हेज्ड आइटम्स जो हेजिंग लाभ तथा हानि के लिए समायोजित नहीं किए जा सके थे, तुलनपत्र में ऐसे शेष बचे हेज समायोजनों की संचित राशि (इंडएस–109 का पैरा 6.5.10) |
|---|---|---|---|---|---|
| हेज उचित मूल्य | | | | | |
| मूल्य जोखिम | | | | | |
| सोने की इन्वेंट्री | - - | - | इन्वेंट्री | | |

39. **भारतीय लेखा मानक (इंड एएस)–36 के संबंध में प्रकटीकरण "परिसंपत्तियों की हानि"**

साल के दौरान, कंपनी ने संपत्ति के हानि/क्षति का आकलन किया और उसी के अनुसार पीपीई के मूल्य में इम्पेयरमेंट के लिए रु 1.35 करोड़ (पिछले साल रु. 0.47 करोड़) का प्रोविजन किया गया है।

40. **भारतीय लेखा मानक (इंड एएस)–19** "कर्मचारी लाभ" के संबंध में जानकारी

**40.1 विभिन्न कर्मचारी लाभ योजनाओं का सामान्य विवरण इस प्रकार है:**

**ए) ग्रेच्युटी:**

सेवा के वर्षों की संख्या के आधार पर सेवानिवृत्ति/सेवा समाप्ति पर सभी कर्मचारियों को ग्रेच्युटी का भुगतान किया जाता है। इस योजना को कंपनी फंड करती है और एलआईसी के माध्यम से एक अलग ट्रस्ट द्वारा इसका प्रबंधन किया जाता है। एमआईसीए डिवीजन के कर्मचारियों के मामले में, योजना का प्रबंधन सीधे कंपनी द्वारा एलआईसी के माध्यम से किया जाता है। योजना को कंपनी फंड करती है और देयता को बीमाकर्ता, यानी भारतीय बीमा निगम को देय योगदान के आधार पर पहचाना जाता है, हालाँकि, इंड एएस–19 के तहत आवश्यक जानकारी का खुलासा बीमा–गणितीय मूल्यांकन के अनुसार किया गया है।

बीमा–गणितीय मूल्यांकन के अनुसार, ग्रेच्युटी फंड योगदान के लिए वित्तीय वर्ष 2025–26 में कंपनी का अपेक्षित योगदान रु. 0.82 करोड़ (पिछले साल रु. 1.39 करोड़) है। हालाँकि, कंपनी भारतीय बीमा निगम की मांग के अनुसार फंड में योगदान कर रही है।

**बी) छुट्टी का मुआवजा :**

यह उन पात्र कर्मचारियों को सेवा समाप्ति पर देय है जिनके पास अर्जित अवकाश और अर्ध–वेतन अवकाश जमा हैं। सेवा के दौरान भी जमा अर्जित अवकाश के नकदीकरण की अनुमति है, बशर्ते साल में दो बार कम से कम 15 दिनों का बैलेंस बचा रहे। इस मद में देयता को बीमा–गणितीय मूल्यांकन के आधार पर पहचाना जाता है।

**सी)** लंबे समय तक सेवा के लिए लाभ: कर्मचारियों को लंबे समय तक सेवा के लिए मिलने वाले लाभ इस प्रकार हैं–

**(i) सेवा पुरस्कार**

कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर पूरे किए गए सेवाकाल के प्रत्येक पूरे वर्ष के लिए रु. 8,500/– का सेवा पुरस्कार दिया जाता है।

**(ii) अनुकंपा ग्रेच्युटी**

सेवा के दौरान मृत्यु होने पर कर्मचारी के आश्रितों को एकमुश्त रु 50,000/– की अनुकम्पा ग्रेच्युटी दी जाती है।

**(iii) कर्मचारी परिवार लाभ योजना**

सेवा के दौरान मृत्यु होने पर, कर्मचारी के आश्रितों को कर्मचारी परिवार लाभ योजना के तहत भुगतान किया जाता है। यह भुगतान नेशनल की अनुमानित तारीख तक किया जाता है। 20 साल से कम सेवा पूरी करने पर, अंतिम बार लिए गए मूल वेतन और महंगाई भत्ता का 40 प्रतिशत मासिक लाभ (अधिकतम रु. 12,000/– तक) मिलता है। इसी तरह, मृत्यु के समय 20 साल या उससे अधिक की सेवा पूरी होने पर, अंतिम बार लिए गए मूल वेतन और महंगाई भत्ता का 50 प्रतिशत मासिक लाभ (अधिकतम रु. 12,000/– तक) मिलता है।

**(iv) एमआईसीए डिवीजन के कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर विशेष लाभ:** रु. 5,00,000/– अधिकारी, रु. 4,00,000/– स्टाफ और रु. 3,00,000/– कामगार।

लाभ और हानि विवरण, अन्य कॉम्प्रिहेंसिव इनकम (ओसीआई), तुलन पत्र और अन्य खुलासों में बताए गए विभिन्न तय लाभों की संक्षिप्त स्थिति इस प्रकार है:

नेट परिभाषित लाभ देयता

(रु. करोड़ में)

| विवरण | | ग्रेच्युटी | अर्जित अवकाश | बीमारी की छुट्टी | लम्बी सेवा पुरस्कार | विशेष लाभ | अनुकम्पा ग्रेच्युटी | कर्मचारी परिवार लाभ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | (वित्त पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित |
| निधारित लाभ दायित्व | सी.वाई | 36.96 | 15.42 | 9.21 | 4.13 | 0.27 | 0.04 | 1.24 |
| | पी.वाई | 36.01 | 15.27 | 12.30 | 4.52 | 0.57 | 0.08 | 1.37 |
| योजना सम्पत्ति का उचित मूल्य | सी.वाई | 31.64 | - | - | - | - | - | - |
| | पी.वाई | 34.54 | - | - | - | - | - | - |
| वित्त पोषित स्थिति [अधिशेष/(घाटा)] | सी.वाई | | - | - | - | - | - | - |
| | पी.वाई | | - | - | - | - | - | - |
| परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव | सी.वाई | | - | - | - | - | - | - |
| | पी.वाई | | - | - | - | - | - | - |
| **नेट परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/देयताएं** | सी.वाई | (5.31) | (15.42) | (9.21) | (4.13) | (0.27) | (0.04) | (1.24) |
| | पी.वाई | (1.47) | (15.27) | (12.30) | (4.52) | (0.57) | (0.08) | (1.37) |

नेट परिभाषित लाभ देयता का संचालन

(रु. करोड़ में)

| विवरण | | ग्रेच्युटी | अर्जित अवकाश | बीमारी की छुट्टी | लम्बी सेवा पुरस्कार | विशेष लाभ | अनुकम्पा ग्रेच्युटी | कर्मचारी परिवार लाभ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | (वित्त पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित |
| परिभाषित लाभ देयता– | सी.वाई | 36.01 | 15.27 | 12.30 | 4.52 | 0.57 | 0.08 | 1.37 |
| वर्ष का आरंभ | पी.वाई | 42.15 | 15.35 | 13.47 | 2.14 | 0.67 | 0.07 | 1.60 |
| चालू सेवा लागत | सी.वाई | 0.77 | 0.88 | 0.55 | 0.17 | 0.02 | - | - |
| | पी.वाई | 0.68 | 0.62 | 0.51 | 0.16 | 0.01 | - | - |
| पिछली सेवा लागत | सी.वाई | 6.09 | - | - | - | - | - | - |
| | पी.वाई | 0.54 | - | - | - | - | - | - |
| ब्याज लागत | सी.वाई | 2.36 | 1.00 | 0.76 | 0.30 | 0.04 | - | - |
| | पी.वाई | 2.98 | 1.08 | 0.95 | 0.15 | 0.05 | - | - |
| प्रदत्त लाभ | सी.वाई | (7.05) | (3.60) | (1.34) | (0.74) | (0.29) | - | - |
| | पी.वाई | (10.64) | (7.94) | (1.50) | (1.03) | (0.15) | - | - |
| पुनः मूल्यांकन–बीमांकित | सी.वाई | (1.22) | 1.88 | (3.06) | (0.12) | (0.06) | (0.04) | (0.13) |
| हानि / (लाभ) | पी.वाई | 0.30 | 6.15 | (1.13) | 3.11 | (0.02) | 0.01 | (0.23) |
| परिभाषित लाभ दायित्व– | सी.वाई | 36.96 | 15.42 | 9.21 | 4.13 | 0.27 | 0.04 | 1.24 |
| वर्ष के अंत में | पी.वाई | 36.01 | 15.27 | 12.30 | 4.52 | 0.57 | 0.08 | 1.37 |

योजना परिसंपत्ति का चलन

(रु. करोड़ में)

| विवरण | ग्रेच्युटी (वित्त पोषित) | |
|---|---|---|
| | 31.03.2026 | 31.03.2025 |
| वर्ष के आरंभ में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य | 34.54 | 39.44 |
| ब्याज आय | 2.26 | 2.86 |
| नियोक्ता अंशदान | 2.05 | 2.78 |
| प्रदत्त लाभ | (7.05) | (10.64) |
| पुनः मूल्यांकन – बीमांकित हानि / (लाभ) | (0.16) | 0.11 |
| वर्ष के अंत में योजना परसिंपत्तियों का उचित मूल्य | 31.64 | 34.54 |

लाभ व हानि विवरण में शामिल की गई राशि

(रु. करोड़ में)

| विवरण | | ग्रेच्युटी | अर्जित अवकाश | बीमारी की छुट्टी | लम्बी सेवा पुरस्कार | विशेष लाभ | अनुकम्पा ग्रेच्युटी | कर्मचारी परिवार लाभ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | (वित्त पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित |
| वर्तमान सेवा लागत | सी.वाई | 0.77 | 0.88 | 0.55 | 0.17 | 0.02 | - | - |
| | पी.वाई | 0.68 | 0.62 | 0.51 | 0.16 | 0.01 | - | - |
| पूर्व सेवा लागत | सी.वाई | 6.09 | - | - | - | - | - | - |
| –प्लान संशोधन | पी.वाई | | - | - | - | - | - | - |
| सेवा लागत (ए) | सी.वाई | 6.86 | 0.88 | 0.55 | 0.17 | 0.02 | - | - |
| | पी.वाई | 0.68 | 0.62 | 0.51 | 0.16 | 0.01 | - | - |
| नेट परिभाषित लाभ देयता / | सी.वाई | 0.10 | 1.00 | 0.76 | 0.30 | 0.04 | - | - |
| (परिसंपत्ति) (बी) | पी.वाई | 0.08 | 1.08 | 0.95 | 0.15 | 0.05 | - | - |
| अवधि में माने गए नेट | सी.वाई | - | 1.88 | (3.06) | - | - | (0.04) | (0.13) |
| बीमांकित (लाभ) / हानि | पी.वाई | - | 6.15 | (1.13) | - | - | 0.01 | (0.23) |
| **पी एण्ड एल में मानी गई** | सी.वाई | 6.96 | 3.75 | -1.75 | 0.46 | 0.05 | (0.04) | (0.13) |
| **लागत (ए+बी)** | पी.वाई | 0.76 | 7.86 | 0.34 | 0.31 | 0.06 | 0.01 | (0.23) |

अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में शामिल की गई राशि

(रु. करोड़ में)

| विवरण | | ग्रेच्युटी | अर्जित अवकाश | बीमारी की छुट्टी | लम्बी सेवा पुरस्कार | विशेष लाभ | अनुकम्पा ग्रेच्युटी | कर्मचारी परिवार लाभ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | (वित्त पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित |
| डीबीओ अनुभव के कारण | सी.वाई | (0.64) | - | - | (0.08) | (0.06) | | |
| बीमांकित लाभ / (हानि) | पी.वाई | (0.51) | - | - | 3.03 | (0.03) | - | - |
| अनुमानित परिवर्तनों के कारण | सी.वाई | (0.66) | - | - | (0.04) | (0.00) | - | - |
| बीमांकित लाभ / (हानि) | पी.वाई | 0.81 | - | - | 0.08 | 0.01 | - | - |
| अवधि के दौरान हुए | सी.वाई | (1.29) | - | - | (0.12) | (0.06) | - | - |
| बीमांकित लाभ / (हानि) (ए) | पी.वाई | 0.30 | - | - | 3.11 | (0.02) | - | - |
| प्लान परिसंपत्ति पर रिटर्न जो | सी.वाई | 0.23 | - | - | - | - | - | - |
| डिस्काउंट रेट से (अधिक) / कम है (बी) | पी.वाई | (0.07) | - | - | - | - | - | - |
| ओसीआई में मानी गई | सी.वाई | (1.06) | - | - | (0.12) | (0.06) | - | - |
| बीमांकित लाभ / (हानि) (ए+बी) | पी.वाई | 0.23 | - | - | 3.11 | (0.02) | - | - |

संवेदनशील विश्लेषण

(31 मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार रु. करोड़ में)

| अनुमान | अनुमान में परिवर्तन | ग्रेच्युटी | अर्जित अवकाश | बीमारी की छुट्टी | लम्बी सेवा पुरस्कार | विशेष लाभ | अनुकम्पा ग्रेच्युटी | कर्मचारी परिवार लाभ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | (वित्त पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित |
| छूट की दर | 0.50% | (0.87) | (0.26) | (0.10) | (0.08) | (0.00) | - | - |
| | -0.50% | 0.91 | 0.27 | 0.11 | 0.09 | 0.00 | - | - |
| वेतनवृद्धि दर | 0.50% | 0.25 | 0.27 | 0.11 | - | - | - | - |
| | -0.50% | (0.29) | (0.26) | (0.10) | - | - | - | - |

(31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार रु. करोड़ में)

| अनुमान | अनुमान में परिवर्तन | ग्रेच्युटी | अर्जित अवकाश | बीमारी की छुट्टी | लम्बी सेवा पुरस्कार | विशेष लाभ | अनुकम्पा ग्रेच्युटी | कर्मचारी परिवार लाभ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | (वित्त पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित |
| छूट की दर | 0.50% | (0.78) | (0.39) | (0.27) | (0.08) | (0.01) | - | - |
| | -0.50% | 0.82 | 0.42 | 0.28 | 0.08 | 0.01 | - | - |
| वेतनवृद्धि दर | 0.50% | 0.12 | 0.42 | 0.28 | 0.09 | - | - | - |
| | -0.50% | (0.13) | (0.40) | (0.27) | (0.09) | - | - | - |

बीमांकित अनुमान

| अनुमान | | ग्रेच्युटी | अर्जित अवकाश | बीमारी की छुट्टी | लम्बी सेवा पुरस्कार | विशेष लाभ | अनुकम्पा ग्रेच्युटी | कर्मचारी परिवार लाभ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | (वित्त पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित |
| प्रयोग में लाई गई पद्धति | सी.वाई | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट |
| | पी.वाई | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट |
| डिस्काउंट रेट | सी.वाई | 6.90% | 6.75% | 6.75% | 6.75% | 6.75% | 6.75% | 6.75% |
| | पी.वाई | 6.54% | 6.54% | 6.54% | 6.54% | 6.54% | 6.54% | 6.54% |
| वेतन वृद्धि दर | सी.वाई | 6.00% | 6.00% | 6.00% | - | - | - | - |
| | पी.वाई | 6.00% | 6.00% | 6.00% | - | - | - | - |
| मृत्यु दर | सी.वाई | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) |
| | पी.वाई | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) |

संभावित लाभ भुगतान

(रु. करोड़ में)

| क्रम | अनुमान | ग्रेच्युटी | अर्जित अवकाश | बीमारी की छुट्टी | लम्बी सेवा पुरस्कार | विशेष लाभ | अनुकम्पा ग्रेच्युटी | कर्मचारी परिवार लाभ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | (वित्त पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित |
| 1 | 0 से 1 साल | 8.28 | 4.49 | 3.38 | 0.92 | 0.18 | - | - |
| 2 | 1 से 2 साल | 6.44 | 3.38 | 2.48 | 0.74 | - | - | - |
| 3 | 2 से 3 साल | 6.09 | 2.67 | 1.59 | 0.70 | 0.06 | - | - |
| 4 | 3 से 4 साल | 5.72 | 2.19 | 1.11 | 0.66 | 0.04 | - | - |
| 5 | 4 से 5 साल | 4.83 | 1.38 | 0.72 | 0.57 | - | - | - |
| 6 | 6 से 10 साल से उपर | 7.36 | 3.05 | 1.18 | 0.83 | 0.03 | - | - |

प्लान परिसंपत्तियों में निवेश की श्रेणी

| निवेश की श्रेणी | प्लान परिसंपत्तियों के उचित मूल्य का प्रतिशत |
|---|---|
| बीमाकृत लाभ | 100% |

डी) **भविष्य निधिः** साल के दौरान भविष्य निधि में कंपनी का दिया गया/देय योगदान और देनदारी को जिस समय खर्च या आय हुई, उसी समय उसे रिकॉर्ड करना पर पहचाना जाता है। कंपनी का भविष्य निधि ट्रस्ट कर्मचारी भविष्य निधि तथा विविध प्रावधान एक्ट, 1952 की धारा 17 के तहत छूट प्राप्त है। छूट की शर्तों के अनुसार, अगर ट्रस्ट द्वारा घोषित ब्याज दर और कानूनी दर में कोई अंतर होता है, तो नियोक्ता को उसे पूरा करना होगा। फंड की संपत्ति और निवेश पर मिलने वाले रिटर्न को देखते हुए, कंपनी को निकट भविष्य में किसी और देनदारी की उम्मीद नहीं है।

ई) **सेवानिवृत्ति पेंशन लाभ**–साल के दौरान, कंपनी ने परिभाषित अंशदान सेवानिवृत्ति पेंशन योजना के लिए रु.3.49 करोड़ (पिछले साल रु. 3.99 करोड़) की राशि को मान्यता दी है।

एफ) **रिटायरमेंट के बाद मेडिकल बेनिफिटः** रिटायर हो चुके कर्मचारियों के लिए सूचीबद्ध अस्पतालों में इनपेशेंट इलाज और ओपीडी इलाज की सुविधा परिभाषित अंशदान योजना के तहत उपलब्ध है, जो इस प्रकार हैः

ए. 1.1.2007 से पहले रिटायर हुए कर्मचारियों (बंद समूह) की स्कीम के लिए, साल के पीबीटी के 1.50 प्रतिशत के बराबर देनदारी को 2025–26 तक मान्यता दी गई है। कंपनी ने 2025–26 तक काम कर रहे कर्मचारियों (ओपन ग्रुप) के लिए पीआरएमबीएस के तहत बेसिक सैलरी, डीए का 4.50 प्रतिशत भी प्रावधान किया है।

बी. कंपनी ने फंड के मैनेजमेंट और स्कीम के प्रति अपनी देनदारी के तहत ट्रस्ट को भुगतान करने के लिए पीआरएमबीएस ट्रस्ट बनाया है।

## 41. भारतीय लेखा मानक (इंडएएस)–108: "ऑपरेटिंग सेगमेंट्स" के संबंध में जानकारी

इंड एस 108 में बताए गए "मैनेजमेंट अप्रोच" के आधार पर, चीफ ऑपरेटिंग डिसीजन मेकर (सीओडीएम) कंपनी के परफॉर्मेंस का मूल्यांकन करता है और बिजनेस सेगमेंट के हिसाब से अलग–अलग परफॉर्मेंस इंडिकेटर्स के विश्लेषण के आधार पर रिसोर्स (संसाधन) आवंटित करता है। इसी के अनुसार, हर बिजनेस सेगमेंट के लिए जानकारी दी गई है। फाइनेंशियल स्टेटमेंट तैयार करने में इस्तेमाल किए गए अकाउंटिंग सिद्धांत अलग–अलग बिजनेस सेगमेंट में रेवेन्यू और खर्च को रिकॉर्ड करने के लिए लगातार लागू किए जाते हैं, और ये महत्वपूर्ण अकाउंटिंग पॉलिसी में बताए गए सिद्धांतों के अनुसार हैं। कंपनी के बिजनेस सेगमेंट इस प्रकार हैं: – कीमती धातुएं, धातुएं, खनिज, कोयला और हाइड्रोकार्बन, कृषि उत्पाद, उर्वरक और अन्य।

### सेगमेंट से होने वाली आय और खर्च

हर सेगमेंट से जुड़ी आय और खर्चों की जानकारी का खुलासा करना जरूरी है।

सेगमेंट परिसंपत्तियों में संबंधित सेगमेंट की सभी ऑपरेटिंग परिसंपत्तिया शामिल होती हैं, जिनमें नेट फिक्स्ड परिसंपत्तिया और करंट परिसंपत्तिया, लोन और एडवांस आदि आते हैं। कॉर्पोरेट और कंस्ट्रक्शन से जुड़ी परिसंपत्तिया को असंबद्ध सेगमेंट में शामिल किया जाता है। सेगमेंट लायबिलिटीज में संबंधित सेगमेंट से सीधे तौर पर जुड़ी देयताएं और प्रावधान शामिल होते हैं।

### सेग्मेंट राजस्व तथा व्यय

(31 मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार रु. करोड़ में)

| विवरण | बहुमूल्य धातुएं | धातुएं | खनिज | कोल व हाइड्रो कार्बन | कृषि उत्पाद | उर्वरक | अन्य | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **बाहरी ग्राहकों से संग्मेंट राजस्व** | | | | | | | | |
| भारत में | 0.73 | - | - | - | - | 0.05 | 2.63 | 3.41 |
| भारत से बाहर | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **इंटर–सेग्मेंट राजस्व** | | | | | | | | |
| **कुल सेग्मेंट राजस्व** | 0.73 | - | - | - | - | 0.05 | 2.63 | 3.41 |
| सेग्मेंट परिणाम | | | | | | | | |
| भारत में | 0.37 | - | - | - | - | 0.05 | 1.51 | 1.93 |
| भारत से बाहर | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **कुल सेग्मेंटनल परिणाम** | 0.37 | - | - | - | - | 0.05 | 1.51 | 1.93 |
| **असंबद्ध कारपोरेट व्यय** | | | | | | | | |
| ब्याज व्यय (नेट) | | | | | | | | (133.37) |
| अन्य आय घटाने पर अन्य असंबद्ध व्यय | | | | | | | | (328.00) |
| **साधारण कार्यकलापों से कर पूर्व लाभ** | | | | | | | | **463.30** |

(31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार रु. करोड़ में)

| विवरण | बहुमूल्य धातुएं | धातुएं | खनिज | कोल व हाइड्रो कार्बन | कृषि उत्पाद | उर्वरक | अन्य | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **बाहरी ग्राहकों से संग्मेंट राजस्व** | | | | | | | | |
| भारत में | 0.00 | - | - | - | - | - | 2.69 | 2.69 |
| भारत से बाहर | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **इंटर–सेग्मेंट राजस्व** | | | | | | | | |
| **कुल सेग्मेंट राजस्व** | 0.00 | - | - | - | - | - | 2.69 | 2.69 |
| सेग्मेंट परिणाम | | | | | | | | |
| भारत में | 0.00 | - | - | - | - | - | 2.69 | 2.69 |
| भारत से बाहर | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **कुल सेग्मेंटनल परिणाम** | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 1.59 | 1.59 |
| **असंबद्ध कारपोरेट व्यय** | | | | | | | | |
| ब्याज व्यय (नेट) | | | | | | | | (136.49) |
| अन्य आय घटाने पर अन्य असंबद्ध व्यय | | | | | | | | 40.87 |
| **साधारण कार्यकलापों से कर कर पूर्व लाभ** | | | | | | | | **97.20** |

परिसंपत्तियों व देयताओं का सेग्मेंट

(31 मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार रु. करोड़ में)

| विवरण | बहुमूल्य धातुएं | धातुएं | खनिज | कोल व हाइड्रो कार्बन | कृषि उत्पाद | उर्वरक | अन्य | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **ए. 01 सेग्मेंट परिसंपत्तियां :** | | | | | | | | |
| परिसंपत्तियां | 19.34 | 24.35 | 17.91 | 192.29 | 36.68 | 17.31 | 26.81 | 334.69 |
| असंबद्ध परिसंपत्तियां | | | | | | | | **2039.59** |
| **कुल परिसंपत्तियां** | | | | | | | | **2374.28** |
| **ए. 02 सेग्मेंट देयताएं** | | | | | | | | |
| देयताएं | 14.40 | 11.61 | 22.06 | 372.88 | 30.84 | 24.90 | 6.85 | 483.54 |
| असंबद्ध देयताएं | | | | | | | | 191.61 |
| **कुल देयताएं** | | | | | | | | **675.15** |

(31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार रु. करोड़ में)

| विवरण | बहुमूल्य धातुएं | धातुएं | खनिज | कोल व हाइड्रो कार्बन | कृषि उत्पाद | उर्वरक | अन्य | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **ए.01 सेग्मेंट परिसंपत्तियां :** | | | | | | | | |
| परिसंपत्तियां | 19.80 | 26.11 | 21.78 | 1192.94 | 205.68 | 16.76 | 28.75 | 1511.82 |
| असंबद्ध परिसंपत्तियां | | | | | | | | 1720.49 |
| **कुल परिसंपत्तियां** | | | | | | | | 3232.31 |
| ए. 02 सेग्मेंट देयताएं : | | | | | | | | |
| देयताएं | 15.56 | 11.70 | 22.60 | 1342.95 | 230.99 | 22.06 | 6.65 | 1652.50 |
| असंबद्ध देयताएं | | | | | | | | 123.76 |
| **कुल देयताएं** | | | | | | | | 1776.26 |

**प्रमुख ग्राहकों के बारे में सूचना**

बाहरी एकल ऐसे ग्राहकों जिनके साथ हुए लेन–देन में कंपनी को कुल राजस्व का 10 प्रतिशत अथवा इससे अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है, के बारे में सूचना नीचे दी गई है।

| प्रमुख ग्राहक (ग्राहक जिसका 10 प्रतिशत से अधिक रिाजस्व है) | 2025-26 | 2024-25 |
|---|---|---|
| कुल राजस्व | 2.63 | 2.69 |
| ग्राहकों की संख्या | 1 | 1 |
| कुल राजस्व का प्रतिशत | 77.04% | 99.95% |
| उत्पाद सेग्मेंट | अन्य* | अन्य* |

*इसमें विंडमिल का संचालन शमिल है।

**42. भारतीय लेखा मानक 24 "संबंधित पार्टी प्रकटन" के संबंध में प्रकटन**

**42.1 गैर–सरकारी संबंधी इकाईयों के लिए प्रकटन**

**ए. प्रमुख प्रबंधन अधिकारियों की सूची**

| नाम | पदनाम |
|---|---|
| i. श्री नितिन कुमार यादव | अध्यक्ष एवं प्रबंधन निदेशक–(प्रबंध निदेशक) |
| ii. श्री कपिल कुमार गुप्ता | निदेशक (वित्त) एवं (मुख्य वित्तीय अधिकारी) (31 मई 2025 तक) |
| iii. श्री जे रवि शंकर | निदेशक (मार्केटिंग) (31 जुलाई 2025 तक) |
| iv. सुश्री अनुपमा शंकरनकुट्टी नायर | निदेशक (वित्त) (09 जून 2025 से) |
| v. श्री जेतिन्दरजीत सिंह मान | निदेशक (विपणन) (06 फरवरी 2026 से) |
| vi. श्री अजय कुमार मिश्रा | कंपनी सचिव |

**बी) सहायक कंपनी**

एमएमटीसी ट्रांसनेशनल पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर

**सी) संयुक्त उद्यम**

i. फ्री ट्रेड वेयर हाउसिंग प्रा. लिमिटेड
ii. एमएमटीसी पैम्प इंडिया प्रा. लिमिटेड
iii. एमएमटीसी गीतांजलि लिमिटेड
iv. सिकॉल आयरन और टर्मिनल लिमिटेड

**डी. सरकार तथा इससे संबंधित इकाईयां**

i. भारत सरकार के पास कंपनी के 89.93 प्रतिशत इक्विटी शेयर्स हैं तथा उसका कंपनी पर नियंत्रण है।
ii. केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम जिस पर भारत सरकार का नियंत्रण है।

**ई. रोजगारोपरांत लाभ योजना**

i. एमएमटीसी लिमिटेड सीपीएफ ट्रस्ट
ii. एमएमटीसी लिमिटेड ग्रेच्युटी ट्रस्ट
iii. एमएमटीसी लिमिटेड कर्मचारी परिभाषित अंशदान सेवानिवृत्ति ट्रस्ट
iv. एमएमटीसी कर्मचारी सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ ट्रस्ट

**एफ. प्रमुख प्रबंधन अधिकारियों के लिए मुआवजा**

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| अल्पावधि लाभ | 0.59 | 1.32 |
| रोजगारोपरांत लाभ | 0.15 | 0.33 |
| अन्य दीर्घावधि लाभ | - | - |
| शेर आधारित भुगतान | . | . |
| ट्रमिनेशन लाभ | - | - |
| **कुल** | **0.73** | **1.65** |
| वर्ष के दौरान ऋणों व अग्रिमों की वूसली | . | . |
| वर्ष के दौरान दिए गए अग्रिम | | |
| 31.03.2026 को ऋणों व अग्रिमों का अंतिम शेष | . | . |

जी. संबंधित पार्टियों के साथ लेन–देन

(रु. करोड़ में)

| विवरण | एमएमटीसी गीताजंलि लि. | | एमएमटीसी पैम्प इण्डिया प्रा. लिमिटेड | | सिकॉल आयन ओर टर्मिनल लि. | | इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज लि. | | एमटीपीएल | | नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड | | फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्रा. लि. | | अन्य | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 |
| माल एवं सेवाओं की बिक्री | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| कच्चे माल / वस्तु तथा सेवाओं की खरीद | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| कंपनी की ओर से भुगतान | - | - | - | - | - | - | - | - | | | | | - | - | 48.50 | 50.60 |
| अन्य लेन–देन * | - | - | 32.80 | 108.17 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | (17.12) | 18.62 |

* अन्य लेन–देन में सीपीएफ ट्रस्ट द्वारा एमएमटीसी को लोन चुकाने से मिली रु. 31.50 करोड़ (पिछले साल रु. 4.00 करोड़) की रकम शामिल है।

एच. वस्तु / सेवाओं की बिक्री / खरीद से उत्पन्न बकाया शेष

(रु. करोड़ में)

| विवरण | एमएमटीसी गीताजंलि लि. | | एमएमटीसी पैम्प इण्डिया प्रा. लिमिटेड | | सिकॉल आयन ओर टर्मिनल लि. | | इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज लि. | | एमटीपीएल | | नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड | | फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्रा. लि. | | अन्य | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 |
| व्यापार देय | 0.02 | 0.02 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| व्यापार प्राप्तियां | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| अन्य देय | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 14.23 | 7.54 |
| अन्य प्राप्तियां | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 5.92 | 34.98 |

आई. संयुक्त उद्यमों को दिए गए ऋण

(रु. करोड़ में)

| विवरण | एमएमटीसी गीताजंलि लि. | | एमएमटीसी पैम्प इण्डिया प्रा. लिमिटेड | | सिकॉल आयन ओर टर्मिनल लि. | | इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज लि. | | एमटीपीएल | | नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड | | फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्रा. लि. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 |
| वर्ष के प्रारंभ में ऋण | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| दिया गया अग्रिम ऋण | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| प्राप्त समायोजित / अदायगी | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| लगाया गया ब्याज | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| प्राप्त ब्याज | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| वर्ष के अंत में ब्याज सहित शेष | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |

जे. संयुक्त उद्यमों को दिए गए अग्रिम

(रु. करोड़ में)

| विवरण | एमएमटीसी गीताजंलि लि. | | एमएमटीसी पैम्प इण्डिया प्रा. लिमिटेड | | सिकॉल आयन ओर टर्मिनल लि. | | इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज लि. | | एमटीपीएल | | नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड | | फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्रा. लि. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दिये गये अग्रिम | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |

के. आईएण्डडी एस 27 के अनुसार, अलग वित्तीय विवरण का प्रकटन

ए) सहायक कंपनी में निवेश (सभी स्टैण्डलोन डिस्क्लोजर नोट्स से)

| कंपनी का नाम | निगमन का देश | स्वामित्ववाली कंपनी का प्रतिशत | |
|---|---|---|---|
| | | मार्च 31, 2026 | मार्च 31, 2025 |
| एमएमटीसी ट्रांसनेशनल पीटीई लिमिटेड | सिंगापुर | 100% | 100% |

बी) संयुक्त उद्यम में निवेश (रु. करोड़ में)

| कंपनी का नाम | निगमन का देश | स्वामित्ववाली कंपनी का प्रतिशत | |
|---|---|---|---|
| | | मार्च 31, 2026 | मार्च 31, 2025 |
| 1. फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्रा. लि. | भारत | 50 | 50 |
| 2. एमएमटीसी पैम्प इंडिया प्रा. लिमिटेड | भारत | 26 | 26 |
| 3. सिकॉल आयरन ओर टर्मिनल लि. | भारत | 26 | 26 |
| 4. एमएमटीसी गीतांजलि लि. | भारत | 26 | 26 |

एल. केएमपी को ऋण (रु. करोड़ में)

| विवरण | मार्च 2026 | मार्च 2025 |
|---|---|---|
| वर्ष के प्रारंभ में ऋण | | |
| दिया गया अग्रिम ऋण | - | - |
| प्राप्त पुनर्भुगतान | - | - |
| लगया गया ब्याज | - | - |
| प्राप्त ब्याज | - | - |
| वर्ष के अंत में ब्याज सहित शेष | | |

एम. संबंधित पार्टियों को दिए गए ऋण अल्पावधि के होते हैं तथा केएमपी को दिए गए वेलफेयर अग्रिम की प्रकृति के होते हैं। इन पर लिया जाने वाला ब्याज समय–समय पर प्रचलित बाजार दरों पर होता है।

एन. सरकार तथा सरकारी इकाईयों के साथ हुए लेन–देन का प्रकटन (रु. करोड़ में)

| क्र. सं. | सरकार/सरकारी संगठन का नाम | कंपनी के साथ संबंध की प्रकृति | लेन–देन की प्रकृति | मूल्य (रु.) | बकाया शेष 31.03.2026 | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | प्राप्य | देनदारियां |
| 1 | उर्वरक विभाग, भारत सरकार | बहुमत स्वामित्व | वस्तुओं की बिक्री | - | 0.17 | - |
| 2 | उपभोक्ता मामलों का विभाग, भारत सरकार | बहुमत स्वामित्व | दालों का आयात | - | - | 7.30 |
| 3 | भारत सरकार के अन्य विभागं | बहुमत स्वामित्व | वस्तुओं की खरीद/बिक्री | - | 2.62 | 0.39 |
| 4 | सीपीएसईज | भारत सरकार के माध्यम से | वस्तुओं की खरीद/बिक्री | - | 13.72 | 5.96 |
| | कुल | | | - | **16.51** | **13.64** |

**42.2** भारतीय लेखा मानक (इंड एएस)–116 "लीज" के संबंध में प्रकटन

**44.3** पट्टेदार के रूप में

a) वित्तीय पट्टे: अवधि के दौरान कंपनी ने किसी भी प्रकार की वित्तीय लीज व्यवस्था नहीं की है।

b) आपरेटिंग लीज (रु. करोड़ में)

| | विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|---|
| 1 | संपत्ति के उपयोग के लिए मूल्यह्रास प्रभार | 0.09 | 0.09 |
| 2 | पट्टे देनदारी पर ब्याज खर्च | 0.21 | 0.29 |
| 3 | अल्पावधि पट्टे पर खर्च | 0.13 | 0.24 |
| 4 | कम मूल्य संपत्ति पर खर्च | - | - |
| 5 | पट्टा देनदारी के माप खर्च रहित विभिन्न पट्टा भुगतान से संबंधित खच | - | - |
| 6 | संपत्ति उपयोग के पट्टा उधार अधिकार से प्राप्त आय | - | - |
| 7 | पट्टे के लिए नकद का कुल बर्हिगमन | 0.40 | 0.54 |
| 8 | संपत्ति के उपयोग के अधिकार के अलावा | - | - |
| 9 | रिपोर्टिंग अवधि के अंत में संपत्ति के उपयोग के अधिकार के कैरिंग राशि | 2.39 | 2.48 |

पट्टे देनदारी की परिपक्वता विश्लेषण

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| एक वर्ष के अन्दर | 0.02 | 0.02 |
| एक वर्ष के बाद परन्तु 5 वर्षों के अन्दर | 0.12 | 0.12 |
| 5 वर्षों के बाद | 2.33 | 2.31 |

सी) कंपनी अपने व्यापारिक गतिविधियों को संचालन के लिए संपत्ति के उपयोग के अधिकार का प्रयोग कर रही है।

डी) आईएण्डडी एएस–116 (पट्टे) के प्रावधान के अंतर्गत व्यवहारिक रूप से, कम अवधि वाले पट्टे (12 महीने या उससे कम समय के लिए) और पट्टे जिसकी परिसंपत्ति कम मूल्य पर 1,00,000/– प्रति महीने और रुपये 12,00,000/– प्रति वर्ष तक के शामिल नहीं किए जाते हैं।

**42.4 पट्टादाता के रूप में**

**ए) वित्तीय पट्टेः अवधि के दौरान कंपनी ने किसी भी प्रकार की वित्तीय लीज व्यवस्था नहीं की है।**

**बी) ऑपरेटिंग लीजः**

***रद्द न किए जाने वाले आपरेटिंग पट्टों के तहत भावी न्यूनतम लीज प्राप्य**

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| एक वर्ष के अंदर | 3.72 | 3.63 |
| एक वर्ष के बाद परन्तु 5 वर्षों के अन्दर | 1.36 | 4.42 |
| 5 वर्षों के बाद | - | - |

**43. भारतीय लेखा मानक (इंड एएस)–33 प्रति शेयर अर्जन (ईपीएस) के संबंध में प्रकटन**

**ए) बेसिक व डायल्युटिड ईपीएस**

बेसिक व डायल्युटिड ईपीएस तथा बेसिक ईपीएस की गणना में साधारण शेयरों की संख्या में निम्नलिखित औसत आय व अधिमान अपनाया गया।

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| कंपनी के स्वामियों को वर्ष के दौरान हुए लाभ (हानि) (करोड रु. में) | 212.07 | 69.53 |
| प्रति शेयर बेसिक आय के उद्देश्य के लिए साधारण शेयरों की वेटिड औसत | 1,50,00,00,000 | 1,50,00,00,000 |
| **बेसिक व डायल्युटिड ईपीएएस (रु. में)** | 1.41 | 0.46 |

**44. भारतीय लेखा मानक (इंड एएस)–37 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं तथा आस्मिक परिसंपत्तियों के संबंध में प्रकटन**

(रु. करोड़ में)

| प्रावधान के विवरण | 01.04.2025 को आरंभिक शेष | वर्ष के दौरान समायोजन | वर्ष के दौरान अभिवृद्धि | 31.03.2026 को अंतिम शेष |
|---|---|---|---|---|
| बोनस/पीआरपी | 3.12 | 0.02 | 0.01 | 3.11 |
| मुकदमें बाजी निपटान के लिए प्रावधान | 1,071.62 | 986.27 | 19.17 | 104.52 |

**45. सूक्ष्म, लघु या मध्यम उद्यमों के विवरण, जिनके बकाये के 31 मार्च 2026 के अनुसार कंपनी देनदार है, निम्न है:**

(रु. करोड़ में)

| | | 2025-26 | 2024-25 |
|---|---|---|---|
| ए. | (i) लेखा–वर्ष की समाप्ति में किसी आपूर्तिकर्ता की शेष अप्रदत्त मूलधन राशि | 0.73 | 0.62 |
| | (ii) उपरोक्त पर देय ब्याज | - | - |
| | कुल (i) और (ii) (नोट 18 19 ) | 0.73 | 0.62 |
| बी | अधिनियम की धारा 16 के अनुसार खरीददार द्वारा भुगतान की गई ब्याज की राशि | | |
| सी | भुगतान करने में विलंब अवधि के लिए देय ब्याज की राशि (वर्ष के दौरान जिसका भुगतान अंतिम तिथि के बाद, किया गया है) परंतु कानून के अंतर्गत निर्दिष्ट किए गए ब्याज को बिना जोड़े किया गया है। | - | - |
| डी | प्रत्येक लेखा वर्ष की समाप्ति पर प्रोद्भूत और शेष देय ब्याज की राशि | - | - |
| ई | अनुवर्ती वर्षों में भी आगे का ब्याज की राशि और भुगतान करना है, अधिनियम की धारा 23 के अन्तर्गत कटौती की गई खर्च की अस्वीकृति के उद्देश्य के लिए जब तक लघु उद्यम को उक्त ब्याज राशि वास्तविक में भुगतान किया गया है। | - | - |

46. भारतीय लेखा मानक (इंड एएस)–115 'ग्राहकों के साथ हुई संविदा से राजस्व' के बारे में प्रकटन

ए.(i) ग्राहकों के साथ संविदाएं

ए) कंपनी ने वर्ष के दौरान ग्राहकों के साथ हुई संविदाओं से निम्नलिखित को प्राप्त राजस्व माना है।

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| उत्पादों की बिक्री | 3.41 | 2.69 |
| सेवाओं की बिक्री | - | - |
| अन्य प्रचालन राजस्व | | |
| –दावे | - | - |
| – सब्सिडी | - | - |
| – अर्जित डिस्पैच | - | - |
| – अन्य व्यापार आय | - | - |
| **कुल** | **3.41** | **2.69** |

बी. कंपनी ने ग्राहकों से प्राप्त होने वाली राशि अथवा ग्राहकों के साथ हुई संविदाओं के कारण उत्पन्न होने वाली संविदा परिसंपत्तियों के विरूद्ध होने वाली हानि की राशि माना गया है. जो निम्नानुसार है:–

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| हानि/क्षति | - | - |

ii) राजस्व का विभाजन

कंपनी ने अपने ऑपरेटिंग सेगमेंट की खनिजों, बहुमूल्य धातुओं, कृषि उत्पादों, कोल व हाईड्रोकार्बन, उर्वरक तथा सामान्य व्यापारअन्य के रूप में पहचान की है। ग्राहकों के साथ हुई संविदाओं से अर्जित हुए सेग्मेंटवाइज राजस्व तथा उसका कुल राजस्व में अनुपात निम्नानुसार है–

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | कुल राजस्व का प्रतिशत | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए | कुल राजस्व का प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| बहुमूल्य धातुएं | 0.73 | 21.47% | 0.00 | 0.05% |
| धातुएं | - | - | - | - |
| खनिज | - | - | - | - |
| कोल व हाइड्रोजन | - | - | - | - |
| कृषि उत्पाद | | | | |
| उर्वरक | 0.05 | 1.49% | - | - |
| अन्य | 2.63 | 77.04% | 2.69 | 99.95% |
| **कुल** | **3.41** | **100.00%** | **2.69** | **100.00%** |

iii) संविदा शेष

(ए) प्राप्य

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| आरंभिक शेष | 509.00 | 512.52 |
| वर्ष के दौरान वृद्धि/कमी | (166.93) | (3.52) |
| **अंतिम शेष** | **342.07** | **509.00** |

बी) संविदा परिसंपत्तियां

कंपनी संविदा परिसंपत्तियों की पहचान तब करती है जब इसे इस बात की तसल्ली हो जाती है कि इसने ग्राहक को माल अथवा सेवाओं के ट्रांसफर करने के दायित्व को पूरा कर दिया है तथा प्रतिफल के प्राप्त होने का अधिकार सुनिश्चित हो जाता है। इसके लिए कंपनी को प्रतिफल प्राप्त होने से पूर्व कुछ शर्तें पूरी करनी होती है। एक व्यापारिक कंपनी होने के नाते कंपनी को अपने ग्राहकों को उस माल अथवा सेवा का ट्रांसफर करना होता है जिसके लिए इसने अपनी वचनबद्धता दी है। कंपनी की ऐसी कोई देयता नहीं है जिसको इसने पूरा नहीं किया है।

सी) संविदा देयताएं

ग्राहकों के साथ संविदा हो जाने के बाद कंपनी को ग्राहकों से प्राप्त होने वाली ईएमडी, सिक्युरिटी डिपोजिट, मार्जिन राशि, कस्टम ड्यूटी इत्यादि के भुगतान के लिए एडवांस को "अन्य वित्तीय देयताएं तथा अन्य देनदारियों" के अंतर्गत ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम के रूप में दर्शाया जाता है।

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| आरंभिक शेष | 241.34 | 267.21 |
| जोड़ें : वर्ष के दौरान वृद्धि | 0.15 | 0.06 |
| घटाएं : कटौती (रिफंड / समायोजन) | 200.62 | 25.93 |
| घटाएं : राजस्व जिसे वर्ष के दौरान आरंभिक शेष का हिस्सा माना गया है | - | - |
| **अंतिम शेष** | **40.87** | **241.34** |

वर्ष के दौरान पूर्व अवधि से संबंधित ग्राहकों को डेबिट/क्रेडिट नोट्स बनाकर कार्य निष्पादन की देयता को पूरा किया हुआ दिखाकर राजस्व की प्राप्ति 'शून्य' करोड़ रुपए (गत वर्ष शून्य करोड़ रुपए) दर्शाया गया है।

कंपनी ने वर्ष के दौरान डिस्काउंट, रिबेट, रिफंड, क्रेडिट, मूल्य छूट, कार्य निष्पादन प्रोत्साहन बोनस इत्यादि की राशि राजस्व में शून्य करोड़ रुपए (गत वर्ष शून्य करोड रुपए) माना है जिसके लिए संविदा राजस्व के विरूद्ध शून्य करोड़ रुपए (गत वर्ष शून्य करोड रुपए) का समायोजन किया है।

**(डी) व्यवहारिक दृष्टिकोण**

वर्ष के दौरान कंपनी ने अपने ग्राहकों के साथ कुछ ऐसी बिक्री संविदाएं की है जिनके कुछ हिस्से का निष्पादन किया जाना शेष है, इस संबंध में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए इसका खुलासा नहीं किया गया है। इस प्रकार की संविदा की अवधि एक वर्ष से कम है अथवा प्रतिफल की प्राप्ति का अधिकार कंपनी द्वारा परफार्मेंस पूरी करने के बाद उत्पन्न होगा।

**(बी). इस मानक के अनुप्रयोग में महत्वपूर्ण निर्णय**

(i) कंपनी द्वारा राजस्व की पहचान उस स्थिति में की जाती है जब कंपनी अपने ग्राहकों के साथ किए गए वादे के अनुसार माल अथवा सेवा देने के कार्य को पूरा करती है। परिसंपत्ति, माल सेवाओं को तब ट्रांसफर किया हुआ माना जाता है जब ग्राहक संबंधित परिसंपत्ति / माल / सेवाओं पर अपना नियंत्रण प्राप्त कर लेता है।

(ii) कंपनी अपने लेन देन के मूल्य का निर्धारण अनुबंध की शर्तों तथा परंपरागत व्यावसायिक प्रथाओं के अनुसार करती है। लेन देन का मूल्य वह प्रतिफल होता है जो एक कंपनी ग्राहक को वादे के अनुसार माल अथवा सेवा का ट्रांसफर करने के बाद अधिकार प्राप्त करती है। इस मूल्य में तीसरे पक्ष की ओर से प्राप्त की गई राशि (उदाहरणार्थ जीएसटी इत्यादि) शामिल नहीं होती है।

(iii) ग्राहक के साथ तय की गई संविदा में तय किए गए प्रतिफल की राशि निश्चित अथवा परिवर्तनशील अथवा दोनों प्रकार की हो सकती है। यदि इसमें किसी प्रकार के समायोजन की आवश्यकता होती है तो इसके लिए ग्राहक के नाम पर डेबिट / क्रेडिट नोट तैयार किया जाता है। परिवर्तनशील प्रतिफल की स्थिति में लेनदेन मूल्य पर पड़ने वाले प्रभाव का निर्धारण करते समय परिवर्तनशील प्रतिफल के अनुमान संविदा में महत्वपूर्ण वित्तीय घटक, गैर नकदी प्रतिफल तथा ग्राहक को देय प्रतिफल पर भी विचार किया जाता है।

(iv) वर्ष के दौरान संविदा के मूल्य में कुछेक समायोजन किए गए हैं जो राशि की मात्रा को ध्यान में रखते हुए विशेष महत्व के नहीं है।

**सी. ग्राहक के साथ की गई संविदा को प्राप्त करने अथवा उसे पूरा करने की लागत को परिसंपत्ति माना गया।**

एक व्यापारिक कंपनी होने के नाते कंपनी द्वारा खर्च की गई राशि निश्चित प्रकृति की होती है अतः ग्राहक के साथ की जाने वाली संविदा अथवा संविदा के दायित्व को पूरा करने में इस राशि में कोई बढोत्तरी नहीं होती है। इस स्थिति में एक प्रेक्टिकल दृष्टिकोण के तहत लाभ तथा हानि विवरण में शामिल किया जाता है।

**47. कंपनी के नाम पर न रखी गई अचल संपत्ति के मालिकाना हक के दस्तावेजः (खुलासे संबंधी नोट्स)**

| तुलन पत्र में संबंधित लाईन मद | परिसंपत्ति की मद का विवरण | सकल कैरिंग मूल | नाम पर टाइटल डीड | क्या टाइटल डीड धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर के कर्मचारी, प्रमोटर / निदेशक के रिश्तेदार हैं | परिसंपत्ति किस तिथि / आवंटन तिथि से स्वामित्व में है | कंपनी के नाम नहीं होने का कारण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पीपीई | लीज होल्ड भूमि | 0.81 | स्कोप, नई दिल्ली | - | 13.12.2000 | स्कोप के एलएंडडीओ के साथ लीज एग्रीमेंट किया जाना बाकी है |
| पीपीई | कार्यालय भवन | 1.69 | स्कोप, नई दिल्ली | - | 13.12.2000 | स्कोप के एलएंडडीओ के साथ लीज एग्रीमेंट किया जाना बाकी है |
| पीपीई | लीज होल्ड भूमि | 0.06 | दिल्ली विकास प्राधिकरण | - | 17.04.1965 | शाश्वत पट्टा |
| पीपीई | स्टॉफ क्वार्टर | 0.02 | दिल्ली विकास प्राधिकरण | - | 17.04.1965 | शाश्वत पट्टा |

नोट नं. 3(सी) देखें

48. वित्तीय अनुपात

| विवरण | न्यूमरेटर | डिनोमिनेटर | 31.3.2026 को अनुपात | 31.3.2025 को अनुपात |
|---|---|---|---|---|
| चालू अनुपात (गुणक में) | चालू परिसंपत्तियां | चालू देयताएं | 3.40 | 1.67 |
| डेट ईक्विटी अनुपात (गुणक में) | कुल डेट | शेयरहोल्डर ईक्विटी | - | - |
| डेट सर्विस कावरेज अनुपात (गुणक में) | डेट सर्विस के लिए उपलब्ध अर्जन | डेट सर्विस | 502.09 | 17.87 |
| इक्विटी अनुपात पर रिटर्न (प्रतिशत में) | कर के बाद शुद्ध लाभ | औसत शेयरहोल्डर ईक्विटी | 0.20 | 0.05 |
| व्यापार प्राप्य कारोबार अनुपात (गुणक में) | नेट क्रेडिट क्रय | औसत व्यापार प्राप्य | 2.77 | - |
| शुद्ध लाभ अनुपात (प्रतिशत में) | शुद्ध लाभ | शुद्ध बिक्री | 113.60 | 32.20 |
| नियोजित पूंजी कारोबार अनुपात (गुणक में) | ब्याज और कर से पूर्व अर्जन | नियोजित पूंजी | 0.30 | 0.07 |
| निवल पूंजी कारोबार अनुपात (गुणक में) | शुद्ध बिक्री | कार्यशील पूंजी | 0.00 | 0.00 |
| व्यापार प्राप्य कारोबार अनुपात (गुणक में) | नेट क्रेडिट बिक्री | औसत लेखा प्राप्य | 0.05 | 0.02 |
| निवेश पर रिटर्न (प्रतिशत में) | निवेश से आय | समय भारित औसत निवेश | 2.11 | 5.35 |
| इंवेन्ट्री टर्नओवर अनुपात (गुणक में) | बेचे गये या बिके सामान की लागत | औसत इंवेन्ट्री | 18.84 | 7.48 |

1. देय उधार नहीं
2. वर्ष के दौरान क्रय के कारण
3. वर्ष के दौरान बिक्री में कमी के कारण।
4. वर्ष के दौरान सावधि जमा से ब्याज आय में कमी के कारण

49. **अन्य वैधानिक सूचना–**

ए) कंपनी के पास कोई बेनामी संपत्ति नहीं है, जहां कोई बेनामी संपत्ति रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही शुरू की गई है या लंबित है।

बी) कंपनी का बंद कंपनियों के साथ कोई लेनदेन नहीं है

सी) कंपनी के पास कोई शुल्क या संतुष्टि नहीं है जो अभी तक आरओसी के साथ वैधानिक अवधि के बाद पंजीकृत नहीं है

डी) कंपनी ने वित्तीय वर्ष के दौरान क्रिप्टो मुद्रा या वर्चुअल मुद्रा में व्यापार या निवेश नहीं किया है

ई) कंपनी ने विदेशी संस्थाओं (मध्यस्थी) सहित किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (संस्थाओं) को इस सोच के साथ उन्नत या ऋण या निवेश नहीं किया है कि मध्यस्थ:

- प्रत्यक्ष वा परोक्ष रूप से कंपनी (अंतिम लाभार्थी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में निवेश करें उभार दे या
- अंतिम लाभार्थियों को या उनकी ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की कोई गारंटी प्रदान करें।

एफ) कंपनी को विदेशी संस्थाओं (फंजिग पार्टी) सहित किसी भी व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (संस्थाओं) से कोई फंड प्राप्त नहीं हुआ है. (चाहे लिखित रूप में होगा अन्यथा दर्ज किया गया हो) कि कंपनी

- – प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में किसी भी तरह से या फडिंग पार्टी (अंतिम लानार्थी) की ओर से या किसी भी तरह से पहचान में उधार या निवेश करें या
- –अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस तरह की अन्य सुविधाएं प्रदान करें

जी) आयकर अधिनियम 1961 के प्रासंगिक प्राकयान के अनुसार कंपनी का ऐसा कोई लेन–देन नहीं है जो आयकर अधिनियम, 1961 (जैसे, खोज या सर्वेक्षण या कोई अन्य) के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान आय के रूप में सरेंडर या प्रकट किए गए खातों की पुस्तकों में दर्ज नहीं है।

एच) कंपनी अधिनियम की धारा 2(87) के तहत निर्धारित स्तरों की संख्या के उल्लंघन में नहीं है

आई) कंपनी अधिनियम की धारा 230 से 237 के संदर्भ में सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किसी भी व्यवस्था की योजना में शामिल नहीं हुई है

जे) कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान द्वारा विलफुल डिफॉल्टर घोषित नहीं किया गया है

50. कुछ व्यापार प्राप्य व्यापार देव, लघु और दीर्घकालिक ऋण और अग्रिम, अन्य गैर–चालू और बालू संपत्ति के खाते पुष्टि/समाधान और समायोजन, यदि कोई हो, के अधीन है। प्रबंधन चालू वर्ष के वित्तीय विवरणों को प्रभावित करने वाले किसी भी तोस अंतर की अपेक्षा नहीं करता है।

प्रबंधन की राय में, संपत्ति संयंत्र और उपकरण के अलावा अन्य संपत्ति, अमूर्त संपत्ति और गैर–चालू निवेश से उस राशि की वसूली की उम्मीद की जाती है जिस पर उन्हें बताया गया है, अगर व्यापार के सामान्य पाठ्यक्रम में और सभी ज्ञात देनदारियों के प्रावधान के लिए लेखा पुस्तकों में पर्याप्त रूप से किया गया है।

51. सार्वजनिक उद्यम विभाग (जीओआई) द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार पूर्ण समय निदेशकों को प्रति माह 1,000 किमी तक निजी उपयोग के लिए स्टाफ कारों के उपयोग की अनुमति दी जाती है।

52. संलग्न लेखा नीतियां तथा नोट्स वित्तीय विवरणों का अभिन्न अंग है।

53. वित्तीय विवरणों में सभी प्रति शेयर डेटा को छोड़कर और जन्यथा बताए अनुसार करोड (दो दशमलव तक) में प्रस्तुत की जाती है। कुछ छोटी राशियाँ करोड़ में पूर्णांकित करने के कारण वित्तीय विवरणों में प्रकट नहीं हो सकती है। पिछले वर्ष के आंकड़ों को जहाँ आवश्यक समझा गया पुनर्वर्गीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है। बेटा का पुनर्समूहन/पुनर्व्यवस्था कवल वित्तीय विवरणों में प्रस्तुति के विशिष्ट उद्देश्य के लिए है और इससे एमएमटीसी की कानूनी स्थिति प्रभावित नहीं होती है। एमएमटीसी लागू कानूनों के तहत अपने सभी अधिकार सुरक्षित रखता है।

54. वित्तीय विवरणों का अनुमोदन

वित्तीय विवरणों को निदेषक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया तथा इन्हें दिनांक 28.05.2025 को जारी करने के लिए अधिकृत किया गया।

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

**निदेशक मंडल के लिए तथा उसकी ओर से**

**कृते दिनेश जैन एण्ड एसोसिएटस**
चार्टर्ड एकाउंटेंटस
एफ.आर. नं.: 004885N

| | | | |
|---|---|---|---|
| **(सीए नेहा जैन)** | **(अजय कुमार मिश्रा)** | **(बी. डी. दास)** | **(अनूपा शंकरनकुट्टी नायर)** |
| पार्टनर | कम्पनी सचिव | उप महाप्रबंधक (विवले) | निदेशक (वित्त) |
| एम. नं. 514725 | एसीएस-11499 | | डीआईएन : 11138663 |

**दिनांक : 29.05.2026**
**स्थान : नई दिल्ली**

**(जतिन्दरजीत सिंह मान)**
निदेशक (विपणन)
डीआईएन 11535429

**(नितिन कुमार यादव)**
सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार)
डीआईएन : 03104045

# एमएमटीसी लिमिटेड

## समेकित वित्तीय विवरण

### 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए



एमएमटीसी लिमिटेड
MMTC LIMITED
भारत सरकार का उपक्रम
A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE
*touching lives, adding value*

कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा,
उद्योग एवं कॉर्पोरेट कार्य
ए.जी.सी.आर. भवन, आई.पी. एस्टेट,
नई दिल्ली-110 002

OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT,
INDUSTRY AND CORPORATE AFFAIRS
A.G.C.R. BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110 002

संख्याः एएमजी-III/3(5)/एमएमटीसी/वार्षिक
खाता/सीएफएस/(2025-26)/2026-27/198-199
दिनाँकः 28 JUL 2026

सेवा में,

**अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,**
**एमएमटीसी लिमिटेड**
**कारपोरेट कार्यालय कोर-1 स्कोप कांप्लेक्स**
**नई दिल्ली - 110003**

विषय: **कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6)(b) के साथ धारा 129(4) के अंतर्गत 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए एमएमटीसी लिमिटेड के समेकित वार्षिक लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ ।**

महोदया,

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6)(b) के साथ धारा 129(4) के अंतर्गत 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए एमएमटीसी लिमिटेड के समेकित वार्षिक वितीय लेखों (consolidated financial statements) पर उपरोक्त विषय संबंधित संलग्न पत्र अग्रेषित है।

भवदीय,
पवन
28/7/26
(डॉ. पवन कुमार कोंडा)
प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा
(उद्योग एवं कॉर्पोरेट कार्य)
नई दिल्ली

संलग्नकः- यथोपरि

दूरभाष / Phone : +91-11-23702357, फैक्स / Fax : +91-11-23702359, E-mail : pdaica@cag.gov.in

## 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए एमएमटीसी लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129(4) के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 143(6)(इ) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अनुसार 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए एमएमटीसी लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। अधिनियम की धारा 129(4) के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 139(5) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त वैधानिक लेखापरीक्षक, अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्धारित लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर अधिनियम की धारा 129(4) के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 143 के तहत वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार है। कहा गया है कि उन्होंने 29 मई 2026 की अपनी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से ऐसा किया है।

मैं, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की ओर से, अधिनियम की धारा 129(4) के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 143(6)(ए) के तहत 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए एमएमटीसी लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों की पूरक लेखापरीक्षा न करने का निर्णय लेता हूँ।

**भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की ओर से**

पवन
28/7/26

**(डॉ. पवन कुमार कोंडा)**
**प्रधान निदेशक, लेखापरीक्षा**
**(उद्योग एवं कॉर्पोरेट मामले)**
**नई दिल्ली**

**स्थानः नई दिल्ली**
**दिनांकः** 28 JUL 2026

# स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

एमएमटीसी लिमिटेड के सदस्यों को
समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा पर रिपोर्ट

## योग्य राय

हमने एमएमटीसी लिमिटेड (इसके बाद ''होल्डिंग कंपनी'' के रूप में जाना जाये) और इसकी सहायक कंपनी के संलग्न समेकित वित्तीय विवरणों का ऑडिट किया है, जो अन्य मामले पर हमारी रिपोर्ट के पैराग्राफ संख्या 1 के अधीन है (होल्डिंग कंपनी और उसकी सहायक कंपनी को एक साथ ग्समूह कहा जाये) और उसके संयुक्त उद्यम, जिसमें 31 मार्च, 2026 तक समेकित तुलन–पत्र, समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि का समेकित विवरण (अन्य व्यापक आय) नकदी प्रवाह का समेकित विवरण और इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण, और समेकित वित्तीय विवरणों पर नोट्स, शामिल हैं जिसमें मेटिरीयल लेखांकन नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी का साराश शामिल है (इसके बाद इसे ग्समेकित वित्तीयग के रूप में जाना जाये)

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरण कंपनियों द्वारा आवश्यक जानकारी देते हैं अधिनियम, 2013 (''अधिनियम'') आवश्यक तरीके से और 31 मार्च तक समूह और इसकी संयुक्त उद्यम संस्थाओं के मामलों की समेकित स्थिति के बारे में भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप मार्च, 2026 को समेकित लाभ और इसकी कुल व्यापक आय (शुद्ध लाभ और अन्य व्यापक आय को मिलाकर), समेकित इक्विटी में परिवर्तन और उसके बाद समाप्त वर्ष के लिए इसके समेकित नकदी प्रवाह का एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देता है।

## योग्य राय का आधार

1. वित्तीय विवरण के नोट नंबर 11 (फुटनोट– i) में बताए अनुसार, एंग्लो कोल मामले में, 1088.62 करोड़ रुपये की राशि (जिसमें कोर्ट में जमा 1087.76 करोड़ रुपये और कंपनी के बैंक खाते से जोड़े गए 0.86 करोड़ रुपये शामिल हैं) माननीय दिल्ली हाई कोर्ट में जमा की गई थी। इस राशि का अंतिम फैसला माननीय कोर्ट के निर्णय/स्पष्टीकरण पर निर्भर है।

   माननीय दिल्ली हाई कोर्ट ने 09.05.2025 के अपने आदेश में निर्देश दिया कि ''डिक्री होल्डर (एंग्लो), आज से दो सप्ताह बीतने के बाद उक्त राशि को अब तक जमा हुए ब्याज के साथ निकालने का हकदार होगा''। माननीय सुप्रीम कोर्ट में कंपनी द्वारा दायर एसएलपी को 03.11.2025 के आदेश द्वारा खारिज कर दिया गया था।

   इसके बाद, कंपनी ने 03.11.2025 को माननीय दिल्ली हाई कोर्ट में एक आवेदन दायर किया, जिसमें 01.11.2025 तक की गणना किए गए ब्याज सहित कुल 1169.14 करोड़ रुपये की देनदारी स्वीकार की गई।

   इसके बाद, माननीय दिल्ली हाई कोर्ट के 10.11.2025 के आदेश के अनुसार, 17.11.2025 को एंग्लो को 1000 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई।

   प्रबंधन की गणना के आधार पर, 17.11.2025 तक एंग्लो कोल के प्रति कंपनी की अनुमानित शेष देनदारी 170.58 करोड़ रुपये है, जिसमें 17.11.2025 तक की गणना किया गया ब्याज शामिल है।

   इस प्रकार, उक्त मामले के संबंध में कंपनी की अनुमानित वर्तमान देनदारी 170.58 करोड़ रुपये है, जिसके मुकाबले कंपनी ने केवल 87.76 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसके कारण रु. 82.82 करोड़ के प्रावधान को शामिल नहीं किया गया है। कंपनी ने रु. 82.82 करोड़ का प्रावधान बनाने के बजाय, इस रकम को अपनी आकस्मिक देनदारियों में शामिल कर लिया है, जिससे प्रावधान की रकम कम दिखाई गई है और आकस्मिक देनदारियां रु. 82.82 करोड़ ज्यादा दिखाई गई हैं।

   रु. 82.82 करोड़ के प्रावधान को शामिल न करना, एक्ट की धारा 133 के तहत बताए गए लेखांकन मानक का उल्लंघन है। अगर कंपनी ने रु. 82.82 करोड़ की रकम का प्रावधान बनाया होता, तो प्रावधान रु. 82.82 करोड़ बढ़ जाता और शुद्ध लाभ तथा शेयरधारक फंड में उतनी ही कमी आती।

हमने अधिनियम की धारा 143 (10) के तहत निर्दिष्ट ऑडिटिंग पर मानकों (एसए) के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा की। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरण अनुभाग की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियों में वर्णित किया गया है। हम भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार समूह और इसके संयुक्त उपक्रम इकाईयों से स्वतंत्र है, साथ ही नैतिक आवश्यकताओं के साथ जो अधिनियम के प्रावधान और बनाए गए नियमों के तहत समेकित वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के लिए प्रासंगिक हैं। इसके तहत, और हमने इन अपेक्षाओं और आईसीएआई की आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य हमारी योग्य राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है। हम मानते हैं कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखापरीक्षा योग्य राय का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

## लाभकारी कारोबार वाला संस्थान से जुड़ी महत्वपूर्ण अनिश्चितता

हम साथ में दिए गए वित्तीय विवरण के नोट नंबर 36(के) की ओर ध्यान दिलाना चाहते हैं, जिसमें कहा गया है कि प्रशासनिक मंत्रालय ने एमएमटीसी को मैनपावर कम करने के लिए एक रोडमैप तैयार करने का निर्देश दिया है। साथ ही, व्यापार परिचालन से बाहर निकलने का भी निर्देश दिया गया है। हालाँकि, विंड मिल बिजनेस अभी भी चल रहा है। सरकार ने अभी तक एमएमटीसी को बाहर निकलने के तरीके के बारे में कोई फैसला नहीं किया है। चूँकि मंत्रालय की ओर से बंद करने आदि के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है, इसलिए कारोबार के चलते रहने की स्थिति बनाए रखी गई है और अकाउंट्स ''लाभकारी कारोबार वाला संस्थान'' के आधार पर तैयार किए गए हैं।

इस मामले में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं है।

## प्रमुख लेखापरीक्षा मामले

मुख्य लेखापरीक्षा मामले वे मामले हैं, जो हमारे पेशेवर निर्णय में, वर्तमान अवधि के समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संदर्भ में और उस पर अपनी राय बनाने के संदर्भमें संबोधित किया गया था, और हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं। हमने नीचे वर्णित मामलों को अपनी रिपोर्ट में संप्रेषित किए जाने वाले प्रमुख लेखापरीक्षा मामलों के रूप में निर्धारित किया है।

| क्रम सं. | मुख्य लेखा परीक्षा मामला | लेखा परीक्षकों की प्रतिक्रिया |
|---|---|---|
| 1. | महत्वपूर्ण आकस्मिक देनदारियों का आकलन (योग्य राय का आधार वाले सेक्शन में बताए गए मामले के अलावा)<br><br>कंपनी के खिलाफ अलग–अलग मंचों पर कई कानूनी मामले लंबित हैं और आकस्मिक देनदारी के तौर पर बताई जाने वाली राशि का अनुमान लगाने के लिए प्रबंधन के निर्णय की जरूरत होती है।<br><br>हमने इसे एक मुख्य लेखा परीक्षा मामला माना है क्योंकि जिन अनुमानों पर ये राशियाँ आधारित हैं, उनमें मामलों की व्याख्या करने और उन विवादों के संभावित नतीजों को तय करने के लिए प्रबंधन के निर्णय और मामलों को आगे बढ़ाने के लिए स्वतंत्र कानूनी आकलन की काफी जरूरत होती है, और इसमें प्रबंधन के पूर्वाग्रह की संभावना हो सकती है।<br><br>(लेखांकन नीतिनंबर 2.14 के साथ पढ़े जाने वाले एकीकृत वित्तीय विवरण के नोट नंबर 34 को देखें) | हमने आकस्मिक देनदारियों के आकलन और प्रकटीकरण के संबंध में कंपनी के आंतरिक निर्देशों और प्रक्रियाओं की समझ प्राप्त कर ली है और निम्नलिखित ऑडिट प्रक्रियाओं को अपनाया है:<br>• हमने 31 मार्च 2025 तक कॉर्पोरेट कार्यालय के विधि प्रभाग में देखे गए सभी लंबित कानूनी मामलों की सूची प्राप्त की, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में मामलों की स्थिति में बदलाव पर प्रबंधन का एक नोट भी शामिल था।<br>• लंबित मुकदमेबाजी के मामलों के लिए सभी प्रासंगिक जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रबंधन द्वारा स्थापित नियंत्रणों के डिजाइन और संचालन प्रभावशीलता को समझा और परीक्षण किया गया;<br>• किसी भी भौतिक विकास और कानूनी मामलों की नवीनतम स्थिति के संबंध में प्रबंधन के साथ चर्चा की गई;<br>• मुकदमेबाजी के मामलों और प्रबंधन द्वारा प्राप्त प्रासंगिक बाहरी कानूनी राय से संबंधित विभिन्न पत्राचार और संबंधित दस्तावेजों को पढ़ें और आकस्मिक देनदारियों के प्रकटीकरण का समर्थन करने वाली गणनाओं पर ठोस प्रक्रियाओं का पालन;<br>• प्रावधानों की आवश्यकता है या नहीं, इसके संबंध में प्रबंधन के निर्णयों और आकलन की जांच की गई;<br>• उन मामलों के प्रबंधन मूल्यांकन पर विचार किया जाता है जिन्हें आकस्मिक दायित्व के रूप में प्रकट नहीं किया जाता है क्योंकि सामग्री के बहिर्वाह की संभावना को दूरस्थ माना जाता है;<br>• खुलासों की पर्याप्तता और पूर्णता की समीक्षा की गई;<br>लेखा परीक्षा की प्रक्रियाओं के आधार पर, हमारी रिपोर्ट के योग्य राय का आधार वाले हिस्से में बताई गई बात को छोड़कर, हमें प्रबंधन के आकलन और महत्वपूर्ण आकस्मिक देनदारियों से जुड़ी जानकारी में कोई भी बड़ी गड़बड़ी नहीं मिली। |

## मामले पर जोर

1. हम साथ में दिए गए वित्तीय विवरण के नोट नंबर 36(ए) की ओर ध्यान दिलाना चाहते हैं, जिसमें कहा गया है कि 31.03.2026 और 31.03.2025 की एकीकृत तुलन पत्र में एमएमटीसी ट्रांसनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (एमटीपीएल) की संपत्ति और देताएं शामिल नहीं हैं, क्योंकि एमटीपीएल का नियंत्रण परिसमापक ने ले लिया है और एमएमटीसी के पास 31.03.2026 और 31.03.2025 को खत्म होने वाले साल के लिए इसके वित्तीय मामलों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

   "सिंगापुर के माननीय हाई कोर्ट के 27.10.2023 को हुई परिसमापक सुनवाई के आदेश के अनुसार, मेसर्स डेलॉइट एंड टच एलएलपी को कंपनी का संयुक्त और पृथक परिसमापक नियुक्त किया गया है। सिंगापुर गणराज्य के माननीय हाई कोर्ट ने एमटीपीएल के खिलाफ वाइंडिंग–अप का आदेश पारित किया।

   एमएमटीसी ने 04.10.2023 को एमटीपीएल सिंगापुर में वित्तीय गड़बड़ियों और धोखाधड़ी के बारे में सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद, सीबीआई ने 15.10.2024 को इस मामले की आगे की जांच के लिए प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दर्ज की है।"

   31.03.2026 तक एमटीपीएल, सिंगापुर में एमएमटीसी का 3.14 करोड़ रुपये (1 मिलियन यूएसडी) की बुक वैल्यू वाला निवेश है और अभी एमटीपीएल, सिंगापुर परिसमापन की प्रक्रिया में है। ऊपर बताए गए निवेश के लिए अकाउंट्स की बुक्स में प्रावधान किया गया है।

2. हम साथ में दिए गए वित्तीय विवरण के नोट नंबर 32(i) की ओर ध्यान दिलाना चाहते हैं, जिसमें कहा गया है कि,

   नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) – संयुक्त उद्यम कंपनी का विनिवेश 4.7.2022 को पूरा हो गया है;

   – एनआईएनएल के विनिवेश के लिए शेयर खरीद समझौते (एसपीए) की शर्तों के अनुसार, विनिवेश के बाद एनआईएनएल पर आने वाली किसी भी अप्रत्याशित देनदारी को, बिक्री पूरी होने की तारीख से 3 साल की अवधि तक,एसपीए की वारंटी शर्तों के तहत विक्रेताओं/प्रवर्तकों द्वारा वहन किया जाएगा। विक्रेताओं और प्रवर्तकों की कुल देनदारी, बिक्री मूल्य और उनके संबंधित विक्रेता ऋण के निपटान के रूप में बोली की राशि से विक्रेताओं को मिली रकम के 20% से अधिक नहीं हो सकती है। इस संबंध में एमएमटीसी की अधिकतम देनदारी, यदि कोई हो, तो वह 1067 करोड़ रुपये बनती है। 3 साल की यह अवधि 04.07.2025 को समाप्त हो गई है और उस तारीख तक कोई देनदारी उत्पन्न नहीं हुई है।

– एसबीआई, भुवनेश्वर के साथ ब्याज देने वाले एस्क्रो अकाउंट में रखी गई रु. 774.95 करोड़ की रकम (एमएमटीसी का हिस्साः रु. 411.76 करोड़) 04.07.2025 को परिपक्व हो गई। चूंकि तीन साल की समय–सीमा उसी तारीख को खत्म हो गई, इसलिए 04.07.2025 को एस्क्रो खाते में मौजूद रकम और उस पर बना ब्याज एनआईएनएल के संवर्धकों के बीच बांट दिया गया। इसके तहत, एमएमटीसी को 04.07.2025 को मूलधन के तौर पर रु. 411.76 करोड़ और ब्याज के तौर पर रु. 25.75 करोड़ (टीडीएस और बैंक चार्ज घटाकर) मिले। रु. 411.76 करोड़ की इस रकम को उस वर्ष के लिए खास मदों के तहत आय के तौर पर दर्ज किया गया है।

04.07.2025 को 3 वर्ष की समय–सीमा खत्म होने के कारण, आज की तारीख में एनआईएनएल से कुछ भी लेना या देना बाकी नहीं है।

3. हम साथ में दिए गए वित्तीय विवरण के नोट नंबर 10 के फुटनोट की ओर ध्यान दिलाना चाहते हैं। इसमें बताया गया है कि अनिश्चितताओं को देखते हुए, कंपनी ने मौजूदा अवधि के दौरान आगे ले जाए जाने वाले नुकसान और समय के अंतर के संबंध में आस्थगित कर परिसंपत्तियां को मान्यता नहीं दी है। इसके अलावा, बुक्स में पहले से दिख रहे 163.79 करोड़ रुपये के आस्थगित कर परिसंपत्तियां के बकाया को वर्ष के दौरान इण्ड एज 12 – "आयकर" के अनुसार समायोजित / मान्यता समाप्त कर दिया गया है।

4. हम साथ में दिए गए वित्तीय विवरण के नोट नंबर 11 और नोट नंबर 32(ii)(ए) की ओर ध्यान दिलाना चाहते हैं। इसमें बताया गया है कि कानूनी मामले के निपटारे के तहत रखी गई सोना / चाँदी / ज्वेलरी / डस्ट / सोल्डर, जो अन्य चालू संपत्तियों और असाधारण मदों के अंतर्गत दिखाई गई है। असल में 12503.700 ग्राम जब्त की गई सोने की ज्वेलरी / डस्ट / सोल्डर आदि की कीमत है। यह सामान माननीय सुप्रीम कोर्ट के 24.04.2025 के आदेश के अनुसार 19.01.2026 को कस्टम विभाग से मिला था। यह मामला कंपनी द्वारा दायर एक कानूनी मुकदमें से जुड़ा है। यह मुकदमें एमएमटीसी द्वारा अपने एक सहयोगी को निर्यात–आयात नीति के तहत एक्सपोर्ट के लिए सोना सप्लाई करने से संबंधित था (वित्त वर्ष 1991–92 के दौरान)। इस सामान को बीआईएस से मंजूरी प्राप्त हॉलमार्किंग सेंटर ने प्रमाणित किया है। प्रबंधन ने प्रमाणित मात्रा और शुद्धता को ध्यान में रखते हुए, 19 जनवरी 2026 को इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा जारी दरों के आधार पर इसकी कीमत तय की है। किसी स्वतंत्र पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता से इसका मूल्यांकन नहीं कराया गया है, क्योंकि कंपनी का मानना है कि प्रमाणिकता शुद्धता और आईबीजेए द्वारा घोषित दरों के आधार पर सोने की इन चीजों का तय किया गया मूल्यांकन उचित और सही है।

5. हम साथ में दिए गए वित्तीय विवरण के नोट नंबर 31 के फुटनोट की ओर ध्यान दिलाते हैं, जिसमें कहा गया है कि वर्ष के दौरान, कैंप ऑफिस चेन्नई ने 75.49 करोड़ रुपये के व्यापार प्राप्तियों को डूबा हुआ कर्ज के तौर पर खारिज कर दिया है और इसके लिए बनाए गए प्रावधान को असाधारण मदों के तहत वापस ले लिया गया है।

6. हम साथ में दिए गए वित्तीय विवरण के नोट नंबर 36(क) की ओर ध्यान दिलाते हैं, जिसमें कहा गया है कि कंपनी ने मेसर्स आर्यावर्त इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड (एआईपीएल) के खिलाफ मिट बिक्री की लेन–देन (पिछले वर्ष : 31.40 करोड़ रुपये) के संबंध में 31.40 करोड़ रुपये की वसूली का मुकदमा दायर किया है। इसमें 2.95 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष : 2.95 करोड़ रुपये) का बकाया ब्याज राशि भी शामिल था, और फैसला कंपनी के पक्ष में आया है। एमएमटीसी ने निष्पादन याचिका दायर की है और मामले की सुनवाई 08.06.2026 को होगी। कंपनी ने रकम न मिल पाने के कारण 2015–16 में 28.45 करोड़ रुपये की रकम को खारिज कर दिया है। मेसर्स एआईपीएल ने भी सरकारी मिंट / एमएमटीसी के खिलाफ 167.20 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष : 167.20 करोड़ रुपये) के नुकसान के लिए मुकदमा दायर किया है, जो कानूनी राय के अनुसार सही नहीं है और इसका विरोध किया जा रहा है। इसके अलावा, इसे संभावित देनदारी नहीं माना गया है क्योंकि प्रबंधन का मानना है कि इस मामले में कंपनी पर कोई मौजूदा या संभावित देनदारी नहीं है।

7. हम साथ में दिए गए वित्तीय विवरण के नोट नंबर 41(3) की ओर ध्यान दिलाते हैं, जो सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यम के बारे में है, जिनके 31 मार्च 2026 को समाप्त हुए वर्ष के संपरीक्षा वित्तीय विवरण अभी तक नहीं मिले हैं और उन्हें समेकित नहीं किया गया है।

ऊपर बताई गई बातों के संबंध में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं है।

**समेकित वित्तीय विवरण और उन पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी**

होल्डिंग कंपनी का निदेशक मंडल अन्य जानकारी तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में वार्षिक रिपोर्ट में शामिल जानकारी होती है जो समेकित वित्तीय विवरणों से संबंधित होती है, लेकिन इसमें समेकित वित्तीय विवरण और उस पर हमारी लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट शामिल नहीं होती है। उम्मीद है कि अन्य जानकारी हमें इस लेखा परीक्षको की रिपोर्ट की तारीख के बाद उपलब्ध कराई जाएगी।

समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय में अन्य जानकारी शामिल नहीं है और हम उस पर किसी भी तरह का भरोसा या निष्कर्ष नहीं देते हैं।

समेकित वित्तीय विवरण के हमारे संपरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी है कि हम अन्य जानकारी को पढ़ें और ऐसा करते समय यह देखें कि क्या अन्य जानकारी समेकित वित्तीय विवरण या संपरीक्षा के दौरान हमें मिली जानकारी से काफी अलग है या उसमें कोई बड़ी गलती है।

जब हम अन्य जानकारी पढ़ते हैं, और अगर हमें लगता है कि उसमें कोई बड़ी गलती है, तो हमें इस मामले की जानकारी उन लोगों को देनी होगी जो गवर्नेंस के लिए जिम्मेदार हैं।

## एकीकृत वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन की जिम्मेदारी संभालने वालों की जिम्मेदारियाँ

होल्डिंग कंपनी का निदेशक मंडल, एक्ट की जरूरतों के अनुसार इन समेकित वित्तीय विवरण को तैयार करने और पेश करने के लिए जिम्मेदार है। ये विवरण समूह की समेकित वित्तीय स्थिति, समेकित वित्तीय प्रदर्शन, इक्विटी में बदलाव का समेकित विवरण और समेकित नकदी प्रवाह की सही और निष्पक्ष तस्वीर पेश करते हैं। ये विवरण भारत में आम तौर पर स्वीकार किए जाने वाले लेखा सिद्धांतों के अनुसार तैयार किए जाते हैं, जिनमें एक्ट की धारा 133 के तहत बताए गए लेखा मानक और समय–समय पर संशोधित कंपनीज (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 शामिल हैं। समूह में शामिल कंपनियों और उनकी जॉइंट वेंचर कंपनियों के संबंधित निदेशक मंडल, एक्ट के प्रावधानों के अनुसार उचित लेखा रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं। इसमें समूह और उसकी संयुक्त उद्यम कंपनियों की संपत्ति की सुरक्षा, धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगानेय उचित लेखा नीतियों को चुनने और लागू करने, उचित और समझदारी भरे निर्णय और अनुमान लगाने, और उचित आन्तरिक वित्तीय नियंत्रण को डिजाइन करने, लागू करने और बनाए रखने का काम शामिल है। ये नियंत्रण लेखा रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो समेकित वित्तीय विवरण को तैयार करने और पेश करने के लिए जरूरी हैं। ये विवरण सही और निष्पक्ष तस्वीर पेश करते हैं और इनमें धोखाधड़ी या गलती के कारण कोई बड़ी गड़बड़ी नहीं होती है। होल्डिंग कंपनी के निदेशकों ने इन्हीं का इस्तेमाल समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए किया है।

समेकित वित्तीय विवरण तैयार करते समय, समूह में शामिल कंपनियों और उनकी संयुक्त उद्यम कंपनियों के संबंधित मंडल निदेशकों, समूह और उनकी संयुक्त उद्यम कंपनियों की लाभकारी कारोबार वाला संस्थान के तौर पर बने रहने की क्षमता का आकलन करने के लिए जिम्मेदार हैं। वे लाभकारी कारोबार वाला संस्थान से संबंधित मामलों का खुलासा करते हैं और लेखा के लाभकारी कारोबार वाला संस्थान आधार का उपयोग करते हैं, जब तक कि मंडल निदेशक समूह को बंद करने या कामकाज रोकने का इरादा न रखते हों, या उनके पास ऐसा करने के अलावा कोई वास्तविक विकल्प न हो।

समूह में शामिल कंपनियों और उनकी संयुक्त उद्यम कंपनियों के संबंधित निदेशक मंडल, समूह और उनकी संयुक्त उद्यम कंपनियों की वित्तीय सूचना प्रक्रिया की देखरेख के लिए भी जिम्मेदार हैं।

### समेकित वित्तीय विवरणों के संपरीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारियाँ

हमारा उद्देश्य यह पक्का करना है कि क्या पूरे तौर पर समेकित वित्तीय विवरणों में कोई बड़ी गड़बड़ी तो नहीं है, और एक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट जारी करना है जिसमें हमारी राय शामिल हो। जो भरोसे का एक ऊँचा स्तर है, लेकिन यह इस बात की गारंटी नहीं है कि एसएएस के अनुसार किया गया संपरीक्षा हमेशा बड़ी गड़बड़ी का पता लगा ही लेगा। गड़बड़ियाँ धोखाधड़ी या गलती से हो सकती हैं और उन्हें गलत विवरण तब माना जाता है जब, अकेले या कुल मिलाकर, उनसे इन समेकित वित्तीय विवरण के आधार पर लिए गए प्रयोगकर्ता के आर्थिक फैसलों पर असर पड़ने की उम्मीद हो।

एसएएस के अनुसार संपरीक्षा के हिस्से के तौर पर, हम पेशेवर समझ का उपयोग करते हैं और पूरे संपरीक्षा के दौरान पेशेवर संदेह का रवैया बनाए रखते हैं। हम ये काम भी करते हैं:

- समेकित वित्तीय विवरण में धोखाधड़ी या गलती की वजह से होने वाली बड़ी गलतियों के जोखिमों की पहचान और मूल्यांकन करना, उन जोखिमों के हिसाब से संपरीक्षा प्रक्रियाएं बनाना और उन्हें लागू करना, और अपनी राय के लिए आधार बनाने के लिए पर्याप्त और उचित लेखा परीक्षा सबूत हासिल करना। धोखाधड़ी से होने वाली बड़ी गलती का पता न चलने का जोखिम गलती से होने वाली गलती के जोखिम से ज्यादा होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर जानकारी छिपाना, गलत जानकारी देना या आंतरिक नियंत्रण को दरकिनार करना शामिल हो सकता है।
- हालात के हिसाब से सही लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं बनाने के लिए लेखा परीक्षा से जुड़े आंतरिक नियंत्रण को समझना। एक्ट की धारा 143(3)(i) के तहत, हमारी यह जिम्मेदारी भी है कि हम इस बारे में अपनी राय दें कि क्या भारत में बनी होल्डिंग कंपनी, उसकी सहायक कंपनी और संयुक्त उद्यम कंपनियों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली मौजूद है और क्या ऐसे नियंत्रण ठीक से काम कर रहे हैं।

  प्रयोग की गई लेखा नीति की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखा अनुमानों और उनसे जुड़ी जानकारी की उचितता का मूल्यांकन करना।
- प्रबंधन द्वारा लाभकारी कारोबार वाला संस्थान के आधार पर लेखा के प्रयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकालना और, हासिल किए गए लेखा परीक्षा सबूतों के आधार पर, यह तय करना कि क्या ऐसी घटनाओं या स्थितियों से जुड़ी कोई बड़ी अनिश्चितता है जो समूह और उसकी संयुक्त उद्यम कंपनियों के लाभकारी कारोबार वाला संस्थान के तौर पर चलते रहने की क्षमता पर गंभीर संदेह पैदा कर सकती है। अगर हम इस नतीजे पर पहुँचते हैं कि कोई बड़ी अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में समेकित वित्तीय विवरण में दी गई संबंधित जानकारी की ओर ध्यान दिलाना होगा या, अगर ऐसी जानकारी अपर्याप्त है, तो अपनी राय में बदलाव करना होगा। हमारे निष्कर्ष हमारी संपरीक्षा रिपोर्ट की तारीख तक हासिल किए गए लेखा परीक्षा सबूतों पर आधारित हैं। हालाँकि, भविष्य की घटनाओं या स्थितियों के कारण समूह और उसकी संयुक्त उद्यम कंपनियाँ लाभकारी कारोबार वाला संस्थान के तौर पर काम करना बंद कर सकती हैं।
- समेकित वित्तीय विवरणों के कुल प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करें, और यह देखें कि क्या ये विवरण असल लेन–देन और घटनाओं को इस तरह से दिखाते हैं जिससे सही और निष्पक्ष जानकारी मिलती है।

  समेकित वित्तीय विवरण पर अपनी राय देने के लिए, समूह और उसके सुयुक्त उद्यम वाली कंपनियों या व्यावसायिक गतिविधियों की वित्तीय जानकारी के बारे में पर्याप्त और उचित लेखा परीक्षा सबूत इकट्ठा करें। जिन कंपनियों के हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं और जो समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल हैं, उनके वित्तीय विवरण के लेखा परीक्षा के निर्देशन, पर्यवेक्षण और निष्पादन के लिए हम जिम्मेदार हैं। समेकित वित्तीय विवरण में शामिल अन्य कंपनियों के लिए, जिनका लेखा परीक्षा दूसरे लेखा परीक्षकों ने किया है, उन लेखा परीक्षा के निर्देशन, पर्यवेक्षण और निष्पादन के लिए वे दूसरे लेखा परीक्षक ही जिम्मेदार हैं। अपनी लेखा परीक्षा राय के लिए हम पूरी तरह से जिम्मेदार हैं।

महत्वपूर्णता का मतलब है समेकित वित्तीय विवरण में गलत जानकारी का वह स्तर, जो अकेले या कुल मिलाकर, समेकित वित्तीय विवरणों को ठीक–ठाक समझने वाले प्रयोगकर्ता के आर्थिक फैसलों को प्रभावित कर सकता है। हम (i) अपने लेखा परीक्षा के काम का दायरा तय करने और अपने काम के नतीजों का मूल्यांकन करने में, और (ii) समेकित वित्तीय विवरणें में पाई गई किसी भी गलत जानकारी के असर का मूल्यांकन करने में, मात्रात्मक महत्वपूर्णता और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं।

हम होल्डिंग कंपनी और समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल उन अन्य संस्थाओं के गवर्नेंस के लिए जिम्मेदार लोगों के साथ बातचीत करते हैं, जिनके हम स्वतंत्र लेखा परीक्षा हैं। इस बातचीत में लेखा परीक्षा का नियोजित दायरा और समय, लेखा परीक्षा से जुड़ी अहम बातें, और लेखा परीक्षा के दौरान आन्तरिक नियंत्रण में पाई गई कोई भी बड़ी कमी शामिल होती है।

हम प्रशासन के लिए जिम्मेदार लोगों को यह भी बताते हैं कि हमने स्वतंत्रता से जुड़ी जरूरी नैतिक जरूरतों का पालन किया है। साथ ही, हम उन्हें उन सभी रिश्तों और अन्य मामलों के बारे में भी बताते हैं जिनसे हमारी स्वतंत्रता पर प्रभाव पड़ने की संभावना हो सकती है, और जहाँ लागू हो, उनसे जुड़े सुरक्षा उपायों के बारे में भी जानकारी देते हैं।

प्रशासन के लिए जिम्मेदार लोगों के साथ बातचीत किए गए मामलों में से, हम उन मामलों को निर्धारित करते हैं जो वर्तमान अवधि के समेकित वित्तीय विवरण के लेखा परीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे और इसलिए वह प्रमुख लेखा परीक्षा मामले हैं। हम अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में इन मामलों का विवरण देते हैं, सिवाय तब जब कोई कानून या नियम मामले के बारे में सार्वजनिक जानकारी देने से रोकता हो, या जब बहुत ही दुर्लभ परिस्थितियों में हमें लगे कि किसी मामले को अपनी रिपोर्ट में नहीं बताना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से होने वाले नुकसान, ऐसी जानकारी देने से मिलने वाले सार्वजनिक हित के फायदों से ज्यादा हो सकते हैं।

## अन्य मामले

1. हमें सिंगापुर में निगमित एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एमएमटीसी ट्रांसनेशनल प्रा. लि. (एमटीपीएल) के 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरण / वित्तीय जानकारी प्राप्त नहीं हुई, क्योंकि माननीय सिंगापुर उच्च न्यायालय ने 27.10.2023 को आयोजित लिक्विडेशन सुनवाई के माध्यम से एमटीपीएल को बंद करने के लिए संयुक्त और कई लिक्विडेटर नियुक्त किए हैं और लिक्विडेशन प्रक्रिया में है और इस तरह एमटीपीएल का नियंत्रण लिक्विडेटर द्वारा ले लिया गया है और कंपनी के पास 31.03.2026 को समाप्त वर्ष के लिए अपने वित्तीय विवरणों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।
2. समेकित वित्तीय विवरणों में 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए समूह का शुद्ध लाभ (अन्य व्यापक आय सहित) 175.45 करोड़ रुपये का हिस्सा भी शामिल है, जैसा कि संयुक्त उद्यम मेसर्स एमएमटीसी पैप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में समेकित वित्तीय विवरणों में माना जाता है, जिनके वित्तीय विवरण / वित्तीय जानकारी का हमारे द्वारा ऑडिट नहीं किया गया है। इन वित्तीय विवरणों ६ वित्तीय सूचनाओं का अन्य लेखा परीक्षक द्वारा लेखा परीक्षण किया गया है तथा समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, जहां तक यह इरा संयुक्त उद्यम इकाई के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटीकरणों से संबंधित है, तथा अधिनियम की धारा 143 की उप–धाराओं (3) और (11) के अनुसार हमारी रिपोर्ट, जहां तक यह पूर्वोक्त संयुक्त उद्यम इकाई से संबंधित है, केवल अन्य लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पर आधारित है।
3. समेकित वित्तीय विवरणों में संयुक्त उद्यम कंपनी मेसर्स फी ट्रेड वेयरहाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड, सिकाल आयरन ओर टर्मिनल लिमिटेड और एमएमटीसी गीतांजलि लिमिटेड में समूह के लाभ हानि के हिस्से को शामिल नहीं किया गया है, क्योंकि समूह के संचित घाटे का हिस्सा होल्डिंग कंपनी के संबंधित पूर्वोक्त संयुक्त उद्यमों में निवेश के वहन मूल्य से अधिक हो गया है। इन संयुक्त उद्यम कंपनियों के वित्तीय विवरणों ६ वित्तीय सूचनाओं का न तो हमारे द्वारा लेखा परीक्षण किया गया है और न ही होल्डिंग कंपनी के प्रबंधन द्वारा हमें कोई वित्तीय विवरण (लेखापरीक्षित / अनलेखापरीक्षित) प्रस्तुत किया गया है।
4. समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल कंपनियों की रिपोर्टों (लेखा परीक्षक की रिपोर्ट) आदेश (सीएआरओ) रिपोर्ट में संबंधित लेखा परीक्षकों द्वारा कोई योग्यता या प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की गई है।

समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, और नीचे दिये गये अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर हमारी रिपोर्ट, किए गए कार्य और अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों और प्रबंधन द्वारा प्रमाणित वित्तीय विवरणों ६ वित्तीय सूचनाओं पर हमारी निर्भरता के संबंध में उपरोक्त मामलों के संबंध में संशोधित नहीं की गई है।

## अन्य कानूनी और विनियागक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

1. अधिनियम की धारा 143 (3) के अनुसार, हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

ए) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण मांगे और प्राप्त किए हैं, जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे।

बी) हमारी राय में, उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी से संबंधित कानून द्वारा अपेक्षित उचित लेखा पुस्तिकायें रखी गई हैं, जैसा कि उन पुस्तिकाओं की हमारी जाँच और अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट से पता चलता है।

सी) इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए समेकित तुलन पत्र, लाभ और हानि का समेकित विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), समेकित नकदी प्रवाह विवरण और इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी के उद्देश्य से बनाए गए प्रासंगिक लेखा पुस्तकों के अनुरूप हैं।

डी) हमारी राय में, उपर्युक्त समेकित वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट लेखांकन मानकों का अनुपालन करते हैं, जो संशोधित कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के साथ पठित हैं।

ई) उपरोक्त मामले का जोर और अन्य मामले पैराग्राफ में वर्णित मामले, हमारी राय में कंपनी के कामकाज पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं.

एफ) भारत सरकार के कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या जीएसआर 463 (ई) दिनांक 5 जून 2015 के अनुसार एक सरकारी कंपनी होने के नाते, अधिनियम की धारा 164 की उप–धारा (2) के प्रावधान होल्डिंग कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

जी) समूह की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता के संबंध में कृपया अनुलग्नक–1 में हमारी अलग रिपोर्ट देखें

एच) कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार:

i. बिक्री कर, सेवाकर सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क से संबंधित मामलों सहित लंबित मुकदमे हैं, जिन्हें आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट किया गया है – समेकित वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 34 का संदर्भ लें, इसका प्रभाव अनिश्चित है क्योंकि मामले विचाराधीन हैं।

ii. लागू कानून या लेखा मानकों के तहत आवश्यक समेकित वित्तीय विवरण में व्युत्पन्न अनुबंधों सहित दीर्घकालिक अनुबंधों पर ठोस पूर्वानुमानित हानि, यदि कोई हो, के लिए प्रावधान किया गया है,

iii. कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में हस्तांतरित की जाने वाली आवश्यक राशियों में कोई विलम्ब नहीं हुआ है, सिवाय वित्तीय वर्ष 2010–11 से संबंधित 93.75 रुपये और वित्तीय वर्ष 2013–14 से संबंधित 33.45 रुपये की नाममात्र राशियों के, जो 31.03.2026 तक अप्रदत्त लाभांश के अंतर्गत दिखाई दे रही हैं।

iv.

ए) प्रबंधन ने यह दर्शाया है कि, उसके सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा किसी भी अन्य व्यक्ति या संस्था, जिसमें विदेशी संस्था ("मध्यस्थ") भी शामिल है, को कोई भी निधि (जो व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से महत्वपूर्ण हो) अग्रिम या ऋण या निवेश (उधार ली गई निधि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या निधि के प्रकार से) नहीं दी गई है, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज की गई हो या अन्यथा, कि मध्यस्थ, कंपनी द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं ("अंतिम लाभार्थी") को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उधार देगा या निवेश करेगा या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस तरह की कोई गारंटी प्रदान करेगा (नोट 52 (ई) देखें)।

बी) प्रबंधन ने यह दर्शाया है कि, उसके सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा किसी भी व्यक्ति या संस्था, जिसमें विदेशी संस्था (शनिधिकरण पक्ष) शामिल है, से कोई निधि (जो व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर महत्वपूर्ण हैं) प्राप्त नहीं की गई है, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज की गई हो या अन्यथा, कि कंपनी, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, निधिकरण पक्ष (श्अंतिम लाभार्थी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार देगी या निवेश करेगी या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस तरह की कोई गारंटी प्रदान करेगी (नोट 52 (एफ) देखें)

सी) लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, जिन्हें परिस्थितियों में तचित्त और उपयुक्त माना गया है, हमारे ध्यान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है, जिससे हमें विश्वास हो कि नियम 11 (ई) के उप–खंड (i) और (ii) के तहत अभ्यावेदन, जैसा कि ऊपर (ए) और (बी) के तहत प्रदान किया गया है, में कोई भी महत्वपूर्ण गलत बयान है।

v. कंपनी ने 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के दौरान कोई लाभांश घोषित या भुगतान नहीं किया है।

vi. हमारी जांच के आधार पर, जिसमें परीक्षण जांच शामिल थी, कंपनी ने 31 मार्च 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अपने के रख–रखाव के लिए एक लेखांकन सॉफ्टवेयर का उपयोग किया है, जिसमें ऑडिट ट्रेल (एडिट लॉग) सुविधा रिकॉर्ड करने की सुविधा है और यह सॉफ्टवेयर में दर्ज सभी प्रासंगिक लेनदेन के लिए पूरे वर्ष संचालित होता है। इसके अलावा, हमारी लेखापरीक्षा के दौरान, हमें लेखापरीक्षा ट्रेल सुविधा के साथ छेड़छाड़ का कोई मामला नहीं मिला और लेखापरीक्षा ट्रेल को कंपनी द्वारा रिकॉर्ड प्रतिधारण के लिए वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार संरक्षित किया गया है।

**कृते दिनेश जैन एण्ड एसोसिऐटस**
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
**एफआरएन : 004885एन**

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 29.05.2026

**सीए नेहा जैन**
भागीदार
एम सं. 514725
यूडीआईएन: **26514725NSMKUS3804**

## एमएमटीसी लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरण पर स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की सम तिथि की रिपोर्ट का अनुलग्नक – 1
## कंपनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) की धारा 143 (3) (i) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट

हमने उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों के हमारे आडिट के साथ 31 मार्च 2025 से संबंधित एमएमटीसी लि. (कंपनी) के वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का आडिट किया है।

### आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर प्रबंधन का दायित्व :

होल्डिंग कंपनी, इसकी सहायक कंपनी, इसकी एसोसिएट कंपनी जो भारत में निगमित हुई है, के संबंधित निदेश मंडल कंपनी द्वारा इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट आफ इंडिया (आइसीएआई) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के आडिट पर दिशा निर्देश नोट में दिए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों को ध्यान में रखते हुए स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण पर आधारित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की स्थापना और रखरखाव के लिए संबंधीत कंपनी का निदेशक मंडल जिम्मेदार है। इसमें इन दायित्वों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के डिजाईन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो इसके व्यवसाय को सक्षम और सुव्यवस्थित तरीके से चलाने के लिए सुनिश्चित करने के प्रभावी तरीके से परिचालित हो रहे थे। इसमें अधिनियम 2013 के अंतर्गत संबंधित कंपनी की नीतियों का पालन, इसकी संपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और गलतियों से बचाव और इसकी पहचान लेखा रिकार्डो की सटीकता और इसकी पूर्णता भी शामिल हैं।

### लेखा परीक्षकों का दायित्व

हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने ऑडिट के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर राय व्यक्त करें। हमने आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट पर मार्गदर्शन नोट और आईसीएआई द्वारा जारी ऑडिटिंग मानकों के अनुसार अपना ऑडिट किया, जिसे कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (10) के तहत निर्धारित माना जाता है. आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट के लिए लागू सीमा तक, दोनों आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट के लिए लागू होते हैं और दोनों आईसीएआई द्वारा जारी किए गए हैं। वे मानक और मार्गदर्शन नोट करते हैं कि हम नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करते हैं और लेखापरीक्षा की योजना बनाते हैं और उसे निष्पादित करते हैं ताकि इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त हो सके कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और बनाए रखा गया था और क्या ऐसे नियंत्रण सभी प्रत्यक्ष मामलों में प्रभावी रूप से संचालित होते हैं। हमारा मानना है कि हमें जो आडिट प्रमाण मिले हैं वे कंपनी के वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर हमारी आडिट राय के लिए आधार उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त और उचित है।

हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता और उनकी परिचालन प्रभावशीलता के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाएं निष्पादित करना शामिल है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना, किसी भौतिक कमजोरी के जोखिम का आकलन करना और निर्धारित जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और मूल्यांकन करना शामिल था। चुनी गई प्रक्रियाएं लेखा परीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं, जिसमें समेकित वित्तीय विवरणों के भौतिक गलत बयानों के जोखिमों का आकलन शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

हमारा मानना है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य और अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा नीचे अन्य मामलो के पैराग्राफ में संदर्भित उनकी रिपोर्टों के संदर्भ में प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य, वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

### वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अभिप्राय:

कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की एक प्रक्रिया है जो वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करने और आमतौर पर स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों के अनुसार बाह्य उददेश्यों के लिए समेकित वित्तीय विवरण तैयार करना है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में इन नीतियों और प्रक्रियाओं को शामिल किया गया है कि

(1) रिकार्ड के रख रखाव से संबद्ध जो उचित विवरण में कंपनी की संपत्तियों के लेन देन, प्रकृति को सटीक और उचित रूप से प्रतिबिंबित करते हैं।

(2) उचित आश्वासन देता है कि लेन देन को आमतौर पर स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों के अनुसार समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी करने के लिए आवश्यक रूप में रिकार्ड किया गया है और कंपनी के प्रबंधन और निवेशकों के अधिकारों के अनुसार कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की उन नीतियों और प्रक्रियाओं को शामिल किया गया है।

(3) रोकथाम या अनाधिकृत अधिग्रहण की समय पर खोज, उपयोग के संबंध में उचित आश्वासन उपलब्ध कराता है या कंपनी की संपत्ति की प्रकृति जिसका समेकित वित्तीय विवरण पर ठोस प्रभाव हो सकता है।

### वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की स्वाभाविक सीमाएं:

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, जिसमें मिलीभगत या अनुचित प्रबंधन द्वारा नियंत्रणों को ओवरराइड करने की संभावना भी शामिल है, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण महत्वपूर्ण गलतबयानी हो सकती है और उसका पता नहीं लगाया जा सकता है। इसके अलावा, भविष्य की अवधि के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान इस जोखिम के अधीन हैं कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थितियों में बदलाव के कारण अपर्याप्त हो सकता है, या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन की डिग्री के कारण अपर्याप्त हो सकता है।

**अन्य मामले**

1. अधिनियम की धारा 143 (3) (घ) के अंतर्गत वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और परिचालन प्रभावशीलता पर हमारी उपरोक्त रिपोर्ट, जहां तक यह एक संयुक्त उद्यम से संबंधित है, जो भारत में निगमित एक कंपनी है, भारत में निगमित ऐसी कंपनी के लेखा परीक्षक की संगत रिपोर्ट पर आधारित है।
2. हम वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और परिचालन प्रभावशीलता पर टिप्पणी करने में सक्षम नहीं हैं, जहां तक यह तीन संयुक्त उद्यमों से संबंधित है, जो भारत में निगमित कंपनियां हैं और भारत में निगमित ऐसी कंपनियों के लेखा परीक्षकों की संगत रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई हैं।

**उपरोक्त मामलों पर हमारी रिपोर्ट संशोधित नहीं की गई है।**

**राय :**

हमारी राय में, होल्डिंग कंपनी और उसके संयुक्त उद्यम, जो भारत में निगमित कंपनियां हैं, के पास सभी मामलों में वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और वित्तीय रिपोर्टिंग पर इस तरह के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण 31 मार्च, 2025 तक प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो कि भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के ऑडिट पर मार्गदर्शन नोट में वर्णित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रणश पर आधारित था।

**कृते दिनेश जैन एण्ड एसोसिऐटस**
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
**एफआरएन : 004885एन**

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 29.05.2026

**सीए नेहा जैन**
भागीदार
एम सं. 514725
यूडीआईएनः **26514725NSMKUS3804**

## 2025–26 के लिए समेकित वित्तीय विवरणों पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट में लेखापरीक्षा की टिप्पणियों पर प्रबंधन का जवाब

| क्रम सं. | लेखापरीक्षक का अवलोकन | प्रबंधन का जवाब |
|---|---|---|
| 1. | **योग्य राय का आधार**<br>जैसा कि वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 11 (फुटनोट–) में बताया गया है, ऐंग्लो कोल मामले के संबंध में, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में 1088.62 करोड़ रुपये (जिसमें 1087.76 करोड़ रुपये न्यायालय में जमा किए गए और 0.86 करोड़ रुपये कंपनी के बैंक खाते से संलग्न किए गए) की राशि जमा की गई थी। राशि का अंतिम निर्धारण माननीय न्यायालय के निर्णय / स्पष्टीकरण के अधीन है।<br><br>माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिनांक 09.05.2025 के अपने आदेश के माध्यम से निर्देश दिया कि " डिक्री धारक (ऐंगलो) आज से दो सप्ताह की समाप्ति के बाद उप–तिथि अर्जित ब्याज के साथ उक्त राशि को वापस लेने का हकदार होगा "। कंपनी द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष दायर एसएलपी को दिनांक 03.11.2025 के आदेश द्वारा खारिज कर दिया गया था।<br><br>इसके बाद, कंपनी ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष 03.11.2025 को एक आवेदन दायर किया, जिसमें 01.11.2025 तक की गणना की गई ब्याज सहित कुल 1169.14 करोड़ रुपये की देनदारी स्वीकार की गई।<br><br>इसके बाद, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के दिनांक 10.11.2025 के आदेश के अनुसार, 17.11.2025 को ऐंग्लो को 1000 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई थी।<br><br>प्रबंधन की गणना के आधार पर, 17.11.2025 को ऐंग्लो कोल के प्रति कंपनी की अनुमानित शेष देयता 170.58 करोड़ रुपये है, जिसमें 17.11.2025 तक की गणना की गई ब्याज भी शामिल है।<br><br>तदनुसार, उपर्युक्त मामले के संबंध में कंपनी की अनुमानित वर्तमान देनदारी 170.58 करोड़ रुपये है, जिसके मुकाबले कंपनी ने केवल 87.76 करोड़ रुपये का प्रावधान माना है। इसके परिणामस्वरूप 82.82 करोड़ रुपये के प्रावधान की मान्यता नहीं दी गई है। कंपनी ने 82.82 करोड़ रुपये का प्रावधान करने के बजाय, इस राशि को अपनी आकस्मिक देनदारियों में शामिल किया है, जिसके कारण प्रावधान को कम आंका गया है और आकस्मिक देनदारियों को 82.82 करोड़ रुपये से अधिक आंका गया है।<br><br>82.82 करोड़ रुपये के प्रावधान की गैर–मान्यता अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्धारित लेखांकन मानकों से प्रस्थान है। यदि 82.82 करोड़ रुपये की राशि कंपनी द्वारा प्रदान की गई होती, तो प्रावधानों में 82.82 करोड़ रुपये की वृद्धि होती और शुद्ध लाभ और शेयरधारकों के फंड में उक्त राशि से कमी आती। | कंपनी ने लेखापरीक्षा कार्यवाही के दौरान लेखा परीक्षकों को पूरा विवरण, सहायक दस्तावेज़ और प्रबंधन स्पष्टीकरण प्रदान किए हैं।<br><br>ऐंग्लो कोल मामले में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा पारित दिनांक 06.05.2022 और 07.07.2022 के आदेशों के अनुसार, एमएमटीसी लिमिटेड ने कुल 1088.62 करोड़ रुपये की राशि जमा की थी, जिसमें शामिल हैं:<br>• 1087.76 करोड़ रुपये की मांग डॉ. एएफटी दिनांक 20.07.2022 माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल के पास जमा की गई; और<br>• एमएमटीसी के भुवनेश्वर बैंक खाते से 0.86 करोड़ रुपये की राशि संलग्न की गई है।<br><br>उपर्युक्त 1088.62 करोड़ रुपये की राशि को पहले ही पूरी तरह से मान्यता दी जा चुकी थी और कंपनी के लेखा पुस्तकों में इसके लिए प्रावधान किया गया था।<br><br>इसके बाद, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुसार, जमा राशि से ऐंगलो को 17.11.2025 को राशि जारी की गई।<br><br>दिल्ली उच्च न्यायालय में आवेदन दाखिल करने के लिए, एल.डी. अधिवक्ता ने एमएमटीसी को 01.11.2025 तक ब्याज गणना पर विचार करते हुए अनुमानित गणना शीट प्रदान करने की सलाह दी।<br><br>उपर्युक्त गणना / कार्य 1170.00 करोड़ रुपये के लिए प्रस्तुत किए गए थे:<br>• न्यायिक निर्देशों के अनुसार<br>• कार्यवाही के दौरान<br>• अनंतिम और बिना पूर्वाग्र कपेा के आधार पर<br>• और, आगे के तर्कों और न्यायनिर्णयन के अधीन, विशेष रूप से: (i) लागू अमेरिकी डॉलर विनिमय दर। (ii) अंतिम देय राशि के निर्धारण की कार्यप्रणाली।<br><br>तदनुसार, प्रबंधन प्रस्तुत करता है कि उक्त गणना / कार्य को कंपनी द्वारा अंतिम क्रिस्टलीकरण या बिना शर्त स्वीकृति / दायित्व की स्वीकृति के रूप में नहीं माना जा सकता है।<br><br>इसके अलावा, जुलाई 2022 में एमएमटीसी द्वारा किए गए 1088.62 करोड़ रुपये के मूल जमा के खिलाफ, लगभग 259.74 करोड़ रुपये की पर्याप्त ब्याज राशि 01.11.2025 तक जमा हो गई थी, जबकि राशि माननीय न्यायालय की हिरासत में रही। खातों के नोट संख्या 10 में भी यही बताया गया है। अदालत द्वारा निर्धारित ब्याज दर, अदालत में जमा की गई राशि पर बैंक की ब्याज दर से कम है।<br>इस तरह का उपार्जित ब्याज किसी भी अतिरिक्त राशि के समायोजन के लिए उपलब्ध था, यदि कोई हो, जो अंततः अंतिम |

| | | |
|---|---|---|
| | | न्यायिक निर्धारण के अनुसार देय हो सकता है।<br><br>तदनुसार, जमा राशि के विरुद्ध उपलब्ध पर्याप्त उपार्जित ब्याज पर विचार करते हुए, प्रबंधन ने आकलन किया कि ऑडिट क्वालीफिकेशन में उल्लिखित 82.82 करोड़ रुपये की कथित विभेदक देयता के संबध में कंपनी से संसाधनों के किसी अलग या वृद्धिशील बहिर्वाह की उम्मीद नहीं है।<br><br>इंड ए.एस. 37 – " **प्रावधान, आकस्मिक देनदारियां और आकस्मिक संपत्ति " के अनुसार,** एक प्रावधान को केवल तभी मान्यता दी जानी चाहिए जब निम्नलिखित सभी शर्तें पूरी हों:<br><br>(ए) किसी इकाई का एक वर्तमान दायित्व (कानूनी या रचनात्मक) होता है जो एक पिछली घटना का परिणाम होता है;<br><br>(बी) यह संभव है कि आर्थिक लाभों को शामिल करने वाले संसाधनों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी; और<br><br>(सी) कर्ज की राशि का एक वि वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है।<br><br>उपर्युक्त लेखांकन मानक के संदर्भ में, (बी) में उल्लिखित शर्त संतुष्ट नहीं होती है क्योंकि रु. 82.82 करोड़ के संभावित बहिर्वाह की संभावना शून्य है, न्यायालय के साथ उपलब्ध उपार्जित ब्याज को ध्यान में रखते हुए।<br><br>कंपनी ने मूल देयता 1088.62 करोड़ रुपये को उचित रूप से मान्यता दी थी, उक्त जमा से परे वृद्धि ील राशि निम्नलिखित के अधीन रही:<br><br>• माननीय न्यायालय द्वारा न्यायनिर्णयन,<br>• लागू विनिमय दर और संबंधित कार्यप्रणाली पर न्यायिक स्पष्टीकरण, और<br>• माननीय न्यायालय के पास बकाया ब्याज के विरुद्ध समायोजन।<br><br>**उपरोक्त तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, प्रबंधन वैधानिक लेखा परीक्षकों द्वारा की गई योग्यता से असहमत है क्योंकि रिपोर्टिंग की तारीख पर 82.82 करोड़ रुपये का प्रावधान उचित नहीं था और इसे उचित रूप से आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट किया गया है।** |
| | **प्रमुख लेखापरीक्षा विषय** | |
| 1. | **महत्वपूर्ण आकस्मिक देनदारियों का आकलन (अर्हता प्राप्त राय खंड के आधार में वर्णित मामले के अलावा)**<br><br>**महत्वपूर्ण आकस्मिक देनदारियों का आकलन (अर्हता प्राप्त राय खंड के आधार में वर्णित मामले के अलावा)**<br><br>कंपनी के खिलाफ विभिन्न मंचों के समक्ष कई मुकदमे लंबित हैं और आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट की जाने वाली राशि का अनुमान लगाने के लिए प्रबंधन के निर्णय की आवश्यकता है।<br><br>हमने इसे एक प्रमुख ऑडिट मामले के रूप में पहचाना क्योंकि जिन अनुमानों पर ये राशियां आधारित हैं, उनमें मामलों की व्याख्या करने और उन विवादों के संभावित परिणाम का निर्धारण करने में प्रबंधन निर्णय का एक महत्वपूर्ण अंश शामिल है और मामलों को आगे बढ़ाने के लिए स्वतंत्र कानूनी मूल्यांकन और यह प्रबंधन पूर्वाग्रह के अधीन हो सकता है। | आकस्मिक देनदारियों को मान्यता नहीं दी जाती है, लेकिन जब कंपनी पर पिछली घटनाओं के कारण संभावित दायित्व होता है और दायित्व का अस्तित्व भविष्य की घटनाओं के घटित होने या न होने पर निर्भर करता है जो कंपनी के पूर्ण नियंत्रण में नहीं है, तो लेखाओं के लिए नोट्स में खुलासा किया जाता है। प्रबंधन ने उचित रूप से मामलों का आकलन किया है और स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 34 में आकस्मिक देनदारियों का खुलासा किया है। |

| | | |
|---|---|---|
| | (लेखांकन नीति संख्या 2.14 के साथ पढ़े गए समेकित वित्तीय विवरणों के लिए नोट संख्या 34 देखें)<br>**लेखा परीक्षक की प्रतिक्रिया:**<br>हमने आकस्मिक देनदारियों के आकलन और प्रकटीकरण के संबंध में कंपनी के आंतरिक निर्देशों और प्रक्रियाओं की समझ प्राप्त की है और निम्नलिखित लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को अपनाया है:<br>हमने पिछले वर्ष की स्थिति से मामलों की स्थिति में परिवर्तन पर प्रबंधन के नोट के साथ 31 मार्च 2026 को कॉरपोरेट कार्यालय कानूनी प्रभाग में संभाले गए सभी लंबित कानूनी मामलों की सूची प्राप्त की।<br>लंबित मुकदमेबाजी मामलों के लिए सभी प्रासंगिक जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रबंधन द्वारा स्थापित नियंत्रणों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता को समझा और परीक्षण किया;<br>किसी भी भौतिक विकास के संबंध में प्रबंधन के साथ चर्चा की और कानूनी मामलों की नवीनतम स्थिति;<br>मुकदमे के मामलों से संबंधित विभिन्न पत्राचार और संबंधित दस्तावेजों को पढ़ें और प्रबंधन द्वारा प्राप्त प्रासंगिक बाहरी कानूनी राय और आकस्मिक देनदारियों के प्रकटीकरण का समर्थन करने वाली गणनाओं पर ठोस प्रक्रियाएं करें;<br>इस संबंध में प्रबंधन के निर्णयों और आकलन की जांच की गई कि क्या प्रावधानों की आवश्यकता है;<br>उन मामलों के प्रबंधन आकलन पर विचार किया जाता है जिन्हें आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट नहीं किया जाता है क्योंकि भौतिक बहिर्वाह की संभावना दूरस्थ मानी जाती है;<br>प्रकटीकरण की पर्याप्तता और पूर्णता की समीक्षा की<br>हमारे रिपोर्ट के योग्य राय खंड के आधार में वर्णित मामले को छोड़कर, की गई ऑडिट प्रक्रियाओं के आधार पर, हमने प्रबंधन के मूल्यांकन और महत्वपूर्ण आकस्मिक देनदारियों के संबंधित खुलासे में कोई भी भौतिक अपवाद नहीं पाया। | |
| | **वर्तमान चिंता से जुड़ी जरूरी अनिश्चितता** | |
| 1. | हम नोट संख्या 36(के) पर ध्यान देते हैं जो वित्तीय विवरणों के साथ है, जिसमें कहा गया है कि, एमएमटीसी को प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा विभिन्न जेवी से बाहर निकलने सहित जनशक्ति को कम करने के लिए एक रोड मैप तैयार करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही व्यवसाय संचालन से बाहर निकलने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, पवन चक्की का कारोबार अभी भी चालू है। एमएमटीसी के लिए सरकार को अभी तक निकास मार्ग तय करना है। चूंकि बंद करने आदि के लिए मंत्रालय से कोई संचार नहीं है, इसलिए चालू चिंता की यथास्थिति बनाए रखी जा रही है और चालू चिंता के आधार पर खाते तैयार किए गए हैं।<br>इस मामले के संबंध में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं हुआ है। | चालू व्यवसाय की यथास्थिति बनाए रखी जा रही है। कंपनी ने नोट संख्या 36(के) में बताए अनुसार संबंधित आधार पर खाते तैयार किए हैं। |

| | मामलों पर जोर | |
|---|---|---|
| 1. | हम नोट संख्या 36(ए) पर ध्यान दें जो वित्तीय विवरणों के साथ है, जिसमें कहा गया है कि 31.03.2026 और 31.03.2025 को समेकित बैलेंस शीट में एमएमटीसी ट्रांसनैशनल प्राइवेट लिमिटेड की संपत्ति और देनदारियां शामिल नहीं हैं। लिमिटेड (एमटीपीएल), क्योंकि एमटीपीएल का नियंत्रण परिसमापक द्वारा ले लिया गया है और एमएमटीसी के पास 31.03.2026 और 31.03.2025 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए इसके वित्तीय मामलों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।<br><br>27.10.2023 को आयोजित परिसमापन सुनवाई के अनुसार, सिंगापुर के माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, मेसर्स डेलॉइट और टूश एलएलपी सिंगापुर को कंपनी (एमएमटीसी ट्रांसनैशनल प्राइवेट लिमिटेड) के संयुक्त और कई परिसमापकों के रूप में नियुक्त किया गया है। लिमिटेड)। सिंगापुर गणराज्य के माननीय उच्च न्यायालय ने एमटीपीएल के खिलाफ समापन आदेश पारित किया।<br><br>एमटीसी ने सिंगापुर स्थित एमटीपीएल में वित्तीय अनियमितताओं और धोखाधड़ी के संबंध में सीबीआई के समक्ष 04.10.2023 की शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद, सीबीआई ने 15.10.2024 पर मामले में आगे की जांच के लिए प्राथमिकी दर्ज की है<br><br>एमटीटीसी का एमटीपीएल, सिंगापुर में 99000199 करोड़ रुपये (1 विलियन अमरीकी डॉलर) का निवेश है और वर्तमान में एमटीपीएल, सिंगापुर परिसमापन के अधीन है। उपरोक्त निवेश के लिए प्रावधान लेखा पुस्तकों में किया गया है। | 27.10.2023 को आयोजित परिसमापन सुनवाई के अनुसार, सिंगापुर के माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, मेसर्स डेलॉइट एंड टूश एलएलपी सिंगापुर को कंपनी (एमएमटीसी ट्रांसनैशनल प्राइवेट लिमिटेड) के संयुक्त और कई परिसमापकों के रूप में नियुक्त किया गया है। लिमिटेड)। सिंगापुर गणराज्य के माननीय उच्च न्यायालय ने एमटीपीएल के खिलाफ समापन आदेश पारित किया।<br><br>एमटीसी ने सिंगापुर स्थित एमटीपीएल में वित्तीय अनियमितताओं और धोखाधड़ी के संबंध में सीबीआई के समक्ष 04.10.2023 की शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद, सीबीआई ने 15.10.2024 को मामले में आगे की जांच के लिए प्राथमिकी दर्ज की है।<br><br>एमटीटीसी का सिंगापुर स्थित एमटीपीएल में 3.14 करोड़ रुपये (1 विलियन अमरीकी डॉलर) का निवेश है और वर्तमान में सिंगापुर स्थित एमटीपीएल का परिसमापन चल रहा है। उपरोक्त निवेश के लिए प्रावधान लेखा पुस्तकों में किया गया है। |
| 2. | हम नोट संख्या 32(i) पर ध्यान दें जो वित्तीय विवरणों के साथ है, जिसमें कहा गया है कि, नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल)–संयुक्त उद्यम कंपनी का विनिवेश 4.7.2022 को पूरा किया गया ह;<br><br>एनआईएनएल के विनिवेश के लिए शेयर खरीद समझौते (एसपीए) के खंड के अनुसार, विनिवेश के बाद एनआईएनएल पर कोई भी अप्रत्याशित देयता पूर्ण होने की तारीख से 3 साल की अवधि तक एसपीए के वारंटी खंड के अनुसार विक्रेताओं/प्रमोटरों द्वारा वहन की जाएगी। विक्रेताओं और प्रमोटरों की कुल देनदारी, बिक्री प्रतिफल के माध्यम से विक्रेताओं द्वारा प्राप्त बोली राशि से प्राप्त राशि के 20% से अधिक नहीं हो सकती है, और उनके संबंधित विक्रेता ऋण का निर्वहन नहीं किया जा सकता है। इस संबंध में एमएमटीसी की अधिकतम देयता, यदि कोई हो, 1067 करोड़ रुपये है। 3 साल की अवधि 04.07.2025 को समाप्त हो गई है और उस तारीख तक कोई देयता नहीं आई है।<br><br>एसबीआई, भुवनेश्वर के साथ ब्याज–धारक एस्क्रो खाते में रखी गई 774.95 करोड़ रुपये की राशि (एमएमटीसी का हिस्सा: 411.76 करोड़ रुपये), 04.07.2025 को परिपक्व हुई। चूंकि तीन साल की समय सीमा उसी तारीख को समाप्त हो गई, इसलिए 04.07.2025 को एस्क्रो खाते में उपलब्ध राशि के साथ–साथ अर्जित ब्याज को एनआईएनएल के प्रमोटरों के बीच वितरित किया गया था। तदनुसार, एमएमटीसी को 04.07.2025 पर मूलधन के रूप में 411.76 करोड़ रुपये और ब्याज के रूप में 25.75 करोड़ रुपये (टीडीएस और बैंक शुल्क के बाद) प्राप्त हुए। उपर्युक्त 411.76 | नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) – संयुक्त उद्यम कंपनी का विनिवेश 4.7.2022 को पूरा कर लिया गया है।<br><br>एनआईएनएल के विनिवेश के लिए शेयर खरीद समझौते (एसपीए) के अनुसार, बोली राशि से विक्रेताओं द्वारा प्राप्त राशि के 20% से अधिक नहीं होने वाली विनिवेश के बाद एनआईएनएल पर किसी भी अप्रत्याशित देयता के लिए 3 वर्ष की समय सीमा भी 04.07.2025 को पूरी हो गई है और कोई देयता नहीं आई है।<br><br>इसके अलावा, एसबीआई, भुवनेश्वर के साथ ब्याज–धारक एस्क्रो खाते में रखी गई 774.95 करोड़ रुपये की राशि (एमएमटीसी की हिस्सेदारी: 411.76 करोड़ रुपये), 04.07.2025 को परिपक्व हुई और तीन साल की परिसीमा अवधि भी उसी तारीख को समाप्त हो गई, एस्क्रो खाते में 04.07.2025 की तारीख को उपलब्ध राशि के साथ–साथ अर्जित ब्याज को एनआईएनएल के प्रमोटरों के बीच उनके शेयरधारिता अनुपात में वितरित किया गया। तदुनुसार, एमएमटीसी को 04.07.2025 रुपये के मूलधन और 25.75 रुपये के ब्याज (टीडीएस और बैंक शुल्क के बाद) के रूप में प्राप्त हुए और एमएमटीसी के बहीखाते में दर्ज किए गए।<br><br>इसके अलावा, एस्क्रो खाता बंद कर दिया गया है क्योंकि आज की तारीख में एनआईएनएल से कुछ भी देय/प्राप्य नहीं है। |

| | | |
|---|---|---|
| | करोड़ रुपये की राशि को असाधारण मदों के तहत वर्ष के लिए आय के रूप में दर्ज किया गया है।<br>04.07.2025 को 3 साल की समय सीमा की समाप्ति के मद्देनजर, आज की तारीख तक एनआईएनएल से कुछ भी देय/प्राप्य नहीं है। | |
| 3. | हम वित्तीय विवरणों के साथ नोट संख्या 10 के फुटनोट पर ध्यान दें, जिसमें कहा गया है कि कंपनी ने अनिश्चितताओं को देखते हुए, वर्तमान अवधि के दौरान कैरी फॉरावर्ड नुकसान और समय अंतर के संबंध में आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता नहीं दी है। इसके अलावा, पुस्तकों में पहले से ही दिखाई देने वाले 163.79 करोड़ रुपये के आस्थगित कर परिसंपत्ति के शेष को वर्ष के दौरान इंड ए.एस. 12 – "आय कर" के अनुसार समायोजित/पुनः मान्यता दी गई है। | वित्तीय वर्ष 2024.25 के दौरान, वैधानिक लेखा परीक्षक ने अपनी रिपोर्ट में 'अन्य मामले' के तहत रिपोर्ट किया कि आस्थगित कर संपत्ति के उपयोग के लिए पर्याप्त भविष्य कर योग्य आय की उपलब्धता अनिश्चित है। 163.79 करोड़ लेखापरीक्षा अवलोकन के जवाब में, एमएमटीसी ने वित वर्ष 2025.26 के दौरान लागू इंड ए.एस. के अनुसार डीटीए की समीक्षा और समायोजन करने का आश्वासन दिया है।<br>जैसा कि ऊपर बताया गया है, भविष्य में व्यवसाय कर योग्य आय की कोई संभावना नहीं है, इसलिए इंड ए.एस. 12 के अनुपालन के अनुसार पुस्तकों में पड़े डीटीए शेष को अस्वीकृत कर दिया गया है<br>और इसे नोट संख्या 10 में विधिवत् प्रकट किया गया है। |
| 4. | हम नोट संख्या 11 पर ध्यान दें, नोट संख्या 32 (ii) (ए) के वित्तीय विवरणों के साथ, जिसमें कहा गया है कि, सोने/चांदी/आभूषण/धूल/सोल्डर मुकदमेबाजी निपटान के खिलाफ रखा गया है और अन्य चालू परिसंपत्तियों और असाधारण मदों के तहत 13.21 करोड़ रुपये की राशि सीमा शुल्क विभाग से 19.01.2026 को प्राप्त 12503.700 ग्राम जब्त किए गए सोने के आभूषण/धूल/सोल्डर आदि के मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 24.04.2025 के आदेश के अनुसार यह वित्त वर्ष 1991.92 के दौरान ऐक्जिम नीति के तहत निर्यात के लिए एमएमटीसी द्वारा अपने सहयोगियों में से एक को सोने की आपूर्ति के खिलाफ कंपनी द्वारा दायर एक कानूनी मामले से संबंधित है। इसे बीआईएस अनुमोदित हॉलमार्किंग केंद्र द्वारा प्रमाणित किया गया है और 19 जनवरी 2026 को इंडिया बुलियन एंड ज्वालर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा प्रकाशित दरों के आधार पर प्रबंधन द्वारा प्रमाणित मात्रा और शुद्धता पर मूल्य दिया गया है। मूल्यांकन एक स्वतंत्र पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता द्वारा नहीं किया गया है क्योंकि कंपनी का मानना है कि आईबीजेए द्वारा घोषित प्रमाणित शुद्धता और दरों के आधार पर सोने की वस्तुओं का मूल्यांकन उचित और उपयुक्त है। | माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने दिनांक 24.04.2025 के अपने आदेश के द्वारा सीमा शुल्क विभाग को जब्त किए गए सोने को एमएमटीसी को सौंपने का निर्देश दिया।<br>यह मामला वित्त वर्ष 1991.92 के दौरान आभूषणों के निर्यात के लिए एमएमटीसी द्वारा मेसर्स रैमसन्स ज्वैलर्स को सोने की आपूर्ति से संबंधित है। प्रचलित नीति के अनुसार, निर्यातक को सोने के जारी होने की तारीख से 120 दिनों के भीतर निर्यात दायित्व को पूरा करना आवश्यक था। हालांकि, मेसर्स रामसन ज्वैलर्स एमएमटीसी द्वारा आपूर्ति किए गए लगभग 19 किलोग्राम सोने का निर्यात निर्धारित अवधि के भीतर करने में विफफल रहे।<br>इसके बाद, 1997 में, सीमा शुल्क विभाग, एनएसईजेड ने मेसर्स रामसन ज्वैलर्स के कारखाने के परिसर से सोने के आभूषण, सोने की धूल और सोने के सोल्डर सहित विभिन्न रूपों में 12503.700 ग्राम सोना जब्त किया। जब्त सामग्री एमएमटीसी की हिरासत में सीमा शुल्क–सील किए गए पार्सल में रही।<br>माननीय सर्वोच्च न्यायालय के उपरोक्त आदेश के अनुसार, एमएमटीसी दि.क्षे.का.ने 19.01.2026 को सीमा शुल्क विभाग से जब्त किए गए पार्सल का कब्जा ले लिया।<br>तदनुसार, मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए, 19.01.2026 को प्रचलित सोने की दर, जैसा कि इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा प्रकाशित किया गया है, को उस तारीख को जब्त किए गए सोने का भौतिक कब्जे का अधिग्रहण करने के बाद से माना गया है।<br>इसके अलावा, जब्त किए गए पार्सलों में निहित सोने के आभूषण, सोने की धूल और सोने के सोल्डर की शुद्धता का निर्धारण एक स्वतंत्र बीआईएस–अनुमोदित हॉलमार्किंग केंद्र द्वारा जारी एक्सआरपफ विश्लेषण और फायर एसे रिपोर्टों के आधार पर किया गया है।<br>इसलिए उपरोक्त परीक्षण रिपोर्टों के माध्यम से स्थापित शुद्धता और 19.01.2026 को लागू आईबीजेए सोने की दर के आधार पर मूल्यांकन किया गया है। |

| | | |
|---|---|---|
| 5. | हम नोट संख्या 31 के लिए वित्तीय विवरणों के साथ संलग्न पादटिप्पणी पर ध्यान देते हैं, जिसमें कहा गया है कि, वर्ष के दौरान, कैंप कार्यालय चेन्नई द्वारा 75.49 करोड़ रुपये के व्यापार प्राप्य को खराब ऋण के रूप में बट्टे खाते में डाल दिया गया है और इसके अनुरूप प्रावधानों को असाधारण मदों के तहत वापस लिखा गया है। | व्यापार प्राप्य की बट्टेमारी और संबंधित प्रावधान को वित्त वर्ष 2025.26 के दौरान कंपनी की प्राप्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। |
| 6. | हम नोट संख्या 36(डी) पर ध्यान दें जो वित्तीय विवरणों के साथ है, जिसमें कहा गया है कि कंपनी ने मिंट बिक्री लेनदेन (पीवाई रु 31.40 करोड़) के संबंध में मेसर्स आर्यावर्त इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड (एआइपीएल) के खिलाफ रु 2.95 करोड़ (पीवाई रु 2.95 करोड़) के अतिदेय ब्याज सहित रु 31.40 करोड़ का वसूली मुकदमा दायर किया है, जिसे कंपनी के पक्ष में डिक्री किया गया है। एमएमटीसी ने निष्पादन याचिका दायर की और मामले की सुनवाई 08.06.2026 को होगी। कंपनी ने वर्ष 2015.16 में 28.45 करोड़ रुपये की राशि को गैर–प्राप्ति के कारण बट्टे खाते में डाल दिया है। एमएस एआइपीएल ने सरकारी टकसाल/एमएमटीसी के खिलाफ 167.20 करोड़ रुपये (पीवाई 167.20 करोड़ रुपये) के नुकसान के लिए मुकदमा दायर किया है, जो कानूनी राय के अनुसार उचित नहीं है और इस पर विवाद किया जा रहा है। इसके अलावा, इसे आकस्मिक देयता के रूप में नहीं माना गया है क्योंकि प्रबंधन का विचार है कि इस मामले में कंपनी पर कोई वर्तमान या संभावित देयता नहीं है। | कंपनी ने मिंट बिक्री लेन–देन (पी.वाई. 31.40 करोड़ रुपये) के संबंध में मेसर्स आर्यवर्त इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड (एआइपीएल) जो अब अनमोल ट्रेडलाइन प्राइवेट लिमिटेड (एटीपीएल) में परिवर्तित हो गया है, के खिलाफ 31.40 करोड़ रुपये का वसूली मुकदमा दायर किया है, जिसमें 2.95 करोड़ रुपये (पी.वाई. 2. 95 करोड़ रुपये) का अतिदेय ब्याज शामिल है, जिसे कंपनी के पक्ष में डिक्री किया गया है। एमएमटीसी ने निष्पादन याचिका दायर की और मामले की सुनवाई 01.08.2025 को हुई और माननीय न्यायालय ने एटीपीएल को हलफनामा और स्वीकारोक्ति और अस्वीकृति दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया है। कंपनी ने 2015.16 वित्त वर्ष में 28.45 करोड़ रुपये की राशि को गैर–प्राप्ति के कारण बट्टे खाते में डाल दिया है। एमएस एआइपीएल (अब एटीपीएल में परिवर्तित) ने एमएमटीसी के खिलाफ 167.20 करोड़ रुपये के नुकसान के लिए मुकदमा दायर किया है, जो कानूनी राय के अनुसार टिकने योग्य नहीं है और इसका विरोध किया जा रहा है। एमएमटीसी ने इस संबंध में माननीय न्यायालय के समक्ष खंडन हलफनामा दायर किया है। इसके अलावा, इसे आकस्मिक देयता के रूप में नहीं माना गया है क्योंकि प्रबंधन का विचार है कि इस मामले में कंपनी पर कोई वर्तमान या संभावित देयता नहीं है<br><br>मामला अहमदाबाद के वाणिज्यिक न्यायालय के समक्ष लंबित है। मामला न्यायाधीश श्री प्रजापति की नव–नामित वाणिज्यिक अदालत के समक्ष सुनवाई के लिए आया।<br><br>न्यायालय द्वारा बैंकों को जारी किए गए नोटिस के जवाब में, सोशल को–ऑपरेटिव बैंक और मेहसाणा को–ऑपरेटिव बैंक पेश हुए और खाते का विवरण दाखिल किया। इंडसइंड बैंक ने कहा कि यदि वे एआइपीएल और एटीपीएल का पैन प्राप्त कर सकते हैं, और बैंक खाते का विवरण प्रस्तुत करेंगे।<br><br>मामला 18.08.2026 तक स्थगित किया जाता है। |
| 7. | हम सहायक और संयुक्त उद्यमों के संबंध में वित्तीय विवरणों के साथ नोट संख्या 41(3) पर ध्यान दें, जिनके 31st मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण प्राप्त नहीं हुए हैं और समेकित नहीं किए गए हैं। | एमएमटीसी पीएएमपी के ऑडिट किए गए परिणाम प्राप्त कर समेकित कर लिए गए हैं। सहायक कंपनी (एमटीपीएल) परिसमापन के अधीन है और अन्य संयुक्त उद्यम कंपनियां (एपफटीडब्ल्यूपीएल और एसआइसीएएल) गैर–परिचालन हैं। |

एमएमटीसी लिमिटेड
MMTC LIMITED
भारत सरकार का उपक्रम
A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE
*touching lives, adding value*

## एमएमटीसी लिमिटेड

### 31.03.2026 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित तुलन पत्र

(रु. करोड़ में)

| विवरण | टिप्पणी संख्या | 31 मार्च, 2026 को | 31 मार्च, 2025 को |
|---|---|---|---|
| संपत्तियां | | | |
| गैर–चालू परिसंपत्तियां | | | |
| प्रॉपर्टी, प्लांट और उपकरण | 3 | 13.82 | 19.07 |
| उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियां | 3 | 2.39 | 2.48 |
| कार्यशील पूंजीगत | 3 | – | 0.01 |
| निवेश संपत्ति | 4 | 2.60 | 2.67 |
| अन्य अभूर्त परिसंपत्तियां | 5 | 0.03 | 0.08 |
| इक्विटी विधि का उपयोग करके हिसाब किए गए निवेश | 6ए | 439.04 | 263.59 |
| वित्तीय परिसंपत्तियां | | | |
| निवेश | 6बी | 94.10 | 64.05 |
| व्यापार प्राप्य | 7ए | – | – |
| ऋण | 8 | 1.66 | 2.21 |
| अन्य | 9 | 23.39 | 24.53 |
| स्थगित कर परिसंपत्तियां (निवल) | 10 | – | 157.42 |
| अन्य गैर–चालू परिसंपत्तियां | 11ए | 22.99 | 28.75 |
| चालू परिसंपत्तियां | | | |
| इन्वेंट्री | 12 | 0.00 | 0.36 |
| वित्तीय परिसंपत्तियां | | | |
| निवेश | 6सी | – | – |
| व्यापार प्राप्य | 7बी | 24.04 | 119.04 |
| नकद तथा नकद समतुल्य | 13 | 2.70 | 29.77 |
| उपरोक्त के अलावा बैंक शेष | 14 | 1,785.97 | 1,309.08 |
| ऋण | 8 | 11.85 | 40.90 |
| अन्य | 9 | 96.82 | 92.53 |
| चालू कर परिसंपत्तियां (निवल) | 15 | 82.39 | 21.23 |
| अन्य चालू परिसंपत्तियां | 11बी | 192.08 | 1,300.68 |
| बिक्री के लिए रखी गई संपत्तियां | 6डी | – | – |
| **कुल संपत्तियां** | | 2,795.87 | 3,478.45 |
| इक्विटी और देनदारियां | | | |
| इक्विटी | | | |
| इक्विटी शेयर पूंजी | 16ए | 150.00 | 150.00 |
| अन्य इक्विटी | 16बी | 1,970.72 | 1,552.19 |
| गैर–नियंत्रण हित | | – | – |
| देनदारियां | | | |
| गैर–चालू देनदारियां | | | |
| वित्तीय देनदारियां | | | |
| उधार | 17ए | – | – |
| लीज देनदारियां | 19ए | 2.40 | 2.42 |
| प्रावधान | 20ए | 21.64 | 27.08 |
| स्थगित कर देनदारी | | 4.77 | |
| चालू देनदारियां | | | |
| वित्तीय देनदारियां | | | |
| उधार | 17बी | – | – |
| लीज देनदारियां | 19बी | 0.02 | 0.02 |
| व्यापार देय | 18 | | |
| सूक्ष्म और लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि | | 0.14 | 0.12 |
| "सूक्ष्म और लघु उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों की कुल बकाया राशि | | 237.99 | 239.38 |
| अन्य वित्तीय देनदारियां | 19सी | 148.16 | 157.54 |
| अन्य चालू देनदारियां | 21 | 39.65 | 240.99 |
| प्रावधान | 20बी | 130.67 | 1,086.83 |
| चालू कर देनदारियां (नेट) | 22 | 89.71 | 21.88 |
| **कुल इक्विटी और देनदारियां** | | 2,795.87 | 3,478.45 |

वित्तीय विवरण के साथ संलग्न टिप्पणियों को देखें 1 से 58

निदेशक मंडल के लिए तथा उसकी ओर से

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

**कृते दिनेश जैन एण्ड एसोसिएट्स**
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
एफ.आर. नं.: 004885N

(सीए नेहा जैन)
पार्टनर
एम. नं. 514725

(अजय कुमार मिश्रा)
कम्पनी सचिव
एसीएस-11499

(बी. डी. दास)
उप महाप्रबंधक (वित्त)

(अनूपा शंकरनकुट्टी नायर)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन : 11138663

दिनांक : **29.05.2026**
स्थान : नई दिल्ली

(जतिन्दरजीत सिंह मान)
निदेशक (विपणन)
डीआईएन 11535429

(नितिन कुमार यादव)
सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार)
डीआईएन : 03104045

## एमएमटीसी लिमिटेड
## 31.03.2026 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित लाभ व हानि लेखा विवरण

(रु. करोड़ में)

| विवरण | नोट नंबर | वर्ष समाप्ति 31 मार्च, 2026 | वर्ष समाप्ति 31 मार्च, 2025 |
|---|---|---|---|
| आय | | | |
| परिचालन से राजस्व | 23 | 3.41 | 2.69 |
| अन्य आय | 24 | 177.17 | 260.09 |
| **कुल आय (I)** | | 180.58 | 262.78 |
| **खर्च** | | | |
| इस्तेमाल की गई सामग्री की लागत | 25 | 0.01 | – |
| व्यापार में स्टॉक की खरीद | 26 | – | – |
| तैयार माल, ट्रेड में स्टॉक और काम–प्रगति पर कार्य में बदलाव | 27 | 0.35 | – |
| कर्मचारी लाभ खर्च | 28 | 78.18 | 111.25 |
| वित्तीय लागत | 29 | 0.78 | 0.88 |
| डेप्रिसिएशन, इम्पेयरमेंट और अमॉर्टाइजेशन खर्च | 30 | 5.14 | 4.51 |
| अन्य खर्च | 31 | 106.52 | 30.10 |
| **कुल खर्च (II)** | | 190.98 | 146.74 |
| **असाधारण मदों और टैक्स (I-II) से पहले लाभ/(हानि)** | | (10.40) | 116.04 |
| असाधारण मदें – खर्च/(आय) | 32 | (473.70) | 18.84 |
| टैक्स और इक्विटी अकाउंटेड इन्वेस्टीज के हिस्से से पहले लाभ | | 463.30 | 97.20 |
| इक्विटी मेथड का उपयोग करके अकाउंट किए गए जॉइंट वेंचर के लाभ/(हानि) का हिस्सा (इनकम टैक्स घटाकर) | | 175.31 | 17.10 |
| **टैक्स से पहले लाभ/(हानि)** | | 638.61 | 114.30 |
| टैक्स खर्च | 33 | | |
| i) करंट टैक्स | | 89.43 | 22.72 |
| ii) पिछली अवधि से संबंधित एडजस्टमेंट | | (0.39) | 0.77 |
| iii) डेफर्ड टैक्स | | 162.19 | 4.18 |
| **कुल टैक्स खर्च** | | 251.23 | 27.67 |
| **साल का लाभ/हानि (ए)** | | 387.38 | 86.63 |
| साल का लाभ/हानि जो इनके हिस्से में आता है: | | | |
| पैरेंट कंपनी के मालिक | | 387.38 | 86.63 |
| नॉन–कंट्रोलिंग इंटरेस्ट | | – | – |
| **साल का लाभ/हानि** | | 387.38 | 86.63 |
| **अन्य व्यापक आय/हानि** | | | |
| ऐसी चीजें जिन्हें लाभ या हानि में दोबारा वर्गीकृत नहीं किया जाएगा: | | | |
| –परिभाषित लाभ योजनाओं का दोबारा मापन | | 1.24 | (3.32) |
| –अन्य व्यापक आय के जरिए इक्विटी इंस्ट्रूमेंट | | 30.05 | 34.64 |
| –आयकर का प्रभाव | | (0.28) | 0.84 |
| **–संयुक्त उपक्रमों में अन्य व्यापक आय का हिस्सा (टैक्स घटाकर)** | | 0.14 | (0.24) |
| **ऐसी चीजें जिन्हें लाभ या हानि में दोबारा वर्गीकृत किया जाएगा:** | | – | |
| **–विदेशी परिचालन के वित्तीय विवरणें को बदलने में परिवर्तन का अंतर** | | – | – |
| अन्य व्यापक आय/हानि टैक्स घटाकर (बी) | | 31.15 | 31.92 |
| साल की कुल व्यापक आय/(हानि) वर्ष के लिए (ए)+(बी) | | 418.53 | 118.55 |
| **कुल अन्य व्यापक आय/(हानि) जो इनके हिस्से में आती है:** | | | |
| पैरेंट कंपनी के मालिक | | 418.53 | 118.55 |
| गैर–नियंत्रण ब्याज | | – | – |
| **साल की कुल अन्य व्यापक आय/(हानि)** | | 418.53 | 118.55 |
| **प्रति इक्विटी शेयर कमाई:** | | | |
| बेसिक और डाइल्यूटेड | 46 | 2.58 | 0.58 |

वित्तीय विवरण के साथ संलग्न टिप्पणियों को देखे हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार — 1 से 58

निदेशक मंडल के लिए तथा उसकी ओर से

कृते दिनेश जैन एण्ड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंटस
एफ.आर. नं: 004885N

(सीए नेहा जैन)
पार्टनर
एम. नं. 514725

(अजय कुमार मिश्रा)
कम्पनी सचिव
एसीएस-11499

(बी. बी. दास)
उप महाप्रबंधक (विधले)

(अनूपा शंकरनकुट्टी नायर)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन : 11138663

दिनांक : 29.05.2026
स्थान : नई दिल्ली

(जतिन्दरजीत सिंह मान)
निदेशक (विपणन)
डीआईएन 11535429

(नितिन कुमार यादव)
सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार)
डीआईएन : 03104045

# एमएमटीसी लिमिटेड
## 31.03.2026 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित नकद प्रवाह विवरण

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए | |
|---|---|---|---|---|
| **ए. प्रचालन गतिविधियों से नगद प्रवाह** | | | | |
| **कर पूर्व निवल लाभ** | | 638.61 | | 114.30 |
| **के लिए समायोजनः–** | | | | |
| विनिवेश पर व्यय | – | | – | |
| मूल्याह्रास तथा परिशोधन व्यय | 5.14 | | 4.51 | |
| निवल विदेशी मुद्रा (लाभ)/हानि | 0.05 | | 0.06 | |
| पीपीई और परिसंपत्तियों के उपयोग के अधिकार की बिक्री पर लाभ/हानि | 0.33 | | (0.15) | |
| निवेश की बिक्री पर (लाभ)/हानि | (411.76) | | (27.71) | |
| गैर चालू निवेश के मूल्य में कमी के लिए प्रावधान | – | | – | |
| ब्याज से आय | (134.15) | | (141.88) | |
| लाभांश से आय | (33.07) | | (108.34) | |
| वित्त लागत | 0.57 | | 0.76 | |
| लीज पर ब्याज खर्च | 0.21 | | 0.12 | |
| बट्टे खाते में डाले गये ऋण/दावे | 75.49 | | 0.01 | |
| सीएसआर व्यय | – | | – | |
| संदिग्ध ऋणों/दावे व अग्रिमों के लिए अनुमति | 3.56 | | – | |
| प्रावधान जिसकी अब जरूरत नहीं | (81.44) | | (4.43) | |
| रिटन बैक देयताएं | (4.51) | | (2.57) | |
| डीडब्ल्यूए जोखिम के लिए प्रावधान | – | | – | |
| इक्विटी पद्धति से शामिल किये गये संयुक्त उपक्रमों के लाभ/(हानि) का भाग (आयकर घटाकर) | (175.31) | | (17.10) | |
| | | (754.88) | | (296.72) |
| **कार्यगत पूंजी में परिवर्तनों से पूर्व परिचालन लाभ** | | (116.28) | | (182.42) |
| के लिए समायोजनः– | | | | |
| इन्वेंट्रीज | 0.36 | | – | |
| व्यापार प्राप्ति योग्य | 97.34 | | 7.55 | |
| ऋण व अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां | 26.45 | | (20.58) | |
| अन्य चालू व गैर–चालू परिसंपत्तियां | 637.47 | | (119.26) | |
| व्यापार प्राप्य | 3.14 | | 2.35 | |
| अन्य वित्तीय देयताएं | (9.40) | | (12.80) | |
| अन्य चालू व गैर–चालू देयताएं | (201.34) | | (21.23) | |
| प्रावधान | (960.63) | (406.61) | 2.02 | (161.95) |
| | | (522.89) | | (344.36) |
| प्रदत्त कर | | (82.37) | | (22.86) |
| **प्रचालन गतिविधियों से निवल रोकड़ प्रवाह** | | (605.26) | | (367.23) |
| **बी. निवेश गतिविधियों से रोकड़ प्रवाह** | | | | |
| अचल परिसंपत्तियों की खरीद | (0.09) | | (0.23) | |
| अचल परिसंपत्तियों की बिक्री | 0.08 | | 0.45 | |
| निवेश की बिक्री/(खरीद) | 411.77 | | 27.71 | |
| प्राप्त ब्याज | 134.15 | | 141.88 | |
| प्राप्त लाभांश | 33.07 | 578.98 | 108.34 | 278.15 |
| **निवेश गतिविधियों से निवल रोकड़ प्रवाह** | | 578.98 | | 278.15 |
| **सी. वित्त गतिविधियों से रोकड प्रवाह** | | | | |
| उधारी | – | | – | |
| वित्त लागत | (0.57) | | (0.76) | |
| लीज (ब्याज) | (0.21) | | (0.12) | |
| लाभांश (लाभांश वितरण कर सहित) प्रदत्त | – | (0.78) | – | (0.88) |
| **वित्तीय कार्यकलापों से निवल नगदी** | | (0.78) | | (0.88) |
| डी. नकद व नगद समकक्ष में निवल परिवर्तन | | (27.07) | | (89.95) |
| **ई. आरम्भिक नगद व नगद समक्ष (टिप्पणी सं. 13)** | | 29.77 | | 119.72 |
| **एफ. अन्तिम नगद व नगद समक्ष (टिप्पणी सं. 13)** | | 2.70 | | 29.77 |

टिप्पणी:

1. उपरोक्त नगद प्रवाह विवरण "अप्रत्यक्ष पद्धति" के तहत जैसा कि नगद प्रवाह विवरण के विषय में इंड एएस–7 में बताया गया है के अनुसार तैयार किया गया है।
2. नकद तथा नगद समतुल्य में शामिल है:–

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 तक | 31 मार्च 2025 तक |
|---|---|---|
| बैंकों में उपलब्ध शेष | | |
| (ए) चालू खाते में | 0.33 | 0.37 |
| (बी) 3 माह तक की मूल परिपक्वता वाले टर्म डिपाजिट्स | . | 27.94 |
| (सी) नगद क्रेडिट खाते में डेबिड शेष | 2.37 | 1.46 |
| उपलब्ध चेक / ड्राफ्ट / स्टाम्प | . | . |
| उपलब्ध रोकड़ | . | . |
| कुल | 2.70 | 29.77 |

वित्तीय विवरण के साथ संलग्न टिप्पणियों को देखे
हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

निदेशक मंडल के लिए तथा उसकी ओर से

**कृते दिनेश जैन एण्ड एसोसिएटस**
चार्टर्ड एकाउंटेंटस
एफ.आर. नं: 004885N

| | | | |
|---|---|---|---|
| **(सीए नेहा जैन)** | **(अजय कुमार मिश्रा)** | **(बी. डी. दास)** | **(अनूपा शंकरनकुट्टी नायर)** |
| पार्टनर | कम्पनी सचिव | उप महाप्रबंधक (विधले) | निदेशक (वित्त) |
| एम. नं. 514725 | एसीएस-11499 | | डीआईएन : 11138663 |

**दिनांक : 29.05.2026**
**स्थान : नई दिल्ली**

**(जतिन्दरजीत सिंह मान)**
निदेशक (विपणन)
डीआईएन 11535429

**(नितिन कुमार यादव)**
सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार)
डीआईएन : 03104045

**31.03.2026 को समाप्त अवधि के लिए इक्विटी में हुए परिवर्तनों का समेकित विवरण**

**ए. इक्विटी शेयर पूंजी**

(रु. करोड़ में)

| विवरण | शेयरों की संख्या | राशि |
|---|---|---|
| 1.4.2025 तक शेष | 1,50,00,00,000 | 150 |
| वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन | - | - |
| **31.3.2026 को शेष** | **1,50,00,00,000** | **150** |

(रु. करोड़ में)

| विवरण | शेयरों की संख्या | राशि |
|---|---|---|
| 1.4.2024 तक शेष | 1,50,00,00,000 | 150 |
| वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन | - | - |
| **31.3.2025 को शेष** | **1,50,00,00,000** | **150** |

**बी. 31 मार्च, 2026 की अन्य इक्विटी**

(रु. करोड़ में)

| | संचयी वित्तीय इंस्ट्रूमेंट का इक्विटी घटक | | रिजर्व एवं सरप्लस | | | ओसीआई द्वारा ऋण इंस्ट्रूमेंट | व्यापक आय की अन्य मदें | | | मूल कंपनी के मालिकों को अरोप्य | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | बांड रिडिंपशन रिजर्व | आरएंडडी रिजर्व | सामान्य रिजर्व | रिटेंड कमाई | | ओसीआई द्वारा इक्विटी इंस्ट्रूमेंट | विदेशी परिचालन के वित्तीय विवरण बदलने पर विनिमय अंतर | ओसीआई के अन्य आइटम्स | | |
| 1.4.2025 को शेष | - | - | - | 598.89 | 911.08 | - | 45.05 | - | (2.85) | 1,552.19 | 1,552.19 |
| लेखा नीति में परिवर्तन अथवा पूर्व अवधि की त्रुटियां | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| वर्ष के लिए कुल व्यापक आय | - | - | - | - | 387.38 | - | 30.05 | - | 1.10 | 418.53 | 418.53 |
| लाभांश | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| फारवर्ड कांट्रेक्ट पर अनअमोर्टाइज्ड प्रीमियम | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| रिटेंड कमाई में मदों की सीधे पहचान | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| परिभाषित लाभ योजना का पुनः मापन | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| अन्य कोई परिवर्तन | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **31.3.2026 को शेष** | **-** | **-** | **-** | **598.89** | **1,298.46** | **-** | **75.10** | **-** | **(1.75)** | **1,970.72** | **1,970.72** |

**31 मार्च, 2025 की अन्य इक्विटी**

(रु. करोड़ में)

| | संचयी वित्तीय इंस्ट्रूमेंट का इक्विटी घटक | | रिजर्व एवं सरप्लस | | | ओसीआई द्वारा ऋण इंस्ट्रूमेंट | व्यापक आय की अन्य मदें | | | मूल कंपनी के मालिकों को अरोप्य | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | बांड रिडिंपशन रिजर्व | आरएंडडी रिजर्व | सामान्य रिजर्व | रिटेंड कमाई | | ओसीआई द्वारा इक्विटी इंस्ट्रूमेंट | विदेशी परिचालन के वित्तीय विवरण बदलने पर विनिमय अंतर | ओसीआई के अन्य आइटम्स | | |
| 1.4.2025 को शेष | - | - | - | 598.89 | 824.45 | - | 10.41 | - | (0.15) | 1,433.62 | 1,433.62 |
| लेखा नीति में परिवर्तन अथवा पूर्व अवधि की त्रुटियां | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| वर्ष के लिए कुल व्यापक आय | - | - | - | - | 86.63 | - | 34.64 | - | (2.70) | 118.57 | 118.57 |
| लाभांश | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| फारवर्ड कांट्रेक्ट पर अनअमोर्टाइज्ड प्रीमियम | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| रिटेंड कमाई में मदों की सीधे पहचान | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| परिभाषित लाभ योजना का पुनः मापन | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| अन्य कोई परिवर्तन | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **31.3.2026 को शेष** | **-** | **-** | **-** | **598.89** | **911.08** | **-** | **45.05** | **-** | **(2.85)** | **1,552.19** | **1,552.19** |



एमएमटीसी लिमिटेड MMTC LIMITED भारत सरकार का उपक्रम A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE touching lives, adding value

रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति पर शमिल किया गया लाभांश

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 तक | 31 मार्च 2025 तक |
|---|---|---|
| प्रस्तावित लाभांश | – | – |

वित्तीय विवरण के साथ संलग्न टिप्पणियों को देखे
हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

निदेशक मंडल के लिए तथा उसकी ओर से

**कृते दिनेश जैन एण्ड एसोसिएटस**
चार्टर्ड एकाउंटेंटस
एफ.आर. नं: 004885N

**(सीए नेहा जैन)**
पार्टनर
एम. नं. 514725

**(अजय कुमार मिश्रा)**
कम्पनी सचिव
एसीएस-11499

**(बी. डी. दास)**
उप महाप्रबंधक (वित्तले)

**(अनूपा शंकरनकुट्टी नायर)**
निदेशक (वित्त)
डीआईएन : 11138663

**दिनांक : 29.05.2026**
**स्थान : नई दिल्ली**

**(जतिन्दरजीत सिंह मान)**
निदेशक (विपणन)
डीआईएन 11535429

**(नितिन कुमार यादव)**
सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार)
डीआईएन : 03104045

# एमएमटीसी लिमिटेड

## 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणियाँ

### 1. सामान्य जानकारी

1963 में स्थापित और भारत में अधिवासित, कंपनी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक मिनी–रत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय कोर–1, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, संस्थागत क्षेत्र, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003, भारत में स्थित है। कंपनी के भारत में विभिन्न स्थानों पर 6 क्षेत्रीय कार्यालय हैं और सिंगापुर में एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एमएमटीसी ट्रांसनैशनल प्राइवेट लिमिटेड है।

कंपनी की प्रमुख गतिविधियां खनिजों का निर्यात और बहुमूल्य धातुओं, अलौह धातुओं, उर्वरकों, कृषि उत्पादों, कोयले और हाइड्रोकार्बन आदि का आयात हैं। कंपनी की व्यापार गतिविधियां एशिया, यूरोप, अफ्रीका, मध्य पूर्व, लैटिन अमेरिका और उत्तरी अमेरिका के विभिन्न देशों में फैली हुई हैं।

### 2. भौतिक लेखांकन नीति की जानकारी

### 2.1 ए) अनुपालन का विवरण और वित्तीय विवरण तैयार करने का आधार

वित्तीय विवरण भारतीय लेखांकन मानकों (आईएएस) के अनुसार तैयार किए गए हैं, जो कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 और उसके बाद के संशोधनों के तहत अधिसूचित हैं। लेखांकन नीतियों को इन वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत सभी अवधियों में लगातार लागू किया गया है। वित्तीय विवरणों को उपार्जन आधार के तहत रखे गए लेखा पुस्तकों से ऐतिहासिक लागत परंपरा के तहत चालू चिंता के आधार पर तैयार किया जाता है, सिवाय कुछ वित्तीय उपकरणों के जिन्हें उचित मूल्य पर और कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निर्धारित भारतीय लेखा मानकों के अनुसार मापा जाता है

### बी) समेकन का आधार

एमएमटीसी लिमिटेड को इसकी सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों के साथ 'समूह' के रूप में संदर्भित किया जाता है। कंपनी इंड एएस–110 के प्रावधानों के अनुसार उन संस्थाओं को समेकित करती है जिनका वह स्वामित्व या नियंत्रण रखती है। समेकित वित्तीय विवरणों में कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरण शामिल हैं। समूह की कंपनियों के वित्तीय विवरणों को लाइन–दर–लाइन आधार पर समेकित किया जाता है और समेकन पर ऐसे लेनदेन से अवास्तविक लाभ/हानि सहित अंतर–समूह शेष और लेनदेन को समाप्त कर दिया जाता है। ये वित्तीय विवरण समूह में उपयोग में आने वाली एक समान लेखांकन नीतियों को लागू करके तैयार किए जाते हैं। गैर–नियंत्रण हित जो सहायक कंपनियों के शुद्ध लाभ या हानि और शुद्ध परिसंपत्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समूह के स्वामित्व या नियंत्रण में नहीं हैं, को बाहर रखा गया है।

एसोसिएट्स वे संस्थाएं हैं जिन पर समूह का महत्वपूर्ण प्रभाव है लेकिन नियंत्रण नहीं है। संयुक्त उद्यम वे संस्थाएं हैं जिनमें समूह का संयुक्त नियंत्रण होता है और इकाई की शुद्ध संपत्ति पर अधिकार होता है। एसोसिएट्स और संयुक्त उद्यमों में निवेश को इंड एएस–28 के प्रावधानों के अनुसार लेखांकन की इक्विटी पद्धति का उपयोग करके गिना जाता है। निवेश को शुरू में लागत पर मान्यता दी जाती है, और अधिग्रहण की तारीख के बाद निवेशक के लाभ या हानि के हिस्से को पहचानने के लिए वहन करने वाली राशि को बढ़ाया या घटाया जाता है।

### 2.2 कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा

ये वित्तीय विवरण भारतीय रुपये में प्रस्तुत किए जाते हैं, जो भारत की राष्ट्रीय मुद्रा है, जो कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा है। वित्तीय विवरणों में शामिल सभी राशियां इक्विटी शेयरों की संख्या और प्रति शेयर डेटा और अन्यथा इंगित किए जाने पर करोड़ रुपये (दो दशमलव तक) में बताई गई हैं।

### 2.3 अनुमानों और निर्णय का उपयोग

वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए निर्णय, अनुमान और धारणाएं बनाने की आवश्यकता होती है जो परिसंपत्तियों और देनदारियों की रिपोर्ट की गई राशि, वित्तीय विवरणों की तारीख पर आकस्मिक देनदारियों के प्रकटीकरण और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान राजस्व और व्यय की रिपोर्ट की गई राशि को प्रभावित करती हैं। वास्तविक परिणामों और अनुमानों के बीच अंतर उस अवधि में पहचाना जाता है जिसमें परिणाम ज्ञात/भौतिक होते हैं

### 2.4 राजस्व की मान्यत

(i) ट्रेडिंग आय

प्रदर्शन दायित्व की संतुष्टि के लिए राजस्व को लेनदेन मूल्य (परिवर्तनीय विचार के शुद्ध) की राशि पर मापा जाता है जो उस प्रदर्शन दायित्व के लिए आवंटित किया जाता है। बेचे गए माल और प्रदान की गई सेवाओं का लेनदेन मूल्य अनुबंध के हिस्से के रूप में कंपनी द्वारा दी जाने वाली विभिन्न छूटों और योजनाओं के कारण परिवर्तनीय विचार के शुद्ध है।

### खरीद और बिक्री

ए. कुछ वस्तुओं के मामले में, जिनका आयात कंपनी के माध्यम से किया जाता है, भारत सरकार द्वारा जारी प्राधिकरण पत्र के खिलाफ 'सरकारी खाते' पर आयात किया जाता है, खरीद/बिक्री कंपनी के नाम पर बुक की जाती है

बी. वस्तुओं का कारोबार कमोडिटी एक्सचेंजों के माध्यम से भी किया जाता है। विभिन्न कमोडिटी एक्सचेंजों के माध्यम से किए गए व्यापार के संबंध में खरीद / बिक्री बुक की जाती है और वस्तुओं की भौतिक डिलीवरी द्वारा समर्थित होती है।

सी. स्वर्ण / चांदी जमा के तहत रखा गया, सोना / चांदी के आपूर्तिकर्ताओं के साथ व्यवस्था के अनुसार, धातु को आपूर्तिकर्ता द्वारा कंपनी के पास अनिश्चित मूल्य के आधार पर ऋण या सीधे खरीद के आधार पर बाद में वापस लेने के लिए रखा जाता है।

(i) खरीद में निर्यातकों को बिक्री के लिए आपूर्तिकर्ता के कंसाइनमेंट जमा से सीधे खरीद के आधार पर निकाली गई सोने / चांदी शामिल है, जो कंपनी द्वारा एक नामित एजेंसी के रूप में संचालित विदेश व्यापार नीति की योजना के अनुसार है।

ii) घरेलू बिक्री के लिए वर्ष के दौरान सोने / चांदी की खरीद का हिसाब आपूर्तिकर्ता के सोने / चांदी कंसाइनमेंट जमा से निकासी और आपूर्तिकर्ताओं के साथ मूल्य निर्धारण पर किया जाता है। वर्ष के अंत में जमा के तहत स्टॉक / चांदी के रूप में कंपनी द्वारा रखे गए स्टॉक को वर्तमान परिसंपत्तियों के तहत 'बिना बिल वाली खरीद के लिए स्टॉक' के रूप में और वर्तमान देनदारी के तहत 'बिना बिल वाली खरीद के लिए देय राशि' के रूप में वर्ष के अंत में प्रचलित बुलियन मूल्य पर गिना जाता है। हालाँकि, जमा में शेष राशि के संबंध में भुगतान किया गया सीमा शुल्क प्रीपेड खर्च के रूप में गिना जाता है।

(iii) जमा के तहत सोने / चांदी से ऋण के आधार पर वापस लिया गया, ग्राहकों को दिए गए ऋण के रूप में बुक किया जाता है और वित्तीय परिसंपत्तियों के तहत समूहीकृत किया जाता है। विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त स्टॉक के प्रति संबंधित देयता को व्यापार देय के तहत समूहीकृत किया गया है। जब खरीद और बिक्री बुक की जाती है तो ऋण / व्यापार देय को समायोजित किया जाता है।

डी. घरेलू स्तर पर प्राप्त सोने / चांदी के संबंध में जहां मूल्य निर्धारण स्थगित किया गया है, खरीद को शुरू में आपूर्तिकर्ता से प्राप्त चालान के आधार पर गिना जाता है। मूल्य निर्धारण पर उत्पन्न होने वाले अंतर, यदि कोई हो, को डेबिट / क्रेडिट नोट के माध्यम से समायोजित किया जाता है।

ई. पुनर्भरण के आधार पर निर्यातकों को आपूर्ति किए गए सोनेध्चांदी के मामले में, मार्जिन मनी का भुगतान करके निर्यातक द्वारा बुक किए गए सोने / चांदी की खरीद, विदेशी आपूर्तिकर्ताओं के साथ कीमत तय करने के बाद बुक की जाती है। हालाँकि, बिक्री तब बुक की जाती है जब निर्यात पूरा होने के बाद निर्यातकों को मात्रा वास्तव में वितरित की जाती है।

एफ. उच्च समुद्री बिक्री

आयात के दौरान माल के स्वामित्व के दस्तावेजों के हस्तांतरण द्वारा बिक्री, अर्थात उच्च समुद्र बिक्री माल के स्वामित्व के दस्तावेजों के हस्तांतरण पर बुक की जाती है, जिस पर खरीदार माल पर नियंत्रण प्राप्त करता है और कंपनी खरीदार के पक्ष में बिक्री प्रतिफल प्राप्त करने के लिए हकदार हो जाती है। माल भारत की सीमा पार करने से पहले।

(ii) अन्य परिचालन से राजस्व

कंपनी की मुख्य गतिविधियों से संबंधित आय जो बिक्रीध्सेवाओं से राजस्व में शामिल नहीं है, उदाहरण के लिए प्रेषण अर्जित, सब्सिडी, व्यापार लेनदेन पर नुकसान के दावों, क्रेडिट बिक्री पर ब्याज और व्यापार से संबंधित अग्रिम (समय पर बकाया के अलावा) आदि, जो संबंधित व्यापार समझौतों की शर्तों के आधार पर प्राप्त होते हैं। व्यापारिक सहयोगियों या संबंधित व्यापार पर योजनाओं के आधार पर, 'अन्य परिचालन राजस्व' के तहत लेखांकन किया जाता है।

(iii) दावे

दावों को उपार्जन के आधार पर लाभ और हानि के विवरण (किसी भी देय के निवल) में मान्यता दी जाती है, जिसमें सब्सिडी, नकद प्रोत्साहन, नुकसान की प्रतिपूर्ति आदि के लिए सरकार से प्राप्तियां शामिल हैं, जब इसकी अंतिम वसूली संभव हो। मान्यता प्राप्त दावे लेकिन बाद में संदिग्ध हो जाने वाले लाभ और हानि के विवरण के माध्यम से प्रदान किए जाते हैं। बीमा दावों को बीमा कंपनी द्वारा स्वीकार किए जाने पर हिसाब लगाया जाता है। क्षतिपूर्ति / कमी / गुणवत्ताध्मात्रा आदि में कमियों सहित कमी / क्षति के दावों को प्रासंगिक अनुबंधों के प्रावधानों के अनुसार गिना जाता है। यदि मौजूदा अनुबंध में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, तो दावे की राशि की वसूली की संभावना के अलावा, पार्टी द्वारा स्वीकृति प्राप्त होने पर दावे का हिसाब लगाया जाता है। ऐसे दावों की मान्यता पर उसी पार्टी को प्राप्त अग्रिम / देय दावों आदि के विरुद्ध उसी को महसूस / सेट ऑफ किया जाएगा।

(iv) सेवा आय

सेवाओं से राजस्व तब बुक किया जाता है, जब कंपनी हकदार विचार के लिए ग्राहकों को वादा की गई सेवाओं को हस्तांतरित करके प्रदर्शन दायित्व को पूरा किया जाता है।

(v) लाभांश और ब्याज आय

निवेश से लाभांश आय तब मान्यता प्राप्त होती है जब भुगतान प्राप्त करने के लिए कंपनी का अधिकार स्थापित हो जाता है और यह संभव है कि लेनदेन से जुड़े आर्थिक लाभ कंपनी को मिलेंगे और आय की राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

ब्याज आय को समय अनुपात के आधार पर मान्यता दी जाती है, जिसमें बकाया राशि और प्रभावी ब्याज दर को ध्यान में रखा जाता है, जो वित्तीय संपत्ति के अपेक्षित जीवन के माध्यम से अनुमानित भविष्य की नकदी प्राप्तियों को वित्तीय संपत्ति की सकल वहन राशि में सटीक रूप से छूट देता है।

(vi) वास्तविक प्राप्ति पर राजस्व मान्यता

राजस्व को उपार्जन के आधार पर मान्यता दी जाती है, सिवाय निम्नलिखित मदों के, जिनका वास्तविक प्राप्ति के आधार पर लेखांकन किया जाता है, क्योंकि ऐसी मदों की यथार्थता अनिश्चित है, जो इंड एएस–115 के प्रावधानों के अनुसार है

ए) विदेशी व्यापार नीति के तहत लागू विभिन्न प्रचार योजनाओं के तहत शुल्क क्रेडिट / छूट, कर क्रेडिट, सर्वेक्षण कमी के कारण सीमा शुल्क की वापसी, और आयकर / सेवा कर / बिक्री कर / वैट / जीएसटी और उस पर ब्याज आदि की वापसी।

बी) निष्पादन के लिए लंबित डिक्री / विवादित बकाया और उस पर ब्याज, यदि कोई हो:

सी) जहाँ यथार्थता अनिश्चित है, वहाँ अतिदेय वसूली योग्य पर ब्याज।

डी) आपूर्तिकर्ताओं / हामीदारों पर परिसमापन क्षति।

## 2.5 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की एक वस्तु की लागत को एक संपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है यदि, और केवल तभी जब यह संभव है कि आइटम से जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी को मिलेंगे और आइटम की लागत को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है। पीपीई की एक वस्तु की लागत मान्यता तिथि पर समतुल्य नकद मूल्य है। पीपीई की एक वस्तु की लागत में शामिल हैं:

I) व्यापार छूट और छूटों को घटाने के बाद आयात शुल्क और अप्रतिदेय खरीद करों सहित खरीद मूल्य।

ii) पीपीई को उस स्थान और स्थिति में लाने के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार लागतें जो इसे प्रबंधन द्वारा इच्छित तरीके से संचालित करने में सक्षम होने के लिए आवश्यक है

iii) वस्तु को हटाने और हटाने और उस स्थल को बहाल करने की लागत का प्रारंभिक अनुमान जिस पर वह स्थित है, जिसके लिए कंपनी या तो तब दायित्व उठाती है जब पीपीई का अधिग्रहण किया जाता है या उस अवधि के दौरान इन्वेंट्री का उत्पादन करने के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए एक विशेष अवधि के दौरान पीपीई का उपयोग करने के परिणामस्वरूप।

कंपनी ने मान्यता के लागत मॉडल को चुना है और यह मॉडल पीपीई के पूरे वर्ग पर लागू होता है। एक संपत्ति के रूप में मान्यता के बाद, पीपीई की एक वस्तु को किसी भी संचित मूल्यह्रास और किसी भी संचित हानि के नुकसान से कम लागत पर ले जाया जाता है।

कुछ कम मूल्य की वस्तुएं जैसे कैलकुलेटर, दीवार घड़ी, रसोई के बर्तन आदि, जिनका उपयोगी जीवन बहुत सीमित है और प्रत्येक मामले में ऐसी वस्तु की लागत 2000 / – तक है, खरीद के वर्ष में सीधे राजस्व में प्रभारित की जाती है। मोबाइल हैंडसेट की लागत भी लागत की परवाह किए बिना राजस्व पर शुल्क लगाई जाती है।

## 2.6 अप्रत्यक्ष परिसंपत्तियां

पहचान योग्य अमूर्त संपत्तियों को तब मान्यता दी जाती है जब कंपनी संपत्ति को नियंत्रित करती है, यह संभव है कि संबंधित संपत्तियों के साथ अपेक्षित भविष्य के आर्थिक लाभ एक से अधिक आर्थिक अवधि के लिए कंपनी में प्रवाहित होंगे, और संपत्ति की लागत को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है। प्रारंभिक मान्यता में, अमूर्त संपत्ति को लागत पर मान्यता दी जाती है। अमूर्त संपत्तियों को सीधे आधार पर अनुमानित उपयोगी जीवन पर उस तारीख से परिशोधित किया जाता है जिस दिन वे उपयोग के लिए उपलब्ध होते हैं। सॉफ्टवेयर को अधिकतम 5 वर्ष की अवधि या लागू लाइसेंस अवधि के अनुसार, उसके उपयोगी जीवनकाल में परिशोधित किया जाता है। प्रत्येक मामले में 2,000 तक की अमूर्त संपत्ति सीधे राजस्व में प्रभारित की जाती है।

अनुसंधान से उत्पन्न कोई अमूर्त संपत्ति नहीं पहचानी जाती है और अनुसंधान पर व्यय को सीधे लाभ और हानि खाते में प्रभारित किया जाता है जब यह खर्च किया जाता है। विकास से उत्पन्न एक अमूर्त संपत्ति को मान्यता दी जाती है, यदि संपत्ति इंड एएस के अनुसार मान्यता के मानदंडों को पूरा करती है। किसी अमूर्त वस्तु पर किया गया व्यय जिसे शुरू में व्यय के रूप में मान्यता दी गई थी, उसे बाद की तारीख में किसी अमूर्त संपत्ति की लागत के हिस्से के रूप में मान्यता नहीं दी जाती है।

## 2.7 बिक्री के लिए गैर–वर्तमान संपत्तियां

कंपनी एक गैर–चालू संपत्ति (या परिसंपत्तियों के निपटान समूह) को बिक्री के लिए रखी गई संपत्ति के रूप में वर्गीकृत करती है यदि इसकी वहन राशि मुख्य रूप से बिक्री लेनदेन के माध्यम से जारी उपयोग के बजाय वसूल की जाएगी। बिक्री के लिए रखी गई गैर–चालू संपत्ति (या निपटान समूह) को इसकी वहन राशि और बेचने की लागत से कम उचित मूल्य के बीच कम पर मापा जाता है।

## 2.8 मूल्यह्रास

सीधी रेखा विधि के अनुसार मूल्यह्रास का प्रावधान निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित उपयोगी जीवन के अनुसार किया जाता है, जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–2 के तहत दिए गए मूल्यह्रास के बराबर है। प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में किसी परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन की समीक्षा की जाती है। पीपीई की प्रत्येक वस्तु का एक हिस्सा जिसकी लागत संपत्ति की कुल लागत के संबंध में महत्वपूर्ण है और यदि उस भाग का उपयोगी जीवन संपत्ति के शेष भाग से अलग हैय ऐसे महत्वपूर्ण भाग का अलग से मूल्यह्रास किया जाता है। ऐसी सभी वस्तुओं पर मूल्यह्रास उन तारीख से प्रदान किया गया है जब वे 'उपयोग के लिए उपलब्ध' हैं, बिक्री / निपटान की तारीख तक और इसमें अमूर्त संपत्तियों और पट्टे पर रखी गई संपत्तियों का परिशोधन शामिल है। स्व–अधिकार भूमि का मूल्यह्रास नहीं किया जाता है। पीपीई की एक वस्तु को निपटान पर या जब संपत्ति के निरंतर उपयोग से कोई भविष्य के आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं की जाती है, तो उसे मान्यता रद्द कर दिया जाता है।

सभी परिसंपत्तियों का अवशिष्ट मूल्य 1/– रुपये लिया जाता है। परिसंपत्तियों का उपयोगी जीवन निम्नानुसार लिया जाता है:–

| सम्पत्तियों का नाम | अनुसूची के अनुसार कंपनी द्वारा अपनाया गया उपयोगी जीवन |
|---|---|
| **ए. सामान्य संपत्ति** | |
| फर्नीचर और फिटिंग्स | 10 |
| कार्यालय उपकरण | 5 |
| वाहन – स्कूटर | 10 |
| वाहन – कार | 8 |
| कंप्यूटर – सर्वर और नेटवर्क | 6 |
| कंप्यूटर – अंतिम उपयोगकर्ता उपकरण | 3 |
| पट्टे पर ली गई | पट्टा समझौते के अनुसार |
| वैगन रेक समझौते / वैगन निवेश योजना के अनुसार | |
| पंखों को छोड़कर विद्युत संस्थापनाएँ | 10 |
| जल आपूर्ति, सीवरेज और जल निकासी | 5 |
| सड़कों | |
| कार्पेटेड सड़कें – आरसीसी | 10 |
| कार्पेटेड सड़कें – आरसीसी के अलावा | 5 |
| गैर कालीन सड़कें | 3 |
| पुलिया | 30 |
| भवन | |
| आरसीसी | 60 |
| आरसीसी के अलावा | 30 |
| आवासीय फ्लैट (रेडी बिल्ट) | |
| आरसीसी | 60 |
| आरसीसी के अलावा | 30 |
| अस्थायी संरचना और लकड़ी का विभाजन | 3 |
| वेयरहाउस / गोदाम | 30 |
| **बी. विनिर्माण इकाई की संपत्ति** | |
| कारखाना भवन | 30 |
| पंखों को छोड़कर इलेक्ट्रॉनिक इंस्टॉलेशन | 10 |
| जल आपूर्ति, सीवरेज और जल निकासी | 5 |
| संयंत्र और मशीनरी | |
| एकल शिफ्ट | 15 |
| दोहरी शिफ्ट | 10 |
| ट्रिपल शिफ्ट | 7.5 |
| संयंत्र और मशीनरी– पवन ऊर्जा उत्पादन संयंत्र | 22 |
| **सी. भूमि पर बनाई गई स्थायी संपत्तियां और न तो स्थायी संपत्ति और न ही भूमि कंपनी की है** | 5 |
| **घ. अमूर्त संपत्ति का परिशोधन** | |
| सॉफ्टवेयर | 5 साल या लागू होने वाली लाइसेंस अवधि |

**2.9 क्षति**

यदि किसी परिसंपत्ति (या नकदी–उत्पादक इकाई) की वसूली योग्य राशि उसकी वहन राशि से कम होने का अनुमान है, तो परिसंपत्ति (या नकदी–उत्पादक इकाई) की वहन राशि को उसकी वसूली योग्य राशि तक कम कर दिया जाता है। एक हानि हानि को लाभ या हानि में तुरंत मान्यता दी जाती है, जब तक कि प्रासंगिक संपत्ति को पुनर्मूल्यांकन राशि पर नहीं ले जाया जाता है, इस मामले में हानि हानि को पुनर्मूल्यांकन कमी के रूप में माना जाता है।

वसूली योग्य राशि उचित मूल्य में से निपटान की लागत और उपयोग में मूल्य में से अधिक है। उपयोग में मूल्य का आकलन करने में, अनुमानित भावी नकदी प्रवाह को कर–पूर्व छूट दर का उपयोग करके उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है, जो धन के समय मूल्य के वर्तमान बाजार मूल्यांकन और परिसंपत्ति के लिए विशिष्ट जोखिमों को दर्शाती है, जिसके लिए भावी नकदी प्रवाह के अनुमानों को समायोजित नहीं किया गया है।

जब एक हानि बाद में उलट जाती है, तो संपत्ति (या नकदी–उत्पादक इकाई) की वहन राशि को उसकी पुनर्प्राप्त राशि के संशोधित अनुमान में बढ़ाया जाता है, ताकि बढ़ी हुई वहन राशि वह वहन राशि से अधिक न हो जो निर्धारित की गई होती यदि पूर्व वर्षों में संपत्ति (या नकदी–उत्पादक इकाई) के लिए कोई हानि मान्यता नहीं दी गई होती। हानि के उत्क्रमण को लाभ या हानि में तुरंत मान्यता दी जाती है, जब तक कि संबंधित संपत्ति को पुनर्मूल्यांकित राशि पर नहीं ले जाया जाता है, इस मामले में हानि के उत्क्रमण को पुनर्मूल्यांकन वृद्धि के रूप में माना जाता है।

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, कंपनी अपनी मूर्त, अमूर्त संपत्तियों की वहन राशि की समीक्षा करती है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या कोई संकेत है कि उन संपत्तियों को हानि हुई है। यदि ऐसी कोई संभावना प्रतीत होती है तो, क्षत नुकसान (यदि कोई हो तो) की सीमा के परिनिर्धारण के लिए उस परिसंपत्ति का प्राप्ययोग्य राशि का अनुमान लगाया जाता है। जब किसी व्यक्तिगत संपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाना संभव नहीं होता है, तो कंपनी उस नकदी–उत्पादक इकाई की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है जिससे संपत्ति संबंधित है। अनिश्चित उपयोगी जीवन वाली अमूर्त संपत्तियां और अमूर्त संपत्तियां जो अभी तक उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें कम से कम वार्षिक रूप से और जब भी कोई संकेत मिलता है कि संपत्ति को क्षत–विक्षत किया जा सकता है, पर इम्पेयरमेंट के लिए परीक्षण किया जाता है।

### वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

लाभ और हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्य पर अन्य वित्तीय संपत्तियों का मूल्यांकन प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में हानि के संकेतकों के लिए किया जाता है। वित्तीय परिसंपत्तियों को तब खराब माना जाता है जब वस्तुनिष्ठ साक्ष्य होता है कि, वित्तीय परिसंपत्ति की प्रारंभिक मान्यता के बाद हुई एक या अधिक घटनाओं के परिणामस्वरूप, निवेश के अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह प्रभावित हुए हैं। बिक्री के लिए उपलब्ध (एएफएस) इक्विटी निवेश के लिए, सुरक्षा के उचित मूल्य में उसकी लागत से नीचे एक महत्वपूर्ण या लंबे समय तक गिरावट को हानि का वस्तुनिष्ठ प्रमाण माना जाता है।

- अन्य सभी वित्तीय संपत्तियों के लिए, हानि के उद्देश्यपूर्ण साक्ष्य में शामिल हो सकते
- जारीकर्ता या प्रतिपक्ष की महत्वपूर्ण वित्तीय कठिनाई
- अनुबंध का उल्लंघन, जैसे ब्याज या मूलधन भुगतान में चूक या अपराध

यह संभव हो रहा है कि उधारकर्ता दिवालियापन या वित्तीय पुनर्गठन में प्रवेश करेगाय या वित्तीय कठिनाइयों के कारण उस वित्तीय संपत्ति के लिए सक्रिय बाजार का गायब हो जाना।

कुछ श्रेणियों की वित्तीय संपत्तियों के लिए, जैसे कि व्यापार प्राप्य, परिसंपत्तियों का मूल्यांकन व्यक्तिगत आधार पर किया जाता है। प्राप्य के पोर्टफोलियो के लिए हानि के उद्देश्य से साक्ष्य में भुगतान एकत्र करने के लिए कंपनी के पिछले अनुभव, शून्य दिनों की औसत क्रेडिट अवधि से पहले पोर्टफोलियो में विलंबित भुगतान की संख्या में वृद्धि, साथ ही राष्ट्रीय या स्थानीय आर्थिक स्थितियों में अवलोकन योग्य परिवर्तन शामिल हो सकते हैं जो प्राप्य पर डिफॉल्ट से संबंधित हैं।

वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए जो लागत पर ले जा रहे हैं, हानि की राशि को एक समान वित्तीय परिसंपत्ति के लिए वर्तमान बाजार दर पर छूट पर अनुमानित भविष्य नकदी प्रवाह के वर्तमान मूल्य और संपत्ति की वहन राशि के बीच अंतर के रूप में मापा जाता है। इस तरह की हानि हानि बाद की अवधि में उलट नहीं होगी

वित्तीय परिसंपत्ति की वहन राशि को व्यापार प्राप्य को छोड़कर सभी वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए सीधे हानि से कम कर दिया जाता हैय इस तरह की हानि को संबंधित वित्तीय परिसंपत्ति के लिए एक भत्ता खाते के उपयोग के माध्यम से कम कर दिया जाता है। जब किसी व्यापार प्राप्य को असंग्रहणीय माना जाता है, तो इसे भत्ता खाते के विरुद्ध बट्टे खाते में डाल दिया जाता है। पहले बट्टे खाते में डाले गए धन की बाद की वसूली को भत्ते खाते में जमा किया जाता है। भत्ते खाते की वहन राशि में परिवर्तन लाभ या हानि में पहचाना जाता है।

अमॉर्टाइज्ड लागत पर मापी गई वित्तीय संपत्तियों के लिए, यदि, बाद की अवधि में, हानि की राशि कम हो जाती है और कमी को एक घटना के बाद घटित होने से वस्तुनिष्ठ रूप से संबंधित किया जा सकता है, तो पहले से मान्यता प्राप्त हानि को लाभ या हानि के माध्यम से उस हद तक उलट दिया जाता है जब हानि को उलट दिया जाता है। निवेश की वहन राशि उस तारीख को नहीं होती है जब हानि को उलट दिया जाता है, जो कि वह होती जो अमोर्तिज्ड लागत होती यदि हानि को मान्यता नहीं दी जाती।

### वित्तीय परिसंपत्तियों की अस्वीकृति

कंपनी एक वित्तीय संपत्ति को तब पुनरू मान्यता देती है जब संपत्ति से नकदी प्रवाह के संविदात्मक अधिकार समाप्त हो जाते हैं, या जब वह वित्तीय संपत्ति और संपत्ति के स्वामित्व के लगभग सभी जोखिमों और पुरस्कारों को किसी अन्य पक्ष को हस्तांतरित कर देती है। यदि कंपनी न तो हस्तांतरित संपत्ति के स्वामित्व के सभी जोखिमों और पुरस्कारों को हस्तांतरित करती है और न ही बरकरार रखती है और हस्तांतरित संपत्ति को नियंत्रित करना जारी रखती है, तो कंपनी संपत्ति में अपने बरकरार हित को पहचानती है और संबंधित देनदारी के लिए भुगतान करना पड़ सकता है। यदि कंपनी हस्तांतरित वित्तीय संपत्ति के स्वामित्व के लगभग सभी जोखिमों और पुरस्कारों को बरकरार रखती है, तो कंपनी वित्तीय संपत्ति को पहचानना जारी रखती है और प्राप्त आय के लिए संपार्श्विक उधार को भी पहचानती है।

किसी वित्तीय संपत्ति की संपूर्णता में पुनः मान्यता पर, संपत्ति की वहन राशि और प्राप्त और प्राप्य प्रतिफल की राशि और अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त संचयी लाभ या हानि और इक्विटी में संचित के बीच का अंतर लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त है।

### 2.10 उधार लागत

कंपनी उधार लेने की लागत को पूंजीकृत करती है जो सीधे संपत्ति के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन के लिए योग्य संपत्ति के हिस्से के रूप में लागत के रूप में जिम्मेदार है।

कंपनी अन्य उधार लागतों को उस अवधि में एक व्यय के रूप में पहचानती है जिसमें वह उन्हें वहन करती है।

एक अर्हता प्राप्त संपत्ति एक ऐसी संपत्ति है जिसे अपने इच्छित उपयोग या बिक्री के लिए तैयार होने में आवश्यक रूप से पर्याप्त समय लगता है।

### 2.11 विदेशी मुद्रा अनुवाद

कार्यात्मक मुद्रा के अलावा अन्य मुद्राओं में लेनदेन को लेनदेन की तारीखों पर प्रचलित विनिमय दरों पर मान्यता दी जाती है।

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, विदेशी मुद्राओं में नामित मौद्रिक वस्तुओं को उस तारीख पर प्रचलित दरों पर पुनः अनुवादित किया जाता है। निष्पक्ष मूल्य पर ले जाने वाली गैर–मौद्रिक वस्तुएं जो विदेशी मुद्राओं में अंकित हैं, को उस तारीख को प्रचलित दरों पर पुनरू अनुवादित किया जाता है जब उचित मूल्य निर्धारित किया गया था। गैर–मौद्रिक वस्तुएं जिन्हें विदेशी मुद्रा में ऐतिहासिक लागत के संदर्भ में मापा जाता है, उन्हें पुनरू अनुवादित नहीं किया जाता है।

विदेशी मुद्रा मौद्रिक वस्तुओं (अतिदेय वसूली योग्य को छोड़कर जहां यथार्थता अनिश्चित है) को इंड एएस–21 में परिभाषित समापन दर का उपयोग करके परिवर्तित किया जाता है। गैर–मौद्रिक मदों को लेनदेन की तारीख पर विनिमय दर का उपयोग करके रिपोर्ट किया जाता है। विनिमय अंतर लाभ/हानि को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

स्थिर परिसंपत्तियों के अधिग्रहण से संबंधित विदेशी मुद्रा में देयता को समापन दर का उपयोग करके परिवर्तित किया जाता है। विनिमय में अंतर लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है।

### 2.12 भंडार

इन्वेंटरी को लागत और शुद्ध वसूली योग्य मूल्य में से जो भी कम हो, उस पर दर्शाया जाता है। शुद्ध प्राप्य मूल्य इन्वेंट्री के लिए अनुमानित विक्रय मूल्य को पूरा करने की सभी अनुमानित लागतों और बिक्री करने के लिए आवश्यक लागतों से कम दर्शाता है। लागत और मूल्यांकन के निर्धारण की विधि निम्नानुसार है:

ए) **निर्यातः**

(i) निर्यात स्टॉक की लागत स्टॉक के उस बिंदु तक किए गए प्रत्यक्ष खर्चों को शामिल करने के बाद आती है। इसी प्रकार, वसूली योग्य मूल्य बाजार मूल्य से उस बिंदु से उस चरण तक किए जाने वाले खर्चों को घटाकर प्राप्त किया जाता है जहां उन्हें बेचा जाता है।

(ii) खनिज अयस्कों के संबंध में, अयस्कों का वास्तविक मूल्य निर्यात अनुबंध के अनुसार अयस्क के ग्रेड की एफई/एमएन सामग्री की न्यूनतम दर पर काम किया जाता है और अयस्क की भारित औसत एफई/एमएन सामग्री/भारित औसत नमी सामग्री पर तुलना की जाती है। लौह अयस्क के एम्बेडेड स्टॉक को इन्वेंट्री से बाहर रखा गया है और इसलिए इसका मूल्यांकन नहीं किया गया है।

बी) **आयातः**

(i) आयातित स्टॉक की लागत गैर–लौह धातुओं को छोड़कर वार्षिक क्षेत्रीय भारित औसत लागत की गणना करके निकाली जाती है, जहां सभी खर्चों को शामिल करने के बाद शेष स्टॉक की भारित औसत लागत पर विचार किया जाता है। हालाँकि, जहाँ स्टॉक विशेष रूप से पहचान योग्य हैं, वहाँ सामग्री की वास्तविक लागत जिसमें उन बिंदुओं तक किए गए सभी खर्च शामिल हैं, जिन पर वे पड़े हैं, पर विचार किया जाता है।

(ii) पुनर्भरण विकल्प के तहत निर्यातकों द्वारा बुकिंग के एवज में विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से खरीदा गया सोना/चांदी और वर्ष के अंत में वितरित नहीं किया गया कंपनी के स्टॉक के रूप में दिखाया गया है और लागत पर मूल्यवान है।

सी) **घरेलूः**

(i) सोने/चांदी के पदक और चांदी की वस्तुओं की लागत सामग्री की वार्षिक स्थान–वार भारित औसत लागत और शुरुआती स्टॉक की लागत की गणना करके निकाली जाती है। लागत में विनिर्माण/निर्माण शुल्क, अपव्यय और अन्य प्रत्यक्ष लागत शामिल हैं।

(iii कट और पॉलिश किए गए पत्थरों और आभूषणों (तैयार/अर्ध–तैयार) के मामले में जहां स्टॉक विशेष रूप से पहचान योग्य हैं, वहां स्टॉक के बिंदु तक किए गए सभी खर्चों सहित सामग्री की वास्तविक लागत पर विचार किया जाता है। लागत में अपव्यय और अन्य प्रत्यक्ष विनिर्माण लागत शामिल हैं।

क) पैकिंग सामग्री

पैकिंग सामग्री का मूल्य लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य में से कम है।

म) फैब्रिकेटर्स के साथ स्टॉक

फैब्रिकेटर्स के साथ स्टॉक को समायोजन तक कंपनी के स्टॉक के रूप में लिया जाता है।

### 2.13 प्रावधानों

प्रावधान तब पहचाने जाते हैं जब कंपनी के पास पिछली घटना के परिणामस्वरूप एक वर्तमान दायित्व (कानूनी या रचनात्मक) होता है, यह संभव है कि दायित्व को निपटाने के लिए आर्थिक लाभों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी और दायित्व की राशि का एक विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है।

### 2.14 आकस्मिक देनदारियां/परिसंपत्तियां

<u>आकस्मिक देयताएं</u>

आकस्मिक देनदारियों को मान्यता नहीं दी जाती है, लेकिन जब कंपनी पर पिछली घटनाओं के कारण संभावित दायित्व होता है और दायित्व का अस्तित्व भविष्य की घटनाओं के घटित होने या न होने पर निर्भर करता है जो कंपनी के पूर्ण नियंत्रण में नहीं है, तो लेखांकन के लिए टिप्पणियों में प्रकट किया जाता है।

आकस्मिक देनदारियों का लगातार आकलन किया जाता है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि आर्थिक संसाधनों का बहिर्वाह संभावित हो गया है या नहीं। यदि बहिर्वाह संभावित हो जाता है तो वित्तीय विवरणों में सापेक्ष प्रावधान को मान्यता दी जाती है।

जहां कोई इकाई संयुक्त रूप से और अलग–अलग रूप से किसी दायित्व के लिए उत्तरदायी है, तो दायित्व का वह हिस्सा जो अन्य पक्षों द्वारा पूरा किए जाने की उम्मीद है, उसे आकस्मिक दायित्व माना जाता है। संस्था दायित्व के उस हिस्से के लिए एक प्रावधान को मान्यता देती है जिसके लिए आर्थिक लाभ को मूर्त रूप देने वाले संसाधनों का बहिर्वाह संभव है, सिवाय अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में जहां कोई विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, आकस्मिक देनदारियों को खातों के सामान्य नोट्स में प्रकट किया जाता है

आकस्मिक संपत्ति

आकस्मिक परिसंपत्तियां को वित्तीय विवरणों में मान्यता नहीं दी जाती है। ऐसी आकस्मिक संपत्तियों का लगातार मूल्यांकन किया जाता है और जब आर्थिक लाभ का प्रवाह संभावित हो जाता है तो नोट्स में इसका खुलासा किया जाता है। यदि यह वस्तुतः निश्चित है कि आर्थिक लाभ का प्रवाह उत्पन्न होगा तो ऐसी संपत्तियां और सापेक्ष आय वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त होगी।

## 2.15 पट्टे

पट्टे के तहत रखी गई संपत्ति को वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि यह अंतर्निहित संपत्ति के स्वामित्व के लिए प्रासंगिक सभी जोखिमों और पुरस्कारों को हस्तांतरित करती है।

पट्टे के तहत रखी गई संपत्ति को एक परिचालन पट्टा के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि यह अंतर्निहित संपत्ति के स्वामित्व के लिए प्रासंगिक सभी जोखिमों और पुरस्कारों को हस्तांतरित नहीं करता है।

कंपनी सामान्य रूप से परिचालन पट्टों में प्रवेश करती है जिन्हें निम्नानुसार गिना जाता है:–

(i) परिचालन पट्टों से किराये की आय को सीधे–रेखा आधार पर या प्रासंगिक पट्टे की अवधि के दौरान किसी अन्य व्यवस्थित आधार पर मान्यता दी जाती है।

(ii) जहां कंपनी पट्टेदार है, प्रारंभ तिथि पर परिसंपत्तियों के उपयोग का अधिकार लागत पर मान्यता प्राप्त है और पट्टे के भुगतान का वर्तमान मूल्य जो भुगतान नहीं किया जाता है, पट्टे की देनदारी के रूप में मान्यता प्राप्त है। इसके बाद, उपयोग के अधिकार की संपत्ति को लागत मॉडल का उपयोग करके मापा जाता है जिसमें पट्टे की देनदारी के पुनर्मूल्यांकन के लिए आवश्यक किसी भी समायोजन के साथ पट्टे की देनदारी पर ब्याज को दर्शाने के लिए वहन राशि को बढ़ाकर पट्टे की देनदारी को मापा जाता है, पट्टे के भुगतान को दर्शाने के लिए वहन राशि को कम किया जाता है और पट्टे के किसी भी पुनर्मूल्यांकन या पट्टे के संशोधनों को दर्शाने के लिए वहन राशि को फिर से मापा जाता है।

(iii) एक व्यावहारिक सुविधा के रूप में, अल्पकालिक पट्टे और पट्टे जिनके लिए अंतर्निहित संपत्ति का मूल्य 1,00,000/– प्रति माह या 12,00,000/– प्रति वर्ष तक कम है, को इंड एएस–116 (पट्टे) के तहत दिए गए प्रावधानों के अनुसार मान्यता नहीं दी जाती है और पट्टे की अवधि के दौरान सीधे आधार पर एक व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है।

## 2.16 कर्मचारी लाभ

(i) ग्रेच्युटी, अवकाश क्षतिपूर्ति और लंबी सेवा लाभों, अर्थात सेवा पुरस्कार, अनुकंपा ग्रेच्युटी, कर्मचारी परिवार लाभ योजना और एमआईसीए विभाग के कर्मधारियों को विशेष लाभ का प्रावधान अनुमानित यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करके बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है। पुनः मापन, जिसमें बीमांकिक लाभ और हानि, परिसंपत्ति सीमा में परिवर्तन का प्रभाव (यदि लागू हो) और योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (ब्याज को छोड़कर) शामिल है, वित्तीय स्थिति के विवरण में तुरंत एक प्रभार या क्रेडिट के साथ दिखाई देता है, जो उस अवधि में अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त होता है जिसमें वे घटित होते हैं। अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त पुनर्मूल्यांकन तत्काल प्रतिधारित आय में परिलक्षित होता है और इसे लाभ या हानि के विवरण में पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा और योजना संशोधन, कटौती और निपटान के कारण किसी भी परिवर्तन को वर्तमान सेवा लागत, शुद्ध ब्याज, पिछले सेवा लागत या निपटान के लिए लाभहानि आदि के निर्धारण के लिए माना जाता है।

(ii) सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ का प्रावधान परिभाषित अंशदान के आधार पर किया जाता है।

(iii) भविष्य निधि अंशदान प्रोविडेंट फंड ट्रस्ट को उपार्जन आधार पर किया जाता है।

(iv) पूर्व–अनुग्रह राशि का भुगतान और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर नोटिस भुगतान उस वर्ष के राजस्व में प्रभारित किया जाता है।

(v) सुपरएनुएशन पेंशन लाभ, एक परिभाषित अंशदान योजना भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा प्रशासित है। कंपनी प्रत्येक पात्र कर्मचारी के वेतन के एक निर्दिष्ट प्रतिशत के आधार पर योगदान करती है।

### अल्पकालिक कर्मचारी लाभ दायित्व

अल्पकालिक कर्मचारी लाभ दायित्वों को बिना छूट के आधार पर मापा जाता है और संबंधित सेवा प्रदान किए जाने पर व्यय के रूप में दर्ज किया जाता है। पीआरपी योजना के तहत भुगतान की जाने वाली अपेक्षित राशि के लिए एक देयता को मान्यता दी जाती है, यदि कर्मचारी द्वारा प्रदान की गई पिछली सेवा के परिणामस्वरूप कंपनी का इस राशि का भुगतान करने का वर्तमान कानूनी या रचनात्मक दायित्व है और दायित्व का विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है।

## 2.17 करारोपण

**आयकर व्यय वर्तमान में देय कर और विलंबित कर के योग को दर्शाता है।**

### वर्तमान कर

वर्तमान में देय कर वर्ष के लिए कर योग्य लाभ पर आधारित है। कर योग्य लाभ लाभ या हानि के विवरण में बताए गए श्कर से पहले

लाभ और अन्य व्यापक आयध्लाभ या हानि के विवरण से भिन्न होता है क्योंकि आय या व्यय की वस्तुएं अन्य वर्षों में कर योग्य या कटौती योग्य होती हैं और आय या व्यय की वस्तुएं कभी भी कर योग्य या कटौती योग्य नहीं होती हैं। कंपनी का वर्तमान कर उन कर दरों का उपयोग करके गणना की जाती है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक लागू की गई हैं या पर्याप्त रूप से लागू की गई हैं।

**आस्थगित कर**

स्थगित कर को वित्तीय विवरणों में परिसंपत्तियों और देनदारियों की वहन राशि और कर योग्य लाभ की गणना में उपयोग किए जाने वाले संबंधित कर आधारों के बीच अस्थायी अंतर पर मान्यता दी जाती है। आस्थगित कर देनदारियों को आम तौर पर सभी कर योग्य अस्थायी अंतरों के लिए मान्यता दी जाती है। आस्थगित कर संपत्तियों को आम तौर पर सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतरों के लिए मान्यता दी जाती है, जिस हद तक यह संभव है कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होंगे, जिनके खिलाफ उन कटौती योग्य अस्थायी अंतरों का उपयोग किया जा सकता है। ऐसी स्थगित कर संपत्तियां और देनदारियां तब नहीं पहचानी जाती हैं जब अस्थायी अंतर किसी ऐसे लेनदेन में संपत्ति और देनदारियों की प्रारंभिक मान्यता से उत्पन्न होता है जो न तो कर योग्य लाभ और न ही लेखांकन लाभ को प्रभावित करता है। इसके अलावा, यदि अस्थायी अंतर सद्भावना की प्रारंभिक मान्यता से उत्पन्न होता है तो आस्थगित कर देनदारियों को मान्यता नहीं दी जाती है।

स्थगित कर देनदारियों को सहायक और सहयोगियों में निवेश और संयुक्त उद्यमों में ब्याज से जुड़े कर योग्य अस्थायी अंतर के लिए मान्यता दी जाती है, सिवाय जहां कंपनी अस्थायी अंतर के उत्क्रमण को नियंत्रित करने में सक्षम है और यह संभव है कि अस्थायी अंतर निकट भविष्य में नहीं होगा। ऐसे निवेशों और हितों से जुड़े कटौती योग्य अस्थायी अंतरों से उत्पन्न आस्थगित कर परिसंपत्तियां केवल उस सीमा तक मान्यता प्राप्त हैं, जहां तक यह संभव है कि पर्याप्त कर योग्य लाभ होंगे, जिनके विरुद्ध अस्थायी अंतरों के लाभों का उपयोग किया जाएगा और उनसे निकट भविष्य में उलट होने की उम्मीद है।

विलंबित कर परिसंपत्तियों की पिछली शेष की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में की जाती है तथा इसे उस सीमा तक घटा दी जाती है कि परिसंपत्तियों को संपूर्ण या इसके अंश की वसूली किए जाने के लिए पर्याप्त करयोग्य लाभ उपलब्ध रहने की संभावना अधिक न रहे।

आस्थगित कर देनदारियों और परिसंपत्तियों को उस कर दरों पर मापा जाता है जो उस अवधि में लागू होने की उम्मीद की जाती है जिसमें देयता का निपटान किया जाता है या संपत्ति की वसूली की जाती है, जो कर दरों और कर कानूनों के आधार पर होती है जो कि अधिनियमित या पर्याप्त रूप से अधिनियमित की गई हैं। रिपोर्टिंग अवधि।

**वर्ष के लिए वर्तमान और आस्थगित कर**

वर्तमान और आस्थगित कर को लाभ या हानि में मान्यता दी जाती है, सिवाय तब जब वे उन मदों से संबंधित हों जो अन्य व्यापक आय में या सीधे इक्विटी में मान्यता प्राप्त हैं, इस मामले में, वर्तमान और आस्थगित कर को अन्य व्यापक आय में या सीधे इक्विटी में भी मान्यता दी जाती है। जहां व्यवसाय समिश्रण के लिए प्रारंभिक लेखाकरण से वर्तमान अथवा विलंबित कर उत्पन्न होते हैं वहां व्यवसाय समिश्रण के लिए लेखाकरण में टैक्स के प्रभाव को शामिल किया जाता है।

<u>लाभांश वितरण कर</u>

कंपनी अन्य इक्विटी के तहत लाभांश के भुगतान पर देय लाभांश वितरण कर को मान्यता दे रही है, क्योंकि वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के परिणामस्वरूप देय लाभांश भी अन्य इक्विटी के तहत प्रस्तुत किया जाता है।

<u>आयकर उपचार पर अनिश्चितता</u>

कंपनी कर योग्य लाभ (या हानि), कर आधार, अप्रयुक्त कर नुकसान, अप्रयुक्त कर क्रेडिट और कर दरों का निर्धारण करते समय, जब इंड एएस 12 के तहत आयकर उपचारों पर अनिश्चितता होती है, तो कंपनी आयकर अधिकारियों द्वारा समान उपचार स्वीकार करने की संभावना पर विचार कर रही है और प्रारंभिक आवेदन पर इक्विटी को समायोजित किए बिना तुलनात्मक रूप से समायोजित किए बिना संचयी प्रभाव के साथ इस समायोजन के कारण कोई भी परिवर्तन।

## 2.18 निवेश संपत्ति

निवेश संपत्तियां ऐसी संपत्तियां हैं जो किराए अर्जित करने औरध्या पूंजी की सराहना के लिए रखी जाती हैं (ऐसे उद्देश्यों के लिए निर्माण के तहत संपत्ति सहित)। निवेश संपत्तियों को शुरू में लागत पर मापा जाता है, जिसमें लेनदेन लागत भी शामिल है। किराया अर्जित करने या पूंजीगत मूल्य वृद्धि के उद्देश्यों के लिए परिचालन पट्टों के तहत रखी गई कंपनी की सभी संपत्ति हित निवेश संपत्तियों के रूप में मानी जाती हैं। प्रारंभिक मान्यता के बाद, कंपनी लागत पर निवेश संपत्ति को मापती है।

निपटान पर या जब निवेश संपत्ति को स्थायी रूप से उपयोग से वापस ले लिया जाता है और निपटान से भविष्य के आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं की जाती है तो एक निवेश संपत्ति को मान्यता दी जाती है। संपत्ति की पुनरू मान्यता पर उत्पन्न कोई भी लाभ या हानि (निवल निपटान आय और संपत्ति की वहन राशि के बीच अंतर के रूप में गणना की जाती है) उस अवधि में लाभ या हानि में शामिल है जिसमें संपत्ति को पुनरू मान्यता दी जाती है।

निवेश संपत्तियों का मूल्यह्रास उस संपत्ति के वर्ग के अनुसार किया जाता है जिससे वह संबंधित है और कंपनी में उसी वर्ग की संपत्ति के लिए जीवन की कल्पना की जाती है।

## 2.19 प्रति शेयर आय

एक बुनियादी प्रति इक्विटी आय की गणना कंपनी के इक्विटी धारकों के लिए जिम्मेदार शुद्ध लाभ को अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है। प्रति इक्विटी शेयर पतला आय की गणना कंपनी के इक्विटी धारकों के लिए जिम्मेदार शुद्ध लाभ को प्रति इक्विटी शेयर बुनियादी आय प्राप्त करने के लिए विचार किए गए इक्विटी शेयरों की भारित औसत

संख्या और सभी पतला संभावित इक्विटी शेयरों के रूपांतरण पर जारी किए जा सकने वाले इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है। डिल्यूटिव पोटेंशियल इक्विटी शेयरों को प्राप्य आय के लिए समायोजित किया जाता है यदि इक्विटी शेयर वास्तव में उचित मूल्य (यानी बकाया इक्विटी शेयरों का औसत बाजार मूल्य) पर जारी किए गए होते। विलयकारी इक्विटी शेयरों को बाद की तारीख पर जारी किए जाने तक, अवधि की शुरुआत के रूप में परिवर्तित माना जाता है। प्रत्येक अवधि के लिए स्वतंत्र रूप से डिल्यूटिव संभावित इक्विटी शेयरों का निर्धारण किया जाता है।

किसी भी शेयर विभाजन और बोनस शेयर जारी करने के लिए प्रस्तुत सभी अवधियों के लिए इक्विटी शेयरों और संभावित रूप से कमजोर इक्विटी शेयरों की संख्या को पूर्वव्यापी रूप से समायोजित किया जाता है, जिसमें निदेशक मंडल द्वारा वित्तीय विवरणों की मंजूरी से पहले किए गए परिवर्तन भी शामिल हैं।

## 2.20 बंद किए गए कार्य

एक बंद परिचालन कंपनी के व्यवसाय का एक घटक है जो व्यवसाय की एक अलग लाइन का प्रतिनिधित्व करता है जिसे बिक्री के लिए बेचा गया है या रखा गया है, या पुनर्विक्रय के उद्देश्य से विशेष रूप से अधिग्रहित एक सहायक है। निरस्त किए गए ऑपरेशन के रूप में वर्गीकरण निपटान से पहले या जब ऑपरेशन बिक्री के लिए वर्गीकृत होने के मानदंडों को पूरा करता है, तब होता है।

## 2.21 वित्तीय उपकरण

i) गैर–व्युत्पन्न वित्तीय उपकरण

गैर–व्युत्पन्न वित्तीय साधनों में शामिल हैं:

- वित्तीय परिसंपत्तिया, जिसमें नकदी और नकदी समकक्ष, व्यापार प्राप्य, बिना बिल वाले राजस्व, वित्त पट्टा प्राप्य, कर्मचारी और अन्य अग्रिम, इक्विटी और ऋण प्रतिभूतियों में निवेश और पात्र वर्तमान और गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां शामिल हैं।
- वित्तीय देनदारियां, जिसमें दीर्घकालिक और अल्पकालिक ऋण और उधार, बैंक ओवरड्राफ्ट, व्यापार देय, पात्र वर्तमान और गैर–वर्तमान देनदारियां शामिल हैं।

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों को ऑफसेट किया जाता है और शुद्ध राशि बैलेंस शीट में प्रस्तुत की जाती है यदि वर्तमान में मान्यता प्राप्त राशियों को ऑफसेट करने का कानूनी अधिकार लागू करने योग्य है और परिसंपत्तियों को साकार करने और देनदारियों को एक साथ निपटाने के लिए शुद्ध आधार पर निपटान करने का इरादा है।

गैर–व्युत्पन्न वित्तीय उपकरण शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता प्राप्त होते हैं, साथ ही वित्तीय परिसंपत्तियों के मामले में एफवीटीपीएल पर दर्ज नहीं किए गए हैं, वित्तीय परिसंपत्ति के अधिग्रहण के लिए जिम्मेदार लेनदेन लागत। वित्तीय परिसंपत्तियों को तब मान्यता रद्द कर दी जाती है जब वित्तीय परिसंपत्ति के स्वामित्व के पर्याप्त जोखिम और पुरस्कार हस्तांतरित कर दिए जाते हैं। ऐसे मामलों में जहां वित्तीय परिसंपत्तियों के स्वामित्व के पर्याप्त जोखिम और पुरस्कार न तो हस्तांतरित किए जाते हैं और न ही बनाए रखे जाते हैं, वित्तीय परिसंपत्तियों को केवल तभी मान्यता दी जाती है जब कंपनी ने वित्तीय परिसंपत्ति पर नियंत्रण बरकरार नहीं रखा है।

प्रारंभिक मान्यता के बाद, गैर–व्युत्पन्न वित्तीय उपकरणों को नीचे वर्णित रूप से मापा जाता है:

ए) नकद और नकदी समकक्ष

नकदी प्रवाह विवरण के प्रयोजनों के लिए, नकदी और नकदी समकक्षों में बैंकों में नकदी और बैंकों के साथ मांग जमा, बकाया बैंक ओवरड्राफ्ट के अलावा शामिल हैं जो मांग पर चुकाए जाते हैं और कंपनी की नकदी प्रबंधन प्रणाली का हिस्सा माना जाता है। वित्तीय स्थिति के विवरण में, बैंक ओवरड्राफ्ट को वर्तमान देनदारियों के भीतर उधार के तहत प्रस्तुत किया जाता है।

बी) तरल म्यूचुअल फंड, इक्विटी प्रतिभूतियों (सहायक, संयुक्त उद्यम और सहयोगियों के अलावा) में निवेश का मूल्यांकन उनके उचित मूल्य पर किया जाता है। इन निवेशों को उचित मूल्य और उसमें परिवर्तन पर मापा जाता है, अन्य के अलावा क्षति नुकसान, अन्य व्यापक आय में पहचाना जाता है और करों के शुद्ध के भीतर इक्विटी के भीतर प्रस्तुत किया जाता है। यदि कोई हानि है, तो उसे इक्विटी से आय के विवरण में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है। जब बिक्री के लिए उपलब्ध वित्तीय संपत्ति को मान्यता रद्द कर दी जाती है, तो इक्विटी में मान्यता प्राप्त संबंधित संचयी लाभ या हानि को आय के विवरण में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

सी) ऋण और प्राप्य

ऋण और प्राप्य निश्चित या निर्धारित भुगतान वाली गैर–व्युत्पन्न वित्तीय संपत्तियां हैं जो सक्रिय बाजार में उद्धृत नहीं की जाती हैं। उन्हें चालू परिसंपत्तियों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, सिवाय उन परिसंपत्तियों के जो रिपोर्टिंग तिथि के बाद 12 महीने से अधिक समय में परिपक्व होती हैं, जिन्हें गैर–चालू परिसंपत्तियों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। ऋण और प्राप्य को शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है, साथ ही वित्तीय परिसंपत्तियों के मामले में एफवीटीपीएल पर दर्ज नहीं किया जाता है, वित्तीय परिसंपत्ति के अधिग्रहण के लिए जिम्मेदार लेनदेन लागत, हालांकि व्यापार प्राप्य जिसमें महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक शामिल नहीं है, को लेनदेन मूल्य पर मापा जाता है और बाद में प्रभावी ब्याज विधि का उपयोग करके परिशोधित लागत पर मापा जाता है, किसी भी हानि को कम करके। ऋण और प्राप्य में व्यापार प्राप्य, बिना बिल वाले राजस्व और अन्य परिसंपत्तियां शामिल हैं।

कंपनी ऐतिहासिक भुगतान पैटर्न, ग्राहक सांद्रता, ग्राहक क्रेडिट–योग्यता और वर्तमान आर्थिक रुझानों का विश्लेषण करके प्राप्य खातों की गैर–संग्रहणीयता का अनुमान लगाती है। यदि किसी ग्राहक की वित्तीय स्थिति बिगड़ती है, तो अतिरिक्त भत्ते की आवश्यकता हो सकती है।

डी) व्यापार और अन्य देय

व्यापार और अन्य देय राशि को शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है, और बाद में प्रभावी ब्याज विधि का उपयोग करके परिशोधित लागत पर ले जाया जाता है। इन वित्तीय साधनों के लिए, वहन करने वाली राशियाँ इन उपकरणों की अल्पकालिक परिपक्वता के कारण उचित मूल्य का अनुमान लगाती हैं।

ई) सहायक, सहयोगियों और संयुक्त उद्यम में निवेश

कंपनी सहायक, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों में लागत पर निवेश का हिसाब रखती है।

कंपनी द्वारा नियंत्रित इकाई को कंपनी की सहायक कंपनी माना जाता है।

भारत के बाहर सहायक कंपनी में निवेश अधिग्रहण की तारीख को प्रचलित विनिमय दर पर अनुवादित किए जाते हैं।

जिन निवेशों में कंपनी का महत्वपूर्ण प्रभाव है, उन्हें सहयोगी के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। महत्वपूर्ण प्रभाव निवेश की वित्तीय और परिचालन नीतिगत निर्णयों में भाग लेने की शक्ति है, लेकिन उन नीतियों पर नियंत्रण या संयुक्त नियंत्रण नहीं है।

एक संयुक्त व्यवस्था जिसमें उन पार्टियों के पास संयुक्त व्यवस्था के शुद्ध संपत्ति के अधिकार हैं, संयुक्त उद्यम के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। संयुक्त नियंत्रण एक व्यवस्था के नियंत्रण की संविदात्मक रूप से सहमत साझेदारी है, जो केवल तभी मौजूद होती है जब प्रासंगिक गतिविधियों के बारे में निर्णयों के लिए नियंत्रण साझा करने वाले पक्षों की सर्वसम्मति की आवश्यकता होती है।

ii) व्युत्पन्न वित्तीय उपकरण

कंपनी विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों, देनदारियों, विदेशी संचालन में शुद्ध निवेश और विदेशी मुद्रा में नामित अनुमानित नकदी प्रवाह पर विदेशी मुद्रा उतार–चढ़ाव के संपर्क में है।

कंपनी व्युत्पन्न के उपयोग सहित स्थापित जोखिम प्रबंधन नीतियों का पालन करके विदेशी मुद्रा दर के उतार–चढ़ाव के प्रभाव को सीमित करती है। कंपनी व्युत्पन्न वित्तीय लिखतों में प्रवेश करती है जहां प्रतिपक्ष मुख्य रूप से एक बैंक है।

डेरिवेटिव को उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है और मापा जाता है। आरोपण योग्य लेनदेन लागत को आय के विवरण में लागत के रूप में मान्यता दी जाती है।

प्रारंभिक मान्यता के बाद, व्युत्पन्न वित्तीय साधनों को नीचे वर्णित रूप से मापा जाता है:

ए) नकदी प्रवाह हेज

फर्म प्रतिबद्धताओं और व्युत्पन्न हेजिंग उपकरण के उचित मूल्य में पूर्वानुमान लेनदेन परिवर्तनों के संबंध में, जिसे नकदी प्रवाह हेज के रूप में नामित किया गया है, अन्य व्यापक आय में मान्यता दी जाती है और करों के शुद्ध नकद प्रवाह हेजिंग रिजर्व में रखी जाती है, इक्विटी का एक घटक, इस हद तक कि हेज प्रभावी है। तक

जिस सीमा तक हेज अप्रभावी है, उचित मूल्य में परिवर्तन को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है और विदेशी मुद्रा लाभ(हानि), परिचालन गतिविधियों के परिणामों के भीतर शुद्ध के भीतर रिपोर्ट की जाती है। यदि हेजिंग उपकरण अब हेज लेखांकन के मानदंडों को पूरा नहीं करता है, तो हेज लेखांकन को भावी रूप से बंद कर दिया जाता है। नकदी प्रवाह हेजिंग रिजर्व में पहले से मान्यता प्राप्त संचयी लाभ या हानि संबंधित पूर्वानुमानित लेनदेन की घटना पर लाभ और हानि के विवरण में स्थानांतरित कर दी जाती है। यदि पूर्वानुमानित लेनदेन अब होने की उम्मीद नहीं है, तो इस तरह के संचयी शेष को तुरंत लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

बी) अन्य

विदेशी मुद्रा व्युत्पन्न उपकरणों के उचित मूल्य में परिवर्तन न तो नकद प्रवाह हेज के रूप में नामित हैं और न ही विदेशी संचालन में शुद्ध निवेश के हेज को आय के विवरण में मान्यता दी जाती है और विदेशी मुद्रा लाभ/(हानि), परिचालन गतिविधियों के परिणामों के भीतर शुद्ध के रूप में रिपोर्ट की जाती है।

उधार से संबंधित विदेशी मुद्रा व्युत्पन्न उपकरणों के निपटान पर उचित मूल्य और लाभ/(हानि) में परिवर्तन, जिन्हें हेज के रूप में नामित नहीं किया गया है, वित्त व्यय में दर्ज किया जाता है।

## 2.22 खंड की जानकारी

कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) को इंड एएस–108, 'ऑपरेटिंग सेगमेंट' द्वारा परिभाषित मुख्य परिचालन निर्णय निर्माता (सीओडीएम) के रूप में पहचाना गया है कंपनी के सीएमडी अपने राजस्व वृद्धि और परिचालन आय के आधार पर खंडों का मूल्यांकन करते हैं।

कंपनी ने अपने परिचालन खंडों की पहचान खनिज, बहुमूल्य धातु, धातु, कृषि उत्पाद, कोयला और हाइड्रोकार्बन, उर्वरक और सामान्य व्यापार/अन्य के रूप में की है।

कंपनी के व्यवसाय में उपयोग की जाने वाली परिसंपत्तियां और देनदारियां जो किसी भी परिचालन खंड के लिए पहचान योग्य नहीं हैं, उन्हें गैर–आवंटनीय परिसंपत्तियों/देनदारियों के रूप में दिखाया गया है। प्रबंधन का मानना है कि कुल परिसंपत्तियों और देनदारियों से संबंधित खंड प्रकटीकरण प्रदान करना वर्तमान में व्यवहार्य नहीं है क्योंकि परिसंपत्तियों का परस्पर उपयोग किया जाता है और इसलिए उपलब्ध डेटा का सार्थक पृथक्करण कठिन है।

## 2.23 पूर्व अवधि त्रुटियाँ

पूर्व अवधि (अवधियों) से संबंधित भौतिक राशि की त्रुटियों को पूर्व अवधि की त्रुटियों की प्रकृति के साथ एक नोट द्वारा प्रकट किया जाता है, प्रत्येक ऐसी पूर्व अवधि के सुधार की राशि को पूर्वव्यापी रूप से साथ ही मूल और पतला आय प्रति शेयर में परिवर्तन के साथ व्यवहार्य सीमा तक प्रस्तुत किया जाता है। हालाँकि, जहाँ किसी विशेष अवधि के लिए पूर्वव्यापी पुनर्कथन व्यवहार्य नहीं है, तो उन परिस्थितियों का खुलासा किया जाता है जो उस स्थिति के अस्तित्व की ओर ले जाती हैं और त्रुटि को कैसे और कहाँ से ठीक किया जाता है इसका विवरण लेखा के नोट्स में दिया जाता है। कंपनी की गतिविधियों की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, पूर्व अवधि की त्रुटियों को महत्वपूर्ण माना जाता है यदि आय/व्यय की मदें सामूहिक रूप से (शुद्ध) कंपनी के बिक्री कारोबार के 0.5% से अधिक हैं।

31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय सविवरणों का नोट

3. संपत्ति, प्लांट तथा उपकरण

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 1 अप्रैल 2025 को सकल कैरिंग मूल्य | वृद्धि | निपटान/ समायोजन | 31 मार्च, 2026 को सकल कैरिंग मूल्य | 1 अप्रैल 2025 को संचित मूल्यह्रास | वृद्धि हानि | निपटान/ समायोजन | 31 मार्च, 2026 को संचित मूल्यह्रास | 31 मार्च, 2026 को नेट कैरिंग मूल्य | 31 मार्च, 2025 को नेट कैरिंग मूल्य |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ्रीहोल्ड भूमि | | | | | | | | | | |
| – कार्यालय भवन | 0.37 | - | - | **0.37** | - | - | - | **-** | **0.37** | **0.37** |
| – कर्मचारियों के रहने के लिए कमरे | 0.17 | - | - | **0.17** | - | - | - | **-** | **0.17** | **0.17** |
| भूमि पट्टा | | | | | | | | | | |
| – कार्यालय भवन | 1.07 | - | - | **1.07** | 0.19 | 0.02 | - | **0.21** | **0.86** | **0.88** |
| – कर्मचारियों के रहने के लिए कमरे | 1.85 | - | (1.76) | **0.09** | 1.65 | 0.14 | (1.76) | **0.03** | **0.06** | **0.20** |
| भवन | | | | | | | | | | |
| – कार्यालय भवन | 6.78 | - | - | **6.78** | 1.67 | 0.16 | - | **1.83** | **4.95** | **5.11** |
| – स्टॉफ क्वार्टर्स/आवासीय फ्लैट्स | 0.88 | - | (0.54) | **0.35** | 0.27 | 0.02 | (0.17) | **0.12** | **0.23** | **0.61** |
| – जलापूर्ति, सीवरेज व ड्रेनेज | 0.09 | - | - | **0.09** | 0.07 | 0.01 | - | **0.08** | **0.01** | **0.02** |
| – विद्युत अधिष्टापन | 3.04 | - | - | **3.04** | 2.65 | 0.33 | 0.00 | **2.99** | **0.05** | **0.38** |
| – सडकें व पुलियां | 0.02 | - | (0.01) | **0.01** | 0.02 | 0.00 | (0.01) | **0.01** | **0.00** | **0.00** |
| – ऑडियो/फायर/एयरकंडिशिनिंग डेशिनिंग | 0.06 | - | (0.01) | **0.05** | 0.06 | 0.00 | (0.01) | **0.05** | **0.00** | **0.00** |
| प्लांट एवं उपकरण | 40.59 | - | 0.01 | **40.59** | 29.86 | 4.03 | 0.01 | **33.90** | **6.70** | **10.73** |
| फर्नीचर तथा फिक्स्चर्स | - | - | - | | - | - | - | | | |
| –विभाजन | 0.40 | - | (0.00) | **0.40** | 0.33 | 0.03 | - | **0.36** | **0.04** | **0.07** |
| –अन्य | 1.37 | 0.01 | (0.01) | 1.36 | **1.12** | 0.11 | (0.01) | 1.22 | **0.15** | **0.25** |
| वाहनों | 0.47 | - | - | 0.47 | **0.44** | 0.01 | 0.00 | 0.46 | **0.01** | **0.03** |
| कार्यालय उपकरण | 1.79 | 0.06 | (0.02) | **1.83** | 1.59 | 0.05 | 0.00 | **1.65** | **0.18** | **0.20** |
| अन्य :– | | | | | | | | | | |
| रेलवे वैगन रेक | 0.00 | - | (0.00) | **0.00** | 0.00 | - | (0.00) | **-** | **0.00** | **0.00** |
| – बीएनएचटी पर रेलवे लूप लाइन | 0.00 | - | - | **0.00** | - | - | - | **-** | **0.00** | **0.00** |
| – कंप्यूटर/डेटा प्रोसेसर | 2.18 | 0.02 | (0.13) | **2.08** | 2.13 | 0.03 | (0.12) | **2.03** | **0.04** | **0.05** |
| **कुल** | **61.12** | **0.09** | **(2.47)** | **58.73** | **42.05** | **4.93** | **(2.07)** | **44.91** | **13.82** | **19.07** |
| गत वर्ष | **61.28** | **0.22** | **(0.39)** | **61.12** | **38.13** | **4.29** | **(0.37)** | **42.05** | **19.07** | |
| **परिसंपत्ति उपयोग का अधिकार** | **3.45** | **-** | **-** | **3.45** | **0.97** | **0.09** | **-** | **1.06** | **2.39** | **2.48** |
| गत वर्ष | **4.48** | **-** | **(1.02)** | **3.45** | **1.79** | **0.09** | **(0.91)** | **0.97** | **2.48** | |
| **कार्य प्रगति पर पूंजी** | **0.01** | **-** | **(0.01)** | **-** | **-** | **-** | **-** | **-** | **-** | **0.01** |
| गत वर्ष | **0.01** | **-** | **0.01** | **-** | **-** | **-** | **-** | **0.01** | **-** | **-** |

(ए) दिल्ली में स्टाफ क्वार्टर से संबंधित लीजहोल्ड भूमि, सड़कें और पुलिया, सीवरेज, ड्रेनेज और पानी की सप्लाई में वे संपत्तियां भी शामिल हैं जो पहले एसटीएस लिमिटेड के साथ 50:50 के आधार पर संयुक्त रूप से रखी गई थीं। हालाँकि, 2018–19 के दौरान, कंपनी ने डीडीए से अपने हिस्से की 16.16 एकड़ जमीन के लिए अलग लीज डीड निष्पादित करवा ली है।

(बी) इस साल के दौरान, कंपनी ने संपत्तियों के मूल्य में कमी का आकलन किया और उसी के अनुसार पीपीई के मूल्य में कमी के लिए रु.1.35 करोड़ (पिछले साल रु.0.47 करोड़) का प्रावधान किया गया है।

(सी) एमएमटीसी की 36 संपत्तियों के मूल मालिकाना हक के कागजात माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल के पास जमा किए गए हैं, जो 22.04.2019 और 22.05.2019 के आदेशों के तहत दिए गए निर्देशों पर आधारित है।

(डी) नोट सं. 50 देखें

## 4. निवेश संपत्ति

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 तक | 31 मार्च 2025 तक |
|---|---|---|
| साल की शुरुआत में सकल कैरिंग वैल्यू | 3.40 | 3.62 |
| जोड़ | – | – |
| निपटान / समायोजन | – | (0.22) |
| **साल के अंत में सकल कैरिंग मूल्य** | 3.40 | 3.40 |
| साल की शुरुआत में जमा हुआ मूल्यह्रास | 0.73 | 0.70 |
| जोड़ | 0.07 | 0.07 |
| निपटान / समायोजन | – | (0.04) |
| साल के अंत में जमा हुआ मूल्यह्रास | 0.80 | 0.73 |
| साल के अंत में नेट कैरिंग वैल्यू | 2.60 | 2.67 |

निवेश संपत्तियों के लिए लाभ या हानि में पहचानी गई राशि

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 तक | 31 मार्च 2025 तक |
|---|---|---|
| किराये से आय | 3.60 | 2.37 |
| किराये से आय देने वाली संपत्ति से सीधे परिचालन खर्च | – | – |
| किराये से आय न देने वाली संपत्ति से सीधे परिचालन खर्च | – | – |
| मूल्यह्रास से पहले निवेश संपत्तियों से लाभ | 3.60 | 2.37 |
| मूल्यह्रास | 0.07 | 0.07 |
| निवेश संपत्तियों से लाभ | 3.53 | 2.30 |

### लीजिंग व्यवस्थाएं

कुछ निवेश परिसंपत्तियों को किराएदारों को लंबे समय की ऑपरेटिंग लीज पर दिया जाता है, जिनका किराया हर महीने देना होता है। निवेश परिसंपत्तियों की ऐसी ऑपरेटिंग लीज, जिन्हें रद्द नहीं किया जा सकता, उनसे मिलने वाले कम से कम लीज पेमेंट इस प्रकार हैं:

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 तक | 31 मार्च 2025 तक |
|---|---|---|
| एक साल के भीतर | – | – |
| एक साल से ज्यादा लेकिन पाँच साल से ज्यादा नहीं | – | – |
| पाँच साल से ज्यादा | – | – |
| कुल | – | – |

### उचित मूल्य का अनुमान

निवेश संपत्तियों का मूल्यांकन मॉडल के आधार पर मापा गया है। स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता द्वारा तय की गई निवेश संपत्तियों की उचित कीमत रु.110.62 करोड़ (पिछले साल रु. 107.08 करोड़) है।

## 5. अमूर्त संपत्तियां

| विवरण | 1 अप्रैल 2025 को सकल कैरिंग मूल्य | वृद्धि | निपटान / समायोजन | 31 मार्च 2026 को सकल कैरिंग मूल्य | 1 अप्रैल 2025 को संचित मूल्यह्रास | वृद्धि | निपटान / समायोजन | 1 अप्रैल 2026 को संचित मूल्यह्रास | 31 मार्च 2026 को नेट कैरिंग मूल्य | 31 मार्च 2025 को नेट कैरिंग मूल्य |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कंप्यूटर सॉफ्टवेयर | 4.17 | 0.00 | (0.04) | 4.13 | 4.10 | 0.05 | (0.04) | 4.11 | 0.03 | 0.08 |
| पिछले वर्ष | 4.17 | - | - | 4.17 | 4.04 | 0.05 | | 4.10 | 0.08 | — |

6 निवेश

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 तक | | 31 मार्च 2025 तक | |
|---|---|---|---|---|
| ए गैर चालू निवेश | | | | |
| ए.) इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स में इन्वेस्टमेंट – (इक्विटी विधि का उपयोग करने के लिए निवेश किया जाता है – संयुक्त उपक्रम) अनकोटेड | | | | |
| एमएमटीसी पम्प इंडिया प्रा. लिमिटेड 17446000 (गत वर्ष 17446000) रु. 10/– के पूरी तरह से पेड–अप इक्विटी शेयर। | 17.45 | | 17.45 | |
| **जोड़ें: अब तक संयुक्त उपक्रमों से आय** | 421.59 | 439.04 | 246.14 | 263.59 |
| **कुल (ए)** | | 439.04 | | 263.59 |
| बी) इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश – (अन्य) | | | | |
| ए) अन्य अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य कोटेड | | | | |
| बाम्बे एस्टॉकएक्चेंज लिमिटेड 116883 (गत वर्ष 116883) रु. 2 के पूरी तरह से पेड–अप इक्विटी शेयर। | 3.00 | | 3.00 | |
| जोड़ें /(घटाएं): अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य समायोजन अनकोटेड | 91.10 | 94.10 | 61.05 | 64.05 |
| **बी) अमॉर्टाइज्ड लागत पर अनकोटेड** | | | | |
| इंडा फ्रेंच बायोटेक लिमिटेड 4750000 (गत वर्ष 4750000) रु. 10 के पूरी तरह से पेड–अप इक्विटी शेयर। | 4.75 | | 4.75 | |
| घटाएं: निवेश के मूल्य में कमी | 4.75 | 0.00 | –4.75 | 0.00 |
| **कुल (बी)** | | **94.10** | | **64.05** |

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 तक | | 31 मार्च 2025 तक | |
|---|---|---|---|---|
| कुल गैर चालू निवेश (सकल) | | 25.20 | | 25.20 |
| | सकल राशि | बाजार मूल्य | सकल राशि | बाजार मूल्य |
| कोटेड निवेश की सकल राशि तथा इसका बाजार मूल्य | 3.00 | 94.10 | 3.00 | 64.05 |
| अनकोटेड निवेश की समग्र राशि | 22.20 | – | 22.20 | – |
| निवेश मूल्य में कमी की समग्र राशि | 4.75 | – | 4.75 | – |

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 तक | | 31 मार्च 2025 तक | |
|---|---|---|---|---|
| **सी) चालू निवेश** | - | - | - | - |

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 तक | | 31 मार्च 2025 तक | |
|---|---|---|---|---|
| 6 सी बिक्री के लिए रखी गई गैर–चालू निवेश | | | | |
| ए) एमॉर्टाइज़्ड लागत पर इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश संयुक्त उपक्रम अनकोटेड | | | | |
| सिकाल आयरन ओर टर्मिनल लिमिटेड. 33800000 (गत वर्ष 33800000) रु10 के पूरी तरह से पेड–अप इक्विटी शेयर। | 33.80 | | – | |
| जोड़ें/(घटाएं): आज तक संयुक्त उपक्रम से आय/(नुकसान) | (33.80) | – | – | – |
| अन्य | | | | |
| अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य अनकोटेड | | | | |
| इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड. 32000000 (गत वर्ष 32000000) रु. 5 के पूरी तरह से पेड–अप इक्विटी शेयर। | | 16.00 | | 16.00 |
| जोड़ें/(घटाएं): अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य समायोजन | (16.00) | – | (16.00) | – |
| बिक्री के लिए रखी गया कुल निवेश | | 0.00 | | 0.00 |
| बी) बिक्री के लिए रखा गया पीपीई | | – | | – |
| कुल (ए)+(बी) | | 0.00 | | 0.00 |

i. सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के इक्विटी उपकरणों में सभी गैर–चालू निवेश, निवेश के मूल्य में हुई हानि (यदि कोई हो) को घटाकर लागत पर किए जाते हैं। अन्य कंपनियों के इक्विटी उपकरणों में निवेश उचित मूल्य पर किए जाते हैं।

ii. कंपनी ने 2009–10 में सिकाल आयरन ओर टर्मिनल लिमिटेड (सिकाल) में 26 प्रतिशत इक्विटी के लिए रु. 33.80 करोड़ का निवेश किया था, जो एमएमटीसी लिमिटेड 26 प्रतिशत, सिकाल लॉजिस्टिक लिमिटेड (एसएलएल) 63 प्रतिशत और एलएंडटी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (एलएंडटी आईडीपीएल) 11 प्रतिशत के बीच एक संयुक्त उद्यम है, जिसका उद्देश्य तमिलनाडु के कामराज पोर्ट लिमिटेड (केपीएल) (पूर्ववर्ती एन्नोर पोर्ट ट्रस्ट) में लौह अयस्क टर्मिनल के निर्माण और संचालन के लिए है। टर्मिनल का निर्माण नवंबर 2010 तक पूरा हो गया था। कर्नाटक राज्य में बेल्लारी होस्पेट सेक्टर से लौह अयस्क की अनुपलब्धता और सरकार द्वारा निर्यात के लिए लौह अयस्क के खनन / आंदोलन पर प्रतिबंध लगाने के कारण मेसर्स एसआईओटीएल वाणिज्यिक परिचालन शुरू नहीं कर सका। लौह अयस्क निर्यात के अनिश्चित भविष्य को देखते हुए और बनाए गए बुनियादी ढांचे का उपयोग करने के लिए, कामराज पोर्ट लिमिटेड (केपीएल) चूंकि कोयला एमएमटीसी के तत्कालीन मौजूदा कारोबार के साथ तालमेल नहीं रखता था, इसलिए सितंबर 2016 में एमएमटीसी बोर्ड ने संयुक्त उद्यम से बाहर निकलने का फैसला किया।

एमएमटीसी ने एसआईओटीएल में अपनी पूरी 26 प्रतिशत इक्विटी की बिक्री के लिए ऑनलाइन निविदा के माध्यम से बोलियां आमंत्रित की, हालांकि कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। एसआईओटीएल के शेयरधारक समझौते में पहले इनकार के अधिकार के अनुसार एसआईओटीएल के प्रमुख प्रमोटर एसआईसीएएल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड (एसएलएल) ने एमएमटीसी द्वारा निर्धारित आरक्षित मूल्य पर एमएमटीसी की इक्विटी खरीदने की पेशकश की, जिसे एमएमटीसी बोर्ड ने स्वीकार करने का फैसला किया। एसआईओटीएल में एमएमटीसी की इक्विटी की बिक्री के लिए 31.05.2018 को एसआईसीएएल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के साथ शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए गए अंतिम विस्तार 31.03. 2020 तक वैध था। वित्तीय संकट के कारण, मेसर्स सिकल लॉजिस्टिक्स एसपीए के विरुद्ध बिक्री मूल्य का भुगतान नहीं कर सका और इसलिए एमएमटीसी द्वारा 31.03.2020 को निवेश के मूल्य में कमी के लिए 33.80 करोड़ का प्रावधान किया गया।

मार्च 2021 और मार्च 2022 में, एनसीएलटी द्वारा क्रमशः मेसर्स एसएलएल और संयुक्त उद्यम कंपनी मेसर्स एसआईओटीएल के विरुद्ध कॉरपोरेट दिवाला कार्यवाही शुरू की गई।

एमएमटीसी ने एसपीए के आधार पर अप्रदत्त शेयर बिक्री प्रतिफल के लिए एसएलएल के कॉरपोरेट दिवाला समाधान पेशेवर (सीआईआरपी) और एसआईओटीएल के सीआईआरपी के समक्ष 34.26 करोड़ का दावा दायर किया। एमएमटीसी ने अपने निवेश की वसूली के लिए उपलब्ध विकल्पों के संबंध में एएसजी से कानूनी राय भी ली थी, जिन्होंने कहा था कि एमएमटीसी, एक शेयरधारक होने के नाते, इस स्तर पर वसूली के बहुत कम अवसर उपलब्ध हैं, क्योंकि एसएलएल और एसआईओटीएल दोनों ही दिवालियापन की कार्यवाही के अधीन हैं।

एनसीएलटी ने अपने दिनांक 08.12.2022 के आदेश के तहत एसएलएल की समाधान योजना को मंजूरी दे दी है और सफल समाधान आवेदक की नियुक्ति कर दी गई है। इसके अलावा, एनसीएलटी ने अपने दिनांक 23 जून, 2023 के आदेश के तहत सिकाल आयरन ओर टर्मिनल लिमिटेड (एसआईओटीएल) के संबंध में परिसमापन प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है और तदनुसार इसके लिए परिसमापक नियुक्त किया है।

एमएमटीसी अपने निवेश की वसूली के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर रहा है और उसने एसआईओटीएल के मामले में परिसमापक को फॉर्म जी के तहत दावा प्रपत्र प्रस्तुत कर दिया है, जिसका उत्तर प्रतीक्षित है।

एमएमटीसी ने 2009–10 के दौरान आईसीईएक्स में 26 करोड़ रुपये (5.20 करोड़ इक्विटी शेयर, 5 रुपये अंकित मूल्य) का निवेश किया था। आईसीईएक्स की प्रारंभिक इक्विटी पूंजी 100 करोड़ रुपये थी जिसे बाद में बढ़ाकर 266.75 करोड़ रुपये कर दिया गया। हालांकि बाद में एमएमटीसी ने 2015–16 में 10 रुपये प्रति शेयर की दर से 2 करोड़ शेयर का विनिवेश किया। इस विनिवेश के बाद एमएमटीसी की शेयरधारिता घटकर 16 करोड़ रुपये (3.20 करोड़ शेयर, 5 रुपये अंकित मूल्य) रह गई, जो 266.75 करोड़ रुपये की कुल शेयर पूंजी का 6 प्रतिशत है।

बाद में, आईसीईएक्स की निवल संपत्ति में गिरावट के कारण एमएमटीसी ने 2019–20 और 2021–22 में क्रमशः 8.16 करोड़ रुपये और 7.84 करोड़ रुपये का उचित मूल्य समायोजन प्रदान किया। इस समायोजन के बाद 16 करोड़ की पूरी राशि का प्रावधान किया गया है।

आईसीईएक्स के शेयर किसी भी स्टॉक एक्सचेंज में कारोबार के लिए सूचीबद्ध नहीं हैं। एमएमटीसी ने वित्त वर्ष 2017–18 में और फिर वित्त वर्ष 2019–20 से 2021–22 तक आईसीएक्स में अपनी इक्विटी बेचने की कोशिश की, लेकिन कोई ब्याज नहीं मिला। आईसीएक्स के निदेशक मंडल ने 14 फरवरी, 2023 को आयोजित अपनी बोर्ड बैठक में एक्सचेंज के लाइसेंस ध मान्यता को नियामक (सेबी) को स्वैच्छिक रूप से सौंपने और कमोडिटी डेरिवेटिव्स व्यवसाय को बंद करने को मंजूरी दी थी, जिसे बाद में 24.05.2023 को आयोजित असाधारण आम बैठक (स्थगित) में शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित किया गया था। इसके बाद, सेबी ने 10 दिसंबर, 2024 के आदेश के माध्यम से आईसीईएक्स को स्टॉक एक्सचेंज के रूप में बाहर निकलने की अनुमति दी और इस प्रकार आइसीईएकस को दी गई मान्यता वापस ले ली गई।

कमोडिटी एक्सचेंज के तौर पर अपनी मान्यता छोड़ने के बाद, आईसीईएक्स ने 10 जुलाई, 2025 को पोस्टल बैलेट के जरिए पास किए गए स्पेशल रिजॉल्यूशन के माध्यम से अपने मेमोरैंडम और आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में बदलाव को मंजूरी दी। आईसीईएक्स ने नए बिजनेस एक्टिविटीज, खासकर टेक्नोलॉजी, डेटा सर्विसेज और उससे जुड़े क्षेत्रों में काम करने के लिए अपना नाम 'इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड' से बदलकर 'फ्यूजन टेकस्टैक लिमिटेड' करने को भी मंजूरी दी। नाम में इस बदलाव को कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने 09 सितंबर, 2025 को विधिवत मंजूरी दे दी।

7. प्राप्य व्यापार

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 तक | 31 मार्च 2025 तक |
|---|---|---|
| (i) संबंधित पार्टियों से व्यापारिक प्राप्तियां | | |
| ए) अच्छी मानी गई – सुरक्षित | – | – |
| बी) अच्छी मानी गई – असुरक्षित | – | – |
| सी) जिनमें क्रेडिट जोखिम काफी बढ़ गया है | – | – |
| डी) क्रेडिट खराब | – | – |
| घटाएं: अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान | – | – |
| उप–योग | – | – |
| (ii) अन्य व्यापारिक प्राप्तियां | | |
| ए) अच्छी मानी गई – सुरक्षित | 20.04 | 114.69 |
| बी) अच्छी मानी गई – असुरक्षित | 4.00 | 4.35 |
| सी) जिनमें क्रेडिट जोखिम काफी बढ़ गया है | – | – |
| डी) क्रेडिट खराब | 318.03 | 389.96 |
| घटाएं: अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान | 318.03 | 389.96 |
| **उप–योग** | **24.04** | **119.04** |
| **कुल** | **24.04** | **119.04** |
| गैर–चालू (ए) | – | – |
| चालू (बी) | 24.04 | 119.04 |
| **कुल** | **24.04** | **119.04** |

उपरोक्त में से, कंपनी के डायरेक्टरों या दूसरे अधिकारियों (या तो अकेले या किसी और व्यक्ति के साथ मिलकर) से ली जाने वाली रकम, या उन फर्मों या प्राइवेट कंपनियों से ली जाने वाली रकम जिनमें कोई डायरेक्टर पार्टनर, डायरेक्टर या सदस्य है, वह रुपए शून्य करोड़ है (पिछले साल रुपए शून्य करोड़ थी)।

एजिंग (उम्र) के लिए नोट नंबर 37.3 (बी) और नोट नंबर 36 (एच) (ii) देखें।

**अशोध्य और संदिग्ध ऋण के लिए भत्तों में परिवर्तन:**

| विवरण | 31 मार्च 2026 तक | 31 मार्च 2025 तक |
|---|---|---|
| वर्ष के आरंभ में शेष | 389.96 | 390.29 |
| वर्ष के दौन वृद्धि | 15.99 | 0.09 |
| वर्ष के दौरान रिवर्सल | (87.92) | (0.42) |
| वर्ष के दौरान उपयोग | - | - |
| **वर्ष के अंत में शेष** | **318.03** | **389.96** |

8. ऋण

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | | 31 मार्च, 2025 के अनुसार | |
|---|---|---|---|---|
| | चालू | गैर–चालू | चालू | गैर–चालू |
| प्राप्ति योग्य–सुरक्षित | | | | |
| संबंधित पार्टियों को गए ऋण | - | - | - | - |
| कर्मचारियों को दिए गए ऋण | 0.13 | 0.39 | 0.15 | 0.54 |
| अन्य | - | - | - | - |
| **अनुयोग** | **0.13** | **0.39** | **0.15** | **0.54** |
| प्राप्ति योग्य–असुरक्षित | - | 0.58 | - | 0.58 |
| संबंधित पार्टियों को ऋण** | 10.77 | - | 40.02 | - |
| कर्मचारियों को ऋण* | 0.95 | 0.69 | 0.73 | 1.09 |
| अन्य | - | - | - | - |
| **अनुयोग** | **11.72** | **1.27** | **40.76** | **1.67** |
| क्रेडित में छत | | | | |
| संबंधित पार्टियों को ऋण | - | - | - | - |
| कर्मचारियों को ऋण | - | - | - | - |
| अन्य | - | 0.06 | - | 0.06 |
| **घटाए : अशोध्य तथा संदिग्ध ऋण** | - | 0.06 | - | 0.06 |
| **अनुयोग** | | - | - | - - |
| **अनुयोग** | **11.85** | **1.66** | **40.90** | **2.21** |

उपरोक्त में से, कंपनी के डायरेक्टरों या दूसरे अधिकारियों (या तो अकेले या किसी और व्यक्ति के साथ मिलकर) से या उन फर्मों या प्राइवेट कंपनियों से बकाया रकम–जिनमें कोई डायरेक्टर पार्टनर, डायरेक्टर या सदस्य है–शून्य करोड़ रुपये (पिछले साल शून्य करोड़ रुपये) है।

*कर्मचारियों की प्रॉपर्टी और दूसरी एसेट्स को गिरवी रखकर/अंडरटेकिंग के जरिए सुरक्षित।

** 06.11.2023 को कंपनी ने वीआरएस लेने वाले कर्मचारियों को पेमेंट करने के लिए सीपीएफ ट्रस्ट को 40 करोड़ रुपये का ब्याज वाला एडवांस/लोन दिया। साल के दौरान सीपीएफ ट्रस्ट ने 31.50 करोड़ रुपये (पिछले साल 4.00 करोड़ रुपये) वापस कर दिए हैं। बाकी रकम ट्रस्ट अपने इन्वेस्टमेंट से फंड मिलने पर (जरूरी एडजस्टमेंट के बाद, अगर कोई हो) एमएमटीसी को वापस करेगा। वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए सीपीएफ ट्रस्ट से मिलने वाले ब्याज के तौर पर 2.25 करोड़ रुपये (पिछले साल 2.94 करोड़ रुपये) का हिसाब किया गया है।

**9. अन्य वित्तीय परिसंपत्तिया**

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | | 31 मार्च, 2025 के अनुसार | |
|---|---|---|---|---|
| | चालू | गैर–चालू | चालू | गैर–चालू |
| 12 महीने से अधिक परिपक्वता वाले बैंक जमा रशि | - | 0.05 | - | 0.05 |
| भुगतान नहीं किये गये लाभांश के लिए बैंक के पास शेष | - | 0.05 | - | 0.09 |
| एनएसईएल से प्राप्य (i) | - | **208.25** | - | 208.25 |
| प्राप्य डेमरेज तथा डिस्पैच | **8.06** | - | 8.06 | - |
| फारवार्ड संविदा प्राप्य | - | - | - | - |
| अन्य कंपनियो को दिए गए अग्रिम (ii) | - | **33.68** | - | 33.63 |
| अन्य | **0.56** | **9.04** | 0.16 | 9.02 |
| सिक्योरिटी जमा | **0.90** | **1.17** | 0.73 | 1.19 |
| **उत्पन्न देय ब्याज/अदेय ब्याज** | | | | |
| –सावधिक जमा राशि | **89.71** | - | 86.85 | - |
| –कर्मचारियों को दिए गए ऋण | **0.28** | **2.66** | 0.33 | 2.90 |
| –संबंधित पार्टियों को दिए गए ऋण | - | - | - | - |
| –अन्य को दिए गए ऋण | - | **1.74** | - | 1.74 |
| **अन्य** | - | **8.99** | - | **4.94** |
| घटाएं : अशोध्य तथा संदिग्ध प्राप्यों में हानि/स्वीकार्यता संदिग्ध प्राप्तियां | **2.69** | **242.24** | 3.60 | 237.28 |
| **योग** | **96.82** | **23.39** | **92.53** | **24.53** |

(i) इसमें अलग–अलग उधार लेने वालों और नेशनल स्पॉट एक्सचेंज (एनएसईएल) से वसूल की जाने वाली रुपए 208.25 करोड़ (पिछले साल रुपए 208.25 करोड़) की रकम शामिल है, जो एनएसईएल द्वारा पेमेंट की जिम्मेदारी पूरी न करने की वजह से बकाया है। इसके लिए पहले ही पूरा प्रावधान किया जा चुका है। कंपनी ने एलएसईएल और अन्य के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में सिविल केस दायर किया है और सुनवाई चल रही है। भारत के सुप्रीम कोर्ट ने एलएसईएल और एफटीआईएल के विलय (समामेलन के आदेश को रद्द कर दिया है। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र राज्य की अपील को मंजूरी दी और माना कि एमपीआईडी एक्ट की धारा 4 के तहत जारी किए गए नोटिफिकेशन, जिनके जरिए 63 मून्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की संपत्तियों को जब्त किया गया था, वैध हैं।

बकाया दावों के पेमेंट के लिए, नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड (एनएसईएल) ने वन–टाइम सेटलमेंट स्कीम का प्रस्ताव दिया है, जिसमें दावा की गई रकम का लगभग 42% देने की पेशकश की गई है। इसके लिए एलएसईएल ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी), मुंबई के सामने एक अर्जी दायर की है। पहली सुनवाई में, एनसीएलटी ने 08.04.2025 के आदेश के जरिए एनएसईएल को निर्देश दिया कि वह दावा करने वालों से वन–टाइम सेटलमेंट के लिए सहमति लेने के लिए पोस्टल बैलेट बुलाए। वोटिंग के नतीजों में, लगभग 75% मौद्रिक दावे वाले वोटरों ने प्रस्ताव पर सहमति जताई। एनसीएलएटी, मुंबई बैंच ने 28.11.2025 के आदेश के जरिए एनएसईएल मामले में सेटलमेंट स्कीम को मंजूरी दी। एनसीएलएटी के आदेश के खिलाफ एमएमटीसी ने अपील दायर की, जिसे 30.03.2026 को खारिज कर दिया गया।

एनसीएलएटी द्वारा एमएमटीसी की अपील खारिज किए जाने के बाद, एनएसईएल ने एमएमटीसी का केस खारिज करने के लिए अर्जी दायर की, जिसे ले.जे. तन्ना शेयर्स एंड सिक्योरिटीज द्वारा दायर केस नंबर 121/2014 के साथ जोड़ दिया गया। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 27.04.2026 को एमएमटीसी का केस निपटा दिया, लेकिन सेटलमेंट एग्रीमेंट की शर्तों के अनुसार केस को फिर से शुरू करने का एमएमटीसी का अधिकार सुरक्षित रखा।

ii. इस साल एचएफटीडब्लूपीएल और केएफटीडब्लूपीएल को प्रोजेक्ट डेवलपमेंट के लिए दिए गए एडवांस के खिलाफ रुपए शून्य करोड़ (पिछले साल रुपए शून्य करोड़) का प्रोविजन किया गया है। 31.03.2026 तक कुल प्रोविजन रु. 16.31 करोड़ है (पिछले साल रुपए 16.31 करोड़ था)। रुपए 16.89 करोड़ का प्रोविजन नहीं किया गया है क्योंकि जेयी (एचएफटीडब्लूपीएल) की सब्सिडियरी कंपनी ने जमीन सरेंडर करने के बाद हल्दिया डेवलपमेंट अथॉरिटी में क्लेम किया है।

10. आस्थगित कर परिसंपत्तिया

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| **आस्थगित कर देयता** | | |
| संपत्ति, संयंत्र और उपकरण | **1.71** | **2.79** |
| कर्मचारी लाभ व्यय के लिए प्रावधान | **3.06** | **3.58** |
| **अनुपयोग** | **4.77** | **6.37** |
| सीमित कर परिसंपत्तियां | | |
| संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान | - | **163.79** |
| अनुपयोग | - | **163.79** |
| **स्थगित कर परिसंपत्ति (शुद्ध)*** | - | **157.42** |
| **स्थगित कर दायित्व (शुद्ध)*** | 4.77 | - |

आस्थगित कर परिसंपत्तियां को कंपनी की भविष्य की संभावित भावी कर योग के मुकाबले उनके इस्तेमाल की उम्मीद के आधार पर मान्यता दी जाती है। कंपनी ने मौजूदा समय में अनिश्चितताओं को देखते हुए, घाटे को आगे ले जाने वाली और समय का अंतर के संबंध में आस्थगित कर परिसंपत्तियां को मान्यता नहीं दी है। इसके अलावा, बुक्स में पहले से दिख रहे रुपए 163.79 करोड़ के आस्थगित कर परिसंपत्तियां बकाये को इंड एस 12 – "आयकर" के अनुसार वर्ष के दौरान समायोजित / मान्यता समाप्त किया गया है।

* कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2022–23 (आकलन वर्ष 2023–24) से लागू कराधान कानून (संशोधन) अधिनियम, 2019 के तहत सेक्शन 115बी एए के विकल्प के अनुसार नई आयकर दरों को चुना है।

वर्ष के दौरान आस्थगित कर शेष में संचलन

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को शेष | लाभ व हानि में शामिल | समायोजन | 31 मार्च, 2026 को शेष |
|---|---|---|---|---|
| **आस्थगित कर देयता** | | | | |
| संपत्ति, प्लांट तथा उपकरण | 2.79 | 1.08 | - | 1.71 |
| कर्मचारी लाभ व्यय के लिए व्यवधान | 3.58 | 0.52 | - | 3.06 |
| **अनुयोग** | **6.37** | **1.60** | - | **4.77** |
| आस्थगित कर परिसंपत्तिया | | | | |
| अशोध्य व संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान | 163.79 | 163.79 | - | - |
| **अनुयोग** | **163.79** | **163.79** | - | - |
| **योग (शुद्ध)** | **157.42** | **162.19** | - | **4.77** |

मान्यता प्राप्त आस्थगित कर परिसंपत्तियां / देयताएं

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 के अनुसार | 31 मार्च 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| अस्थाई कटौती योग्य अंतर राशि | 4.77 | 157.42 |
| **कुल** | **4.77** | **157.42** |

आस्थगित कर संपत्तियों और आस्थगित कर दायित्वों को आपस में एडजस्ट कर दिया गया है क्योंकि वे एक ही कानून के दायरे में आते हैं।

11. अन्य संपत्तियां (रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| **ए. गैर चालू** | | |
| पूंजी अग्रिम के अलावा अन्य अग्रिम | | |
| - अन्य सप्लायर्स को अग्रिम | **3.89** | 3.89 |
| - अन्य अग्रिम | **15.45** | 15.45 |
| अशोध्य तथा संदिग्ध अग्रिमों की स्वीकार्यता | **(15.63)** | (15.63) |
| अन्य | | |
| - वसूली योग्य प्रदत्त आयकर* | **19.18** | 25.00 |
| - अन्य | **0.10** | 0.04 |
| **कुल** | **22.99** | **28.75** |
| **बी. चालू** | | |
| पूंजी अग्रिम के अलावा अन्य अग्रिम | | |
| - सिक्योरिटी डिपोजिट | **0.05** | 0.05 |
| - संबंधित पार्टियों को अग्रिम | - | |
| - संबंधित पक्षों को व्यापार संबंधी अग्रिम भुगतान - | - | |
| - अन्य आपूर्तिकारों को अग्रिम | - | 0.00 |
| - अन्य प्राप्य दावे | **38.56** | 153.41 |
| - बिना बिलों के की गई गोल्ड/सिल्वर स्टॉक की खरी मुकदमें का निपटारा# | **13.21** | - |
| - अन्य अग्रिम** | **97.76** | 1,098.79 |
| खराब और संदिग्ध अग्रिमों के लिए प्रावधान | **(3.36)** | (4.20) |
| अन्य | | |
| - आयकर रिफंड देय | - | - |
| - देय बिक्री कर रिफंड | **6.70** | 15.07 |
| - देय एक्साइज/कस्टम ड्यूटी रिफंड | **2.63** | 2.64 |
| - देय सेवाकर रिफंड | **7.45** | 6.59 |
| - अन्य | **29.08** | 28.33 |
| **कुल** | **192.08** | **1,300.68** |

# नोट 32 (ii) देखें ए)

*इसमें रुपए 4.27 करोड़ (पिछले साल रुपए 23.85 करोड़) शामिल हैं जो विवादित हैं (नोट नंबर 34 (i) (बी) देखें)

(i) ** एंग्लो कोल मामले में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा 06.05.2022 और 07.07.2022 को पारित आदेशों के अनुसार, रुपए 1088.62 करोड़ की राशि (रुपए 1087.76 करोड़ न्यायालय में जमा किए गए और रुपए 0.86 करोड़ एमएमटीसी, भुवनेश्वर बैंक खाते से अटैच किए गए) माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में जमा की गई थी और अंतिम राशि माननीय न्यायालय के निर्णय/स्पष्टीकरण के अधीन है। खातों की किताबों में रुपए 1088.62 करोड़ का प्रावधान पहले ही किया जा चुका है। इसके अलावा, 09.05.2025 के आदेश के माध्यम से, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि डिक्री–धारक 2 सप्ताह यानी 23.05.2025 की समाप्ति के बाद उक्त राशि को अब तक अर्जित ब्याज के साथ निकालने का हकदार होगा। एमएमटीसी ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय में स्पेशल लीव पिटीशन दायर की थी, जिसे 03.11.2025 के आदेश द्वारा खारिज कर दिया गया है। माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में एक मुकदमा भी दायर किया गया था जिसे 29.07.2025 के आदेश द्वारा खारिज कर दिया गया है। सीबीआई ने उक्त लेनदेन में देखी गई अनियमितताओं के संबंध में एमएमटीसी द्वारा दायर शिकायत के आधार पर 21.07.2025 को एक मामला (आरसी) दर्ज किया है। इसके अलावा, एमएमटीसी ने एंग्लो को देय अंतिम राशि की गणना और विदहोल्डिंग टैक्स पर स्पष्टीकरण से संबंधित माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में एक आवेदन दायर किया है। जिसके खिलाफ माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने 10.11.2025 को एंग्लो कोल को रुपए 1000.00 करोड़ जारी करने का आदेश दिया था। दोनों पक्षों द्वारा जमा किए गए हिसाब–किताब में विदेशी मुद्रा दर के कारण आए अंतर और विदहोल्डिंग टैक्स से जुड़ी बकाया राशि पर सुनवाई अगली तारीख, यानी 09.07.2026 को होगी। इसके अनुसार, कोर्ट के निर्देश पर एंग्लो कोल को राशि (रुपए1000.00 करोड़ और रुपए 0.86 करोड़) जारी कर दी गई है और 31.3.2026 को समाप्त हुए वर्ष के दौरान इसे प्रोविजन और कोर्ट में जमा राशि, दोनों से कम कर दिया गया है।

इसके अलावा, मैनेजमेंट के अनुमान के अनुसार, कोर्ट में शुरू में जमा की गई रुपए 1087.76 करोड़ की राशि पर 17.11.2025 तक लगभग रुपए 260.00 करोड़ का ब्याज बना है। इसलिए, उम्मीद है कि इस देनदारी को निपटाने के लिए और पैसे की जरूरत नहीं पड़ेगी।

(ii) इसमें 2023–24 के दौरान सीईएसटीईटी के पास जमा की गई रुपए 0.60 करोड़ की राशि शामिल है (पिछले साल रुपए 0), जो सर्विस टैक्स की मांग के खिलाफ अपील करने के लिए जरूरी है।

(iii) इसमें कंपनी के खिलाफ दिए गए आर्बिट्रेशन अवॉर्ड के मामले में, कोर्ट के निर्देशों के अनुसार माननीय दिल्ली हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के पास जमा की गई रुपए 2.12 करोड़ की राशि शामिल है।

(iv) इसमें ओएमपी (इएनजी) केआईएसपीएल बनाम एमएमटीसी लिमिटेड मामले के संबंध में माननीय दिल्ली हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के पास जमा की गई रुपए 2.79 करोड़ की राशि शामिल है। कंपनी ने रुपए 3.49 करोड़ (पिछले साल रुपए 3.29 करोड़) की आकस्मिक देनदारी (आकस्मिक देयता) मानी है (नोट नंबर 34 देखें)।

(v) इसमें डीपीई गाइडलाइंस के अनुसार पारिश्रमिक समिति की मंजूरी मिलने तक कर्मचारियों को दिया गया पीआरपी एडवांस शामिल है, साथ ही, कंपनी पीआरपी के भुगतान का आकलन कर रही है। कर्मचारियों से ऊपर बताए गए पीआरपी एडवांस की वसूली के आदेश पर स्टाफ और ऑफिसर्स फोरम ने आपत्ति जताई है और यह मामला संबंधित कोर्ट में लंबित है।

12. इन्वेंट्रीज

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को | 31 मार्च, 2025 को |
|---|---|---|
| कच्चा माल | - | 0.01 |
| तैयार माल | 0.00 | 0.35 |
| **स्टॉक इन ट्रेड** | | |
| (शून्य करोड़ रु. (पिछले वर्ष शून्य करोड़, रुपये मूल्य के गुड्स इन ट्रॉजिट) | 0.00 | 0.00 |
| अन्य–इंवेन्ट्री हेज समायोजन | - | - |
| **योग** | **0.00** | **0.36** |

ए) जैसा प्रबंधतंत्र ने मूल्यांकित तथा प्रमाणित किया वैसा ही अपनाया गया।

बी) 31 मार्च, 2026 तक पारगमन में माल सहित माल का मूल्यांकन लागत से कम या वसूली योग्य मूल्य पर किया जाता है। बाजार मूल्य पर अंतिम स्टॉक का मूल्यांकन लागत से कम होने के परिणामस्वरूप शून्य करोड रु. (पि.वर्ष शून्य करोड रू.) का नुकसान हुआ है।

सी) स्टॉक इन ट्रेड में निम्नलिखित शामिल हैं:–

(i) 9036 यूनिट्स (पी.वाई. 9036 यूनिट्स) प्रमाणित उत्सर्जन कटौती (सीईआर) का मूल्य 1 (पि.वर्ष 1) इंड एएस–2 'इन्वेंट्रीज के अनुसार, लागत से कम या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य है।

(ii) शून्य इकाइयां (पि.वर्ष शून्य इकाइयां) प्रमाणन के तहत सीईआर की संख्या।

(iii) उत्सर्जन न्यूनीकरण उपकरण के मूल्यहास, ओ एंड एम लागत के कारण 5.06 करोड़ (पि.वर्ष 4.29 करोड़ रूपये) की राशि खर्च की गई है।

13. नकद तथा नकद समतुल्य

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को | 31 मार्च, 2025 को |
|---|---|---|
| बैंकों में उपलब्ध शेष | | |
| ए) चालू खाते में | 0.33 | 0.37 |
| बी) सावधिक जमा राशि में जिनकी मूल परिपक्वता | - | 27.94 |
| सी) कैश क्रेडिट अकांउट में डेबिट शेष | 2.37 | 1.46 |
| चेक / ड्राफ्ट / ऑन हैंड | - | - |
| कैश ऑन हैंड | . | . |
| **कुल** | **2.70** | **29.77** |

' माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार भुबनेश्वर कैंप कार्यालय में एसबीआई में चालू खाते में 0.17 करोड़ (पि. वर्ष 0.17 करोड़ रू.) रखे गए न्यायालय के निर्देशानुसार एसबीआई द्वारा निर्दिष्ट खाते में ट्रांसफर नहीं किया गया और अभी तक एसबीआई के पास है।

14. उपरोक्त के अलावा बैंक शेष

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| मार्जिन मनी के रूप में / लियन पर | 31.85 | 29.06 |
| सावधिक जमा राशि में जिनकी मूल परिपक्वता अवधि 3 महीने से अधिक परंतु 12 महीने से कम है | 1,754.12 | 1,280.02 |
| **कुल (ए)** | **1,785.97** | **1,309.08** |

15. वर्तमान कर परिसंपतियां (निवल

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए भुगतान किया गया अग्रिम कर | 82.39 | |
| वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए भुगतान किया गया अग्रिम कर | - | 21.23 |
| **कुल** | **82.39** | **21.23** |

16. ए इक्विटी शेयर पूंजी

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| अधिकृत | | |
| प्रत्येक 1/– रुपए समान मूल्य के साधारण शेयर | | |
| संख्या | 2,00,00,00,000 | 2,00,00,00,000 |
| **राशि** | 200.00 | 200.00 |
| **निर्गत, खरीदे गए तथा पूर्ण प्रदत्त** | | |
| प्रत्येक 1/– रुपए समान मूल्य के साधारण शेयर | | |
| संख्या | 1,50,00,00,000 | 1,50,00,00,000 |
| **राशि** | 150.00 | 150.00 |

शेयरों की संख्या जिनका मिलान किया गया

| विवरण | 31 मार्च 2026 के अनुसार | 31 मार्च 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| आरंभिक इक्विटी शेयर | 1,50,00,00,000 | 1,50,00,00,000 |
| जोड़ें वर्ष के दौरान जारी / खरीदे गए शेयरों की संख्या | | |
| घटाए : कटौती | - | - |
| अंतिम शेष | **1,50,00,00,000** | **1,50,00,00,000** |

कंपनी में ऐसे शेयर होल्डर के शेयरों की संख्या जिनकी 5 प्रतिशत से अधिक होल्डिंग है

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| - भारत के राष्ट्रपति | 1,34,89,03,143 | 1,34,89,03,143 |

प्रोमोटर्स की शेयरहोल्डिंग

| वर्ष के अंत में प्रोमोटर्स के पास शेयरों की संख्या | | | वर्ष के दौरान % परिवर्तन |
|---|---|---|---|
| प्रोमोटर का नाम | शेयरों की संख्या | कुल शेयरों की संख्या % | |
| - भारत के राष्ट्रपति | 1,348,903,143 | 89.93% | शून्य |

कंपनी के पास शेयर पूंजी का एक वर्ग है, जिसमें प्रत्येक के 1/– के साधारण शेयर शामिल हैं। कंपनी के अर्टिकल आफ एसोशिएशन और लागू कानून के अधीन, कंपनी के साधारण शेयर धारक को कंपनी की आम बैठकों में नोटिस प्राप्त करने और वोट देने का अधिकार प्रदान करते हैं, कंपनी के समापन पर किसी भी अधिशेष संपत्ति को प्राप्त करने का अधिकार, और साधारण शेयरों पर घोषित लाभांश प्राप्त करने का अधिकार है।

इक्विटी शेयर पूंजी में उतार–चढ़ाव: वर्ष के दौरान, कंपनी ने कोई शेयर वापस नहीं खरीदा है।

कंपनी की होल्डिंग कम्पनी नहीं है।

बी. अन्य इक्विटी

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 के अनुसार | 31 मार्च 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| सामान्य रिजर्व | 598.89 | 598.89 |
| रिटेन्ड अर्जन | 1,298.47 | 911.08 |
| अन्य रिजर्व | 73.36 | 42.21 |

(i) सामान्य रिजर्व

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 के अनुसार | 31 मार्च 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| आरंभिक शेष | 598.89 | 598.89 |
| सरप्लस/अन्य रिजर्व से अंतरण | - | - |
| बोनस शेयर जारी करना | - | - |
| **अंतिम शेष** | **598.89** | **598.89** |

(ii) रिटेन्ड अर्जन

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 के अनुसार | 31 मार्च 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| आरंभिक शेष | 911.08 | 824.45 |
| वर्ष का शुद्ध लाभ | 387.38 | 86.63 |
| लाभांश और लाभांश वितरण कर | - | - |
| अन्य समायोजन | - | - |
| विनियोग:– | | |
| सामान्य रिजर्व | | |
| **अंतिम शेष** | **598.89** | **598.89** |

(iii) अन्य रिजर्व

(रु. करोड़ में)

| | संचयी वित्तीय इंस्ट्रूमेंट्स के इक्विटी घटक | ओसीआई के माध्यम से इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स | नकद प्रवाह हेज के प्रभावी भाग | विदेशी परिचालन के वित्तीय विवरणों को बदलने पर विनिमय अंतर | मूल्यांकन– पोस्ट कर्मचारी लाभ योजनाएं | कुल अन्य रिजर्व |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 अप्रैल 2024 को | - | 10.41 | - | - | (0.15) | 10.26 |
| परिभाषित लाभ योजनाओं का मूल्यांकन | - | - | - | - | (2.70) | (2.70) |
| अन्य समायोजन | - | - | - | - | - | - |
| अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स | - | 34.64 | - | - | - | 34.64 |
| जमा / कटौती | - | - | - | - | - | - |
| **1 अप्रैल 2025 को** | **-** | **45.05** | **-** | **-** | **(2.85)** | **42.20** |
| परिभाषित लाभ योजनाओं का मूल्यांकन | - | - | - | - | 1.10 | 1.10 |
| अन्य समायोजन | - | - | - | - | - | - |
| अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स | - | 30.05 | - | - | - | 30.05 |
| जमा / कटौती | - | - | - | - | - | - |
| **1 मार्च 2026 को** | **-** | **75.10** | **-** | **-** | **(1.75)** | **73.36** |

17बी उधार

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| ए. गैर–चालू | | |
| (i) टर्म ऋण | | |
| (ए) बैंकों से | | |
| -सुरक्षित | - | - |
| -असुरक्षित | - | - |
| कुल | - | - |
| बी. चालू | | |
| (i) मांग पर प्रतिदेय ऋण | | |
| (ए) बैंकों से | | |
| - सुरक्षित (इन्वेंट्रीज, ट्रेड प्राप्यों तथा अन्य वर्तमान एवं भविष्य की चालू परिसंपत्तियों के हाईपोथिकेशन के प्रति) | . | . |
| - असुरक्षित | . | . |
| कुल | | |

• किसी भी निदेशक अथवा अन्य व्यक्तियों द्वारा ऋणों की गारंटी नहीं दी गई है।

18. व्यापार प्राप्य

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| **वर्तमान** | | |
| व्यापार देय | | |
| सूक्ष्म एवं लघु प्रतिष्ठानों का कुल देय बकाया | 0.14 | 0.12 |
| सूक्ष्म एवं लघु प्रतिष्ठानों के अलावा क्रेडिटर्स का कुल देय बकाया* | 237.97 | 239.36 |
| **संबंधित पार्टियों को व्यापार देय** | | |
| सूक्ष्म एवं लघु प्रतिष्ठानों के अलावा क्रेडिटर्स कुल देय बकाया | - | - |
| सूक्ष्म एवं लघु प्रतिष्ठानों का कुल देय बकाया | 0.02 | 0.02 |
| कुल | **238.13** | **239.50** |

एजिंग के लिए नोट 37.3 (सी) देखें।

इसमें रुपए 209.93 करोड़ की वह राशि शामिल है जिसे इम्पोर्ट किए गए स्टीम / थर्मल कोल पर संभावित अंतर सीमा शुल्क (डीसीडी) के लिए रोक कर रखा गया है। इसमें ब्याज, पेनल्टी और जुर्माना वगैरह भी शामिल हैं, जो भारत के माननीय सुप्रीम कोर्ट सहित अन्य माननीय अदालतों में चल रही कार्यवाही के निपटारे पर लग सकते हैं। यह मामला अभी भारत के माननीय सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है।

19. लीज देयताएं

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| ए. गैर–चालू | | |
| लीज | 2.40 | 2.42 |
| अन्य | – | – |
| कुल | **2.40** | **2.42** |
| बी. चालू | | |
| लीज | 0.02 | 0.02 |
| कुल | **0.02** | **0.02** |

19सी. अन्य वित्तीय देयताएं

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| **वर्तमान** | | |
| देय व्यापार के अलावा | | |
| –सूक्ष्म एवं लघु प्रतिष्ठानों का कुल देय बकाया | 0.59 | 0.52 |
| –सूक्ष्म एवं लघु प्रतिष्ठानों के अलावा क्रेडिटर्स का कुल देय बकाया | 3.58 | 8.18 |
| देव डिस्पेच/डेमरेज | 5.52 | 5.44 |
| वसूली गई राशि पेंडिंग रेमिटेंस | 3.60 | 5.42 |
| उधार पर उत्पन्न ब्याज | 1.00 | 1.00 |
| सिक्युरिटी डिपॉजिट व ईएमडी | 8.70 | 8.68 |
| भुगतान न किया गया लाभांश | 0.05 | 0.09 |
| देय दावे अन्य | 35.72 | 37.17 |
| अन्य | | 89.4091.04 |
| कुल | **148.16** | **157.54** |

20. प्रावधान

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 के अनुसार | 31 मार्च 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| ए. **गैर चालू** | | |
| **कर्मचारी नाम दायित्व** | | |
| ए) अर्जित अवकाश | 10.93 | 12.55 |
| बी) अनुकंपा ग्रेच्युटी | 0.03 | 0.03 |
| सी) सेवानिवृति के बाद चिकित्सा लाभ | | |
| 01.01.2007 को या इसके बाद सेवानिवृत्त | | -- |
| 01.01.2007 से पूर्व सेवानिवृत्त | - | - |
| डी) अर्द्धवेतन अवकाश | 6.33 | 9.57 |
| ई) सेवा अवार्ड | 3.21 | 3.51 |
| एफ) कर्मचारी परिवार लाभ योजना | 1.05 | 1.17 |
| जी) माईका कर्मचारियों को विशेष लाभ | 0.09 | 0.25 |
| कुल | **I21.64** | **27.08** |
| बी. चालू | | |
| **कर्मचारी लाभ दायित्व** | | |
| ए) अर्जित अवकाश | 4.49 | 2.72 |
| बी) अनुकंपा ग्रेच्युटी | 0.01 | 0.04 |
| सी) सेवानिवृति के बाद चिकित्सा लाभ | | |
| 01.01.2007 को या इसके बाद सेवानिवृत्त कर्मचारी | 1.83 | 2.07 |
| 01.01.2007 से पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारी | 7.05 | 1.48 |
| डी) अर्द्धवेतन अवकाश | 2.88 | 2.73 |
| ई) ग्रेचुअटी | 5.49 | 1.53 |
| एफ) सेवा अवीड | 0.92 | 1.01 |
| जी) बोनस/निष्पादन संबंधी वेतन | 3.11 | 3.12 |
| एच) कर्मचारी परिवार लाभ योजना | 0.19 | 0.20 |
| आई) माईका कर्मचारियों को विशेष लाभ | 0.18 | 0.31 |
| अनुयोग अन्य | **26.15** | **15.21** |
| **अन्य** | | |
| गंतव्य भार तथा विश्लेषण जोखिम | - | - |
| मुकदमेबाजी के निपटान के लिए प्रावधान* | 104.52 | 1,071.62 |
| अनुयोग | **104.52** | **1,071.62** |
| कुल | **130.67** | **1,086.83** |

* नोट सं. 11 का संदर्भ लें

21. अन्य देयताएं

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| चालू | | |
| ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम | 32.17 | 232.67 |
| सांविधिक भुगतान योग्य देय | 1.70 | 1.81 |
| अनबिल्ड खरीददारी के लिए देय राशि | - | - |
| अन्य | 5.78 | 6.51 |
| **कुल** | **39.65** | **240.99** |

22. वर्तमान कर देयताएं (निवल)

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 के अनुसार | 31 मार्च, 2025 के अनुसार |
|---|---|---|
| वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए देय आयकर | 89.71 | - |
| वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए देय आयकर | - | 21.88 |
| **कुल** | **89.71** | **21.88** |

23. प्रचलन से राजस्व

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| उत्पादों की बिक्री | 3.41 | 2.69 |
| सेवाओं की बिक्री | - | - |
| अन्य प्रचालन राजस्व | | |
| | – दावे | -- |
| | – सब्सिडी | -- |
| | – डिस्पैज अर्जन | -- |
| अन्य व्यापार आय | - | - |
| **कुल** | **3.41** | **2.69** |

24. अन्य आय

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| ब्याज आय | | |
| - फिक्स्ड डिपोजिट से | 131.13 | 134.73 |
| - ग्राहकों की अतिदेय राशि से | - | - |
| - अन्य | 3.02 | 7.15 |
| लाभांश आय | | |
| - सहायक / संयुक्त उद्यमों से | 32.80 | 108.17 |
| - अन्य से | 0.27 | 0.18 |
| अन्य गैर–प्रचालन राजस्व (ऐसी आय पर प्रत्यक्ष रूप से हुए खर्च को घटाकर) | | |
| - स्टाफ क्वार्टर्स किराया | 0.58 | 0.89 |
| - रिटन बैंक देयताएं | 4.51 | 2.57 |
| - विदेशी मुद्रा लाभ | - | - |
| - विविध प्राप्तियां | 4.86 | 6.40 |
| **कुल** | **177.17** | **260.09** |

25. प्रयुक्त माल की लागत

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| कच्चे माल का आरंभिक स्टॉक | **0.01** | 0.01 |
| जोड़े : क्रय से अंतरण | - | - |
| घटाए : कच्चे माल का अन्तिम स्टॉक | - | 0.01 |
| **प्रयुक्त माल की लागत** | **0.01** | - |
| **उपभोग वस्तुएँ** | - | - |

26. स्टॉक–इन–ट्रेड का क्रय

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| ए. क्रय | | |
| बहुमूल्य धातुएं | - | - |
| धातुएं | - | - |
| उर्वरक | - | - |
| खनिज | - | - |
| कृषि उत्पाद | - | - |
| कोयला व हाईड्रोकार्बन | - | - |
| अन्य | - | - |
| बी. स्टॉक के रूप में प्राप्त / (जारी किया गया) | | |
| बहुमूल्य धातुएं | - | - |
| **कुल** | - | - |

27. इन्वेंट्रीज में परिवर्तन

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| **क. तैयार माल** | | |
| आरंभिक शेष | 0.35 | 0.35 |
| अंतिम शेष | 0.00 | 0.35 |
| तैयार माल की इन्वेंट्री में परिवर्तन | 0.35 | 0.00 |
| **ख. स्टॉक–इन–ट्रेड** | | |
| आरंभिक शेष | 0.00 | 0.00 |
| अंतिम शेष | 0.00 | 0.00 |
| स्टॉक–इन–ट्रेड की इन्वेंट्री में परिवर्तन | - | 0.00 |
| **निवल (वृद्धि)/कमी)** | **0.35** | **0.00** |

28. कर्मचारी लाभ व्यय

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| क) वेतन तथा पारिश्रमिक | | |
| वेतन तथा भत्ते | 45.33 | 52.21 |
| छुट्टी नकदीकरण | 5.73 | 6.38 |
| बोनस | 0.01 | 0.01 |
| चिकित्सा व्यय | 10.76 | 33.30 |
| माईका कर्मचारियों को विशेष लाभ | - | - |
| वी आर खर्चे | 0.67 | 7.94 |
| ख) भविष्य निधि तथा अन्य निधियों में अंशदान | | |
| भविष्य निधि | 4.30 | 5.00 |
| ग्रेच्युटी निधि | 6.56 | 1.33 |
| परिवार पेंशन योजना | 0.22 | 0.27 |
| अधिवर्षिता लाभ | 3.49 | 3.99 |
| ग) स्टाफ कल्याण व्यय | 1.11 | 0.82 |
| **कुल** | **78.18** | **111.25** |

(i) पीआरपी उद्देश्य के लिए कंपनी के लाभ की गणना लेखा नीति संख्या 2.4 (ii) के अनुसार व्यापार से संबंधित अग्रिम (अतिदेय के अलावा) पर ब्याज आय को ध्यान में रखते हुए की गई है। डीपीई दिशानिर्देशों में अनिवार्य पारिश्रमिक समिति के अनुमोदन के लंबित होने के कारण, कर्मचारियों को पीआरपी अग्रिम दिया गया था। इसके अलावा कंपनी पीआरपी के भुगतान का आकलन कर रही है और उसे पारिश्रमिक समिति के समक्ष रखने की प्रक्रिया में है। कर्मचारियों से उपरोक्त पीआरपी अग्रिम की वसूली का आदेश कर्मचारी एवं अधिकारी फोरम द्वारा विवादित है और संबंधित न्यायालयों में लंबित है।

(ii) एफएमसीओडी के निर्णय के अनुसार दिनांक 01.09.2020 से पर्क और भत्तों को स्थगित कर दिया गया है। दिनांक 8.2.2024 को बोर्ड बैठक में इस मामले पर चर्चा की गई और उसे एमओसी को भेज दिया गया है।

29. वित्त लागत

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| क) ब्याज व्यय* | 0.57 | 0.76 |
| ख) लीज पर ब्याज व्यय | 0.21 | 0.12 |
| **कुल** | **0.78** | **0.88** |

*इसमें आय कर पर ब्याज के तौर पर रु. 0.20 करोड़ (पिछले साल रु. 0.47 करोड़) शामिल हैं।

30. मूल्यह्रास तथा अमोटाईजेशन व्यय

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| पीपीई पर मूल्यह्रास | 5.02 | 4.38 |
| निवेश संपत्ति पर मूल्यह्रास | 0.07 | 0.08 |
| अमूर्त परिसंपत्तियों पर अमोर्टाइजेशन | 0.05 | 0.05 |
| **कुल** | **5.14** | **4.51** |

31. अन्य व्यय

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| **ए. प्रचालन व्यय** | | |
| भाड़ा | - | - |
| डेमरेज | - | - |
| क्लियरिंग, हैंडलिंग, डिस्काउंट एवं अन्य प्रभार | **0.92** | 0.92 |
| एल/सी नेगोशिएशन एवं अन्य प्रभार | - | 0.00 |
| विदेशी मुद्रा विनिमय में अंतर | - | - |
| सीमा शुल्क | - | - |
| पैकिंग सामग्री | - | - |
| बीमा | - | - |
| गोदाम बीमा | **0.19** | 0.18 |
| प्लॉट तथा गोदाम किराया | | |
| गंतव्य वनज और विश्लेषण जोखिम | | |
| **अनुयोग (ए)** | **1.11** | **1.11** |
| **बी. प्रशासनिक व्ययः** | | |
| किराया | **0.55** | 0.76 |
| सुरक्षा खर्च | **2.08** | 2.30 |
| दरें एवं कर | **2.10** | 1.50 |
| बीमा | **0.13** | 0.10 |
| भवनों की मरम्मत | **5.69** | 5.30 |
| मशीनों की मरम्मत | **0.02** | 0.00 |
| मरम्मत एवं रखरखाव कम्प्यूटर्स | **0.60** | 0.38 |
| मरम्मत एवं रखरखाव अन्य | **0.34** | 0.31 |
| बिजली एवं जल प्रभार | **1.80** | 2.32 |
| विज्ञापन एवं प्रचार | **0.09** | 0.05 |
| प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी | **0.16** | 0.20 |
| पोस्टेज एवं कुरियर | **0.01** | 0.01 |
| टेलीफोन | **0.38** | 0.43 |
| टेलीकम्युनिकेशन | **0.06** | 0.07 |
| यात्रा | **0.44** | 0.76 |
| वाहन | **0.27** | 0.35 |
| मनोरंजन | **0.31** | 0.24 |
| विधिक | **3.63** | 6.94 |
| लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक (i) | **0.46** | 0.46 |
| बैंक प्रभार | **0.18** | 0.37 |
| किताबें एवं पत्रिकाए | - | - |
| ट्रेड/बिक्री प्रोमोशन | **0.01** | 0.00 |
| सब्सक्रिपशन | **0.03** | 0.02 |
| प्रशिक्षण सेमिनार तथा कान्फ्रेंश | **0.09** | 0.11 |
| पेशेवर/परामर्श | **1.38** | 1.42 |
| सीएसआर व्यय (ii) | - | - |
| विदेशी मुद्रा विनिमय में अंतर | **0.05** | 0.06 |
| सेवा कर/जीएसटी | **1.28** | 1.52 |
| प्रदर्शनी एवं मेले | - | - |
| विविध व्यय | **4.22** | 3.01 |
| **अनुयोग (बी)** | **26.36** | **28.99** |
| **सी. अन्यः** | | |
| अशोध्य ऋण/दावे/परिसंपत्तियों रिटन/ऑफ निकासी* | 3.56 | |
| अशोध्य और संदिग्ध कर्ज/दावे/अग्रिम के लिए अनुमति | 75.49 | 0.01 |
| **अनुयोग (सी)** | **79.05** | 0.01 |
| **कुल (ए+बी+सी)** | **106.52** | 30.10 |

* साल के दौरान, कैप ऑफिस चेन्नई ने रु. 75.49 करोड़ के व्यापारिक प्राप्तियां को डूबे हुए कर्ज के तौर पर बट्टे खाते में डाल दिया है और इसके लिए बनाए गए प्रावधान को असाधारण मदें के तहत वापस जबाब में लिख कर दिया गया है।

i) **लेखा परीक्षा को दी गई राशि** (रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष |
|---|---|---|
| लेखा परीक्षक के रूप में | **0.27** | 0.24 |
| कराधान मामले के लिए/कर लेखा परीक्षा | **0.10** | 0.11 |
| अन्य सेवाओं के लिए | **0.09** | 0.10 |
| **कुल** | **0.46** | **0.46** |

ii) सीएसआर के खर्चे के विवरण (रु. करोड़ में)

| | | 31 मार्च, 2026 | 31 मार्च, 2025 |
|---|---|---|---|
| ए) | कंपनी के द्वारा खर्च की आवश्यकता की कुल राशि (पूर्व तीन वर्षों के दौरान के औसत कुल लाभ के 2% के बराबर) | - | - |
| बी) | वर्ष के दौरान बोर्ड द्वारा अनुमोदित व्यय की जाने वाली राशि | . | . |

| सी) | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि | नकद | नकद भुगतान बाकी | कुल |
|---|---|---|---|---|
| | (I) | किसी संपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण | - | -- |
| | (ii) उपरोक्त (I) के उद्देश्य के अलावा | . | . | . |

| डी) | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि | नगद | नकद भुगतान बाकी | कुल |
|---|---|---|---|---|
| | (I) किसी संपत्ति का निर्माण अधिग्रहण | - | - | - |
| | (ii) उपरोक्त (I) के उद्देश्य के अलावा | . | . | . |

| ई) | खर्च किये गये/खर्च नहीं किये गये दायित्व से संबंधित विवरण | 31 मार्च, 2026 | 31 मार्च, 2025 |
|---|---|---|---|
| | (I) पब्लिक ट्रस्ट को अंशदान | - | - |
| | (ii) चेरिटेबल ट्रस्ट को अंशदान | . | . |
| | (iii) से संबंधित खर्च नहीं की गई राशि | | |
| | - चालू परियोजना | - | - |
| | - चालू परियोजना के अलावा | | |

**चालू परियोजना और चालू परियोजना के अलावा का विवरण** (रु. करोड़ में)

| चालू परियोजना | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| आरंभिक शेष | | वर्ष के दौरान खर्च के लिए आवश्यक राशि | वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि | | अन्तिम शेष | |
| कंपनी के पास | अलग सीएसआर अव्ययित खाते में | | कंपनी के बैंक खाते से | अलग सीएसआर अव्ययित खाते में | कंपनी के पास | अलग सीएसआर अव्ययित खाते में |
| - | - | - | - | - | - | - |

| चालू परियोजना के अलावा | | | | |
|---|---|---|---|---|
| आरंभिक शेष | 6 माह के भीतर अनुसूची VII में निर्दिष्ट फंड में जमा राशि | वर्ष के दौरान खर्च की जाने वाली आवश्यक राशि | वर्ष के दौरान खर्च की राशि | अन्तिम शेष |
| - | - | - | - | - |

| खर्च की गई अधिक राशि | | | |
|---|---|---|---|
| आरंभिक शेष | वर्ष के दौरान खर्च की जाने वाली आवश्यक राशि | वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि | अन्तिम शेष |
| - | - | - | - |

32. अपवाद मदें

(रु. करोड में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| विनिवेश पर व्यय | – | – |
| संपत्ति की मदों का निपटान | **0.33** | (0.15) |
| गैर चालू निवेश के मूल्य में हुई कमी के लिए प्रावधान | – | – |
| निवेश की बिक्री पर लाभ (i) | **(411.76)** | (27.71) |
| देरी से भुगतान पर ब्याज | **-** | 0.03 |
| कानूनी विवादों का निपटारा (ii) | **19.17** | 51.10 |
| ऐसे प्रावधान जिनकी अब आवश्यकता नहीं है * | **(81.44)** | (4.43) |
| **कुल** | **(473.70)** | **18.84** |

(I) नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) – एक संयुक्त उद्यम कंपनी – का विनिवेश 4.7.2022 को पूरा हो गया।

एनआईएनएल के विनिवेश के लिए शेयर खरीद समझौते (एसपीए) की शर्तों के अनुसार, विनिवेश के बाद एमएमटीसी पर आने वाली किसी भी अप्रत्याशित देनदारी को, प्रक्रिया पूरी होने की तारीख से 3 साल की अवधि तक,एसपीए की बारंटी शर्तों के तहत विक्रेताओं/प्रमोटरों द्वारा वहन किया जाएगा। विक्रेताओं और प्रमोटरों की कुल देनदारी, बिक्री मूल्य और अपने संबंधित विक्रेता ऋण के निपटान के रूप में बोली की राशि से विक्रेताओं को मिली रकम के 20% से अधिक नहीं हो सकती। इस संबंध मे एमएमटीसी की अधिकतम देनदारी, यदि कोई हो, तो वह रु.1067 करोड़ बनती है। 3 वर्ष की अवधि 04.07.2025 को समाप्त हो गई और उस तारीख तक कोई देनदारी उत्पन्न नहीं हुई।

एसबीआई, भुवनेश्वर के साथ ब्याज देने वाले एस्क्रो खाते में रखी रु.774.95 करोड़ (एमएमटीसी का हिस्सा: रु. 411.76 करोड़) की राशि 04.07.2025 को परिपक्व हो गई। चूंकि तीन वर्ष की समय–सीमा उसी तारीख को समाप्त हो गई, इसलिए 04.07.2025 को एस्क्रो खाते में उपलब्ध राशि और उस पर अर्जित ब्याज को एनआईएनएल के प्रमोटरों के बीच वितरित कर दिया गया। तदनुसार, एमएमटीसी को 04.07.2025 को मूलधन के रूप में रु. 411.76 करोड़ और ब्याज के रूप में रु. 25.75 करोड़ (टीडीएस और बैंक शुल्क घटाकर) प्राप्त हुए। रु. 411.76 करोड़ की उक्त राशि को वर्ष के लिए असाधारण मदों के तहत आय के रूप में दर्ज किया गया है।

04.07.2025 को 3 साल की समय–सीमा समाप्त होने के कारण, आज की तारीख में एनआईएनएल से कुछ भी देय/प्राप्य नहीं है।

(ii) ए) इसमें 19.01.2026 को करटम्स डिपार्टमेंट से मिली 12503.700 ग्राम जब्त सोने की ज्वेलरी/धूल/सोल्डर आदि की रु. 13.21 करोड़ की कीमत शामिल है। यह कीमत माननीय सुप्रीम कोर्ट के 24.04.2025 के आदेश के अनुसार है। यह मामला कंपनी द्वारा एमएमटीसी के खिलाफ दायर एक कानूनी केस से जुड़ा है, जिसमें एमएमटीसी ने पिछले वर्ष 1991–92 के दौरान नीति के तहत एक्सपोर्ट के लिए अपने एक सहयोगी को सोना सप्लाई किया था। इसे बीआईएस–अनुमोदित हॉलमार्किंग केन्द्र द्वारा प्रमाणित किया गया है और प्रबंधन ने प्रमाणित मात्रा और शुद्धता को ध्यान में रखते हुए, 19 जनवरी 2026 को इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन आईबीजेए द्वारा जारी दरों के आधार पर इसकी कीमत तय की है। किसी स्वतंत्र पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता से मूल्यांकन नहीं कराया गया है क्योंकि कंपनी का मानना है कि प्रमाणित शुद्धता और आईबीजेए द्वारा घोषित दरों के आधार पर सोने की इन चीजों का तय किया गया मूल्यांकन उचित और सही है।

बी) इसमें एग्लो कोल केस के संबंध में रुपये 33.76 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान शामिल है। यह राशि कोर्ट में जमा की गई रकम और बुक्स में पहले से किए गए प्रावधान के बीच के अंतर के लिए है (नोट 11 (i) देखें)।

सी) इसमें कंपनी के खिलाफ पंच निर्णय के कारण रु.0 करोड़ (पिछले वर्ष रु. 4.51 करोड़) शामिल हैं।

* नोट 31 देखें।

33. कर व्यय

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| चालू वर्ष | 89.43 | 22.72 |
| पिछली अवधियों से संबंधित समायोजन | (0.39) | 0.77 |
| अनुयोग (ए) | 89.04 | 23.49 |
| स्थगित कर व्यय | | |
| अस्थायी अंतरों का उद्भव और प्रतिवर्तन | 162.19 | 4.18 |
| अनुयोग (बी) | 162.19 | 4.18 |
| **कुल (ए+बी)** | 251.23 | 27.67 |

अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त कर

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| परिभाषित लाभ योजना एक्चुरियल लाभ (हानि) | (0.28) | 0.84 |
| **कुल** | **(0.28)** | **0.84** |

प्रभावी कर दरों का मिलान

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| टैक्स और इक्विटी–अकाउंटेड निवेश वाली कंपनियों के हिस्से से पहले का मुनाफा | 463.30 | 97.20 |
| इक्विटी मेथड का इस्तेमाल करके हिसाब किए गए संयुक्त उद्यम के लाभ/(हानि) का हिस्सा (आयकर घटाकर) | 175.31 | 17.10 |
| लागू आय दर * | 25.17 | 25.17 |
| गणना किया गया अपेक्षित कर व्यय | 116.60 | 24.46 |
| **होल्डिंग कंपनी से संबंधित समायोजन :** | | |
| कोई कटौती योग्य खर्च नहीं | 5.00 | 5.19 |
| टैक्स–मुक्त आय/कोई अन्य कटौती या स्वीकार्य खर्च। | (22.91) | (6.30) |
| पिछले वर्षों से संबंधित अनुमानों में बदलाव | (0.39) | 0.77 |
| अन्य समायोजन | (9.25) | (0.63) |
| स्थगित कर | 162.19 | 4.18 |
| सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों से संबंधित समायोजन | - | - |
| **वर्ष के लिए कर व्यय** | **251.23** | **27.67** |
| समायोजन : ओसीआई पर टैक्स का असर | 0.28 | (0.84) |
| **वर्ष के लिए शुद्ध कर व्यय** | **251.51** | **26.83** |

*नोट नंबर 10 देखें।

34. आकस्मिक देयताएं एवं प्रकटन

(रु. करोड़ में)

| | विवरण | 31 मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|---|
| ए) | विदेशी मुद्रा दावे सहित कंपनी के विरुद्ध दावे जिन्हें ऋण के रुप में नहीं माना गया है। | 592.49 | 289.66 |
| बी) | विवादित आयकर मांग जिसके प्रति 21.57 करोड़ (गत वर्ष 20.10 करोड़ रु.) जमा किए गए है। | 13.12 | 21.50 |
| सी) | विवादित टीडीएस मांग | 0.00 | - |
| डी) | विवादित सेल्स आय/वैट की मांग, जिसके लिए 22.75 करोड़ रुपये (पिछले साल 17.88 करोड रुपये) जमा किए गए और 15.01 करोड़ रुपये (पिछले साल 0.43 रुपये करोड) बैंक गारंटी से कवर किए गए। | 108.47 | 318.85 |
| ई) | विवादित सेवा कर मांग जिसके लिए 2.58 करोड़ रुपये (पिछले साल 2.58 करोड़ रुपये) जमा कराए गए। | 109.05 | 90.60 |
| एफ) | विवादित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मांग जसके लिए 0..76 करोड़ रुपये (पिछले साल 0.76 करोड़ रुपये) जमा कराए गए। | 19.36 | 19.36 |
| जी) | विवादित पीएफ/ग्रेचुअटी मांग जिनके लिए 0.68 करोड़ रुपये (पिछले साल 0.68) करोड़ जमा करायें। | 0.68 | 0.68 |
| एच) | कस्टम बांड्स | - | - |
| आई) | बकाया जीआर–1 जिसके लिए 0.73 करोड़ रुपये (गत वर्ष 0.73 करोड़ रु. की बैंक गारंटी दी गई है। | 1.60 | 1.60 |
| | **कुल (I)** | **844.77** | **742.24** |
| **(II)** | **अन्य बैंक टु बैंक आधार पर असोसिएट के अकाउंट में यदि कोई देयता बनती है** | | |
| ए) | अंतर वाली कस्टम ड्यूटी/ब्याज/जुर्माना आदि | 209.03 | 209.03 |
| | कुल (II) | **209.03** | **209.03** |

क्रम संख्या (I) में उल्लिखित मदों के संबंध में गतिविधि

(रु. करोड़ में)

| क्रम सं. | विवरण | 31 मार्च 2025 को शेष | वर्ष के दौरान आरंभिक शेष में कटौती | वर्ष 2025–26 के दौरान वृद्धि | 31 मार्च 2026 को शेष |
|---|---|---|---|---|---|
| ए) | विदेशी मुद्रा के दावों सहित कंपनी के विरुद्ध ऐसे दावे जिन्हें ऋण नहीं माना गया | 289.66 | - | 302.83 | 592.49 |
| बी) | विवादित आयकर मांग | 21.50 | 14.62 | 6.25 | 13.12 |
| सी) | विवादित टीडीएस मांग | - | - | 0.00 | 0.00 |
| डी) | विवादित बिक्री कर मांग | 318.85 | 211.69 | 1.30 | 108.47 |
| ई) | विवादित सेवाकर मांग | 90.60 | - | 18.45 | 109.05 |
| एफ) | विवादित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मांग | 19.36 | - | - | 19.36 |
| जी) | विवादित पीएफ मांग | 0.68 | - | - | 0.68 |
| एच) | कस्टम बांड्स | - | - | - | - |
| आई) | बकाया जीआर–1 | 1.60 | - | - | 1.60 |
| | कुल | **742.24** | **226.31** | **328.84** | **844.77** |

क्रमांक (II) पर उल्लिखित मदों के संबंध में संचलन

| विवरण | | 31 मार्च, 2025 को शेष राशि | साल के दौरान आरंभिक शेष में कटौती | वर्ष 2025–26 के दौरान वृद्धि | 31 मार्च 2026 का शेष |
|---|---|---|---|---|---|
| ए) | विभेदक सीमा शुल्क / ब्याज / जुर्माना आदि। | 209.03 | - | - | 209.03 |
| | कुल | 209.03 | - | - | 209.03 |

**संयुक्त उद्यमों की आकस्मिक देनदारियों में हिस्सेदारी :-**

| क्रम सं. | संयुक्त उपक्रम का नाम | 31 मार्च 2026 के अनुसार | 31 मार्च 2025 के अनुसार |
|---|---|---|---|
| 1 | एमएमटीसी पैम्प इंडिया प्रा. लिमिटेड | 26.63 | 22.67 |
| 2 | सीकल लौह अयस्क टर्मिनल लिमिटेड | नहीं | नहीं |
| 4 | मुक्त व्यापार गोदाम–आवास प्रा. लिमिटेड | नहीं | नहीं |

लागू नहीं – लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण प्राप्त नहीं हुए

i) कंपनी की ओर से बैंकों द्वारा कस्टमर के पक्ष में अनुबंधों का निष्पादन के लिए रु. 11.21 करोड़ (पिछले साल रु.11.21 करोड़) की गारंटी जारी की गई, जिसके लिए संबद्ध आपूर्तिकर्ता से रु. शून्य करोड़ (पिछले वर्ष रु. शून्य करोड़) की बैकअप गारंटी ली गई है।

ii) कंपनी द्वारा खोले गए लेटर ऑफ क्रेडिट का बकाया शून्य करोड़ (पी.वाई.शून्य करोड़) है।

iii) ए) नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) की ओर से वित्तीय संस्थान / बैंकों के पक्ष में कंपनी द्वारा दी गई रु. शून्य करोड़ (पछले वर्ष रु. शून्य करोड़) की कॉर्पोरेट गारंटी है।

बी) एमएमटीसी पैम्प ने पैम्प प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एमएमटीसी पैम्प की पूरी तरह से मालिकाना हक वाली सब्सिडियरी) की ओर से एक्सिस बैंक को रु. 20.00 करोड़ (पिछले साल रु.25.00 करोड़) की कॉर्पोरेट गारंटी दी है।

iv) कुछ मामलों में, आकस्मिक देयताएं के तहत शामिल रकम भारत सरकार के अकाउंट में हैंडल की गई कमोडिटीज से जुड़ी होती है और इसलिए इसे भारत सरकार से रिकवर किया जा सकता है।

V) अतिरिक्त देयता, यदि कोई हो, यदि निर्धारण पूरा होने पर बिक्री कर की मांगों, कुछ कर्मचारियों के विवादित दावों, हैंडलिंग एजेंटों / ठेकेदारों द्वारा भविष्य निधि की गैर–कटौती, किराए और ब्याज / जुर्माना / कानूनी लागत आदि के संबंध में, आकस्मिक देनदारियों के रूप में इंगित की गई राशि पर, अनिश्चितता के कारण, विचार नहीं किया गया।

vi) कंपनी के खिलाफ ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किए गए दावों में एमएमटीसी कर्मचारी सहकारी कैंटीन सोसाइटी के कारण आरपीएफसी द्वारा रु. 2.18 करोड़ (पछले साल रु. 2.18 करोड़) की मांग शामिल है।

vii) नोट सं.34 i) क) में एलसी के संबंध में आरओ मुंबई द्वारा बताई गई रु.14.19 करोड़ (पिछले साल रु.12.26 करोड़) की राशि शामिल है और इंडसइंड बैंक द्वारा उठाए गए दावे के खिलाफ मामला विचाराधीन है।

**35. प्रतिबद्धताओं**

पूंजी प्रतिबद्धताएं: पूंजी खाते पर निष्पादित किए जाने वाले और प्रदान नहीं किए गए अग्रिमों के शुद्ध विदेशी मुद्रा अनुबंधों सहित अनुबंधों की अनुमानित राशि रु. शून्य करोड़ (पछले वर्ष रु.शून्य करोड़) है।

संयुक्त उद्यम में निवेश के संबंध में पूंजी प्रतिबद्धता रु. शून्य करोड़ (पछले वर्ष रु. शून्य करोड़)।

संयुक्त उद्यमों की पूंजी प्रतिबद्धताओं में हिस्सेदारी:–

| क्रम सं. | संयुक्त उपक्रम का नाम | 31 मार्च 2026 के अनुसार | 31 मार्च 2025 के अनुसार |
|---|---|---|---|
| 1 | एमएमटीसी पैम्प इंडिया प्रा. लिमिटेड | 1.84 | 3.85 |
| 2 | सीकल लौह अयस्क टर्मिनल लिमिटेड | लागू नहीं | लागू नहीं |
| 4 | मुक्त व्यापार गोदाम–आवास प्रा. लिमिटेड | लागू नहीं | लागू नहीं |

लागू नहीं – लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण प्राप्त नहीं हुए

**36. सामान्य प्रकटीकरण:–**

ए) 31.03.2026 और 31.03.2025 को समेकित बैलेंस शीट में एमएमटीसी ट्रांसनैशनल प्राइवेट लिमिटेड की संपत्ति और देनदारियां शामिल नहीं हैं। लिमिटेड (एमटीपीएल), क्योंकि एमटीपीएल का नियंत्रण परिसमापक द्वारा ले लिया गया है और एमएमटीसी के पास वर्ष 31.03.2026 और 31.03.2025 के लिए इसके वित्तीय मामलों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

27.10.2023 को आयोजित परिसमापन सुनवाई के अनुसार, सिंगापुर के माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, मेसर्स डेलॉइट और टूश एलएलपी सिंगापुर को कंपनी (एमएमटीसी ट्रांसनैशनल प्राइवेट लिमिटेड) के संयुक्त और कई परिसमापकों के रूप में नियुक्त किया गया है। सिंगापुर गणराज्य के माननीय उच्च न्यायालय ने एमटीपीएल के खिलाफ समापन आदेश पारित किया है।

एमएमटीसी ने सिंगापुर स्थित एमटीपीएल में वित्तीय अनियमितताओं और धोखाधड़ी के संबंध में सीबीआई के समक्ष 04.10.2023 को शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद, सीबीआई ने 15.10.2024 पर मामले में आगे की जांच के लिए प्राथमिकी दर्ज की है।

एमएमटीसी का एमटीपीएल, सिंगापुर में 3.14 करोड़ रुपये (1 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का निवेश है और वर्तमान में एमटीपीएल, सिंगापुर परिसमापन के अधीन है। उपरोक्त निवेश के लिए प्रावधान लेखा पुस्तकों में किया गया है।

बी) बिना बिल वाली खरीद के कारण निम्नलिखित सामान कंपनी द्वारा जमा के तहत रखा जाता है और अन्य चालू परिसंपत्तियों (नोट संख्या 11 (बी) और (नोट 32 (ii) देखें) के तहत दिखाया जाता है।

| वस्तुएं | 31/03/2026 | | 31/03/2025 | |
|---|---|---|---|---|
| | मात्रा | मूल्य | मात्रा | मूल्य |
| सोना (किलोग्राम में) | - | - | - | - |
| सोना के आभूषण (किलोग्राम में) | 12,503.70 | 13.21 | - | - |
| चाँदी (किलोग्राम में) | - | - | - | - |
| कुल | **12,503.70** | **13.21** | **-** | **-** |

सी) नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) – संयुक्त उद्यम कंपनी का विनिवेश 4.7.2022 को पूरा कर लिया गया है।

i) 774.95 करोड़ रुपये की राशि (एमएमटीसी का हिस्सा रु. 411.76 करोड़ रुपये), एसबीआई, भुवनेश्वर के साथ एक ब्याज–धारक एस्क्रो खाते में रखी गई, 04.07.2025 को परिपक्व हुई। चूंकि तीन साल की समय सीमा उसी तारीख को समाप्त हो गई, इसलिए 04.07.2025 को एस्क्रो खाते में उपलब्ध राशि के साथ–साथ अर्जित ब्याज को एनआईएनएल के प्रमोटरों के बीच वितरित किया गया था। तदनुसार, एमएमटीसी को 04.07.2025 पर मूलधन के रूप में 411.76 करोड़ और ब्याज के रूप में 25.75 करोड़ (टीडीएस और बैंक शुल्क के बाद) प्राप्त हुए।

ii) एनआईएनएल के विनिवेश के लिए शेयर खरीद समझौते (एसपीए) के खंड के अनुसार, विनिवेश के बाद एनआईएनएल पर कोई भी अप्रत्याशित देयता पूर्ण होने की तारीख से 3 साल की अवधि तक एसपीए के वारंटी खंड के अनुसार विक्रेताओंध्प्रमोटरों द्वारा वहन की जाएगी। विक्रेताओं और प्रमोटरों की कुल देनदारी, बिक्री प्रतिफल के माध्यम से विक्रेताओं द्वारा प्राप्त बोली राशि से प्राप्त राशि के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती है, और उनके संबंधित विक्रेता ऋण का निर्वहन नहीं किया जा सकता है। इस संबंध में एमएमटीसी की अधिकतम देयता, यदि कोई हो, रु. 1067 करोड़ है। 3 साल की अवधि 04.07.2025 को समाप्त हो गई है और उस तारीख तक कोई देयता नहीं आई है।

डी) कंपनी ने मिंट बिक्री के संबंध में मेसर्स एआईपीएल के खिलाफ रु. 31.40 करोड़ रुपये का वसूली मुकदमा दायर किया है। लेनदेन (पिछले साल रु. 31.40 करोड़ रुपये) जिसमें रु. 2.95 करोड़ रुपये (पिछले साल रु. 2.95 करोड़ रुपये) का बकाया ब्याज शामिल है, जिसे कंपनी के पक्ष में डिक्री किया गया है। एमएमटीसी ने निष्पादन याचिका दायर की है और मामले की सुनवाई 08.06.2026 को होगी। कंपनी ने रु. 28.45 करोड़ रुपये की राशि को वर्ष 2015–16 में गैर–प्राप्ति के कारण बट्टे खाते में डाल दिया है। मेसर्स एआईपीएल ने रु. 167.20 करोड़ रुपये (पिछले साल रु. 167.20 करोड़ रुपये) के नुकसान के लिए सरकारी मिंट/एमएमटीसी के खिलाफ भी मुकदमा दायर किया है, जो कानूनी राय के अनुसार टिकने योग्य नहीं है और इसका विरोध किया जा रहा है। इसके अलावा, इसे आकस्मिक देयता के रूप में नहीं माना गया है क्योंकि प्रबंधन का विचार है कि इस मामले में कंपनी पर कोई वर्तमान या संभावित देयता नहीं है

ई) प्याज का बफर स्टॉक बनाने के लिए भारत सरकार की मूल्य स्थिरीकरण योजना के तहत, एमएमटीसी ने जुलाई 2019 से 31.03.2020 तक प्याज का आयात किया। योजना के अनुसार एमएमटीसी का ट्रेडिंग मार्जिन बिक्री के समय सी एंड एफ लागत पर 1.5 प्रतिशत निर्धारित किया गया है और आयात से संबंधित सभी खर्च सरकार के खाते में होंगे। बिक्री वसूली और एमएमटीसी के मार्जिन सहित खर्च की गई लागत के बीच के अंतर को सरकार से दावा प्राप्य के रूप में दर्शाया गया है, जिसे सरकार से प्राप्त अग्रिम के साथ समायोजित किया जाएगा। 2025–26 के दौरान, कंपनी को प्याज आयात योजना से संबंधित प्रस्तुत किए गए खातों के संबंध में उपभोक्ता मामले विभाग से अंतिम अनुमोदन/स्वीकृति प्राप्त हुई है। परिणामस्वरूप, आवश्यक लेखांकन प्रविष्टियाँ पारित की गई हैं।

एफ) आयातित पॉलिएस्टर को नुकसान पहुंचने के कारण एक सहयोगी के खिलाफ रु. 1.53 करोड़ (पिछले साल रु. 1.53 करोड़) का दावा लंबित है, जिसके लिए ईएमडी और अन्य देयताओं को ध्यान में रखते हुए खातों में रु. 1.53 करोड़ (पिछले साल रु. 1.53 करोड़) का प्रावधान है। कंपनी ने परित्याग के लिए सीमा शुल्क का अनुरोध किया है जो न्यायनिर्णयन के लिए लंबित है। एसोसिएट के खिलाफ आपराधिक और दीवानी मुकदमा दायर किया गया है।

जी) मुंबई में, वर्ष 2011–12 के दौरान, एक विदेशी आपूर्तिकर्ता ने सामग्री (तांबा) की डिलीवरी किए बिना रु. 4.13 करोड़ (पिछले साल रु. 4.13 करोड़) का भुगतान प्राप्त करने के लिए बैंकिंग चैनलों के माध्यम से जाली शिपिंग दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं। हालाँकि, कंपनी ने अंतरिम रोक प्राप्त कर ली है जो बैंक को ऋण पत्र के तहत भुगतान करने से रोकती है जिसे रद्द कर दिया गया था और भारतीय बैंक को विदेशी बैंक को भुगतान करना था। पंजाब और हरियाणा के माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष एक आवेदन दायर किया गया है और उक्त आवेदन प्रवेश के स्तर पर है। वही आपूर्तिकर्ता कॉपर के एक अन्य शिपमेंट के मास्टर बिल ऑफ लेडिंग को भी धोखाधड़ी से अपने कब्जे में रखता है, जिससे क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई को रु. 8.60 करोड़ (पिछले साल रु. 8.60 करोड़) मूल्य के माल की डिलीवरी और कब्जा करने में सक्षम बनाया जा सकता है, जिसका भुगतान पहले ही किया जा चुका है और शेष राशि के लिए ईएमडी और देय राशि के प्रावधान का समायोजन वर्ष 2014–15 के दौरान किया गया है।

एच) **हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालयः**

(i) 2011–12 के दौरान बैंकिंग चैनल से रु. 3.75 करोड़ (पी.वाई. रु. 3.75 करोड़) कीमत के कॉपर के दो शिपमेंट के नकली बिल ऑफ लैडिंग मिले, जिनके बदले कोई सामान नहीं मिला। कंपनी को अपने भारतीय कस्टमर से पूरा पेमेंट मिलने के बाद, विदेशी सप्लायर को लेटर ऑफ क्रेडिट के जरिए पूरा पेमेंट कर दिया गया है। कंपनी ने विदेशी सप्लायर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस ट्रांजैक्शन के लिए लोकल खरीदार से पूरे और फाइनल सेटलमेंट में रु. 4.44 करोड़ की रकम मिली, जिसमें दूसरी गैर–चालू देनदारियों के तहत कस्टमर से मिला एडवांस भी शामिल है।

(ii) एमबीएस ग्रुप से 226.82 करोड़ रुपये का व्यापार प्राप्य है, जिसके लिए 100 प्रतिशत प्रावधान पहले ही किया जा चुका है। इस मामले में एमबीएस ग्रुप द्वारा 2012–13 के दौरान जमा किए गए स्टडेड ज्वेलरी को आरओ हैदराबाद के साथ जमा किया गया था और 2024–25 के दौरान कार्यालय के तिजोरी में रखा गया था। यह एमबीएस समूह द्वारा दावा किए गए मूल्यांकन में असामान्य अंतर और कंपनी द्वारा किए गए पुनर्मूल्यांकन के कारण विभिन्न अदालतों/मंचों के समक्ष लंबित प्रमुख कानूनी मामला है। अदालत ने एमएमटीसी लिमिटेड के पक्ष में 10.02.2025 का आदेश पारित किया है और एमबीएस समूह को 30.09.2013 से 13.25 प्रतिशत ब्याज के साथ रु. 228.32 करोड़ और रु. 11.90 करोड़ का मुकदमेबाजी खर्च का भुगतान करने का निर्देश दिया है। साथ ही उक्त मामला आज की तारीख तक सीबीआई/ईडी के पास जांच के अधीन है। कैप कार्यालय ने 26.6.2025 पर निष्पादन याचिका दायर की है और अगली सुनवाई की तारीख 11.06.2026 है।

आई) माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने कंपनी को एमएमटीसी से अपने लेखा पुस्तकों के अनुसार कंपनी के कोयला आपूर्तिकर्ताओं में से एक द्वारा कोयला आपूर्तिकर्ता के खिलाफ विदेशी पक्ष द्वारा दायर डिक्री के निष्पादन से संबंधित मामले में प्राप्य रु. 39.62 करोड़ (पिछले साल रु. 39.62 करोड़) जमा करने का निर्देश दिया है। एमएमटीसी ने आवेदन और प्रतिज्ञापत्र दायर किया है जिसमें कहा गया है कि आपूर्तिकर्ता के संविदात्मक दायित्वों का अभी तक निर्वहन नहीं किया गया है और एमएमटीसी इस स्तर पर कोई राशि जमा करने में असमर्थ है। सभी मुद्दों के समाधान के बाद आपूर्तिकर्ता को देय पाई गई कोई भी राशि, एमएमटीसी पर बिना किसी देयता के आपूर्तिकर्ता को जारी करने के बजाय अदालत में जमा की जाएगी। सुनवाई चल रही है और अगली सुनवाई की तारीख 07.07.2026 है।

जे) कंपनी ने 01.04.2023 से मौजूदा ईआरपी पैकेज को टैली प्राइम पैकेज से बदलने का निर्णय लिया है।

के) एमएमटीसी को प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा विभिन्न जेबी से बाहर निकलने सहित जनशक्ति को कम करने के लिए एक रोड मैप तैयार करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा व्यवसाय संचालन से बाहर निकलने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं। हालाँकि, पवन चक्की का व्यवसाय अभी भी चालू है। एमएमटीसी के लिए सरकार को अभी तक निकास मार्ग तय करना है। चूंकि बंद करने आदि के लिए मंत्रालय से कोई संचार नहीं है, इसलिए लाभकारी कारबार वाला संस्थान की यथास्थिति बनाए रखी जा रही है और लाभकारी कारबार वाला संस्थान के आधार पर खाते तैयार किए गए हैं।

## 37. वित्तीय उपकरण– उचित मूल्य और जोखिम प्रबंधन

### 37.1 श्रेणियों द्वारा वित्तीय उपकरण

निम्नलिखित तालिकाएँ श्रेणियों के अनुसार वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों की वहन राशि और उचित मूल्यों को दर्शाती हैं। इसमें वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों के लिए उचित मूल्य की जानकारी शामिल नहीं है, जिन्हें उचित मूल्य पर नहीं मापा जाता है यदि वह वहन राशि उचित मूल्य का उचित अनुमान है।

(31 मार्च 2026 को करोड़ रुपये में)

| विरण | परिशोधित लागत | लाभ अथवा हानि अनुसार उचित मूल्य पर वित्तीय परिसम्पत्तियां / वित्तीय देयताएं | ओसीआई अनुसार उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां / वित्तीय देयताएं | कुल कैरिंग मूल्य | कुल उचित मूल्य |
|---|---|---|---|---|---|
| **परिसंपत्तियां** | | | | | |
| इक्विटी दस्तावेजों में निवेश (संदर्भ नोट संख्या : 6) | | | 94.10 | 94.10 | 94.10 |
| रोकड़ समकक्ष (संदर्भ नोट संख्या : 13) | 2.70 | | | 2.70 | |
| ट्रेड प्राप्य (संदर्भ नोट संख्या : 7) | 24.04 | | | 24.04 | |
| कर्मचारियों को ऋण (संदर्भ नोट संख्या : 8) | 2.16 | | | 2.16 | |
| संबंधित पार्टी को ऋण (संदर्भ नोट संख्या : 8) | 10.77 | | | 10.77 | |
| अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां (संदर्भ नोट संख्या : 9) | 120.21 | | | 120.21 | |
| देयताएं | | | | | |
| ट्रेड देय (संदर्भ नोट संख्या : 18) | 238.13 | | | 238.13 | |
| उधार (संदर्भ नोट संख्या : 17) | - | | | - | |
| अन्य वित्तीय देयताएं (संदर्भ नोट संख्या : 19) | 150.58 | | | 150.58 | |

(31 मार्च 2025 को करोड़ रुपये में)

| विरण | परिशोधित लागत | लाभ अथवा हानि अनुसार उचित मूल्य पर वित्तीय परिसम्पत्तियां / वित्तीय देयताएं | ओसीआई अनुसार उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां / वित्तीय देयताएं | कुल कैरिंग मूल्य | कुल उचित मूल्य |
|---|---|---|---|---|---|
| **परिसंपत्तियां** | | | | | |
| इक्विटी दस्तावेजों में निवेश (संदर्भ नोट संख्या : 6) | | | 64.05 | 64.05 | 64.05 |
| रोकड़ समकक्ष (संदर्भ नोट संख्या : 13) | 29.77 | | | 29.77 | |
| ट्रेड प्राप्य (संदर्भ नोट संख्या : 7) | 119.04 | | | 119.04 | |
| कर्मचारियों को ऋण (संदर्भ नोट संख्या : 8) | 2.51 | | | 2.51 | |
| संबंधित पार्टी को ऋण (संदर्भ नोट संख्या : 8) | 40.02 | | | 40.02 | |
| अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां (संदर्भ नोट संख्या : 9) | 117.06 | | | 117.06 | |
| देयताएं | | | | | |
| ट्रेड देय (संदर्भ नोट संख्या : 18) | 239.50 | | | 239.50 | |
| उधार (संदर्भ नोट संख्या : 17) | - | | | - | |
| अन्य वित्तीय देयताएं (संदर्भ नोट संख्या : 19) | 159.98 | | | 159.98 | |

### 37.2 उचित मूल्य पदानुक्रम

- स्तर 1 – स्तर 1 पदानुक्रम में सक्रिय बाजारों में उद्धृत कीमतों (असमायोजित) का उपयोग करके मापे गए वित्तीय उपकरण शामिल हैं।
- स्तर 2 – स्तर 2 पदानुक्रम में स्तर 1 के भीतर शामिल उद्धृत कीमतों के अलावा अन्य इनपुट का उपयोग करके मापे गए वित्तीय उपकरण शामिल हैं जो संपत्ति या देयता के लिए प्रत्यक्ष रूप से (यानी कीमतों के रूप में) या अप्रत्यक्ष रूप से (यानी कीमतों से प्राप्त) देखने योग्य हैं।
- स्तर 3 – स्तर 3 पदानुक्रम में वित्तीय उपकरण शामिल हैं जिन्हें मापने के लिए इनपुट का उपयोग किया जाता है जो अवलोकनीय बाजार डेटा (अदृश्य इनपुट) पर आधारित नहीं होते हैं।

निम्नलिखित तालिका उचित मूल्य पर आंकलन की गई परिसंपत्तियों तथा देयताओं के उचित मूल्य के अनुक्रम को प्रस्तुत करती है

(31 मार्च 2026 को करोड़ रुपये में)

| विवरण | स्तर 1 | स्तर 2 | स्तर 3 | कुल योग | मूल्यांकन तकनीक तथा प्रमुख इनपुट्स | महत्वपूर्ण अदृश्य इनपुट्स |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **वित्तीय परिसंपत्तियां** | | | | | | |
| एफवीटीओसीआई पर वित्तीय निवेश | | | | | | |
| इक्विटी दस्तावेजों में निवेश (बीएसई) | 94.10 | | | 94.10 | | उदधृत मूल्य |
| इक्विटी दस्तावेजों में निवेश (आईसीईएक्स) | | | - | - | उचित मूल्य के सर्वोत्तम अनुमान के अनुसार स्वीकृत लागत | |
| **कुल** | **94.10** | **-** | **-** | **94.10** | | |

(31 मार्च 2025 को करोड़ रुपये में)

| ववरण | स्तर 1 | स्तर 2 | स्तर 3 | कुल योग | मूल्यांकन तकनीक तथा प्रमुख इनपुट्स | महत्वपूर्ण अदृश्य इनपुट्स |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **वित्तीय परिसंपत्तियां** | | | | | | |
| एफवीटीओसीआई पर वित्तीय निवेश | | | | | | |
| इक्विटी दस्तावेजों में निवेश (बीएसई) | 64.05 | | | 64.05 | | उदधृत मूल्य |
| इक्विटी दस्तावेजों में निवेश (आईसीईएक्स) | | | - | - | उचित मूल्य के सर्वोत्तम अनुमान के अनुसार स्वीकृत लागत | |
| **कुल** | **64.05** | **-** | **-** | **64.05** | | |

### 37.3 वित्तीय जोखिम प्रबंधन, उद्देश्य और नीतियां

कंपनी की गतिविधियों के कारण उसे निम्नलिखित वित्तीय जोखिमों का सामना करना पड़ता है:

–बाजार जोखिम

–क्रेडिट जोखिम और

–लिक्विडिटी जोखिम।

कंपनी ने ऐसे फंड की व्यवस्था नहीं की है जिनमें कोई ब्याज दर जोखिम हो।

**क) बाजार जोखिम**

**(i) विदेशी मुद्रा विनिमय जोखिम**

कंपनी आयात और निर्यात का काम करती है, इसलिए उसे मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर के संबंध में विदेशी मुद्रा विनिमय जोखिम का सामना करना पडता है। कंपनी ने लंबी अवधि के कर्ज के जरिए फंड की व्यवस्था नहीं की है। बैंकों से लिए गए अल्पकालिक विदेशी मुद्रा ऋण (बायर क्रेडिट) निश्चित ब्याज दर वाले कर्ज हैं। नतीजतन, कंपनी को कोई ब्याज दर जोखिम नहीं है। कंपनी की जोखिम प्रबंधन नीति विदेशी मुद्रा विनिमय के जोखिम से बचाव (हेजिंग) के लिए हेजिंग इंस्ट्रूमेंट्स का उपयोग करना है।

कंपनी विदेशी मुद्रा जोखिम में अपने एक्सपोजर से बचाव के लिए विदेशी मुद्रा फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स का उपयोग करती है। कंपनी संबंधित स्पॉट मार्केट एक्सचेंज रेट के संदर्भ में फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स के स्पॉट एलिमेंट को निर्धारित करती है। अनुबंधित फॉरवर्ड और स्पॉट मार्केट एक्सचेंज रेट के बीच के अंतर को फॉरवर्ड एलिमेंट माना जाता है। हेज की गई वस्तु से संबंधित हेजिंग इंस्ट्रूमेंट के स्पॉट एक्सचेंज रेट में बदलाव को कैश फ्लो हेज रिजर्व में टाल दिया जाता है और संबंधित हेज्ड ट्रांजैक्शन होने पर उसे मान्यता दी जाती है। फॉरवर्ड एक्सचेंज कॉन्ट्रैक्ट के फॉरवर्ड एलिमेंट को कॉस्ट ऑफ हेजिंग रिजर्व में टाल दिया जाता है और ट्रांजैक्शन होने पर फॉरवर्ड एलिमेंट में बदलाव की सीमा तक उसे मान्यता दी जाती है।

नीचे दी गई तालिकाएं वित्तीय इंस्ट्रूमेंट्स से विदेशी मुद्रा जोखिम के प्रति कंपनी के एक्सपोजर के बारे में मात्रात्मक डेटा का सारांश दिखाती हैं, जिन्हें रुपयों में दर्शाया गया है:

(31 मार्च 2026 को करोड़ रुपये में)

| विवरण | अमेरिकी डालर (भारतीय रु. समतुल्य में) | अन्य मुद्राएं (भारतीय रु. समतुल्य में) | कुल |
|---|---|---|---|
| नकद और नकद समतुल्य | - | - | - |
| व्यापार प्राप्य | - | - | - |
| प्रसारण प्राप्य/देरी शुल्क प्राप्य | 4.46 | - | 4.46 |
| अन्य प्राप्य | - | - | - |
| विदेशी मुद्रा में कुल प्राप्य | 4.46 | - | 4.46 |
| **विदेशी मुद्रा ऋण देय** | **-** | **-** | **-** |
| विदेशी मुद्रा ऋण पर ब्याज देय | - | - | - |
| व्यापार देय | - | - | - |
| माल ढुलाई विलंब शुल्क/प्रसारण शुल्क देय | 5.44 | - | 5.44 |
| मुकदमे के निपटारे के लिए प्रावधान | - | - | - |
| अन्य | 87.76 | - | 87.76 |
| **विदेशी मुद्रा में कुल देय** | **93.20** | **-** | **93.20** |

कंपनी को विदेशी मुद्रा में मिलने वाली या चुकाने वाली रकम से जुड़ा कोई जोखिम नहीं है, क्योंकि नुकसान या फायदा सहयोगी सप्लायर या ग्राहक के खाते में जाता है, सिवाय उस मामले के जहाँ कानूनी विवाद के निपटारे के लिए प्रावधान किया गया है और मामला अभी भी विवादित है। साथ ही, कंपनी ने सहयोगी के जोखिम और खर्च पर भुगतान योग्य रकम के लिए फॉरवर्ड एक्सचेंज कॉन्ट्रैक्ट भी किए हैं।

(31 मार्च 2025 को करोड़ रुपये में)

| विवरण | अमेरिकी डालर (भारतीय रु. समतुल्य में) | अन्य मुद्राएं (भारतीय रु. समतुल्य में) | कुल |
|---|---|---|---|
| नकद और नकद समतुल्य | - | - | - |
| व्यापार प्राप्य | - | - | - |
| प्रसारण प्राप्य / देरी शुल्क प्राप्य | 4.46 | - | 4.46 |
| अन्य प्राप्य | - | - | - |
| विदेशी मुद्रा में कुल प्राप्य | 4.46 | - | 4.46 |
| **विदेशी मुद्रा ऋण देय** | - | - | - |
| विदेशी मुद्रा ऋण पर ब्याज देय | - | - | - |
| व्यापार देय | - | - | - |
| माल ढुलाई विलंब शुल्क / प्रसारण शुल्क देय | 5.44 | - | 5.44 |
| मुकदमे के निपटारे के लिए प्रावधान | - | - | - |
| अन्य | 1,054.87 | - | 1,054.87 |
| **विदेशी मुद्रा में कुल देय** | **1,060.30** | **-** | **1,060.30** |

कंपनी को विदेशी मुद्रा में मिलने वाली या भुगतान की जाने वाली रकम से कोई जोखिम नहीं है, क्योंकि इसमें होने वाला नुकसान या फायदा सहयोगी सप्लायर या ग्राहक का होता है। साथ ही, कंपनी ने सहयोगी के जोखिम और खर्च पर भुगतान की जाने वाली रकम के लिए फॉरवर्ड एक्सचेंज कॉन्ट्रैक्ट भी किए हैं।

**संवेदनशीलता :**

31 मार्च 2026 और 31 मार्च 2025 तक, हमारी फंक्शनल मुद्रा की तुलना से संबंधित विदेशी मुद्राओं में हर 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी या कमी का हमारे टैक्स से पहले के मुनाफे पर क्रमशः लगभग शून्य करोड़ रुपये और शून्य करोड रुपये का असर पड़ेगा।

**(i) मूल्य जोखिम**

इक्विटी सिक्योरिटीज की कीमत में उतार–चढ़ाव का जोखिम कंपनी के उन निवेशों से पैदा होता है जिन्हें तुलन पत्र में अन्य सामेकित आय के जरिए उचित मूल्य के तौर पर दिखाया गया है। कंपनी के पास मौजूद दो प्रतिभूतियों में से एक एनएसई में सूचीबद्ध है और दूसरी (आईसीईएक्स) सूचीबद्ध नहीं है।

31 मार्च 2026 और 31 मार्च 2025 तक, संबंधित इक्विटी कीमतों में हर 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी या कमी का इक्विटी के अन्य हिस्से पर क्रमशः लगभग रुपये 0.94 करोड़ और 3पये 0.64 करोड़ का असर पड़ेगा। इसका मुनाफे या नुकसान पर कोई असर नहीं पड़ता है।

**बी) क्रेडिट जोखिम**

क्रेडिट जोखिम का मतलब है कि कोई दूसरी पार्टी अपनी जिम्मेदारी पूरी न करे (डिफॉल्ट करे), जिससे वित्तीय नुकसान हो। रिपोर्टिंग की तारीख पर क्रेडिट जोखिम का ज़्यादातर जोखिम व्यापार से मिलने वाली रकम से होता है। इसलिए, नीचे दिए गए पैराग्राफ में ट्रेड प्राप्य से होने वाले क्रेडिट जोखिम का मूल्यांकन अन्य सभी वित्तीय संपत्तियों से अलग किया गया है।

**ट्रेड रिसीवेबल्स**

संयुक्त उपक्रमों और भारत सरकार के मामलों को छोड़कर, कंपनी के बकाया ट्रेड प्राप्य अधिकांशतः साख पत्र / बैंक गारंटी द्वारा सुरक्षित हैं।

इंड एएस– 109 के प्रावधानों के अनुसार, अपेक्षित क्रेडिट नुकसान के आधार पर ट्रेड प्राप्य पर मूल्य में कमी को पहचाना जाता है। अपेक्षित क्रेडिट नुकसान का हिसाब लगाने के लिए ग्राहकों के साथ कंपनी का पुराना अनुभव, मौजूदा आर्थिक स्थिति, ग्राहकों का मौजूदा प्रदर्शन और इंडस्ट्री के लिए भविष्य की संभावनाओं आदि को ध्यान में रखा जाता है।

**क्रेडिट जोखिम एक्सपोजर**

हर रिपोर्टिंग तारीख पर ट्रेड प्राप्यों की समयावधि का विश्लेषण इस प्रकार है:

(31 मार्च 2026 को करोड़ रुपये में)

| | भुगतान की देय तिथि से निम्न अवधि के लिए बकाया | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| विवरण | 6 माह से कम | 6 माह – 1 वर्ष | 1–2 वर्ष | 2–3 वर्ष | 3 वर्ष से अधिक | कुल |
| (i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – अच्छा माना जाता है | 1.12 | 1.59 | 0.51 | 0.03 | 20.70 | 23.95 |
| (ii) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – जिसमें ऋण जोखिम में ज्यादा वृद्धि होती है | - | - | - | - | - | - |
| (iii) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित | - | - | - | - | 20.64 | 20.64 |
| (iv) विवादित व्यापार प्राप्य – अच्छा माना जाता है। | - | - | - | - | 0.09 | 0.09 |
| (v) विवादित व्यापार प्राप्य – जिसमें ऋण जोखिम ज्यादा होती है | - | - | - | - | - | - |
| (vi) विवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित | - | - | - | - | 297.40 | 297.40 |
| **उप–योग** | **1.12** | **1.59** | **0.51** | **0.03** | **338.82** | **342.07** |
| कमी : क्रेडिट हानि के लिए अनुमत | | | | | | 318.03 |
| **कुल** | | | | | | **24.04** |

(31 मार्च 2026 को करोड़ रुपये में)

| विवरण | भुगतान की देय तिथि से निम्न अवधि के लिए बकाया | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 6 माह से कम | 6 माह – 1 वर्ष | 1–2 वर्ष | 2–3 वर्ष | 3 वर्ष से अधिक | कुल |
| (i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – अच्छा माना जाता है | 0.89 | 0.42 | 0.01 | 0.05 | 117.58 | 118.96 |
| (ii) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – जिसमें ऋण जोखिम में ज्यादा वृद्धि होती है | - | - | - | - | - | - |
| (iii) निर्विवाद व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित | - | - | - | - | 8.20 | 8.20 |
| (iv) विवादित व्यापार प्राप्य – अच्छा माना जाता है। | - | - | - | - | 0.09 | 0.09 |
| (v) विवादित व्यापार प्राप्य – जिसमें ऋण जोखिम ज्यादा होती है | - | - | - | - | - | - |
| (vi) विवादित व्यापार प्राप्य – ऋण बाधित | - | - | - | - | 381.76 | 381.76 |
| **उप–योग** | **0.89** | **0.42** | **0.01** | **0.05** | **507.63** | **509.00** |
| कमी : क्रेडिट हानि के लिए अनुमत | | | | | | 389.96 |
| **कुल** | | | | | | **119.04** |

आम तौर पर, ट्रेड प्राप्यो को जब वसूली को संदिग्ध माना जाता है जब वे तीन साल से ज्यादा समय से बकाया हों (सरकारी बकाया को छोड़कर), सिवाय तब जब रकम मिलने की उम्मीद हो, या जब कंपनी द्वारा अलग–अलग ट्रेड प्राप्यो के लिए किए गए रिकवरी एनालिसिस के आधार पर उनकी वसूली संदिग्ध मानी जाए। कंपनी का मानना है कि ऊपर बताई गई सभी वित्तीय संपत्तियां, जो बकाया होने के बावजूद ओवरडयू नही हैं, अच्छी क्रेडिट क्वालिटी वाली हैं।

कुछ ट्रेड प्राप्य के मामले में, कंपनी के पास सहयोगी सप्लायर्स को देने के लिए बराबर रकम होती है, जिसका भुगतान ट्रेड प्राप्य की वसूली होने पर किया जाता है। ऐसी ट्रेड प्राप्य को बकाया होने के बावजूद ओवरडयू नहीं माना जाता है।

**अन्य वित्तीय परिसम्पत्तियां**

कैश और कैश इक्विवेलेंट्स से जुड़ा क्रेडिट जोखिम न के बराबर माना जाता है क्योंकि हमारे काउंटरपार्टी (लेन–देन करने वाले) बैंक हैं। हम शेडयूल्ड बैंकों (जो रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रेगुलेटरी निगरानी में हैं) के साथ टर्म डिपॉजिट की क्रेडिट क्वालिटी को अच्छा मानते हैं, और हम इन बैंकिंग संबंधों की लगातार समीक्षा करते हैं। कर्मचारियों के लोन से जुड़ा क्रेडिट जोखिम न के बराबर माना जाता है क्योंकि घर बनाने के लिए लोन, गाड़ी के लिए लोन आदि जैसे बड़े लोन उस प्रॉपर्टी के बदले सुरक्षित होते हैं जिसके लिए कर्मचारियों को लोन दिया जाता है। अन्य कर्मचारी लोन संबंधित कर्मचारियों की पर्सनल गारंटी और अन्य कार्यरत कर्मचारियों के श्योरिटी बॉन्ड के तहत कवर किए जाते हैं। इन वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए हर रिपोर्टिंग तारीख पर कोई मूल्य में कमी के लिए प्रावधान नहीं होता है। हम रिपोर्टिंग तारीखों पर ऊपर बताई गई सभी फाइनेंशियल एसेट्स को अच्छी क्रेडिट क्वालिटी वाला मानते हैं।

**सी) तरलता जोखिम**

हमारी तरलता की जरूरतों की निगरानी मासिक और वार्षिक अनुमानों के आधार पर की जाती है। कंपनी के लिए तरलता के मुख्य स्रोत कैश और कैश इक्विवेलेंट्स, ऑपरेशन से मिलने वाला कैश और समय पर देनदारियों को पूरा करने के लिए कमिटेड क्रेडिट सुविधाओं के जरिए पर्याप्त फंडिंग की उपलब्धता है।

अंतर्निहित व्यवसायों की बदलती प्रकृति के कारण, कंपनी कमिटेड क्रेडिट लाइनों के तहत उपलब्धता बनाए रखकर फंडिंग में लचीलापन बनाए रखती है।

अल्पकालिक तरलता जरूरतों में मुख्य रूप से हर रिपोर्टिंग तारीख पर सामान्य कामकाज के दौरान पैदा होने वाले विविध लेनदार देय खर्च और कर्मचारियों का बकाया शामिल होता है। कंपनी अल्पकालिक तरलता जरूरतों को पूरा करने के लिए बैंक से क्रेडिट की व्यवस्था करती है और कैश और कैश इक्विवेलेंट्स में बैलेंस बनाए रखती है।

कंपनी समय–समय पर दीर्घकालिक तरलता जरूरतों का आकलन करती है और उन्हें आंतरिक स्रोतों से प्राप्त रकम और कमिटेड क्रेडिट लाइनों के जरिए मैनेज करती है।

नीचे दी गई तालिका नॉन–डेरिवेटिव वित्तीय देनदारियों की कॉन्ट्रैक्चुअल मैच्योरिटी के बारे में जानकारी देती है। यह टेबल फाइनेंशियल देनदारियों के अनडिस्काउंटेड कैश फ्लो के आधार पर बनाई गई है, जो उस शुरुआती तारीख पर आधारित है जब कंपनी को भुगतान करना पड़ सकता है। टेबल में मूलधन और ब्याज दोनों के कैश फ्लो शामिल हैं।

(31 मार्च 2026 को करोड़ रुपये में)

| विवरण | भुगतान की देय तिथि से निम्न अवधि के लिए बकाया | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 6 माह से कम | 6 माह से 1 वर्ष | 1–2 वर्ष | 2–3 वर्ष | 3 वर्ष से अधिक | कुल |
| (i) एमएसएमई | 0.12 | - | - | 0.00 | 0.02 | 0.14 |
| (ii) अन्य | 0.37 | - | - | - | 237.14 | 237.51 |
| (iii) **विवादित देय–एमएसएमई** | - | - | - | - | - | - |
| (iv) विवादित देय–अन्य | - | - | - | - | 0.48 | 0.48 |
| कुल | | | | | | **238.13** |

(31 मार्च 2025 को करोड़ रुपये में)

| विवरण | भुगतान की देय तिथि से निम्न अवधि के लिए बकाया | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 6 माह से कम | 6 माह से 1 वर्ष | 1–2 वर्ष | 2–3 वर्ष | 3 वर्ष से अधिक | कुल |
| (I) एमएसएमई | 0.11 | - | 0.00 | 0.02 | 0.00 | 0.12 |
| (ii) अन्य | 0.21 | - | - | 0.00 | 238.68 | 238.90 |
| (iii) **विवादित देय–एमएसएमई** | - | - | - | - | - | - |
| (iv) विवादित देय–अन्य | - | - | - | - | 0.48 | 0.48 |
| कुल | | | | | | **239.50** |

## 38. हेजिंग गतिविधियों का प्रभाव

### 38.1 कैश फ्लो हेज

31, मार्च 2026 को कंपनी का कोई भी हेजिंग इंस्ट्रूमेंट बकाया नहीं था।

### 38.2 उचित मूल्य हेज

जोखिम प्रबंध नीति के अनुसार, कंपनी सोने और चांदी की इन्वेंट्री की कीमतों में उतार–चढ़ाव से बचाव के लिए कमोडिटी एक्सचेंजों के साथ फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट करती है। हेजिंग इंस्ट्रूमेंट से होने वाले फायदे या नुकसान को लाभ या हानि में दिखाया जाता है। हेज की गई आइटम पर हेजिंग से होने वाला फायदा या नुकसान, उस आइटम की कैरिंग अमाउंट को एडजस्ट करता है और इसे लाभ या हानि में दिखाया जाता है।

हेजिंग इंस्ट्रूमेंट्स के लिए वित्तीय स्थिति पर हेज अकाउंटिंग के असर का खुलासा:

(31 मार्च 2026 को करोड़ रुपये में)

| हैज तथा जोखिम का प्रकार | हेजिंग इंस्ट्रूमेंट की कैरिंग राशि | | अवधि के लिए हेज निष्प्रभावी मानने का आधार जिसके अनुसार हेजिंग इंस्ट्रूमेंट को उसके उचित मूल्य में परिवर्तित करते हुए प्रयोग किया गया | हेजिंग इंस्ट्रूमेंट की नामिनल राशि | |
|---|---|---|---|---|---|
| | परिसंपत्तियां | देयताएं | | मात्रा (कि.ग्रा.) | मूल्य |
| हेज उचित मूल्य | – | – | – | – | – |
| मूल्य जोखिम | – | – | – | – | – |
| सोने की बिक्री के लिए फारवर्ड कांट्रेक्ट | – | – | – | – | – |

(31 मार्च 2025 को करोड़ रुपये में)

| हैज तथा जोखिम का प्रकार | हेजिंग इंस्ट्रूमेंट की कैरिंग राशि | | अवधि के लिए हेज निष्प्रभावी मानने का आधार जिसके अनुसार हेजिंग इंस्ट्रूमेंट को उसके उचित मूल्य में परिवर्तित करते हुए प्रयोग किया गया | हेजिंग इंस्ट्रूमेंट की नामिनल राशि | |
|---|---|---|---|---|---|
| | परिसंपत्तियां | देयताएं | | मात्रा (कि.ग्रा.) | मूल्य |
| हेज उचित मूल्य | – | – | – | – | – |
| मूल्य जोखिम | – | – | – | – | – |
| सोने की बिक्री के लिए फारवर्ड कांट्रेक्ट | – | – | – | – | – |

बी.) हेज्ड आइटम्स के लिए वित्तीय स्थिति पर पड़ने वाले हेज अकाउंटिंग के प्रभाव का खुलासा

(31 मार्च 2026 को करोड़ रुपये में)

| हेज तथा जोखिम का प्रकार | हेजिंग आइटम की कैरिंग राशि | हेज्ड आइटम पर हेज समायोजन की संचित राशि जिसमें हेज्ड आइटम की कैरिंग राशि भी शामिल है | तुलनपत्र में लाइन आइटम जिसमें हेज्ड आइटम शमिल है | हेज निष्प्रभावी मानने का आधार जिसके अनुसार हेजिंग इंस्ट्रूमेंट को उसके उचित मूल्य में परिवर्तित करते हुए प्रयोग किया गया | ऐसे हेज्ड आइटम्स जो हेजिंग लाभ तथा हानि के लिए समायोजित नहीं किए जा सके थे, तुलनपत्र में ऐसे शेष बचे हेज समायोजनों की संचित राशि (इंडएस–109 का पैरा 6.5.10) |
|---|---|---|---|---|---|
| हेज उचित मूल्य | | | | | |
| मूल्य जोखिम | | | | | |
| सोने की इन्वेंट्री | - - | - | इन्वेंट्री | | |

(31 मार्च 2025 को करोड़ रुपये में)

| हेज तथा जोखिम का प्रकार | हेजिंग आइटम की कैरिंग राशि | हेज्ड आइटम पर हेज समायोजन की संचित राशि जिसमें हेज्ड आइटम की कैरिंग राशि भी शामिल है | तुलनपत्र में लाइन आइटम जिसमें हेज्ड आइटम शमिल है | हेज निष्प्रभावी मानने का आधार जिसके अनुसार हेजिंग इंस्ट्रूमेंट को उसके उचित मूल्य में परिवर्तित करते हुए प्रयोग किया गया | ऐसे हेज्ड आइटम्स जो हेजिंग लाभ तथा हानि के लिए समायोजित नहीं किए जा सके थे, तुलनपत्र में ऐसे शेष बचे हेज समायोजनों की संचित राशि (इंडएस–109 का पैरा 6.5.10) |
|---|---|---|---|---|---|
| हेज उचित मूल्य | | | | | |
| मूल्य जोखिम | | | | | |
| सोने की इन्वेंट्री | - - | - | इन्वेंट्री | – | – |

39. **भारतीय लेखा मानक (इंड एएस)–36 के संबंध में प्रकटीकरण "परिसंपत्तियों की हानि"**

साल के दौरान, कंपनी ने संपत्ति के हानि/क्षति का आकलन किया और उसी के अनुसार पीपीई के मूल्य में इम्पेयरमेंट के लिए रु 1.35 करोड़ (पिछले साल रु. 0.47 करोड़) का प्रोविजन किया गया है।

40. **भारतीय लेखा मानक (इंड एएस)–19** "कर्मचारी लाभ" के संबंध में जानकारी

**40.1 विभिन्न कर्मचारी लाभ योजनाओं का सामान्य विवरण इस प्रकार है:**

**ए) ग्रेच्युटी:**

सेवा के वर्षों की संख्या के आधार पर सेवानिवृत्ति/सेवा समाप्ति पर सभी कर्मचारियों को ग्रेच्युटी का भुगतान किया जाता है। इस योजना को कंपनी फंड करती है और एलआईसी के माध्यम से एक अलग ट्रस्ट द्वारा इसका प्रबंधन किया जाता है। एमआईसीए डिवीजन के कर्मचारियों के मामले में, योजना का प्रबंधन सीधे कंपनी द्वारा एलआईसी के माध्यम से किया जाता है। योजना को कंपनी फंड करती है और देयता को बीमाकर्ता, यानी भारतीय बीमा निगम को देय योगदान के आधार पर पहचाना जाता है, हालाँकि, इंड एएस–19 के तहत आवश्यक जानकारी का खुलासा बीमा–गणितीय मूल्यांकन के अनुसार किया गया है।

बीमा–गणितीय मूल्यांकन के अनुसार, ग्रेच्युटी फंड योगदान के लिए वित्तीय वर्ष 2025–26 में कंपनी का अपेक्षित योगदान रु. 0.82 करोड़ (पिछले साल रु. 1.39 करोड़) है। हालाँकि, कंपनी भारतीय बीमा निगम की मांग के अनुसार फंड में योगदान कर रही है।

**बी) छुट्टी का मुआवजा :**

यह उन पात्र कर्मचारियों को सेवा समाप्ति पर देय है जिनके पास अर्जित अवकाश और अर्ध–वेतन अवकाश जमा हैं। सेवा के दौरान भी जमा अर्जित अवकाश के नकदीकरण की अनुमति है, बशर्ते साल में दो बार कम से कम 15 दिनों का बैलेंस बचा रहे। इस मद में देयता को बीमा–गणितीय मूल्यांकन के आधार पर पहचाना जाता है।

**सी)** लंबे समय तक सेवा के लिए लाभ: कर्मचारियों को लंबे समय तक सेवा के लिए मिलने वाले लाभ इस प्रकार हैं–

**(i) सेवा पुरस्कार**

कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर पूरे किए गए सेवाकाल के प्रत्येक पूरे वर्ष के लिए रु. 8,500/– का सेवा पुरस्कार दिया जाता है।

**(ii) अनुकंपा ग्रेच्युटी**

सेवा के दौरान मृत्यु होने पर कर्मचारी के आश्रितों को एकमुश्त रु 50,000/– की अनुकम्पा ग्रेच्युटी दी जाती है।

**(iii) कर्मचारी परिवार लाभ योजना**

सेवा के दौरान मृत्यु होने पर, कर्मचारी के आश्रितों को कर्मचारी परिवार लाभ योजना के तहत भुगतान किया जाता है। यह भुगतान नेशनल की अनुमानित तारीख तक किया जाता है। 20 साल से कम सेवा पूरी करने पर, अंतिम बार लिए गए मूल वेतन और महंगाई भत्ता का 40 प्रतिशत मासिक लाभ (अधिकतम रु. 12,000/– तक) मिलता है। इसी तरह, मृत्यु के समय 20 साल या उससे अधिक की सेवा पूरी होने पर, अंतिम बार लिए गए मूल वेतन और महंगाई भत्ता का 50 प्रतिशत मासिक लाभ (अधिकतम रु. 12,000/– तक) मिलता है।

**(iv) एमआईसीए डिवीजन के कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर विशेष लाभ:** रु. 5,00,000/– अधिकारी, रु. 4,00,000/– स्टाफ और रु. 3,00,000/– कामगार।

लाभ और हानि विवरण, अन्य कॉम्प्रिहेंसिव इनकम (ओसीआई), तुलन पत्र और अन्य खुलासों में बताए गए विभिन्न तय लाभों की संक्षिप्त स्थिति इस प्रकार है:

नेट परिभाषित लाभ देयता

(रु. करोड़ में)

| विवरण | | ग्रेच्युटी | अर्जित अवकाश | बीमारी की छुट्टी | लम्बी सेवा पुरस्कार | विशेष लाभ | अनुकम्पा ग्रेच्युटी | कर्मचारी परिवार लाभ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | (वित्त पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित |
| निधारित लाभ दायित्व | सी.वाई | 36.96 | 15.42 | 9.21 | 4.13 | 0.27 | 0.04 | 1.24 |
| | पी.वाई | 36.01 | 15.27 | 12.30 | 4.52 | 0.57 | 0.08 | 1.37 |
| योजना सम्पत्ति का उचित मूल्य | सी.वाई | 31.64 | - | - | - | - | - | - |
| | पी.वाई | 34.54 | - | - | - | - | - | - |
| वित्त पोषित स्थिति [अधिशेष/(घाटा)] | सी.वाई | | - | - | - | - | - | - |
| | पी.वाई | | - | - | - | - | - | - |
| परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव | सी.वाई | | - | - | - | - | - | - |
| | पी.वाई | | - | - | - | - | - | - |
| **नेट परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/देयताएं** | सी.वाई | (5.31) | (15.42) | (9.21) | (4.13) | (0.27) | (0.04) | (1.24) |
| | पी.वाई | (1.47) | (15.27) | (12.30) | (4.52) | (0.57) | (0.08) | (1.37) |

नेट परिभाषित लाभ देयता का संचालन

(रु. करोड़ में)

| विवरण | | ग्रेच्युटी | अर्जित अवकाश | बीमारी की छुट्टी | लम्बी सेवा पुरस्कार | विशेष लाभ | अनुकम्पा ग्रेच्युटी | कर्मचारी परिवार लाभ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | (वित्त पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित |
| परिभाषित लाभ देयता– | सी.वाई | 36.01 | 15.27 | 12.30 | 4.52 | 0.57 | 0.08 | 1.37 |
| वर्ष का आरंभ | पी.वाई | 42.15 | 15.35 | 13.47 | 2.14 | 0.67 | 0.07 | 1.60 |
| चालू सेवा लागत | सी.वाई | 0.77 | 0.88 | 0.55 | 0.17 | 0.02 | - | - |
| | पी.वाई | 0.68 | 0.62 | 0.51 | 0.16 | 0.01 | - | - |
| पिछली सेवा लागत | सी.वाई | 6.09 | - | - | - | - | - | - |
| | पी.वाई | 0.54 | - | - | - | - | - | - |
| ब्याज लागत | सी.वाई | 2.36 | 1.00 | 0.76 | 0.30 | 0.04 | - | - |
| | पी.वाई | 2.98 | 1.08 | 0.95 | 0.15 | 0.05 | - | - |
| प्रदत्त लाभ | सी.वाई | (7.05) | (3.60) | (1.34) | (0.74) | (0.29) | - | - |
| | पी.वाई | (10.64) | (7.94) | (1.50) | (1.03) | (0.15) | - | - |
| पुनः मूल्यांकन–एक्चुरीएल | सी.वाई | (1.22) | 1.88 | (3.06) | (0.12) | (0.06) | (0.04) | (0.13) |
| हानि / (लाभ) | पी.वाई | 0.30 | 6.15 | (1.13) | 3.11 | (0.02) | 0.01 | (0.23) |
| परिभाषित लाभ दायित्व– | सी.वाई | 36.96 | 15.42 | 9.21 | 4.13 | 0.27 | 0.04 | 1.24 |
| वर्ष के अंत में | पी.वाई | 36.01 | 15.27 | 12.30 | 4.52 | 0.57 | 0.08 | 1.37 |

योजना परिसंपत्ति का चलन

(रु. करोड़ में)

| विवरण | ग्रेच्युटी (वित्त पोषित) | |
|---|---|---|
| | 31.03.2026 | 31.03.2025 |
| वर्ष के आरंभ में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य | 34.54 | 39.44 |
| ब्याज आय | 2.26 | 2.86 |
| नियोक्ता अंशदान | 2.05 | 2.78 |
| प्रदत्त लाभ | (7.05) | (10.64) |
| पुनः मूल्यांकन – एक्चुरीएयल हानि / (लाभ) | (0.16) | 0.11 |
| वर्ष के अंत में योजना परसिंपत्तियों का उचित मूल्य | 31.64 | 34.54 |

लाभ व हानि विवरण में शामिल की गई राशि

(रु. करोड़ में)

| विवरण | | ग्रेच्युटी | अर्जित अवकाश | बीमारी की छुट्टी | लम्बी सेवा पुरस्कार | विशेष लाभ | अनुकम्पा ग्रेच्युटी | कर्मचारी परिवार लाभ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | (वित्त पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित |
| वर्तमान सेवा लागत | सी.वाई | 0.77 | 0.88 | 0.55 | 0.17 | 0.02 | - | - |
| | पी.वाई | 0.68 | 0.62 | 0.51 | 0.16 | 0.01 | - | - |
| पूर्व सेवा लागत | सी.वाई | 6.09 | - | - | - | - | - | - |
| –प्लान संशोधन | पी.वाई | | - | - | - | - | - | - |
| सेवा लागत (ए) | सी.वाई | 6.86 | 0.88 | 0.55 | 0.17 | 0.02 | - | - |
| | पी.वाई | 0.68 | 0.62 | 0.51 | 0.16 | 0.01 | - | - |
| नेट परिभाषित लाभ देयता / | सी.वाई | 0.10 | 1.00 | 0.76 | 0.30 | 0.04 | - | - |
| (परिसंपत्ति) (बी) | पी.वाई | 0.08 | 1.08 | 0.95 | 0.15 | 0.05 | - | - |
| अवधि में माने गए नेट | सी.वाई | - | 1.88 | (3.06) | - | - | (0.04) | (0.13) |
| एक्चुरियअल (लाभ) / हानि | पी.वाई | - | 6.15 | (1.13) | - | - | 0.01 | (0.23) |
| **पी एण्ड एल में मानी गई** | सी.वाई | 6.96 | 3.75 | -1.75 | 0.46 | 0.05 | (0.04) | (0.13) |
| **लागत (ए+बी)** | पी.वाई | 0.76 | 7.86 | 0.34 | 0.31 | 0.06 | 0.01 | (0.23) |

अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में शामिल की गई राशि

(रु. करोड़ में)

| विवरण | | ग्रेच्युटी | अर्जित अवकाश | बीमारी की छुट्टी | लम्बी सेवा पुरस्कार | विशेष लाभ | अनुकम्पा ग्रेच्युटी | कर्मचारी परिवार लाभ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | (वित्त पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित |
| डीबीओ अनुभव के कारण | सी.वाई | (0.64) | - | - | (0.08) | (0.06) | | |
| एक्चुरिएयल लाभ / (हानि) | पी.वाई | (0.51) | - | - | 3.03 | (0.03) | - | - |
| अनुमानित परिवर्तनों के कारण | सी.वाई | (0.66) | - | - | (0.04) | (0.00) | - | - |
| एक्चुएरियल लाभ / (हानि) | पी.वाई | 0.81 | - | - | 0.08 | 0.01 | - | - |
| अवधि के दौरान हुए | सी.वाई | (1.29) | - | - | (0.12) | (0.06) | - | - |
| एक्चुएरियल लाभ / (हानि) (ए) | पी.वाई | 0.30 | - | - | 3.11 | (0.02) | - | - |
| प्लान परिसंपत्ति पर रिटर्न जो | सी.वाई | 0.23 | - | - | - | - | - | - |
| डिस्काउंट रेट से (अधिक) / कम है (बी) | पी.वाई | (0.07) | - | - | - | - | - | - |
| ओसीआई में मानी गई | सी.वाई | (1.06) | - | - | (0.12) | (0.06) | - | - |
| एक्चुएरियल लाभ / (हानि) (ए+बी) | पी.वाई | 0.23 | - | - | 3.11 | (0.02) | - | - |

संवेदनशील विश्लेषण

(31 मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार रु. करोड़ में)

| अनुमान | अनुमान में परिवर्तन | ग्रेच्युटी | अर्जित अवकाश | बीमारी की छुट्टी | लम्बी सेवा पुरस्कार | विशेष लाभ | अनुकम्पा ग्रेच्युटी | कर्मचारी परिवार लाभ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | (वित्त पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित |
| छूट की दर | 0.50% | (0.87) | (0.26) | (0.10) | (0.08) | (0.00) | - | - |
| | -0.50% | 0.91 | 0.27 | 0.11 | 0.09 | 0.00 | - | - |
| वेतनवृद्धि दर | 0.50% | 0.25 | 0.27 | 0.11 | - | - | - | - |
| | -0.50% | (0.29) | (0.26) | (0.10) | - | - | - | - |

(31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार रु. करोड़ में)

| अनुमान | अनुमान में परिवर्तन | ग्रेच्युटी | अर्जित अवकाश | बीमारी की छुट्टी | लम्बी सेवा पुरस्कार | विशेष लाभ | अनुकम्पा ग्रेच्युटी | कर्मचारी परिवार लाभ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | (वित्त पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित |
| छूट की दर | 0.50% | (0.78) | (0.39) | (0.27) | (0.08) | (0.01) | - | - |
| | -0.50% | 0.82 | 0.42 | 0.28 | 0.08 | 0.01 | - | - |
| वेतनवृद्धि दर | 0.50% | 0.12 | 0.42 | 0.28 | 0.09 | - | - | - |
| | -0.50% | (0.13) | (0.40) | (0.27) | (0.09) | - | - | - |

एक्चुएरियल अनुमान

| अनुमान | | ग्रेच्युटी | अर्जित अवकाश | बीमारी की छुट्टी | लम्बी सेवा पुरस्कार | विशेष लाभ | अनुकम्पा ग्रेच्युटी | कर्मचारी परिवार लाभ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | (वित्त पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित |
| प्रयोग में लाई गई पद्धति | सी.वाई | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट |
| | पी.वाई | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट | प्रोजेक्टिड यूनिट क्रेडिट |
| डिस्काउंट रेट | सी.वाई | 6.90% | 6.75% | 6.75% | 6.75% | 6.75% | 6.75% | 6.75% |
| | पी.वाई | 6.54% | 6.54% | 6.54% | 6.54% | 6.54% | 6.54% | 6.54% |
| वेतन वृद्धि दर | सी.वाई | 6.00% | 6.00% | 6.00% | - | - | - | - |
| | पी.वाई | 6.00% | 6.00% | 6.00% | - | - | - | - |
| मृत्यु दर | सी.वाई | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) |
| | पी.वाई | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) | आईएएलएम (2012-14) |

संभावित लाभ भुगतान

(रु. करोड़ में)

| क्रम | अनुमान | ग्रेच्युटी | अर्जित अवकाश | बीमारी की छुट्टी | लम्बी सेवा पुरस्कार | विशेष लाभ | अनुकम्पा ग्रेच्युटी | कर्मचारी परिवार लाभ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | (वित्त पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित | (गैर–वित्त–पोषित |
| 1 | 0 से 1 साल | 8.28 | 4.49 | 3.38 | 0.92 | 0.18 | - | - |
| 2 | 1 से 2 साल | 6.44 | 3.38 | 2.48 | 0.74 | - | - | - |
| 3 | 2 से 3 साल | 6.09 | 2.67 | 1.59 | 0.70 | 0.06 | - | - |
| 4 | 3 से 4 साल | 5.72 | 2.19 | 1.11 | 0.66 | 0.04 | - | - |
| 5 | 4 से 5 साल | 4.83 | 1.38 | 0.72 | 0.57 | - | - | - |
| 6 | 6 से 10 साल से उपर | 7.36 | 3.05 | 1.18 | 0.83 | 0.03 | - | - |

प्लान परिसंपत्तियों में निवेश की श्रेणी

| निवेश की श्रेणी | प्लान परिसंपत्तियों के उचित मूल्य का प्रतिशत |
|---|---|
| बीमाकृत लाभ | 100% |

ए) **भविष्य निधि:** साल के दौरान भविष्य निधि में कंपनी का दिया गया या देय योगदान और देनदारी को (जिस समय खर्च या आय हुई, उसी समय उसे रिकॉर्ड करना) पर माना जाता है। कंपनी का भविष्य निधि ट्रस्ट, कर्मचारी भविष्य निधि एंड मिसलेनियस प्रोविजन्स एक्ट, 1952 की धारा 17 के तहत छूट–प्राप्त है। छूट मिलने की शर्तों के अनुसार, अगर ट्रस्ट द्वारा घोषित ब्याज दर और कानूनी दर के बीच कोई अंतर होता है, तो नियोक्ता (कंपनी) को उसे पूरा करना होगा। फंड की संपत्ति और निवेश पर मिलने वाले रिटर्न को देखते हुए, कंपनी को निकट भविष्य में किसी और देनदारी की उम्मीद नहीं है।

बी) **सेवानिवृत्ति पेंशन लाभ:** साल के दौरान, कंपनी ने "लाभ एंड हानि स्टेटमेंट" में प्रभावित योगदान सेवानिवृत्ति पेंशन योजना के लिए रु. 3.49 करोड (पिछले साल रु. 3.99 करोड़) की राशि दर्ज की है।

सी) **रिटायरमेंट के बाद मेडिकल सुविधा:** रिटायर हो चुके कर्मचारियों के लिए एम्पैनल्ड अस्पतालों में इनपेशेंट इलाज और 'निर्धारित अंशदान योजना' के तहत ओपीडी इलाज की सुविधा उपलब्ध है, जो इस प्रकार है:

ए. 1.1.2007 से पहले रिटायर होने वालों की स्कीम के लिए, उस साल के पीबीटी का 1.50 प्रतिशत हिस्सा देनदारी के तौर पर 2025–26 तक माना गया है। कंपनी ने अभी काम कर रहे कर्मचारियों के लिए भी 2025–26 तक बेसिक और डीए का 4.50 प्रतिशत पीआरएमबीएस के लिए प्रावधान किया है।

बी. कंपनी ने फंड के मैनेजमेंट और स्कीम के तहत अपनी देनदारी के बदले ट्रस्ट को पेमेंट करने के लिए पीआरएमबीएस ट्रस्ट बनाया है।

## 41. ग्रुप की जानकारी

1. सहायक कंपनियाँ

ग्रुप की सहायक कंपनियाँ नीचे दी गई हैं। उनकी हिस्सेदारी पूंजी में सिर्फ इक्विटी शेयर शामिल हैं जो सीधे ग्रुप के पास हैं और मालिकाना हक का अनुपात ग्रुप के पास मौजूद वोटिंग अधिकारों के बराबर है। जिस देश में उन्हें इनकॉर्पोरेट या रजिस्टर किया गया है, वही उनका मुख्य बिजनेस का स्थान भी है।

| क्रम सं. | सहायक कम्पनी का नाम | प्रमुख कार्यकलाप | निगमन सीन | समूह का स्वामित्व हित | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 31.03.2026 | 31.03.2025 |
| 1 | एमएमटीसी ट्रांसनेशनल प्राइवेट लिमिटेड | खनिज, धातु, उर्वरक, कृषि उत्पाद, कोयला और हाइड्रोकार्बन, बुलियन, आभूषण और अन्य वस्तुओं में व्यापार | **सिंगापुर** | 100% (गैर–नियंत्रक ब्याज शून्य) | 100% (गैर–नियंत्रक ब्याज शून्य) |

2. **संयुक्त उपक्रम**

संयुक्त उद्यमों का विवरण जिसमें समूह एक संयुक्त उद्यम है, नीचे दिया गया है। उनके पास हिस्सेदारी शेयरों से मिलकर शेयर पूंजी होती है जो सीधे समूह द्वारा रखी जाती है और स्वामित्व हितों का अनुपात समूह द्वारा रखे गए मतदान अधिकारों के बराबर होता है। निगमन या पंजीकरण का देश भी उनका व्यवसाय का प्रमुख स्थान है।

| क्रम सं. | सहायक कम्पनी का नाम | प्रमुख कार्यकलाप | निगमन स्थान | समूह का स्वामित्व | | लेखा पद्धति |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 31.03.2026 | 31.03.2025 | |
| **1.** | **एमएमटीसी लिमिटेड (i)** | सोने और चांदी के सिक्कों, सोने के आभूषणों, हीरे जड़े आभूषणों, जीवनशैली के आभूषणों का व्यापार | भारत | 26% | 26% | हिस्सेदारी विधि |
| **2.** | **एमएमटीसी पैम्प इंडिया प्रा. लिमिटेड** | सोने और चांदी की छड़, सिक्कों और संबंधित वस्तुओं में व्यापार और सोने और चांदी के डोर्स का शोधन। | भारत | 26% | 26% | हिस्सेदारी विधि |
| **3.** | **सिकाल आयरन टर्मिनल लिमिटेड (ii)** | कंपनी ने अपना लौह अयस्क टर्मिनल सुविधा स्थापित किया है | भारत | 26% | 26% | हिस्सेदारी विधि |
| **4.** | **फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्रा. लिमिटेड** | भारत में मुक्त व्यापार गोदाम क्षेत्रों का विकास | भारत | 50% | 50% | हिस्सेदारी विधि |

(i) कंपनी ने वर्ष 2017–18 के दौरान अपने संयुक्त उद्यम मेसर्स एमएमटीसी गीतांजलि लिमिटेड में 2.99 करोड़ रुपये के अपने हिस्सेदारी निवेश को पूरी तरह से खराब कर दिया है, जो मुख्य प्रमोटर द्वारा किए गए चूक की रिपोर्ट के मद्देनजर, जांच एजेंसियों द्वारा उनके खिलाफ शुरू की गई जांच और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि जेवी कंपनी ने अपनी व्यावसायिक गतिविधियों को निलंबित कर दिया है। कंपनी ने जेवी कंपनी से बाहर निकलने के लिए भी नोटिस दिया है। जेवी कंपनी से वित्तीय विवरण 2025–26 के लिए प्राप्त नहीं हुए हैं, इसलिए समेकन के उद्देश्य के लिए इसे भी नहीं माना गया है।

(ii) कंपनी ने अपने जेवी मेसर्स एसआईसीएएल आयरन ओर टर्मिनल लिमिटेड में 33.80 करोड़ रुपये के हिस्सेदारी निवेश में 100% प्रावधान किया।

(iii) उद्धृत उचित मूल्य उपरोक्त सभी संयुक्त उद्यम सूचीबद्ध संस्थाएं नहीं हैं और इसलिए कोई उद्धृत मूल्य उपलब्ध नहीं है। ले जाने की राशि का विवरण नोट सं. 6 में दिया गया है

3. संस्थाएं समेकित

निम्नलिखित संस्थाओं को समेकन के उद्देश्य से माना जाता है:–

| क्र. सं. | इकाई का नाम | स्थिति | वित्तीय विवरण अपनाया गया |
|---|---|---|---|
| 1 | एमएमटीसी पैम्प इंडिया प्रा. लि | संयुक्त उद्यम | ऑडिट किया गया |

निम्नलिखित संस्थाओं को समेकन के उद्देश्य से नहीं माना जाता है क्योंकि निवेश पूरी तरह से हानि में है।

| क्र. सं. | इकाई का नाम | स्थिति | समेकन न करने का कारण |
|---|---|---|---|
| 1 | एमएमटीसी गीतांजलि लिमिटेड | संयुक्त उद्यम | नोट 41.2.(i) देखें |
| 2 | सीकल लौह अयस्क टर्मिनल लिमिटेड | संयुक्त उद्यम | नोट 41.2.(ii) देखें |
| 3 | एमएमटीसी ट्रांसनैशनल प्राइवेट लिमिटेड | सहायक | ' |
| 4 | मुक्त व्यापार गोदाम–आवास प्रा. लिमिटेड | संयुक्त उद्यम | |

' 2025–26 के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण प्राप्त नहीं हुए हैं।

4. संयुक्त उद्यमों के अपरिचित नुकसान

संयुक्त उद्यम के नुकसान का अपरिचित हिस्सा, क्योंकि समूह ने निवेश के वहन मूल्य से अधिक होने वाले संयुक्त उद्यम के नुकसान के अपने हिस्से को मान्यता देना बंद कर दिया है, जबकि हिस्सेदारी विधि लागू करते हुए, नीचे दिया गया है:–

(रु. करोड़ में)

| क्र. सं. | संयुक्त उद्यम का नाम | 31.3.2022 तक कुल शेष | वित्तीय वर्ष 2022–23 से वित वर्ष 2025–26 तक | 31.3.2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए | 31.3.2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए | 31.3.2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिए | 31.3.2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए | 31.3.2018 को समाप्त हुए वर्ष के लिए |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | मुक्त व्यापार भंडार प्रा. लिमिटेड | 19.68 | प्राप्त नही | 0.0043 | 6.79 | 9.06 | 1.45 | 1.38 |

वित्तीय वर्ष 2022–23 से वित्तीय वर्ष 2025–26 तक के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण प्राप्त नहीं हुए हैं।

42. संयुक्त उद्यमों के बारे में जानकारी

(रु. करोड़ में)

| सारांशित बैलेंस शीट | एमएमटीसी–पेंप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड | | मुक्त व्यापार गोदाम प्राइवेट लिमिटेड | |
|---|---|---|---|---|
| | 31मार्च 26 | 31मार्च 25 | 31मार्च 26* | 31मार्च 25* |
| **वर्तमान परिसंपत्तियाँ** | | | | |
| नकद और नकद के समतुल्य | 145.42 | 746.92 | | |
| अन्य परिसंपत्तिया | 8,077.61 | 3,467.59 | - | - |
| **कुल चालू परिसंपत्तियां** | **8,223.03** | **4,214.51** | - | - |
| **कुल गैर चालू परिसंपत्तियां** | **287.02** | **229.00** | | - |
| वर्तमान देयताएं | | | | |
| वित्तीय देनदारियां (व्यापार देय और प्रावधाना को छोड़कर) | 170.50 | 52.70 | | |
| अन्य वित्तीय देनदारियां | 7,157.82 | 3,756.39 | | |
| **कुल वर्तमान देयताएं** | **7,328.33** | **3,809.09** | - | - |
| **गैर चालू देनदारियां** | | | | |
| वित्तीय देनदारियां (व्यापार देय और प्रावधाना को छोड़कर) | 10.01 | 9.68 | - | - |
| अन्य वित्तीय देनदारियां | 38.72 | 40.41 | | |
| **कुल गैर चालू देनदारियां** | **48.73** | **50.09** | - | - |
| **शुद्ध संपत्ति** | **1,132.99** | **584.33** | - | - |

(रु. करोड़ में)

| विवरण | एमएमटीसी–पेंप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड | | मुक्त व्यापार गोदाम प्राइवेट लिमिटेड | |
|---|---|---|---|---|
| | 2025-26 | 2024-25 | 2025-2026 | 2024-25 |
| राजस्व | 79,659.18 | 37,174.82 | | - |
| ब्याज आय | 1.81 | 12.21 | | - |
| मूल्यह्रास और परिशोधन | 24.44 | 22.58 | | - |
| ब्याज व्यय | 91.20 | 61.14 | | - |
| आयकर व्यय | 229.38 | 43.50 | | - |
| लाभ यह निरंतर संचालन से है | 674.29 | 65.77 | | - |
| लाभ यह बंद संचालन से (कर पश्चात) है | - | - | - | - |
| वर्ष के लिए लाभ | 674.29 | 65.77 | - | - |
| अन्य व्यापक आय | 0.52 | (0.92) | - | - |
| कुल व्यापक आय | 674.81 | 64.85 | - | - |

(रु. करोड़ में)

| विवरण | एमएमटीसी–पेंप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड | | मुक्त व्यापार गोदाम प्राइवेट लिमिटेड(एफटीडब्लूपीएल) | |
|---|---|---|---|---|
| | 31मार्च 26 | 31मार्च 25 | 31मार्च 26* | 31मार्च 25* |
| वर्ष के लिए लाभ | 584.34 | 935.51 | (39.36) | (39.36) |
| वर्ष के लिए लाभ | 674.29 | 65.77 | - | - |
| अन्य व्यापक आय | 0.52 | (0.92) | - | - |
| अन्य समायोजन (लाभांश) | (126.15) | (416.02) | - | - |
| हिस्सेदारी के खिलाफ अग्रिम | - | - | - | |
| शुद्ध संपत्ति बंद करना | 1,133.00 | 584.34 | (39.36) | (39.36) |
| समूह का हिस्सा प्रतिशत में | 26% | 26% | 50% | 50% |
| आईएनआर में समूह का हिस्सा | 294.58 | 151.93 | (19.68) | (19.68) |
| सदभावना (पूंजी आरक्षित) | - | - | - | - |
| ले जाने की राशि | 294.58 | 151.93 | - | - |

*वित्तीय वर्ष 2022–23 से वित्तीय वर्ष 2025–26 तक के वित्तीय विवरण प्राप्त नहीं हुए।

जेवी कंपनी, एफटीडब्ल्यूपीएल में निवेश की वहन राशि शून्य है क्योंकि संयुक्त उद्यम कंपनी के नुकसान में समूह की हिस्सेदारी संबंधित संयुक्त उद्यम कंपनी में निवेश की वहन राशि से अधिक है। जेवी कंपनी एमएमटीसी गीतांजलि लिमिटेड और सीकल आयरन और टर्मिनल लिमिटेड में निवेश की वहन राशि शून्य है क्योंकि जेवी में समूह का हिस्सेदारी निवेश पूरी तरह से खराब हो गया है।

**43. भारतीय लेखा मानक (आईएएस)–108 के संबंध में प्रकटीकरणरू "परिचालन खंड"**

इंड एएस 108 में परिभाषित "प्रबंधन दृष्टिकोण" के आधार पर, मुख्य परिचालन निर्णय निर्माता (सीओडीएम) कंपनी के प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है और व्यावसायिक खंडों द्वारा विभिन्न प्रदर्शन संकेतकों के विश्लेषण के आधार पर संसाधनों का आवंटन करता है। तदनुसार, प्रत्येक व्यावसायिक खंड के लिए जानकारी प्रस्तुत की गई है। वित्तीय विवरण तैयार करने में उपयोग किए जाने वाले लेखांकन सिद्धांतों को व्यक्तिगत व्यावसायिक खंडों में राजस्व और व्यय को रिकॉर्ड करने के लिए लगातार लागू किया जाता है, और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों में निर्धारित किया गया है। कंपनी के व्यावसायिक खंड हैंरू– कीमती धातुएं, धातुएं, खनिज, कोयला और हाइड्रोकार्बन, कृषि उत्पाद, उर्वरक और अन्य

**खंड राजस्व और व्यय**

खंड परिसंपत्तियों में संबंधित खंडों में सभी परिचालन परिसंपत्तियां शामिल हैं जिनमें शुद्ध स्थायी परिसंपत्तियां और वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम आदि शामिल हैं। कॉर्पोरेट और निर्माण से संबंधित परिसंपत्तियां गैर–आवंटित खंडों में शामिल हैं। खंड देनदारियों में संबंधित खंड के लिए सीधे जिम्मेदार देनदारियां और प्रावधान शामिल हैं।

(31 मार्च 2026 को करोड़ रुपये में)

| विवरण | कीमती धातुएँ | धातुएँ | खनिज | कोल और हाइड्रो–कार्बन | कृषि उत्पाद | उर्वरक | अन्य | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **बाहरी ग्राहकों से खंड राजस्व** | | | | | | | | |
| भारत के भीतर | 0.73 | - | - | - | - | 0.05 | 2.63 | 3.41 |
| भारत के बाहर | - | - | - | - | - | - | - | - |
| अंतर–खंड राजस्व | | | | | | | | |
| **कुल खंड राजस्व** | **0.73** | **0.00** | **0.00** | **0.00** | **0.00** | **0.05** | **2.63** | **3.41** |
| खंड परिणाम | | | | | | | | |
| भारत के भीतर | 0.37 | - | - | - | - | 0.05 | 1.51 | 1.93 |
| भारत के बाहर | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **कुल खंडगत परिणाम** | **0.37** | **0.00** | **0.00** | **0.00** | **0.00** | **0.05** | **1.51** | **1.93** |
| अनावंटित कॉर्पोरेट खर्च: | | | | | | | | |
| ब्याज व्यय (शुद्ध) | | | | | | | | (133.37) |
| अन्य आवंटित व्यय अन्य आय से अधिक | | | | | | | | (328.00) |
| **साधारण गतिविधियों से कर से पहले लाभ** | | | | | | | | **463.30** |

(31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार रु. करोड़ में)

| विवरण | बहुमूल्य धातुएं | धातुएं | खनिज | कोल व हाइड्रो कार्बन | कृषि उत्पाद | उर्वरक | अन्य | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **बाहरी ग्राहकों से संग्मेंट राजस्व** | | | | | | | | |
| भारत में | 0.00 | - | - | - | - | - | 2.69 | 2.69 |
| भारत से बाहर | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **इंटर–सेग्मेंट राजस्व** | | | | | | | | |
| **कुल सेग्मेंट राजस्व** | 0.00 | - | - | - | - | - | 2.69 | 2.69 |
| सेग्मेंट परिणाम | | | | | | | | |
| भारत में | 0.00 | - | - | - | - | - | 2.69 | 2.69 |
| भारत से बाहर | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **कुल सेग्मेंटनल परिणाम** | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 1.59 | 1.59 |
| **अनअलोकेटिड कारपोरेट व्यय** | | | | | | | | |
| ब्याज व्यय (नेट) | | | | | | | | (136.49) |
| अन्य आय घटाने पर अन्य अनअलोकेटिड व्यय | | | | | | | | 40.87 |
| **साधारण कार्यकलापों से कर कर पूर्व लाभ** | | | | | | | | **97.20** |

परिसंपत्तियों व देयताओं का सेग्मेंट

(31 मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार रु. करोड़ में)

| विवरण | बहुमूल्य धातुएं | धातुएं | खनिज | कोल व हाइड्रो कार्बन | कृषि उत्पाद | उर्वरक | अन्य | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **ए.01 सेग्मेंट परिसंपत्तियां :** | | | | | | | | |
| परिसंपत्तियां | 19.34 | 24.35 | 17.91 | 192.29 | 36.68 | 17.31 | 26.81 | 334.69 |
| अनअलोकेटिड परिसंपत्तियां | | | | | | | | **2039.59** |
| **कुल परिसंपत्तियां** | | | | | | | | **2374.28** |
| ए. 02 सेग्मेंट देयताएं | | | | | | | | |
| देयताएं | 14.40 | 11.61 | 22.06 | 372.88 | 30.84 | 24.90 | 6.85 | 483.54 |
| अनअलोकेटिड देयताएं | | | | | | | | 191.61 |
| **कुल देयताएं** | | | | | | | | **675.15** |

(31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार रु. करोड़ में)

| विवरण | बहुमूल्य धातुएं | धातुएं | खनिज | कोल व हाइड्रो कार्बन | कृषि उत्पाद | उर्वरक | अन्य | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **ए.01 सेग्मेंट परिसंपत्तियां :** | | | | | | | | |
| परिसंपत्तियां | 19.80 | 26.11 | 21.78 | 1192.94 | 205.68 | 16.76 | 28.75 | 1511.82 |
| अनअलोकेटिड परिसंपत्तियां | | | | | | | | 1720.49 |
| **कुल परिसंपत्तियां** | | | | | | | | 3232.31 |
| ए. 02 सेग्मेंट देयताएं : | | | | | | | | |
| देयताएं | 15.56 | 11.70 | 22.60 | 1342.95 | 230.99 | 22.06 | 6.65 | 1652.50 |
| अनअलोकेटिड देयताएं | | | | | | | | 123.76 |
| **कुल देयताएं** | | | | | | | | 1776.26 |

**प्रमुख ग्राहकों के बारे में सूचना**

बाहरी एकल ऐसे ग्राहकों जिनके साथ हुए लेन–देन में कंपनी को कुल राजस्व का 10 प्रतिशत अथवा इससे अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है, के बारे में सूचना नीचे दी गई है।

| प्रमुख ग्राहक (ग्राहक जिसका 10 प्रतिशत से अधिक रिाजस्व है) | 2025-26 | 2024-25 |
|---|---|---|
| कुल राजस्व | 2.63 | 2.69 |
| ग्राहकों की संख्या | 1 | 1 |
| कुल राजस्व का प्रतिशत | 77.04% | 99.95% |
| उत्पाद सेग्मेंट | अन्य* | अन्य* |

*इसमें विंडमिल का संचालन शमिल है।

**44. भारतीय लेखा मानक 24 "संबंधित पार्टी प्रकटन" के संबंध में प्रकटन**

**44.1 गैर–सरकारी संबंधी इकाईयों के लिए प्रकटन**

ए. प्रमुख प्रबंधन अधिकारियों की सूची

| नाम | पदनाम |
|---|---|
| i. श्री नितिन कुमार यादव | अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक–(प्रबंध निदेशक) |
| ii. श्री कपिल कुमार गुप्ता | निदेशक (वित्त) एवं (मुख्य वित्तीय अधिकारी) (31 मई 2025 तक) |
| iii. श्री जे रवि शंकर | निदेशक (मार्केटिंग) (31 जुलाई 2025 तक) |
| iv. सुश्री अनुपमा शंकरनकुट्टी नायर | निदेशक (वित्त) (09 जून 2025 से) |
| v. श्री जतिन्दरजीत सिंह मान | निदेशक (विपणन) (06 फरवरी 2026 से) |
| vi. श्री अजय कुमार मिश्रा | कंपनी सचिव |

बी) सहायक कंपनी

एमएमटीसी ट्रांसनेशनल पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर

सी) संयुक्त उद्यम

i. फ्री ट्रेड वेयर हाउसिंग प्रा. लिमिटेड
ii. एमएमटीसी पैम्प इंडिया प्रा. लिमिटेड
iii. एमएमटीसी गीतांजलि लिमिटेड
iv. सिकॉल आयरन और टर्मिनल लिमिटेड

डी. सरकार तथा इससे संबंधित इकाईयां

i. भारत सरकार के पास कंपनी के 89.93 प्रतिशत इक्विटी शेयर्स हैं तथा उसका कंपनी पर नियंत्रण है।
ii. केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम जिस पर भारत सरकार का नियंत्रण है।

ई. रोजगारोपरांत लाभ योजना

i. एमएमटीसी लिमिटेड सीपीएफ ट्रस्ट
ii. एमएमटीसी लिमिटेड ग्रेच्युटी ट्रस्ट
iii. एमएमटीसी लिमिटेड कर्मचारी परिभाषित अंशदान सेवानिवृत्ति ट्रस्ट
iv. एमएमटीसी कर्मचारी सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ ट्रस्ट

एफ. प्रमुख प्रबंधन अधिकारियों के लिए मुआवजा

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| अल्पावधि लाभ | 0.59 | 1.32 |
| रोजगारोपरांत लाभ | 0.15 | 0.33 |
| अन्य दीर्घावधि लाभ | - | - |
| शेर आधारित भुगतान | . | . |
| ट्रमिनशन लाभ | - | - |
| **कुल** | **0.73** | **1.65** |
| वर्ष के दौरान ऋणों व अग्रिमों की वूसली | . | . |
| वर्ष के दौरान दिए गए अग्रिम | | |
| 31.03.2026 को ऋणों व अग्रिमों का अंतिम शेष | . | . |

जी. संबंधित पार्टियों के साथ लेन–देन

(रु. करोड़ में)

| विवरण | एमएमटीसी गीताजंलि लि. | | एमएमटीसी पैम्प इण्डिया प्रा. लिमिटेड | | सिकॉल आयन ओर टर्मिनल लि. | | इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज लि. | | एमटीपीएल | | नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड | | फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्रा. लि. | | अन्य | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 |
| माल एवं सेवाओं की बिक्री | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| कच्चे माल / वस्तु तथा सेवाओं की खरीद | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| कंपनी की ओर से भुगतान | - | - | - | - | - | - | - | - | | | | | - | - | 48.50 | 50.60 |
| अन्य लेन–देन * | - | - | 32.80 | 108.17 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | (17.12) | 18.62 |

* अन्य लेन–देन में सीपीएफ ट्रस्ट द्वारा एमएमटीसी को लोन चुकाने से मिली रु. 31.50 करोड़ (पिछले साल रु. 4.00 करोड़) की रकम शामिल है।

एच. वस्तु / सेवाओं की बिक्री / खरीद से उत्पन्न बकाया शेष

(रु. करोड़ में)

| विवरण | एमएमटीसी गीताजंलि लि. | | एमएमटीसी पैम्प इण्डिया प्रा. लिमिटेड | | सिकॉल आयन ओर टर्मिनल लि. | | इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज लि. | | एमटीपीएल | | नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड | | फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्रा. लि. | | अन्य | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 |
| व्यापार देय | 0.02 | 0.02 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| व्यापार प्राप्तियां | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| अन्य देय | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 14.23 | 7.54 |
| अन्य प्राप्तियां | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 5.92 | 34.98 |

आई. संयुक्त उद्यमों को दिए गए ऋण

(रु. करोड़ में)

| विवरण | एमएमटीसी गीताजंलि लि. | | एमएमटीसी पैम्प इण्डिया प्रा. लिमिटेड | | सिकॉल आयन ओर टर्मिनल लि. | | इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज लि. | | एमटीपीएल | | नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड | | फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्रा. लि. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 | मार्च-26 | मार्च-25 |
| वर्ष के प्रारंभ में ऋण | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| दिया गया अग्रिम ऋण | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| प्राप्त समायोजित / अदायगी | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| लगाया गया ब्याज | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| प्राप्त ब्याज | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| वर्ष के अंत में ब्याज सहित शेष | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |

जे. संयुक्त उद्यमों को दिए गए अग्रिम

(रु. करोड़ में)

| विवरण | एमएमटीसी गीताजंलि लि. | | एमएमटीसी पैम्प इण्डिया प्रा. लिमिटेड | | सिकॉल आयन ओर टर्मिनल लि. | | इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज लि. | | एमटीपीएल | | नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड | | फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्रा. लि. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दिये गये अग्रिम | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |

के. आईएण्डडी एस 27 के अनुसार, अलग वित्तीय विवरण का प्रकटन

ए) सहायक कंपनी में निवेश (सभी स्टैण्डलोन डिस्क्लोजर नोट्स से)

| कंपनी का नाम | निगमन का देश | स्वामित्ववाली कंपनी का प्रतिशत | |
|---|---|---|---|
| | | मार्च 31, 2026 | मार्च 31, 2025 |
| एमएमटीसी ट्रांसनेशनल पीटीई लिमिटेड | सिंगापुर | 100% | 100% |

बी) संयुक्त उद्यम में निवेश (रु. करोड़ में)

| कंपनी का नाम | निगमन का देश | स्वामित्ववाली कंपनी का प्रतिशत | |
|---|---|---|---|
| | | मार्च 31, 2026 | मार्च 31, 2025 |
| 1. फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्रा. लि. | भारत | 50 | 50 |
| 2. एमएमटीसी पैम्प इंडिया प्रा. लिमिटेड | भारत | 26 | 26 |
| 3. सिकॉल आयरन ओर टर्मिनल लि. | भारत | 26 | 26 |
| 4. एमएमटीसी गीतांजलि लि. | भारत | 26 | 26 |

एल. केएमपी को ऋण (रु. करोड़ में)

| विवरण | मार्च 2026 | मार्च 2025 |
|---|---|---|
| वर्ष के प्रारंभ में ऋण | | |
| दिया गया अग्रिम ऋण | - | - |
| प्राप्त पुनर्भुगतान | - | - |
| लगया गया ब्याज | - | - |
| प्राप्त ब्याज | - | - |
| वर्ष के अंत में ब्याज सहित शेष | | |

एम. संबंधित पार्टियों को दिए गए ऋण अल्पावधि के होते हैं तथा केएमपी को दिए गए वेलफेयर अग्रिम की प्रकृति के होते हैं। इन पर लिया जाने वाला ब्याज समय-समय पर प्रचलित बाजार दरों पर होता है।

एन. सरकार तथा सरकारी इकाईयों के साथ हुए लेन-देन का प्रकटन (रु. करोड़ में)

| क्र. सं. | सरकार/सरकारी संगठन का नाम | कंपनी के साथ संबंध की प्रकृति | लेन-देन की प्रकृति | मूल्य (रु.) | बकाया शेष 31.03.2026 | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | प्राप्य | देनदारियां |
| 1 | उर्वरक विभाग, भारत सरकार | बहुमत स्वामित्व | वस्तुओं की बिक्री | - | 0.17 | - |
| 2 | उपभोक्ता मामलों का विभाग, भारत सरकार | बहुमत स्वामित्व | दालों का आयात | - | - | 7.30 |
| 3 | भारत सरकार के अन्य विभागं | बहुमत स्वामित्व | वस्तुओं की खरीद/बिक्री | - | 2.62 | 0.39 |
| 4 | सीपीएसईज | भारत सरकार के माध्यम से | वस्तुओं की खरीद/बिक्री | - | 13.72 | 5.96 |
| | कुल | | | - | **16.51** | **13.64** |

**45 भारतीय लेखा मानक (इंड एएस)-116 "लीज" के संबंध में प्रकटन**

**45.1** पट्टेदार के रूप में

ए) वित्तीय पट्टे: अवधि के दौरान कंपनी ने किसी भी प्रकार की वित्तीय लीज व्यवस्था नहीं की है।

बी) आपरेटिंग लीज (रु. करोड़ में)

| | विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|---|
| 1 | संपत्ति के उपयोग के लिए मूल्यह्रास प्रभार | 0.09 | 0.09 |
| 2 | पट्टे देनदारी पर ब्याज खर्च | 0.21 | 0.29 |
| 3 | अल्पावधि पट्टे पर खर्च | 0.13 | 0.24 |
| 4 | कम मूल्य संपत्ति पर खर्च | - | - |
| 5 | पट्टा देनदारी के माप खर्च रहित विभिन्न पट्टा भुगतान से संबंधित खच | - | - |
| 6 | संपत्ति उपयोग के पट्टा उधार अधिकार से प्राप्त आय | - | - |
| 7 | पट्टे के लिए नकद का कुल बर्हिगमन | 0.40 | 0.54 |
| 8 | संपत्ति के उपयोग के अधिकार के अलावा | - | - |
| 9 | रिपोर्टिंग अवधि के अंत में संपत्ति के उपयोग के अधिकार के कैरिंग राशि | 2.39 | 2.48 |

पट्टे देनदारी की परिपक्वता विश्लेषण

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| एक वर्ष के अन्दर | 0.02 | 0.02 |
| एक वर्ष के बाद परन्तु 5 वर्षों के अन्दर | 0.12 | 0.12 |
| 5 वर्षों के बाद | 2.33 | 2.31 |

सी) कंपनी अपने व्यापारिक गतिविधियों को संचालन के लिए संपत्ति के उपयोग के अधिकार का प्रयोग कर रही है।

डी) आईएण्डडी एएस–116 (पट्टे) के प्रावधान के अंतर्गत व्यवहारिक रूप से, कम अवधि वाले पट्टे (12 महीने या उससे कम समय के लिए) और पट्टे जिसकी परिसंपत्ति कम मूल्य पर 1,00,000/– प्रति महीने और रुपये 12,00,000/– प्रति वर्ष तक के शामिल नहीं किए जाते हैं।

**45.2 पट्टादाता के रूप में**

**ए) वित्तीय पट्टेः अवधि के दौरान कंपनी ने किसी भी प्रकार की वित्तीय लीज व्यवस्था नहीं की है।**

**बी) ऑपरेटिंग लीजः**

***रद्द न किए जाने वाले आपरेटिंग पट्टों के तहत भावी न्यूनतम लीज प्राप्य**

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| एक वर्ष के अंदर | 3.72 | 3.63 |
| एक वर्ष के बाद परन्तु 5 वर्षों के अन्दर | 1.36 | 4.42 |
| 5 वर्षों के बाद | - | - |

**46. भारतीय लेखा मानक (इंड एएस)–33 प्रति शेयर अर्जन (ईपीएस) के संबंध में प्रकटन**

**ए) बेसिक व डायल्युटिड ईपीएस**

बेसिक व डायल्युटिड ईपीएस तथा बेसिक ईपीएस की गणना में साधारण शेयरों की संख्या में निम्नलिखित औसत आय व अधिमान अपनाया गया।

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| कंपनी के स्वामियों को वर्ष के दौरान हुए लाभ (हानि) (करोड रु. में) | 212.07 | 69.53 |
| प्रति शेयर बेसिक आय के उद्देश्य के लिए साधारण शेयरों की वेटिड औसत | 1,50,00,00,000 | 1,50,00,00,000 |
| **बेसिक व डायल्युटिड ईपीएएस (रु. में)** | 1.41 | 0.46 |

**47. भारतीय लेखा मानक (इंड एएस)–37 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं तथा आस्मिक परिसंपत्तियों के संबंध में प्रकटन**

(रु. करोड़ में)

| प्रावधान के विवरण | 01.04.2025 को आरंभिक शेष | वर्ष के दौरान समायोजन | वर्ष के दौरान अभिवृद्धि | 31.03.2026 को अंतिम शेष |
|---|---|---|---|---|
| बोनस/पीआरपी | 3.12 | 0.02 | 0.01 | 3.11 |
| मुकदमें बाजी निपटान के लिए प्रावधान | 1,071.62 | 986.27 | 19.17 | 104.52 |

**48. सूक्ष्म, लघु या मध्यम उद्यमों के विवरण, जिनके बकाये के 31 मार्च 2026 के अनुसार कंपनी देनदार है, निम्न है:**

(रु. करोड़ में)

| | | 2025-26 | 2024-25 |
|---|---|---|---|
| ए. | (i) लेखा–वर्ष की समाप्ति में किसी आपूर्तिकर्ता की शेष अप्रदत्त मूलधन राशि | 0.73 | 0.62 |
| | (ii) उपरोक्त पर देय ब्याज | - | - |
| | कुल (i) और (ii) (नोट 18 19 ) | 0.73 | 0.62 |
| बी | अधिनियम की धारा 16 के अनुसार खरीददार द्वारा भुगतान की गई ब्याज की राशि | | |
| सी | भुगतान करने में विलंब अवधि के लिए देय ब्याज की राशि (वर्ष के दौरान जिसका भुगतान अंतिम तिथि के बाद, किया गया है) परंतु कानून के अंतर्गत निर्दिष्ट किए गए ब्याज को बिना जोड़े किया गया है। | - | - |
| डी | प्रत्येक लेखा वर्ष की समाप्ति पर प्रोद्भूत और शेष देय ब्याज की राशि | - | - |
| ई | अनुवर्ती वर्षों में भी आगे का ब्याज की राशि और भुगतान करना है, अधिनियम की धारा 23 के अन्तर्गत कटौती की गई खर्च की अस्वीकृति के उद्देश्य के लिए जब तक लघु उद्यम को उक्त ब्याज राशि वास्तविक में भुगतान किया गया है। | - | - |

49. भारतीय लेखा मानक (इंड एएस)–115 'ग्राहकों के साथ हुई संविदा से राजस्व' के बारे में प्रकटन प्रकटन

ए.(i) ग्राहकों के साथ संविदाएं

ए) कंपनी ने वर्ष के दौरान ग्राहकों के साथ हुई संविदाओं से निम्नलिखित को प्राप्त राजस्व माना है।

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| उत्पादों की बिक्री | 3.41 | 2.69 |
| सेवाओं की बिक्री | - | - |
| अन्य प्रचालन राजस्व | | |
| –दावे | - | - |
| – सब्सिडी | - | - |
| – अर्जित डिस्पैच | - | - |
| – अन्य व्यापार आय | - | - |
| **कुल** | **3.41** | **2.69** |

बी. कंपनी ने ग्राहकों से प्राप्त होने वाली राशि अथवा ग्राहकों के साथ हुई संविदाओं के कारण उत्पन्न होने वाली संविदा परिसंपत्तियों के विरूद्ध होने वाली हानि की राशि माना गया है. जो निम्नानुसार है:–

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| हानि की क्षति | - | - |

ii) राजस्व का विभाजन

कंपनी ने अपने ऑपरेटिंग सेगमेंट की खनिजों, बहुमूल्य धातुओं, कृषि उत्पादों, कोल व हाईड्रोकार्बन, उर्वरक तथा सामान्य व्यापारअन्य के रूप में पहचान की है। ग्राहकों के साथ हुई संविदाओं से अर्जित हुए सेग्मेंटवाइज राजस्व तथा उसका कुल राजस्व में अनुपात निम्नानुसार है–

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | कुल राजस्व का प्रतिशत | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए | कुल राजस्व का प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| बहुमूल्य धातुएं | 0.73 | 21.47% | 0.00 | 0.05% |
| धातुएं | - | - | - | - |
| खनिज | - | - | - | - |
| कोल व हाइड्रोजन | - | - | - | - |
| कृषि उत्पाद | | | | |
| उर्वरक | 0.05 | 1.49% | - | - |
| अन्य | 2.63 | 77.04% | 2.69 | 99.95% |
| **कुल** | **3.41** | **100.00%** | **2.69** | **100.00%** |

iii) संविदा शेष

(ए) प्राप्य

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| आरंभिक शेष | 509.00 | 512.52 |
| वर्ष के दौरान वृद्धि / कमी | (166.93) | (3.52) |
| **अंतिम शेष** | **342.07** | **509.00** |

बी) संविदा परिसंपत्तियां

कंपनी संविदा परिसंपत्तियों की पहचान तब करती है जब इसे इस बात की तसल्ली हो जाती है कि इसने ग्राहक को माल अथवा सेवाओं के ट्रांसफर करने के दायित्व को पूरा कर दिया है तथा प्रतिफल के प्राप्त होने का अधिकार सुनिश्चित हो जाता है। इसके लिए कंपनी को प्रतिफल प्राप्त होने से पूर्व कुछ शर्तें पूरी करनी होती है। एक व्यापारिक कंपनी होने के नाते कंपनी को अपने ग्राहकों को उस माल अथवा सेवा का ट्रांसफर करना होता है जिसके लिए इसने अपनी वचनबद्धता दी है। कंपनी की ऐसी कोई देयता नहीं है जिसको इसने पूरा नहीं किया है।

सी) संविदा देयताएं

ग्राहकों के साथ संविदा हो जाने के बाद कंपनी को ग्राहकों से प्राप्त होने वाली ईएमडी, सिक्युरिटी डिपोजिट, मार्जिन राशि, कस्टम ड्यूटी इत्यादि के भुगतान के लिए एडवांस को "अन्य वित्तीय देयताएं तथा अन्य देनदारियों" के अंतर्गत ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम के रूप में दर्शाया जाता है।

(रु. करोड़ में)

| विवरण | 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए | 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए |
|---|---|---|
| आरंभिक शेष | 241.34 | 267.21 |
| जोड़ें : वर्ष के दौरान वृद्धि | 0.15 | 0.06 |
| घटाएं : कटौती (रिफंड / समायोजन) | 200.62 | 25.93 |
| घटाएं : राजस्व जिसे वर्ष के दौरान आरंभिक शेष का हिस्सा माना गया है | - | - |
| **अंतिम शेष** | **40.87** | **241.34** |

वर्ष के दौरान पूर्व अवधि से संबंधित ग्राहकों को डेबिटरुक्रेडिट नोट्स बनाकर कार्यनिष्पादन की देयता को पूरा किया हुआ दिखाकर राजस्व की प्राप्ति 'शून्य' करोड़ रुपए (गत वर्ष शून्य करोड़ रुपए) दर्शाया गया है।

कंपनी ने वर्ष के दौरान डिस्काउंट, रिबेट, रिफंड, क्रेडिट, मूल्य छूट, कार्यनिष्पादन प्रोत्साहन बोनस इत्यादि की राशि राजस्व में शून्य करोड़ रुपए (गत वर्ष शून्य करोड रुपए) माना है जिसके लिए संविदा राजस्व के विरूद्ध शून्य करोड़ रुपए (गत वर्ष शून्य करोड रुपए) का समायोजन किया है।

**(डी) व्यवहारिक दृष्टिकोण**

वर्ष के दौरान कंपनी ने अपने ग्राहकों के साथ कुछ ऐसी बिक्री संविदाएं की है जिनके कुछ हिस्से का निष्पादन किया जाना शेष है, इस संबंध में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए इसका खुलासा नहीं किया गया है। इस प्रकार की संविदा की अवधि एक वर्ष से कम है अथवा प्रतिफल की प्राप्ति का अधिकार कंपनी द्वारा परफार्मेंस पूरी करने के बाद उत्पन्न होगा।

**(बी). इस मानक के अनुप्रयोग में महत्वपूर्ण निर्णय**

(i) कंपनी द्वारा राजस्व की पहचान उस स्थिति में की जाती है जब कंपनी अपने ग्राहकों के साथ किए गए वादे के अनुसार माल अथवा सेवा देने के कार्य को पूरा करती है। परिसंपत्ति, माल सेवाओं को तब ट्रांसफर किया हुआ माना जाता है जब ग्राहक संबंधित परिसंपत्तिध्मालधसेवाओं पर अपना नियंत्रण प्राप्त कर लेता है।

(ii) कंपनी अपने लेन देन के मूल्य का निर्धारण अनुबंध की शर्तों तथा परंपरागत व्यावसायिक प्रथाओं के अनुसार करती है। लेन देन का मूल्य वह प्रतिफल होता है जो एक कंपनी ग्राहक को वादे के अनुसार माल अथवा सेवा का ट्रांसफर करने के बाद अधिकार प्राप्त करती है। इस मूल्य में तीसरे पक्ष की ओर से प्राप्त की गई राशि (उदाहरणार्थ जीएसटी इत्यादि) शामिल नहीं होती है।

(iii) ग्राहक के साथ तय की गई संविदा में तय किए गए प्रतिफल की राशि निश्चित अथवा परिवर्तनशील अथवा दोनों प्रकार की हो सकती है। यदि इसमें किसी प्रकार के समायोजन की आवश्यकता होती है तो इसके लिए ग्राहक के नाम पर डेबिटध्क्रेडिट नोट तैयार किया जाता है। परिवर्तनशील प्रतिफल की स्थिति में लेनदेन मूल्य पर पड़ने वाले प्रभाव का निर्धारण करते समय परिवर्तनशील प्रतिफल के अनुमान संविदा में महत्वपूर्ण वित्तीय घटक, गैर नकदी प्रतिफल तथा ग्राहक को देय प्रतिफल पर भी विचार किया जाता है।

(iv) वर्ष के दौरान संविदा के मूल्य में कुछेक समायोजन किए गए हैं जो राशि की मात्रा को ध्यान में रखते हुए विशेष महत्व के नहीं है।

**सी. ग्राहक के साथ की गई संविदा को प्राप्त करने अथवा उसे पूरा करने की लागत को परिसंपत्ति माना गया।**

एक व्यापारिक कंपनी होने के नाते कंपनी द्वारा खर्च की गई राशि निश्चित प्रकृति की होती है अतः ग्राहक के साथ की जाने वाली संविदा अथवा संविदा के दायित्व को पूरा करने में इस राशि में कोई बढोत्तरी नहीं होती है। इस स्थिति में एक प्रेक्टिकल दृष्टिकोण के तहत लाभ तथा हानि विवरण में शामिल किया जाता है।

**50. कंपनी के नाम पर न रखी गई अचल संपत्ति के मालिकाना हक के दस्तावेजः (खुलासे संबंधी नोट्स)**

| तुलन पत्र में संबंधित लाईन मद | परिसंपत्ति की मद का विवरण | सकल कैरिंग मूल | नाम पर टाइटल डीड | क्या टाइटल डीड धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर के कर्मचारी, प्रमोटर / निदेशक के रिश्तेदार हैं | परिसंपत्ति किस तिथि / आवंटन तिथि से स्वामित्व में है | कंपनी के नाम नहीं होने का कारण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पीपीई | लीज होल्ड भूमि | 0.81 | स्कोप, नई दिल्ली | - | 13.12.2000 | स्कोप के एलएंडडीओ के साथ लीज एग्रीमेंट किया जाना बाकी है |
| पीपीई | कार्यालय भवन | 1.69 | स्कोप, नई दिल्ली | - | 13.12.2000 | स्कोप के एलएंडडीओ के साथ लीज एग्रीमेंट किया जाना बाकी है |
| पीपीई | लीज होल्ड भूमि | 0.06 | दिल्ली विकास प्राधिकरण | - | 17.04.1965 | शाश्वत पट्टा |
| पीपीई | स्टॉफ क्वार्टर | 0.02 | दिल्ली विकास प्राधिकरण | - | 17.04.1965 | शाश्वत पट्टा |

नोट नं. 3(सी) देखें

51. वित्तीय अनुपात

| विवरण | न्यूमरेटर | डिनोमिनेटर | 31.3.2026 को अनुपात | 31.3.2025 को अनुपात |
|---|---|---|---|---|
| चालू अनुपात (गुणक में) | चालू परिसंपत्तियां | चालू देयताएं | 3.40 | 1.67 |
| डेट ईक्विटी अनुपात (गुणक में) | कुल डेट | शेयरहोल्डर ईक्विटी | - | - |
| डेट सर्विस कावरेज अनुपात (गुणक में) | डेट सर्विस के लिए उपलब्ध अर्जन | डेट सर्विस | 502.09 | 17.87 |
| ईक्विटी अनुपात पर रिटर्न (प्रतिशत में) | कर के बाद शुद्ध लाभ | औसत शेयरहोल्डर ईक्विटी | 0.20 | 0.05 |
| व्यापार प्राप्य कारोबार अनुपात (गुणक में) | नेट क्रेडिट क्रय | औसत व्यापार प्राप्य | 2.77 | - |
| शुद्ध लाभ अनुपात (प्रतिशत में) | शुद्ध लाभ | शुद्ध बिक्री | 113.60 | 32.20 |
| नियोजित पूंजी कारोबार अनुपात (गुणक में) | ब्याज और कर से पूर्व अर्जन | नियोजित पूंजी | 0.30 | 0.07 |
| निवल पूंजी कारोबार अनुपात (गुणक में) | शुद्ध बिक्री | कार्यशील पूंजी | 0.00 | 0.00 |
| व्यापार प्राप्य कारोबार अनुपात (गुणक में) | नेट क्रेडिट बिक्री | औसत लेखा प्राप्य | 0.05 | 0.02 |
| निवेश पर रिटर्न (प्रतिशत में) | निवेश से आय | समय भारित औसत निवेश | 2.11 | 5.35 |
| इंवेन्ट्री टर्नओवर अनुपात (गुणक में) | बेचे गये या बिके सामान की लागत | औसत इंवेन्ट्री | 18.84 | 7.48 |

1. देय उधार नहीं
2. वर्ष के दौरान क्रय के कारण
3. वर्ष के दौरान बिक्री में कमी के कारण।
4. वर्ष के दौरान सावधि जमा से ब्याज आय में कमी के कारण

52. **अन्य वैधानिक सूचना–**

ए) कंपनी के पास कोई बेनामी संपत्ति नहीं है, जहां कोई बेनामी संपत्ति रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही शुरू की गई है या लंबित है।

बी) कंपनी का बंद कंपनियों के साथ कोई लेनदेन नहीं है

सी) कंपनी के पास कोई शुल्क या संतुष्टि नहीं है जो अभी तक आरओसी के साथ वैधानिक अवधि के बाद पंजीकृत नहीं है

डी) कंपनी ने वित्तीय वर्ष के दौरान क्रिप्टो मुद्रा या वर्चुअल मुद्रा में व्यापार या निवेश नहीं किया है

ई) कंपनी ने विदेशी संस्थाओं सहित किसी अन्य व्यक्ति या इकाई को इस सोच के साथ उन्नत या ऋण या निवेश नहीं किया है कि मध्यस्थः

- प्रत्यक्ष वा परोक्ष रूप से कंपनी (अंतिम लाभार्थी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में निवेश करें उभार दे या
- अंतिम लाभार्थियों को या उनकी ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की कोई गारंटी प्रदान करें।

एफ) कंपनी को विदेशी संस्थाओं (फंजिग पार्टी) सहित किसी भी व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (संस्थाओं) से कोई फंड प्राप्त नहीं हुआ है, (चाहे लिखित रूप में गा अन्यथा दर्ज किया गया हो) कि कंपनी

- – प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में किसी भी तरह से या फंडिग पार्टी (अंतिम लानार्थी) की ओर से या किसी भी तरह से पहचान में उधार या निवेश करें या
- –अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस तरह की अन्य सुविधाएं प्रदान करें

जी) आयकर अधिनियम 1961 के प्रासंगिक प्राकयान के अनुसार कंपनी का ऐसा कोई लेन–देन नहीं है जो आयकर अधिनियम, 1961 (जैसे, खोज या सर्वेक्षण या कोई अन्य) के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान आय के रूप में सरेंडर या प्रकट किए गए खातों की पुस्तकों में दर्ज नहीं है।

एच) कंपनी अधिनियम की धारा 2(87) के तहत निर्धारित स्तरों की संख्या के उल्लंघन में नहीं है

आई) कंपनी अधिनियम की धारा 230 से 237 के संदर्भ में सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किसी भी व्यवस्था की योजना में शामिल नहीं हुई है

जे) कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान द्वारा विलफुल डिफॉल्टर घोषित नहीं किया गया है

53. कुछ व्यापार प्राप्य व्यापार देव, लघु और दीर्घकालिक ऋण और अग्रिम, अन्य गैर–चालू और बालू संपत्ति के खाते पुष्टि/समाधान और समायोजन, यदि कोई हो, के अधीन हैं। प्रबंधन चालू वर्ष के वित्तीय विवरणों को प्रभावित करने वाले किसी भी तोस अंतर की अपेक्षा नहीं करता है।

प्रबंधन की राय में, संपत्ति संयंत्र और उपकरण के अलावा अन्य संपत्ति, अमूर्त संपत्ति और गैर–चालू निवेश से उस राशि की वसूली की उम्मीद की जाती है जिस पर उन्हें बताया गया है, अगर व्यापार के सामान्य पाठवक्रम में और सभी ज्ञात देनदारियों के प्रावधान के लिए लेखा पुस्तकों में पर्याप्त रूप से किया गया है।

54. सार्वजनिक उद्यम विभाग (भारत सरकार) द्वारा जारी दिशा निर्देश के अनुसार, पूरा समय निदेशकों को रु. 3,500 प्रति माह के भुगतान पर निजी उपयोग के लिए प्रति माह 1,000 किलोमीटर तक स्टाफ कारों के उपयोग की अनुमति दी जाती है।

55. संलग्न लेखा नीतियों तथा नोट्स वित्तीय विवरणों का अभिन्न अंग है।

56. वित्तीय विवरणों में रकम रु. करोड़ (दो दशमलव तक) में दिखाई गई है, सिवाय प्रति शेयर डेटा और जहां अन्यथा बताया गया हो। रु. करोड़ में समाप्त करने के कारण कुछ छोटी रकम वित्तीय विवरण में नहीं दिख सकती हैं। पिछले साल के आंकड़ों को जहां जरूरी समझा गया, वहां पुनर्वर्गीकृत / पुर्नव्यवस्थित किया गया है। डेटा का पुनर्समूहन / पुर्नव्यवस्थित केवल वित्तीय विवरणों में प्रस्तुति के विशिष्ट उद्देश्य के लिए है और इससे एमएमटीसी के कानूनी स्थिति प्रभावित नहीं होती। एमएमटीसी लागू कानूनों के तहत अपने सभी अधिकार सुरक्षित रखती है।

57. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 (3) के अनुसार निर्धारित फॉर्म एओसीएंडआई में सहायक कंपनियों / सहयोगी कंपनियों / संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरणों की मुख्य विशेषताओं वाला विवरण प्रपत्र एओसी– । में अनुलग्नक–ए में संलग्न है।

58. **वित्तीय विवरणों का अनुमोदन**

वित्तीय विवरणों को निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदन किया गया तथा इन्हें दिनांक 29.05.2026 को जारी करने के लिए अधिकृत किया गया।

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

**निदेशक मंडल के लिए तथा उसकी ओर से**

**कृते दिनेश जैन एण्ड एसोसिएटस**
चार्टर्ड एकाउंटेंटस
एफ.आर. नं.: 004885N

| | | | |
|---|---|---|---|
| **(सीए नेहा जैन)** | **(अजय कुमार मिश्रा)** | **(बी. डी. दास)** | **(अनूपा शंकरनकुट्टी नायर)** |
| पार्टनर | कम्पनी सचिव | उप महाप्रबंधक (वित्तले) | निदेशक (वित्त) |
| एम. नं. 514725 | एसीएस-11499 | | डीआईएन : 11138663 |

**दिनांक : 29.05.2026**
**स्थान : नई दिल्ली**

| | |
|---|---|
| **(जतिन्दरजीत सिंह मान)** | **(नितिन कुमार यादव)** |
| निदेशक (विपणन) | सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) |
| डीआईएन 11535429 | डीआईएन : 03104045 |

अनुलग्नक–ए

## एओसी–I

## सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरणों की मुख्य विशेषताओं वाला विवरण/ सहयोगी कंपनियाँ/संयुक्त उद्यम

(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129(3) के अनुसार)

| | भाग "ए": सहायक कंपनियाँ | ( रु. करोड़ में) |
|---|---|---|
| 1 | क्रम संख्या | 1 |
| 2 | सहायक कंपनी का नाम | एमएमटीसी अंतर्राष्ट्रीय पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर |
| 3 | संबंधित सहायक कंपनी के लिए रिपोर्टिंग अवधि, यदि होल्डिंग से भिन्न हो कंपनी की रिपोर्टिंग अवधि | एनए |
| 4 | प्रासंगिक की अंतिम तिथि के अनुसार मुद्रा और विनिमय दर की रिपोर्टिंग करना विदेशी सहायक कंपनियों के मामले में वित्तीय वर्ष | अमेरिकी डॉलर, एक्सचेंज दर रु. 80.3563 (औसत दर) |
| 5 | शेयर पूंजी | - |
| 6 | आरक्षित निधि एवं अधिशेष | - |
| 7 | कुल परिसंपत्ति | - |
| 8 | कुल देनदारियाँ | - |
| 9 | निवेश | - |
| 10 | कारोबार | - |
| 11 | कराधान से पहले लाभ | - |
| 12 | कराधान का प्रावधान | - |
| 13 | कराधान के बाद लाभ | - |
| 14 | प्रस्तावित लाभांश | लागू नहीं |
| 15 | शेयरधारिता का प्रतिशत | 100 |
| a) | उन सहायक कंपनियों के नाम जिन्होंने अभी तक परिचालन शुरू नहीं किया है | लागू नहीं |
| b) | उन सहायक कंपनियों के नाम जिन्हें वर्ष के दौरान समाप्त या बेच दिया गया है | लागू नहीं |

एओसी–I

| भाग "बी" : सहयोगी और संयुक्त उद्यम | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सहयोगियों / संयुक्त उद्यमों का नाम | | फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड | एमएमटीसी पम्प इंडिया प्राइवेट लिमिटेड | सिकाल आयरन ओर टर्मिनल लिमिटेड | एमएमटीसी गीतांजलि लिमिटेड |
| 1. | नवीनतम लेखापरीक्षित तुलन पत्र तिथि | 31.03.2022* | 31.3.2026 | 31.03.2021* | 31.03.2017** |
| 2. | वर्ष के अंत में कंपनी द्वारा धारित एसोसिएट / संयुक्त उद्यमों के शेयर | | | | |
| | **संख्या** | 5000 | 17446000 | 33800000 | 2987400 |
| | एसोसिएट्स / संयुक्त उद्यम में निवेश की राशि | 0.01 | 17.45 | 33.80 | 2.99 |
| | **होल्डिंग का विस्तार :** | 50% | 26% | 26% | 26% |
| 3. | महत्वपूर्ण प्रभाव कैसे पड़ता है इसका विवरण | इक्विटी | इक्विटी | इक्विटी | इक्विटी |
| 4. | सहयोगी / संयुक्त उद्यम समेकित न होने का कारण | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं | लागू नहीं |
| 5. | नवीनतम लेखापरीक्षित तुलन पत्र के अनुसार शेयरधारिता के कारण निवल मूल्य | (19.68) | 294.58 | 33.78 | 1.82 |
| 6 | वर्ष के लिए लाभ / (हानि) | | | | |
| i. | समेकन में विचार किया गया | - | 175.45 | - | - |
| ii. | द्वितीय समेकन में विचार नहीं किया गया | - | - | - | - |
| क) | उन सहयोगियों या संयुक्त उद्यमों के नाम जिनका परिचालन अभी शुरू होना बाकी है। | | | | शून्य |
| ख) | उन सहयोगियों या संयुक्त उद्यमों के नाम जिन्हें वर्ष के दौरान समाप्त या बेच दिया गया है | | | | शून्य |

* 31.03.2026 को समाप्त वर्ष के लिए संयुक्त उद्यम कंपनी से वित्तीय विवरण प्राप्त नहीं हुए हैं। संयुक्त उद्यम कंपनी की नवीनतम लेखापरीक्षित तुलन पत्र 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए है। विस्तृत जानकारी नोट संख्या 41 में दी गई है।

** 31.03.2026 को समाप्त वर्ष के लिए संयुक्त उद्यम कंपनी से वित्तीय विवरण प्राप्त नहीं हुए हैं। संयुक्त उद्यम कंपनी की नवीनतम लेखापरीक्षित तुलन पत्र 31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए है। विस्तृत जानकारी नोट संख्या 41 में दी गई है।

भाग–III के अनुसार अतिरिक्त जानकारी – समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए सामान्य निर्देश

| क्र. सं. | इकाई का नाम | शुद्ध परिसंपत्तियां, अर्थात कुल परिसंपत्तियां घटा कुल देयताएं | | लाभ या हानि में हिस्सेदारी | | अन्य व्यापक आय में हिस्सेदारी | | कुल व्यापक आय में हिस्सेदारी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | समेकित शुद्ध परिसंपत्तियां के प्रतिशत के रूप में | राशि (करोड़ रु. में) | समेकित लाभ या हानि के प्रतिशत के रूप में | राशि (करोड़ रु. में) | समेकित अन्य विस्तृत आय के प्रतिशत के रूप में | राशि (करोड़ रु. में) | विस्तृत आय के प्रतिशत के रूप में | राशि (करोड़ रु. में) |
| | पेरेंट्स | | | | | | | | |
| | एमएमटीसी लिमिटेड | 80.12 | 1699.10 | 54.74 | 212.06 | 99.56 | 31.00 | 58.08 | 243.06 |
| | | | | | | | | | |
| 1 | एमएमटीसी ट्रांसनेशनल प्राइवेट लिमिटेड सिंगापुर | - | - | - | - | - | - | - | - |
| 2 | गैर–नियंत्रित ब्याज | - | - | | | | | | |
| | संयुक्त उद्यम–भारतीय (इक्विटी पद्धति के अनुसार निवेश) | | | | | | | | |
| 1 | फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड | - | - | - | - | - | - | - | - |
| 2 | एमएमटीसी पम्प इंडिया प्राइवेट लिमिटेड | 19.88 | 421.59 | 45.26 | 175.31 | 0.44 | 0.14 | 41.92 | 175.45 |
| 3 | सिकाल आयरन ओर टर्मिनल लिमिटेड। | - | - | - | - | - | - | - | - |
| 4 | एमएमटीसी गीतांजलि लिमिटेड। | - | - | - | - | - | - | - | - |
| | कुल | **100.00** | **2,120.68** | **100.00** | **387.37** | **100.00** | **31.14** | **100.00** | **418.51** |

अनुलग्नक

एमएमटीसी लिमिटेड के संयुक्त उद्यमों/सहायक कंपनी का विवरण

| क्र.सं. | कंपनी का नाम | जेवी/सब्सिडी | स्थिति |
|---|---|---|---|
| 1. | एमएमटीसी गीतांजलि लिमिटेड | संयुक्त उद्यम | निजी संस्थाएँ |
| 2. | एमएमटीसी पैम्प इंडिया प्राइवेट लिमिटेड | संयुक्त उद्यम | निजी संस्थाएँ |
| 3. | एसआईसीएएल आयरन ओर टर्मिनल लिमिटेड | संयुक्त उद्यम | निजी संस्थाएँ |
| 4. | फ्री ट्रेड वेयर–हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड | संयुक्त उद्यम | निजी संस्थाएँ |
| 5. | एमएमटीसी ट्रांसनेशनल पीटीई लिमिटेड | सहायक | विदेशी देश में निगमित |

# लेखा परीक्षक

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय ने अपना पत्र संख्या सीए दर्ज किया। वी/सीओवाई/केंद्र सरकार, एमएमटीसी (10)/155 दिनांक 10 सितंबर 2025 ने वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 139 के तहत कंपनी के लेखा परीक्षकों की नियुक्ति की सूचना दी है। विवरण नीचे दिया गया है:–

| फर्म का नाम | स्थान | लेखा परीक्षक का विवरण |
|---|---|---|
| वैधानिक लेखा परीक्षक | | |
| दिनेश जैन एंड एसोसिएट्स | एसआरओ सहित सीओ और आरओ दिल्ली | एसआरओ सीओ नई दिल्ली (विदेश कार्यालयों सहित) माईका डिवीजन का कार्यालय, सभी शाखाओं का समेकन और विलय, दिल्ली आरओ |
| **शाखा लेखा परीक्षक** | | |
| एपी दोशी एंड कंपनी एलएलपी | मुंबई | आरओ के तहत उप–कार्यालयों/वितरण केंद्रों सहित मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय |
| शार्प और तन्नान | चेन्नई | चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय और माईका डिवीजन जिसमें गुडूर भी शामिल है (उप–कार्यालय और वितरण केंद्र सहित) |
| सुधाकर और कुमार एसोसिएट्स | विशाखापत्तनम | आरओ के तहत विशाखापत्तनम क्षेत्रीय कार्यालय उप कार्यालय/वितरण केंद्र |
| पुंडारिकाश्याम एंड एसोसिएट्स | हैदराबाद | हैदराबाद शाखा कार्यालय (उप–कार्यालयों और वितरण केंद्रों सहित) |

# एमएमटीसी कार्यालय

**कॉर्पोरेट कार्यालय**
एमएमटीसी लिमिटेड, कोर 1, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7 इंस्टीट्यूशनल एरिया,
लोदी रोड, नई दिल्ली–110 003
फोन: 91–11–24362200, ईमेल: mmtc@mmtclimited.com
वेबसाइट: www.mmtclimited.com

## कैम्प कार्यालय

| | |
|---|---|
| उत्तरी क्षेत्र | **दिल्ली कैंप कार्यालय**<br>द्वारा, एमएमटीसी लिमिटेड, कोर 1– 7वीं मंजिल, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7 इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003<br>टेलीफोन–011–24362200<br>ईमेल: head jic@mmtclimited.com |
| दक्षिणी क्षेत्र | **चेन्नई कैंप कार्यालय**<br>एस्सार हाउस, 6, एस्प्लांडे, चेन्नई–600108 (तमिलनाडु)<br>फोन: 044–25341942, 25341938, फैक्स: 044–25340544, 25340317<br>ईमेल: head chennai@mmtclimited.com<br>एसआरओएस / एफओ: बेंगलुरु |
| | **बेंगलुरु कैंप कार्यालय**<br>एमएमटीसी लिमिटेड, डी 3 / 216 दूसरी मंजिल, कैलाश अपार्टमेंट,<br>9वां क्रॉस, 8वां मुख्य मल्लेश्वरम, बेंगलुरु–560003 |
| | **विजाग कैंप कार्यालय**<br>एमएमटीसी भवन, पोर्ट एरिया, पीबी नंबर 132, विशाखापत्तनम–530035<br>(आंध्र प्रदेश) फोन: पीबीएक्स: 0891–2562356, 2562771<br>फैक्स: 0891–2562611<br>ईमेल: mmtcvizag@mmtclimited.com |
| | **हैदराबाद कैंप कार्यालय**<br>9–1–76 से 77 / 1 / बी, तीसरी मंजिल, एसडी रोड, सिकंदराबाद–500003<br>फोन: 040–27804033, फैक्स: 040–27804038, 27725401<br>ईमेल: mmtchyd@mmtclimited.com |
| पश्चिमी क्षेत्र | **मुंबई कैंप कार्यालय**<br>एमएमटीसी हाउस, सी–22, ई–ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स,<br>बांद्रा ईस्ट, मुंबई–400051<br>फोन: 022–26572437,26594100, 26573193, 61214500<br>फैक्स: 022–26572541, 26572807<br>ईमेल: head mumbai@mmtclimited.com, mmtcmumbai@mmtclimited.com<br>एसआरओएस / एफओ: अहमदाबाद |
| पूर्वी क्षेत्र | **भुवनेश्वर कैंप कार्यालय**<br>आलोक भारती कॉम्प्लेक्स, 7वीं मंजिल, साबिद नगर, भुवनेश्वर–751007 (ओडिशा)<br>टेलीफोन: 0874–2546848, 2518517, 2503336, 2544783<br>फैक्स: 0874–2546847, 2512832<br>ईमेल: head bhubaneswar@mmtclimited.com, mmtcbbsr@mmtclimited.com |

Note :

Note :



एम एम टी सी
लि मि टे ड
MMTC
LIMITED
भारत सरकार का उपक्रम
A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE
*touching lives, adding value*

**CORPORATE OFFICE :**
Core-1, SCOPE Complex, 7 Institutional Area, Lodhi Road, New Delhi - 110003

कारपोरेट कार्यालय :
कोर–1, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7 इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड़, दिल्ली–110003

Concept Designed & Printed by Awedience Connect Pvt. Ltd.